श्री
अथ
तुलसिदास
कृत
रामायण
बालकांड
प्रारंभः


गण·
स·
पा·
शं·
ऋ·
ग·
सु·
कौ·
व·
द·रा·
रा·ल·भ·श·
तुल·
ऋ·

श्री

श्रीगणेशायनमः

श्रीसरस्वत्यैनमः

अथबालकांडलिष्यते.

श्लोक

वर्णानामर्थसंघानांरसानांछंदसामपि ।।मंगलानांचकर्त्तारौवं
देवाणीविनायकौ ।।१।।भवानीशंकरौवंदेश्रद्धाविश्वासरूपिणौ।।
याभ्यांविनानपश्यंतिसिद्धास्स्वांतस्थमीश्वरम् ।।२।।वंदेबोधमयं
नित्यंगुरुंशंकररूपिणम् ।।यमाश्रितोहिवक्रोऽपिचंद्रःसर्वत्रवंद्य
ते ।।३।।सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्यविहारिणौ ।। वंदेविशुद्ध
विज्ञानकवीश्वरकपीश्वरौ ।।४।।उद्भवस्थितिसंहारकारिणींक्लेश
हारिणीम् ।।सर्वश्रेयस्करींसीतांनतोऽहंरामवल्लभाम् ।।५।।यन्मा
यावशवर्त्तिविश्वमखिलंब्रह्मादिदेवाःसुरा,यत्सत्वादमृषैवभातिस
कलंरज्जौयथाऽहेर्भ्रमः।।यत्पादप्लवमेकमेवहिभवांभोधेस्तितीर्षाव
तांवंदेहंतमशेषकारणपरंरामाख्यमीशंहरिम् ।।६।।नानापुराण
निगमागमसंमतंयद्रामायणेनिगदितंक्वचिदन्यतोपि ।।स्वांतःसु
खायतुलसीरघुनाथगाथाभाषानिबंधमतिमंजुलमातनोति ।।७।।
।। सोरठा ।।जेहिसुमिरतसिधिहोइ।।गणनायककरिवरबद
न ।।करउअनुग्रहसोइ ।।बुद्धिराशिशुभगुणसदन ।।१।।मूकहो
इबाचाल ।।पंगुचढैगिरिवरगहन।।जासुकृपासुदयाल ।।द्रवौस
कलकलिमलदहन ।।२।।नीलसरोरुहश्याम ।।तरुणअरुणवा
रिजनयन।।करौसोममउरधाम ।।सदाक्षीरसागरशयन ।।३।।कुं
दइंदुसमदेह।।उमारमणकरुणायतन।।जाहीदीनपरनेह।।करौ

कृपामृदनमयन ॥४॥वंदौगुरुपदकंज॥कृपासिंधुनररूपहरि॥
महामोहतमपुंज॥जासुकवनरविकरनिकर॥५॥ ॥चौपाई॥
वंदौगुरुपदपदुमपरागा॥सुरुचिसुवाससरसअनुरागा॥अमिय
मूरिमयचूरणचारू॥शमनसकलभवरुजपरिवारू॥सुकृतशंभु
तनबिमलबिभूती॥मंजुलमंगलमोदप्रसूती॥जनमनमंजुमुकुरम
लहरणी॥कियेंतिलकगुणगणबशकरणी॥श्रीगुरुपदनखमणिग
णज्योती॥सुमिरतदिव्यदृष्टिहियहोती॥दलनमोहतमसप्रकाशू
॥बडेभाग्यउरआवहिंजाशू॥उघरहिंबिमलबिलोचनहियके॥मिट
हिंदोषभवदुखरजनीके॥सूझहिंरामचरितमणिमाणिक॥गुप्तप्रगट
जहांजोजेहिखानिक॥ ॥दोहा॥ ॥यथासुअंजनआंजिदृग॥सा
धकसिद्धसुजान॥कौतुकदेखहिंशैलबन॥भूतलभूरिनिधान॥६॥
चौपाई॥ ॥गुरुपदरजमृदुमंजुलअंजन॥नयनअमियदृगदोष
विभंजन॥तेहिकरिबिमलबिबेकबिलोचन॥वरणौरामचरितभव
मोचन॥वंदौप्रथममहीसुरचरणा॥मोहजनितसंशयसबहरणा
॥सुजनसमाजसकलगुणखानी॥करहुंप्रणामसप्रेमसुबानी॥सा
धुचरितशुभसरिसकपासू॥निरसबिशदगुणमयफलजासू॥सो
सहिदुखपरछिद्रदुरावा॥वंदनीयजेहिजगयशपावा॥मुदमंगल
मयसंतसमाजू॥ज्योंजगजंगमतीरथराजू॥रामभक्तिजहंसुरसरि
धारा॥सरस्वतीब्रह्मविचारप्रचारा॥विधिनिषेधमयकलिमलहरणी
कर्मकथारविनंदिनिबरणी॥हरिहरकथाबिराजतिबेनी॥सुनतस
कलमुदमंगलदेनी॥वटविश्वासअचलनिजधर्मा॥तीरथराजस-
माजसुकर्मा॥सबहिंसुलभसबदिनसबदेशा॥सेवतासादरशम
नकलेशा॥अकथअलौकिकतीरथराऊ॥देइसद्यफलप्रगटप्रभाऊ॥
॥दोहा॥ ॥सुनिसमुझहिंजनमुदितमन॥मज्जहिंअतिअनुरा

राग ॥ लहहिंचारिफलम्भक्षततनु। साधुसमाजप्रयाग ॥ ७ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ मज्जनफलदेखियततकाला ॥ काकहोहिंपिकबकहीम
राला ॥ सुनिआश्चर्यकरहिंजनिकोई ॥ सतसंगतिमहिमानहिगोई
॥ बालमीकनारदघटयोनी ॥ निजमुखकहीननिजहोनी ॥ जलचर
थलचरनभचरनाना ॥ जेजडचेतनजीवजहाना ॥ मतिकीरतिगति
भूतिभलाई ॥ जबजेहिजतनजहांजेहिपाई ॥ जोजानबसतसंगप्रभाऊ
॥ लोकहुंबेदनआनउपाऊ ॥ बिनुसतसंगबिबेकनहोई ॥ रामकृपाबि
नुसुलभनसोई ॥ सतसंगतिमुदमंगलमूला ॥ सोइफलसिधिसबसा
धनफूला ॥ शठसुधरहिंसतसंगतिपाई ॥ पारसपरसिकुधातुसोहो
इ ॥ बिधिबशसुजनकुसंगतिपरहीं ॥ फणिमणिसमनिजगुणअनु
सरहीं ॥ बिधहरिहरकविकोविदवाणी ॥ कहतसाधुमहिमासकुचा
णी ॥ सोमोहिसनकहिजातनकैसे ॥ शाकवणिकमणिगुणगणजैसे
॥ दोहा ॥ बंदोंसंतसमानचित ॥ हितअनहितनहिकोऊ ॥ अंज
लिगतशुभसुमनजिमि ॥ समसुगंधकरदोऊ ॥ ८ ॥ संतसरलचि
तजगतहित ॥ जानिसुभावसनेहु ॥ बालबिनयसुनिकरिकृपा ॥ राम
चरणरतिदेहु ॥ ९ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ बहुरिबंदिखलगुणसतिभ
ए ॥ जेबिनुकाजदाहिनेबाए ॥ परहितहानिलाभजिन्हकेरे ॥ उज
रहर्षबिषादबिसेरे ॥ हरिहरयशराकेशराहुसे ॥ परअकाजभटस
हसबाहुसे ॥ जेपरदोषलषहिंसतसाखी ॥ परहितघृतजिनकेमनमा
खी ॥ तेजकृशानुरोषमहिशेषा ॥ अघअबगुणधनधनिकधनेशा ॥
उदयकेतुसमहितसबहीके ॥ कुंभकरणसमसोवतनीके ॥ परअका
जलगितनुपरिहरहीं ॥ जिमिहिमउपलहर्षीदिलगरहीं ॥ बंदोंखल
जसशेषसरोषा ॥ सहसबदनबरणेपरदोषा ॥ पुनिप्रणवौंपृथुराजस
माना ॥ परअघसुनेसहसदसकाना ॥ बहुरिशक्रसमबिनवौंतेही ॥

संततसुरानीकहूतजेही ॥बचनबज्जजेहिंसदापियारा॥सहसनयन परदोषनिहारा॥ ॥दोहा॥ ॥उदासीनअरिमित्र ॥सुनतजरहिं खलरीति॥जानुपाणियुगजोरिकरि ॥बिनतीकरिसप्रीति॥ १० ॥ ॥चौपाई॥ ॥मैंअपनदिशिकीन्हनिहोरा॥तिननिजओरनलाउ वभोरा॥बायसपालियअतिअनुरागा ॥होइनिरामिषकबहुकिला गा॥बंदौसंतअसज्जनकरणा ॥दुखप्रदउभयबीचकछुबरणा ॥ बिछुरतएकप्राणहरिलेहीं॥मिलतएकदारुणदुखदेहीं ॥उपजहिं एकसंगजलमाही॥जलजजोंकजिमिगुणबिलगाही ॥सुधासुरास मसाधुअसाधू॥जनकएकजगजलधिअगाधू ॥भलअनभलनिज निजकरतूती ॥लहतसुयशअपलोकबिभूती॥सुधासुधाकरसुर सरिसाधू॥गरलअनलकलिमलसरिव्याधू ॥गुणअवगुणजानत सबकोइ ॥जोजहिभावनीकतेहिसोई॥ ॥दोहा॥ ॥भलो भलाईपैलहहिं॥लहनिनिचाईनीच॥सुधासराहीअमरता ॥गरल सराहीमीच ॥११॥ ॥चौपाई॥ ॥खलगहअगुणसाधुगुणगा हा ॥उभयअपारउदधिअवगाहा ॥तेहितेंकछुगुणदोषबखाने ॥ संग्रहत्यागनबिनुपहिचाने ॥भलेउपोचसबबिधिउपजाए॥गणिगु णदोषबेदबिलगाए॥ कहहिंबेदइतिहासपुराना ॥बिधिप्रपंचअ वगुणसाना ॥दुखसुखपापपुण्यदिनराती॥साधुअसाधुसुजा तिकुजाती ॥दानवदेवउंचअरुनीचू॥अमियसजीवनमाहुरमीचू ॥ मायाब्रह्मजीवजगदीशा॥लक्षअलक्षरंकअवनीशा ॥काशी मगसुरसरिक्रमनाशा ॥मरुमालवमहिदेवगवासा ॥स्वर्गनरकअनु रागबिरागा॥निगमागमगुणदोषविभागा॥ ॥दोहा॥ ॥जडचेतन गुणदोषमय॥विश्वकीन्हकरतार॥संतहंसगुणगहहिंपय,परिहरिवा रिबिकार॥ १२॥ ॥चौपाई॥ ॥असविवेकजोदेहिंविधाता॥तब

दोषगुणगहहिंमनराता ॥ कालसुभावकर्मबरिआई ॥ भलेउप्रकृतिबशचूक
भलाई ॥ सोसुधारिहरिजनजिमिलेही ॥ दलिदुखदोषविमलयशदेहीं ॥
खलहुंकरहिंभलपाइसुसंगू ॥ मिटहिंनसुभावअभंगू ॥ करिसुवेष
जगवंचकजेऊ ॥ वेषप्रतापपूजियततेऊ ॥ उधरहिंअंतनहोहिंनिबाहू ॥ का
लनेमिजिमिरावणराहू ॥ कियेसुवेषसाधुसनमानू ॥ जिमिजगजामवंत
हनुमानू ॥ हानिकुसंगसुसंगतिलाहू ॥ लोकहुवेदविदितसबकाहू ॥ ग
गनचढैरजपवनप्रसंगा ॥ कीचहिंमिलइनीचजलसंगा ॥ साधुअसाधुस
दनशुकसारी ॥ सुमिरहिंरामदेहिंगणगारी ॥ धूमकुसंगतिकारीख
होई ॥ लिखियपुराणमंजुमसिसोई ॥ सोइजलअनलअनिलसंघाता ॥
होइजलदजगजीवनदाता ॥ ॥दोहा॥ ॥ग्रहभेषजजलपवनपट ॥
पाइकुयोगसुयोग ॥ होइकुवस्तुसुवस्तुजग ॥ लखहिंसुलक्षणलोग ॥
१३ ॥ समप्रकाशतमपाखदुहु ॥ नामभेदविधिकीन्ह ॥ शशिपोषकशो
षकसमुझि ॥ जगयशअपयशदीन्ह ॥ १४ ॥ जडचेतनजगजीवजेसक
लराममयजानि ॥ बंदौसबकेपदकमल ॥ सदाजोरियुगपाणि ॥ १५ ॥
देवदनुजनरनागखग ॥ प्रेतपितरगंधर्व ॥ बंदौकिन्नररजनिचर ॥ कृ
पाकरहुअबसर्व ॥ १६ ॥ ॥चौपाई॥ ॥आकरचारिलाखचौरासी ॥
जातीजीवनभजलथलवासी ॥ सियराममयसबजगजानी ॥ करौंप्र
णामजोरियुगपाणी ॥ जानिकृपाकरिकिंकरमोही ॥ सबमिलिकर
हुछांडिछलछोहू ॥ निजबलबुधिभरोसमोहिनाहीं ॥ तातेंबिनयकर
हुसबपाहीं ॥ करणचहौंरघुपतिगुणगाहा ॥ लघुमतिमोरिचरितअ
वगाहा ॥ सूझनएकौअंगउपावो ॥ मनमतिरंकमनोरथराऊ ॥ मतिअ
तिनीचऊंचरुचिआछी ॥ चहियअमियजगजुरैनछाछी ॥ क्षमिहहिं
सज्जनमोरिढिठाई ॥ सुनिहहिंबालबचनमनलाई ॥ जौंबालककहतो
तरिवाता ॥ सुनहिंमुदितमनपितुअरुमाता ॥ हंसिहहिंकूरकुटिल

कुबिचारी॥जेपरदूषणभूषणभारी॥निजकबित्तकेहिलागननी-
का॥सरसहोउअथवाअतिफीका॥जोपरभणितसुनतहरषाहीं॥ते
वरपुरुषबहुतजगनाहीं॥जगबहुनरसरितासमभाई॥जेनिजबाढि
बढहिंजलपाई॥सज्जनसुकृतसिंधुसमकोई॥देखिपूर्णबिधुबाढहिं
जोई॥ ॥दोहा॥ ॥भागछोटअभिलाषभल॥करउंएकविश्वा
स॥पैहहिंसुखसुनिसुजन॥खलकरिहेंउपहास॥१७॥ ॥चौपा
ई॥ ॥खलपरिहासहोइहितमोरा॥काककहहिंकलकंठकठोरा॥
हंसहिंबकदादुरचातकी॥हंसहिंमलिनखलबिमलबातकी॥कबि
नरसिकनरामपदनेहू॥तिनकहुसुखदहास्यरसएहू॥भाषाभणित
मोरिमतिथोरी॥हंसिबेयोगहंसेनहिखोरी॥प्रभुपदप्रीतिनसामुझ
नीकी॥तिनहिकथासुनिलागतपीकी॥हरिपदरतमनतकुतरकी॥
तीन्हकहमधुरकथारघुबरकी॥रामभक्तिभूषितजियजानी॥सुनि
हहिंसुजनसराहिसुबानी॥कबिनहोउंबचनप्रवीना॥सकलकलासब
बिद्याहीना॥आखरअर्थअलंकृतनाना॥छंदप्रबंधअनेकबिधाना॥
भावभेदरसभेदअपारा॥कबितदोषगुणबिबिधप्रकारा॥कबितबि
बेकएकनहिंमोरे॥सत्यकहौंलिखिकागदकोरे॥ ॥दोहा॥ ॥
भणितमोरसबगुणरहित॥विश्वबिदितगुणएक॥सोबिचारिसुनि
हहिंसुमति॥जिनकेबिमलबिबेक॥१८॥ ॥चौपाई॥ ॥एहिमहं
रघुपतिनामउदारा॥अतिपावनपुराणश्रुतिसारा॥मंगलभवनअ
मंगलहारी॥उमासहितजेहित्रिपुरारी॥भणितबिचित्रसुकबिकृत-
जोऊ॥रामनामबिनुसोहनसोऊ॥बिधुबदनीसबभांतिसवांरी
॥सोहनबसनबिनाबरनारी॥सबगुणरहितकुकबिकृतबानी॥रा
मनामजसअंकितजानी॥सादरकहहिंसुनहिंबुधताही॥मधुकर
सरिससंतगुणग्राही॥यदपिकबितरसयेकोनाही॥रामप्रतापप्रगट

यहिमाहीं ॥सोइभरोसमोरेमनआवा॥केहिनसुसंगबडाईपावा॥
धूमहितजोसहजकरिआई॥अगरप्रसंगसुगंधबसाई॥भणितभदे
सबस्तभलिवरणी॥रामकथाजगमंगलकरणी॥ ॥छंद॥ ॥मं
गलकरणिकलिमलहरणितुलसीकथारघुनाथकी॥गतिकूरकवि
तासरितकीज्योंसरितपावनपाथकी॥प्रभुसुयशसंगतिभणितभलि
इहिसुजनमनभावनि॥भवअंगभूतिसमानकीसुमिरतसुहावन
पावनी॥१॥ ॥दोहा॥ ॥प्रियलागहिअतिसबहिमम॥भ
णितरामयशसंग॥दारुबिचारुकिकरइकोऊ॥वंदियमलयप्रसंग॥
१९॥श्यामसुरभिपयविशदअति॥गुणदकरहिंसबपान॥गिरा
ग्राम्यासियरामयश॥गावहिंसुनहिंसुजान॥२०॥ ॥चौपाई॥
॥मणिमाणिकमुक्ताछबिजैसी॥अहिगिरिगजशिरसोहनतैसी॥
नृपकिरीटतरुणीतनुपाई॥लहहिंसकलशोभाअधिकाई॥तैसेसु
कबिकबितबुधकहहीं॥उपजहिअनतअनतछबिलहहीं॥भक्तिहे
तुबिधिभवनबिहाई॥सुमिरतशारदआवतिधाई॥रामचरितसर
बिनुअन्हवाये॥सोश्रमजाइनकोटिउपाये॥कविकोबिदअसहृदबि-
चारी॥गावहिंहरिगुणकलिमलहारी॥कीन्हेप्राकृतजनगुणगाना
॥शिरधुनिगिरालागिपछिताना॥हृदयसिंधुमतिसीपसमाना॥
स्वातिशारदाकहहिंसुजाना॥जोबरषैबरबारिबिचारू॥होहिंकबित
मुक्तामणिचारू॥ ॥दोहा॥ ॥युक्तिवेधिपुनिपोहहिं॥रामचरि
तबरताग॥पहिरहिंसज्जनबिमलउर॥शोभाअतिअनुराग॥२१
॥ ॥चौपाई॥ ॥जेजनमेकलिकालकराला॥करतबबायस
वेषमराला॥चलतकुपंथबेदमगछांडे॥कपटकलेवरकलिमल
भांडे॥बंचकभक्तकहाइरामके॥किंकरकंचनकोहिकामके॥
तिनमहप्रथमरेखजगमोरी॥धिकधरमध्वजधुंधुकघोरी॥जोंअप

नेअवगुणसबकहऊं।।बाढैकथापारनहिलहऊं।।तातेंमैंअतिअल
पबखाने।।थोरेमहंजानिहहिंसयाने।।समुझिबिबिधबिधिबिनतीमो
री।।कोउनकथासुनिदेइहिखोरी।।एतेहुपरकरिहहिंजेशंका।।मोहतें
अधिकतेजडमतिमंदा।।कबिनहोउंनहिंचतुरकहाऊं।।मतिअनुरू
परामगुणगाऊं।।कहरघुपतिकेचरितअपारा।।कहमतिमोरिनिरत
संसारा।।जेहिमारुतगिरिमेरुउडाहीं।।कहहुतूलकेहिलेखेमाहीं।।स
मुझतअमितरामप्रभुताई।।करतकथामनअतिकदराई।। ।।दो
हा।। ।।शारदशेषमहेशबिधि।।आगमनिगमपुराण।।नेतिनेति
कहिजासुगुण।।करहिंनिरंतरगान।।२२।। ।।चोपाई।। ।।स
बजानतप्रभुतासोई।।तदपिकहेबिनुरहानकोई।।तहांबेदअसका
रणराखा।।भजनप्रभावभांतिबहुभाषा।।एकअनीहअरूपअनामा
।।अजसच्चिदानंदपरधामा।।व्यापकविश्वरूपभगवाना।।तिहिधरि
देहचरितकृतनाना।।सोकेवलभक्तनहितलागी।।परमकृपालुप्रणत
अनुरागी।।जेहिजनपरममताअरुछोहू।।तेहिकरुणाकरकीन्हन
कोहू।।गईबहोरिगरीबनेवाजू।।सरलसबलसाहिबरघुराजू।।बुध
बरणहिंहरियसजानी।।करणपुनीतसफलनिजबानी।।तेहिबल
मेरघुपतिगुणगाथा।।कहिहौंनाइरामपदमाथा।।मुनिनप्रथमहरि
कीरतिगाई।।तिहिमगचलतसुगममोहिभाई।। ।।दोहा।। अति
अपारजेसरितवर।।ज्योंनृपसेतुकराहिं।।चढिपिपीलिकापरमलघु
।।बिनुश्रमपारहिंजाहिं।।२३।। ।।चोपाई।। ।।एहिप्रकारबलम
नहिदृढाई।।करिहोंरघुपतिकथासुहाई।।व्यासआदिकविपुंगव
नाना।।जिन्हसादरहरिचरितबखाना।।चरणकमलबंदोंसबकेरे
पुरवहुसकलमनोरथमोरे।।कलिकेकबिनकरोंपरमाणा।।जिनब
र्णेरघुपतिगुणग्रामा।।जेप्राकृतकविपरमसयाने।।भाषाजिनहरिचरि

तबषाने॥भएजेअहहिंजेहोइहैंआगे॥प्रणवौंसबहिकपटसबत्यागे
॥होहुप्रसन्नदेहुवरदानू॥साधुसमाजभाजितसनमानू॥जोप्रबंधबा
धनहिंआदरहीं॥सोश्रमवादिबालकबिकरहीं॥कीरतिभणितभूति
भलिसोई॥सुरसरिससमसबकहहितहोई॥रामसुकीरतिभणितभ
देसा॥असमंजसअसमोहिअंदेसा॥तुह्मरीकृपासुलभसोउमोरे॥
सिहनिकहावनिटाटपटोरे॥करहुअनुग्रहअसजियजानी॥बिम
लयशहिंअनुसरइकबानी॥ ॥दोहा॥ ॥सरलकबितकीर
तिबिमल॥सोइआदरहिंकज्ञान॥सहजबरयबिसराइरिपु॥जो
कनिकरहिंबखान॥२४॥सोनहोइबिनुबिमलमति।मोहिमति
बलअतिथोर॥कहहुकृपाहरियशकहों॥पुनिपुनिकरोंनिहोर॥
२५॥कविकोबिदरघुवरचरित॥मानसमंजुमरालु॥बालबिनयसुनि
सुरुचिलखि॥मोपरहोहुकृपालु॥२६॥ ॥सोरठा॥ ॥बंदोंमु
निपदकंज॥रामायणजिननिर्मएउ॥सरवरकोमलमंजु॥दोष
रहितदूषणसहित॥२७॥बंदोंचारिहुबेद॥भववारिधिबोहितसरि
स॥जिनहिंनसपनेहुखेद॥बरणतरघुपतिबिशदयश॥२८॥बंदों
बिधिपदरेणु॥भवसागरजिनकीन्हयह॥संतसुधाशशिधेनु॥प्रगटे
खलविषवारुणी॥२९॥ ॥दोहा॥ ॥बिबुधबिप्रबुधग्रहचरण॥
बंदिकहहुंकरजोरि॥होहुप्रसन्नपुरवहुसकल॥मंजुमनोरथमोरि॥
३०॥ ॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिबंदोंशारदसुरसरिता॥युगलपुनी
तमनोहरचरिता॥मज्जनपावनपापहरएका॥कहतसुनतएकह
रअबिबेका॥गुरुपितुमातुमहेशभवानी॥प्रणमोंदीनबंधुदिनरा
दानी॥सेवकस्वामिसखासियपियके॥हितनिरुपधिसबबिधितु
लसीके॥कलिबिलोकिजगहितहरगिरिजा॥शाबरमंत्रजालजिन
सिरजा॥अनमिलआखरअरथनजापू॥प्रगटप्रभावमहेशप्रता-

पू ॥सोमहेशमोपरग्रनुकूला ॥करहिंकथामुदमंगलमूला ॥स्रुमिरि
शिवाशिवपाइपसाऊ॥बरणौरामचरितचितचाऊ ॥भणितमोरिशि
वकृपाविभाती ॥शशिसमाजमिलिमनहुस्रराती ॥जोयहकथासुनेहह
समेता ॥कहिहहिंस्रुनिहहिंसमुझिसचेता ॥होइहहिंरामचरणअनु
रागी ॥कलिमलरहितस्रुमंगलभागी ॥ ॥दोहा॥ ॥सपनेहुसाच
हुंमोहिपर ॥जोहरगौरिपसाउ ॥तोफुरहोइजोकहउंसब ॥भाषाभणि
तप्रभाऊ॥३१॥ ॥चौपाई॥ ॥ बंदौंअवधपुरीअतिपावनि ॥
सरजुसरीकलिकलुषनसावनि ॥ प्रणवौंपुरनरनारिबहोरी ॥ मम
ताजिनपरप्रभुहिनथोरी ॥सियनिंदकअघओघनशाए॥लोकवि
शोकबनाइबसाए॥ बंदौंकौसल्यादिशिप्राची ॥कीरतिजासुसक
लजगमाची ॥प्रगटेउरघुपतिशशिचारू॥विश्वसुखदखलकमल
तुषारू॥दशरथराउसहितसबरानी ॥सुकृतस्रुमंगलमूरतिमानी
॥ करौंप्रणामकरममनवानी ॥करहुकृपास्रुतसेवकजानी ॥जिन
हिंविरंचिबडभयउबिधाता ॥ महिमाअवधिरामपितुमाता ॥ ॥
सोरठा ॥ ॥वंदौंअवधभुआल ॥सत्यप्रेमजेहिरामपद ॥बिछुरत
दीनदयाल ॥प्रियतनुतृणइवपरिहरउ ॥३२॥ ॥ चौपाई ॥
प्रणवौंपरिजनसहितबिदेहू ॥जाहिरामपदगूढसनेहू ॥योगभोग
महरारवेउगोई ॥रामबिलोकतप्रगटेउसोई ॥ प्रणवौंप्रथमभरत
केचरणा ॥जासुनमव्रतजाइनबरणा ॥रामचरणपंकजमनजा
सू ॥लुब्धमधुपइवतजैनपासू ॥ वंदौंलक्ष्मणपदजलजाता ॥शीतल
स्रुभगभक्तस्रुखदाता ॥रघुपतिकीरतिबिमलपताका ॥दंडस-
मानभयेउयशजाका ॥शेषसहसशीसजगकारण ॥जोअवतरेउ
भूमिभयटारन॥सदासोसानुकूलरहुमोपर॥ कृपासिंधुसोमित्रिगु
णाकर ॥रिपुसूदनपदकमलनमामी॥सूरस्रुशीलभरतअनुगामी॥

महावीरबिनवौंहनुमाना ॥रामजासुयशआपुबखाना॥ ॥
सोरठा॥ ॥बंदौंपवनकुमार॥खलबनपावनजानघन॥जासु
हृदयआगार॥बसहिरामसरचापधर॥३३॥ ॥चौपाई॥ ॥
कपिपतिऋक्षनिशाचरराजा॥अंगदादिकीशसमाजा॥बंदौंसब
केचरणसुहाये॥अधमशरीररामजिनपाये॥रघुपतिचरणउपासकजेते
॥खगमृगसुरनरअसुरसमेते॥बंदौंपदसरोजसबकेरे॥जेबिनुकाज
रामकेचेरे॥शुकसनकादिव्याससुनिनारद॥जेमुनिवरविज्ञानविशा
रद॥प्रणवौंसबहीधरणीधरिशीशा॥जनकसुताजगजननिजानकी
॥अतिशयप्रियकरुणानिधानकी॥ताकेयुगपदकमलमनाऊं॥जा
सुकृपानिर्मलअतिपाऊं॥पुनिमनवचनकर्मरघुनायक॥चरणकम
लबंदौंसबलायक॥राजिवनयनधरेधनुसायक॥भक्तिविपतिभंजनसु
खदायक॥ ॥दोहा॥ ॥गिराअर्थजलबीचिसम॥कहियतभिन्नन
हिंभिन्न॥बंदौंसीतारामपद॥जिन्हहिंपरमप्रियखिन्न॥३४॥ ॥
चौपाई॥ ॥बंदौंरामनामरघुवरको॥हेतुकृशानभानुहिमकरको॥
बिधिहरिहरमयबेदप्राणसो॥अगुणअनूपमगुणनिधानसो॥महा
मंत्रजोइजपतमहेशू॥काशीमुक्तिहेतुउपदेशू॥महिमाजासुजानगण
राऊ॥प्रथमपूजियतनामप्रभाऊ॥जानआदिकविनामप्रतापू॥भय
उसिद्धकरिउलटाजापू॥सहस्रनामसममुनिशिववानी॥जपजेहि
पीजसुसंगभवानी॥हर्षहेतुजोहरिहरहीको॥कियभूषणतियभूष
णतियको॥जाननामप्रभावशिवनीको॥कालकूटफलदीन्हअमी
को॥ ॥दोहा॥ ॥वरषाऋतुरघुपतिभगति॥तुलसीशालि
सुदास॥रामनामवरबरणयुग॥श्रावणभादौंमास॥३५॥ ॥
चौपाई॥ ॥आखरमधुरमनोहरदोऊ॥बरणविलोचनजनजिय
जोऊ॥सुमिरतसुलभसबकाऊ॥लोकलाहुपरलोकनिवाहू॥क

ह्नतसुनतसुमिरतसुठिनीके॥रामलखनसमप्रियतुलसीके॥
बरणतबरणप्रीतिबिलगाती॥ब्रह्मजीवसमसहजसंघाती॥नर
नारायणसरिससुभ्राता॥जगपालकविशेषिजनत्राता॥भक्तिसु
तियकलकरणविभूषण जगहितहेतुविमलविधुपूषण॥स्वादुतो
षसमसुगतिसुधाके॥कमठशेषसमधरवसुधाके॥जनमनमं
जुकंजमधुकरसे॥जीहजशोमतिहरिहलधरके॥ ॥दोहा॥
एकछत्रएकमुकुटमणि॥सबबरणनपरजोउ॥तुलसीरघुबर
नामके॥बरणबिराजतदोऊ॥३६॥ ॥चौपाई॥ ॥समुझतस
रसनामअरुनामी॥प्रीतिपरस्परप्रभुअनुगामी॥नामरूपदोईश
उपाधी॥अकथअनादिसमुझसमाधी॥कोबडछोटकहतअपरा
धू॥सुनिगुणभेदसमुझिहैंसाधू॥देखीयरूपनामआधीना॥रूपज्ञा
ननहिमानविहीना॥रूपविशेषनामबिनुयाने॥करतलगतनपरहि
पहिचाने॥सुमिरियनामरूपबिनुदेखे॥आवतहृदयसनेहविशे
षे॥नामरूपगतिअकथकहानी॥समुझतसुखदनपरतबखानी
॥अगुणसगुणबिचनामसुसाखी॥उभयप्रबोधकचतुरदुभाखी
॥ ॥दोहा॥ ॥रामनाममणिदीपधरु॥जीहदेहरीद्वार॥
तुलसीभीतरबाहिरौं॥जोचाहसिउजियार॥३७॥ ॥चौपाई
नामजीहजपिजागहिंजोगी॥बिरतिबिचारप्रपंचबियोगी॥ब्रह्म
सुखहिंअनुभवहिंअनूपा॥अकथअनामयनामनिरूपा॥जाना
चहहिंगूढगतिजेऊ॥नामजीहजपिजानहिंतेऊ॥साधकनाम
जपहिंलयलाये॥होहिंसिद्धअणिमादिकपाये॥जपहिंनामजन
आरतभारी॥मिटहिंकुसंकटहोहिंसुखारी॥रामभक्तचारिप्रकारा
॥सुकृतिचारिउअनघउदारा॥चहुंचतुरनकहंनामअधारा॥ज्ञानी
प्रभुहिविशेषिपियारा॥चहुंयुगचहुंश्रुतिनामप्रभाऊ॥कलिविशे

षनहिंआनउपाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥सकलकामनाहीनजो॥राम
भक्तिरसलीन॥रामप्रेमपीयूषनिधि॥तिन्हकियेमनमीन॥३८॥
चौपाई॥ ॥अगुणसगुणदोउब्रह्मस्वरूपा॥अकथअगाधअनादि
अनूपा॥मोरेमनबडनामदुहूते॥कियेजेहिंयुगनिजबसभूते॥प्रौढसु
जनजानहिंजनकी॥कहहुप्रतीतिप्रीतिरुचिमनकी॥एकादारुगतिदे
खियएकू॥पावकसमयुगब्रह्मविवेकू॥उभयअगमयुगसुगमनामते
॥कहहुनामबडब्रह्मरामते॥व्यापकएकब्रह्मअविनाशी॥सतचेतन
घनआनंदराशी॥असप्रभुहृदयअछतअविकारी॥सकलजीवजग
दीनदुखारी॥रामनिरूपमनामयतनते॥सोप्रगटतजिमिमोलरतनते
॥दोहा ॥निर्गुणतेइहिंभांतिवड॥नामप्रभावअपार॥कहउनाम
वडरामते॥निजबिचारअनुसार॥३९॥ ॥चौपाई॥ ॥रामभ
क्तहितनरतनुधारी॥सहिसंकटकियसाधुसुखारी॥नामसप्रेमजप
तअनयासा॥भक्तहोहिंमुदमंगलवासा॥रामएकतापसतियतारी
॥नामकोटिखलुकुमतिसुधारी॥ऋषिहितरामसुकेतुसुताकी॥
सहितसेनसुतकीन्हिवेवाकी॥सहितदोषदुखदासदुराशा॥दलइ
नामजिमिरबिनिशिनाशा॥भजेउरामआपुभवचापू॥भवभयभंजन
नामप्रतापू॥दंडकवनप्रभुकीन्हसुहावन॥जनमनअमितनामकी
यपावन॥निशिचरनिकरदलेरघुनंदन॥नामसकलकलिकलुषनि
कंदन॥ ॥दोहा॥ ॥शिवरीगिद्धसुसेवकन॥सुगतिदीन्हर
घुनाथ॥नामउधारेअमितखल॥बेदबिदितगुणगाथ॥४०॥ ॥
चौपाई॥ ॥रामसुकंटबिभीषणदोऊ॥राखेशरणजानसबको
ऊ॥नामअनेकगरीबनिवाजे॥लोकबेदबरबिरदबिराजे॥रामभा
लुकपिकटकबटोरा॥सेतुहेतुश्रमकीन्हनथोरा॥नामलेतभवसिं
धुसुखाहीं॥करहुबिचारसुजनमनमाहीं॥रामसकुलरणराव

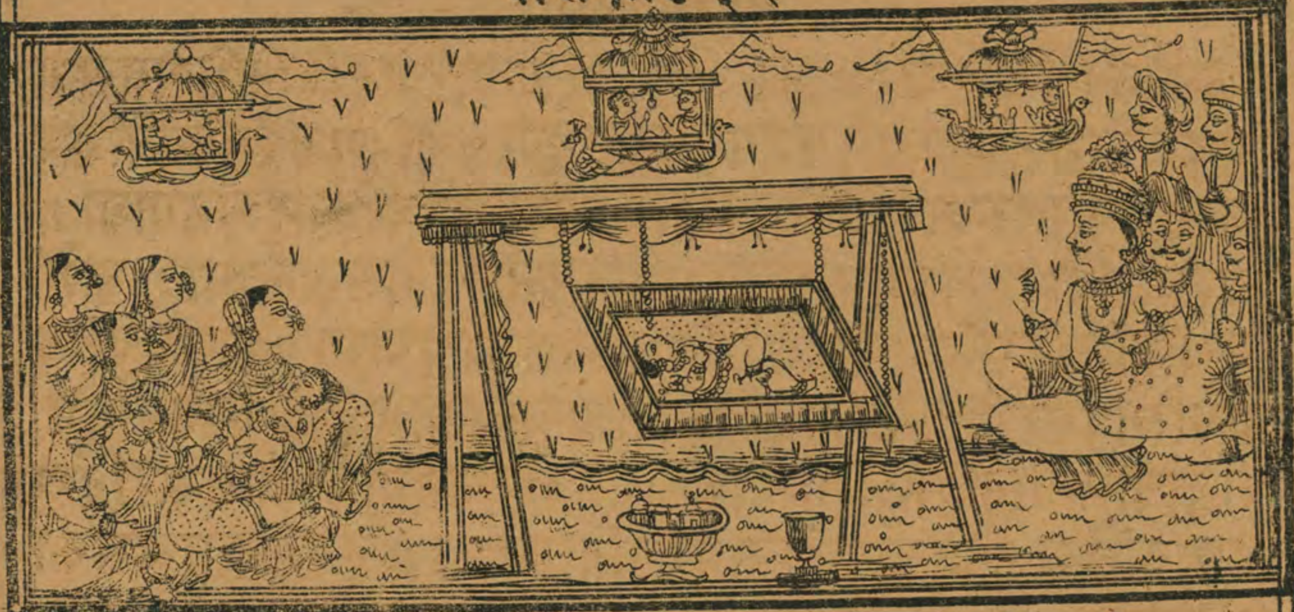
एमारा ॥सीयसहितनिजपुरपगुधारा ॥राजारामअवधरजधानी॥
गावतगुणसुरमुनिवरबाणी ॥सेवकसुमिरतनामप्रतीती ॥बिनुश्र
मश्रबलमोहदलजीती ॥फिरतसनेहमगनसुखअपने ॥नामप्रसाद
शोचनहिंसपने ॥ ॥दोहा॥ ॥ब्रह्मरामतेंनामबड॥वरदायक
वरदानि ॥रामचरितशतकोटिमहं ॥लियमहेशजियजानि॥ ४१
॥ चौपाई ॥ ॥नामप्रसादशंभुअविनाशी ॥साजअमंगलमंगल
राशी॥शुकसनकादिसाधुमुनियोगी ॥नामप्रसादब्रह्मसुखभोगी
॥नारदजानेउनामप्रतापू ॥जगप्रियहरिहरप्रियआपू ॥नामप्रभुकीन्ह
प्रसादू ॥भक्तशिरोमणिभेप्रहलादू ॥ध्रुवसगलानिजपेउहरिनामू ॥पा
येउअचलअनूपमठामू ॥सुमिरिपवनसुतपावननामू ॥अपनेंबशक
रिराखेउनामू ॥अपरअनामिलगजगणिकाऊ ॥भएभक्तहरिनाम
प्रभाऊ ॥कहहुकहालगिनामबडाई ॥रामनशकहिंनामगुणगाई॥
दोहा ॥नामरामकोकल्पतरु ॥कलिकल्याणनिवास ॥जोसुमिरत
भयोभांगतें ॥ तुलसीतुलसीदास ॥ ४२ ॥ ॥चौपाई॥ ॥च
हुंयुगतीनकालतीनुलोका ॥भएनामजीवविशोका ॥वेदपुराणसंम
तमतएहू ॥सकलसुकृतफलरामसनेहू ॥ध्यानप्रथमयुगमखविधि
दूजे ॥द्वापरपरितोषतप्रभुपूजे ॥कलिकेवलमलमूलमलीना ॥पाप
पयोनिधिजनमीना ॥नामकामतरुकालकराला ॥सुमिरतशमनस
वजंजाला ॥रामनामअभिमतदाता ॥हितपरलोकलोकपितुमाता ॥
नहिकलिकर्मनयोगविवेकू ॥रामनामअवलंबनएकू ॥कालनेमि
कलिकपटनिधानू ॥नामसुमतिसमरथहनुमानू ॥ ॥दोहा ॥
रामनामनरकेसरी ॥कनककशिपुकलिकाल ॥जापकप्रहलादजि
मि ॥पालहिंदलिसुरशाल ॥४३ ॥ ॥चौपाई ॥ भावकुभावअन
खआलसहू ॥नामजपतमंगलदिशिदशहू ॥ सुमिरीसोनामराम

गुणगाथा ॥करौंनाइरघुनाथहिमाथा॥मोरिसुधारहिसोसबभांती
जासुकृपानहिंकृपाअघाती ॥रामसुस्वामिसुसेवकमोसो ॥निजदि
शिदेखिदयानिधिपासो॥लोकहुंवेदसुसाहेबरीती ॥बिनयसुनतपहि
चानतप्रीती ॥गनीगरीबग्रामनरनागर ॥पंडितमूढमलीनउजागर॥
सुकबिकुकबिनिजमतिअनुहारी ॥नृपहिंसराहतसबनरनारी॥साधु
सुजानसुशीलनृपाला॥ईशअंशभवपरमकृपाला ॥मुनिसनमानहि
तबाहिसुबानी॥भनितभक्तिमतिगतिपहिचानी ॥यहप्राकृतमहिपाल
सुभाऊ॥जानुशिरोमणिकोशलराऊ॥रीझतरामसनेहनिसोतें ॥कोजग
मंदमलिनमतिमोतें॥ ॥दोहा॥ ॥शठसेवकप्रीतिरुचि ॥रखिहहि
रामकृपालु ॥उपलकियेजगजानजेहि॥सचिवसुमतकपिभालु ॥४४
होइकहावतसबकहत ॥रामसहतउपहास ॥साहेबसीतानाथसो ॥
सेवकतुलसीदास॥४५॥ ॥चौपाई॥ ॥अतिबड़िमोरिढिठाईखो
री ॥सुनिअघनरकउनाकसिकोरी॥समुझिसहमिमोहिअपडरअ
पने ॥शोशुधिरामकीन्हिंनहिंसपने ॥सुनिअवलोकिसुचितचकचा
हीं॥भक्तिमोरिमतिस्वामिसराही॥कहतनशाइहोइहियनीकी ॥रीझ
तरामजानिजनजीकी ॥रहतिनप्रभुचितचुककियेकी॥करतसुरति
सयवारहियेकी ॥जेहिअघवध्योव्याधजिमिबाली ॥फिरिसुकंठसोइ
कीन्हकुचाली॥सोइकरतूतिबिभीषणकरी ॥सपनेहुसोरामहियहे
री ॥तेभरतहिंभेटतसनमाने ॥राजसभारघुवीरबखाने॥ ॥दोहा
॥ ॥प्रभुतरुतरकपिडारपर ॥कियेतेआपुसमान ॥तुलसीकहुंनरा
मसे॥साहेबशीलनिधान॥४६॥रामनिकाइरावरी ॥हैसबहीकोनी
क॥जोयहसाचीहैसदा ॥तोनीकोतुलसीक॥४७॥इहिबिधिगुण
दोषकहि॥सबहिबहुरिशिरनाइ ॥बरणौरघुबरबिशदजश ॥सु
निकलिकलुषनशाई॥४८॥ ॥चौपाई॥ ॥जागबलिकजोकथासु

हाई ॥भरद्वाजमुनिवरहिंसुनाई ।कहिहौंसोइसंवादबखानी,सु
नसकलजनसुखमानी॥शंभुकीन्हयहचरितसुहावा॥बहुरिकृपा
करिउमहिंसुनावा॥सोइशिवकाकभुशुंडहिंदीन्हा॥रामभक्तिअ
धिकारीचीन्हा॥तेहिसनजाज्ञबलिकमुनिपावा॥तीन्हपुनिभरद्वाजप्र
तिगावा॥तेश्रोतावक्तासमशीला॥समदरशीजानहिंहरिलीला॥जान
हितीनिकालनिजज्ञाना॥करलगतआमलकसमाना॥औरोजेहरि
भक्तसुजाना॥कहहिंसुनहिंसमुझबिधिनाना॥ ॥दोहा॥ ॥मैं
पुनिनिजगुरुसनसुनि॥कथासुचिरकुरुखेत॥समुझनहीतसबाल
पन॥तबअतिरहेउंअचेत॥४९॥श्रोतावक्ताज्ञाननिधि॥कथाराम
कीगूढ॥किमिसमुझौमैजीवजड॥कलिमलग्रसितविमूढ॥५०॥ ॥
चौपाई॥ ॥तदपिकहीगुरुबारहिंबारा॥समुझिपरीकछुमतिअनुसा
रा॥भाषाबंधकरबमैंसोई॥मोरेमनप्रबोधजेहिहोई॥जशकछुबिधि
बलमोरे॥तसकहिहौइहरिकेप्रेरे॥निजसंदेहमोहभ्रमहरणी॥क
रौकथाभवसरितातरणी॥बुधविश्रामसकलजनरंजनि॥रामकथा
कलिकालुषविभंजनी॥रामकथाकलिपन्नगभरणी॥पुनिबिबेकपाव
कहअरणी॥रामकथाकलिकामदगाई॥सुजनसजीवनमूरिसुहाई
॥सोइवसुधातलसुधातरंगिणी॥भवभंजनिभ्रमभेकभुअंगिणी
॥असुरसेनसमनरकनिकंदिनी॥साधुविबुधकुलहितगिरिनंदि
नी॥संतसमाजपयोधिरमासी॥विश्वभारधरअचलक्षमासी॥य
मगणमुहमसिजगजमुनासी॥जीवनमुक्तहेतुजनुकाशी॥रामहि
प्रियपावनितुलसीसी॥तुलसीदासहितयहुलसीसी॥शिवप्रियमेक
लशैलसुतासी॥सकलसिद्धिप्रदसंपतिरासी॥सद्गुणसुरगणअंब
अदितिसी॥रघुबरभक्तिप्रेमपरमितिसि॥ ॥दोहा॥ ॥रामक
थामंदाकिनि॥चित्रकूटचितचारु॥तुलसीसुभगसनेहवन॥सिय

रघुबीरबिहारु ॥५१॥ ॥चौपाई॥ ॥रामचरितचिंतामणिचारू
॥संतसुमतितियसुभगशिंगारू ॥जगमंगलगुणग्रामरामके ॥दानमु
क्तिधनधर्मधामके॥सद्गुरुज्ञानबिरागयोगके ॥बिबुधवैद्यभवभीम
रोगके ॥जननिजनकसियरामप्रेमके॥बीजसकलब्रतधरमनेमके॥
शमनपापसंतापशोकके ॥प्रियपालकपरलोकके ॥सचिवसुभटभू
पतिबिचारके ॥कुंभजलोभउदधिअपारके॥ कामकोहकलिमल
करिगणके॥केहरिशावकजनमनबनके ॥अतिथिपूज्यप्रियतमपु
रारिके ॥कामदघनदारिदबारिके॥ मंत्रमणिविषयव्यालके ॥मेटत
कठिनकुअंकभालुके॥हरणमोहतमदिनकरकरसे ॥सेवकशालिपा
लजलधरसे ॥अभिमतदानिदेवतरुबरसे ॥सेवतसुलभसुखदह
रिहरसे ॥सुकबिशरदनभमनउडगणसे॥ रामभक्तजनजीवनध
नसे ॥सकलसुकृतफलभूरिभोगसे ॥जगहितनिरुपधिसाधुलोगसे॥
सेवकबनमानसमरालसे॥ पावनगंगतरंगमालसे॥ ॥दोहा॥
कुपथकुतर्ककुचालिकलि॥कपटदंभपाषंड॥दहनरामगुणग्राम
जिमि॥इंधनअनलप्रचंड॥५२ ॥रामचरितराकेशकर ॥सरससुख
दसबकाहु ॥सज्जनकुमुदचकोरचित॥हितविशेषबडलाहु॥ ५३॥
॥चौपाई॥ ॥कीन्हप्रश्नजेहिभांतिभवानी ॥जेहिबिधिशंकरक
हाबखानी ॥सोसबहेतुकहबमैंगाई ॥कथाप्रबंधविचित्रबनाई॥क
थाअलौकिकसुनहिज्ञानी ॥नहिंआश्चर्यकरहीअसजानी ॥रामकथा
कैजगमितिनाही ॥असप्रतीतिजिनकेमनमाहीं ॥नानाभांतिरामअव
तारा ॥रामायणशतकोटिअपारा ॥कलपभेदहरिचरितसुहाए॥
भांतिअनेकमुनीशनगाए॥करियनसंशयअसउरआनी॥सुनिय
कथासादररतिमानी॥ ॥दोहा॥ ॥रामअनंत
अनंतगुण ॥अमितकथाबिस्तार ॥सुनिआश्चर्यनमानिहहिं

जिनकेबिमलबिचार ॥ ५४ ॥ ॥ चौपाई ॥ इहिबिधिसबसंश
यकरिदारी ॥ शिरधरिगुरुपदपंकजधूरी ॥ पुनिसबहीबिनवौंकर
जोरी ॥ करतकथाजेहिलागनखोरी ॥ सादरशिवहिंनाइअबमाथा ॥
बरणौंबिशदरामगुणगाथा ॥ संवतसोरहसैएकतीशा ॥ करौं
कथाहरिपदधरिशीशा ॥ नौमिभौमवारमधुमासा ॥ अवधपुरीय
हचरितप्रकाशा ॥ जेहिदिनरामजन्मश्रुतिगावहि ॥ तीरथसकल
तहांचलिआवहिं ॥ असुरनागखगनरमुनिदेवा ॥ आयकरहिंरघु
नायकसेवा ॥ जन्ममहोत्सवरचहिंसुजाना ॥ करहिंरामकलकी
रतिगाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मज्जहिंसज्जनवृंदबहु ॥ पावनस
रजूनीर ॥ जपहिंरामधरिध्यानउर ॥ सुंदरश्यामशरीर ॥ ॥
५५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ दरसपरसमज्जनअरुपाना ॥ हरै
पापवेदपुराणा ॥ नदीपुनितअमितमहिमाअति ॥ कहिनशकैशार
दाविमलमति ॥ रामधामदापुरीसुहावनि ॥ लोकसमस्तबिदितजगपा
वनि ॥ चारिखानिजगजीवअपारा ॥ अवधतजेतनुनहिंसंसारा ॥ सब
बिधिपुरीमनोहरजानी ॥ सकलसिद्धिप्रदमंगलखानी ॥ विमलकथा
करकीन्हअरंभा ॥ सुनतनशाहिंकाममदभंगा ॥ रामचरितमानस
यहनामा ॥ सुनतश्रवणपाइयविश्रामा ॥ मनकरिविषयअनलब
नजरही ॥ होइसुखीजोयहिसरपरही ॥ रामचरितमानसमुनिभावन
॥ बिरचेउशंभुसुहावनपावन ॥ त्रिविधदोषदुखदारिददावन ॥ विर
चेहुसंभुसोहावनपावन ॥ रचिमहेशनिजमानसराखा ॥ पाइसुस
मयशिवासनभाखा ॥ तातेरामचरितमानसबर ॥ धरेउनामहिय
हेरिहरिषीहर ॥ करौंकथासुखदसुहाई ॥ सादरसुनहुसुजनमन
लाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जसमानसजेहिबिधिभयेउ ॥ जगप्रचारजे
हिहेतु ॥ अबसोइकहौंप्रसंगसब ॥ सुमिरिउमावृषकेतु ॥ ५६ ॥ लेहु



सुधारी ॥ सुमतिभूमिथलहृदयअगाधू ॥ बेदपुराणउदधिघनसा
धू ॥ बरषहिंरामसुयशबरवारी ॥ मधुरमनोहरमंगलकारी ॥ लीलास
गुणज्योकहंवबखानी ॥ सोईस्वक्षताकरमलहानी ॥ प्रेमभक्तिसोबर
णिनजाई ॥ सोइमधुरताशीतलताई ॥ सोजलसुकृतशालिहितसोई
रामभक्तजिनजीवनसोई ॥ मेधामहिगतसोजलपावन ॥ सिमिटिश्रव
णमगुचलेउसुहावन ॥ भरेउसुमानसथलहिथिराना ॥ सुखदशीत
रुचिचारुचिराना ॥ ॥दोहा॥ ॥ सुठिसुंदरसंवादबर ॥ बिरचेउ
बुद्धिबिचारि ॥ तेयहपावनसुभगसर ॥ घाटमनोहरचारि ॥ ५७ ॥
॥चौपाई॥ ॥सप्तप्रबंधसुभगसोपाना ॥ ज्ञाननयननिरखतमन
माना ॥ रघुपतिमहिमाअगुणअगाधा ॥ वरणबसोईबरवारिअगाधा
रामसीययशसलिलसुधासम ॥ उपमाबीचबिलासमनोरम ॥ पुरइ
निसघनचारुचौपाई ॥ युक्तिमंजुमणिसीपसुहाई ॥ छंदसोरठासुंदर
दोहा ॥ सोइबहुरंगकमलकुलसोहा ॥ अरथअनूपसुभावसुभासा ॥
सोइपरागमकरंदसुवासा ॥ सुकृतपुंजमंजुलअलिमाला ॥ ज्ञानबिराग
बिचारमराला ॥ धुनिअवरेबकबित्तगुणजाती ॥ मीनमनोहरतेबहुभांती

अर्थधर्मकामादिकचारी॥कहबज्ञानबिज्ञानबिचारी॥नवरसजपत
पयोगबिरागा॥तेसबजलचरचारुतडागा॥सुकृतीसाधुनामगुणगा
ना॥तेबिचित्रजलबिहंगसमाना॥संतसभाचहुंदिशिअंबराई॥श्रद्धा
ऋतुबसंतसमगाई॥भक्तिनिरूपणविविधविधाना॥क्षमादयाद्रुमल
ताबिताना॥संयमनियमफूलफलज्ञाना॥हरिपदरतिरसबेदबखाना
॥औरौंकथाअनेकप्रसंगा॥तेईशुकपिकबहुबरणबिहंगा॥ ॥दो
हा॥ ॥पुलकवाटिकाबागवन॥सुखसुबिहंगबिहारु॥मालीसुम
नसनेहजल॥सींचतलोचनचारु॥ ५८॥ ॥चौपाई॥ ॥जेगावं
हियहचरितसंभारे॥तेयहितालचतुररखवारे॥सदासुनहिंसादरनर
नारी॥तेइसुरवरमानसअधिकारी॥अतिखलजेविषयीबककागा
यहिसरनिकटनजाहिंअभागा॥शंभुकभेकसियारसमाना॥इहांनवि
षयकथारसनाना॥तेहिकारणआवतहियहारे॥कामीकाकबलाकबि
चारे॥आवतऐहिसरअतिकठिनाई॥रामकृपाबिनुआइनजाई॥कठि
नकुसंगकुपंथकराला॥तिन्हकेबचनब्याघ्रहरिब्याला॥गृहकारजनाना
जंजाला॥तेइअतिदुर्गमशैलबिशाला॥बनबहुबिषयमोहमदमाना॥
नदीकुतर्कभयंकरनाना॥ ॥दोहा॥ ॥ जेश्रद्धाशंबलरहित॥नहिं
संतनकरसाथ॥तिनकहंमानसअगमअति॥जिनहिनप्रियरघुनाथ॥
५९॥ ॥चौपाई॥ ॥जोकरिकष्टजाइपुनिकोई॥जातहिनींदजुडा
ईहोई॥जडताजाडविषमउरलागा॥गयहुनमज्जनपावअभागा॥
करिनजायसरमज्जनपाना॥फिरिआवैसमेतअभिमाना॥जोबहोरि
कोइपूछनआवा॥सरनिंदाकरिताहिबुझावा॥सकलबिघनब्यापहिं
नहितेही॥रामकृपाकरिचितवहिंजेही॥जोइसादरसरमज्जनकरहीं॥
महाघोरत्रयतापनजरहीं॥तेनरयहसरतजहिंनकाऊ॥जिनकेराम
चरनभलभाऊ॥जोनहाइचहयहिसरभाई॥सोसतसंगकरैमनलाई॥

असमानसमानसचरखचाहीं ॥भइकविबुद्धिविमलअवगाही ॥भय
उहृदयआनंदउछाहू ॥उमगेउप्रेमप्रमोदप्रवाहू॥ चलीसुभगकविता
सरितासों ॥रामबिमलयशजलभरितासों ॥सरजूनामसुमंगलमूला॥
लोकबेदमनमंजुलकूला ॥नदीपुनीतसुमानसनंदिनि॥ कलिमलतृणत
रुमूलनिकंदिनि ॥ ॥दोहा॥ ॥श्रोतात्रिविधिसमाजपुर ॥ग्रामन
गरदुहुंकूल ॥संतसभाअनुपमअवध ॥सकलसुमंगलमूल॥ ६०॥
॥चौपाई॥ ॥रामभक्तिसुरसरितहिंजाई ॥मिलीसुकीरतिसरजु
सुहाई॥सानुजरामसमरयशपावन॥ मिलेउमहानदशोणसुहावन
॥युगबिचभक्तिदेवधुनिधारा॥सोहतिसहितसुबिरतिबिचारा ॥त्रि
विधतापत्रासकत्रिमुहानी ॥रामस्वरूपसिंधुसमुहानी ॥मानसमूल
मिलीसुरसरिहीं ॥सुनतसुजनमनपावनकरिहीं ॥ बिचबिचकथाबि
चित्रविभागा ॥जनुसरितीरतीरवनबागा ॥उमामहेशबिबाहबराती
तेजलचरअगणितबहुभांती॥ रघुबरजन्मआनंदबधाई ॥भवरत
रंगमनोहरताई॥ ॥दोहा॥ ॥ बालचरितचहुंबंधुके ॥वनजविपु
लबहुरंग ॥नृपरानीपरिजनसुकृत ॥मधुकरबारिबिहंग ॥ ६१ ॥
॥चौपाई॥ ॥सीयस्वयंवरकथासुहाई ॥ सरितसुहावनीसोछ
बिछाई॥नदीनावपटुप्रश्नअनेका ॥केवटकुशलउत्तरसबिबेका ॥
सुनिअनुकथनपरस्परहोई ॥पथिकसमाजसोहसरिसोई ॥घोरधार
भृगुनाथरिसानी ॥घाटसुबंधरामबरबानी ॥सानुजरामबिबाहउछा
हू॥सोशुभउमगसुखदसबकाहू ॥ कहतसुनतहरषहिंपुलकां-
हीं ॥तेसुकृतीमनमुदितनहाहीं ॥रामतिलकहितमंगलसाजा॥पर्व
योगजनुजुरेउसमाजा ॥काइकुमतिकेकयीकेरी॥परीजासुफलविप
तीघनेरी॥ ॥दोहा॥ ॥शमनअमितउतपातसब ॥भरतचरित
जपजाग ॥कलिअघखलअवगुणकथन ॥तेजलमलबककाग॥

॥६२॥ ॥चौपाई॥ ॥कीरतिसरितछहूंऋतुरूरी॥समयसुहा
वनिपावनिभूरी॥हिमहिमशैलसुताशिबब्याहू॥शिशिरसुखदप्र
भुजन्मउछाहू॥वरणबरामबिबाहसमाजू॥सोमुदमंगलमयऋतुरा





जू॥ग्रीषमदुःसहरामवनगमनू॥पंथकथाअरआतपपवनू॥वर्षा
घोरनिशाचररारी॥सुरकुलशालिसुमंगलकारी॥रामराजसुखबिन
यबडाई॥बिशदसुखदसोइशरदसुहाई॥सतीशिरोमणिसियगुण
गाथा॥सोइगुणअमलअनूपमपाथा॥भरतसुभावसुशीतलता
ई॥सदाएकरसबरणिनजाई॥ ॥दोहा॥ ॥अवलोकनिबोल
निमिलनि॥प्रीतिपरस्परहास॥भायपभलिचहुंबंधुकी॥जलमाधु
रीनिवास॥६३॥ ॥चौपाई॥ ॥आरतिबिनयदीनतामोरी॥लघु
ताललितसुवारिनथोरी॥अदभुतसलिलसुनतगुणकारी॥आश
पिआशमनोमलहारी॥रामसुप्रेमहिपोषतपानी॥हरतसकलक

लिकलुषगलानी ॥भवश्रमशोषकतोषकतोषा ॥शमनदुरितदुख
दारिद्दोषा॥कामक्रोधमदमोहनशावनि॥विमलबिबेकबिरागबढा
वनि॥सादरमज्जनपावनकियेतें ॥मिटहिपापपरितापहियतें ॥जिन
बारिमानसधोये॥तेकायरकलिकालबिगोए॥तृषितनिरखिरबिकर
भारी॥फिरहिंमृगाजिमिजीवदुखारी॥ ॥दोहा॥ ॥मतिअनुहा
रसुबारिगुण॥गणमतिमनअन्हवाई॥सुमिरिभवानीशंकरहिं॥क
हकबिकथासुहाई॥६४॥अबरघुपतिपदपंकरुह॥हियधरिप्रसाद॥
कहोंयुगलमुनिवर्यकर॥मिलनसुभगसंवाद॥६५॥भरद्वाजप्रश्नकि
यज्ञानबलिकमुनिपाइ॥प्रथमसुरव्यसवादसोइ॥कहिहोंहेतुबुझाई
॥६६॥ ॥चौपाई॥ ॥भरद्वाजमुनिबसहिंप्रयागा॥तिन्हहिंरामपद
अतिअनुरागा॥तापसशमदमदयानिधाना॥परमारथपथपरम-
सुजाना॥माघमकरगतरबिजबहोई॥तीरथपतिहिंआवसबको
ई॥देवदनुजकिन्नरश्रेणी॥सादरमज्जहिंसकलत्रिवेणी॥पूजहिं
पदजलजाता॥परसिअक्षयवटहर्षितगाता॥भरद्वाजआश्रमअ
तिपावन॥परमरम्यअतिमुनिवरभावन॥तहांहोइऋषयसमाजा॥
जाहिंयेमज्जनतीरथराजा॥मज्जहिंप्रातसमेतउछाहा॥कहपरस्पर
हरिगुणगाहा॥ ॥दोहा॥ ॥ब्रह्मनिरूपणधर्मनिधि॥बरणहिंतत्व
विभाग॥कहहिभक्तिभगवंतकी॥सयुतज्ञानबिराग॥६७॥चौपाई
॥एहिप्रकारभरिमकरनहाही॥पुनिसबनिजआश्रमजाहीं॥प्रतिसं
वतअतिहोइअनंदा॥मकरमज्जिगवनहिंमुनिवृंदा॥एकबारभरि
मकरनहाए॥सबमुनिआश्रमनासिधाए॥जाज्ञबलिकमुनिपरमबि
बेकी॥भरद्वाजराखेपदटेकी॥सादरसरोजचरणपरवारे॥अतिपुनी
तआसनबेठारे॥करिपूजामुनिसुजशबखानी॥बोलेअतिपुनीतमृदु
बानी॥नाथएकसंशयबडमोरे॥करतलबेदतत्वसबतोरे॥कहतमें

हिलागतभयलाजा ॥जोनकहौंबडहोइअकाजा ॥ ॥दोहा॥ ॥
संतकहहिंअसनीतिप्रभु ॥श्रुतिपुराणमुनिगाव ॥होइनविमलविवे
कउर ॥गुरुसनकियेदुराव ॥ ६८ ॥ ॥चौपाई॥ ॥असबिचारिप्रग
टौंनिजमोहि ॥हरहुनाथकरिजनपरछोहू ॥रामनामकरअमितप्रभा
वा ॥सतपुराणउपनीषदगावा ॥संततजपतशंभुअविनाशी॥ शिव
भगवानज्ञानगुणराशी ॥आकरचारिजीवजगअहहीं ॥काशीमरत
परमपदलहहीं ॥सोपिराममहिमामुनिराया ॥शिवउपदेशकरतकर
दाया ॥रामकवनप्रभुपूछौंतोहीं ॥कहियबुझाइकृपानिधिमोहीं ॥ए
करामअवधेशकुमारा ॥तिनकरचरितबिदितसंसारा ॥नारिबिरह
दुखलहेउअपारा ॥भएउरोषरणरावणमारा ॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभु
सोइरामकिअवरकोऊ ॥जाहिजपतत्रिपुरारि ॥ सत्यधामसर्वज्ञतुम
॥कहहुबिबेकबिचारि ॥ ६९ ॥ ॥चौपाई॥ ॥जैसेंमिटैमोरभ्रम
भारी ॥कहहुसोकथानाथबिस्तारी ॥जाज्ञबलिकबोलेमुस्काई ॥तु
महिंबिदितरघुपतिप्रभुताई ॥रामभक्तनुमक्रमनबानी ॥चतुराईतु
म्हारीमैंजानी ॥चाहहुसुनेरामगुणगूढा ॥कीन्हेउप्रश्नमनहुअतिमू-
ढा ॥तातसुनहुसादरमनलाई ॥कहहुरामकीकथासुहाई ॥महामो
हमहिखेषविशाला ॥रामकथाकलिकालकराला ॥रामकथाशशि
किरणसमाना ॥संतचकोरकरहिंजेहिपाना ॥ऐसेसंशयकीन्हभवा
नी ॥महादेवतबकहाबखानी ॥ ॥दोहा॥ ॥कहौंसोमतिअनुहा
रिअब ॥उमाशंभुसंवाद ॥भयउसमयजेहिहेतुसब ॥सुनुमुनिबिटहि
विषाद ॥ ७० ॥ ॥चौपाई॥ ॥एकवारत्रेतायुगमाहीं ॥शंभुगयेकुं
भजऋषिपाहीं ॥संगसतीजगजननिभवानी ॥ पूजेऋषिअखिलेश्वर
जानी ॥रामकथामुनिवर्यबखानी ॥मुनिमहेशपरमसुखमानी ॥ऋ
षिपूछिहरिभक्तिसुहाई ॥कहीशंभुअधिकारीपाई ॥कहतसुनतर

घुपतिगुणगाथा ॥ कछुदिनतहांरहेगिरिनाथा ॥ मुनिसनबिदामांगित्रि
पुरारी ॥ चलेभवनसंगदक्षकुमारी ॥ तेहिंअवसरभंजनमहिभारा ॥ हरि
रघुवंशलीनअवतारा ॥ पिताबचनतजिराजउदासी ॥ दंडकबनबिचरत
अबिनासी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ हृदयबिचारतजातहर ॥ केहिबिधिदरश
नहोइ ॥ गुप्तरूपअवतरेउप्रभु ॥ गयेजानसबकोइ ॥ ७१ ॥ ॥ चौपा
ई ॥ ॥ रावणमरणमनुजकरजांचा ॥ प्रभुबिधिबचनकीनचहसांचा
॥ जौंनहिंजाउंरहेपछितावा ॥ करतबिचारनबनतबनावा ॥ एहिबिधि
भएशोचबशईशा ॥ ताहिसमयजाईदशशीशा ॥ लीननीचमारीच-
हिंसंगा ॥ भयउतुरतसोइकपटतुरंगा ॥ करीछलमूढहरीबैदेही ॥ प्र
भुप्रतापउरबिदितनतेही ॥ मृगबधिबंधुसहितहरिआए ॥ आश्रमदे
खिनयनजलछाए ॥ बिरहबिकलनरइवरघुराई ॥ खोजतबिपिनफिर
तदोभाई ॥ कबहूयोगबियोगनजाके ॥ देखाप्रकटबिरहदुखताके
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ अतिविचित्ररघुपतिचरित ॥ जानहिंपरमसुजान
॥ जेमतिमंदबिमोहवश ॥ हृदयधरहिंकछुआन ॥ ७२ ॥ ॥ सोर
ठा ॥ ॥ शंकरउरअतिक्षोभ ॥ सतीनजानहिमर्मसोइ ॥ तुलसीद
र्शनलोभ ॥ मनडरलोचनलालचि ॥ ७३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ शंभु
समयतेहिंरामहिंदेखा ॥ उपजाहर्षहियअतिविशेषा ॥ भरिलोचन
छबिसिंधुनिहारी ॥ कुसमयजानिनकीन्हचिन्हारी ॥ जयसच्चिदानंद
जगपावन ॥ असकहिचलेउमनोजनशावन ॥ चलेजातशिवसती-
समेता ॥ पुनिपुनिपुलकितकृपानिकेता ॥ सतीसोदशाशंभुकीदेखी
॥ उरउपजासंदेहविशेषी ॥ शंकरजगतवंद्यजगदीशा ॥ सुरन
रमुनिसबनावतशीसा ॥ तीन्हनृपसुतहिंकीन्हप्रणामा ॥ कहि-
सच्चिदानंदपरधामा ॥ भयेमगनछबितासुविलोकी ॥ अजहुंप्रीति-
उररहतिनलोकी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ ब्रह्मजोव्यापकबिरजअ

ज ॥अकलअनीहअभेद॥सोकिदेहधरिहोइनर ॥जाहिनजानतबे
द॥७४॥ ॥चौपाई॥ ॥विष्णुजोसुररहितनरतनुधारी॥
जोसर्वज्ञयथात्रिपुरारी ॥खोजतशोकअज्ञइवनारी॥ज्ञानधामश्रीप
तिअसुरारी॥शंभुगिरापुनिमृषानहोई॥शिवसर्वज्ञज्ञानसबकोई॥
असससंशयमनभयउअपारा॥होइनहृदयप्रबोधप्रचारा॥यद्यपिप्रग
टनकहेउभवानी॥हरअंतरजामीसबजानी॥सुनहुसतीतबनारि
सुभाऊ॥संशयअशनधरियउरकाऊ॥जासुकथाकुंभजऋषिगाई
॥भक्तिजासुमेंमुनिहिसुनाई॥सोममइष्टदेवरघुबीरा॥सेवत
जाहिसदामुनिधीरा॥ ॥छंद॥ ॥मुनिधीरयोगीसिद्धसंतत
बिमलमनजेहिध्यावहिं॥कहिनेतिनिगमपुराणआगमजासुकीर
तिगावहीं॥३॥सोइरामब्यापकब्रह्मभुवननिकायपतिमायाधनी
॥अवतरेउअपनेभक्तहित॥निजतत्ररघुकुलमानी॥४॥ ॥सोरठा
॥लागनउरुउपदेश॥यदपिकहेउशिवबारबहु॥बोलेबिहंसिमहे
श॥हरिमायाजियजानिबल॥७५॥ ॥चौपाई॥ ॥जोतुमरेमन
अतिसंदेहू॥तोकिनजाइपरिक्षालेहू॥तबलगिबैठिहौंबटछाहीं॥ज
बलगितुमऐहहुमोहिपाहीं॥जैसेजाइमोहभ्रमभारी॥करेहूयतन
विवेकबिचारी॥चलीसतीशिवआयसपाई॥करिहिबिचारकरहुभा
ई॥उहांशंभुअसमनअनुमाना॥दक्षसुताकहनहिकल्याना॥मोरे
उकहेनसंशयजाहीं॥विधिविपरीतभलाईनाहीं॥होइहिसोजोराम
रचिराखा॥कोकरितर्कबढावहिशाखा॥असकहिलगेजपनहरिना
मा॥गयीसतीजहप्रभुसुखधामा॥ ॥दोहा॥ ॥पुनिहृदयबिचार
करिधरिसीताकररूप॥आगेहोइचलिपंथतेहिं॥जेहिंआवतनरभूप
७६॥ ॥चौपाई॥ ॥लक्ष्मणदीखउमाकृतवेषा॥चकितहृदयभ्रम
यउविशेषा॥कहिनसकतकछुअतिगंभीरा॥प्रभुप्रभावजानतमति-

रा॥सतीकपटजानेउसुरस्वामी॥समदरशीसबअंतरजामी॥सुमि
रतजाहिमिटेअज्ञाना॥सोइसर्वज्ञरामभगवाना॥सतीकीनचहताहि
दुराऊ॥देखहुनारिसुभावप्रभाऊ॥निजमायाबलहृदयबखानी॥बो
लेबिहंसिराममृदुबानी॥जोरिपाणिप्रभुकीनप्रणामू॥पितासमेतली
ननिजनामू॥कहेउबहोरिकहांवृषकेतु॥विपिनअकेलिफिरहिहेतु॥
॥दोहा॥ ॥रामबचनमृदुगूढसुनि॥उपजाअतिसंकोच॥सती
सभीतमहेशपहं॥चलीहृदयबडशोच॥७७॥ ॥चौपाई॥ ॥
मैंशंकरकरकहानमाना॥निजअज्ञानरामपरआना॥जाइउतरअ
बदेहौंकाहा॥उरउपजाअतिदारुणदाहा॥जानारामसतीदुखपा
वा॥निजप्रभावकछुप्रगटिनजावा॥सखीदिखकौतुकजाना॥आगें
रामसहश्रीभ्राता॥फिरिचितपावाछेप्रभुदेषा॥सहितबंधुसियसुंदर
वेषा॥जहंचितवतिप्रभुआसीना॥सेवहिंसिद्धमुनीशप्रवीना॥देखे
शिवाविधिविष्णुअनेका॥अमितप्रभावएकतेंएका॥वंदतचरणकर
तप्रभुसेवा॥विविधवेषदेखेसबदेवा॥ ॥दोहा॥ ॥सतीविधा
त्रीइंदिरा॥देखीअमितअनूप॥जेहिजेहिवेषअजादिसुर॥तेहिते
हितनुअनुरूप॥७८॥ ॥चौपाई॥ ॥देखेजहंतहंरघुपतिजे
ते॥शक्तिनसहितसकलसुरतेते॥जीवचराचरजेसंसारा॥देखेस
कलअनेकप्रकारा॥पूजहिंप्रभुहिदेवबहुवेषा॥रामरूपदूसरनहिंदेषा
॥अवलोकेबहुरघुपतिनेरे॥सीतासहितसुवेषघनेरे॥सोइरघुबर
लक्ष्मणसीता॥देखिसतीअतिभयीसभीता॥हृदयकंपतनुसुधि
कछुनाहीं॥नयनमूंदिबैठीमगमाहीं॥बहुरिविलोकेउनयनउघारी॥
कछुनदीखतहंदक्षकुमारी॥पुनिपुनिनाइरामपदशीसा॥चलीतहांजहंर
हेगिरीशा॥ ॥दोहा॥ ॥गयीसमीपमहेशतहं॥हंसिपूछाकुश
लात॥लीनिपरीक्षाकवनबिधि॥कहहुसत्यसबबात॥७९॥ ॥

चौपाई॥ ॥सतीसमुझिरघुवीरप्रभाऊ॥भयबशशिबसनकीन
दुराई॥कछुनपरीक्षालीनिगोशांई॥कीन्हप्रणामतुह्मारिहिनाई॥
जोतुमकहासोमृषानहोई॥मोरेमनप्रतीतिअतिसोई॥तबशंकरदेखे
उधरिध्याना॥सतीजोकीनचरितसबजाना॥बहुरिराममायहिंशिर
नावा॥प्रेरीसतिहिंजेहिजूठकहावा॥हरिइच्छाभावीबलवाना॥हृद
यबिचारतशंभुसुजाना॥सतीकीनसीताकरवेषा॥शिवउरभयोवि
षादविशेषा॥जोअबकरोंसतीसनप्रीति॥मिटैभक्तिपथहोइअनीती
॥दोहा॥ ॥परमप्रियानहिजाइतजि॥किएप्रेमबडपाप॥प्रगटन
कहतमहेशकछु॥हृदयअधिकसंताप॥ ८०॥ ॥चौपाई॥ ॥
तबशंभूप्रभुपदशिरनावा॥सुमिरतरामहृदयअशआवा॥अहित
नुसतिहिभेटमोहिनाहीं॥शिवसंकल्पकीन्हमनमाही॥असबिचारि
मतिधीरा॥चलेभवनसुमिरतरघुबीरा॥चलतगगनभैगिरासुहा
ई॥जयमहेशभलिभक्तिदृढाई॥असप्रणतुमबिनुकरेकोआना॥
रामभक्तसमरथभगवाना॥सुनीनभगिरासतीउरशोचा॥पूछाशि
वहिसमेतसकोचा॥कीन्हकवनप्रणकहहुक्रपाला॥सत्यधामप्रभुदी
नदयाला॥यदपिसतीपूछाबहुभांती॥तदपिनकहेउत्रिपुरआराती॥
॥दोहा॥ ॥सतीहृदयअनुमानकिय॥सबजानेउसर्वज्ञ॥
कीन्हकपटमैशंभुसन॥नारिसहजजडअज्ञ॥ ८१॥ ॥सोरठा॥
॥जलपयसरिसबिकाइ॥देखहुप्रीतिकिरीतिभलि॥बिलगहो
इरसजाइ॥कपटखटाईपरतरही॥ ८२॥ ॥चौपाई॥ ॥हृदय
शोचसमुझतनिजकरणी॥चिंताअमितजाइनहिबरणी॥क्रपासिं
धुशिवपरमअगाधा॥प्रगटनकहेउमोरअपराधा॥शंकररूपअव
लोकिभवानी॥प्रभुमोहितजेउहृदयअकुलानी॥निजअघसमुझि
नकछुकहिजाई॥तपैअवांइवउरअधिकाई॥सतीसशोचजानिवृ

षकेतू ॥ कहीकथासुंदरसुखहेतू ॥ वरणतपंथबिबिधिइतिहासा
बिश्वनाथपहुंचेकैलासा ॥ तहंपुनिशंभुसमुझिपणआपण ॥ बैठबट
तरकरिकमलासन ॥ संकरसहजरूपसंभारा ॥ लागिअखंडअपारा ॥
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सतीबसहिंकैलासतब ॥ अधिकशोचमनमांहि ॥
मर्मनकोऊजानकछु ॥ युगसमदिवससिराहिं ॥ ८३ ॥ ॥ चौपाई ॥
नितनवशोचसतीउरभारा ॥ कबजैहौंदुखसागरपारा ॥ मैंकीनरघु
पतिअपमाना ॥ पुनिपतिबचनमृषाकरिजाना ॥ सोफलुमोहिबिधाता
दीना ॥ जोकछुचित्तरहासोकीना ॥ अबबिधिअसबूझियनतोहीं ॥ शं-
करबिमुखजिआवहमोही ॥ कहीनजायकछुहृदयगलानी ॥ मनम
हरामसुमिरिशयानी ॥ जोप्रभुदीनदयालुकहावा ॥ आरतिहरणबे
दयशगावा ॥ तौमैंबिनयकरौंकरजोरी ॥ छूटयबेगिदेहयहमोरी ॥ जो
मोरेशिवचरणसनेहू ॥ मनक्रमबचनसत्यब्रतएहू ॥ ॥ दोहा ॥
तौसमदरशिसुनियप्रभु ॥ करौंसोबेगिउपाउ ॥ होइमरणजेहिबि
नहिंश्रम ॥ दुःसहबिपतिबिहाइ ॥ ८४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ इहिबिधि
दुखितप्रजेशकुमारी ॥ अकथनीयदारुणदुखभारी ॥ बीतेसंवतस
हससताशी ॥ तजीसमाधिशंभुअविनाशी ॥ रामनामशिवसुमिरण
लागे ॥ जानेउसतीजगतपतिजागे ॥ जाइशंभुपदवंदनकीन्हा ॥ संमु
खशंकरआसनदीन्हा ॥ लागेकहनहरिकथारसाला ॥ दक्षप्रजेशभ
येतेहिकाला ॥ देखाबिधिबिचारिसबलायक ॥ दक्षहिंकीनप्रजापति
नायक ॥ बडअधिकारदक्षजबपावा ॥ अतिअभिमानहृदयआवा
॥ नहिकोउअसजनमांजगमाहीं ॥ प्रभुतापाइजाहिमदनाहीं ॥
दोहा ॥ ॥ दक्षलियेमुनिबोलिसब ॥ करणलगेबडयाग ॥ नेवतेस
दरसकलसुर ॥ जेपावतमखभाग ॥ ८५ ॥ ॥ चौपाई ॥ किन्नरनाग
सिद्धगंधर्वा ॥ बंधूनसमेतचलेसुरसर्वा ॥ विष्णुबिरंचिमहेशबिहाई

चलेसकलसूरयानबनाई ॥ सतीबिलोकेगगनविमाना ॥ जातचलेसुं दरबिधिनाना ॥ सुरसुंदरीकरहिंकलगाना ॥ सुनतश्रवणछूटहिंमुनि ध्याना ॥ पूछेउशिवतबकहेउबखानी ॥ पितायज्ञसुनिकछुहरषानी ॥ जौमहेशमोहिआयसुदेहीं ॥ कछुदिनजायरहौंमिसएहिं ॥ पतिपरित्या गहृदयदुखभारी ॥ कहैननिजअपराधबिचारी ॥ बोलीसतीमनोहरबा नी ॥ सभयसकोचप्रेमरससानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ पिताभवनउत्सव परम ॥ जोप्रभुआयसुहोइ ॥ तौमैंजाउंकृपायतन ॥ सादरदेखनसोई ॥ ८६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कहेउनीकमोरेमनभावा ॥ यहअनुचितन हिंनवतपठावा ॥ दक्षसकलनिजसुताबुलाई ॥ हमरेबयरतुम्हैंबिस राई ॥ ब्रह्मसभाहमसनदुखमाना ॥ तेहितेअजहुकरहिंअपमाना ॥ जौं बिनुबोलेउंजाउंभवानी ॥ रहैनशीलसनेहनकानी ॥ यदपिमित्रप्रभुपि तुगुरुगेहा ॥ जाइयबिनुबोलेहुनसंदेहा ॥ तदपिबिरोधमानजहंकोई नहांगयेंकल्याणनहोइ ॥ भांतिअनेकशंभुसमुझावा ॥ भावीवशन ज्ञानउरआवा ॥ कहप्रभुजाहुजोबिनहिंबुलाए ॥ नहिंबातहमारेभाए ॥ दोहा ॥ ॥ करिदेखाहरयतनबहु ॥ रहीनदक्षकुमारि ॥ दियेमु ख्यगणसंगतब ॥ बिदाकीनत्रिपुरारि ॥ ८७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ पिताभवनजबगयीभवानी ॥ दक्षत्रासनकहूसनमानी ॥ सादरभले मिलीएकमाता ॥ भगिनीमिलीबहुतमुसकाता ॥ दक्षनकछुपूछीकु शलाता ॥ सतीबिलोकिजरेसबगाता ॥ सतीजाइदेखेउतबजागा ॥ कतहुनदीखशंभुकरभागा ॥ तबचितचढेउजोशंकरकहेउ ॥ प्रभुअ पमानसमुझिउरदहेउ ॥ पाछिलदुःखनहृदयअसब्यापा ॥ जसयह भयउमहापरितापा ॥ यद्यपिजगदारुणदुखनाना ॥ सबतेंकठिन अपमाना ॥ समुझिसतीयहभाअतिक्रोधा ॥ बहुबिधजननीकीनप्र बोधा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ शिवअपमाननजाइसहि ॥ हृदयनहो

इप्रबोधा॥ सकलसभहिंहठिहठकितेब ॥ बोलीवचनसक्रोध॥८८
॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनहुसभासदसकलमुनींदा॥कहीसुनीजिनसं
करनींदा॥सोफलतुरतलहबसबकाहू॥भलीभांतिपछितावपिताहू
॥संतशंभुश्रीपतिअपवादा॥सुनियजहांतहांअसमर्यादा॥काटिय
तासुजीभजोवताई॥श्रवणमुदिनहिचलीयपराई॥जगदात्मामहेश
त्रिपुरारी॥जगतजनकसबकेहितकारी॥पितामंदमतिनिंदतनेही
दक्षशुक्रसंभवयहदेही॥तजिहोंतुरतदेहनेहिहेतु॥उरधरिचंद्रमौ
लिवृषकेतु॥असकहिजोगअग्नितनुजारा॥भयउसकलमखहाहा
कारा॥ ॥दोहा॥ ॥सतीमरणसुनिशंभुगण॥लगेकरणमख
खीस॥यज्ञबिधांसबिलोकिभृगु॥रक्षाकीनिमुनीश॥८९॥ ॥चौ
पाई॥ ॥समाचारसबशंकरपाये॥वीरभद्रकरिकोपपठाये॥यज्ञवि
धांसजाइतिनकीन्हा॥सकलसुरनविधिवतफलदीन्हा॥भैजगबिदि
तदक्षगतिसोई॥जसकछुशंभुविमुखकेहोई॥यहइतिहाससकल
जगजाना॥तातेमैंसंक्षेपबखाना॥सतीमरतहरिसनबरमांगा॥जग
जन्मशिवपदअनुरागा॥तेहिकारणहिमगिरिगृहजाई॥जनमीपा
रवतीतनुपाई॥जबतेंउमाशैलगृहजाई॥सकलसिद्धिसंपतितहं
छाई॥जहंतहंमुनिनसुआश्रमकीन्हे॥उचितबासहिमभूधरदीन्हे॥
॥दोहा॥ ॥सदासुमनफलसहितसब॥द्रुमवननानाजाति॥प्र
कटेसुंदरशैलपर॥मणिआकारबहुभांति॥९०॥ ॥चौपाई॥
॥सरितासबपुनीतजलबहई॥खगमृगमधुपसुखीसबरहई॥
सहजबयरसबजीवनत्यागा॥गिरिपरसकलकरहिंअनुरागा॥सो
हशैलगिरिजागृहआये॥जिमिजनरामभक्तिकेपाये॥नितनूतनमंग
लगृहतासू॥ब्रह्मादिकगावहियशजासू॥नारदसमाचारसबपाये॥कौ
तुकगिरिगेहसिधाये॥शैलराजबडआदरकीन्हा॥पदपखारिबरआस

नदीन्हा ॥नारीसहितमुनिपदशिरनावा॥चरणसलिलसबभवनसिंचा



वा ॥जिनसौभाग्यबहुतगिरिबरणा ॥सुताबोलिमेलीमुनिचरणा॥ दोहा॥ ॥त्रिकालज्ञसर्बज्ञतुम ॥गतिसर्वत्रतुह्मारि॥कहहुसुताकेदोषगुण॥मुनिवरहृदयबिचारि॥९१॥ ॥चौपाई ॥८ ॥कहामुनिबिहंसिगूढमृदुबानी ॥सुतातुह्मारिसकलगुणखानी ॥सुंदरिसहजसुशीलसयानी ॥नामउमाअंबिकाभवानी॥सबलक्षणसपन्नकुमारी॥ होइहिसंततपियहिपियारी ॥सदाअचलएहिकरअहिबाता॥एहितेंयशपैहहिंपितुमाता ॥होइहिपूज्यसकलजगमाहीं ॥एहिसेबतकछुदुलभनाहीं ॥एहिकरनामसुमिरिसंसारा ॥त्रियचढिहहिंपतिव्रतअसिधारा॥शैलसुलक्षणसुतातुह्मारी॥सुनहुजेअबगुणहेदुइचारी ॥अगुणअमानमातपितुहीना ॥उदासीनसबसंशयकीन्हा ॥ दोहा॥ योगीजटिलअकाममन ॥नगनअमंगलवेष॥असस्वामियहकहमिलहिं

परीहरूतत्र्प्रसरेरवा॥९२॥ ॥चौपाई॥सुनिमुनिगिरासत्यजियजानी॥
दुरवदंपतिहिउमाहरषानी॥नारदहुयहभेदनजाना॥दशाएकसमुझत-
विलगाना॥सकलसरवीगिरिमयना॥पुलकशरीरभरेजलनयना॥होइ
नमृषादेवऋषिभाषा॥उमासोबचनहृदयधरिराषा॥उपजेउशिवपदकम
लसनेहू॥मिलनकठिनभासंदेहू॥जानिकुअवसरप्रीतिदुराई॥सरिवबैठि
पुनिजाई॥झूटिनहोइदेवऋषिबानी॥शोर्चाहिदंपतिसरवीसयानी॥उरध
रिधीरकहेउगिरिराऊ॥कहहुनाथकाकरियउपाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥क
हमुनीशहिमवंतसुनि॥जोबिधिलरवालिलार॥देवदनुजनरनागमुनि॥
कोउनमेटनहार॥९३॥ ॥चौपाई॥ ॥तदपिएकमैंकहौंउपाई॥हो
इकरैज्योंदेवसुहाई॥जसबरमैंबरणेउतुमपाहीं॥मिलिहिउमहिकछु
संशयनाही॥जेजेवरकेदोषबषाने॥तेसबशिवपहमैंअनुमाने॥जौबि
बाहशंकरसनहोई॥दोषागुणसमकहसबकोई॥जौअहिसेजशयनह
रिकरहीं॥बुधकछुतिन्हकरदोषनधरहीं॥भानुकृशानुसर्वरसखाहीं
तिनकहमंदकहतकोउनाहीं॥शुभअरुअशुभसलिलसबवहई॥सुर
सरिकोऊअपुनीतनकहई॥समरथकहनहिंदोषगुसाईं॥रविपावक
सुरसरिकीनाई॥ ॥दोहा॥ ॥ऐसेहिशिखिकरहिनर॥जडवि
वेकअभिमान॥परहिकल्पभरिनरकमहं॥जीवकिईशसमान॥९४
॥ ॥चौपाई॥ ॥सुरसरिजलकृतवारुणिजाना॥कबहुनसंत
करैतेहिपाना॥सुरसरिमिलैपावनजैसे॥ईशअनीशहिंअंतरतैसे॥
शंभुसहजसमरथभगवाना॥एहिबिवाहसबबिधिकल्याना॥दुरा
राध्यपैअहहिमहेसू॥आशुतोषपुनिकियेकलेशू॥जौतपकरैकुमा
रितुह्मारी॥भाविउमेटिशकैत्रिपुरारि॥यद्यपिवरअनेकजगमाहीं,
यहिंकहंतजिशिवदूसरनाहीं॥वरदायकप्रणतारतिभंजन॥कृपासि
धुसेवकमनरंजन॥इच्छितफलबिनुशिवआराधे॥लहइनकोटि-

योगजपसाधें॥ ॥दोहा॥ ॥असकहिनारदसुमिरिहरि।गिरि
जहिंदीन्हअशीश॥होइहियहकल्याणमय॥संशयतजहुगिरीश॥
९५॥ ॥चौपाई॥ ॥कहिअसब्रह्मभवनमुनिगयेऊ॥आगलच
रितसुनहुजशभएऊ॥पतिहिएकांतपायकहमयना॥नाथनमनसमु
झेउमुनिबयना॥जोधरवरकुलहोइअनूपा॥करियबिबाहसुताअनु
रूपा॥नतुकन्यावररहेकुमारी॥कंतउमाममप्राणपियारी॥जोनमि
लहिवरगिरिजहियोगू॥गिरिजडसहजकहहिंसबलोगू॥सोबिचारि
पतिकरहुबिबाहू॥जेहिनवहोरिहोइउरदाहू॥असकहिपरीचरणधरि
शीशा॥बोलेसहितसनेहगिरीशा॥बरुपावकप्रगटैशशिमांही॥नारद
बचनअन्यथानाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥प्रियाशोचपरिहरहुसब॥सु
मिरहुश्रीभगवान॥पार्वतीजिननिर्मएऊ॥सोइकरिहहिकल्यांन॥९६
॥ ॥चौपाई॥ ॥अबजोतुमहिसुतापरनेहू॥तौअसजाहिशिख
वनदेहू॥करैसोतपजेहिंमिलहिंमहेसू॥आनउपायनमिटिहिकलेशू
॥नारदबचनसत्यसबहेतू॥सुंदरसबगुणनिधिवृषकेतू॥असबिच
रितुमतजुसबशंका॥सबाहिभांतिशंकरअकलंका॥सुनिपतिबचन
हर्षिमनमाहीं॥गईतुरितउठिगिरिजापाहीं॥उमहिविलोकिनयनभरि
वारी॥सहितसनेहगोदबैठारी॥बारहिंबारलेतिउरलाई॥सद्गदकंठन
कछुकहिजाइ॥जगतमातुसर्वज्ञभवानी॥मातुसुखदबोलीमृदुबा
नी॥ ॥दोहा॥ ॥सुनहुमातुमैंदीखअस॥स्वप्नसुनाउंतोहि॥सुंद
रगोरसुबिप्रवर॥असउपदेशेउमोहि॥९७॥ ॥चौपाई॥ ॥
करहुजाइतपशैलकुमारी॥नारदकहासोसत्यबिचारी॥मातुपितहिं
पुनियहमतभावा॥तपसुखप्रददुखदोषनशावा॥तपबलरचैप्रपंच
विधाना॥तपबलविष्णुसकलजगपाता॥तपबलशंभुकरहिं
संघारा॥तपबलशेषधरहिंमहिभारा॥तपअधारसबसृष्टिभ-

वानी ॥ करहुजाइतपअसजियजानी ॥सुनतबचनबिस्मितमहंतारी ॥ स्वप्नसुनायेउंगिरिहिंहुंकारी ॥मातुपितहिंबहुविधसमुझाई ॥ चलीउमानपहितहरषाई ॥प्रियपरिवारपिताअरुमाता ॥ भयेविकलमुखआवनवाता ॥ ॥दोहा ॥ ॥वेदशिरामुनिआइतब ॥ सबहिकहासमुझाइ ॥ पारबतीमहिमासुनत ॥रहेप्रबोधहिपाई ॥ ९८ ॥ ॥चौपाई ॥ ॥उरधरिउमाप्राणपतिचरणा ॥जाइविपिनलागीतपकरणा ॥ अतिसुकुमारिनतनुतपयागू ॥पतिपदसुमिरितजेउसबभोगू ॥ नितवनचरणउपजअनुरागा ॥ बिसरीदेहतपहिंमनलागा ॥संवतसहसमूलफलखाये ॥शाकखाइशतवर्षगवाये ॥ कछुदिनभोजनवारितवासा ॥कियेकठिनकछुदिनउपवासा ॥ बेलपातमहिपरेउसुखाई ॥तीनिसहससंवतसोखाई ॥पुनिपरिहरेउपुराणेउपर्णा ॥उमानामतबभयउअपर्णा ॥तोहिउमहितपक्षीणशरीरा ॥ब्रह्मागिराभयगगनगंभीरा ॥ ॥दोहा ॥ ॥भयउमनोरथसुफलतब ॥सुनिगिरिराजकुमारि ॥परिहरदुसहकलेशसब ॥अबमिलिहहिंत्रिपुरारि ॥ ९९ ॥ ॥चौपाई ॥ ॥असतपकाहुनकीनभवानी ॥ भयेअनेकधीरमुनिज्ञानी ॥ अबउरधरहुब्रह्मवरवानी ॥सत्यसदासंततशुचिजानी ॥आवेंपिताबुलावनजबही ॥हठपरिहरिधरजायहुंतबही ॥मिलहितुमहिंजबसप्तऋषीशा ॥जानेहुतबप्रमाणवागीशा ॥सुनतगिराबिधिगगनबखानी ॥पुलकगातगिरिजाहरषानी ॥उमाचरितसुंदरगावा ॥सुनहुशंभुकरचरितसुनावा ॥जबतेंसतीजाइतनुत्यागा ॥तबतेंशिवमनभयेउबिरागा ॥जपहिसदारघुनायकनामा ॥जहंतहंसुनहिंरामगुणग्रामा ॥ ॥दोहा ॥सच्चिदानंदसुखधामशिव ॥विगतमोहमदकाम ॥बिचरहिंमहिधृहृदयहरि ॥ सकललोकअभिराम ॥१०० ॥ ॥चौपाई ॥ कतहुंमुनिनउपदे

शहिंज्ञाना॥कतहुंरामगुणकरहिंबखाना॥यदपिअकामतदपिभग
वाना॥भगवतिहरदुखसुजाना॥यहिबिधिगयेउकालबहुवीती॥नि
तनवहोइरामपदप्रीति॥नेमप्रेमशंकरकरदेखा॥अविचलहृदयभ
क्तिकीरेखा॥प्रगटेरामकृतज्ञकृपाला॥रूपशीलनिधितेजविशाला॥
बहुप्रकारशंकरसराहा॥तुमबिनुअसव्रतकोनिरबाहा॥बहुबिधिराम
शिवहिंसमुझावा॥पारबतीकरजन्मसुनावा॥अतिपुनीतगिरिजाकी
करणी॥बिस्तरसहितकृपानिधिबरणी॥ ॥दोहा॥अबबिनती
ममसुनहुशिव॥जोमोपरनिजनेहु॥जाइबिबाहहुशैलजहि॥यहमो
हिमांगेदेहु॥१०१॥ ॥चौपाई॥ ॥कहशिवउचितअसनाही॥ना
थबचनमेटिनजाही॥शिरधरिआयकरियतुह्मारा॥परमधरमयह
नाथहमारा॥मातुपितागुरुप्रभुकीबानी॥बिनाहिबिचारकरिअभजानि
॥तुमसबभांतिपरमहितकारी॥आज्ञाशिरपरनाथतुह्मारी॥प्रभुतो
षेउसुनिशंकरबचना॥भक्तिबिबेकधर्मयुतरचना॥कहप्रभुहरतुह्म
रपणरहेउ॥अबउररारवेहुजोहमकहेऊ॥अंतरध्यानअसभारवी॥
शंकरसोमूरतिउररारवी॥तबहिंसप्तऋषिशिवपहआये॥बोलेप्रभु
अतिबचनसुहाये॥ ॥दोहा॥ ॥पारवतीपहजाइतुम॥प्रेमपरीक्षा
लेहु॥गिरिहिप्रेमपठयेहुभवन॥दूरिकरहुसंदेह॥१०२॥ ॥चौपाई
॥तबऋषितुरतगौरिपहंगएउ॥देखिदशामुनिविस्मयभयेउ॥ऋषि
नगौरीदेखितहंकैसी॥मूरतिवंततपस्याजैसी॥बोलेमुनिसुनुशैलकु
मारी॥करहुकवनकारनतपभारी॥केहिआराधहुकातुमचहहू॥हमस
नसत्यमर्मकहहु॥सुनतऋषिनकेबचनभवानी॥बोलीगूढमनोहरबा
नी॥कहतमरममनअतिसकुचाई॥हंसिहहुसुनिहमारिजडताई॥
मनहठपरासुनैनासिखावा॥चहतवारिपरभीतिउठावा॥नारदकहा
सत्यसोइजाना॥बिनुपंषनहमचहहिंउडाना॥देखहुमुनिअबिबेकह

मारा॥चाहहिशिवहिसदाभरतारा॥ ॥दोहा॥ ॥सुनतबचनबि
हसेऋषय॥गिरिसंभवतवदेह॥नारदकहुउपदेशकौनि॥कहुहुबसे
कोगेह॥२०३॥ ॥चौपाई॥ ॥दक्षसुतनउपदेशेनिजाई॥तिन
फिरिभवननदेखेउआई॥चित्रकेतुकरघरुउनघाला॥कनककशिपु
करपुनिअसहाला॥नारदसीखजेसुनहिनरनारी॥अवशिभवनतजि
होहिंभिखारी॥मनकपटीतनसज्जनचीन्हा॥आपसरिससबहीचह
कीन्हा॥तेहिकेबचनमानिविश्वासा॥तुमचाहहुपतिसहजउदासा॥
निर्गुणनिलजकुवेषकपाली॥अकलअगेहदिगंबरब्याली॥कहहुक-
वनसुखअसबरपाये॥भलभूलिउठगकेबौराये॥पंचकहेशिवसती
बिबाही॥पुनिअबडेरिमराइबनाही॥ ॥दोहा॥ ॥अबसुखसो-
वतशोचमहि॥भीखमांगिभवखांहीं॥सहजएकाकिनकेभवन॥
कबहुकिनारिखटांहि॥२०४॥ ॥चौपाई॥ ॥अजहुमानहुक
हाहमारा॥हमतुमकहंबरनीकबिचारा॥अतिसुंदरशुचिसुखदसु
शीला॥गावहिंबेदजासुयशलीला॥दूषणरहितसकलगुणरासी॥
श्रीपतिपुरवैकुंठनिवासी॥असबरतुमहिमिलाउबआनी॥सुनत
बिहसिकहबचनभवानी॥सत्यकहहुगिरिभवतनुएहा॥हठनछू
टैबरुदेहा॥कनकौसुनिपषानतेंहोई॥जारेउसहजनपरिहरसोई॥
नारदबचननहींपरिहरहूं॥बसौभवनउजरौनहिडरऊं॥गुरुकेबचन
प्रतीतिनजेही॥सपनेहुसुगमनसुखसिधितेही॥ ॥दोहा॥ ॥
महादेवअवगुणभवन॥विष्णुसकलगुणधाम॥जेहिकरमनरम
जाहिसन॥ताहितेहिसनकाम॥२०५॥ ॥चौपाई॥जोतुममिलते
हुप्रथममुनीशा॥सुनिउंसीखितुह्मारिधरिशीसा॥अबमेंजन्मशंभु-
हितहारा॥कोगुणदोषहिंकरैबिचारा॥जोतुमरेहठहृदयविशेषी॥
रहिनजाइबिनकियेबरेषी॥तौकौतुकीअनआलसनाहीं॥बरकन्य-

अनेकजगमाहीं ॥जन्मकोटिलगिरगरहुमारी ॥बसैशंभुनतुरहौंकु
मारी ॥तजौंननारदकरउपदेशू ॥आपुकहहिंशतबारमहेशू ॥मैंपाप
रौंकहेउजगदंबा ॥तुमगृहगवनहुभएउविलंबा ॥देखिप्रेमबोलेमुनि
ज्ञानी ॥जयजयजयजगदंबभवानी ॥ ॥दोहा॥ ॥तुममाया
भगवानशिव ॥सकलजगतपितुमात ॥नाइचरणशिरमुनिचलेउ ॥पु
निपुनिहर्षितगात ॥१०६॥ ॥चौपाई॥ ॥जाइमुनिनहिमवंतपठा
ये ॥करिबिनतीगिरिजहिगृहलाये ॥बहुरिसप्तऋषिशिवपहंजाई ॥
कथाउमाकीसकलसुनाई ॥भयेमगनशिवसुनतसनेहा ॥हर्षिसप्तऋ
षिगवनेगेहा ॥मनथिरकरितबशंभुसुजाना ॥लगेकरणरघुनायक
ध्याना ॥तारकअसुरभयेहुतेहिकाला ॥भुजप्रतापबलतेजविशाला
तेहिसबलोकलोकपतिजीते ॥भयेदेवसुखसंपतिरीते ॥अजरअमर
सोजीतिनजाई ॥हारेसुरकरिबिबिधलराई ॥तबबिरंचिसनजाइपु
कारे ॥देखेबिधिसबदेवदुखारे ॥ ॥दोहा ॥ सबसनकहाबुझा
यबिधि ॥दनुजनिधनतबहोइ ॥शंभुशुक्रसंभूतसुत ॥एहिजीतेर
णसोइ ॥१०७॥ ॥चौपाई॥ मोरकहासुनिकरहुउपाई ॥होइहिईश्व
रकरीसहाई ॥सतीजोतजीदक्षमखदेहा ॥जन्मीजाइहिमाचलगेहा
तेहितपकीन्हशंभुपतिलागी ॥शिवसमाधिबैठेसबत्यागी ॥यदपिअ
हेअसमंजसभारी ॥तपपिबातएकसुनहुहमारी ॥पठबहुकामजाइ
शिवपाई ॥करैक्षोभशंकरमनमाहीं ॥तबहमजाइशिवहिशिरनाई ,क
रवाउबविवाहबरिआई ॥यहिबिधिभलेहिदेवहितहोई ॥मतअतिक
हेउसबकोई ॥अस्तुतिसुरनकीनिअतिहेतू ॥प्रगटेउविषमबाणिच
रकेतु ॥ ॥दोहा॥ ॥सुरनकहीनिजबिपतिसब ॥सुनिमनकीनबिचा
र ॥शंभुविरोधनकुशलमोहीं ॥बिहंसिकहेउअसमार ॥१०८॥ ॥चौ
पाई॥ ॥तदपिकरबमैंकाजतुम्हारा ॥श्रुतिकहपरमधर्मउपकारा ॥

परहितलागितजोजेदेही ॥संततसंतप्रशंसहिंतेही ॥असकहिचले
उसबहिशिरनाई ॥सुमनधनुषकरसहितसहाई ॥चलतमारअसहृ
दयबिचारा ॥शिवविरोधध्रुवमरणहमारा ॥तबआपनप्रभावबि-
स्तारा ॥निजबशकीनसकलसंसारा ॥कोपेहिसबहिंबारिचरकेतू ॥
क्षणमहमिटेसकलश्रुतिसेतू ॥ब्रह्मचर्यव्रतसंशयनाना ॥धीरजध
र्मज्ञानबिज्ञाना ॥सदाचारजपयोगबिरागा ॥सभयविवेककटकसब
भागा ॥ ॥छंद॥ ॥भागेउविवेकसहाइसहितसोसुभटसंयुग
महिंमुरे ॥सदग्रंथपर्वतकंदरनमहजाइतेहिअवसरदुरे ॥५॥ होनि-
हारकारकोरखवारजगरबरभरपरा ॥दुइमातकेहिरतिनाथजेहि
कहंकोपिधनुशरकरधरा ॥ ॥दोहा॥ ॥जेसजीवजगअचर
चर ॥नारिपुरुषअसनाम ॥तेनिजमर्यादतजि ॥ भयेसकलवशका
म ॥१०९॥ ॥चौपाई॥ ॥सबकेहृदयमदनअभिलाषा ॥ल
तानिहारिनबहिंतरुशाखा ॥नदीउमगिअंबुधिकहधाई ॥संगमक
रहितलावतलाई ॥जहंअसदशाजडनकीबरणी ॥कोकहिशकेस
चेतनकरणी ॥पशुपक्षीनभजलथलचारी ॥भयेकामबशसकल
बिसारी ॥मदनअंधव्याकुलसबलोका ॥निशिदिननहिंअवलोक
हिंकोका ॥देवदनुजनरकिन्नरब्याला ॥प्रेतपिशाचभूतलबैताला ॥
इनकीदशानकहेउंबखानी ॥सदाकामकेचेरेजानी ॥सिद्धविरक्तम
हामुनियोगी ॥तेपिकामवशभयेवियोगी ॥ ॥छंद॥ ॥भये
कामबशयोगीशतापसपामरनरकीकोकहे ॥देवहिंचराचरनारि
मयजेब्रह्ममयदेखतरहे ॥७॥ अबलाबिलोकहिंपुरुषमयजगपुरु
षसबअबलामयम् ॥दुइदंडभरिब्रह्मांडभीतरकामकृतकौतुकअ
यम् ॥८॥ ॥सोरठा॥ ॥धरीनकाहूधीर ॥सबकेमनमनसिज
हरे ॥जेहिराखउरघुबीर ॥तेउबरेतेहिकालमहं ॥११०॥ चौपाई ॥

उभयधरिअसकौतुकभयऊ ॥जबलगिकामशंभुपहंगयऊ ॥शिव
हिबिलोकिसशंकेउमारू ॥भयउयथास्थितसबसंसारू ॥भयतुरत
जगजीवसुखारे ॥जिमिमदउतरिगयेमतवारे ॥ रुद्रहिंदेखिमदनभ
यमाना ॥दुराधर्षदुर्गमभगवाना ॥फिरतलाजकछुकहिनहिंजाई ॥मर
णठानिमनरचेसिउपाऊ ॥प्रगटेतुरुतहिऋतुराजा ॥कुसुमितनवत
रुराजिबिराजा ॥बनउपबनबापिकातडागा ॥परमसुभगसबदिशा
विभागा ॥जहंतहंजनुउमगतअनुरागा ॥देखिमुएहुमनमनसिजजागा
॥ ॥ छंद ॥ ॥जागेउमनोभवमुएहुमनवनसुभगतानपरेकही ॥
शीतलसुगंधसुमंदमारुतमदनअनलशाखासही ॥९॥बिकसेसरन
बहुकंजगुंजतपुंजमधुकरा ॥कलहंसशुकपिकसरससरबकरिगान
नाचहिंअपसरा ॥१०॥ ॥दोहा॥ ॥सकलकलाकरिकोटिवि
धि॥हारेउसेनसमेत ॥चलीनअचलसमाधिशिव ॥कोपेत्हृदयनिके
त ॥१११॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिरसालबिटपबरशाखा ॥तेहिपर
चढेमदनमनमाखा ॥सुमनचापशरसंधाने ॥अतिरिशताकिश्रवण
लगिताने ॥छाडेविषमविशिखउरलागे ॥छुटीसमाधिशंभुतबजागे
॥भयउईशमनक्षोभविशेषी ॥नयनउधारिसकलदिशिदेखी ॥सौरभ
पल्लवमदनविलोका ॥भयउकोपकंपेउत्रयलोका ॥तबशिवतीसरनय
नउघारा ॥चितवनकामभयउजरिछारा ॥हाहाकारभयेजगभारी ॥
डरपेसुरभयेअसुरसुखारी ॥समुझिकामसुखशोचहिभोगी ॥भये
अकंटकसाधकयोगी ॥ ॥छंद॥ ॥योगीअकटकभयेउपतिग
तिसुनतरतिमूर्छितभई ॥रोदतिबदतिबहुभांतिकरुणाकरतिशंकर
पहंगयी ॥२१॥अतिप्रेमकरिबिनतीबिबिधबिधिजोरिकरसमुखरही
प्रभुआशुतोषकृपालुशिवअबलानिरखिबोलेसही ॥२२॥ ॥दो
हा ॥ ॥अवतेरतितबनाथकर ॥होइहिनामअनंग ॥बिनुवपुव्या

पिसबाहिंपुनि ॥सुनुभिजामिलनप्रसंग ॥११२॥ ॥चौपाई॥ ॥
जबयदुवंशअवतारा ॥होइहिहरणमहामहिभारा ॥ कृष्णतनयहो
इहिपतितोरा ॥बचनअन्यथाहोइनमोरा ॥रतिगवनीसुनिशंकरबानी
॥कथाअवरपुनिकहौबखानी ॥देवनसमाचारसबपाये ॥ब्रह्मादिकवै
कुंठसिधाये ॥सबसुरविष्णुविरंचिसमेता ॥गयेजहांशिवकृपानिकेता
॥पृथकपृथककीनिप्रशंसा ॥भयेप्रसन्नचंद्रअवतंसा ॥बोलेकृपासिंधु
वृषकेतू ॥कहहुअमरआयेहुकेहिहेतू ॥कहविधीतुमप्रभुअंतरजामी
॥तदपिभक्तिबशबिनबहुस्वामी ॥ ॥दोहा॥ ॥सकलसुरनकेहृ
दयअस ॥शंकरपरमउछाहू ॥निजनयनदेखाचहहिं ॥नाथतुह्मार
विवाहू ॥११३॥ ॥चौपाई॥ ॥यहउत्सवदेखियभरिलोचन ॥सो
कछुकरियमदनमनमोचन ॥कामजारिरतिकहंबरदीन्हा ॥कृपासिं
धुयहअतिभलकीन्हा ॥शांसतिकरिपुनिकराहिंपसाऊ ॥नाथप्रभुनक
रसहजसुभाऊ ॥पारवतीतपकीन्हअपारा ॥करहुतासुअंगिकारा ॥
सुनिबिधिबिनयसमुझिप्रभुबानी ॥ऐसेहिहोइकहासुखमानी ॥तब
देवनदुंदुभीबजाई ॥बरषिसुमनजयजयसुरसांई ॥अवसरजानिस
प्तऋषिआये ॥तुरतहिबिधिगिरिभवनपठाये ॥प्रथमगयेजहंरही
भवानी ॥बोलेबचनमधुरछलछानी ॥ ॥दोहा॥ ॥कहाह
मारनसनेहुनब ॥नारदकरउपदेश ॥अवभारूठतुह्मारपण ॥
जारेउकाममहेश ॥११४॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुबोलीमुसुका
इभवानी ॥उचितकहेउमुनिवरविज्ञानी ॥तुह्मरेजानकामहरजा
रा ॥अबलगिशंभुरहेसबिकारा ॥हमरेजानसदाशिवयोगी ॥अज
अनवद्यअकामअभोगी ॥जोमेशिवसेएउंअसजानी ॥प्रीतिसमे
तकर्ममनबानी ॥तौहमारपणसुनहुमुनीशा ॥करिहसत्यकृपानि
धिईशा ॥तुमजोकहाहरजारेउमारा ॥सोअतिबडअविवेकतुह्मारा

तातअनलकरसहजस्वभाऊ।हिमतेहिनिकटनहिकाऊ॥गयेस मीपसोअबसिनशाई॥जिमिसंपातिनिजपक्षगवांई॥ ॥दोहा ॥हियहरषेमुनिबचनसुनि।देखिप्रतीतिविश्वास॥चलेभवानि हिंनाइशिर॥गयेहिमाचलपास॥१२५॥ ॥चौपाई॥ ॥सब- प्रसंगगिरिपतिहिसुनावा॥मदनदहनसुनिअतिदुखपावा॥बहुरि कहेउरतिकरबदना॥सुनिहिमवंतबहुतसुखमाना॥हृदयबिचारि शंभुप्रभुताई॥सादरमुनिवरलियेबुलाई॥सुदिनसुनखतासुघरिसु हाइ॥बेगिबेदबिधिलगनधराई॥पत्रीसप्तऋषिनसोइदीनी॥गहि पयविनयहिमाचलकीन्ही॥जाइबिधिहिंतिनदीन्हसोपाती॥बांचत प्रीतिनहृदयसमानी॥लगनबांचिअजसबहिसुनाई॥हर्षेमुनिसब सुरसमुदाई॥सुमनवृष्टिनभबाजनबाजे॥मंगलकलशदशदिशिसा जे॥ ॥दोहा॥ ॥लगेसंवारनसकलसुर॥बाहनविविधविमान॥हो हिंसकलमंगलसुलभ॥करहिंअपसरागान॥११६॥ ॥चौपाई॥ शिवहिशंभुगुणकरहिंशिंगारा॥जटामुकुटअहिमौरसंसारा॥कुंड लकंकणपहिरेब्याला॥तनुबिभूतिपटकेहरिछाला॥शशिललाटसुं दरशिरगंगा॥नयनतीनिउपवीतिभुजंगा॥गरलकंठशिरमाला॥ अशिबवेषशिवधामकृपाला॥करत्रिशूलअरुडमरूबिराजा॥चले वृषभचढिबाजहिंबाजा॥देखिशिवहिंसुरतियमुसुकाहीं॥बरलाय कदुलहिनिजगनाहीं॥बिष्णुबिरंचिआदिसुरत्राता॥चढिचढिबाह नचलेबराता॥सुरसमाजसबभांतिअनूपा॥नहिबरातदुलहअनु रूपा॥ ॥दोहा॥ ॥बिष्णुकहाअसबिहंसितब॥बोलिसकल दिशिराज॥बिलगहोइचलहुसब॥निजनिजसहितसमाज॥११७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥बरअनुहारबरातनभाई॥हंसीकरैपरपुरजाई॥ विष्णुबचनसुनिसुरमुसुकाने॥निजसेनसहितबलगाने ॥ म

नहींमनमहेशमुसुकाहीं ॥हरिकेव्यंगबचननहिंजाही॥अतिप्रियबचन
सुनतहरिकेरे ॥भृंगीप्रेरिसकलगणटेरे ॥शिवअनुशासनसुनिसबआ
ये ॥प्रभुपदजलजशीसतिननाये॥नानावाहननानावेषा॥बिहंसेशिव
समाजनिजदेषा॥कोउमुखहीनविपुलमुखकाहू ॥बिनुपदकरकोउ
बहुपदबाहू ॥विपुलनयनकोउविहीना ॥तुष्टपुष्टकोउअतितनक्षीणा
॥ ॥छंद॥तनुक्षीणकोउअतिपीनपावनतनुधरे॥भूषणकरालकपाल
करसबसद्यशोणितभरे॥१३॥खरश्वानभूकरशृगालमुखगणबेषअग
णितकोगनै॥बहुजिनसप्रेतपिशाचयोगिनिभांतिबरनतनहिबनै ॥१४
॥सोरठा॥जाचहिंगावहिंगीत।परमतरंगीभूतसब॥देखतअतिवि
परीत॥बोलहिंबचनबिचित्रबिधि॥११८॥ ॥चौपाई॥ ॥जसदूलह
हतसबनीबराता॥कौतुकबिबिधहोहिंमगुजाता ॥इहांहिमाचलरचे
उबिताना॥अतिबिचित्रनहिंजायबखाना॥शैलसकलजहंलगिजग
माही॥लघुबिशालनहिबरणिसिराही॥बनसागरसबनदीतलावा॥
हिमगिरिसबकहंनेवतपठवा॥कामरूपसुंदरतनुधारी॥सहितस-
माजसहितबरनारी॥आयेसकलहिमाचलगेहा॥गावहिंमंगलसहि
तसनेहा॥प्रथमहिंगिरिबहुगृहसबराये॥यथायोगजहंतहंसबछाये
॥पुरशोभाअवलोकिसुहाई॥लगीलघुबिरंचिनिपुणाई॥ ॥छंद
॥लघुलागिविधिकीनिपुणताअवलोकिपुरशोभासही॥बनबाग
कूपतड़ागसरितासुभगतांशककोकही॥१५॥ मंगलबिपुलतोरणप
ताकाकेतुगृहगृहसोहहिं॥वनितापुरुषसुंदरचतुरछबिदेखिमुनिमन
मोहहीं॥१६॥ ॥दोहा॥ ॥जगदंबाजहंअवतरी॥सोपुरबरणि
नजाइ॥ऋद्धिसिद्धिसंपत्तिसकल।नितनूतनअधिकाई॥११९॥ ॥
चौपाई॥ ॥नगरनिकटबरातसुनिआई॥पुरखलभवशोभाअतिका
ई॥करिबनावसजिवाहननाना॥चलेलेनसादरअगवाना॥हिय

हरषेस्रुरसेननिहारी॥हरिहिंदेखिअतिभयेसुखारी॥शिवसमाजज
बदेखनलागे॥बिडरिचलेबाहनसबभागे॥धरिधीरजतहंरहेसयाने॥बा
लकसबलेजीवपराने॥गयेभवनपूछहिंपितुमाता॥कहहिंबचनभयकं
पतगाता॥कहियकहाकहिजाइनबाता॥यमकिरधारकिधोबनीवरा
ता॥बरबौरहाबरदअशवारा॥ब्यालकपालविभूषणछारा॥ ॥छंद॥
तनछारब्यालकपालभूषणनगनजटिलभयंकरा॥संगभूतप्रेतपिशाच
जोगिनिबिकटमुखरजनीचरा॥१७॥जोजियतरहिंबरातदेखतपुण्यब
डकरतेहिंसही॥देखिहिसोउमाबिबाहघरघरबातअसिलरिकनकही
१८॥ ॥दोहा॥ ॥समुझिमहेशसमाजसब॥जननिजनकमुस्रुका
हि॥बालबुझायेबिबिधबिधि॥निडरहोहुडरूनाहि॥१२०॥ ॥चौपाई
॥लेअगवांनवरातहिआए॥दिएसबहिंदिनवाससुहाए॥मैनाशु
भआरतिसभारी॥संगसुमंगलगावहिंनारी॥कंचनथारसोहवरपानी
॥परिछणचलीहरहिंहरषानी॥बिकटबेषरुद्रहिंजबदेषा॥अबलन
उरभयभयेउबिशेखा॥भागिभवनपैठीअतित्रासा॥गएउमहेशज
हांजनवासा॥मैनाहृदयउदुखभारी॥लीन्हीबोलिगिरीशकुमारी॥अ
धिकसनेहगोदबैठारी॥श्यामसरोजनयनभरिबारी॥जेहिंबिधितुम
हिरूपअसदीन्हा॥तेहिंजडवरबाउरकसकीन्हा॥ ॥छंद॥ ॥कस
कीन्हवरुबौराहविधिजेहितुमहिसुंदरतादई॥जोफलुचहीसुरतरूहि
सोवरवसबबूरहिलागई॥१९॥तुमसहितगिरितेगिरौपावकजरौज
लनिधिमहंपरौं॥घरजाउअपयशहोउजगजीवतविवाहनहोंकरौं॥२०
॥ ॥दोहा॥ ॥भईविकलअबलासकल॥दुखितदेखिगिरिनारि॥
करिविलापुरोदनवदति॥सुतासनेहसंभारि॥१२१॥ ॥चौपाई॥
नारदकरमैंकहाबिगारा॥भवनमोरजिनबसतउजारा॥असउपदे
शमोहिजिनदीन्हा॥बौरवरहिंलागितपुकीन्हा॥साचेहुउनकेमोहनमा

या॥उदासीनधनधामनजाया॥परघरधालकराजनभीरा॥बांझकि
जानप्रसवकिपीरा॥जननिबिकलहिबिलोकिभवानी॥बोलीजुत्तबिबे
कमृदुबानी॥असबिचारिशोचहुमतिमाता॥सोनटरैजोरचैबिधाता॥
करमलिखाजोबाउरब्याहू॥तोकतदोषलगाइयकाहू॥तुमसनमिटहिं
किबिधिकेअंका॥मातुब्यर्थजनलेहुकलंका॥ ॥छंद॥ जनिलेहु
मातुकलंककरुणापरिहरहुअवसरनहीं॥दुखसुखजोलिखोललाट
हमरेजावजहंपाउवतहीं॥२१॥सुनिउमाबचनबिनीतिकोमलसकल
अबलाशोचहीं॥बहुभांतिबिधिहिलगाइदूषणनयनवारिबिमोचहीं॥
२२॥ ॥दोहा॥ ॥तेहिअवसरनारदसहित॥अरुऋषिसप्तसमेत
॥समाचारसुनितुहिनगिरि॥गवनेतुरतनिकेत॥१२२॥ ॥चौपा
ई॥ ॥तबनारदसबहीसमुझावा॥पूरबकथाप्रसंगसुनावा॥म
यनासुनहिसत्यममबानी॥जगदंबातवसुताभवानी॥अजअना
दिशक्तिअविनाशिनी॥सदाशंभुअरधांगनिवासिनी॥जगसंभव
पालनलयकारिणी॥निजइच्छालीलावपुधारिणी॥जन्मीप्रथमदक्ष
गृहजाई॥नामसतीसुंदरतनुपाई॥तहहुंसतीशंकरहिबिबाही॥कथा
प्रसिद्धजगमाहीं॥एकबारआवतशिवसंगा॥देखेउरघुकुलकमल
पतंगा॥भएउमोहशिवकहानकीन्हा॥भ्रमवशवेषसीयकरलीन्हा
॥ ॥छंद॥ ॥सियबेषसतीजोकीन्हितेहिअपराधशंकरपरिहरी॥
हरबिरहजाइबहोरिपितुकेयज्ञजोगानलजरी॥२३॥अवजनमतुम्ह
रेभवननिपजतिलागिदारुणतपुकिया॥असजानिसंशयतजहुगिरि
जासर्वदाशंकरप्रिया॥२४॥ ॥दोहा॥ ॥सुनिनारदकेबचनतब
सबकरमिटाविषाद॥क्षनमहुब्यापेउसकलपुर॥घरघरयहसंवाद॥
१२३॥ ॥चौपाई॥ ॥तबमैनाहिमवंतअनंदे॥पुनिपुनिपार्ब
तीपदवंदे॥नारिपुरुषशिशुजुवासनाये॥नगरलोकअतिहरषाने॥

लगेहोनपुरमंगलगाना ॥सजेसबहिहाटकघटनाना ॥भांतिअनेक भईजिबनारा ॥सूपशास्त्रकछुव्यवहारा ॥सोजिवनारकिजाइबखा नी॥सबहिंभवनजिहिंमातुभवानी ॥सादरबोलेसकलबराती ॥विष्णु विरंचिदेवसबजाती ॥विविधभांतिबैठीजिवनारा ॥लगेपरोसननिपु णसुआरा॥नारिवृंदसुरजेंवतजानी ॥लागीदेननारीमृदुबानी॥ ॥ छंद॥ ॥गारीमधुरस्वरदेहींसुंदरिव्यंगवचनसुनावहीं ॥भोजनकर हिंसुरविलंबविनोदसुनिसुखपावहीं ॥२५॥जेंवतजोबढ्योअनंदसो सुखकोटिहुनपूरेकह्यो॥अचवादीन्हेपानगवनेबासजहंजाकोरह्यो॥ २६॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिमुनिन्हहिमवंनकहुं॥लगनसुनाईआई॥ समयबिलोकिबिबाहकर॥पठयेदेवबुलाई॥१२४॥ ॥चौपाई॥ बोलिसकलसुरसादरलीन्हे॥सबहियथोचितआसनदीन्हे॥बेदी बेदबिधानसंवारी॥सुभगसुमंगलगावहिनारी॥सिंघासनअतिदि व्यसुहावा॥जाइनबरणिबिरंचिबनावा॥बैठेशिवविप्रनशिरनाई ॥हृदयसुमिरिनिजप्रभुरघुराई॥बहुरिमुनीशनउमाबुलाई॥करि शृंगारसखीलेआई॥देखतरूपसकलसुरमोहे॥बरनैछबिअसजगकविकोहे॥जगदंबिकाजानिभवभामा॥सुरनमनहींमनकीन्ह प्रणामा॥सुंदरतामर्यादभवानी॥जाइनकोटिहुवदनबखानी॥ ॥ छंद॥ ॥कोटिहुवदननहिंबनैबरणतजगजननिशोभामहा॥सकुचक हतश्रुतिशेषशारदमंदमतितुलसीकहा॥२७॥छबिखानिमातुभ वानिगवनीमध्यमंडपशिवजहां॥अवलोकिशकहिनसकुचिपतिप दकमलमनमधुकरतहां॥२८॥ ॥दोहा॥ ॥मुनिअनुशासन गणपतिहि॥पूजउशंभुभवानि॥कोउसुनिसंशयकरैजनि॥सुरअ नादिजानि॥१२५॥ ॥चौपाई॥ ॥जसबिबाहकीबिधिश्रुतिगाई महामुनिनसोसबकरवाई॥गहिगिरीशकुशकन्यापानी॥शिवहिस



मर्पीजानिभवानी ॥पाणिग्रहणकीनमहेशा ॥हियहर्षेतबसकलसुरे
शा ॥वेदमंत्रमुनिवरउच्चरहीं ॥जयजयजयशंकरसुरकरहीं ॥बाज
हिंबाजनबिबिधविधाना ॥सुमनदृष्टिनभभइविधिनाना ॥हरगिरि
जाकरभयउविवाहू ॥सकलभुवनभरिरहाउछाहू ॥दासीदासतुरगर
थनागा ॥धेनुवसनमणिवस्तुविभागा ॥अन्नकनकभाजनभरियाना
दाइजदीनन्जाइबरवाना ॥ ॥छंद॥ ॥दाइजदियोबहुभांतिपुनि
करजोरिहिमभूधरकह्यो ॥कादेउपूरणशंकरचरणपंकजगहिरह्यो
॥२९॥शिवकृपासागरश्वशुरकरसंतोषसबभांतिहिंकियो ॥पुनिग
हेपदमाथोजमयनाप्रेमपरिपूरणहियो॥३०॥ ॥दोहा॥ ॥नाथउ
मामममप्राणप्रिय॥गृहकिंकरीकरेहु॥क्षमसकलअपराधअब॥हो
इप्रसन्नवरदेहु॥१२६॥ ॥चौपाइ॥ ॥बहुविधिशंभुसासुसमुझा
ई॥गवनीभवनीचरणशिरनाई॥जननीउमाबोलिलीन्ही ॥लेउतसंग
सुंदरशिरवदीन्ही ॥करेहुसदाशंकरपदपूजा ॥नारिधर्मपतिदेवनदूजा

वचन कहतिभरिलोचनबारी॥बहुरिलाइउरलीन्हिकुमारी॥कत्तविधि सिरजिजगमाहीं॥पराधीनसपनेहुसुखनाहीं॥भईअतिप्रेमविकल महतारी॥धीरजकीन्हकुसमयाबिचारी॥पुनिपुनिमिलतिपरतिग हिचरणा॥परमप्रेमकछुजाइनबरणी॥सबनारिनमिलिभेटिभवानी जाइजननिउरपुनिलपटानी॥ ॥छंद॥ ॥जननिहिबहुरिहिमिलि चलीउचितअशीससबकाहूदई॥फिरिफिरिविलोकतिमातुतनसब सखीलेशिवपहंगई॥३१॥याचकसकलसंतोषिशंकरउमासहितभ वनचले॥सबअमरहरषेसुमनवरषेनिशाननभबाजहिंभले॥३२॥ दोहा॥ ॥चलेसंगहिमवंततब॥पहुंचावनअतिहेतु॥बिबिधभां तिपरितोषकरी॥बिदाकीन्हवृषकेतु॥१२७॥ ॥चौपाई॥ ॥तुरत भवनआयेगिरिराई॥सकलशैलसरलियेबुलाई॥आदरदानबिनयब हुमाना॥सबकरबिदाहिमवाना॥जबहिंशंभुकैलासहिआये॥सुर सबनिजनिजलोकसिधाये॥जगतमातुपितुशंभुभवानी॥तेहिशृंगार नकहौंबषानी॥करहिंबिबिधबिधिभोगविलासा॥गणसमेतसब हिंकैलासा॥हरगिरिविहारगिरिजानित्तनयेउ॥इहिविधिबिपुलकालचलिग येऊ॥तबजन्मेषट्वदनकुमारा॥तारकअसुरसमरजिहिमारा॥आग मनिगमप्रसिद्धपुराणा॥षट्मुखजन्मकर्मजगजाना॥ ॥छंद॥ ॥ जगजानषट्मुखजन्मकर्मप्रतापपुरुषारथमहा॥तेहिहेतुमेवृषकेतुसु तकरचरितसंक्षेपहिंकहा॥३३॥यहउमाशंभुविवाहजेनरनारिकहहिं जेगावहीं॥कल्याणकाजविवाहमंगलसर्वदासुखपावहीं॥३४॥ ॥ चरितसिंधुगिरिजारमण॥बेदनपावहिपार॥बरणैतुलसिदाससिकिमि, अतिमतिमंदगवार॥ ॥चौपाई॥ ॥शंभुचरितसुनिसहससुहावा ॥भरद्वाजमुनिअतिसुखपावा॥बहुलालसाकथापरबाढी॥नयन- नीररोमावलिठाढी॥प्रेमविवशमुखआवनबानी॥दशादेखिहर्षेमुनि

ज्ञानी॥अहोधन्यतवजन्ममुनीशा॥तुमहिप्राणप्रियगौरीशा॥शिव
पदकमलजिन्हहिंरतिनाहीं॥रामहितेसपनेहुनसुहाहीं॥बिनछल
बिश्वनाथपदनेहू॥रामभक्तिकरलक्षणएहू॥शिवसमकोरघुपतिव्रत
धारी॥बिनुअघतजीसतीअसनारी॥पणरघुपतिभक्ति दृढाई॥काशि
वसमरामहिंप्रियभाई॥ ॥दोहा॥ ॥प्रथमकहामैंशिवचरित॥
बूझामरमतुह्मार॥शुचिसेवकतुमरामके॥रहितसमस्तबिकार॥१२९
॥चौपाई॥ ॥मैंजानातुह्मारगुणशीला॥कहौंसुनहुअबरघुपति-
लीला॥सुनुमुनिआजिसमागमतोरे॥कहिनजायजससुखमनमोरे
रामचरितअतिअमितमुनीशा॥कहिनशतकोटिअहीशा॥तदपि
यथाश्रुतकहौंबखानी॥सुमिरिगिरापतिप्रभुधनुपानी॥शारददारु
नारिसमस्वामी॥रामसूत्रधरअंतरजामी॥जेहिपरकृपाकरहिंजन
जानी॥कविउरअजिरनचावहिंबानी॥प्रणवौंसोइकृपालुरघुनाथा॥ब
रणौंबिशदतासुगुणगाथा॥परमरम्यगिरिवरकैलासू॥सदाशिव
उमानिवासू॥ ॥दोहा॥ ॥सिद्धतपोधनयोगिजन॥सुरकिन्नरमु
निवृंद॥बसहिंतहांसुकृतीसकल॥सेवहिंशिवसुखकंद॥१३०
॥ ॥चौपाई॥ ॥हरिहरविमुखधर्मरतिनाहीं॥तेसपनेहुनजाहीं॥
तेहिगिरिपरवटबिटपबिशाला॥नितनूतनसुंदरसमकाला॥त्रिविध
समीरसुशीतलछाया॥शिवविश्रामविटपश्रुतिगाया॥एकबारतेहि
तरप्रभुगयेऊ॥तरुबिलोकिउरअतिसुखभयेऊ॥निजकरडासिनाग
रिपुछाला॥बैठेसहजहिंशंभुकृपाला॥कुंदइंदुवरगौरशरीरा॥भुज
प्रलंबपरिघनमुनिचीरा॥तरुणअरुणसमचरणा॥नखद्युतिभक्त
हृदयतमहरणा॥भुजगभूतिभूषणत्रिपुरारी॥आननशरदचंद्रछ
बिहारी॥ ॥दोहा॥ ॥जटामुकुटसुरसरितशिर॥लोचननलिन
विशाल॥नीलकंठलावण्यनिधि॥सोहबालबिधुभाल॥१३१॥ ॥

॥चौपाई॥ ॥बैठेसोहकामरिपुकैसे॥धरेशरीरशांतरसजैसें॥पार
वतीभलअवसरजानी॥गईशंभुपहंमातुभवानी॥जानिप्रियाआद
रअतिकीन्हा॥वामभागआसनहरदीन्हा॥बैठीशिवसमीपहरषाई॥
पूर्वजन्मकथाचितलाई॥पतिहियहेतुअधिकअनुमानी॥बिहसिउ
माबोलीप्रियबानी॥कथाजोसकललोकहितकारी॥सोइपूछनचहशैल
कुमारी॥विश्वनाथममनाथपुरारी॥त्रिभुवनमहिमाविदिततुमारी॥
चरअरुअचरनागनरदेवा॥सकलकरहिपदपंकजसेवा॥ ॥दो
हा॥ ॥प्रभुसमर्थसर्वज्ञशिव॥सकलकलागुणधाम॥योगज्ञान
वैराग्यनिधि॥प्रणतकल्पतरुनाम॥१३२॥ ॥चौपाई॥ ॥जोमो
परप्रसन्नसुखराशी॥जानियसत्यसोइनिजदासी॥तौप्रभुहरहुमो
रअज्ञाना॥करिरघुनाथकथाविधिनाना॥जासुभवनसुरतरुत
रुहोई॥सहिकिदरिद्रजनितदुखसोई॥शशिभूषणअसहृदयबि
चारी॥हरहुनाथमतिभ्रमभारी॥प्रभुजेमुनिपरमारथवादी॥कहहिंरा
मकहंब्रह्मअनादी॥शेषसारदावेदपुराना॥सकलकरहिंरघुपतिगुण
गाना॥तुमपुनिरामरामदिनराती॥सादरजपहुअनंगअराती॥राम
सोअवधिनृपतिसुतसोई॥कीअजअगुणअलखगतिकोई॥ ॥
दोहा॥ ॥जोनृपतनयतोब्रह्मकिमि॥नारिबिरहमतिभोरी॥देखि
चरितमहिमासुनत॥भ्रमतिबुद्धिअतिमोरि॥१३३॥ ॥चौपा
ई॥ ॥जोअनीहव्यापकविभुकोई॥कहहुबुझाइनाथमोहुसोई॥
अज्ञजानिरिसजनिउरधरहू॥जेहिबिधिमोहमिटैसोइकरहू॥मैब
नदेखिरामप्रभुताई॥अतिभयेबिकलतनुमाहिसुनाई॥तदपिमलि
नमनबोधनआवा॥सोफलभलीभांतिमैपावा॥अजहुंकछुसंशयम
नमोरे॥करहुकृपाबिनऊंकरजोरे॥प्रभुतबमोहिबहुभांतिप्रबोधा॥ना
थसमुझिकरहुजनिक्रोधा॥तबकरअसविमोहअबनाहीं॥रामक

थापररुचिमनमाहीं ॥कहहुपुनीतरामगुणगाथा ॥भुजगभूषण
सुरनाथा॥ ॥दोहा॥ ॥वंदोपदधरिधरणिशिर॥बिनयकरौंक
रजोरि॥बरणहुरघुबरबिशदयश॥श्रुतिसिद्धांतनिचोरि॥ १३४ ॥
॥चौपाई॥ ॥यदपियोषिताअनअधिकारी॥दासीमनक्रमबच
नतुह्मारी ॥गूढौतत्वनसाधूरावहिं ॥आरतअधिकारीजहंपावहिं॥
अतिआरतिपूछौसुरराया॥रघुपतिकथाकहहुकरिदाया॥प्रथमकार
णकहहुविचारी॥निर्गुणब्रह्मसगुणवपुधारी॥पुनिप्रभुकहहुरामअ
वतारा॥बालचरितकहहुउदारा॥कहहुयथाजानकीबिबाहा॥राज्त
जासोदूषणकाहा॥बनकिन्हेउचरितअपारा॥कहहुनाथजिमिराव
णमारा॥राजबैठिकीन्हीबहुलीला॥सकलकहहुशंकरसुखशीला॥
॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिकहहुकरुणायतन॥कीन्हेजोअचरजराम॥प्र
जासहितरघुवंशमणि॥किमिगवनेनिजधाम॥ १३५॥ ॥चौपाई॥
॥ ॥पुनिप्रभुकहहुसोतत्वबखानी॥जेहिविज्ञानमगनमुनिज्ञानी॥
भक्तिज्ञानविज्ञानविरागा॥पुनिबरणौसहितविभागा॥औरौरामरह
स्यअनेका॥कहहुनाथअतिबिमलबिवेका॥जोप्रभुपूछानहिंहोई॥
सोउदयालुराखहुजनिगोई॥तुमत्रिभुवनगुरुवेदबखाना॥आनजीव
पामरकाजाना॥प्रश्नउमाकीसहजसुहाई॥छलबिहीनसुनिशि
वमनभाई॥हरहियरामचरितसबआये॥प्रेमपुलकलोचनजलछाये
श्रीरघुनाथरूपउरआवा॥परमानंदअमितसुखपावा॥ ॥दोहा॥
॥मगनध्यानरसदंडयुग॥पुनिमनबाहिरकीन्ह॥रघुपतिचरित
महेशतब॥हर्षितबरणैलीन्ह॥ १३६॥ ॥चौपाई॥ ॥झूठौस
त्यजाहिबिनुजाने॥जिमिभुजगबिनुरजुपहिचाने॥जेहिजानेजगजा
इहेराई॥जागेयथास्वप्नभ्रमजाई॥बंदीबालरूपसोइरामू॥सबसि
धिसुलभजपतजसुनामू॥मंगलभवनअमंगलहारी॥द्रवौसोदश

रथअजिरविहारी॥करिप्रणामरामहित्रिपुरारी॥हरषिसुधासमगि
राउचारी॥धन्यधन्यगिरिराजकुमारी॥तुमसमाननहिकोउउपकारी॥
पूछेरघुपतिकथाप्रसंगा॥सकललोकजगपावनिगंगा॥तुमरघुबीर
चरणअनुरागी॥कीन्हेउप्रश्नजगतहितलागी॥ ॥दोहा॥ ॥राम
कृपातेपारबति॥सपनेहुतबमनमांही॥शोकमोहसंदेहभ्रम॥ममवि
चारकछुनाहीं॥१३७॥ ॥चौपाई॥ ॥तदपिअशंकाकीन्हिउसो
ई॥कहतसुनतकरसबहितहोई॥जिनहरिकथासुनिनहिकाना॥श्र
वणरंध्रअहिभवनसमाना॥नयननसंतदरशननहिदेखा॥लोचनमोर
पक्षकलरेषा॥तेसिरकटुसमतूला॥जेननमतहरिगुरुपदमूला॥जि
न्हहरिभक्तिहृदयनहिआनी॥जीवतसबसमानतेप्रानी॥जोनहिक
रैरामगुणगाना॥जीहसोदादुरसमाना॥कुलिशकठोरनिठुरसो-
इछाती॥सुनहरिचरितनजोहरषाती॥गिरिजासुनहुरामकीली
ला॥सुरहितदनुजविमोहनशीला॥ ॥दोहा॥ ॥रामकथासुर
धेनुसम॥सेवतसबसुखदानि॥संतसमाजसुरलोकसम॥कोनसुनै
असजानि॥१३८॥ ॥चौपाई॥ ॥रामकथासुंदरकरतारी॥संश
यबिहगउडावनिहारी॥रामकथाकलिविटपकुठारी॥सादरसुनुगिरि
राजकुमारी॥रामनामगुणचरितसुहाए॥जन्मकर्मअगणितश्रुतिगा
ए॥जथाअनंतरामभगवाना॥तथाकथाकीरतिगुणगाना॥तदपि
जथाश्रुतिजसमतिमोरी॥कहिहौंदेखिप्रीतिअतितोरी॥उमाप्रश्नब
सहजसुनाई॥सुखदसंतसमतमोहिभाई॥एकवातनहिमोहिसोहा
नी॥यदपिमोहवशकहेहुभवानी॥तुमजोकहारामकोउआना॥जेहि
श्रुतिगावधरहिमुनिध्याना॥ ॥दोहा॥ ॥कहहिंसुनहिंअस
अधमनर॥ग्रसेजेमोहपिशाच॥पाषंडीहरिपदविमुख॥जानझूठन
साच॥१३९॥ ॥चौपाई॥ ॥असअकोविदअधमअभागी,का

ईविषमसुकुरमनलागी॥लंपटकपटीकुटिलविशेषी॥सपनेहुसंतस
भामहिंदेषी॥कहतेबेदअसंमतबानी॥जिनहिनसूलभनहिंहानी॥मु
कुरमलिनअरुनयनविहीना॥रामरूपदेखहिंकिमिदीना॥जिनकेअगु
णनसगुणविवेका॥जल्पहिंकल्पितबचनअनेका॥हरिमायाबशजगत
भ्रमाहीं॥तिनहिंकहतकछुअघटितनाहीं॥वातुलभूतपिशामतवारे
तेनहिंबोलहिंबचनसंभारे॥जिनकृतमहामोहमदपाना॥तिनकरक
हाकरियनहिकाना॥ ॥सोरठा॥ ॥असनिजहृदयबिचारि॥त
जुसंशयभजुरामपद॥सुनुगिरिराजकुमारी॥भ्रमतमरबिकरबचन
मम॥१४०॥ ॥चौपाई॥ ॥सगुणहिंअगुणहिंनहिंकछुभेदा॥
गावहिंमुनिपुराणबुधवेदा॥अगुणअरूपअलखअजजोई॥भक्तप्रे
मवशसगुणसोहोई॥जोगुणरहितसगुणजोकैसें॥जलहिमउपल
विलगनहिंजैसे॥जासुनामभ्रमतिमिरपतंगा॥तिहिकिमिकहियबि
मोहप्रसंगा॥रामसच्चिदानंददिनेशा॥नहिंतहमोहनिशालवलेशा॥सह
जप्रकाशरूपभगवाना॥नहितहपुनिविज्ञानबिहाना॥हर्षविषादज्ञा
नअज्ञाना॥जीवधर्मअहमितिअभिमाना॥रामब्रह्मव्यापकजगजा
ना॥परमानंदपरेशपुराना॥ ॥दोहा॥ ॥पुरुषप्रसिद्धप्रकाशनि
धि॥प्रगटपरावरनाथ॥रघुकुलमणिस्वामिसोइ॥कहिशिवनायउ
माथ॥१४१॥ ॥चौपाई॥ ॥निजभ्रमनहिंसमुझहिंअज्ञानी॥प्रभु
परमोहधरहिंजडप्रानी॥जथागगनघनपटलनिहारी॥झंपेउभानुकह
हिंकुबिचारी॥चितवजोलोचनअंगुलिलाए॥प्रगटयुगलशशितेहिके
भाए॥उमारामविषयकअसमोहा॥नभतमधूरिजिमिसोहा॥विषय
करणसुरजीवसमेता॥सकलएकतेएकसचेता॥सबकरपरमप्रकाश
कजोई॥रामअनादिअवधपतिसोई॥जगतप्रकाश्यप्रकाशकरामू॥
मायाधीशज्ञानगुणधामू॥जासुसत्यतातेजडमाया॥भाससत्यइव

मोहसहाया॥ ॥दोहा॥ ॥रजतसीपमहभाससिमि॥यथाभा
नुकरबारि॥यदपिमृषातिहुंकालसोइ॥भ्रमनशकैकोउटारि॥१४२
॥चौपाई॥ ॥एहिबिधिजगअश्रितरहई॥यदपिअसत्यदेतदुख
अहई॥ज्योंस्वपनेशिरकाटैकोई॥बिनुजागेदुखदूरिनहोई॥जासुकृ
पाअसभ्रममिटिजाई॥गिरिजासोइकृपालुरघुराई॥आदिअंतकोउ
जासुनपावा॥मतिअनुमाननिगमअसगावा॥बिनुपदचलैसुनैबिनुका
ना॥करबिनुकर्मकरैबिधिनाना॥आननरहितसकलरसभोगी॥बिनु
बाणीवक्ताबडयोगी॥तनुबिनुपरसनयनबिनुदेषा॥ग्रहैघ्राणबिनुबा
सुअशेषा॥असससबभांतिअलोकिककरणी॥महिमाजासुजाइनहि
बरणी॥ ॥दोहा॥ ॥जेहिइमिगावहिबेदबुध॥जाहिधरहिंमुनि-
ध्यान॥सोइदशरथसुतभक्तहित॥कोशलपतिभगवान॥१४३॥
चौपाई॥ ॥काशीमरतजंतुअवलोकी॥जासुनामबलकरौंबिवेकी
॥सोइप्रभुमोरचराचरस्वामी॥रघुबरसबउरअंतरजामी॥विवश
हुजासुनामनरकहहीं॥जन्मअनेकरचितअघदहहीं॥सादरसुमिर
णजेनरकरहीं॥भवबारिधिगोपदइवतरहीं॥रामसोपरमात्माभवा
नी॥तहंभ्रमअतिअबिहिततबबानी॥असआनतउरमाहीं॥ज्ञान
बिरागगुणगाहीं॥शिवकेसुनिभ्रमभंजनबचना॥मिटिगइसबकु
तर्ककीरचना॥भईरघुपतिपदप्रीतिप्रतीती॥दारुणअसंभावनाबी
ती॥ ॥दोहा॥ ॥पुनिपुनिप्रभुपदकमलगहि॥जोरिपंकरुहपानि
बोलीगिरिजाबचनबर॥मनहुप्रेमरससानि॥१४४॥ ॥चौपाई॥
शशिकरसमसुनिगिरातुह्मारी॥मिटामोहशरदातपभारी॥तुमकृ
पालुसंशयहरेऊ॥रामस्वरूपजानिमोहिपरेऊ॥नाथकृपाअवगयेउ
विषादा॥सुखीभइउप्रभुचरणप्रसादा॥अबमोहिआपकृरिजानी॥
यदपिसहजनारिअजानी॥प्रथमजोमैपूछासोकहहू॥जोमोपरप्र

सन्नप्रभुग्रहहूं ॥रामब्रह्मचिन्मयग्रविनाशी ॥सर्वरहितसबउरपुर
वासी॥नाथधरेउनरतनुकेहिहेतू ॥मोहिसमुझाइदृषकेतु ॥उमावच
नसुनिपरमविनीता ॥ रामकथापरप्रीतिपुनीता ॥ ॥दोहा॥ ॥
हियहरषेकामारितब ॥शंकरसहजसुजान ॥बहुबिधिउमहिंप्रशंसि
पुनि ॥बोलेकृपानिधान ॥१४५॥ ॥सोरठा ॥ ॥सुनुकथाभवा
नि ॥रामचरितमानसविमल॥कहाभुशुंडीवषानि ॥सुनाबिहगनायक
गरुड॥१४६॥सोसंबादउदार॥जिहिंबिधिभाग्रागेकहब ॥सुनहुराम
ग्रवतार ॥चरितपरमसुंदरग्रनघ ॥१४७॥ हरिगुणनामग्रपार॥ क
थारूपग्रगणितग्रमुप ॥मैंनिजमतिग्रनुसार ॥कहौंउमासादरसुन
हु॥१४८॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिगिरिजाहरिचरितसुहाये ॥बिपु
लबिशदनिगमागमगाये ॥हरिग्रवतारहेतुजेहिहोई ॥ग्रमितकथा
कहिजाइनसोई ॥रामग्रतर्क्यबुद्धिमनबानी ॥मतहमारग्रससुनहु
भवानी॥तदपिसंतमुनिबेदपुराना ॥जसकछुकहहिंस्वमतिग्रनु-
माना ॥तसमैंसुमुखिसुनावहुंतोई॥समुझिपरैजसकारणमोही॥ज
बजबहोइधर्मकीहानी ॥बाढहिंग्रसुरग्रधमग्रभिमानी ॥ करहिंग्रनी
तिजाइनहिबरणी॥सीदहिंबिप्रधेनुसुरधरणी॥तबतबप्रभुधरिबिबि
धशरीरा ॥हरहिंकृपानिधिसज्जनपीरा॥ ॥दोहा॥ ॥ग्रसुरमा
रिथापहिंसुरन ॥राखहिंनिजश्रुतिसेतु ॥जगबिस्तारहिंबिशदयश॥
रामजन्मकरहेतु ॥१४९॥ ॥चौपाई॥ ॥सोइयशगाइभक्तभवा
तरहीं ॥ कृपासिंधुजनहिततनुधरहीं ॥ रामजन्मकेहेतुग्रनेका ॥परम
बिचित्रएकतेएका ॥जन्मएकदुइकहौंबषानी ॥ सावधानसुनुसुमति
भवानी ॥ द्वारपालहरिकेप्रियदोऊ ॥जयग्ररुबिजयजानसबकोऊ ॥
बिप्रशापतेंदोनोंभाई ॥तामसग्रसुरदेहतिनपाई ॥कनककशिपुग्ररुहा
टकलोचन॥जगबिदितसुरपतिपदमोचन॥बिजयीसमरवीरविख्या

ता ॥धरिबराहवपुएकनिपाता ॥ होइनहरिपुनिदूसरमारा ॥जनप्रह
लादसुयशविस्तारा ॥ ॥दोहा॥ ॥भएनिशाचरजाइते ॥महावीर
बलवान ॥कुंभकर्णरावणसुभट ॥सुरविजयीजगजान ॥१५०॥ ॥
चौपाई॥ ॥मुक्तनभयेहतेभगवाना ॥तीनिजन्मद्विवचनप्रमाना॥
एकबारतिनकेहितलागी ॥धरेउशरीरभक्तअनुरागी ॥कश्यपअदि-
तितहांपितुमाता ॥दशरथकौशल्याविख्याता ॥एककल्पएहिबिधि
अवतारा ॥चरितपवित्रकियेसंसारा ॥एककल्पसुरदेखिदुखारे॥स
मरजलंधरसनसबहारे ॥शंभुकीन्हसंग्रामअपारा ॥दनुजमहाबलम
रैनमारा ॥परमसतीअसुराधिपनारी ॥तेहिबलताहिनजितहिंपुरारी॥
॥ ॥दोहा॥ ॥छलकरिटालेउतासुव्रत ॥प्रभुसुरकारजकीन्ह ॥ज
बतेहिजानेउपरमतब ॥शापकोपकरिदीन्ह ॥१५१॥ ॥चौपाई॥
तासुशापहरिकीन्हप्रमाना ॥कौतुकनिधिकृपालुभगवाना ॥तहां
जलंधररावणभयऊ ॥रणहतिरामपरमपददयऊ ॥एकजन्मकाकार
णएहा ॥जहिलगिरामधरीनरदेहा ॥अतिअवतारकथाप्रभुकेरी ॥सु
निमुनिबरणिकबिनधनेरी ॥नारदशापदीन्हएकबारा ॥कल्पएकते
हिलगिअवतारा ॥गिरिजाचकितभईसुनिबानी ॥नारदविष्णुभक्तमु
निज्ञानी ॥कारणकवनशापमुनिदीन्हा ॥काअपराधरमापतिकीन्हा॥
यहप्रसंगमोहिकहहुपुरारी ॥मुनिमनमोहसोअचरजभारी॥ ॥दो
हा॥ ॥बोलेबिहसिमहेशतब ॥ज्ञानीमूढनकोई ॥जेहिजसरघुपतिक
रहिंजब ॥सोतसतेहिक्षणहोइ ॥१५२॥ ॥सोरठा॥ ॥कहौंरा
मगुणगाथ ॥भरद्वाजसादरसुनहु ॥भवभंजनरघुनाथ ॥भजतुल
सीतजिमानमद ॥१५३॥ ॥चौपाई॥ ॥हिमगिरिगुहाअतिपाव
नि ॥बहसमीपसुरसरितसुहावनि ॥आश्रमपरमपुनीतसुहावा ॥
देखिदेवऋषिमनअतिभावा ॥निरखिशैलगिरिविपिनविभागा ॥भये

उरमापतिपदअनुरागा ॥सुमिरतहरिहिंशापगतिबाधी ॥सहजविम
लमनलागिसमाधी॥मुनिगतिदेखिसुरेशडराना ॥कामहिबोलिकीन्ह
सनमाना ॥सहितसहायजाइममहेतू ॥चलेउहरषिजलचरकेतू ॥सुना
सीरमनमहंअतित्रासा ॥चहतदेवऋषिममपुरबासा ॥जेकामीलोलुप
जगमांही ॥कुटिलकाकइबसबहिडराही ॥ ॥दोहा॥ ॥सूखहा
डलेभागशठ॥श्वाननिरखिमृगराज ॥छीनिलेइजनिजानजड ॥तिमि
सुरपतिहिनलाज॥१५४॥ ॥चौपाई॥ ॥तेहिआश्रमहिंमदन
जबगयेऊ॥निजमायावसंतनिर्मयेऊ ॥कुसुमितविटपविविधबहुरंगा
कूजहिंकोकिलगुंजहिंभृंगा ॥चलीसुहावनित्रिविधवयारी ॥कामकृ
शानुबढावनिहारी ॥रंभादिकसुरनारिनवीना ॥सकलअसमशरकल
प्रवीना ॥करहिंगानप्रभुभांतितरंगा ॥बहुविधिक्रीडहिंपानिपतंगः ॥
देखिसहायमदनहरषाना ॥कीन्हेसिपुनिप्रपंचविधिनाना ॥कामकला
कछुमुनिहिनब्यापी ॥निजभयडरेउमनोभयपापी ॥शिवाकिचापिकोउ
नासू ॥बडरखवाररमापतिजासू॥ ॥दोहा॥ ॥सहितसहायसभी
तअति॥मानिहारिमनमयन ॥गहेसिमुनिवरचरण ॥ कहिसुठिआर
तबयन॥१५५॥ ॥चौपाई॥ ॥भयेउनारदमनकछुरोषा॥कहि
प्रियबचनकामपरिपोषा ॥नाइचरणशिरआइनपाई ॥गयेमदनतब
सहितसहाई ॥मुनिसुशीलताआपनिकरणी ॥सुरपतिसभाजाइस
बरणी ॥सुनिसबकेमनअचरजआवा ॥मुनिप्रशंसिहरिशिरनावा ॥
तबनारदगवनेशिरपाहीं ॥जीतकामअहमतिमनमाहीं ॥मारचरित
शंकरहिंसुनावा ॥अतिप्रियजानिमहेशशिखावा ॥बारबारबिनवोंमुनि
तोही ॥जिमियहकथासुनायउमोही ॥जीमिजनिहरिहिंसुनाएहुकबहूं
॥चलेप्रसंगदुराएहुतबहू॥ ॥दोहा॥ ॥शंभुदीन्हउपदेशहितनहिं
नारदहिसुहान ॥भरद्वाजकौतुकसुनहु॥हरिइच्छाबलवान॥ १५६॥

॥चौपाई॥ ॥रामकीन्हचाहैसोहोई॥करैअन्यथाअसनहिकोई॥
शंभुबचनसुनिमननहिंभाये॥तबबिरंचिकेलोकसिधाये॥एकबारक
रतलबरबीणा॥हरियशगावतपरमप्रवीणा॥क्षीरसिंधुगवनेमुनिनाथ
जहँवसश्रीनिवासश्रीसाथा॥हरषिमिलेउठिरमानिकेता॥बैठेआसनऋ
षिहिसमेता॥बोलेबिहसिचराचरराया॥बहुतेदिनकीन्हीमुनिदाया॥
कामचरितनारदसबभाषे॥यद्यपिप्रथमबरजिशिवराषे॥अतिप्रचंड
रघुपतिकीमाया॥जेहिमनोहअसकोजगमाया॥ ॥दोहा॥ ॥रू
खबदनकरिबचनमृदु॥बोलेश्रीभगवान॥तुह्मरेस्मिरणतेंमिटहि
मोहमारमदमान॥१५७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुमुनिमोहहोइताके
ज्ञानविरागहृदयनहिजाके॥ब्रह्मचर्यव्रतरतमतिधीरा॥तुमहिंकिकरे
मनोभवपीरा॥नारदकहेउसहितअभिमाना॥कृपातुह्मारिसकलभग
वाना॥करुणानिधिमनदीखविचारी॥उरअंकुरेउगर्वतरुभारी॥बेगिसो
मैंडारिहौंउपारी॥पणहमारसेवकहितकारी॥मुनिकरहितममकौतुक
होई॥अवशिउपायकरवमैंसोई॥तबनारदहरिपदशिरनाई॥चलेहृद
यअहमितिअधिकाई॥श्रीपतिनिजमायातबप्रेरी॥सुनहुकठिनिकरणी
तेहिकेरी॥ ॥दोहा॥ ॥विरचेउमगुमहँनगरतेहिं॥शतयोजनबिस्तार
॥श्रीनिवासपुरतेंअधिक॥रचनाविविधप्रकार॥१५८॥ ॥चौपाई॥
॥बसहिंनगरसुंदरनरनारी॥जनुबहुमनसिजरतिनुधारी॥तेहिपु
रबसैशीलनिधिराजा॥अगणितहयगजसेनसमाजा॥शतसुरेशसम
विभवविलासा॥रूपतेजबलशीलनिवासा॥विश्वमोहिनीतासुकुमारी
श्रीविमोहजेहिंरूपनिहारी॥सोहरिमायागुणखानी॥शोभातासुकि
जाइबखानी॥करैस्वयवरसोनृपबाला॥आयेतहँअगणितमहिपाला
मुनिकौतुकीनगरतेहिंगयेऊ॥पुरबासिनसनबूझतभयेऊ॥सुनिसबच
रितभूपगृहआये॥करिपूजानृपमुनिबैठाये॥ ॥दोहा॥ आनिदि

खाइनारदहिं ॥ भूपतिराजकुमारि ॥ कहहुनाथगुणदोषसब ॥ एहिकर
हृदयबिचारि ॥ १५९ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ देखिरूपमुनिबिरतिबिसारी
बडीबारलगिरहेनिहारी ॥ लक्षणतासुबिलोकिभुलाने ॥ हृदयहर्षनहिं
प्रगटबखाने ॥ जोएहिबरैअमरसोहोई ॥ समरभूमितेहिजीतनकोई ॥
सेवहिंसकलचराचरताही ॥ बरैशीलकन्याजाई ॥ लक्षणसबबिचारि
उरराखे ॥ कछुकबनाइभूपसनभाखे ॥ सुतासुलक्षणकहिनृपपाहीं ॥ नार
दचलेशोचमनमाहीं ॥ करौंजाइसोइयतनबिचारी ॥ जेहिप्रकारमोहिबरै
कुमारि ॥ जपतपकछुनहोइयहिकाला ॥ हेविधिमिलैकवनबिधिबाला ॥
दोहा ॥ ॥ येहिअवसरचाहियपरम ॥ शोभारूपबिशाल ॥ जोबिलोकि
रीझैकुअरि ॥ तबमेलैजयमाल ॥ १६० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ हरिसनमांगों
सुंदरताई ॥ होइहिजातगहरुअतिभाई ॥ मोरेहितहरिसमनहिकोई ॥
यहिअवसरसहायसोहोई ॥ बहुबिधिबिनयकीनितेहिकाला ॥ प्रगटेउ
प्रभुकौतुकीकृपाला ॥ प्रभुबिलोकिमुनिनयनजुडाने ॥ होइहिकाजहिये
हर्षाने ॥ अतिआरतकहिकथासुनाई ॥ करहुकृपाप्रभुहोहुसहाई ॥ आ
पनरूपदेहुप्रभुमोही ॥ आनभांतिनहिंपावउंओही ॥ जेहिबिधिनाथहोइ
हितमोरा ॥ करहुसोबेगिदासमैंतोरा ॥ निजमायाबलदेखिबिशाला ॥ हिय
हसिबोलेदीनदयाला ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जेहिबिधिहोइहिपरमहित ॥
नारदसुनहुतुम्हार ॥ सोइहमकरबनआनकछु ॥ बचननमृषाहमार ॥
१६१ ॥ चौपाई ॥ कुपथमांगरुजब्याकुलरोगी ॥ बैदनदेइसुनहुमुनियोगी
॥ इहिबिधहितनुम्हारठयेऊ ॥ कहिअसअंतरहितप्रभुगयेऊ ॥ मायाबि
वशभयेमुनिमूढा ॥ समुझिनहिहरिगिरानिगूढा ॥ गवनेतुरततहांऋषि
राई ॥ जहांस्वयंवरभूमिबनाई ॥ निजनिजआसनबैठेराजा ॥ बहुबनाव
करिसहसमाजा ॥ मुनिमनहर्षरूपअतिमोरे ॥ मोहितजिआनबरैनहिं
भोरे ॥ मुनिहितकारणकृपानिधाना ॥ दीनकुरूपनजाइबखाना ॥ सोचरि

मलरिवकाहूनपावा॥नारदजानिसबहिशिरनावा॥ ॥दोहा॥ ॥
रहेनहांदुइरुद्रगण॥तेजानसबभेउ॥बिप्रबेषदेखतफिरहिं॥परमको
तुकीतेऊ॥१६२॥ ॥चौपाई॥ ॥जेहिसमाजबैठमुनिजाई॥हृदय
रूपअहमितिअधिकाई॥तहंबैठेमहेशगणदोऊ॥बिप्रबेषगतिलखेन
कोऊ॥करहिंकूटिनारदहिंसुनाई॥नीकिदीन्हिहरिसुंदरताई॥रीझिहि
राजकुंअरिछबिदेखी॥इनहिंबरिहिहरिजानिविशेखी॥मुनिहिमोहम
नहाथपराये॥हसहिंशंभुगणअतिसचुपाये॥यदपिसुनहिमुनिअटप
टिबानी॥समुझिनपरैबुद्धिभ्रमसानी॥काहुनलखासोचरितविशेषी॥
सोस्वरूपनृपकन्यादेषी॥मर्कटबदनभयंकरदेही॥देखतहृदयक्रोध
भातेही॥ ॥दोहा॥ ॥सखीसंगलेकुंअरितब॥चलिजनुराजमरा-
ल॥देखतिफिरैमहीपसब॥करसरोजजयमाल॥१६३॥ ॥चौपा
ई॥ ॥जेहिदिशिबैठेनारदफूली॥सोदिशितेहिनबिलोकेउभूली॥पुनि
पुनिमुनिउशकहिंअकुलाहीं॥देखिदशाहरगणमुसकाहीं॥धरिनृप
तनुतहगयउकृपाला॥कुंअरिहरषिमेलीजयमाला॥दुलहिनिलैगये
लक्ष्मीनिवासा॥नृपसमाजसबभयेनिराशा॥मुनिअतिबिकलमोहम
तिनाठी॥मणिगिरिगइछूटिजनुगांठी॥तबहरगणबोलेमुसकाई
॥निजमुखमुकुरबिलोकहुजाई॥असकहिदोउभागेभयभारी॥ब
दनदीखमुनिबारिनिहारी॥बेषबिलोकिक्रोधअतिबाढा॥तिनहिंशा
पदीन्हाअतिगाढा॥ ॥दोहा॥ ॥होहुनिशाचरजाइतुमद्दौक
पटीपापीदोऊ॥हंसेहुहमहिंसोलेहुफल॥बहुरिहसेउमुनिकोउ॥
१६४॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिजलदीखरूपनिजपावा॥तदपिहृ
दयसंतोषनआवा॥फरकतअधरकोपमनमाहीं॥सपदिचलेकमला
पतिपाहीं॥देहौंशापकिमरिहौंजाई॥जगतमोरउपहासकराई॥बी
चहिंपथमिलेदनुजारी॥संगउमासोइराजकुमारी॥बोलेमधुरबचन

सुरसांई।।मुनिकहंचलेबिकलकीनाई।।सुनतबचनउपजाअतिक्रोधा
मायावशनरह्यामनबोधा।।परसंपदाशकहुनहिंदेषी।।तुह्मरेईर्षाक
पटविशेषी।।मथतसिंधुरुद्रहिंबैरायेउ।।सुरनप्रेरिविषपानकरायेहु।।
।। ।।दोहा।। ।।असुरसुराविषशंकरहिं।।आपुरमामणिचारु।।स्वा
रथसाधककुटिलतुम।।कदाकपटवेवहारु।।१६५।। ।।चौपाई।। ।।
परमस्वतंत्रनशिरपरकोई।।भावैमनहुकरहुतुमसोई।।भलेहिंमंदम
दहिभलकरहू।।विष्मयहर्षनहियकछुधरहू।।डहकिडहकिपरिचेहुस
बकाहू।।अतिअसंकमनसदाउछाहू।।कर्मशुभाशुभतुमहिंनबाधा।।
अबलगितुमहिंनकाहूंसाधा।।भलेभवनबायनुदीन्हा।। पावोगेफलआ
पनकीन्हा।।वंचेहुमोहिजबनधरिदेहा।।तनुसोइधरहुशापममएहा।।
कपिआकृतितुमकीनिहमारी।।करिहहिंकीशसहायतुह्मारी।।ममअ
पकारकीन्हतुमभारी।।नारिबिरहतुमहोवदुखारी।। ।।दोहा।। ।।शा
पशीशधरिहर्षिहिय।।प्रभुबहुबिनतीकीन्ह।।निजमायाकीप्रबलता।।हर्
षिकृपानिधिलीन्ह।।१६६।। ।।चौपाई।। ।।जबहरिमायादूरिनिवारी।।
नहिंतहंरमानराजकुमारी।।तबमुनिअतिसभीतहरिचरणा।।गहेपाहिप्र
णतारतिहरणा।।मृषाहोहुममशापकृपाला।।ममइच्छाकहदीनदया
ला।।मैंदुर्बचनकहेउंबहुतेरे।।कहपापमिटहिंकिमिमेरे।।जपहुजाइशंक
रशतनामा।।होइहिहृदयतुरतविश्रामा।।कोउनहिंशिवसमानाप्रियमो
रे।।असप्रतीतित्यागेउजनिभोरे।।जेहिपरकृपानकरहिंपुरारी।।सोनपा
वमुनिभक्तिहमारी।।असउरधरिमहिंबिचरहुजाई।।अबनतुमहिमाया
नियराई।। ।।दोहा।। ।।बहुबिधिमुनिहिंप्रबोधिप्रभु।।भएतबअंतर
धान।।सत्यलोकनारदचले।।करतरामगुणगान।।१६७।। ।।चौपाई
।। ।।हरगणमुनिहिंजातपथदेषा।।बिगतमोहमनहर्षविशेषा।।अ
तिसभीतनारदपहंआए।।गहिपदआरतबचनसुनाये।।हरगणहमन

विप्रमुनिराया॥बडअपराधकीन्हफलपाया॥शापअनुग्रहकरहुकृपा
ला॥बोलेनारददीनदयाला॥निशिचरजाइहोहुतुमदोऊ॥वैभवविपुल
तेजबलहोऊ॥भुजबलविश्वजितबतुमजाहिआ॥धरिहहिंविष्णुमनुजतनु
तहिआ॥समरमरणहरिहाथतुह्मारा॥होइहहुमुक्तनपुनिसंसारा॥
चलेयुगलमुनिपदशिरनाई॥भएनिशाचरकालहिपाई॥ ॥दोहा॥ ॥
एककल्पएहिहेतुप्रभु॥लीन्हमनुजअवतार॥सुररंजनसज्जनसुख
द॥हरिभंजनभूभार॥१६८॥ ॥चौपाई॥ ॥एहिबिधिजन्मकर्महं
रिकेरे॥सुंदरसुखदविचित्रघनेरे॥कल्पकल्पप्रतिप्रभुअवतरहीं॥चा
रुचरितनानाबिधकरहीं॥तबतबकथामुनीशनगाई॥परमपुनीतबिचि
त्रसुहाई॥विविधप्रसंगअनूपबखाने॥करहिंनसुनिआश्चर्यसयाने॥हरि
अनंतहरिकथाअनंता॥कहहिंसुनहिंबहुबिधिश्रुतिसंता॥रामचंद्रकेच
रितसुहाये॥कल्पकोटिलगिजाइनगाये॥यहप्रसंगमैंकहाभवानी॥ह
रिमायामोहमुनिज्ञानी॥प्रभुकौतुकीप्रणतहितकारी॥सेवतसुलभस
कलदुखहारी॥ ॥सोरठा॥ ॥सुरनरमुनिकोउनाहिं॥जहिनमोह
मायाप्रबल॥असबिचारिमनमांहि॥भजियमहामायापतिहि॥१६९॥
चौपाई॥ ॥अपरहेतुसुनुशैलकुमारी॥कहौंबिचित्रकथाबिस्तारी॥
जिहिकारणअजअगुणअनूपा॥ब्रह्मभयेकोशलपुरभूपा॥जोप्रभुबिपि
नफिरततुमदेषा॥बंधुसमेतधरेमुनिवेषा॥जासुचरितअवलोकिभवा
नी॥सतीशरीररहिउबौरानी॥अजहुनछायामिटततुह्मारी॥तासुचरि
तसुनुभ्रमरुजहारी॥लीलाकीन्हजोतेहिअवतारा॥सोसबकहिहौंमति
अनुसारा॥भरद्वाजसुनिशंकरबानी॥सकुचिसप्रेमउमामुसकानी॥ल
गेबहुरिबरणैवृषकेतु॥सोअवतारभयेउजेहिहेतु॥ ॥दोहा॥ ॥
सोमैंतुमसनकहवसब॥सुनुमुनीशमनलाइ॥रामकथाकलिमलहर
णि॥मंगलकरणिसुहाइ॥१७०॥ ॥चौपाई॥ ॥स्वायंभुवमनुअ

रुशतरूपा ।।जिनतेभैनरसृष्टिअनूपा ।।दंपतिधर्मआचरणनीका
अजहुगावश्रुतिजिनकीलीका ।।नृपउत्तानपादसुततासू ।। ध्रुवहरिभ
क्तभयेसुतजासु ।।लघुसुतनामप्रियव्रतताही ।।वेदपुराणप्रशंसतजा
ही ।।देवहूतिपुनितासुकुमारी ।।सोमुनिप्रियकर्दमकीनारी ।।आदिदेव
प्रभुदयाला ।।जठरधरेउजेहिकपिलकृपाला ।।सारव्यशास्त्रजिनप्रगट
बरवाना ।।तत्वविचारनिपुणभगवाना ।।तेहिमनुराजकीन्हबहुकाला
प्रभुआसुसबविधिप्रतिपाला ।। ।।सोरठा ।। ।।होइनविषयविराग
भवनवसतभाचोथपन ।।हृदयबहुतदुखलाग ।।जन्मगयेउहरिभ
क्तिबिनु ।।१७१ ।। ।।चौपाई ।। ।।सरबसराजसुतहितबदीन्हा ।।
नारिसमेतगमनबनकीन्हा ।।तीरथवरनैमिषविख्याता ।। अतिपुनीत
साधकसिधिदाता ।।सबहितहांमुनिद्विजसमाजा ।।तहांहियहर्षिचले
मनुराजा ।।पंथजातसोहहिंमतिधीरा ।।ज्ञानभक्तिजनुधरेशरीरा ।।पहुंचे
जाइधेनुमतितीरा ।।हर्षिनहानेनिर्मलनीरा ।।आएमिलनसिद्धमुनिज्ञानी
धर्मधुरंधरनृपऋषिजानी ।।जहंतहंतीरथरहेसुहाए ।।मुनिनसकल
सादरकरवाए ।।कृशशरीरमुनिपटपरिधाना ।।संतसमाजनितसुनहि
पुराना ।। ।।दोहा ।। ।।द्वादशअक्षरमंत्रवर ।।जपहिंसहितअनुरा
ग ।।वासुदेवपदपंकरुह ।।दंपतिमनअतिलाग ।।१७२ ।। ।।चौपा
ई ।। ।।करहिंआहारशाकफलकंदा ।।सुमिरहिंब्रह्मसच्चिदानंदा ।।
पुनिहरिहेतुकरणतपलागे ।। बारिआहारमूलफलत्यागे ।।उरअभि
लाषनिरंतरहोई ।।देखिनयनपरमप्रभुसोई ।।अगुणअखंडअनं
तअनादि ।।जेहिचिंतहिपरमारथवादी ।।नेतिनेतिजेहिबेदनिरूपा ।।
चिदानंदनिरुपाधिअनूपा ।।शंभुविरंचिविष्णुभगवाना ।।उपजहिंजा
सुअंशतेनाना ।।ऐसेप्रभुसेवकबशअहहीं ।।भक्तहेतुलीलातनुगह
हीं ।।जोयहबचनसत्यश्रुतिभाषा ।।तौहमारपूजहिंअभिलाषा ।।

॥ ॥दोहा॥ ॥एहिबिधिबीतेवर्षशत॥सहस्रबारिआहार॥संब
तसप्तसहस्रपुनि॥रहेसमीरअधार॥१७३॥ ॥चौपाई॥ ॥बरष
सहस्रदशत्यागेउसोऊ॥ठाढेरहेएकपददोऊ॥बिधिहरिहरतपदेखि
अपारा॥मनुसमीपआयेबहुवारा॥मांगहुवरबहुभांतिलुभाए॥परम
धीरनहिंचलहिंचलाये॥अस्थिमात्रहोयरहाशरीरा॥तदपिनकछुगन
हीपीरा॥प्रभुसर्बज्ञदासनिजजानी॥गतिअनन्यतापसनृपज्ञानी॥मां
गुमांगुवरभयनभबानी॥परमगभीरकृपामृतसानी॥मृतकजिआव
निगिरासुहाई॥श्रवणरंध्रहोइउरजबआई॥हृष्टपुष्टतनुभयेसुहाये
मानहुंअवहिंभवनतेआये॥ ॥दोहा॥ ॥श्रवणसुधासमबच
नसुनि॥पुलकप्रफुल्लितगात॥बोलेमनुकरिदंडवति॥प्रेमनहृदय
समात॥१७४॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुसेवकसुरतरुसुरधेनू॥बि
धिहरिहरबंदितपदरेनू॥सेवतसुलभसकलसुखदायक॥प्रणत
पालसचराचरनायक॥जोअनाथहितहमपरनेहू॥तोप्रसन्नहोइयहव
रदेहू॥जोस्वरूपबसशिवमनमांही॥जिहिंकारणमुनियत्नकराहीं
॥जोभुशुंडिमनमानसहंसा॥सगुणअगुणजेहिनिगमप्रशंसा॥दे
खहिंसोस्वरूपभरिलोचन॥कृपाकरहुप्रणतारतिमोचन॥दंपतिबच
नपरमप्रियलागे॥मृदुलबिनीतप्रेमरसपागे॥भक्तवत्सलप्रभुकृपानि
धाना॥बिश्वबासप्रगटेभगवाना॥ ॥दोहा॥ ॥नीलसरो
रुहनीलमणि॥नीलनीरधरश्याम॥लाजहिंतनशोभानिरखि॥को
टिकोटिशतकाम॥१७५॥ ॥चौपाई॥ ॥शरदमयंकमदन
छबिसींवा॥चारुकपोलचिबुकदरग्रीवा॥अधरअरुणरदसुंदरसा
ना॥विधुकरनिकरविनिंदकहासा॥नवअंबुजअंबकछबिनीकी॥
चितवनिललितभावतीजीकी॥भृकुटिमनोजचापछबिहारी॥तिल
कललाटपटलद्युतिकारी॥कुंडलमकरमुकुटशिरभ्राजा॥कुटिलके

शजनुमधुपसमाजा ॥उरश्रीवत्सरुचिर बनमाला ॥ पदिकहारभूषणम
णिजाला ॥ कहरिकंधरचारुजनेऊ ॥ बाहुविभूषणसुंदरतेऊ ॥करिक
रसरिससुभगभुजदंडा ॥ कटिनिषंगकरशरकोदंडा ॥ ॥दोहा ॥
तडितविनिंदकपीतपट ॥उदररेखवरतीनि ॥ नाभिमनोहरलेनिजनु ॥य
मुनभ्रमरछबिछीनि ॥ १७६॥ ॥चौपाई॥ ॥ पदराजीवबरणिन
हिजाहीं ॥ मुनिमनमधुपबसहिंजेहिमांहीं ॥ बामभागशोभतिअनुकूला
आदिशक्तिछबिनिधिजगमूला ॥जासुअंशउपजहिंगुणखानी ॥अग
णितलक्ष्मीउमब्रह्माणी ॥भृगुटिविलासजासुजगहोई ॥रामबामदिशि
सीतासोई ॥ छबिसमुद्रहरिरूपबिलोकी ॥ एकटकरहेनयनपटरोकी ॥
चितवहिसादररूपअनूपा ॥तृप्तिनमानहिंमनुशतरूपा ॥ हर्षविवशतनु
दशाभुलानी ॥परेदंडइवगहिपदपानी ॥सिरपरसेप्रभुनिजकरकंजा ॥तुर
तउठाएकरुणापुंजा ॥ ॥दोहा॥ ॥ बोलेकृपानिधानपुनि ॥अति
प्रसन्नमोहिजानि ॥ मागहुवरजोइभावमन ॥ महादानिअनुमानि ॥
१७७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिप्रभुबचनजोरियुगपाणी ॥ धरिधी
रजबोलेमृदुबानी ॥ नाथदेखिपदकमलतुह्मारे ॥ अबपूरेसबकाम
हमारे॥एकलालसाबडिमनमांहीं ॥सुगमअगमकहिजातिसोनाहीं
॥तुमहिंदेतअतिसुगमगोसांई॥अगमलागुमोहिनिजकृपणाई॥य
थादरिद्रिबिबुधरुपाई॥ बहुसंपतिमागतसकुचाई ॥तासुप्रभावजा
ननहिसोई ॥तथाहृदयममसंशयहोई ॥ सोतुमजानहुअन्तरजामी ॥
पुरवहुमोरमनोरथस्वामी ॥सकुचबिहाइमागुनृपमोही ॥मोरेनहि
अदेयकछुतोही ॥ ॥दोहा॥ ॥दानिशिरोमणिकृपानिधि॥नाथ
कहौंसतभाव ॥चाहौंतुमहिंसमानसुत॥ प्रभुसनकवनदुराव ॥१७८
॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिप्रीतिसुनिबचनअमोले ॥ एवमस्तुकरुणानि
धिबोले ॥आपसरिसखोजौकहजाई ॥नृपनबतनयहोहुमैआई॥शतरू

पांहिबिलोकिकरजोरे॥देविमांगुबरजोरुचितोरे॥जोवरनाथचतुरनृप
मांगा॥सोइकृपालुअतिप्रियलागा॥प्रभुपरंतुसुनिहोतिढिठाई॥
यदपिभक्तहिततुमहिसुहाई॥तुमब्रह्मादिजनकजगस्वामी॥ब्रह्मस
कलउरअंतरजामी॥असससुझतमनसंशयहोई॥कहाप्रभुप्रमाण
पुनिसोई॥जेनिजभक्तनाथतबअहहीं॥सोसुखपावहिसोलहहीं॥
दोहा॥ ॥सोइसुखसोइगतिभक्तिसोइ॥सोइनिजचरणसनेहु॥सो
इविवेकसोइरहनिप्रभु॥हमहिंकृपाकरिदेहु॥१७९॥ ॥चौपाई॥
सुनिमृदुगूढरुचिरवररचना॥जोकछुरुचितुह्मरेमनमाहीं॥मैंसो
दीन्हसबसंशयनाहीं॥मातुविवेकअलौकिकतोरे॥कबहुनमिटिहि
अनुग्रहमोरे॥बंदिचरणकहेउबहोरी॥अबरअेकबिनतीप्रभुमो
री॥सुतविषयकतबपदरतिहोऊ॥मोहिबडमूढकहैकिनकोऊ॥म
णिबिनुफणिजिमिजलबिनुमीना॥ममजीवनमितितुमहिअधीना
असबरमांगिचरणगहिरहेऊ॥एवमस्तुकरुणानिधिकहेऊ॥अब
तुमअनुशासनमानी॥बसहुजाइसुरपतिरजधानी॥ ॥सोरठा
॥तहंकरिभोगविलास॥तातगयेकछुकालपुनि॥होइहहुअब
धभुआल॥तबमैंहोवतुह्मारसुत॥१८०॥ ॥चौपाई॥ ॥इछा
मयनरवेषसंवारे॥होइहौंप्रगटनिकेततुह्मारे॥अंशनसहितदेहधर
ताता॥करिहौंचरित्तभक्तसुखदाता॥जेसुनिसादरनरबडभागी॥भ
वतरिहहिंममतामदत्यागी॥आदिशक्तिजिहिंजगउपजाया॥सोअ
वतरहिमोहमदमाया॥पुरबबमैंअभिलाषतुह्मारा॥सत्यसत्यपण
सत्यहमारा॥पुनिपुनिअसकहिकृपानिधाना॥अंतरधानभगवाना॥
दंपतिउरधरिभक्तिकृपाला॥तेहिआश्रमनिबसेकछुकाला॥समय
पाइतनुतजिअनयासा॥जाइकीन्हअमरावतिवासा॥ दोहा॥
॥यहइतिहासपुनीतअति॥उमहिंकहेउवृषकेतु॥भरद्वाजसु

नुअपरपुनि॥रामजन्मकरहेतु॥१८१॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिसुनि
कथापुनीतपुरानी॥जोगिरिजापतिशंभुबखानी॥विश्वविदितएक-
केकयदेशू॥सत्यकेतुतहंबसैनरेशू॥धर्मधुरंधरनीतिनिधाना॥तेज
प्रतापशीलबलवाना॥तेहिकेभयेयुगलसतबीरा॥सबगुणधाममहा
रणधीरा॥राजधनिजेठसुतआही॥नामप्रतापभानुअसताही॥अपर
सुतहिंअरिमर्दननासा॥भुजबलअतुलअचलसंग्रामा॥भाइहिभाइ
परस्परप्रीति॥सकलदोषछलबर्जितरीती॥जेठेसुतहिंराजनृपदीन्ह
॥हरिहितआपुगवनबनकीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥जबप्रतापरविभए
उनृप।फिरीदोहाईदेश॥प्रजापालअतिबेदबिधि॥कतहुंनरहअघले
श॥१८२॥ ॥चौपाई॥ ॥नृपहितकारकसचिवसुजाना॥
नामधर्मरुचिशुक्रसमाना॥सचिवसयानबंधुबलवीरा॥आपुप्रताप
पुंजरणधीरा॥सैनसंगचतुरंगअपारा॥अमितसुभटसबसमरजुझा
रा॥सैनबिलोकीराऊहरषाना॥अरुबाजेगहगहनिसाना॥विजय
हेतुकटकुईबनाई॥सुदिनसाधिनृपचलेउबजाई॥जहजहपरीअ
नेकलराई॥जीतेसकलभूपबरिआई॥सप्तद्वीपभुजबलवशकी
न्हे॥लेलेदंडछांडिनृपदीन्हे॥सकलअवनिमंडलतेहिकाला॥एकप्र
तापभानुमहिपाला॥ दोहा॥ ॥स्ववशविश्वकरिबाहुबल।निजपुर
कीन्हप्रवेश॥अर्थधर्मकामादिसुख॥सेवहिसमयनरेश॥१८३॥
चौपाई॥ ॥भूपप्रतापभानुबलपाई॥कामधेनुभइभूमिसुहाई॥
सबदुखवर्जितप्रजासुखारी॥धर्मशीलसुंदरनरनारी॥सचिवधर्म
रुचिहरिपदप्रीती॥नृपहितहेतुशिखावननीति॥गुरुसुरसंतपित
रमहिदेवा॥करेसदानृपसबकीसेवा॥भूपधर्मजेबेदबखाने॥सक
लकरेसादरसुखमाने॥दिनप्रतिदेइबिबिधबिधिनाना॥सुनेशास्त्र
वेदपुराना॥नानावापीकूपतडागा॥सुमनबाटिकासुंदरबागा॥विप्र

भवनसुरभवनसुहाये॥सबतीरथनबिचित्रबनाये॥ ॥दोहा॥
॥जहंलगिकहेपुराणश्रुति॥एकएकसबयाग॥बारसहस्रसहस्र नृप।किएसहितअनुराग॥१८४॥ ॥चौपाई॥ ॥हृदयनचहन कछुफलअनुसंधाना॥भूपविवेकिपरमसुजाना॥करैजेधर्मकर्मम नबानी॥वासुदेवअर्पितनृपज्ञानी॥चढिवरवाजिवारएकराजा॥मृ गयाकरसबसाजिसमाजा॥विंध्याचलगंभीरवनगएऊ॥मृगपुनीत बहुमारतभएऊ॥फिरतबिपिननृपदीखबराहू॥जनुबनदुरेउशशि हिंग्रसिराहू॥बडविधुनहिंसमातमुखमांही॥मनहुंक्रोधवशउगिलत नाहीं॥कोलकरालदशनछबिगाई॥तनुबिशालपीवरअधिकाई॥घुर घुरातहयआरवपाये॥चलितबिलोकतकानउठाये॥ ॥दोहा॥
नीलमहीधरशिखरसम॥देखिविशालवराह॥चपरिचलेउहयसुक किनृप॥हाकिनहोइनिबाह॥१८५॥ ॥चौपाई॥ ॥आवतदेखि अधिकरववाजी॥चलेउबराहमरुतगतिबाजी॥तुरतकीन्हनृपशरसं धाना॥महिमिलिगयेउबिलोकतवाना॥तकितकितीरमहीशचलावा॥करिछलसुअरशरीरबचावा॥प्रगटतदुरतजाइमृगभागा॥रिस वशभूपचलेउसंगलागा॥गयेउदूरिघनगहनवराहू॥जहंनाहींगज बाजिनिबाहू॥अतिअकेलबनविपुलकलेशू॥तदपिनमृगमदतजेउ नरेशू॥कोलबिलोकिभूपबडधीरा॥भागिपैठगिरिगुहागभीरा॥ अगमदेखिनृपअतिपछिताई॥फिरेउमहाबनपरेउभुलाई॥
दोहा॥ ॥खेदखिन्ननृषितक्षुधित॥राजाबाजिसमेत॥खोजत व्याकुलसरितसर॥जलबिनुभयेउअचेत॥१८६॥ ॥चौपाई
॥फिरतबिपिनआश्रमएकदेखा॥तहंबसनृपतिकपटमुनिवेषा॥ जासुदेशनृपलीन्ह डाई॥समरसेनतजिगयेउपराई॥समयभानु करजानी॥आपनअतिअसमयअनुमानी॥गयेउनगृहमनबहुतग

लानी ॥ मिलानराजहिंनृपअभिमानी ॥ रिपिउरमारिरंकजिमिराजा ॥
विपिनबसेतापसकेसाजा ॥ तासुसमीपगमननृपकीन्हा ॥ यहप्रताप
रवितेहित्तबचीन्हा ॥ राउनृषितनहिंसोपहिचाना ॥ देखिसुवेषमहामु
निजाना ॥ उत्तरितुरततेकीन्हप्रणामा ॥ परमचतुरनकहेउनिजनामा ॥
॥ दोहा ॥ ॥ भूपतितृषितविलोकितिहि ॥ सरवरदीन्हदेखाई ॥ मज
नपानसमेतहय ॥ कीन्हनृपतिहरषाई ॥ १८७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ ग
ईसकलश्रमसुखीनृपभयेऊ ॥ निजआश्रमतापसलेगयेहू ॥ आसन
दीन्हअस्तरविजानी ॥ पुनितापसबोलेमृदुबानी ॥ कोतुमकेसबनफि
रहुअकेले ॥ सुंदरयुवाजीवपरहेले ॥ चक्रवर्तिकेलक्षणतोरे ॥ देखत
दयालागिअतिमोरे ॥ नामप्रतापभानुअवनीशा ॥ तासुसचिवमेंसु
नहुमुनीशा ॥ फिरतअहेरेउंपरेउभुलाई ॥ बडेभाग्यदेखेउपदआई ॥
हमकहंदुर्लभदरशतुम्हारा ॥ जानतहौंकछुभलहोनिहारा ॥ कहमु
नितातभयेउंअंधियारा ॥ योजनसत्तरिनगरतुम्हारा ॥ ॥ दोहा ॥
॥ निशाघोरगंभीरबन ॥ पंथनसूझसुजान ॥ सबहुआजअसजा
नितुम ॥ जाएउहोतबिहान ॥ १८८ ॥ तुलसीजसभवितव्यता ॥ तसी
मिलेसहाइ ॥ आपुनआवेताहिपैं ॥ कितेहिंतहांलेजाई ॥ १८९ ॥
चौपाई ॥ ॥ भलेहुनाथआयसुधरिशीसा ॥ बांधितुरगतरुबैठमही
शा ॥ नृपबहुभांतिप्रशंसेउताही ॥ चरणवंदिनिजभाग्यसराही ॥ पुनि
बोलेउमृदुगिरासुहाई ॥ जानिपिताप्रभुकरोंदिठाई ॥ मोहिमुनीशसु
तसेवकजानी ॥ नाथनामनिजकहहुबखानी ॥ तेहिनजाननृपनृपहिं
सोजाना ॥ भूपत्हृदयसोकपटसयाना ॥ वैरीपुनिक्षत्रीपुनिराजा ॥ छल
बलकीन्हचहेनिजकाजा ॥ समुझिराजसुखदुखितअराती ॥ आवअ
नलइवसुलगेछाती ॥ सरलवचननृपकेसुनिवाना ॥ बयरसंभारिहृ
दयहरषाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कपटबोलिवाणीमृदुल ॥ बोलेउयु

किसमेत ॥ नामहमारभिखारिअब ॥ निर्धनरहितनिकेत ॥ १६० ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ कहनृपजेबिज्ञानबिधाना ॥ तुमसारिखेगलितअभिमाना ॥ सदारहहिंअपनपौदुराये ॥ सबबिधिकुशलकुवेषबनाये ॥ तेहितेंकहहिंसंतश्रुतिटेरे ॥ परमअकिंचनप्रियहरिकेरे ॥ तुमसनअधनभिखारिअदेहा ॥ होतबिरंचिशिवहिंसंदेहा ॥ योसिसोसितबचरणनमामी ॥ मोपरकृपाकरियअबस्वामी ॥ सहजप्रीतिभूपतिकीदेषी ॥ आपविषयविश्वासविशेषी ॥ सबप्रकारराजहिंअपनाई ॥ बोलेउअधिकसनेहजनाई ॥ सुनुसतिभावकहौंमहिपाला ॥ इहांबसबीतेबहुकाला ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ अबलगिमोहिनमिलेकोउ ॥ मैंनजनायेउकाहु ॥ लोकमान्यताअनलसम ॥ करतपकाननदाहु ॥ १६१ ॥
सोरठा ॥ ॥ तुलसीदेखीसुवेष ॥ भूलहिमूढनचतुरनर ॥ सुंदरकेकिहिंपेष ॥ बचनसुधासमअशनअहि ॥ १६२ ॥ ॥ चौपाई ॥
॥ तातेंगुप्तरहौंजगमांही ॥ हरितजिकिमपिप्रयोजननाहीं ॥ प्रभुजानतसबबिनहिंसुनाये ॥ कहहुकवनसिधिलोकरिझाये ॥ तुमशुचिस्रुमतिपरमप्रियमोरे ॥ प्रीतिप्रतीतिमोहिपरतोरे ॥ अबजौंतातदुरावौंतोही ॥ दारुणदोषबढेअतिमोही ॥ जिमितापसकहैउदासा ॥ तिमितिमिनृपहिउपजविश्वासा ॥ देखास्ववशकर्ममनवानी ॥ तबबोलेउतापसबकध्यानी ॥ नामहमारएकतनुभाई ॥ सुनिनृपबोलेउपुनिशिरनाई ॥ कहहुनामकरअर्थबखानी ॥ मोहिसेवकअापनजानि ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ आदिसृष्टिउपजीजबहि ॥ तबउत्पत्तिभइमोरि ॥ नामएकतनुहेतुएहि ॥ देहनधरीबहोरि ॥ १६३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जनिआश्चर्यकरहुमनमाहीं ॥ सुततपतेदुर्लभकछुनाहीं ॥ तपबलतेजगसृजेविधाता ॥ तपबलविष्णुभएपरित्राता ॥ तपबलशंभुकरहिंसंहारा ॥ तपतेअगमनकछुसंसारा ॥ तपबलशेषधरहिं

महिभारा ॥ तपअधारसबसृष्टिअपारा ॥ भयउनृपसुनिअनुरागा
कथापुरातनकहैसोलागा ॥ कर्मधर्मइतिहासअनेका ॥ करैनिरूप
णविरतिविवेका ॥ उद्भवपालनप्रलयकहानी ॥ कहेसिअमितआश्चर्य
बखानी ॥ सुनिमहीपतापसबशभयेउ ॥ आपननामकहतबभयेऊ ॥
कहतापसनृपजानौंतोहीं ॥ कीन्हेउकपटलागुभलमोहीं ॥ सोरठा ॥
सुनमहीशअसनीति ॥ जहंतहंनामकहहिंनृप ॥ मोहितोहिपरअति-
ति ॥ परमचतुरतानिरखितब ॥ १६४ ॥ चौपाई ॥ ॥ नामतुह्मारप्र
तापदिनेशा ॥ सत्यकेतुतबपितानरेशा ॥ गुरुप्रसादसबजानियराजा ॥
कहियनआपनजानिअकाजा ॥ देखिताततबसहजसुहाई ॥ प्रीतिप्रती
तिनीतिनिपुणाई ॥ उपजिपरीममतामोरे ॥ कहौंकथानिजबूझेंतोरे ॥ अ
बप्रसन्नमैंसंशयनाहीं ॥ मांगुजोभूपभावमनमाहीं ॥ सुनिशुभवचनभू
पतिहरषाना ॥ गहिपदविनयकीन्हबिधिनाना ॥ कृपासिंधुदर्शनतोरे
चारिपदारथकरतलमोरे ॥ प्रभुहिंतथापिप्रसन्नविलोकी ॥ मांगीअगम
वरहोउविशोकी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जरामरणदुखरहिततनु ॥ समरनजी
तैकोउ ॥ एकछत्ररिपुहीनमहि ॥ राजकल्पशतहोऊ ॥ १६५ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ कहतापसनृपऐसेइहोई ॥ कारनएककठिनसुनुसोई ॥
कालौतबपदनाइहिशीसा ॥ एकविप्रकुलछांडिमहीशा ॥ तपबलवि
प्रसदावरिआवा ॥ तिनकेकोपनकोउरखवारा ॥ जौविप्रनवशकरनरेशा
तौतबवशविधिविष्णुमहेशा ॥ चलनब्रह्मकुलसेवरिआई ॥ सत्यक-
हौंदोभुजाउठाई ॥ विप्रशापसुनुमहिपाला ॥ तोरनाशनहिंकवनिहुका
ला ॥ हरषेउराउबचनसुनितासू ॥ नाथनहोइमोरअवनासू ॥ तबप्रसा
दप्रभुकृपानिधाना ॥ मोकहसर्वकालकल्याना ॥ ॥ दोहा ॥ एव
मस्तुकहिकपटमुनि ॥ बोलाकुटिलबहोरि ॥ मिलवहमारभुलावजनि ॥
कहहुतोमोरिनखोरी ॥ १६६ ॥ चौपाई ॥ ॥ तातेंमैंतोहिवरजौंराजा ॥

कहेकथातबपरमअकाजा ॥छठौंअवनयहपरतकहानी॥नाशतु
म्हारममवानी॥यहप्रगटेंअथवाद्विजशापा॥नाशतोरभानुप्रतापा॥अ
नउपायनिधनतबनाहीं॥जोहरिहरकोपहिमनमाहीं॥सत्यनाथपदगहि
नृपभाषा॥द्विजगुरुकोपकहहरोषा॥राखेंगुरुजोकोपविधाता॥गुरुवि
रोधकोउनजगत्राता॥जौनचलवहमकहेतुम्हारे॥होइनाशशोचहमारे
एहिडरपतमनमोरा॥प्रभुमहिदेवशापअतिघोरा॥ ॥दोहा॥ ॥
होंहिविप्रवशकवनविधि॥कहहकृपाकरिसोइ॥तुमतजिदीनदयालनि
ज॥हितूनदेखोंकोई॥१६७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुनृपविविधयत्नजग
माहीं॥कष्टसाध्यपुनिहोइकिनाहीं॥अहैएकअतिसुगमउपाई॥तहांप
रतुएककठिनाई॥ममअधीनयुक्तिनृपसोई॥मोरजावतबननगरनहोई
आजुलागिअरुजबतेंभयेऊ॥काहूकेगृहग्रामनगयेऊ॥जोनजावतब
होइअकाजू॥वनआईअसमंजसेआजू॥सुनुमहीपबोलेमृदुबानी॥
नाथनिगमअसनीतिबखानी॥बड़ेसनेहलघुनपरकरहीं॥गिरिशिर
नसदानृणधरहीं॥जलधिअगाधमौलिबहुफेनू॥संततधरणिधरत
शिररेणू॥ ॥दोहा॥ ॥असकहिगहेनरेशपद॥स्वामीहोहुकृपालु
॥मोहिलागिदुखसहियप्रभु॥सज्जनदीनदयालु॥१६८॥ ॥चौपाई
॥ ॥जानिनृपहिंआपनअधीना॥बोलातापसकपटप्रवीना॥सत्य
कहौंभूपतिसुनुतोही॥जगमहंनहिदुर्लभकछुमोही॥अवशिकार्यमैं
करिहौंतोरा॥मनतनुबचनभक्तितेंमोरा॥योगयुक्तितपमंत्रप्रभाऊ
फलैतबहिंजबकरियदुराऊ॥जौनरेशमैंकरौंरसोई॥तुमपरसहुमो
हिजाननकोई॥अन्नसोजोइभोजनकरई॥सोइसोइतबआयसु
अनुसरई॥पुनितिनकेगृहजबजोई॥तबबशहोइभूपसुनुसोई॥जा
इउपायरचहुनृपएहू॥संवतभरिसंकल्पकरेहू॥ ॥दोहा॥ ॥नित
नूतनद्विजसहसशत॥बरेहुसहितपरिवार॥मैंतुम्हारेसंकल्पलगि॥

दिनहिकरबजेवनार ॥१९९॥ ॥चौपाई॥ ॥एहिबिधिभूपकष्ट
अतिघोर॥होइसकलविप्रवशतोरे॥करिहहिंविप्रहोमखसेवा॥तेहि
प्रसंगसहजहिंवशदेवा॥औरएकतोहिकहौंलखाऊ॥मैंयहिवेषनअ
बकाऊ॥तुम्हरेउपुरोहितकहराया॥हरिआनबमैंकरिनिजमाया॥तपब
लतेहिकरिआपुसमाना॥रखिहौंइहांबरषप्रमाना॥मैंधरितासुवेष
सुनुराजा॥सबबिधितोरसंवारबकाजा॥गईनिशिबहुतशयनअबकी
जै॥मोहितोहिभूपभेंटदिनतीजे॥मैंतपबलतोहितुरगसमेता॥पहुंचै
हौंसोवतहिंनिकेता॥ ॥दोहा॥ ॥मैंआउबसोइवेषधरि॥पहिचा
नेउतबमोहि॥जबएकांतबुलाइसब॥कथासुनाऊंतोहि ॥२००॥ ॥
चौपाई॥ ॥शयनकीन्हनृपआयसुमानी॥आसनजाइबैठछलज्ञानी
श्रमितभूपनिद्राअतिआई॥सोकिमिसोवशोचअधिकाई॥कालकेतु
निशिचरतहंआवा॥जेहिशूकरहोइनृपहिंबुलावा॥परममित्रतापसनृप
केरा॥जानैसोअतिकपटघनेरा॥तेहिकेशतसुतअरुदशभाई॥खल
अतिअजयदेवदुखदाई॥प्रथमहिभूपसमरसबमारे॥विप्रसंतसुर
देखिदुखारे॥तेहिखलपाछिलवयरसंभारा॥तापसनृपमिलिमंत्रवि
चारा॥जेहिरिपुक्षयसोरचेउपाई॥भावीवशनजानकछुराई॥ दोहा
रिपुतेजस्वीअकेलअपि॥लघुकरिगणियनताहु॥अजहुंदेतदुखर
विशशिहिं॥शिरअवशेषितराहु॥२०१॥ ॥चौपाई॥ ॥तापस
नृपनिजसखहिंनिहारी॥हर्षिमिलेउउठिभयसुखकारी॥मित्रहिंकहि
सबकथासुनाई॥जातुधानबोलासुखपाई॥अबसाधेउंरिपुसुनहुंनरेश॥
जौंतुमकीन्हमोरउपदेशा॥परिहरिशोचरहहुतुमसोई॥बिनुऔषध
हिंव्याधिबिधिसोई॥कुलसमेतरिपुमूलबहाई॥चौथेदिवसमिलबमैं
आई॥तापसनृपहिंबहुतपरितोषी॥चलामहाकपटीअतिरोषी॥भा
नुप्रतापहिबाजिसमेता॥पहुंचायेसिसोवतहिंनिकेता॥नृपहिंनारिप

हशयनकराई॥यहगृहबांधेसिबाजिबनाई॥ ॥दोहा॥ ॥राजाके उपुरोहितहिं॥हरिलेगयउबहोरि॥लैराखेसिगिरिखोहमहं॥मायाकरि मतिभोरि॥२०२॥ ॥चौपाई॥ ॥आपुबिरचिउपुरोहितरूपा॥परा पाइतेहिशेजअनूपा॥जागेउनृपअनुभयउबिहाना॥देखिभवनअतिअ चरजमाना॥मुनिमहिमामनमहंअनुमानी॥उठेउराउजेहिजाननरानी॥ काननगयेउबाजिचढिनेही॥पुरनरनारिनजानेउकेही॥गयेयामयुगभूप तिआवा॥घरघरउत्सवबाजुबधावा॥उपरोहितहिंदीखजबराजा॥च कितबिलोकिसुमिरिसोइराजा॥युगसमनृपहिगयेदिनतीनी॥कपटी मुनिपदरहमतिलीनी॥समयजानिउपरोहितआवा॥नृपहिमतोसब कहिसमुझावा॥ ॥दोहा॥ ॥नृपहर्षेपहिचानिगुरु॥भ्रमबशरहा नचेत॥वरेतुरतशतसहसबर॥बिप्रकुटुंबसमेत॥२०३॥ ॥चौपाई॥ ॥उपरोहितजेवनारबनाई॥छरसचारिविधिजसश्रुतिगाई॥मायाम यतेहिकीन्हरसोई॥व्यंजनबहुगणिसकैनकोई॥बिबिधमृगनकरआ मिषरांधा॥तेहिमहविप्रमांसखलसांधा॥भोजनकहसबबिप्रबुलाये पदपरवारिसादरबैठाये॥परसनलागुजबहिंमहिपाला॥भईअकाश बाणीतेहिंकाला॥विप्रवृंदउठिउठिगृहजाऊ॥हैबडीहानिअन्नजनिखा हू॥भयेउरसोईभूसुरमासू॥सबद्विजउठेमानिविश्वासू॥भूपबिकल मतिमोहभुलानी॥भावीबशनआवमुखवानी॥ ॥दोहा॥ ॥बोले विप्रसकोपतब॥नहिकछुकीन्हविचार॥जाइनिशाचरहोइनृप॥मूढस हितपरिवार॥२०४॥ ॥चौपाई॥ ॥क्षत्रबंधुतबविप्रबुलाई॥घा लैलियेसहितसमुदाई॥ईश्वरराखाधर्महमारा॥जैहसितैसमेतपरि वारा॥संवतमध्यनाशतबहोऊ॥जलदातानरहहिकुलकोऊ॥नृप सुनित्रासबिकलअतित्रासा॥भईबहोरिवरगिराअकाशा॥विप्रहुशा पविचारिनदीन्हा॥नहिअपराधभूपकछुकीन्हा॥चकितबिप्रसबसुनि

नभवानी॥भूपगयेजहंभोजनखानी॥तहंनअशननहिंविप्रसुआरा॥
फिरेउराउमनशोचअपारा॥सबप्रसंगमहिसुरनसुनाई॥त्रसितपरेउअ
वनीअकुलाई॥ ॥दोहा॥ ॥भूपतिभावीमिटैनहिं॥यदपिनदूषण
तोर॥कियेअन्यथाहोइनहिं॥विप्रशापअतिघोर॥२०५॥ चौपाई॥
जोकरिकपटछलेजगकाहू॥दहिइईशअधमगतिताहू॥बिप्रबच
नसुनिनृपअकुलाना॥उठिपुनिबिनयकीन्हबिधिनाना॥पुनिपुनिप
दगहिकहेउभूआला॥शापअनुग्रहकहहुकृपाला॥जबतुमहोवनि
साचरजाई॥ब्रह्मवंशतामसतनुपाई॥अजरअमरअतुलितप्रभुताई
जगविख्यातवीरदोउभाई॥होइहहिजबहिपराभवचारी॥तबतुम
सेउबदेवपुरारी॥शिवप्रसादवरूपाइबहोरी॥होइहैसबजगप्रभुता
तोरी॥मिलहहितोहितबसनतकुमारा॥तबतुमससुरूवशापहमारा
॥दोहा॥ ॥तुमपुछबनिस्तारनिज॥सादरसुनहुनरेस॥सबपरि
वारउधारतब॥होइहेमुनिउपदेस॥२०६॥ ॥चौपाई॥ ॥असक
हिसबमहिदेवसिधाए॥समाचारपुरलोकनपाये॥शोचहिदूषणदेहि
देहीं॥विरचितहंसकाककियजेही॥उपरोहिततहिभवनपहुंचाई॥असु
रतापसहिंखबरिजनाई॥तेहिखलजहंतहंपत्रपठाये॥सजिसजिसैन्य
भूपसबआये॥घेरिनिनगरनिसानबजाई॥विविधभांतिहोतिलराई
जूझेसकलसुभटकरिकरणी॥बंधुसमेतपरेउनृपधरणी॥सत्यकेतु
कुलकोउनबांचा॥बिप्रशापकिमिहोइअसांचा॥रिपुहिजीतिनृपनग
रबसाई॥निजनिजपुरगेजययशपाई॥ ॥दोहा॥ ॥भरद्वाजसु
नुजाहितब॥होनबिधाताबाम॥धूरिमेरुसमजनकयम॥ताहिब्याल
समदाम॥२०७॥ ॥चौपाई॥ ॥कालपाइमुनिसुनुसोइराजा॥भ
येउनिशाचरसहितसमाजा॥दशशिरताहिबीशभुजदंडा॥रावण
नामवीरवरिबंडा॥भूपअनुजअरिमर्दननामा॥भयेउसोकुंभकर्णबल

धामा ॥ सचिवजोरहाधर्मरूचिजासू ॥ भयेउबिमात्रबंधुलघुतासू ॥ ना
मबिभीषएाजेहिजगजाना ॥ विष्णुभक्तविज्ञाननिधाना ॥ रहेजेसुतसेव
कनृपकेरे ॥ भएनिशाचरघोरघनेरे ॥ कामरूपरवलजनिअनेका ॥ कुटि
लभयंकरविगतिविवेका ॥ कृपारहितहिंसकपापी ॥ बरणिनजाइवि
श्वपरतापी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ उपजेयदपिपुलस्त्यकुल ॥ पावनअमल
अनूप ॥ तदपिमहीसुरशापवश ॥ भयेसकलअघरूप ॥ २०८ ॥ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ कीन्हविविधतपतीनिहुभाई ॥ परमउग्रसोबरणिनजाई ॥



गयेउनिकटलपदेखिबिधाता ॥ मागहुंबरप्रसन्नमैंताता ॥ करिबिनती
पदगहिदशशीशा ॥ बोलेउबचनसुनहुजगदीशा ॥ हमकाहूकेमरहिं
नमारे ॥ बानरमनुजजातिदुइवारे ॥ एवमस्तुतुमबडतपकीन्हा ॥ मैंब्रह्म
मिलिहिवरदीन्हा ॥ पुनिप्रभुकुंभकर्णपहंगएऊ ॥ तेहिबिलोकिमनबि
स्मयभएऊ ॥ जौयहनीतिकरवआधारा ॥ होइहिंसबउजारिसंसारा
॥ शारदप्रेरितासुमतिफेरी ॥ मांगेसिनींदमासषट्केरी ॥ ॥ दोहा
॥ गयेउबिभीषणपासपुनि ॥ कहेउपुत्रवरमांगु ॥ तेमांगेउभगवंत

पद॥कमलअमलअनुरागु॥२०९॥ ॥चौपाई॥ ॥तिनहिंदेइब
रब्रह्मसिधाए॥हर्षिततेअपनेगृहआए॥मयतनुजामंदोदरिनामा॥
परमसुंदरीनारिललामा॥सोइमयदीन्हिरावणहिआनी॥भईसोयातु
धानपटरानी॥हर्षितभयेउनारिभलिपाई॥पुनिदोउबंधुविवाहेसिजाई॥
गिरित्रिकूटएकसिंधुमझारी॥विधिनिर्मितदुर्गमअतिभारी॥सोमय
दानवबहुरिसंवारा॥कनकरचितमणिभवनअपारा॥भोगवतीजस
अहिकुलवासा॥अमरावतीजसशक्रनिवासा॥तिन्हतेंअधिकरम्य
अतिबंका॥जगविख्यातनामतेहिलंका॥ ॥दोहा॥ ॥खाईसिं
धुगभीरअति॥चारिदिशिफिरिआव॥कनककोटमणिखचितदृढ॥
वरणिनजाइबनाव॥२१०॥हरिप्रेरितजिहिंकल्पजोई॥जातुधानपति
होई॥शूरप्रतापीअतुलबल॥दलसमेतवससोई॥२११॥ ॥चौपा
ई॥ ॥रहेतहांनिशिचरभटमारे॥तेसबसुरनसमरसंभारे॥अबत
हंरहहिंशक्रकेप्रेरे॥रक्षककोटिपक्षयतिकेरे॥दशमुखकबहुंखबरि
असपाई॥साजिसेनघेरेसिगदजाई॥देखिबिकटभटबडिकटकाई॥
यक्षजीवलैगयेपराई॥फिरीनगरदशाननदेखा॥गयेउशोचसुखभ
येउविशेषा॥सुंदरसहजअगमअनुमानी॥कीन्हतहांरावणरजधानी॥
जेहिजसजोगबांटिगृहदीन्हा॥सुखीसकलरजनीचरकीन्हा॥एकबा
रकुबेरपहंधावा॥पुष्पकजानजीतिलेआवा॥ ॥दोहा॥ ॥कौतु
कहीकैलासपुनि॥लीन्हेसिजाइउठाइ॥मनहुंतोलिभटबाहुबल॥च
लाअधिकसुखपाइ॥२१२॥देवयक्षगंधर्वनर॥किन्नरनागकुमारि॥
जीतिबरीनिजबाहुबल॥बहुसुंदरीवरनारि॥२१३॥ ॥चौपाई॥
॥सुखसंपतिसुतसेनसुहाई॥जयप्रतापबलबुद्धिबडाई॥नितनू
तनसबबाढतजाई॥जिमिप्रतिलाभलोभअधिकाई॥अतिबलकुंभक
र्णअसभ्राता॥जेहिकहंनहिंप्रतिभटजगजाता॥करिमदपानसोवषट्

मासा ॥जागनहोइतिहूंपुरत्रासा॥जौदिनत्र्याहारकरुसोई॥विघ्नबेगि
सबचौपटहोई॥समरधीरनहिंजाइबखाना॥तेहिसमत्र्प्रधीकबीरब
लवाना॥वारिदनादजेठसुततासू॥भटप्रथमलीकजगजासू॥जेहिनहो
इरणसंमुखकोई॥सुरपुरनितहिपरावनहोई॥ ॥दोहा॥ ॥कुमुख
त्र्प्रकंपनकुलिशरद॥धूम्रकेतुत्र्प्रतिकाय॥एकएकजगजीतिशक॥ऐसे
सुभटनिकाय॥२१४॥ ॥चौपाई॥ ॥कामरूपजानहिसबमाया॥
सपनेहुजिनकेधर्मनदाया॥दशमुखबैठसभाएकवारा॥देखित्र्प्रमित
त्र्प्रापनपरिवारा॥सुतसमूहपरिजननाती॥गनैकोपारनिशाचरजाती॥
सैनबिलोकिसहजत्र्प्रभिमानी॥बोलाबचनक्रोधमदसानी॥सुनहुसक
लरजनीचरयूथा॥हमरेबैरीबिबुधवरूथा॥तेसंमुखनहिकरहिंलरा
ई॥देखिसबलरिपुजाहिपराई॥तिनकरमरणएकविधिहोई॥कहौबु
फाइसुनहुत्र्प्रबसोई॥द्विजभोजनमखहोमशराधा॥सबकहंजाइकर
हुतुमबाधा॥ ॥दोहा॥ ॥क्षुधाक्षीणबलहीनसुर॥सहजहिंमिल
हहिंत्र्प्राइ॥तबमारिहौंकीछाडिहौं॥भलीभांतित्र्प्रपनाई॥२१५॥ ॥
चौपाई॥ ॥मेघनादकहपुनिहंकरावा॥दीन्हसीखबलबयरबढावा॥
जेसुरसमरधीरजबलवाना॥जिनकेलरिवेकरत्र्प्रभिमाना॥तिनहिंजी
तिरणत्र्प्रानंहिबांधी॥उठिपितुस्कतत्र्प्रनुशासनसाधी॥यहविधिसब
नहिंत्र्प्राज्ञादीन्ही॥त्र्प्रपनौचलेउगदाकरलीन्ही॥चलतदशाननडोलत
त्र्प्रवनी॥गर्जतगर्भस्त्रवतसुररमणी॥रावणत्र्प्रावतसुनेउसको
हा॥देवनतकेउमेरुगिरिखोहा॥दिकपालनकेलोकसिधाए॥सुनेस
कलदशाननत्र्प्राए॥पुनिसिंहनादकरिभारी॥देइदेवननगारिप्रचारी
॥रणमदमत्तफिरईजगधावा॥प्रतिभटखोजतकतहुनपावा॥ ॥
दोहा॥ ॥सप्तद्वीपनवखंडलगि॥सप्तपातालत्र्प्राकाश॥कंपमान
धरणीधकत॥सरितपतिन्हिमनत्रास॥ ॥२१६॥ ॥चौपाई॥

नारदमिलेकहिसिसुसुकाई॥देवकहांमुनिदेहुदिखाई॥सुनतअनषना
रदहिंनभावा॥श्वेतद्वीपतिनिहितुरतपठावा॥सागरउतरिपारसोगयेऊ॥
नारिबृंदतहंदेखतभएऊ॥तिन्हसनकहापतिनपहूंजाहू॥कहिउकीअ
वनिशाचरनाहू॥तवमेंतिन्हहिंजीतिसंग्रामा॥लेजोंहोंतुमकोंनिजधामा
सुनतबचनएकुजरठरिसानी॥धाइचरणगहिगगनउडानी॥गईदुरी
धरिधरिऊकजोरा॥डारिसिसिंधुमध्यअतिजोरा॥ ॥दोहा॥ ॥
गयोपातालअचंतहोई॥मरेनविप्रप्रसाद॥सावधानउठिगर्जेपुनि॥
हियेनहरषविषाद॥२१७॥ ॥चौपाई॥ ॥जीतेसिनागनगरसब
जारी॥गयोबहुरिबलिलोकसुरारी॥वामनरावणआवतजाना॥कि
एदेवऋषिसनअभिमाना॥खेलतरहेनगरशिशुनाना॥निजबलनिन
हिंदीन्हभगवाना॥धाइधरातेंहिपुरलैआए॥नगरनारिनरदेखनधाए॥
बीशबाहुदशकंधरजाई॥विधियहगदनिकहाकीआई॥राखेनिबां
धिखिजावहिंभारी॥नमनकहसहेवरूगारी॥बामनदेखिबहुतसकु
चाई॥तबछूडाइदियरूपानिधाना॥चलातुरतनिशाचरनाहा॥लाज
शंककछुनहिमनमाहा॥ ॥दोहा॥ ॥अतिनिर्लज्जदयारहित॥हिं
परअतिप्रीति॥रामविमुखदशकंठशठ॥ताहपरचाहतजीति॥२१८
भरद्वाजसुनुजाहिजब॥होइबिधानावाम॥कनककांचव्हैजाइतब॥
लहैनकोडीदाम॥२१९॥ ॥चौपाई॥ ॥जहंकुहंफिरतदेवद्विजसा
वे॥लंडलेइबहुत्रासदिखावे॥इहिआचारणफिरेदिनराती॥महांघो
रमयखलउतपाती॥तबहितुरतपंपापुरआवा॥वालिनामकपिपति
जिहिंठावा॥दीखजाइइकसरवरशोभा॥जेहिमनमहामुनिनकरलो
भा॥तहांकपीशकरेनिजध्याना॥आदरमहंसंध्यासनमाना॥जाइ
ठाडतहंभारजनीशा॥ठोकबाहुगर्जितभुजबीशा॥तबकपीशचितवा
मुसकाई॥ध्यानकीओसरिसबिसराई॥तबरावणबोलाकरिक्रोधा

बकध्यानीकपिशठसुनुबोधा॥ ॥दोहा॥ ॥ मोहिजितेंबिनुसमर
सुनु ॥नकरुध्यानपतीकीश॥ अंजुलिदेइनपाइहि॥ शपथकरौंअजई
श ॥२२०॥ ॥चौपाई॥ ॥तबबालीबोलाबिहसाई॥बलतुह्मार
ऐसोहैभाई॥रहअंजुलिमेंदेहुसप्रीती॥ठाढहोउजाइहुमुह्निजीती॥त
बनिशिचरपतिउठारिसाई॥देकपियुद्धछांडिकदराई॥ तबहिंकीशपति
मनहिंबिचारा॥शिवबलदीन्हमरहिंनमारा॥दशकंधरधरुजाहुबिचा
री॥अजयतुह्मारीरूनिबिधिचारी॥बहुतभांतिबालीसमुझावा॥क्रो
नेहुभांतिबोधनहिंआवा॥तबसकोपहोइधराकपीशा॥धरतिहिकांख
चापिदशशीशा॥अंजुलिदीन्हरविहिमनबानी॥तिहिक्षणसंध्यावंदि
सिरानी॥ ॥दोहा॥ ॥आवाधरहिंकपीशतब॥कांखरहालं
केश॥इहिबितेमासषट॥पाएबहुतकलेश॥२२१॥ ॥चौपाई॥
॥तेहिकलेशबशकरैउपाई॥ तहनचलेकछुआतुरताई॥ ब
हुप्रस्वेदकरबरीमहुजामा॥ अतिकुवासतहांभइधामा॥कलमला
इरिसदशननिकटा॥कचकरजीवमनहुभ्रमचाटा॥ एकदिवसरवि
अंजुलीसाजा॥कांखतेनिसरिमहाधुनिगाजा॥ तबपुनिधरिकपीस
रोबांधा॥ लैआयोअंगदकेरांधा॥बीशभुजादशशीशसुधारा॥चा
रणदोउपुनिधरिउरपारा॥ धरिसमेटिरूपरीसबकीन्हा॥ बांधिशेज
परशोभादीन्हा॥अंगदखेलिलातशिरमारा॥किलकिलाइकिलके
किलकारा॥ ॥दोहा॥ ॥तारचिन्हिउरावणहि॥तिहिंक्षणदी
न्हछुडाई॥जाहुतुरतलंकेशगृह॥बहुरिधरिहिंकपिराई॥२२२॥
चौपाई॥ ॥पुनिरावणआवातिहिठायीं॥सहस्त्रबाहुजहांरासबना
ई॥जलक्रीडाकरसंगसबनारी॥बिबिधभांतिशोभाअतिभारी॥आए
रासमंडलजाहंरेवा॥सुरनरनागकरहिंसबसेवा॥जाइदीखरावण
सुखनाना॥हरषसमेतहृदयसुखमाना॥तहंलंकेशजाइशिवदेखा॥

मनहुविरंचिरचेहुबहुरेखा॥तुलसीकमलपत्रसबग्राना॥बिल्वप
त्रग्ररुपुष्यप्रणामा॥जाइकैजलक्षोभेउदशशीशा॥थांभेउमंत्रसुमिरि
गवरीशा॥ ॥दोहा॥ ॥जबप्रचंडजलक्षोभएउ॥बुडेलागसमाज
॥सहसबाहुग्रतिशंकमन॥सकलतियनउरलाज॥२२३॥ चौपाई
॥तबराजासनबोलहिंनारी॥ग्रतिसुंदरीराजकुमारी॥सनहु
नृपतिग्रावाकोउगाढा॥ग्रकस्मातमहानदबाढा॥सनिराजहिंभाखो
धर्म्मपाश॥जसत्रिनेत्रत्रिपुरकहुजारा॥जाइदीखरावणनहंठाढा॥
जासुमंत्रजनुजलनिधिबाढा॥मायाप्रबलमहाभयभारी॥लंकेश्वरक
हंधरिसिप्रचारी॥लैपुनिबांधिगयोतियपासा॥गढनिदेखिसबपरमहु
लासा॥करिग्रसनानपूजिगोरीशा॥यहशालाबांधिसिदशशीशा॥
लज्जितदुष्टसुष्टकरिरहई॥रिसउरमारिकष्टबहुसहई॥ ॥दोहा
॥सुनुगिरिजापावनपरम॥ग्रबयहकथारसाल॥लैयहशालाबांधि
तेहि॥बीशभुजादशभाल॥२२४॥ ॥चौपाई॥ ॥सकलग्राइदे
खहिंनरनारी॥मारहिलातहंसहिदेगारी॥नामनकहैरहैसकुचाना॥
बहुबिधिपूछहिंनृपतिसुजाना॥नृत्यकरहिंरंभादिकनारी॥दशहुमाथ
दशदीपकबारी॥कछुकदिवसइहिभांतिगवांवा॥सोपुलस्त्यमुनिजाइ
छुडावा॥चलातुरतमहाग्रभिमानी॥नलकीशापग्राइनियरानी॥मा
रगजातदीखविबुधारी॥ग्रतिग्रनूपसुंदरबरनारी॥चंदनपुष्पपत्र
करधारी॥पूजेचली:जायत्रिपुरारी॥देखिउर्वशीमनसकुचानी॥तब
रावणबोलामृदुबानी॥कोतुमकहांगमनतियकीन्हा॥लज्जाबशउ
नउत्तरनदीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥निकटजाइदशकंधर॥गहीग्रंकभ
रिलीन्ह॥पुत्रवधूकुबेरकी॥नहिबिचारकछुकीन्ह॥२२५॥चौपाई
॥चिन्हितियहिमनशंकाग्राई॥घाटिकर्मकीनेपछिताई॥मनपछिता
इशोचउरभयेऊ॥लंकेश्वरलंकाकहगयेऊ॥ चलीउर्वशीग्राईतो

ताहां ॥ अलकापुरनलकूबरजहां ॥ समाचारसबपतिहिंसुनावा ॥
सुनीकथामनमहंपछितावा ॥ दीन्हशापकरिक्रोधअपारा ॥ रावणवं
शहोहुक्षयूकारा ॥ चलीशापलंकामहंआई ॥ दशकंधरबैठेउजिहिं
ठाई ॥ आगेआइठाढिभइशापा ॥ तबलंकेश्वरअतिभयकांपा ॥ सइर
सकोपचितवतिहिंओरा ॥ नलकूबरकोशापअतिघोरा ॥ दोहा ॥
शापहिअंगीकारकरि ॥ मनमहंकीन्हबिचार ॥ ऋषीनदंडनहिंदीन
में ॥ रोषेउलंकभुआर ॥ २२६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ दूतचारितिहिं
पठवभवानी ॥ भरद्वाजमुनिकथाबखानी ॥ आयेदूतऋषिनकेगेहा
॥ देखतसबहिंभयेसंदेहा ॥ पूछहिंऋषयकहांपगुधीरा ॥ कहुकुश
ललंकेशभुवारा ॥ तातकुशलअवभइविपरिता ॥ तुमसनमागेनिदंड
अभीता ॥ देहुदंडअसकहहिंरिसाई ॥ कीगिरिकंदरजाहुपराई ॥ सुनि
असबचनसबहिंदुखपावा ॥ तुरितएकतिनपात्रमंगावा ॥ सबमिल-
करिबिचारइकठाए ॥ भरिघटरुधिरऋषयलैआए ॥ दूतनकहंसौंपा
मनजानी ॥ होइसकोपबोलेमृदुबानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ घटउधरत
क्षयहोइहिं ॥ सहितसकलपरिवार ॥ लयेदूततहांआये ॥ जहांरहेलं
कभुआर ॥ २२७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जिहिंदरबारनीतिनहिंभाई ॥ ख
लमडलीजुरीतहांआई ॥ आयेदीखदूतजबरावण ॥ परमउलासर
योमनभावन ॥ आगेआनिघटधराउतारी ॥ देखिशंकलंकापतिभा
री ॥ बोलेबचनकहायहभाई ॥ सकलकथातिननृपहिंसुनाई ॥ इहघ
टनैलंकापतिनाशा ॥ सबदूतनअसवचनप्रकाशा ॥ रावणमंत्रिकहा
विचारी ॥ जनकभूमिघटपठवउभारी ॥ यहुघटलइउतरदिशिजाहू
॥ जतनसमेतदेवलइकाहू ॥ भूमिबिचतुमदेहुगडाई ॥ कोयहहुसोघन
पावहिंभाई ॥ सुनिनृपबचनचलेसोतैसे ॥ जनकरायकेदेशमपैसे ॥ सून
बीचधरिपतालउडाई ॥ चलेदूतलंकासुखपाई ॥ जवसेदूतनसोविधिक

रेउ ॥जनकदेशमांसूखापरेऊ॥द्वादशवर्षअवर्षणभएऊ॥नरविनुअ
न्नदुखीसवभएऊ॥नरसवमरहिंअन्नविनुभूषा॥तृणनहिंहरितसूखेस
वरूषा॥ ॥दोहा॥ ॥जनकराजमुनिवरसकल॥पंडितविप्रबोलाइ॥क
हाअवर्षणभएउअब॥कीजियकोनउपाई॥२२८॥ ॥चौपाई॥ ॥
तवमुनिवरवेदविधिखाले॥सोधिसमस्तनिगमागमडोले॥नवकांचन
हलभूपगढावहू॥कपिलवरणदुइवृषभनधावहु॥अपनेहाथगहहुहल
राजा॥वरसहिवारिहोहिगजकाजा॥सुनिअसभूपमौनहोइरहेऊ॥
आननिरखिमुनिनतवकहेऊ॥परउपकारलागिजगकरणी॥होइहेसुखी
देवद्विजधरणी॥वेदसंतमुनिकहहिंविचारी॥धन्यसोजेनरपरउपकारी
तेहमानृपतुमनरप्रतिपाला॥धर्मएसिजगतेजविशाला॥पुनिजगजन्म
कर्मतुमनीकी॥लोकहुवेदविदेहकिलीकी॥सुनिमुनिवचनभूपहरषी
ने॥परउपकारलागिभलमाने॥करउपायसोजगनृपहेनू॥जोतनलगेआ
यकरिखेनू॥दूतनघटगाडेवजोहिठाईं॥धारफारअटकितेहिभांई॥उमा
तुरंतनिकसीघटआवा॥यहचरित्रकहुजानिनपावा॥ ॥सोरठा॥
भाविअतिवरिआर॥भरद्वाजसादरसुनहु॥कोउनमेटनहार॥करता
जोकछुकीनचहें॥२२९॥ ॥चौपाई॥ ॥तहांप्रगटभैरिषियकुमा
री॥रूपराशिजेहिगुणअधिकारी॥राजाजनकसुतासुतहीना॥कन्या
देखिमहासुखलीना॥कन्यादेखिअनूपभवानी॥सुतामानिराजागृह
आनी॥नामजानकीपरमपुनीता॥नारदआइकहापुनिसीता॥ ॥
छंद॥ ॥कहिपुनिसीतापरमपुनीताआदिज्योतकीशक्तिसही॥नृ
पनीतिविधानापरमसुजाना॥आदिमध्यअवसानमही॥३५॥भव
उद्भवकरणीपालनहरणीनेतिनेतियदवेदकहे॥तुवकृत्यप्रकाशीभु
जाविलासीतीनिलोकमहंपूरिरहो॥३६॥ ॥दोहा॥ ॥सकलकथानृ
पजनकसों॥नारदकहीबखानि॥सकलसुलक्षणलक्ष्मिगुण॥जग

दंबाजियजानि ॥२२९॥ ॥चौपाई॥ ॥जनकसविनयकहतकर
जोरे॥नाथमनोरथपूजेमोरे॥चरणपखारिकथलबैठारि॥बिनयकी
न्हअस्तुतिविस्तारी॥परमहुलासबचनशुभभाषा॥चरणोदकलेमाथे
राषा॥धन्यधन्यकहिसुताप्रभाऊ॥पुनिअसिप्रीतिकीन्हिनहिकाऊ॥
जोतुमकृपाकीन्हपगुधारे॥मिटेअमंगलदोषहमारे॥अबमुहिभाभरो
समुनिनाथा॥भयोधन्यमैंगुणगणगाथा॥साधुविदेहराजश्रीजाकी॥
उपमाओरकहोंनृपकाकी॥तुमउपमाउपमेयओरसब॥जहांप्रगटभइकु
जाआइअब॥ ॥दोहा॥ ॥जोगभोगमैंगोइमन॥कियोनप्रगटमा
ऊ॥भयेविदेहविदेहकुनि॥बिदाभयेमुनिराऊ॥२३०॥ ॥चौपाई॥
॥कहिसुकथाऋषिराउसिधाए॥बहुरिदूतलंकापुरआए॥कहहिजा
इआएहमराषी॥सोशंकरगिरिजासनभाषी॥याज्ञवल्क्यमुनिकथा
रसाला॥साधुसाधुमुनिपरमकृपाला॥पुनिमुनिकहिउकथाउपदेशा
जगजीतीहूंसबलंकनरेशा॥चारिठाउहारिसिभइत्रासा॥सकलदेव
कीन्हेनिजदासा॥रविशशिपवनवरुणधनधारी॥अग्निकालयमसब-
अधिकारी॥किन्नरसिद्धमनुजसुरनागा॥हठिसबहीकेपंथहिलागा॥
ब्रह्मसृष्टिजहंलगितनुधारी॥दशमुखवसवर्तिनरनारी॥आयसुकर
हिंसकलभयभीता॥नमइआइनितचरणविनीता॥ ॥दोहा॥
भुजबलविश्ववश्यकरि॥राखेसिकोउनस्वतंत्र॥मंडलीकमणिरावण
णहिं॥राजकरैनिजमंत्र॥२३१॥ देवजक्षगंधर्वनर॥किन्नरनाग
कुमारि॥जीतिबरीनिजबाहुबल॥बाहुसुंदरीबरनारी॥२३२॥
चौपाई॥ ॥इंद्रजीतसनजोकछुकहेऊ॥सोसबजनुपहिलेक
रिरहेऊ॥प्रथमहिजिनकहुआयसुदीन्हा॥तिन्हकरचरितसुनहुजो
कीन्हा॥देखतभीमरूपसबपापी॥निशिचरनिकरदेवपरितापी॥
करहिउपद्रवअसुरनिकाया॥नानारूपधरहिंकरिमाया॥जेहिवि

धिहोइधर्मनिर्मूला॥सोसबकरहिंवेदप्रतिकूला॥जेहिंजेहिंदेशधेनु
द्विजपावहिं॥नगरग्रामपुरश्रागिलगावहिं॥शुभश्राचरणकतहुंन
हिहोई॥देवविप्रगुरुमाननकोई॥नहिहरिभक्तियज्ञजपज्ञाना॥सपने
हुसुनियनवेदपुराणा॥ ॥छंद॥ ॥जपयोगविरागातपमखभा
गश्रवणसुनेदशशीस॥श्रापुनउठिधावैरहैनपावैधरिसबघालैखी
स॥३७॥श्रसभ्रष्टश्रचाराभासंसाराधर्मसुनियनहिंकाना॥तेहिबहु
विधित्रासैदेशनिकासैजोकहबेदपुराना॥३८॥ ॥सोरठा॥ ॥बर
णिनजाइश्रनीति॥घोरनिशाचरजोकरहिं॥हिंसापरश्रतिप्रीति॥
तिनकेपापहिंकवनमिति॥२३३॥ ॥चौपाई॥ ॥बाढेखलबहु
चोरजुश्रारा॥जेलंपटपरधनपरदारा॥मानहिंमातुपितानहिंदेवा॥
साधुनसोंकरवावहिंसेवा॥जिनकेहयश्राचरणभवानी॥तेजानहु
निशिचरशमप्रानी॥श्रतिशयदेखिधर्मकीहानी॥परमसभीतधरा
श्रकुलानी॥गिरिसरिसिंधुभारनहिंमोही॥जशमोहिंगरुश्रएकपरद्रो
ही॥सकलधर्मदेखहिंविपरीता॥कहिनशकैरावणभयभीता॥धेनुरूपध
रिहृदयविचारी॥गईतहांजहंसुरमुनिझारी॥निजसंतापसुनायेसिरो
ई॥काहूतेंकछुकाजनहोई॥ ॥छंद॥ ॥सुरमुनिगंधर्वामिलिकरि
सर्वागयेविरंचिकेलोका॥संगगोतनुधारीभूमिविचारीपरमविकलभयशो
का॥३९॥ब्रह्मासबजानामनश्रनुमाना॥मोरौकछुबसाई॥जाकरितें
दासीसोश्रबिनासीहमरेउनोरसहाई॥४०॥ ॥सोरठा॥ ॥घर
णीधरहुमनधीर॥कहविरंचिहरिपदसुमिरि॥जानतजनकीपीर॥
प्रभुभंजहिंदारुणविपती॥२३४॥ ॥चौपाई॥ ॥बैठेसुरसब
करहिंविचारा॥कहांपाइप्रभुकरियपुकारा॥पुरबैकुंठजानकहकोई
कोउकहपयनिधिमहंबसुसोई॥जाकेहृदयभक्तिजसप्रीती॥प्रभुतेहि
प्रगटसदायहरीती॥ताहिसमाजगिरिजामैंरहेऊं॥श्रसवरपायबचन

इककहेऊं ॥ हरिब्यापकसर्वत्रसमाना ॥ प्रेमतेंप्रगटहोहिंमैंजाना ॥ दे
शकालदिशिविदिशिहुमाहीं ॥ कहहुसोकहांजहांप्रभुनाहीं ॥ अगज
जमयसबरहितविरागी ॥ प्रेमतेंप्रगटहोइजिमिआगी ॥ मोरबचनसबके
मनमाना ॥ साधुसाधुकरिब्रह्मबखाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुनिबिरंचि
मनहर्षतनु ॥ पुलकनयनवहनीर ॥ अस्तुतिकरअजजोरिकर ॥ सावधा
नमतिधीर ॥ २३५ ॥ ॥ छंद ॥ ॥ जयजयसुरनायकजनसुखदाय
कप्रणतपालभगवंत ॥ गोद्विजहितकारीजयअसुरारीसिंधुसुताप्रियकंत
४१ ॥ पालनसुरधरणीअद्भुतकरणीमर्मनजानैकोई ॥ जोसहजकृपादी
नदयालाकरौअनुग्रहसोई ॥ ४२ ॥ जयजयअबिनाशीसबघटवाशीब्या



पकपरमानंदा ॥ अबिगतगोतीतंचरितपुनीतंमायारहितमुकुंदा ॥ ४३ ॥
जिहिलागिबिरागीअतिअनुरागीविगतमोहमुनिवृंदा ॥ निशिवासर
ध्यावहिंगुणगणगावहिंजयतिसच्चिदानंदा ॥ ४४ ॥ जेहिसृष्टिउपाईत्रि
विधबनाईसंगसहायनदूजा ॥ सोकरेहुअघारीचिंतहमारीजानियभक्ति
नपूजा ॥ ४५ ॥ जोभवभयभंजनमुनिरंजनविपतिवरूथा ॥ मनबच

क्रमबाणीछाडिसयानीशरणसकलसुरयूथा ॥४६॥शारदश्रुतिशेषा
ऋषयअशेषाजाकहंकोउनहिजाना ॥जिहिदीनपियारेबेदपुकारेद्रवौसो
श्रीभगवाना॥४७॥भवबारिधिमंदरसबबिधिसुंदरगुणमंदिरसुखपुंज
मुनिसिद्धसकलसुरपरमभयातुरनमतनाथपदकंजा ॥ ४८ ॥ ॥ दो
हा॥ ॥जानिभयातुरभूमिसुर ॥बचनसमेतसनेह ॥गगनगिरागं
भीरभई ॥हरणशोकसंदेह ॥२३६॥ ॥चौपाई॥ ॥जिनिडर
पहुमुनिसिद्धसुरेशा ॥तुमहिलागिधरिहौंनरवेशा ॥अंशनसहितमनु
जअवतारा ॥लहिहौंदिनकरवंशउदारा ॥कश्यपअदितिमहातपकीन्हा
तिनकहंमैंपुरववरदीन्हा॥तेदशरथकौशल्यारूपा ॥कोशलपुरीप्रगट
नरभूपा ॥तिनकेगृहअवतरिहौंजाई ॥रघुकुलतिलकसोचारिउभाई ॥
नारदबचनसत्यसबकरिहौं ॥परमशक्तिसमेतअवतरिहौं ॥हरिहौं
सकलभूमिगरुआई ॥निर्भयहोहुदेवसमुदाई ॥गगनब्रह्मवाणीसुनि
काना ॥तुरतफिरेसुरहृदयजुडाना ॥तवब्रह्माधरणिहिसमुझावा ॥अभ
यभईभरोसजियआवा ॥ ॥दोहा॥ ॥जिनलोकहिंबिरंचिगे ॥देवन
इहैसिखाई ॥बानरतनुधरिधरणिमहं ॥हरिपदसेवहुजाई ॥२३७॥
॥ ॥चौपाई॥गयेदेवसबनिजनिजधामा ॥ भूमिसहितपायेहुबिश्रा
मा ॥जोकछुआयसुब्रह्मादीन्हा ॥ हर्षेदेवविलंबनकीन्हा ॥बानरदे
हधरीक्षितिमांही ॥अतुलितबलप्रतापतिनपाहीं ॥गिरितरुनखआ
युधसबबीरा ॥हरिमारगचितवहिंरणधीरा ॥गिरिकाननजहंतहंभरि
पूरी ॥रहेनिजनिजअनीकरुचिरूरी ॥यहसबचरितरुचिरमैंभाषा ॥अब
सोसुनहुंजोबीचहिंराषा ॥अवधपुरीरघुकुलमणिराऊ ॥वेदविदिततेहि
दशरथनाऊ॥धर्मधुरंधरगुणनिधिज्ञानी ॥हृदयभक्तिमतिशारंगपाणी
॥ ॥दोहा॥ ॥कोशल्यादिकनारीप्रिय ॥सबआचरणपुनीत ॥
पतिअनुकूलप्रेमदृढ ॥हरिपदकमलबिनीत ॥२३८॥ ॥चौपाई॥

एकबारभूपतिमनमाहीं ॥ भईग्लानिमोरेसुतनाहीं ॥ गुरुगृहगयेतुर
तमहिपाला ॥ चरणलागिकरिबिनयबिशाला ॥ निजसुखदुखनृपगुरुहिं
सुनायेऊ ॥ कहिवसिष्ठबहुबिधिसमुझायेऊ ॥ धरहुधीरह्वोइहिसुतचारी
त्रिभुवनविदितभक्तभयहारी ॥ शृंगीऋषिहिंवसिष्ठबुलावा ॥ पुत्रलागि
शुभयज्ञकरावा ॥ भक्तिसहितमुनिआहुतिदीन्हे ॥ प्रगटेअग्निचरूकर
लीन्हे ॥ बोलेअनलप्रेमयुतबानी ॥ अतिप्रसन्नतहिंपरैबषानी ॥ जोवसि
ष्ठकछुहृदयबिचारा ॥ साकलकाजभासिद्धतुमारा ॥ यहहविबांटिदे
हुनृपजाई ॥ यथायोगजेहिभागबनाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ तबअह
श्यपावकभये ॥ सकलसभहिंसमुदाई ॥ परमानंदमगनन्नृप ॥ हर्षन
हृदयसमाइ ॥ २३९ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ तबहिराउप्रियनारिबुलाई ॥
कौशल्यादितहांचलिआई ॥ अर्धभागकौशल्याहिदीन्हा ॥ उभयभाग
आगेकरकीन्हा ॥ कैकयीकहनृपभागसोदयेऊ ॥ रहेउसोउभयभागपुनि
भएऊ ॥ कौशल्याकैकइहाथधरि ॥ दीन्हसुमीत्रहिंमनप्रसन्नकरि ॥ य
हिबिधिगर्भसहितसबनारी ॥ भयेउहृदयहर्षितसुखभारी ॥ जोदिन
तेहरिगर्भहिंआए ॥ सकललोकसुखसपतिछाये ॥ मंदिरमहशवराज
हिरानी ॥ शोभाशीलतेजकीरवानी ॥ सुखयुतकछुकालचलिगयेऊ ॥
जेहिंप्रभुप्रगटेसोअवसरभयेऊ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ योगलग्नग्रहवा
रतिथि ॥ सकलभएअनुकूल ॥ चरअरुअचरहर्षयुत ॥ रामजन्म
सुखमूल ॥ २४० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ नवमीतिथिमधुमासपुनीता ॥
शुक्लपक्षअभिजिताहरिप्रीता ॥ मध्यदिवसअतिशीतनधामा ॥ पावन
काललोकविश्रामा ॥ शीतलमंदसुरभिवहवाहू ॥ हर्षितसुतसंतनमनचा
ऊ ॥ बनकुसुमितगिरिगणमाणिआरा ॥ स्त्रवहिंसकलसरितामधुधारा
सोअवसरविरंचिसबजाना ॥ चलेसकलसुरसाजिविमाना ॥ गगनवि
मलसंकुलसुरयूथा ॥ गावहिंगुणगंधर्वबरूथा ॥ बर्षहिंसुमनसुअं

जुलिसाजी ॥गहगहगगनदुंदुभीबाजी ॥अस्तुतिकरहिंनागमुनिदेवा
बहुविधिलावहिंनिजनिजसेवा॥ ॥दोहा॥ ॥सुरसमूहबिनतीकरि॥
पहुंचेनिजनिजधाम॥जगनिवासप्रभुप्रगटेउ॥अखिललोकविश्राम॥
॥ ॥छंद॥ ॥भयेप्रगटकृपालादीनदयालाकोशल्याहितकारी॥
हर्षितमहतारीमुनिमनहारीअद्भुतरूपबिचारी॥४९॥ लोचनअभि
रामातनुघनश्यामानिजआयुधभुजचारी॥भूषणबनमालानयनबि
शालाशोभासिंधुखरारि॥५०॥कहदुइकरजोरीअस्तुतिकेरीकेहि
बिधिकरौंअनंता॥मायागुणज्ञानातीतअमानावेदपुराणभगवंता॥
५१॥करुणासुखसागरसबगुणआगरजेहिगावहिंश्रुतिसंत॥सोमम
महितलागीजनअनुरागीप्रगटभयेश्रीकंत॥५२॥ब्रह्मांडनिकायानिर्मि
तमायारोमरोमप्रतिवेदकहै॥ममउदरसोबासीयहउपहासीसुनतधी
रमतिथीरनरहै॥५३॥उपजाजबज्ञानाप्रभुमुसुकानाचरितबहुतबिधि
कीन्हचहै॥कहिकथासुनाईमातुबुझाईजेहिप्रकारसुतप्रेमलहै॥५४
मातापुनिबोलीसोमतिडोलीतजहुतातयहरूपा॥कीजैसुशीलाअतिप्रि
यशीलायहसुखपरमअनूपा॥५५॥सुनिबचनसुजानारोदनठाना हो
इबालकसुरभूपा॥यहचरितजेगावहिंहरिपदपावहिंतेनपरहिंभव
कूपा॥५६॥ ॥दोहा॥ ॥बिप्रधेनुसुरसंतहित॥लीन्हमनुजअ
वतार॥निजइच्छानिर्मिततनु॥मायागुणगोपार॥२४२॥ ॥चौ
पाई॥ ॥सुनिशिशुरुदनपरमप्रियबाणी॥संभ्रमचलिआइसबराणी
॥हर्षितजहंतहंधाइदासी॥आनंदमगनसकलपुरवासी॥दशरथ
पुत्रजन्मसुनकाना॥मानहुंब्रह्मानंदसमाना॥परमप्रेममनपुलकश
रीरा॥चाहतउठनकरतमतिधीरा॥जाकरनामसुनतशुभहोई॥मो
रेगृहआवाप्रभुसोई॥परमानंदपुरीमनराजा॥कहाबुलाइबजाब
हुबाजा॥गुरुवसिष्ठकहंगयेउहंकारा॥आएद्विजनसहितनृपद्वारा॥

अनुपमबालकदेखिनिजाई॥रूपराशिगुणकहिनसिराई॥ ॥दोहा॥
नांदीमुखश्राधकरि॥जातकर्मसबकीन्ह॥हाटकधेनुबसनमणि॥
नृपविप्रनकहदीन्ह॥२४३॥ ॥चौपाई॥ ॥ध्वजपताकतोरणपुर
छावा॥कहिनजाइजेहिंभांतिबनावा॥सुमनवृष्टिआकाशतेंहोई॥ब
ह्मानंदमगनसबकोई॥वृंदमिलिमिलिचलीलुगाई॥सहजसिंगारकिये
उठिधाई॥कनककलशमंगलभरिथारा॥गावतपैठहिंभूपदुआरा॥क
रिआरतीनिछावरकरहीं॥बारबारशिशुचरणनपरहीं॥मागधसूतबं
दिगुणगायक॥पावनगुणगावहिंरघुनायक॥सर्वस्वदानदीन्हसबकाहू
जेहिपावाराखानहिंताहू॥मृगमदचंदनकुंकुमकीचा॥मचीसकलबी-
थिनबिचबीचा॥ ॥दोहा॥ ॥गृहगृहबाजबधावशुभ॥प्रगटेउसु
खमाकंद॥हरषवंतसबजहंतहं॥नगरनारिनरवृंद॥२४४॥ ॥
चौपाई॥ ॥केकयसुतासुमित्रादोऊ॥सुंदरसुतजन्मतभइंओऊ॥
वहसुखसंपतिसमयसमाजा॥कहिनशकेशारदअहिराजा॥अवध
पुरीसोहैएहिभांती॥प्रभुहिमिलनआईजनुराती॥देखिभानुजनुमन
सकुचानी॥तदपिबनीसंध्याअनुमानी॥अगरूधूपजनुबहुअंधिया
री॥उडैअबीरमनहुअरुणारी॥मंदिरमणिसमूहजनुतारा॥नृप
गृहकलशसोइंदुउदारा॥भवनबेदधुनिअतिमृदुबानी॥जनुखग
मुखरसमयसुखसानी॥कौतुकदेखिपतंगभुलाना॥एकमासतेंहिं
जाननजाना॥ ॥दोहा॥ ॥मासदिवसकरदिवसभा॥मरमनजा
नेकोइ॥रथसमेतरविथाकेउ॥निशाकवनबिधिहोइ॥२४५॥ ॥
चौपाई॥ ॥यहरहस्यकाहूंनहिंजाना॥दिनमणिचलेकरतगुणगाना
॥देखिमहोत्सवसुरमुनिनागा॥चलेभवनबरणतनिजभागा॥औरो
एककहौंनिजचोरी॥सुनिगिरिजाअतिदृढमतितोरी॥काकभुशुंडि
संगहमदोऊ॥मनुजरूपजानेनहिंकोऊ॥परमानंदप्रेमसुखफूले॥बीथि

नफिरहिंमगनमनभूले॥यहसबचरितजानपैसोई॥कृपारामकीजाप रहोई॥तेहिअवसरजोजेहिबिधिआवा॥दीनभूपजोजहिमनभावा॥ग जरथतुरगहेमगोहीरा॥दीन्हेनृपनानाबिधचीरा॥ ॥दोहा॥ ॥मन संतोषेसबनके॥जहंतहंदेहिंअशीश॥सकलतनयचिरजीवहु॥तुल सिदासकेईश॥२४६॥ ॥चौपाई॥ ॥कछुकदिवसबीतेयहि भांती॥जातनजानहिंदिनअरुराती॥नामकरणकरअवसरजानी॥ भूपबोलिपठयेमुनिज्ञानी॥करिपूजाभूपतिअसभाषा॥धरियनाम जोमुनिगुणिराषा॥इनकेनामअनेकअनूपा॥मैंनृपकहबस्वमतिअ नुरूपा॥जोआनंदसिंधुगुणराशी॥श्रीकरतेत्रैलोक्यनिवासी॥सोसु खधामरामअसनामा॥अखिललोकदायकविश्रामा॥विश्वभरणपो षणकरुजोई॥ताकरनामभरतअसहोई॥जाकेस्मरणतेंरिपुना- शा॥नामशत्रुहनबेदप्रकाशा॥ ॥दोहा॥ ॥लक्षणधामराम प्रिय॥सकलजगतआधार॥गुरुबसिष्ठतेहिंराखेऊ॥लक्ष्मणनाम उदार॥२४७॥ ॥चौपाई॥ ॥धरेनामगुरुहृदयबिचारी॥बेद तत्वनृपतबसुतचारी॥मुनिजनधनसर्वस्वशिवप्राना॥बालकेलिर सतेहिसुखमाना॥बारेहितेनिजहितपतिजानी॥लक्ष्मणरामचरणर तिमानी॥भरतशत्रुघनदूनोभाई॥प्रभुसेवकजसप्रीतिबडाई॥श्या मगोरसुंदरदोउजोरी॥निरषहिंछबिजननीतृणतोरी॥चारिउशील रूपगुणधामा॥तदपिअधिकसुखसागररामा॥हृदयअनुग्रहइंदु प्रकाशा॥सूचतकिरणमनोहरहासा॥कबहूंउछंगकबहुंवरपा लन॥मातुदुलारेकहिप्रियलालन॥ ॥दोहा॥ ॥ब्यापक ब्रह्मनिरंजन॥निर्गुणविगतविनोद॥सोअजप्रेमभक्तिबश॥कोश ल्याकेगोद॥२४८॥ ॥चौपाई॥ ॥कामकोटिछबिश्यामशरीरा॥नी लकंजवारिदगंभीरा॥अरुणचरणपंकजनखज्योती॥कमलदलनबैठे

जनुमोती ॥ रेखकुलिशध्वजअंकुशसोहे ॥ नूपुरध्वनिसुनिमुनिमनमोहे ॥ कटिकिंकिनीउदयत्रयरेखा ॥ नाभिगंभीरजानजेहिंदेखा ॥ भुजविशालभूषणयुतभूरी ॥ हियहरिनखशोभाअतिरूरी ॥ उरमणिहारिषादककीशोभा ॥ विप्रचरणदेखतमनलोभा ॥ कंबुकंठअतिचुबुकसुहाए आननअमितमदनछबिछाए ॥ दुइदुइदशनअधरअरुणारे ॥ नासातिलककोबरणैपारे ॥ सुंदरश्रवणस्चारुकपोला ॥ अतिप्रियमधुरतोतरेबोला ॥ नीलकमलदोउनयनबिशाला ॥ बिकटभृकुटिलटकनिबरमाला ॥ चिक्कणकचकुंचितघुंघुआरे ॥ बहुप्रकाररुचिमातुसंवारे ॥ पीतझंगुलियातनुपहिराए ॥ जानिपाणिबिचरतमोहिभाए ॥ रूपसकहिनहिकहिश्रुतिशेषा ॥ सोजानैसपनेहुजिन्हदेषा ॥ दोहा ॥ ॥ सुखसंदोहमोहपर ॥ जानगिरागोतीत ॥ दंपतीपरमप्रेमबशकरशिसुचरितपुनीत ॥ २४९ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ यहिबिधिरामजगतपितुमाता ॥ कोशलपुरवासिनसुखदाता ॥ निजरघुनाथचरणरतिमानी ॥ तिनकीयहगतिप्रगटभवानी ॥ रघुपतिबिमुखयत्नकरकोरी ॥ कवनशकैभवबंधनछोरी ॥ जीवचराचरवशकरिराषे ॥ सोमायाप्रभुसोंभयभाषे ॥ भृकुटिबिलासनचावैताही ॥ असप्रभुछांडिभजियकहुकाही ॥ मनक्रमबचनछांडिचतुराई ॥ भजतहिकृपाकरैरघुराई ॥ इहबिधिशिशुबिनोदप्रभुकीन्हा ॥ सकलनगरबासिनसुखदीन्हा ॥ लैउछंगकबहुंहलरावैं ॥ कबहुपालनेघालिझुलावैं ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ प्रेममगनकौशल्या ॥ निशिदिनजाननजान ॥ सुतसनेहबशमातअति ॥ बालचरितकरिगान ॥ २५० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ एकबारजननीअन्हवाए ॥ करिसिंगारपेलनापौढाए ॥ निजकुलइष्टदेवभगवाना ॥ पूजाहेतुकीन्हअसनाना ॥ करिपूजानैवेद्यचढावा ॥ आपुगइजहपाकबनावा ॥ बहुरिमातुतहंवाचलिआई ॥ भोजनकरतदीखरघुराई ॥ गईजननी

शिशुपहंभयभीता॥देखाबालकतहांपुनीता॥ बहुरिश्राइदेखासुत
सोई॥हृदयकंपमनधीरनहोई॥कहांउहांदुइबालकदेखा॥मतिभ्रम
मोरिकिश्रानविशेषा॥देखिरामजननीश्रकुलानी॥प्रभुहसिदीन्हमधु
रमुसुकानी॥ ॥दोहा॥ ॥दिखरावामातहिंनिज॥श्रदभुतरूप
श्रखंड॥रोमरोमप्रतिराजहिं॥ कोटिकोटिब्रह्मंड॥२५१॥ ॥चौपा
ई॥ ॥श्रगणितरविशशिशिवचतुरानन॥बहुगिरिसरितसिंधुमह
कानन॥कालकर्मगुणज्ञानस्वभाऊ॥सोदेखाजोसुनानकाऊ॥देवी
मायासबविधिगाढी॥श्रतिसभीतजोरेकरठाढी॥देखाजीवनचावैजा
ही॥देखिभक्तिजोछोरैताही॥तनुपुलकितमुखबचननश्रावा॥नयन
मूंदिचरणननशिरनावा॥विस्मयदेखिमहतारी॥भयेबहुरिशिशुरूप
खरारी॥श्रस्तुतिकरिनजाइभयमाना॥जगतपितामैंसुतकरिजाना॥
हरिजननीबहुविधिसमुझाई॥यहजनिकतहुकहसितैंमाई॥ दोहा
॥ ॥बारबारकौशल्या॥बिनयकरैकरजोरि॥श्रबजनिकबहूब्यापै॥
प्रभुमोहिमायातोरि॥२५२॥ ॥चौपाई॥ ॥बालचरितहरिबहुविध
कीन्हा॥श्रतिश्रानंददासनकहदीन्हा॥कछुककालबीतेसबभाई॥
बडेभयेपरिजनसुखदाई॥चूडाकरमकीन्हगुरुश्राई॥विप्रनपुनिदक्षि
णाबहुपाई॥परममनोहरचरितश्रपारा॥करतफिरतचारिउसुकुमारा
॥मनक्रमबचनश्रगोचरजोई॥दशरथश्रजिरबिचरप्रभुसोई॥भोजन
करतबलावतराजा॥नहिंश्रावहिंतजिबालसमाजा॥कौशल्याजबबो
लनजाई॥ठमुकिठमुकिप्रभुचलहिंपराई॥निगमनेतिशिवश्रंतपावा॥
ताहिधरैजननीहठिधावा॥धूसरधूरिभरैतनुश्राए॥भूपतिबिहसिगो
दबैठाए॥ ॥दोहा॥ ॥भोजनकरतचपलचित॥इतउतश्रवसरपा
इ॥भाजिचलेकिलकतबदन॥दधिश्रोदनलपटाइ॥२५३॥ ॥चौपा
ई॥ ॥बालचरितश्रतिसरलसुहाए॥शारदशेषशंभुश्रुतिगाए॥

जिनकरमनइनसनननहिराता ॥ तेजगबंचितकियेबिधाता ॥ भएकुमर
जबहिंसबभ्राता ॥ दीनजनेऊगुरुपितुमाता ॥ गुरुगृहगएपढनरघुरा
ई ॥ अल्पकालबिद्यासबआई ॥ जाकीसहजश्वासश्रुतिचारी ॥ सोहरि
पढयहकौतुकभारी ॥ बिद्याबिनयनिपुणगुणशीला ॥ खेलहिंखेल
सकलनृपलीला ॥ करतलबाणधनुषअतिसोहा ॥ देखतरूपचराचर
मोहा ॥ निजबीथिनबिहरहिंसबभाई ॥ थकितहोहिंसबलोगलुगाई ॥
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कौशलपुरबासीनर ॥ नारिवृद्धअरुबाल ॥ प्राणहुतें
प्रियलागहीं ॥ सबकहरामकृपाल ॥ २५४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ बंधुस
खासंगलेहिंबुलाई ॥ बनमृगयानितखेलहिजाई ॥ पावनमृगमारहिंजि
यजानी ॥ दिनप्रतिनृपहिंदेखावहिआनी ॥ जोमृगरामबाणकेमारे ॥
तेतनुतजिसुरलोकसिधारे ॥ अनुजसखासंगभोजनकरहीं ॥ मातुपि
ताआज्ञाअनुसरहीं ॥ जेहिबिधिसुखीहोहिंपुरलोगा ॥ करकृपानिधि
सोइसुयोगा ॥ बेदपुराणसुनहिमनलाई ॥ आपुकहहिअनुजहिसमु
झाई ॥ प्रातकालउठिकैरघुनाथा ॥ मातुपितागुरुनावहिमाथा ॥ आयसु
मांगिकरहिंपुरकाजा ॥ देखिचरितहर्षहिंमनराजा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
व्यापकअकलअनीहअज ॥ निर्गुणनामनरूप ॥ भक्तहेतुनानाबिधहिं
॥ करतचरित्रअनूप ॥ २५५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ यहसबचरितकहा
मैंगाई ॥ आगिलकथासुनहुमनलाई ॥ विश्वामित्रमहामुनिज्ञानी ॥
सबहिंबिपिनशुभआश्रमजानी ॥ तहंजपयज्ञयोगमुनिकरही ॥ अ
तिमारीचसुबाहुहिंडरही ॥ देखतयज्ञनिशाचरधावहिं ॥ करहिंउप
द्रवमुनिदुखपावहिं ॥ गाधितनयमनचिंताब्यापी ॥ हरिबिनुमरहिन
निश्चरपापी ॥ तबमुनिबरमनकीन्हविचारा ॥ प्रभुअवतरेउहरणमहि
भारा ॥ एहुमिसदेखौंप्रभुपदजाई ॥ करिबिनतीआनोंद्वौभाई ॥ ज्ञान
बिरागसकलगुणअयना ॥ सोप्रभुमेंदेखवभरिनयना ॥ ॥ दोहा ॥

बहुबिधिकरतमनोरथ ॥जातनलागीबार ॥ करिमज्जनसरजूसलिल
॥गयेभूपदरबार॥२५६॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिआगमनसुनाज
बराजा ॥मिलनगयेउलेबिप्रसमाजा॥करिदंडवतिमुनिहिंसनमानी॥
निजआसनबैठारेनिआनी ॥चरणपखारिकीन्हीअतिपूजा॥मोसम
आजुधन्यनहिंदूजा ॥ बिबिधभांतिभोजनकरवावा ॥मुनिवरहृदय
हर्षअतिपावा ॥पुनिचरणनमेलेसुतचारी ॥ रामदेखिमुनिबिरतिबि
सारी॥ भयेमगनदेखतमुखशोभा ॥जनुचकोरपूरणशशिलोभा॥
तबमनहर्षिबचनकहराऊ॥मुनिअसकृपाकीनिनहिकाऊ॥केहिका
रणआगमनतुह्मारा ॥ कहहुसोकरतनलाउबबारा ॥असुरसमूहस
तावहिंमोहीं॥ मैयाचनआएउंनृपतोही ॥अनुजसमेतदेहुरघुनाथा॥
निशिचरबधमैंहोबसनाथा॥ ॥दोहा॥ ॥देहभूपमनहर्षित॥
तजहुमोहअज्ञान॥ धर्मसुयशनृपतुमकहं॥ इनकहअतिकल्यान॥
२५७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिराजाअतिअप्रियबानी॥हृदय
कंपमुनिदुतिकुह्मिलानी ॥चौथेपनपाएउंसुतचारी ॥बिप्रबचनन
हिकहहुबिचारी ॥मागहुभूमिदेनुधनकोसा ॥ सर्वस्वदेहुआजुस
हरोषा ॥देहुप्राणतेंप्रियकछुनाही ॥सोउमुनिदेउंनिमिषएकमाही
सबसुतप्रियमोहिप्राणकिनाई॥रामदेतनहिंबनेगुसांई ॥ कहनि
शिचरअतिघोरकठोरा॥कहंसुंदरसुतबयसकिशोरा ॥सुनिनृप-
गिराप्रेमरससानी॥हृदयहर्षमानामुनिज्ञानी ॥तबवसिष्ठबहुबिधि
समुझावा॥नृपसंदेहनाशकहंपावा ॥अतिआदरदोउतनयबुलाये
हृदयलाइबहुभांतिसिखाये ॥मेरेप्राणनाथसुतदोऊ॥तुममुनि
पिताआननहिकोऊ॥ ॥दोहा॥ ॥ सौंपेभूपतिऋषिहिसुनि
त॥बहुबिधिदेइअशीस॥जननीभवनगएप्रभु॥चलेनाइपदशीश
॥२५८॥ ॥सोरठा॥ ॥पुरुषसिंहदोवीर॥ हर्षिचलेमुनि

भयहरण ।।कृपासिंधुमतिधीर ।।अखिलबिश्वकारणकरण ।।२५९
।। ।।चौपाई।। ।।अरुणनयनउरबाहुविशाला ।। नीलजलजतनुश्या
मतमाला।।कटिपटपीतकसेंवरभाथा ।।रुचिरचापसायकदुहुंहाथा।
श्यामगौरसुंदरदोभाइ ।।विश्वामित्रमहानिधिपाई।।प्रभुब्रह्मण्यदे
वमैंजाना।।मोहिंहितपितातजेउभगवाना ।।जलेजातमुनिदीनदिखाई।।
सुनिताडकाक्रोधकरिधाई।।एकहिबाणप्राणहरिलीन्हा ।।दीनजानिते
हिनिजपददीन्हा।।तबऋषिनिजनाथहिंजिचिन्हा ।।विद्यानिधिकहं
विद्यादीन्हा।।जातेंलागनक्षुधापियासा।। अतुलितबलतनुतेजप्रकाशा
।। ।।दोहा।। ।।आयुधसकलसमर्पिकरि ।।प्रभुनिजआश्रमआनि
।। कंदमूलफलभोजननहीं ।।दियेभक्तहितजानि ।। २६० ।। ।।चौपाई



।। ।।प्रातकहामुनिसनरघुराई ।।निर्भययज्ञकरहुतुमजाई ।।होम
करणलागेमुनिझारी ।।आपुरहेमखकीरखवारी ।।सुनिमारीचनिशा
चरकोही।।लैसहायधावामुनिद्रोही ।।बिनुफलबाणरामतेहिमारा ।।शत
जोजनगासागरपारा ।।पावकशरसुबाहुपुनिमारा ।।अनुजनिशाचरक
टकसंघारा ।।मारिअसुरद्विजनिर्भयकारी ।। अस्तुतिकरहिंवेदमुनिझा

री॥तहंपुनिकछुकदिवसरघुराया॥रहेकीनिविप्रनवरदाया॥भक्तिहे
तुबहुकथापुरानी॥कहेबिप्रयद्यपिप्रभुजाना॥तबमुनिसादरकहाबुझा
ई॥चरितएकदेखियप्रभुजाई॥धनुषयज्ञसुनिरघुकुलनाथा॥हरषिचले
मुनिवरकेसाथा॥आश्रमएकदीखमगमाहीं॥खगमृगजीवजंतुनहंना
हीं॥पूछामुनिहिंशिलाप्रभुदेखी॥सकलकथाऋषिकहीविशेषी॥ ॥
दोहा॥ ॥गौतमनारीशापबश॥उपलदेहधरिधीर॥चरणकमलरजचा
हती॥कृपाकरहुरघुबीर॥२६१॥ ॥छंद॥ ॥परसतपदपावनशो
कनशावनप्रगटभईतपपुंजसही॥देखतरघुनायकजनसुखदायकसं
मुखहोइकरजोरिरही॥५७॥अतिप्रेमअधीरापुलकशरीरामुखनहि
आवैबचनकही॥अतिशयबडभागीचरणनलागीयुगलनयनजलधार
वही॥५८॥धीरजमनकीन्हाप्रभुकहचीन्हारघुपतिकृपाभक्तिपाई
अतिनिर्मलबानीअस्तुतिठानीज्ञानगम्यजयरघुराई॥५९॥ ॥मैंना
रिअपावनप्रभुजगपावनरावणरिपुजनसुखदाई॥राजीवसुलोचनभ
वभयमोचनपाहिपाहिशरणहिआई॥६०॥मुनिशापजोदीन्हाअतिभल
कीन्हापरमअनुग्रहमैंमाना॥देखेउभरिलोचनहरिभवमोचनयहेलाभ
शंकरजाना॥६१॥बिनतीप्रभुमोरीमतिभोरीनाथनवरमागौंआना॥
पदपद्मपरागारसअनुरागाममधुपकरैपाना॥६२॥जेहिपद
सुरसरितापरमपुनीताप्रगटभईशिवशीसधरी॥सोइपदपंकजजेहि
पूजतअजममशिरधरेउकृपालुहरी॥६३॥यहिभांतिसिधारीगौतम
नारीबारबारहरिचरणपरी॥जोअतिमनभावासोवरपावागईपतिलो
कआनंदभरी॥६४॥ ॥असप्रभुदीनाबंधुहरि॥कारणरहित
कृपालु॥तुलसिदासशठताहिभजु॥छांडिकपटजंजालु॥२६२॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥चलेरामलक्ष्मणमुनिसंगा॥गएजहांजगपावनि
गंगा॥अनुजसहितप्रभुकीन्हप्रणामा॥बहुप्रकारसुखपाएउरामा॥



पुनिसुरसरिउतपनिरघुराई ॥ कौशिककहपूछाशिरुनाई ॥ कहमुनिप्र
भुतबकुलएकराजा ॥ नामसगरतिहुंलोकविराजा ॥ नृपकेंसुगभामिनिसु
कुमारी ॥ केशिनिज्येष्ठसुमतिलघुप्यारी ॥ सबप्रकारसंपतिगुणभ्राजा ॥
सुतबिहीनमनबिस्मयराजा ॥ एकसमयभामिनिदोउसाथा ॥ बनतपहे
तुगएरघुनाथा ॥ सघनसफलतरुसुंदरनाना ॥ तहंभृगुमुनितपतेजनि
धाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सहितनारिनृपमुदितमन ॥ रहेवरषशतएक
॥ कीन्हातपभलदेखिभृगु ॥ अस्तुतिकीन्हअनेक ॥ २६३ ॥ ॥ चौपाई
॥ कहिनिजदुखप्रणाममुनिकीन्हा ॥ दैअशीसनबमुनिवरदीन्हा ॥
नृपनारीसनमुनिअसभाषा ॥ लेउसोवरजोजिहिंअभिलाषा ॥ सुनिमु
निचरणशीशतिन्हनावा ॥ देउनाथतुमकहंजोभाषा ॥ एकहिंएककहा
सुतहोना ॥ दुसरिसहस्त्रसाठिगुणलोना ॥ हर्षितभयेउसुभगवरपाई
हाथजोरिचरणनशिरनाई ॥ सहितभामिनिनअवधहिंआए ॥ हर्षस
हितकछुदिवसगमाये ॥ जानिसुधारिनखतरसुखदाई ॥ तबकेशिनि
असमंजसजाई ॥ सुमतिप्रसबतुमरीएकसोई ॥ भएतबप्रगटकहे
मुनिजोई ॥ हर्षसहितादियेदाननरेभू ॥ पूजिविप्रगुरुगौरिगणेभू ॥ घृत
मधुस्कंदरतुरनमंगाए ॥ तेसबसुतनृपतीन्हमढुनाए ॥ ॥ दोहा ॥

एहिबिधिभएसकलसुत॥पूजेसबमनकाम॥जाहिदिवसनिशिहर्षबश॥सुनहुरामघनश्याम॥२६४॥ ॥चौपाई॥ ॥ परिजनसबघरघरनिनरेशू॥अतिआनंदननुमिदाकलेशू॥बालकेलिकरिभएउकुमारा॥लीलाकरैंअगमसंसारा॥होहिंसुकाजसकलमनचीते॥ इहिंसुखवसनबहुतदिनवीते॥सरजूनदीअवधिजोअहई॥विमलसलिलउत्तमउत्तरदिशिबहई॥प्रजालोककेबालकनाना॥तिनउठिनहांकरहिंअसनाना॥असमंजसनहतरणीआनी॥तिन्हहिंचढाइवोरगहिपानी॥भएप्रजासबपरमदुखारी॥बालकवधअबसुनहुखरारी॥सकलगए-जहंबैठनृपाला॥बोलेबचननाइपदभाला॥तजबदेशबरुसुनहुनरेशू॥विनातजेंनहिंमिटवकलेशू॥तुमनृपचहहुप्रजापतिपाला॥सुनतुह्मारभासबकरकाला॥ ॥दोहा॥ ॥नवसुतकीन्हेपापबहु॥मारेबालकवृंद॥तुमकहंप्राणसमानसुत॥सकलप्रजनिकहुमद॥२६५॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रजागिरासुनिधीरजदीन्हा॥सुनहिदेषनेंबाहेरकीन्हा॥असमंजसनबकीनविचारा॥नवहिजावहिन्हसरजुनिकारा॥तिनहिलागिसरजूकेतीरा॥गेअसमंजसअतिमतिधीरा॥लैबालकआगेकरितवहीं॥आयदीनसवसरजूजवहीं॥नववलकनकाआज्ञादीन्हा॥आपुनिजाइनपस्याकीन्हा॥नवराजामनभएउविषादा॥तपहिलागमनुसुनुउरगादा॥तासुतनयजगविदिनप्रभाऊ॥गुणनिधिअंशुमाननिहिनाऊ॥बसनहृदयनृपकेसोकैसें॥फणिमणिमीनसलिलरहजैसें॥गएप्रजासबनिजनिजधामा॥भयेविशोचमनहिंविश्रामा॥बहुरिनृपतिमनकीन्हबिचारा॥आइभयेउपनचौथहमारा॥द्विजमंत्रिनगुरुसुतनबुलाए॥हिमगिरिविंध्यमध्यतबआए॥रुचिरबेदिकाएकबनाई॥देखनबनेबरणीनहिजाई॥मखआरंभछाडेउतबतुरगा॥बेगवंतदेखियजिमिउरगा॥ ॥दोहा॥ ॥सुरपतिसुनिमखदारुण

॥मनमहंकरिअनुमान॥आइतुरगतबलीन्हेउ॥मरमनकोउजान॥
२६६॥ ॥चौपाई॥ ॥राखेउआनिकपिलमुनिपाहीं॥कोइनजानका-
हुगतिनाहीं॥युगवतरहैजेसुभटसयाने॥लैततुरगतिनहूंनहिजाने
॥तिनसबआइकहानृपपाही॥महाराजहमकुहनडराहीं॥लीन्हतुर
गयहजाननकोई॥कहाकरियसोइआयसुहोई॥सुनतवचननृपवि
स्मयपाएऊ॥सकलसुतनकहतुरतबुलाएऊ॥जाइतुरगतुमहेरहुजा
ई॥सकलचलेचरणनशिरनाई॥सुरपतिसमदेखियबलबीरा॥सक
लधनुधरअतिरणधीरा॥तिनहिंचलतधराणिअकुलाई॥बलिपशुजी
वभएसबआई॥सुमनबाटिकाउपबनबागा॥सरितकूपबापिकातडा
गा॥नगरगांउमुनिआश्रमनाना॥गिरिकाननकंदरअस्थाना॥ ॥
सोरठा॥ ॥इहिबिधिखोजेहुजाई॥आएसबमिलिभूपपहि॥चरण
नमाथोनाइ॥बोलेप्रभुकहुअभनहि॥२६७॥ ॥चौपाई॥ ॥खो
दहुमहिसुनफेरिपठाए॥चलेसकलपूरवदिशिआए॥तिनकेकरजनु
बज्रसमाना॥योजनभरिखोदहिंबलवाना॥देखिअतुलबलविबुधड
राने॥करिहैंकहासकलसकुचाने॥शोधितमहिपातालसबआए॥दिग्ग
जदेषिसबनसिरनाए॥तिहिंपूजासबकथासुनाएऊ॥बहुरिसकलदक्षि
णदिशिआएऊ॥इहिबिधिपुनिदूसरगजदेषा॥अतिउत्तंगगुणबिमल
बिशेषा॥ताहूकहंप्रणामपुनिकीन्हो॥पुनिउत्तरदिशिसोधनलीन्हा॥सि
ग्गजश्वेतदेखिसुखपाए॥सकलकपिमुनिपहिंचलिआए॥खोदिनिमही
कोउपारनपावा॥शोभाचहुंदिशिजलधिसुहावा॥ ॥दोहा॥ ॥
देखिनिआइतुरगतब॥बांधामुनिवरपास॥बोलेबचनसक्रुद्धहोइ॥
भाचहूसबकरनाश॥२६८॥ ॥चौपाई॥ ॥खोदामहीहमचा
रिकुक्रोधा॥रेरेदुष्टबहुतनोहिशोधा॥कोऊकहचोरदीखबहुहोई॥इ
हिसमछलीअवरनहिकोई॥सुनतवचनमुनिचिनवाजबही॥भएभ-

स्मक्षणमहंसबनबहीं॥उमाबचनजिहिंसमुझिनबोला॥क्षुधाहोइबि
षतिहिंक्रमडोला॥पावकजानिधरैकरआनी॥जरहिंनकाहेतेअभिमा
नी॥जानिगरलजेसंग्रहकरहीं॥सुनहुरामतेकाहेनमरहीं॥क्रोधकी
नाबिनकरेबिचारा॥भएसकलतिहिंतेजरिक्षारा॥इहांनृपतिअंशुमान
बुलाएऊ॥नहिआएसुततिन्हहिपठाएऊ॥ ॥दोहा॥ ॥दीन्हि
नृपतिआशीषतब॥अतिहितबारहिंबार॥वेगिफिरहुलैतुरगसुत॥
मेरेप्राणअधार॥२६९॥ ॥चौपाई॥ ॥चलेउनाइपदशीशकु
मारा॥विष्णुभक्तितिहुंपुरउजिआरा॥जहंकहुनिरखिमुनिनिकेधा
मा॥पूछिरवबरिकरिदंडप्रणामा॥चलेमुनिनसैनपाइआशीसा॥खो
जहुपैहहुजाहुमहीशा॥इहिबिधिखोजतमगमहजाता॥मिलेउगरुड
सुमतीकरभ्राता॥चरणपरततबआसिषदएऊ॥जरेसकलजिहिबि
धिसोकहेऊ॥सुनतहिबचनशोचभाभारी॥लैखगेशदेखएऊथलबारी
॥अशमानतहंमज्जनकीन्हा॥क्रमक्रमसबहिंतिलांजलिदीन्हा॥
बहुरिगरुडबोलेसुनुभ्राता॥मैंतोहिकहौंकरेएकबाता॥ ॥सो
रठा॥ ॥करसुतसोइउपाइ॥गंगाआवहिअवनिमहं॥दरशनते
अघजाइ॥मज्जनकीन्हेपरमहित॥२७०॥ ॥चौपाई॥ ॥षष्ठि
सहससुततारिहहिंइहिबिधि॥गंगापाइपरमपावनविधि॥सुनिअ
सबचनहृदयअतिभाए॥सहितगरुडमुनिवरपहिंआए॥तबखगेश
मुनिचरणनयेऊ॥पूरवकथननृपकेरिसुनायेऊ॥आशिषहिदेइतु
रगमुनिदीन्हा॥हर्षितहृदयगवनतबकीन्हा॥नगरसमीपगरुडप
हुचाई॥गएऊभवनतबनिजरघुराई॥इहातुरगलइनृपाहिशिरुनाई॥
षष्ठिसहससुतमरणसुनाई॥बिस्मयहर्षविवसनृपभएऊ॥कीन्हि
जज्ञदानबहुदएऊ॥बहुबिधिनृपतिराजतबकीन्हा॥प्रजालोगकहं
अतिसुखदीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥मनुकहराजदेइनृप॥आपुग

एउसुरधाम॥सुरसरिमहिआयेविना॥मनुनलहैविश्राम॥२७१
॥ ॥चौपाई॥ ॥तासुतनयदिलीपनृपभयेऊ॥मनुतपहेतु
उत्तरदिशिगएऊ॥अतिहिअगमतपकीन्हनृपाला॥भएकालवशे
गएकछुकाला॥कहिबिधिकहौदिलीपप्रभुताई॥सेवहिंसकलनृप
तितिहिआई॥युगवतजासुसुखसुरपतिरहई॥महिमातासुकवन
कबिकहई॥भागीरथअससुतभएजासू॥पितुसमनीतिअधिकवौ
उरतासू॥तिन्हहिंबोलिनवदीन्हेउराजू॥आपुचलेउठितपकेकाजू
॥मनमहंकरतपंथअनुमाना॥सुरसरिआवतजोनतुमाना॥जिमि
मनुतनुदीन्योतिमिदेऊं॥फिरिनिजनगरकुनाउनलेऊं॥इहिबिधि
करतविचारभुआला॥जाइकीन्हतपपरमबिशाला॥ ॥सोरठा॥
॥करतविचारभुआल॥जाइकीन्हबनप्रबलतप॥वीतेकछुए
ककाल॥देहतजीकोउप्रगटनहिं॥२७२॥ ॥चौपाई॥ ॥सुर
सरिलागितजेतनभूपा॥सोनाजिमूढपिअहिंजलकूपा॥इहांभगीरथ
मनअसभएऊ॥पितुनअवबहुदिनचालिगएऊ॥ककुत्स्थनामतनय
एकरहेऊ॥दीन्हाराजनीतिबहुकहेऊ॥कहिसबपूर्वकथासुतपा-
हा॥दीन्हअशीषचलेउनरनाहा॥निकसतनगरसगुनभलपाए॥
अतिहिनिबिडबनतहांनृपआए॥देखिभगीरथमनअतिभावा॥सु
सरिहेतुतपहिंमनलावा॥एकचरणदोउभुजाउठाए॥रविसंमुखचि
तवहिंमनलाए॥वर्षसहस्रबीतेइहिभांती॥जातनजानहिंदिनअरुरा
ती॥देखिउग्रतपविधिचलिआए॥बोलेनृपसनबचनसुहाए॥चहहु
नृपतिसोलेहुवरदाना॥बोलेउनृपकरिअजहिप्रणामा॥जोमांगौसोजा
नतअहहू॥सोमोहिमागनप्रभुकिमिकहहू॥ ॥सोरठा॥ ॥नद
पिकहौप्रभुदेहु॥वरममशुभसंतानबहु॥दूसरेकरहुसनेहु॥गंगाआ
वहिअवनिमहं॥२७३॥ ॥चौपाई॥ ॥एवमस्तुकहिपुनिविधिकह

ही ॥ सुरसरिदेउंराखिकोसकहीं ॥ छूटिजाइपुनितुरतरसातल॥
फिरहिनबहुरिनृपतिसुनुभूतलु॥तिहितेंकैहौएकतोहिउपाही॥अति
दयालुशंकरमनमांहीं ॥सोइसकैराखिदेवसरिआजू॥नाहिजपेनवहो
इहिकाजू॥असकहिबिधिअंतरहितभएऊ॥बहुरिभगीरथशिवनपठए
ऊ॥विबुधवर्षअंगुष्ठअधारा॥बारबारशिवनामउचारा॥शिवकृपालुप्रग
टेनबआई॥हाथजोरिनृपकहशिरनाई॥मैराखवसुरसरिकहईशा॥
बहुरिउकैलाशगिरिशा॥ ॥दोहा॥ ॥उहांदेवसरिशिवबचन॥सुनि
मनकीन्हबिचार॥जाउरसानलशिवसहित॥जाननलावौंवार॥२७४॥
॥चौपाई॥ ॥अंतरजामिशिवरचाउपाई॥निजशिरजटासुअग
मबनाई॥इहांभगीरथअस्तुतिकीन्ही॥सुनिमृदुगिराछांडिबिधिदी
न्ही॥छूटतसोरभएउअतिभारी॥चकितदेवअहिदिग्गजचारी॥सुर
सरिआइशिवजटासमानी॥एकवर्षतहांरहीभुलानी॥कौतुकदेखि
सकलसुरहर्षे॥कहिजयजयतिसुमनतिन्हवर्षे॥बहुरिभगीरथसु
मिरणकीन्हा॥शिवतबडारिबुंदएकुदीन्हा॥तिहितेंभईतीनितबधारा
॥एकगईनभएकपतारा॥गइनभसोअघभेकक्रिसापिनि॥देवनधरा
नाममंदाकिनि॥ ॥सोरठा॥ ॥दुसरीगईपताल॥नामप्रभाव
तिहरणिदुख॥तीसरिगंगाविशाल॥सुरसंतनकहंकरणिसुख॥
॥२७५॥ ॥चौपाई॥ ॥आइभगीरथतबशिरनावा॥बोलीसुरप
सरिबचनसुहावा॥वेगवंतनृपरथतैंआनू॥तुरगमरुतअभूगतिजि
मिभानू॥तिहिरथचढिनृपचलुममआगें॥चलिहोमैंतबपाछेलागे॥
सुनिनृपतुरतदिव्यरथआना॥चढेउहृदयसुमिरतभगवाना॥चलीअ
ग्रकीरिनृपहिसुरसरि॥देवनमुदितसुमनझरकरी॥चलततेजकछुबर-
णिनजाई॥टूटहिनरुगिरिशिलासुहाई॥कराहिकुलाहलजीबबहुजा
ती॥कमठनक्रझषब्याकुलबहुभांती॥मज्जनकरहिंदेवनाआई॥सुनि

गएसिद्धरहेतहंछाई॥ ॥सोरठा॥ ॥तर्पनकरैमनलाइ॥हर्षहृ
दयनहिंजाननकहि॥दरशनतेंअघजाई॥तरहिंसकलसुरमुनिकहहिं
॥२७६॥ ॥चौपाई॥ ॥करिजोमज्जनतपमनलाइहि॥तिहिकीमहि
माकहिनसिराइहि॥स्यंदनपरनृपसोहयकैसें॥तेजवंतनरविदेखियजै
सें॥लांघतशैलसुहावनदेशा॥पाछेसुरसरिअग्रनरेशा॥हरिद्वारस
मीपतबआई॥तीर्थदेखिसुरसरिमनलाई॥तीरथहुमनभासुखभारी
॥आइप्रयागपहुंचीअघहारी॥तहांमज्जनकीन्हेदुखजाई॥बहुरिदे
वसरिकाशीआई॥सोशिवपुरीसहजसुखदाई॥बरणिनजाइमनो
हरताई॥औरोतीर्थविविधबिधिजानी॥जाइतहांकिमिकहौंबखानी
॥मगलोगनकहनकरतिसनाथा॥जाइचलीइहिबिधिरघुनाथा॥
॥दोहा॥ ॥मिलीबहोरीउदधिमहं॥उदधिहृदयहरषान॥लगेउ
सराहनभगीरथहिं॥तुमसमधन्यनआन॥२७७॥ ॥चौपाई॥ ॥
कीन्हेउअशजशकरइनकोई॥तपमहिमाबलकाइनहोई॥सगरतन
यतरेतनकाला॥हर्षवततबभएउभुआला॥औरोरहेजेकुलमहको-
ऊ॥तिन्हकेसंगतरेसबओऊ॥सकलसुरनसंगतहांविधाता॥नृप
सनआइकहीअसिबाता॥धन्यभगीरथजगयशलएऊ॥तुमसमान
नृपअवरनभएऊ॥आपनिसत्यप्रतिज्ञाकरेऊ॥संमतबेदसबहिंसु
भदएऊ॥गंगासागरसबकोऊकेहैं॥सुरमुनिनागसिद्धयशगैहैं॥
असकहिविधिनिजलोकसिधाए॥इहांभगीरथअतिसुखपाए॥ ॥
छंद॥ ॥पाएअमितसुखबहुरिपूजउसुरसरिहिमनलाइकै॥नब
दीन्हआशीषमुदितगगानृपभवनगएसुखपाइकै॥६४॥इहिभांति
सुनिगंगाकथातबरामऋषिचरणनिनए॥कहदासतुलसीरामलख
नहिंमहामुनिआशिषदए॥६५॥ ॥दोहा॥ ॥कौशिकआशिष
अमीयसम॥सुनिहर्षरघुनाथ॥प्रभुसुखपाइकहाबहुरि॥वेगिच

लियमुनिनाथ॥२७८॥ ॥चौपाई॥ ॥गाधिसुवनसबकथा
सुनाई॥जेहिप्रकारसुरसरिमहिआई॥तबप्रभुऋषिनसमेतन्ह
न्हाए॥विविधदानमहिदेवनपाए॥हरषिचलेमुनिवृंदसहाया॥वेगि
विदेहनगरनियराया॥पुररम्यतारामजबदेषी॥हर्षेअनुजसमेतविशे
षी॥वापीकूपसरितसरनाना॥सलिलसुधासममणिसोपाना॥गुंज
तमंजुमत्तरसभृंगा॥कूजनकलबहुबरणबिहंगा॥बरणबरणबिक
सेजलजाना॥त्रिविधसमीरसदासुखदाता॥ ॥दोहा॥ ॥समन
वाटिकाबागवन॥बिपुलविहंगनिवास॥फूलतफलतसुपल्लवित॥सो
हतपुरचहुपास॥२७९॥ ॥चौपाई॥ ॥बनैबरणतनगरनिकाई॥
जहांजाइमनतहांलुभाई॥चारुबजारविचित्रअठारी॥मणिमयविधि
जनुस्वकरसवारी॥धनिकवणिकवरधनदसमाना॥बैठेसकलवस्तु
लैनाना॥चोहटसुंदरगलीसुहाई॥संततरहहिसुगंधसिचाई॥मं
गलमयमंदिरसबकेरे॥विचित्रजनुरतिनाथचितेरे॥पुरनरनारि
सकलभुविसंता॥धर्मशीलज्ञानीगुणवंता॥अतिअनूपजहंजनक
निवासू॥विथकहिविबुधविलोकिविलासू॥होतचकितचितकोट
विलोकी॥सकलभुवनशोभाजनुरोकी॥ ॥दोहा॥ ॥धवलधाममम
णिपुरपट॥सुघटितनानाभांति॥सियनिवाससुंदरसदन॥शोभा
किमिकहिजाति॥२८०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुभगद्वारसबकुलिशकपा-
टा॥भूपभीरनटमागधभाटा॥बनीबिशालबाजिगजशाला॥हयगज
रथसंकुलसबकाला॥शूरसचिवसेनपबहुतेरे॥नृपगृहसरिससबके
रे॥पुरबाहिरसरसरितसमीपा॥उतरेजहंतहंविपुलमहीपा॥देखि
अनुपअेकअमराई॥सबसुपाससबभांतिसुहाई॥कौशिककहेउमोर
मनमाना॥इहांरहियरघुबीरसुजाना॥भलेहिनाथकहिकृपानिके
ता॥उतरेतहंमुनिवृंदसमेता॥विश्वामित्रमहामुनिआए॥समाचार

मिथिलापतिपाए॥ दोहा॥ संगसचिवशुचिभूरिभट॥भूसुरवरगुरु ज्ञाति॥चलेमिलनमुनिनायकहिं॥मुदितराउयहभांति॥२८१॥ चौपाई॥ कीन्हप्रणामचरणधरिमाथा॥दीन्हअशीसनृपहिंमुनिनाथा॥ विप्रवृंदसबसादरवंदे॥जानिभाग्यवडराउआनंदे॥कुशलप्रश्नकहिंबारहिंबारा॥विश्वामित्रनृपतिबैठारा॥तेहिअवसरआएदोऊभाई॥गएरहे देखनफुलवाई॥श्यामगौरमृदुबयशकिशोरा॥लोचनसुखदविश्वचितचोरा॥उठेसकलजवरघुपतिआए॥विश्वामित्रनिकटबैठाए॥भएसबसुखीदेखिदोउभ्राता॥वारिबिलोचनपुलकितगाता॥मूरतिमधुर मनोहरदेषी॥भएउविदेहविदेहविशेषी॥ ॥दोहा॥ ॥प्रेममगनमनजानिनृप॥करिविवेकधरिधीर॥बोलेउमुनिपदनाइशिर॥गद्गदगिरागंभीर॥२८२॥ ॥चौपाई॥ ॥कहहुनाथसुंदरदोउबालक॥ मुनिकुलतिलककिनृपकुलपालक॥ब्रह्मजोनिगमनेतिकहिगावा॥उभयवेषधरिसोइकिआवा॥सहजबिरागरूपमनमोरा॥थकितहोतजिमिचंद्रचकोरा॥तातेप्रभुपूछौंसदभाऊ॥कहहुनाथजनिकरहुदुराऊ॥इनहिंबिलोकतअतिअनुरागा॥परवसब्रह्मसुखहिमनत्यागा॥कहेमुनिबिहंसिकहहुनृपनीका॥बचनतुह्मारनहोइअलीका॥एप्रियसबहिजहांलगीप्राणी॥मनमुसुकाहिंरामसुनिबाणी॥रघुकुलमणिदशरथकेजाए॥ममहितलागिमहेशपठाए॥ ॥दोहा॥ ॥रामलषणदोबंधुवर॥रूपशीलबलधाम॥मखराखेउसबसाक्षिजग॥जीतेहिअसुरसंग्राम॥२८३॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनितवचरणदेषिकहराऊ॥कहिनशकौंनिजपुण्यप्रभाऊ॥सुंदरश्यामगौरदोउभ्राता॥आनंदहूकेआनंददाता॥इनकीप्रीतिपरस्परपावनि॥कहिनजाइमनभावसुहावनि॥सुनहुनाथकहमुदितविदेहू॥ब्रह्मजीवइवसहजसनेहू॥पुनिपुनिप्रभुहिचितवनरनाहू॥पुलकेगातउरअधिकउछाहू॥

मुनिहिप्रशंसिनाइपदशीसा॥चलेउलवाइनगरअवनीशा॥सुंदरस
दनसुखदसबकाला॥तहांवासलैदीन्हभुआला॥करिपूजासबबिधि
सेवकाई॥गयेउराउगृहबिदाकराई॥ ॥दोहा॥ ॥ऋषयसंगरघुवं
शमणि॥करिभोजनविश्राम॥बैठेप्रभुभ्रातासहित॥दिवसरहाभरियाम
॥२८४॥ ॥चौपाई॥ ॥लषणहृदयलालसाविशेषी॥जाइजन
कपुरआइयदेषी॥प्रभुभयबहुरिमुनिहिंसकुचाहीं॥प्रगटनकहहींमन
हिमुसुकाहीं॥रामअनुजमनकीगतिजानी॥भक्तवत्सलताहियहुलसा
नी॥परमविनीनसकुचीमुसुकाई॥बोलेगुरुअनुशासनपाई॥नाथ
लषणपुरदेखनचहहीं॥प्रभुसकोचडरप्रगटनकरकहहीं॥जौंराउर
आयसुमैंपाऊं॥नगरदेखाइतुरतलैआऊं॥सुनिमुनीशकहबचनसप्री
ती॥कसनरामराखहुतुमनीती॥धर्मसेतुपालकतुममाता॥प्रेमबिबस
सेवकसुखदाता॥ ॥दोहा॥ ॥जाइदेखिआवहुनगर॥सुखनि
धानदौभाई॥करहुसफलसबकेनयन॥सुंदरबदनदेखाइ॥२८५
॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिपदकमलवंदिदोउभ्राता॥चलेलोकलोच
नसुखदाता॥बालकवृंददेखिअतिशोभा॥लगेसंगलोचनमनलोभा
॥पीतवसनपरिकरकटिभाथा॥चारुचापशरसोहतहाथा॥तनुअनु
हरतसुचंदनखोरी॥श्यामलगौरमनोहरजोरी॥केहरिकंधरबाहुवि
शाला॥उरअतिरुचिरनागमणिमाला॥सुभगश्रवणसरसीरुहलो
चन॥वदनमयंकतापत्रयमोचन॥काननकनकफूलछबिदेहीं॥चितव
तचितहिंचोरिजनुलेहीं॥चितवनिचारुभृकुटिवरबांकी॥तिलकरेख
शोभाजनुचाकी॥ ॥दोहा॥ ॥रुचिरचौतनीसुभगशिर॥मे
चककुंचितकेश॥नखशिखसुंदरबंधुदौ॥शोभासकलसुदेश॥२८६
॥ ॥चौपाई॥ ॥देखनगरभूपसुतआए॥समाचारपुरवासि
नपाए॥धायेधामकामसबत्यागी॥मनहुरंकनिधिलूटनलागी॥निर

खिसहजसुंदरदोउभाई॥ होहिंसुखीलोचनफलपाई॥ युवतीभवनझरोखनलागी॥ निरखहिरामरूपअनुरागी॥ कहहिंपरस्परबचनसप्रीती॥ सखिइनकोटिकामछबिजीती॥ सुरनरअसुरनागमुनिमाहीं॥ शोभाअसकहुसुनियतनाहीं॥ विष्णुचारिभुजविधिमुखचारी॥ विकटवेषमुखपंचपुरारी॥ अपरदेवअसकोजगमाहीं॥ यहछबिसाखिपटतरियेजाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥वयकिशोरसुखमासदन॥श्यामगौरसुखधाम॥ अंगअंगपरिवारिऐ॥कोटिकोटिशतकाम॥२८७॥ ॥चौपाई॥ ॥कहहुसखीअसकोतनुधारी॥जोनमोहयहरूपनिहारी॥ कोउसप्रेमबोलीमृदुबानी॥ जोमैंसुनासोसुनहुसयानी॥ एदोउनृपदशरथकेढोटा॥ बालमरालनकेकलजोटा॥ मुनिकौशिकमखकेरखवारे॥ जिनरणअजिरनिशाचरमारे॥ श्यामगातकलकंजविलोचन॥ जोमारीचसुभुजमदमोचन॥ कौसल्यासुतसोसुखखानी॥ नामरामधनुशायकपानी॥ गौरकिशोरवेषवरकाछे॥ करशरचापरामकेपाछे॥ लक्ष्मणरामनामलघुभ्राता॥ सुनसखितासुसुमित्रामाता॥ ॥दोहा॥ ॥विप्रकाजकरिबंधुदोउ॥मगमुनिवधूउधारि॥ आएदेखनचापमख॥ सुनिहरषीसबनारि॥ २८८॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिरामछबिकोउएककहई॥ योग्यजानकीयहवरअहई॥ जोसखिइनहिंदेखिनरनाहू॥ पाणपरिहरिहठिकरैविवाहू॥ कोउकहभूपतिपहिचाने॥ मुनिसमेतसादरसनमाने॥ सखिपरंतुपणराउनतजई॥ बिधिबशहठिअविवेकहिभजई॥ कोउकहजोभलअहैबिधाता॥ सबकहंसुनियउचितफलदाता॥ तौजानकीहिमिलिबरएहू॥ नाहिनअलियहिमहंसंदेहू॥ जौबिधिबशअसबनैसंयोगू॥ तौकृतकृत्यहोइसबलोगू॥ सखिहैमरेंआतिआरतिताते॥ कबहुएकआवहिंएहिनाते॥ ॥दोहा॥ ॥नाहितहमकहंसुनहुसखि

इन्हकर दरशनदूरि॥ यहसंघटतबहोइजब॥ पुण्यपुराकृतभूरि॥
२८९॥ ॥चौपाई॥ ॥बोलीअपरकहेउसखिनीका॥ यहिनिवाह
अतिहितसबहीका॥ कोउकहशंकरचापकठोरा॥ एश्यामलमृदुगातकि
शोरा॥ सबअसमंजसअहेसयानी॥ यहसुनिअपरकहैमृदुबानी॥ सखि
इनकहकोउकोऊअसकहहीं॥ बडप्रभावदेखतलघुअहहीं॥ परसिजा
सुपदपंकजधूरि॥ तरीअहल्याअघकृतभूरी॥ सोकिरहैबिनुशिवधनुतोरे
॥ यहिप्रतितिपरिहरियनमोरे॥ जेहिविरंचिरचिसीयसंवारी॥ तेहिश्याम
लवररचेउविचारी॥ तासुबचनसुनिसबहरषानी॥ ऐसेइहोउकइहिमृदुबा
नी॥ ॥दोहा॥ ॥हियहरषहिंसुमन॥ सुमुखिसुलोचनिवृंद॥
जाहिजहांजहबंधुदोउ॥ तहंतहंपरमानंद॥ २९०॥ ॥चौपाई॥ ॥
पुरपूरवदिशिगेदोउभाई॥ जहांधनुषमखभूमिबनाई॥ अतिविस्तार
चारुगचढारी॥ बिमलबेदिकारुचिरसंवारी॥ चहुदिशिकंचनमंचविशा
ला॥ रचेजहांबैठहिमहिपाला॥ तेहिपाछेसमीपचहुंपासा॥ अपरमंच
मंडलीविलासा॥ कछुकऊंचसबभांतिसुहाई॥ बैठहिंनगरलोगजहंजाई
॥ तिनकेनिकटविशालसुहाए॥ धवलधामबहुबरणनबनाए॥ जहंबैठेदे
खहिंपुरनारी॥ यथायोग्यनिजकुलअनुहारी॥ पुरबालककहिकहिमृदु
बचना॥ सादरप्रभुहिदेखावहिरचना॥ ॥दोहा॥ ॥सबशिशुएहिमि
सप्रेमबश॥ परसिमनोहरगात॥ तनुपुलकहिंअतिहर्षहिय॥ देखिदेखि
होअघान॥ २९१॥ ॥चौपाई॥ ॥शिशुसबरामप्रेमबशजाने॥ प्रीति
समेतनिकेतबखाने॥ निजनिजरुचिसबलेइबुलाई॥ सहितसनेहजा
हिंदोउभाई॥ रामदिखावहिंअनुजहिरचना॥ कहिमृदुमधरमनोह
रबचना॥ लवनिमेषमहिंभुवननिकाया॥ रचेजासुअनुशासनमाया॥
भक्तहेतुसोइदीनदयाला॥ चितवतचकितधनुषमखशाला॥ कौतुक
देखिचलेगुरुपाहीं॥ जानिविलंबत्रासमनमांहीं॥ जासुत्रासडरकहंड

रहोई ॥ भजनप्रभावदेखावतसोई ॥ काहबातैमृदुमधुरसुहाई ॥ किये बिदाबालकवरिआई ॥ ॥दोहा॥ ॥ सभयसप्रेमविनीतअति ॥ सकुचसहितदोउभाई ॥ गुरुपदपंकजनाइशिर ॥ बैठेआयसुपाई ॥२९२॥ ॥ ॥चौपाई॥ ॥ निशिप्रवेशमुनिआयसुदीन्हा ॥ सबहिंसंध्यावंदनकीन्हा ॥ कहतकथाइतिहासपुराणी ॥ रुचिररजनीयुगयामसिरानी ॥ मुनिबरशयनकीन्हतबजाई ॥ लगेचरणचापनदोउभाई ॥ जिनकेचरणसरोरुहलागी ॥ करतबिबिधजपयोगबिरागी ॥ तेदोउबंधूप्रेमजनुजीते ॥ गुरुपदकमलपलोटतप्रीते ॥ बारबारमुनिआज्ञादीन्हा ॥ रघुबरजाइशयनतबकीन्हा ॥ चापतचरणलषणउरलाए ॥ सभयसप्रेमपरमसुखपाए ॥ पुनिपुनिप्रभुकहसोवहुताता ॥ पौढेधरिउरपदजलजाता ॥ ॥दोहा॥ ॥ उठेलषणनिशिविगतसुनि ॥ अरुणशिखाध्वनिकान ॥ गुरुतैपहिलैंजगतपति ॥ जागेरामसुजान ॥२९३॥ ॥चौपाई॥ ॥ सकलशौचकरिजाइनहाए ॥ नित्यनिवाहीमुनिहिशिरनाए ॥ समयजानिगुरुआयसुपाई ॥ लेनप्रसूनचलेदोउभाई ॥ भूपबागवरदेखेउजाई ॥ जहंबसंतऋतुरहीलुभाई ॥ लागेविटपमनोहरनाना ॥ बरणबरणबरवेलिविताना ॥ नवपल्लवफलसुमनसुहाए ॥ निजसंपतिसुरतरुहिंलजाए ॥ चातककोकिलकीरचकोरा ॥ कूजनबिहगनचतकलमोरा ॥ मध्यभागसरसुभगसुहावा ॥ मणिसोपानबिचित्रबनावा ॥ बिमलसलिलसरसिजबहुरंगा ॥ जलखगकूजतगुंजतभृंगा ॥ ॥दोहा॥ ॥ बागतडागविलोकिप्रभु ॥ हरषेबंधुसमेत ॥ परमरम्यआरामयह ॥ जोरामहिसुखदेत ॥२९४॥ ॥चौपाई॥ ॥ बहुदिशिचितैपूछिमालीगन ॥ लगेलेनदलफूलमुदितमन ॥ तेहिअवसरसीतातहंआई ॥ गिरिजापूजनजननिपठाई ॥ संगसखीसबसुभगसयानी ॥ गावहिंगीतमनोहरबानी ॥ सरसमीपगिरिजागृहसोहा ॥ बर

णिनजाइदेखिमनमोहा॥मज्जनकरिसरसखीसमेता॥गईमुदितमनगौरिनिकेता॥पूजाकीन्हीअधिकअनुरागा॥निजअनुरूपसुभगवरमागा॥एकसखीसियसंगविहाई॥गईरवीदेखनफुलवाई॥तेहिंदोऊबंधूविलोकेउजाई॥प्रेमविवशसीतापहिंआई॥दोहा॥तासुदशादेखीसखिन॥पुलकगातजलनयन॥कहुकारणनिजहर्षकर॥पूछहिंसबमृदुबयन॥२९५॥चौपाई॥ ॥देखनबागकुंवरदोउआए॥बयकिशोरसबभांतिसुहाए॥श्यामगौरकिमिकहौंबखानी॥गिराअनयननयनबिनुबानी॥सुनिहर्षीसबसखीसयानी॥सियहियअतिउतकंठाजानी॥एककहहिंनृपसुतनेआली॥सुनेजेमुनिसंगआएकाली॥निजनिजरूपमोहनीडारी॥कीन्हेस्ववशनगरनरनारी॥बरणतछबिजहंतहंसबलोगू॥अवशदेखियेदेखनजोगू॥तासुबचनअतिसियहिंसोहाने॥दरशलागिलोचनअकुलाने॥चलीअग्रकरिप्रियसखिसोई॥प्रीतिपुरातनलखैनकोई॥ ॥दोहा॥ ॥सुमिरिसियनारदबचन॥उपजीप्रीतिपुनीत॥चकितविलोकतिसकलदिशि॥जनुशिशुमृगीसभीत॥२९६॥ ॥चौपाई॥ ॥कंकणकिंकिणिनूपुरध्वनिसुनि॥कहतलषणसनरामहृदयगुणी॥मानहुमदनदुंदुभीदीन्हा॥मनसाविश्वविजयकहंकीन्हा॥असकहिफिरिचितएतेहिंओरा॥सियमुखशशिभयेनयनचकोरा॥भयेविलोचनचारुअचंचला॥मनहुसकुचिनिमितजेदृगंचल॥देखीसियशोभासुखपावा॥हृदयसराहतवचननआवा॥जनुबिरंचिसबनिजनिपुणाई॥बिरचिविश्वकहंप्रगटदीखाई॥सुंदरताकहंसुंदरकरई॥छबिगृहदीपशिखाजनुबरई॥सबउपमाकविरहेजुठारी॥केहिंपटतरियबिदेहकुमारी॥ ॥दोहा॥ ॥सियशोभाहियबरणिप्रभु॥आपनिदशाबिसारि॥बोलेशुचिमनअनुजसन॥बचनसमयअनुहारी॥२९७॥चौपाई॥तातजनकतनयायहसोई॥धनुषय

सजेहिकारणहोई॥पूजनगौरीसखीलैआई॥करतिप्रकाशफिरति
फुलबाई॥जासुविलोकिअलौकिकशोभा॥सहजपुनीतमोरमनक्षोभा
॥सोसबकारणजानविधाता॥फरकहिंसुभगअंगसुनुभ्राता॥रघुबंशि
नकरसहजसुभाऊ॥मनकुपंथपगधरैनकाऊ॥मोहिंअतिशयप्रतीति
जियकेरी॥जेंहिस्वपनेहुपरनारिनहेरी॥जिनकैलहहिंनरिपुरणपीठी॥
नहिंलावहिंपरतियमनडाठी॥मंगनलहहिंनजिनकेनाहीं॥तेनरवरथो
रेजगमाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥करतबातकहिअनुजसन॥मनसियरूप
लोभान॥मुखसरोजमकरंदछबि॥करतमधुपइवपान॥२९८॥
॥चौपाई॥ ॥चितवतिचकितचहूंदिशिसीता॥कहंगएनृपकिशो
रमनचीता॥जेहिबिलोकिमृगशावकनयनी॥जनुतहंवर्षकमलसित
श्रेनी॥लताओटतबसखिनलखाए॥श्यामलगौरकिशोरसुहाए
॥देखिरूपलोचनललचाने॥हर्षेजनुनिजनिधिपहिचाने॥थकेनयन-
रघुपतिछबिदेखें॥पलकनहूंपरिहरीनिमेषें॥अधिकसनेहविवशभ
इभोरी॥शरदशशिहिंजनुचितवचकोरी॥लोचनमगुरामहिंउरआ
नी॥दीन्हेपलककपाटसयानी॥जबसियसखीनप्रेमबशजानी॥कहि
नसकहिंकछुमनसकुचानी॥ ॥दोहा॥ ॥लताभवनतेंप्र
गटभे॥तेहिअवसरदोभाई॥निकसेजनुयुगबिमलविधु॥जल
दपटलबिलगाई॥२९९॥ ॥चौपाई॥ ॥शोभासीवसुभग
दोउबीरा॥नीलपीतजलजाभशरीरा॥काकपक्षशिरसोहतनीके॥
गुच्छाबिचबिचकुसुमकलीके॥भालतिलकश्रमबिंदुसुहाए॥श्र
वणसुभगभूषणछबिछाए॥बिकटभृकुटिकचघुंघुरवारे॥नव-
सरोजलोचनरतनारे॥चारुचुबुकनासिकाकपोला॥हासविलासले
तमनुमोला॥मुखछबिकहिनजाइमोहिपाहीं॥जेहिबिलोकिबहु
कामलजाहीं॥उरमणिमालकंबुकलग्रीवा॥कामकलभकरभु-

जबलसींवां॥ सुमनसमेतवामकरदोना॥ सांवरकुंवरसखीसुठि लोना॥ ॥दोहा॥ ॥केहरिकटिपटपीतधर॥ सुखमाशीलनिधान॥ देखिभानुकुलभूषणहिं॥ विसरासखिनअपान॥ ३००॥ ॥चौपाई॥ ॥धरिधीरजएकसखीसयानी॥ सीतासनबोलीगहिपानी॥ बहुरिगौरिकरध्यानकरेहू॥ भूपकिशोरदेखिकिनलेहू॥ सकुचिसीयतबनयनउघारे॥ संमुखदोउरघुसिंहनिहारे॥ नखशिखदेखिरामकीशोभा॥ सुमिरिपितापणमनअतिक्षोभा॥ परबशसखिनलखीजबसीता॥ भयेउगहरुसबकहहिंसभीता॥ पुनिआउबएहिबेरहिकाली॥ असकहिमनबिहंसिएकआली॥ गूढगिरासुनिसियसकुचानी॥ भयेउबिलंबमातुभयमानी॥ धरिबडिधीररामउरआनी॥ फिरीअपनोपितुबशजानी॥ ॥दोहा॥ ॥देखनमिसुमृगविहंगतरु॥ फिरेबहोरिबहोरि॥ निरखिनिरखिरघुवीरछबि॥ वाढेप्रीतिनथोरि॥ ३०१॥ ॥चौपाई॥ ॥जानिकठिनशिवचापबिसूरति॥ चलीराखिउरश्यामलमूरति॥ प्रभुजबजातजानकीजानी॥ सुखसनेहशोभागुणखानी॥ परमप्रेममयमृदुमसिकीन्ही॥ चारुचित्तभीतरलिखिलीन्ही॥ गईभवानीभवनबहोरी॥ बंदीचरणबोलीकरजोरी॥ जयजयजयगिरीराजकिशोरी॥ जयमहेशमुखचंद्रचकोरी॥ जयजगबदनषडाननमाता॥ जगतजननिदामिनिद्युतिगाता॥ नहिंतवआदिमध्यअवसाना॥ अमितप्रभाववेदनहिंजाना॥ भवभवविभवपराभवकारिणि॥ विश्वविमोहिनिस्ववशविहारिणि॥ ॥दोहा॥ ॥पतिदेवतासुतीयमहं॥ मातुप्रथमतबरेष॥ महिमाअमितनकहिसकहिं॥ सहसशारदाशेष॥ ३०२॥ ॥चौपाई॥ ॥सेवनसोहिसुलभफलचारी॥ वरदायिनित्रिपुरारिपियारी॥ देवीपूजीपदकमलतुह्मारे॥ सुरनरमुनिसबहोहिंसुखारे॥ मोरमनोरथजानहुंनीं

के॥बसहुसदाउरपुरसबहीके॥कीन्हेउप्रगटनकारणनेही॥अ
सकहिचरणगहेबैदेही॥बिनयप्रेमबशभईभवानी॥खसीमालमूर
तिमुसुकानी॥सादरसियप्रसादउरधरेऊ॥बोलीगौरीहर्षहियभये
ऊ॥सुनुसियसत्यअशीसहमारी॥पूजहिमनकामनातुह्मारी॥नार
दबचनसदाशुचिसांचा॥सोबरमिलिहिंजाहिमनराचा॥ ॥छंद
॥मनजाहिंराचेउमिलिहिंसोवरसहजसुंदरशांवरो॥करुणा
निधानसुजानशीलसनेहजाननरावरो॥६७॥यहिभांतिगौरीअशी
ससुनिसियसहितहियहर्षितअली॥तुलसिभवानिहिपूजिपुनिपुनि
मुदितमनमंदिरचली॥६८॥ ॥सोरठा॥ ॥जानिगौरिअनुकूल
॥सियहियहर्षनजायकहि॥मंजुलमंगलमूल॥वामअंगफरकनल
गे॥३०३॥चौपाई॥हृदयसराहतसीयलुनाई॥गुरुसमीपगवनेदो
उभाई॥रामकहासबकौशिकपाहीं॥सरलसुभावछुआछलनाहीं
॥सुमनपाइमुनिपूजाकीन्ही॥पुनिअशीषदोउभाइनदीन्ही॥सुफल
मनोरथहोइतुह्मारे॥रामलषणसुनिभएसुखारे॥करिभोजनमुनिव
रवीज्ञानी॥लगकहनकछुकथापुरानी॥विगतदिवसमुनिआयसुपाई
॥संध्याकरणचलेदोउभाई॥प्राचीदिशिशशिउगेउसुहावा॥सियमु
खसरिसदेखिसुखपावा॥बहुरिविचारकीन्हमनमाहीं॥सियवदनस
महिमकरनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥जन्मसिंधुपुनिबंधुविषा॥दिनमली
नसकलंक॥सियमुखसमतापावकिमि॥चंद्रवापुरोरंक॥३०४॥
॥चौपाई॥ ॥घटैबढैबिरहिनदुखदाई॥ग्रसैराहुनिजसंधिहिं
पाई॥कोकशोकप्रदपंकजद्रोही॥अवगुणबहुतचंद्रमातोही॥बैदे
हीमुखपटतरदीन्हे॥होइदोषबडअनुचितकीन्हे॥सियमुखछबिविधु
व्याजबखानी॥गुरुपहिंचलेनिशाबडिजानी॥करिमुनिचरणसरोजप्र
णामा॥आयसुपाइकीन्हबिश्रामा॥विगतनिशाचररघुनायकजागे

॥बंधुबिलोकिकहनअसलागे॥लगेअरुणअवलोकहुताता॥ पंक-
जकोकलोकसुखदाता॥बोलेलषणजोरियुगपाणी॥प्रभुप्रभावसूच
कमृदुबाणी॥ ॥दोहा॥ ॥अरुणोदयसकुचेकुमुद॥उडुगण
जोतिमलीन॥तिमितुह्मारआगमनसुनि॥भएनृपतिबलहीन॥३०५
॥ ॥चौपाई॥ ॥नृपसबनखतकरहिंउजियारी॥टारिन
शकहिंचापतमभारी॥कमलकोकमधुकरखगनाना॥हरषेसकलनि
शाअवसाना॥ऐसेहिप्रभुसबभक्ततुह्मारे॥होइहहिंटूटेधनुषसुखा
रे॥उदयभानुबिनुश्रमतमनाशा॥दुरेनखतजगतेजप्रकाशा॥रविनि
जउदयब्याजरघुराया॥प्रभुप्रतापसबनृपनदेखाया॥तवप्रभुबलमहि
माउद्घाटी॥प्रगटीधनुषविघटपरिपाटी॥बंधुबचनसुनिप्रभुमुसुका
ने॥होइशुचिसहजपुनीतनन्हाने॥नित्यक्रियाकरिगुरुपहिंआए॥
चरणसरोजसुभगशिरुनाए॥शतानंदतबजनकबुलाए॥कौशिक
मुनिपहिंतुरतपठाए॥जनकबिनयतिनआइसुनाई॥हर्षेबोलि
लिएदोउभाई॥ ॥दोहा॥ ॥शतानंदपदबंदिप्रभु॥बैठेगुरु
पहिंजाई॥चलहुतातमुनिकहेउतब॥पठवाजनकबुलाई॥३०६॥
॥चौपाई॥ ॥सियस्वयंवरदेखियजाई॥ईश्वरकाहिधोंदेहिब
डाई॥लषणकहाजशभाजनसोई॥नाथकृपातवजापरहोई॥हर्षे
सुनिसबमुनिवरबानी॥दीन्हिअशीषसबहिंसुखमानी॥पुनिमुनि
वृंदसमेतकृपाला॥देखनचलेधनुषमखशाला॥रंगभूमिआएदोउ
भाई॥असिशुधिसबपुरवासिनपाई॥चलेसकलगृहकाजबिसारी
॥बालकयुवाजरठनरनारी॥देखाजनकभीरभइभारी॥शुचिसेवकस
बलिएहंकारी॥तुरतसकललोगनपहिंजाइहु॥आसनउचितदेहुस
बकाहू॥ ॥दोहा॥ ॥कहिमृदुबचनबिनीततिन॥बैठारेनरनारि॥
उत्तममध्यमनीचलघु॥निजनिजथलअनुहारि॥३०७॥ ॥चौपाई॥

॥ राजकुवरतेंहिंअवसरआए॥ मनहुमनोहरतातनुछाए॥ गुणसागरनागरवरवीरा॥ सुंदरश्यामलगौरशरीरा॥ राजसमाजबिराजतरूरे॥ उडुगणमहुंजनुयुगविधिपूरे॥ जिनकेरहीभावनाजैसी॥ प्रभुमूरतिदेखीतिनतैसी॥ देखहिंभूपमहारणधीरा॥ मनहुंबीररसधरेंशरीरा॥ डरेकुटिलनृपप्रभुहिंनिहारी॥ मनहुभयानकमूरतिभारी॥ रहेअसुरछलक्षोणिपवेषा॥ तिनप्रभुप्रगटकालसमदेखा॥ पुरवासिनदेखेदोउभाई॥ नरभूषणलोचनसुखदाई॥ ॥दोहा॥ ॥नारिबिलोकहिंहर्षिहिय॥ निजनिजरूपअनुरूप॥ जनुसोहतशृंगारधरि॥ मूरतिपरमअनूप॥ ३०८॥ ॥चौपाई॥ ॥ विदुषनप्रभुबिराटसमयनदेषा॥ बहुमुखकरपदलोचनशीषा॥ जनकजातिअवलोकहिंकैसे॥ सज्जनसंगप्रियलागहिजैसे॥ सहितविदेहबिलोकहिरानी॥ शिशुसमप्रीतिनजातिबखानी॥ योगिनपरमतत्त्वमयभासा॥ संतशुद्धसमसहजप्रकाशा॥ हरिभक्तनदेखेदोउभ्राता॥ इष्टदेवइवसबसुखदाता॥ रामहिचितबभावजेहिसीया॥ सोसनेहसुखनहिकथनीया॥ उरअनुभवतिनकहिशकसोऊ॥ कवनप्रकारकहैंकविकोऊ॥ यहिविधिरहाजाहिजशभाऊ॥ तेहितसदेखेउकोशलराऊ॥ ॥दोहा॥ ॥राजतराजसमाजमहं॥ कोशलराजकिशोर॥ सुंदरश्यामलगौरतनु॥ बिश्वविलोचनचोर॥ ३०९॥ ॥चौपाई॥ ॥ सहजमनोहरमूरतिदोऊ॥ कोटिकामउपमालघुसोऊ॥ शरदचंदनिंदकमुखनीके॥ नीरजनयनभावतेजीके॥ चितवनिचारुमारमदहरणी॥ भावतिहृदयजायनहिबरणी॥ कलकपोलश्रुतिकुंडललोला॥ चिबुकअधरसुंदरमृदुबोला॥ कुमुदबंधुकरनिंदकहासा॥ भृकुटीबिकटमनोहरनासा॥ भालबिशालतिलकझलकाहीं॥ कचबिलोकिअलिअवलिलजाहीं॥ पीतचौतनीशिरनसुहाई॥ कुसुमकलीबिचबीच

बनाई॥रेखारुचिरकंबुकलग्रीवा॥जनुत्रिभुवनसुखमाकीसींवा॥
॥दोहा॥ ॥कुंजरमणिकंठाकुलित॥उरतुलसीकीमाल॥वृषभकं
धकेहरिठवनि॥बलनिधिबाहुबिशाल॥३१०॥ ॥चौपाई॥ ॥कटि
तूणीरपीतपटबांधे॥करशरधनुषवामकरकांधे॥पीतयज्ञउपवीतसु
हाए॥नखशिखमंजुमहाछबिछाए॥देखिलोगसबभएसुखारे॥एकट
कलोचनटरहिंनटारे॥हर्षेजनकदेखिदोउभाई॥मुनिपदकमलगहेतब
जाई॥करिबिनतीनिजकथासुनाई॥रंगभूमिसबमुनिहिदेखाई॥जहं
जहंजाहिंकुंअरबरदोऊ॥तहंतहंचकितचितवसबकोऊ॥निजनिजरु
खिरामहिंसबदेखा॥कोउनजानकछुमर्मविशेषा॥भलिरचनानृपसनमु
निकहेऊ॥राजामुदितमहासुखलहेऊ॥ ॥दोहा॥ ॥सबमंचनतेंम
चएक॥सुंदरविशदविशाल॥मुनिसमेतदोउबंधुतहं॥बैठारेमहिपाल
॥३११॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुहिदेखिसबनृपहियहारे॥जनुराकेशउदय
भएतारे॥असप्रतीतिसबकेमनमाहीं॥रामचापतोरबशकनाहीं॥बिनु
भंजेहुंभवधनुषविशाला॥मेलहिंसीयरामउरमाला॥असबिचारिग
वनहुघरभाई॥जसप्रतापबलतेजदुराई॥बिहंसेअपरभूपसुनिबानी॥
जेअविवेकअंधअभिमानी॥तोरेहुधनुषव्याहअवगाढा॥बिनुतोरें-
कोकुंवरिबिवाहा॥एकबारकालहुकिनहोई॥सियाहितसमरजीतबह
मसोई॥यहसुनिअपरभूपमुसुकाने॥धर्मशीलहरिभक्तसयाने॥ ॥
सोरठा॥ ॥सीयबिवाहबराम॥गर्बदूरिकरिनृपनकर॥जीतिकोश
कसंग्राम॥दशरथकेरणबांकुरे॥३१२॥ ॥चौपाई॥ ॥वृथामरहुज
निगालबजाई॥मनमोदकहिंभूखबिनाई॥सीखहमारसुनुपरमपुनी
ना॥जगदंबाजानहुजियसीता॥जगतपितारघुपतिहिबिचारी॥भरि
लोचनछबिलेहुनिहारी॥सुंदरसुखदसकलगुणरासी॥एदोउबंधुशं
भुउरवासी॥सुधासमुद्रसमीपबिहाई॥मृगजलनिरखिमरहुकतधाई

॥करहुजाइजाकहजोइभावा॥हमतोआजुजन्मफलपावा॥असकहि
भलेभूपअनुरागे॥रूपअनूपबिलोकनलागे॥देखहिंसुरनभचढेविमाना
॥वरषहिंसुमनकरहिंकलगाना॥ ॥दोहा॥ ॥जानिसुअवसरसी
यतब॥पठवाजनकबुलाइ॥चतुरसखीसुंदरिसकल॥सादरचलीलि
वाइ॥२१३॥ ॥चौपाई॥ ॥सियशोभानहिंजाइबखानी॥जगदं
बिकारूपगुणखानी॥उपमासकलमोहिंलघुलागी॥प्राकृतनारिअंग-
अनुरागी॥सीयबरणितेहिंउपमादेही॥कोकविकहइअयसकोले-
हीं॥जोपटतरियतीयसमसीया॥जगअसियुवतिकहांकमनीया॥गि
रासुखरतनुअर्धभवानी॥रतिअतिदुःखितअतनुपतिजानी॥विषवारु
णीबंधुप्रियजेहिं॥कहियरमासमाकिमिबैदेही॥जौंछबिसुधापयोनिधि
होई॥परमरूपमयकच्छपसोई॥शोभारज्जुमंदरशृंगारू॥मथैपाणिपंक
जनिजमारू॥ ॥दोहा॥ ॥एहिबिधिउपजैलक्ष्मिजब॥सुंदरतासु
खमूल॥तदपिसकोचसमेतकवि॥कहहिसीयसमतूल॥२१४॥ ॥
चौपाई॥ ॥चलीसंगलैसखीसयानी॥गावतगीतमनोहरबानी॥सोह
नवलतनुसुंदरसारी॥जगतजननिअतुलितछबिभारी॥भूषणसकल
सुदेशसुहाए॥अंगअंगरचिसाखिनबनाए॥रंगभूमिजबसियपगु-
धारी॥देखिरूपमोहेनरनारी॥हर्षिसुरनदुंदुभीबजाई॥वर्षिप्रसूनअप
सरागाई॥पाणिसरोजसोहजयमाला॥औचटचितएसकलभुआ-
ला॥सीयचकितचितरामहिचाहा॥भएमोहवशसबनरनाहा॥मुनि
समीपदेखेदोउभाई॥लगेललकिलोचननिधिपाई॥ ॥दोहा॥ ॥
गुरुजनलाजसमाजबड़ी॥देखिसीयसकुचानि॥लागिविलोकनस
खिनतन॥रघुबीरहिंउरआनि॥२१५॥ ॥चौपाई॥ ॥
रामरूपअरुसियछबिदेखें॥नरनारिनपरिहरीनिमेषें॥शोचहिंसक
लकहतसकुचाहीं॥विधिसनाबिनयकरहिंमनमांहीं॥हरुविधिवे

गिजनकजडनाई॥ मनिहमारिस्रसदेहुसुहाई॥ बिनुबिचारपणतजिनरनाहू॥सीयरामकरकरैंबिबाहू॥जगभलकहहिंभावसबकाहू॥हठकीन्हेंअंतहुउरदाहू॥यहलालसामगनसबलोगू॥रघुबरसांवरजानकिजोगू॥ तबबंदीजनजनकबुलाए॥ बिरदावलीकहतचलीयआए॥कहनृपजाइकहहुपणमोरा॥चलेभाटहियहर्षनथोरा॥ ॥दोहा॥ ॥बोलेबंदीबचनबर॥ सुनहुसकलमहिपाल॥पणविदेहकरकहहिंहम॥भुजाउठाइबिशाल॥२१६॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपभुजबलबिधुशिवधनुराहू॥गुरुअकठोरबिदितसबकाहू॥रावणबाणमहाभटभारे॥देखिशरासनगवहिंसिधारे॥सोइपुरारिकोदंडकठोरा॥राजसमाजआजुजेहितोरा॥त्रिभुवनजयसमेतबैदेही॥बिनहिंबिचारबरैहठितेही॥सुनिपणसकलभूपअभिलाषे॥भटमानीअतिशय-मनमाषे॥परिकरबाधिउठेअकुलाई॥चलेइष्टदेवनशिरनाई॥तमकिताकितकिशिवधनुधरहीं॥उठइनकोटिभांतिबलकरहीं॥जिन्हकेकछुबिचारमनमाहीं॥चापसमीपमहीपनजाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥तमकिधरहिधनुमूढनृप॥उठइनचलहिंलजाइ॥मनहुपाइभटबाहुबल॥अधिकअधिकगरुआई॥२१७॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपसहसदशएकहिंबारा॥लगेउठावनटरइनटारा॥डिगैननशंभुशरासनकैसें॥कामीबचनसतीमनजैसें॥सबनृपभयेयोगउपहासी॥जैसेबिनुबिरागसन्यासी॥कीरतिबिजयवीरताभारी॥चलेचापकरबरबसहारी॥श्रीहतभएहारिहियराजा॥बैठेनिजनिजजाइसमाजा॥नृपबिलोकिजनकअकुलानें॥बोलेबचनरोषजनुसाने॥द्वीपद्वीपकेभूपतिनाना॥आएसुनिहमजोपणठाना॥देवदनुजधरिमनुजशरीरा॥बिपुलबीरआएरणधीरा॥ ॥दोहा॥ ॥कुंअरिमनोहरिबिजयबडि॥कीरतिअतिकमनीय॥पावनहारिबिरंचिजनु॥रचेउनधनुदमनीय॥

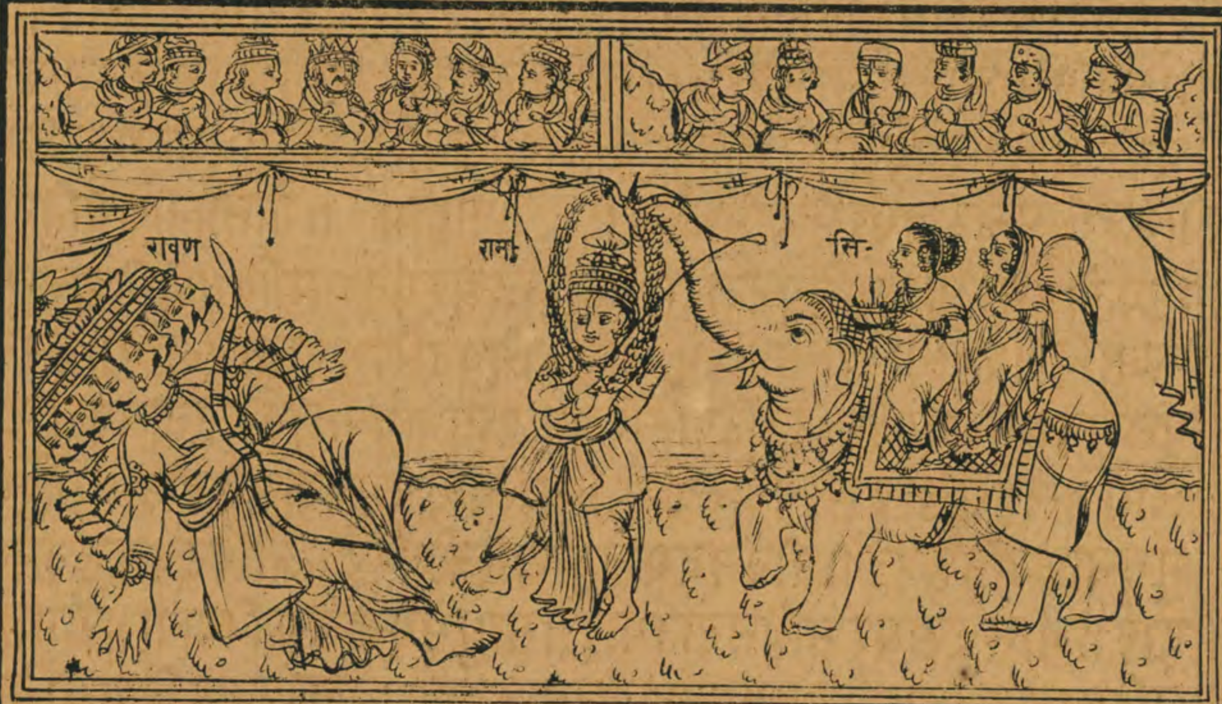
॥३१९॥ ॥चौपाई॥ ॥कहहुकाहियलाभमनभावा॥काहुनशंकर
चापचढावा॥रहाचढाउरतोरबभाई॥तिलभरिभूमिनशकेहुछुडाई॥
अबजनिकोउभाषैभटमानी॥विरहीनमहीमैजानी॥तजहुआशनिज
निजगृहजाहू॥लिखानुबिधिबैदेहीबिवाहू॥सुकृतजाइजोपणपरिह
रऊ॥कुअरिकुआरिरहैकाकरऊ॥जौंजानतबिनुभटभुवभाई॥तौपण
करिहोतेउनहैंसाई॥जनकबचनसुनिसबनरनारी॥देखिजानकीभए
दुखारी॥भाषालषणकुटिलभैंमौंहैं॥रदपुटफरकतनयनरिसौंहैं॥
॥दोहा॥ ॥कहिनशकयरघुवीरडर॥लगेवचनजनुबाण॥नाई
रामपदकमलशिर॥बोलेगिराप्रमाण॥३१९॥ ॥चौपाई॥ ॥
रघुवंशिनमहंजहंकोउहोई॥तेहिसमाजअसकहहिनकोई॥कहीजन
कजशअनुचितवानी॥विद्यमानरघुकुलमणिजानी॥सुनहुभानुकुल
पंकजभानू॥कहौंस्वभावनकछुअभिमानू॥जौतुह्मारिअनुशासनपा
ऊ॥कंदुकइवब्रह्माडउठाऊं॥काचेघटजिमिडारौंफोरी॥शकौंमेरु
मूलकइवतोरी॥तवप्रतापमहिमाभगवाना॥कोबापुरोपिनाकपुरा
ना॥नाथजानिअसआयसुहोऊ॥कौतुककरौंविलोकियसोऊ॥
कमलनालजिमिचापचढावौ॥शतयोजनप्रमाणलैधावौं॥ ॥दोहा
॥ ॥तोरौंछत्रकदंडजिमि॥तवप्रतापबलनाथ॥जौनकरप्रभुपद
शपथ॥पुनिनधरौंधनुहाथ॥३२०॥ ॥चौपाई॥ ॥लषणसकोप
बचनजबबोले॥डगमगानिमहिदिग्गजडोले॥सकललोकसबभूप
डराने॥सियहियहर्षजनकसकुचाने॥गुरुरघुपतिसबमुनिमनमांहीं
॥मुदितभएपुनिपुनिपुलकाहीं॥सैनहिरघुपतिलषणनिवारे॥प्रेम
समेततनिकटबैठारे॥विश्वामित्रसमयशुभजानी॥बोलेअतिसनेहमय
वानी॥उठहुरामभंजहुभवचापू॥मेटहुतातजनकपरितापू॥सुनिगुरु
बचनचरणशिरनावा॥हर्षविषादनकछुउरआवा॥ठाढभएउठिसहज

स्रुभाए॥ ठवनियुवामृगराजलजाए॥ ॥दोहा॥ ॥उदिनउदय
गिरिमंचपर॥रघुवरबालपतंग॥विकसेसंतसरोजवन॥हर्षेलोचन
भृंग॥२२१॥ ॥चौपाई॥ ॥नृपनकेरिआशानिशिनासी॥वचन-
नषतअवलीनप्रकाशी॥मानीमहिपकुमुदसकुचाने॥कपटीभूपउलू
कलुकाने॥भएविशोककोकमुनिदेवा॥वर्षहिंसुमनजनावहिंसेवा॥
गुरुपदवंदिसहितअनुरागा॥राममुनिनसनआयसुमांगा॥सहज
हिंचलेसकलजगस्वामी॥मत्तमंजुकुंजरवरगामी॥चलतरामसबपुर
नरनारी॥पुलकपूरिनतनभएसुखारी॥वंदिपितरसुरसुकृतसह्मा
रे॥जोकछुपुण्यप्रभावहमारे॥तौशिवधनुमृणालकीनाई॥तारहिं
रामगणेशगुसाई॥ ॥दोहा॥ ॥रामहिप्रेमसमेतलखि॥सखिन
समेतबुलाइ॥सीतामातुसनेहबश॥बचनकहैबिलखाइ॥२२२॥ ॥
चौपाई॥ ॥सखिसबकौतुकदेखनहारे॥जोउकहावतहितूहमारे
॥कोउनबुझाइकहइवनृपपाहीं॥एबालकअसहठभलनाहीं॥रावण
बाणछुआनहिंचापा॥हारेसकलभूपकरिदापा॥सोधनुराजकुअर
करदेहीं॥बालमरालकिमंदरलेहीं॥भूपसयानपसकलसिरानी॥
सखिविधिगतिकछुजातिनजानि॥बोलीचतुरसखीमृदुबाणी॥तेज
वंतलघुगणियनराणी॥कहकुंभजकहंसिंधुअपारा॥शोषेउसुयश
सकलसंसारा॥रविमंडलदेखतलघुलागा॥उदयतासुत्रिभुवनत
मभागा॥ ॥दोहा॥ ॥मंत्रपरमलघुजासुबश॥विधिहरि
हरसुरसर्व॥महामत्तगजराजकहं॥बशकरअंकुशखर्व॥२२३॥
॥चौपाई॥ ॥कामकुसुमधनुसायकलीन्हे॥सकलभुवनअप
नेबशकीन्हे॥देवितजियसंशयअसजानी॥रामजबधनुषरासुनु
रानी॥सखीबचनसुनिभईपरतीती॥मिटाविषादबढ़ीअतिप्रीती॥
तबरामहिबिलोकिवैदेहि॥सभयहृदयविनवतिजेहितेही॥मनहीं

मनमनायअकुलानी॥ होहुप्रसन्नमहेशभवानी॥ करहुसफलआ
पनिसेवकाई॥ करिहितहरहुचापगरुआई॥ गणनायकवरदायक
देवा॥ आजुलगेकीन्हिनबसेवा॥ बारबारबिनतीसुनिमोरी॥ करहु
चापगुरुताअतिथोरी॥ ॥दोहा॥ ॥देखिदेखिरघुबरतनु॥ सु
रमनावधरिधीर॥ भरेविलोचनप्रेमजल॥ पुलकावलीशरीर॥२२४॥
॥चौपाई॥ ॥नीकेनिरखिनयनभरिशोभा॥ पितुपणसुमिरि
बहुरिमनक्षोभा॥ अहहतातदारुणहठठानी॥ समुझतनहिंकछुला
भनहानी॥ सचिवसभयसिखदेइनकोई॥ बंधुसमाजबहुअनुचित
होई॥ कहंधनुकुलिशहुंचाहिकठोरा॥ कहश्यामलमृदुगातकिशोरा
॥ विधिकेहिभांतिधरौंउरधीरा॥ शिरिषसुमनकिमिबेधिहिहीरा॥
सकलसभाकिमतिभइभोरी॥ अबमोहिशंभुचापगतितोरी॥ निजज
डतालोगनपरडारी॥ होइहरुअरघुपतिहिंनिहारी॥ अतिपरितापसी
यमनमाहीं॥ लवनिमेषयुगसमचलिजाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभु
हिंचितैपुनिचितवमहि॥ राजतलोचनलोल॥ खेलतमनसिजमीनयु
ग॥ जनुविधुमंडलडोल॥२२५॥ ॥चौपाई॥ ॥गिराअलिनमु
खपंकजरोकी॥ प्रगटनलाजनिशाअवलोकी॥ लोचनजलरहलो
चनकोना॥ जैसेपरमकृपणकरसोना॥ सकुचीव्याकुलताबडिजा
नी॥ धरिधीरजप्रतीतिउरआनी॥ तनुमनबचनमोरपणसांचा॥
रघुपतिपदसरोजमनरांचा॥ तोभगवानसकलउरवासी॥ करिहहि
मोहिंरघुपतिकीदासी॥ जेहिंकेजेहिपरसत्यसनेहू॥ सोतेहिंमिलहि
नकछुसंदेहू॥ प्रभुतनचितैप्रेमप्रणठाना॥ कृपानिधानरामसबजा
ना॥ सियहिंबिलोकितकेउधनुकैसें॥ चितवगरुडलघुव्यालहिंजै
सें॥ ॥दोहा॥ ॥लषणलखेउरघुवंशमणि॥ ताकेउ
हरकोदंड॥ पुलकिगातबोलेबचन॥ चरणचापिब्रह्मंड॥ २२६॥

॥ चौपाई॥ ॥दिशिकुंजरहुकमठअहिकोला॥धरहुधरणिधरीधीर
नडोला॥रामचहहिंशंकरधनुतोरा॥होहुसजगसुनिआयसुमोरा॥चा
पसमीपरामजबआए॥नरनारिनसुरसुकृतमनाए॥सबकरसंशय-
अरुअज्ञानू॥मंदमहीपनकरअभिमानू॥भृगुपतिकेरिगर्वगरुआई॥
सुरमुनिवरनकेरिकदराई॥सियकरशोचजनकपछितावा॥रानिनकर
दारुणदुखदावा॥शंभुचापबडबोहितपाई॥चढेजाइसबसंगबनाई॥रा
मबाहुबलसिंधुअपारा॥चहतपारनहिकोउकडहारा॥ ॥दोहा॥ ॥
रामबिलोकेलोगसब॥चित्रलिखिसेदेखि॥चितईसीयकृपायतन॥जा
नीबिकलविशेखि॥ २२७॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिविपुलबिकलबैदे
ही॥निमिषविहातकल्पसमतेही॥तृषितवारिबिनुजोतनुत्यागा॥मुऐ
करैकासुधानडागा॥कावर्षाजबकृषीसुखाने॥समयचूकपुनिकापछि
ताने॥असजियजानिजानकीदेखी॥प्रभुपुलकेलखिप्रीतिविशेखी॥
गुरुहिप्रणाममनहीमनकीन्हा॥अतिलाघवउठाइधनुलीन्हा॥दमके
उदामिनिजिमिघनलयऊ॥पुनिधनुनभमंडलसमभयऊ॥लेतचढाव
तखैंचतगाढे॥काहुनलखादेखसबठाढे॥तेहिक्षणमध्यरामधनुतोरा
॥भरेउभुवनध्वनिघोरकठोरा॥ ॥छंद॥ ॥भरिभुवनघोरकठोररव
रविबाजितजिमारगचले॥चिक्करहिंदिग्गजडोलमहिअहिकोलकूरमक
लमले॥६९॥सुरअसुरमुनिकरकानदीन्हेसकलबिकलविचारहीं॥कोदं
डखंडेउरामतुलसीजयतिबचनउचारहीं॥७०॥ ॥सोरठा॥ ॥शं
करचापजहाज॥सागररघुबरबाहुबल॥बूडेउसकलसमाज॥चढेजे-
प्रथमहिंमोहबश॥२२८॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुदोउखंडचापमहिडारे॥
देखिलोगसबभएसुखारे॥कौशिकरूपपयोनिधिपावन॥प्रेमवारिअव
गाहसुहावन॥रामरूपराकेशनिहारी॥बढतबीचीपुलकावलिभारी
॥बाजेनभगहगहेनिसाना॥देववधूनाचहिंकरिगाना॥ब्रह्मादिकसुरसि

द्दमुनीशा॥मभुहिमशंसहिंदेहिंअशीशा॥वर्षहिंसुमनरंगबहुमाला
॥गावहिंकिन्नरगीतरसाला॥रहीभुवनभरिजयजयबानी॥धनुषभंग
ध्वनिजातनजानी॥मुदितकहहिंजहंतहंनरनारी॥भजेउरामशंभुधनु
भारी॥ ॥दोहा॥ ॥बंदीमागधसूतगण॥बिरदबदहिंमतिधीर॥
करहिंनिछावरिलोगसब॥हयगजधनमणिचीर॥२२९॥ ॥चौपाई॥
॥झांझमृदंगशंखसहनाई॥भेरिढोलदुंदुभीबजाई॥बाजहिंबहुबा
जनेसुहाए॥जहंतहंयुवतिनमंगलगाए॥सखिनसहितहर्षितअतिरा
नी॥सूखतधानपराजनुपानी॥जनकलहेउसुखशोचबिहाई॥पैरत
थकेथाहजनुपाई॥श्रीहतभएभूपधनुटूटे॥जैसेंदिवसदीपछबिछूटे॥
सियहियसुखबरणियकेहिभांती॥जनुजातकपाईजलस्वाती॥रामहिं
लषणबिलोकतकैसें॥शशिहिंचकोरकिशोरकुजैसें॥शतानंदतबआय
सुदीन्हा॥सीतागमनसमीपहिंकीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥संगसखीसुं-



दरिचतुरि॥गावहिंमंगलचार॥गवनीबालमरालगति॥सुखमाअंगअ

पार॥३३०॥ ॥चौपाई॥ ॥सखिनमध्यसियसोहतिकैसी॥ छबिग
णमध्यमहाछबिजैसी॥करसरोजजयमालसुहाई॥ विश्वविजयशोभा
जिहिछाई॥ तनुसंकोचमनपरमउछाहू॥गूढप्रेमलखिपरैनकाहू॥जा
इसमीपरामछबिदेषी॥रहिजनुकुंअरिचित्रअवलेखी॥चतुरसखीलं-
खिकहाबुझाई॥पहिरावहुजयमालसुहाई॥सुनतयुगलकरमालउठाई
॥प्रेमबिबसपहिशाइनजाई॥सोहतजनुयुगजलजसनाला॥शशिहिंसभी
तदेतजयमाला॥गावहिंछबिअवलोकिसहेली॥सियजलमालरामउरमे
ली॥ ॥सोरठा॥ ॥रघुवरउरजयमाल॥देखिदेववरषहिंसुमन॥सकु
चेसकलभुआल॥जनुबिलोकिरविकुमुदगए॥३३१॥ ॥चौपाई॥ ॥
पुरअरुव्योमबाजनेबाजे॥खलभएमलिनसाधुसबराजे॥सुरकिन्नरनर
नागरमुनीशा॥जयजयजयकहिदेहिंअशीशा॥नाचहिंगावहिंविबुधव
घूटी॥बारबारकुसुमावलिछूटी॥जहंतहंविप्रवेदध्वनिकरहीं॥बंदीबिर-
दावलिउच्चरहीं॥महिपातालनाकयशव्यापा॥रामबरीसियभजेउचापा
॥करहिंआरतीपुरनरनारी॥देहिंनिछावरिवित्तबिसारी॥सोहतसीयरा
मकीजोरी॥छबिश्रृंगारमनहुएकठौरी॥सखीकहहिंप्रभुपदगहुसीता
॥करतिनचरणपरसअतिभीता॥ ॥दोहा॥ ॥गौतमतीयगतिसुर
तिकरि॥नहिपरसतिपदपानि॥मनबिहंसेरघुवंशमणि॥प्रीतिअलौकि
कजानि॥३२३॥ ॥चौपाई॥ ॥तबसियदेखिभूपअभिलाषे॥कूरक
पूतमूढमनभाषे॥उठिउठिपहिरिसनाहअभागे॥जहंतहंगालवजावन
लागे॥लेहुछुडाइसीयकहकोऊ॥धरिबांधहुनृपबालकदोऊ॥तोरेधं-
नुषचाडनहिंसरई॥जीवतहमहिकुंअरिकोवरई॥जौबिदेहकछुकरैस
हाई॥जीतहुसमरसहितदोउभाई॥साधुभूपबोलेसुनिबानी॥राजसमा
जहिलाजनलेआनी॥बलप्रतापवीरताबडाई॥नाकपिनाकहिंसंगसिधा
ई॥सोइशूरताकिअबकहुपाई॥असबिधिनेविधिमुहमासिलाई॥

॥दोहा॥ ॥देखहुरामनयनभरि॥तजिईर्षामनमोहु॥लषणरोष
पावकप्रबल॥जानिशलभजनिहोहु॥३३३॥ ॥चौपाई॥ ॥बैन
तेयबलिजिमिचहकागू॥जिमिशशचहहिंनागअरिभागू॥जिमिचह
कुशलअकारणकोही॥सर्वसंपदाचहहिंशिवद्रोही॥लोभीलोलुपकीर
तिचह॥अकलंकताकिकामीलहुई॥हरिपदविमुखपरमगतिचाहा॥
तसतुह्मारलालचनरनाहा॥कोलाहलसुनिसीयशकानी॥सखीलि
वाइगहिंजहंरानी॥रामसुभायचलेगुरुपाहीं॥सियसनेहबरणतम
नमाहीं॥रानिनसहितशोचवशसीया॥अवधौबिधिहिंकहाकरणी
या॥भूपबचनसुनिइतउतकहहीं॥लषणरामडरबोलिनशकहीं॥
॥दोहा॥ ॥अरुणनयनभृकुटीकुटिल॥चितवतनृपनसकोप
॥मनहुमत्तगजगणनिरखि॥सिंहकिशोरहिंचोप॥३३४॥ ॥
चौपाई॥ ॥खरभरदेखिबिकलपुरनारी॥सबमिलिदेहिमहीपन
गारी॥तेहिअवसरसुनिशिवधनुभंगा॥आएउभृगुकुलकमलपतं-
गा॥देखिमहीपसकलसकुचाने॥बाजरुपटजनुलवालुकाने॥गौरश
रीरभूतिभलिभ्राजा॥भालविशालत्रिपुंडविराजा॥शीशजटाशशि
वदनसुहावा॥रिसिवसकछुकअरुणहोइआवा॥भृकुटीकुटिलन
यनरिसिराते॥सहजहिंचितवतमनहुरिसाते॥वृषभकंधउरबाहु
विशाला॥चारुजनेउमालमृगछाला॥कटिमुनिबसनतूणदुइबांधे
॥धनुशरकरकुठारकलकांधे॥ ॥दोहा॥ ॥शांतबेषकरणीकठि
न॥बरणिनजाइस्वरूप॥धरिमुनीतनुबीररस॥आएउजहसब
भूप॥३३५॥ ॥चौपाई॥ ॥देखतभृगुपतिबेषकराला॥उठेस
कलभयबिकलभुआला॥पितासमेतकहिकहिनिजनामा॥लगेकर
णसबदंडप्रणामा॥जेहिसुभावचितवहिंहितजानी॥सोजानैज-
नुआयुखुटानी॥जनकबहोरिआईशिरनावा॥सीयबुलाइप्रणाम-

करावा॥ आशिषदीन्हसखीहरषानी॥ निजसमाजलैगईसयानी॥
विश्वामित्रमिलेपुनिआई॥ पदसरोजमेलेदोउभाई॥ रामलषणदशर
थकेढोटा॥ दीन्हअशीसजानिभलजोटा॥ रामहिंचितयरहेथकिलोचन
॥ रूपअपारमारमदमोचन॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिबिलोकिबिदेहसन॥
कहहुकहाअतिभीर॥ पूछतजानअजानजिमि॥ व्यापेउकोपशरीर॥
३३६॥ ॥चौपाई॥ ॥समाचारकहिजनकसुनाए॥ जेहिकारणमहीपस
बआए॥ सुनतबचनफिरिअनतनिहारे॥ देखेचापखंडमहिडारे॥ अ
तिरिसबोलेबचनकठोरा॥ कहुजडजनकधनुषकेहितोरा॥ वेगिदेखाउमू
ढनतुआजू॥ उलटौंमहीहलगितवराजू॥ अतिडरउत्तरदेतनृपनाहीं॥
कुटिलभूपहरषेमनमाहीं॥ सुरमुनिनागनगरनरनारी॥ शोचहिंसकल
त्रासउरभारी॥ मनपछितातिसीयमहतारी॥ विधिसंवारिसबबातबि
गारी॥ भृगुपतिकरसुभावसुनिसीता॥ अर्द्धनिमेषकल्पसमवीता॥
दोहा॥ ॥सभयविलोकेलोगसब॥ जानिजानकीभीरु॥ हृदयनहर्ष
विषादकछु॥ बोलेश्रीरघुवीरु॥ ३३७॥ चौपाई॥ नाथशंभुधनुभंजनहारा
॥ होइहिकोउएकदासतुह्मारा॥ आयसुकहाकहियकिनमोही॥ सुनि
रिसायबोलेमुनिकोही॥ सेवकसोजुकरैसेवकाई॥ अरिकरुणीकरि
करियलराई॥ सुनहुरामजेहिशिवधनुतोरा॥ सहसबाहुसमसोरि
पुमोरा॥ सोविलगाऊबिहाइसमाजा॥ नतुमारेजैहैंसबराजा॥ सुनि
मुनिबचनलषणमुसुकाने॥ बोलेपरशुधरहिंअवमाने॥ बहुधनुहींतो
रीलरिकाई॥ कबहुनअसरिसकीन्हिगोसांई॥ इहिधनुपरममताके
हिंहेतू॥ सुनिरिसायकहभृगुकुलकेतू॥ दोहा॥ रेनृपबालककालबस
॥ बोलतनोहिंनसंभार॥ धनुहीसमत्रिपुरारिधनु॥ बिदितसकलसंसार
॥ ३३८॥ ॥चौपाई॥ ॥लषणकहिहंसिहमरेजाना॥ सुनहुदेवसबध
नुपसमाना॥ कासतिलाभजीर्णधनुतोरे॥ देखारामनयनकेभोरे॥ छुवत

टूटरघुपतिहिनदोषू॥मुनिबिनुकाजकरियकतरोषू॥बोलेचितइपर
शुकीश्रोरा॥रेशठसुननेसिसुभाउनमोरा॥बालकजानिवधौंनहिंतोही
॥केवलमुनिजडजानेसिमोही॥बालब्रह्मचारीश्रतिकोही॥बिश्वविदि
तक्षत्रीकुलद्रोही॥भुजबलभूमिभूपबिनुकीन्ही॥बिपुलवारमहिदेवनदी
न्ही॥सहसबाहुभुजछेदनहारा॥परशुबिलोकुमहीपकुमारा॥दोहा॥



मातुपितहिंजनिशोचबश॥करसिमहीपकिशोर॥गर्भनकेश्रर्भकद
लनपरशुमोरश्रतिघोर॥२३९॥ ॥चौपाई॥ ॥बिहंसिलषणबोले
मृदुवानी॥श्रहोमुनीशमहाभटमानी॥पुनिपुनिमोहिदेखावकुठारा
॥चेहतउडावनफूंकपहारा॥इहांकह्मडवतीयाकोउनाही॥जोतर्जनीदे
खिमरिजाही॥देखिकुठारशरासनबाना॥मैंकछुकहासहितश्रभिमा
ना॥भृगुकुलसमुझिजनेउबिलोकि॥जोकछुकहहुसहौंरिसरोकी॥
सुरमहिसुरहरिजनश्ररुगाई॥हमरेकुलइन्हपरनसुहाई॥बधेपाप
श्रपकीरतिहारे॥मारतहुपामरियतुह्मारे॥कोटिकुलिशसमबचनतुम्हा
रा॥व्यर्थधरहुधनुबाणकुठारा॥ ॥दोहा॥ ॥जोबिलोकिश्रनुचितक

हेउं॥क्षमहुमहामुनिधीर॥सुनिसरोषभृगुवंशमणि॥बोलेगिरागंभी
र॥३४०॥चौपाई॥कौशिकसुनहुमंदयहबालक॥कुटिलकालबशनिज
कुलघालक॥भानुवंशराकेशकलंकू॥निपटनिरंकुशअबुधअशंकू॥का
लकवलहोइहिंक्षणमाहीं॥कहौंपुकारीखोरिमोहिनाहीं॥तुमहटकहु
जोचहहुउबारा॥कहिप्रतापबलरोषहमारा॥लषणकहेउमुनिसुयशतु
ह्मारा॥तुमहिंअछतकोबरणैपारा॥अपनेमुखतुमआपनिकरणी॥
बारअनेकभांतिबहुबरणी॥नहिंसंतोषतोपुनिकछुकहहू॥जनिरिसरो
किदुसहदुखसहहू॥वीरव्रतीतुमधीरअक्षोभा॥गौरीदेतनपावहुशो
भा॥ ॥दोहा॥ ॥शूरसमरकरणीकरहिं॥कहिनजनावहिंआपु॥वि
द्यमानरणपाइरिपु॥कायरकथहिंप्रतापू॥३४१॥ ॥चौपाई॥ ॥तुमतौ
कालहांकिजनुलावा॥बारबारमोहिलागिबुलावा॥सुनतलषणकेबचन
कठोरा॥परशुसुधारिधरेउकरघोरा॥अबजनिदेइदोषमोहिलोगू॥
कटुवादीबालकवधयोगू॥बालविलोकिबहुतमैंवाचा॥अबयहमरण
हारेभासाचा॥कौशिककहाक्षमियअपराधू॥बालकदोषगुणगणहिं
नसाधू॥करकुठारमैंअकरणकोही॥आगेअपराधीगुरुद्रोही॥उत्तर
देतछांडौंबिनुमारे॥केवलकौशिकशीलतुह्मारे॥नतुएहिकाटिकुठार
कठोरे॥गुरुहिउरिणहोतेउश्रमथोरे॥ ॥दोहा॥ ॥गाधिसूनुकह
हृदयहँसि॥मुनिहिंहरेहरेसूझ॥अजगवखंडेउऊखजिमि॥अजहुँन
बूझअबूझ॥३४२॥ ॥चौपाई॥ ॥कहेउलषणमुनिशीलतुह्मारा॥को
नहिंजानविदितसंसारा॥मातुहिपितुहिउरिणभएनीके॥गुरुऋणर
हाशोचबडजीके॥सोजनुहमरेहिमाथेकाढा॥दिनचलिगएब्याजबहु
बाढा॥अबआनियव्यवहरियाबोली॥तुरतदेउँमैंथैलीखोली॥सुनिक
टुबचनकुठारसुधारा॥हाहाकहिसबलोगपुकारा॥भृगुवरपरशुदेखा
वहुमोही॥बिप्रबिचारिबचौंनृपद्रोही॥मिलेनकबहुंसुभटरणगाढे॥

द्विजदेवताधरहिंकेबादे॥अनुचितकहिसबलोगपुकारे॥रघुपतिसय
नहिलषननिवारे॥ ॥दोहा॥ ॥लषणउत्तरआहुतिसरिस॥भृगुप-
तिकोपकृशानु॥बढतदेखिजलसमबचन॥बोलेरघुकुलभानु॥३४३
॥चौपाई॥ ॥नाथकरहुबालकपरछोहू॥शूद्धदूधमुखकरियनकोहू॥जौंपैप्रभुप्रभावकछुजाना॥तौकिबराबरकरतअजाना॥जौलरिकाकछुअनुचितकरहीं॥गुरुपितुमातुमोदमनभरहीं॥करियकृपाशिशुसेवकजानी॥तुमसमशीलधीरमुनिज्ञानी॥रामबचनसुनिकछुकजुडाने॥कहिकछुलषणबहुरिमुसकाने॥हंसतदेखिनखशिखरिसब्यापी॥रामतोरभ्राताबडपापी॥गौरशरीरश्याममनमांहीं॥कालकूटमुखपयमुखनाहीं॥सहजटेढअनुहरैनतोही॥नीचमीचुसमदेखतमोही॥ ॥दोहा॥ ॥लषणकहेउहसिसुनहुमुनि॥क्रोधपापकरमूल॥जेहिबशजनअनुचितकरहीं॥परहिंविश्वप्रतिकूला॥३४४॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥मैंतुह्मारअनुचरमुनिराया॥परिहरिकोपकरियअबदाया॥टूटचापनहिजुरहिरिसाने॥बैठियहोंइहैंपायपिराने॥जौंअतिप्रियतौंकरियउपाई॥जोरियकोउबडगुणीबुलाई॥बोलतलषणहिंजनकडेरांहीं॥मुष्टकरहुअनुचितभलनाहीं॥थरथरकांपहींपुरनरनारी॥छोटकुमारखोटअतिभारी॥भृगुपतिसुनिनिर्भयबानी॥रिसतनुजरैहोइबलहानी॥बोलेरामहिंदेइनिहोरा॥बचौंबिचारिबंधुलघुतोरा॥मनमलीनतनुसुंदरकैसें॥विषरसभराकनकघटजैसें॥ ॥दोहा॥ ॥सुनिलक्ष्मणबिहंसेबहुरि॥नयनतरेरेराम॥गुरुसमीपगवनेसकुचि॥परिहरिवाणीवाम॥३४५॥ ॥चौपाई॥ ॥अतिविनीतमृदुशीतलबाणी॥बोलेरामजोरियुगपाणी॥सुनहुनाथतुमसहजसुजाना॥बालकवचनकरियनहिंकाना॥बरैबालकएकसुभाऊ॥इनहिंनसंतविदूषहिंकाहू॥तिन्हनाहींकछुकाजबिगारा॥अपराधीमैं

नाथतुम्हारा॥ कृपाकोपबधबंधगोसाई॥ मोपरिकरियदासकीनाई॥ कहियबेगिजेहिबिधिरिसजाई॥ मुनिनायकसोइकरियउपाई॥ कहमुनिरामजाइरिसकेसें॥ अजहुअनुजतवचितवअनैसें॥ एहिकेकंठकुठारनदीन्हा॥ तोमैकहाकोपकरिकीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥गर्भस्रवहिंअवनिपरमणि॥ सुनिकुठारगतिघोर॥ परशुअछतदेखौंजियत॥ बैरीभूपकिशोर॥ २४६॥ ॥चौपाई॥ ॥बहैनहाथदहीरिसछाती॥ भाकुठारकुंठितनृपघाती॥ भएउबामबिधिफिरेउसुभाऊ॥ गोरेहृदयकृपाकसकाऊ॥ आजुदयुदुखदुसहसहावा॥ सुनिसौमित्रिबिहंसिशिरनावा॥ वाउकृपामूरतिअनुकूला॥ बोलतबचनझरतजनफूला॥ जौंअसकृपाजरैमुनिगाता॥ क्रोधभएतनुराखविधाता॥ देखुजनककहठिबालकएहू॥ कीन्हचहतजडयमपुरगेहू॥ वेगिकरहुकिनआंखिनओटा॥ देखतछोटखोटनृपढोटा॥ विहंसेलषणकहामुनिपाहीं॥ मुंदियआंखिकतहुकोउनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥परशुरामतबरामप्रति॥ बोलेवचनसक्रोध॥ शंभुसरासनतोरिशठ॥ करसिहमारप्रबोध॥ २४७॥ ॥चौपाई॥ ॥बधुकहैकटुसंमततोरे॥ तूछलविनयकरसिकरजोरे॥ करुपरितोषमोरसंग्रामा॥ नाहितछांडुकहाउवरामा॥ छलतजिकरहुसमरशिवद्रोही॥ बंधुसहिततनुमारौंतोही॥ भृगुपतिकहहिंकुठारउठाए॥ मनमुसुकाहिंरामशिरनाए॥ गुणहुलषणकरहमपररोषू॥ कतहुसुधाईहुतेबडदोषू॥ टेढजानिशंकासबकाहू॥ वक्रचंद्रमहिग्रसैनराहू॥ रामकहेउरिसतजियमुनीशा॥ करकुठारआगेयहशीसा॥ जेहिंरिसिजाइकरियसोइस्वामी॥ मोहिजानिआपनअनुगामी॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुसेवकहिंसमरकस॥ तजहुविप्रवररोष॥ वेषविलोकिकहेसिकछुबालकहूनहिंदोष॥ २४८॥ चौपाई॥ देखिकुठारबाणधनुधारी॥ भईलरिकहिंरिसिबीरविचारी॥ नामजा

नपैतुमहिनचीन्हा॥वंशस्वभावउत्तरतेहिंदीन्हा॥जोतुमअवतेहुमु
निकीनाई॥पदरजशिरशिशुधरतगोसाई॥क्षमहुचूकअनजानतके
री॥चहियविप्रउरकृपाघनेरी॥हमहितुमहिसरबरिकसनाथा॥कह
हुतोकहांचरणकहमाथा॥राममात्रलघुनामहमारा॥परशुसहितबड
नामतुम्हारा॥देवएकगुणधनुषहमारे॥नवगुणपरमपुनीतहमारे॥
सबप्रकारहमतुमसनहारे॥क्षमहुविप्रअपराधहमारे॥दोहा॥बारबा
रमुनिविप्रवर॥कहारामसनराम॥बोलेभृगुपतिसरुषहोइ॥तुहूंबंधु
समबाम॥३४९॥चौपाई॥निपटहिंद्विजकरिजानासिमोही॥मैंजेस
विप्रसुनाऊंतोही॥चापस्रुवाशरआहुतिजानू॥कोपमोरअतिघो
रकृशानू॥समिधसेनचतुरंगसुहाई॥महामहीपभएपशुआई॥मैं
एहिपरसुकाटिबलिदीन्हा॥समरयज्ञजगकोटिनकीन्हा॥मोरप्रभा
वविदितनहितोरे॥बोलसिनिदरिविप्रकेभोरे॥भंजेउचापदापबडबाढा
॥अहमितिमनहुंजीतिजगठाढा॥रामकहामुनिकहहुविचारी॥रिसि
अतिवडीलघुचूकहमारी॥छुवतहिंटूटपिनाकपुराना॥मैंकेहिहेतु
करौंअभिमाना॥ ॥दोहा॥ ॥जोहमनिदरहिंविप्रवर॥सत्यसुनहु
भृगुनाथ॥तौअसकोजगसुभटजेहिं॥भयबशनावहिमाथ॥३५०॥
॥चौपाई॥ ॥देवदनुजभूपतिभटनाना॥समबलअधिकहोउ
बलवाना॥जोरणहमहिप्रचारहिकोउ॥लरहिंसुखेनकालकिन
होऊ॥क्षत्रियतनुधरिसमरसकाना॥कुलकलंकतेहिपामरजाना
॥कहौंस्वभावनकुलहिप्रशंसी॥कालहुंडरहिंनरणरघुवंशी॥विप्र
वंशकीअसप्रभुताई॥अभयहोइजोतुमहिंडेराई॥सुनिमृदुगूढबच
नरघुपतिके॥उघरेपटलपरशुधरमतिके॥रामरमापतिकरधनुलेहू॥
खैंचहुमोरमिटैसंदेहू॥देतचापआपुहिंचलिगएऊ॥परशुसममनबि
स्मयभएऊ॥ ॥दोहा॥ ॥जानारामप्रभावतब॥पुलकप्रफुल्लित

गात॥जोरिपागिबोलेवचन॥हृदयनप्रेमसमान॥३५१॥चौपाई॥
॥जयरघुबंशकमलबनभानू॥गहनदनुजकुलदहनकृशानू॥जय-
सुरविप्रधेनुहितकारी॥जयमदमोहकोहभ्रमहारी॥विनयशीलकरु
णागुणसागर॥जयतिबचनरचनाअतिआगर॥सेवकसुखदसुभग
सबअंगा॥जयशरीरछबिकोटिअनंगा॥करौंकहामुखएकप्रशंसा॥
जयमहेशमनमानसहंसा॥अनुचितबहुतकहेउअज्ञाना॥क्षमहुक्षम
मंदीरदोउभ्राता॥कहिजयजयजयरघुकुलकेतू॥भृगुपतिगएबनहिं
तपहेतू॥अपभयंकुटिलमहीपडेराने॥जहंतहंकायरगवहिंपराने॥
॥दोहा॥ ॥देवदीन्हीदुंदुभी॥प्रभुपरबरषहिंफूल॥हरषपुरनर
नारिसब॥मिटामोहमयशूल॥३५२॥ ॥चौपाई॥ ॥अतिगह
गहेबाजनेबाजे॥सबहिमनोहरमंगलसाजे॥यूथयूथमिलिसुमुखि-
सुनयनी॥करहिंगानकलकोकिलबयनी॥सुखबिदेहकरबरणिनजा
ई॥जन्मदरिद्रमनहुनिधिपाई॥बिगतत्रासभइसीयसुखारी॥जनु
बिधुउदयचकोरकुमारी॥जनककीन्हकौशिकहिप्रणामा॥प्रभुप्रसाद
धनुभंजेउरामा॥मोहिकृतकृत्यकीन्हदुहुंभाई॥अवजोउचितसोकहिय
गोसांई॥कहमुनिसुनुनरनाथप्रवीना॥रहाविवाहचापआधीना॥टूट
तहींधनुभएऊबिबाहू॥सुरनरनागविदितसबकाहू॥ ॥दोहा॥
॥ ॥तदपिजाइतुमकरहुअब॥यथावंशब्यवहार॥बूझिविप्रकुल
वृद्धगुरु॥वेदविदितआचार॥३५३॥ ॥चौपाई॥ ॥दूतअ
वधपुरपठबहुजाई॥आनहिंनृपदशरथहिबुलाई॥मुदितराउकहि
भलेहिकृपाला॥पठएदूतबोलितिहिकाला॥बहुरिमहाजनसकलबु
लाए॥आइसबहिसादरशिरनाए॥हाटबाटमंदिरसुरवासा॥नगर
संवारहुचारिहुपाशा॥हरषिचलेनिजनिजगृहआए॥पुनिपरिचार-
कबोलिपठाए॥रचहुविचित्रवितानबनाई॥शिरधरिवचनचलेसचु

पाई॥पठएबोलिगुणीतिन्हनाना॥जेवितानविधिकुशलसुजाना॥
विधिहिबंदितिन्हकीन्हअरंभा॥विरचेकनककदलिकेखंभा॥ ॥दोहा
॥हरितमणिनकेपत्रफल॥पद्मरागकेफूल॥रचनादेखिविचित्रअति॥
मुनिविरंचिकरभूल॥३५४॥ ॥चौपाई॥ ॥वेणुहरितमणिमयसब
कीन्हे॥सरलसपर्णपरहिंनहिंचीन्हे॥कनककलितअहिबेलिबनाई॥
लखिनहिपरैसपर्णसुहाई॥तेहिकेरचिपचिबंधबनाए॥बिचबिचमु
क्तादामसुहाए॥माणिकमरकतकुलिशपरोजा॥चीरकोरपचिरचे
सरोजा॥किएभृंगबहुरंगबिहंगा॥गुंजहिंकूजहिंपवनप्रसंगा॥सुरप्र
तिमाखंभनगढिकाढी॥मंगलद्रव्यलिएसबठाढी॥चौकेंभांतिअनेकपु
राई॥सिंदुरमणिमयसहजसुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥सौरभपल्लवसु
भगसुठि॥किएनीलमणिकोर॥हेममोरमरकतधवरि॥लसतपाटमय
डोर॥३५५॥ ॥चौपाई॥ ॥वेणुहरितमणिमयसबकीन्हे॥सरल
सपर्णकरहिंनहिंचीन्हे॥कनककलितअहिबेलिबनाई॥लखिनहिप
रैसपर्नसुहाई॥तेहिकेरचिपचिबंधबनाए॥बिचबिचमुक्तादामसु
हाए॥माणिकमरकतकुलिशपराजा॥चीरकोरिपचिरचेसरोजा॥
किएभृंगबहुरंगाबिहंगा॥गुंजहिंकूजहिंपवनप्रसंगा॥सुरप्रतिमाखं
भनगढिकाढी॥मंगलद्रव्यलिएसबठाढी॥चौकेंभांतिअनेकपुराई॥
सिंदुरमणिमयसहजसुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥सौरभपल्लवसुभगसुठि
॥किएनीलमणिकोर॥हेममोरमरकतघवरि॥लसतपाटमयडोर॥
॥३५६॥ ॥चौपाई॥ ॥रचेरुचिरबंदनवरवारे॥मनहुमनोभ
वफंदसंवारे॥मंगलकलशअनेकबनाए॥ध्वजपताकपटचमरसुहा
ए॥दीपमनोहरमणिमयनाना॥जाइनबरणिविचित्रविताना॥जेहि
मंडपदुलहिनिबैदेही॥सोवरणैअसमतिकविकेही॥दुलहुरामरूप
गुणसागर॥सोवितानतिहुंलोकउजागर॥जनकभवनकैशोभाजैसी

गृहगृहप्रतिपुरदेखियतैसी॥ जेतिरहांतिनेहिसमयानिहारी॥नेहिं लघुलहहिभुवनदशचारी॥जोसुसंपदानीचगृहसोहा॥सोविलोकिसुर नायकमोहा॥ ॥दोहा॥ ॥बसैनगरजेहिलक्ष्मिकरि॥कपटनारिवर वेष॥तेहिपुरकीशोभाकहब॥सकुचैसारदशेष॥३५७॥ ॥चौपाई॥ पहुंचेदूतरामपुरपावन॥हरषेनगरविलोकिसुहावन॥भूपद्वारतिन्ह सवरिजेनाई॥दशरथनृपसुनिलिएबुलाई॥करिप्रणामतिन्हपातीदी न्हीं॥मुदीतमहीपआपुउठिलीन्ही॥वारिविलोचनवाचतपाती॥पुल कगातआईभरिछाती॥रामलषणकेकरबरचीठी॥रहिगएकहत नखाटीमीठी॥पुनिधरिधीरपत्रिकावांची॥हरषीसभाबातसुनिसांची ॥खेलतरहैंनहांसुधिपाई॥आएभरथसहितहीभाई॥पूछतअति सनेहसकुचाई॥तातकहांतेंपातीआई॥ ॥दोहा॥ ॥कुशलप्राण प्रियबधुदोउ॥अहहिंकहहुकेहिदेश॥सुनिसनेहसानेबचन॥बांची बहुरिनरेश॥३५८॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिपातिपुलकेदोउभ्राता ॥अधिकसनेहसमातनगाता॥प्रीतिपुनीतभरतकीदेषी॥सकलस- भासुखलहेउविशेषी॥तबनृपदूतनिकटबैठारे॥मधुरमनोहरबचन उचारे॥भैयाकहहुकुशलदोउबारे॥तुमनीकेनिजनयननिहारे॥श्याम लगौरधरैधनुभाथा॥वयकिशोरकौशिकमुनिसाथा॥पहिचानहुतौक हहुसुभाऊ॥प्रेमविवशपुनिपुनिकहराऊ॥जादिनतेमुनिगणलिवाई ॥तबतेआजुसांचिसुधिपाई॥कहहुविदेहकवनविधिजाने॥सुनिप्रि यबचनदूतमुसुकाने॥ ॥दोहा॥ ॥सुनहुमहीपतिमुकुटमणि॥ तुमसमधन्यनकोउ॥रामलषणजिनकेतनय॥विश्वविभूषणदोऊ॥ ॥३५९॥ ॥चौपाई॥ ॥पूछनयोगनतनयतुह्मारे॥पुरुषसिंह तिहुपुरउजियारे॥जिनकेयशप्रतापकेआगे॥शशीमलीनरविशीत ललागे॥तिनकहंकहियनाथकिमिचीन्हे॥देखियरविकिदीपकरलीन्हे

सीयस्वयंवरभूपअनेका॥समिटेसुभटएकतेंएका॥शंभुशरासन काहुनटारा॥हारेसकलभूपबरियारा॥तीनिलोकमहंजेभटमानी॥ सबकीशक्तिशंभुधनुभानी॥शकैउठाइसुरासुरमेरू॥सोउहियहारि गएउकरिफेरू॥जेहिकौतुकशिवशैलउठावा॥सोउतेहिंसभापराभव पावा॥ ॥दोहा॥ ॥तहांरामरघुवंशमणि॥सुनियमहामहिपा ल॥भंजेउचापप्रयासबिनु॥जिमिगजपंकजनाल॥२६०॥ ॥चौ पाई॥ ॥सुनिसरोषभृगुनायकआए॥बहुतभांतितिनआंखि देखाए॥देखिरामबलनिजधनुदीन्हा॥करिबहुबिनयगवनवनकीन्हा ॥राजतरामअतुलबलजैसे॥तेजनिधानलषणपुनितैसे॥कंपहिंभूप बिलोकतजाके॥जिमिगजहरिकिशोरकेताके॥देवदेखितबबालक दोऊ॥अवनिआंखिनरआवनकोऊ॥दूतबचनरचनाप्रियलागी॥ प्रेमप्रतापवीररसपागी॥सभासमेतराउअनुरागे॥दूतहिंदेननि- छावरिलागे॥कहिअनीतितेमूदहिकाना॥धर्मबिचारिसबहिंसुख माना॥ ॥दोहा॥ ॥तबउठिभूपवसिष्ठकहं॥दीनपत्रिकाजाइ ॥कथासुनाइगुरुहिंसब॥सादरदूतबुलाइ॥२६१॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिबोलेमुनिअतिसुखपाई॥पुण्यपुरुषकहंमहिसुखछाई॥ जिमिसरितासागरमहंजाइहीं॥यद्यपितहिकामनानाहीं॥तिमिसु खसम्पत्तिबिनहिबुलाए॥धर्मशीलपहंजाहिसुहाए॥तुमगुरुविप्रधे नुसुरसेवी॥तसपुनीतकौसल्यादेवी॥सुकृतीतुमसमानजगमाहीं ॥भएउनहैकोउहोनेउनाहीं॥तुमतेंअधिकपुण्यबडकाके॥राजरा मसरिससुतजाके॥बीरबिनीतधर्मब्रतधारी॥गुणसागरबालकवर चारी॥तुमकहंसर्वकालकल्याना॥सजहुवरातबजाइनिसाना॥ ॥दोहा॥ ॥चलेउबेगिसुनिगुरुबचन॥भलेइनाथशिरनाई॥भूप तिगवनेभवनतब॥दूतनवासदिवाइ॥२६२॥ ॥चौपाई॥ ॥

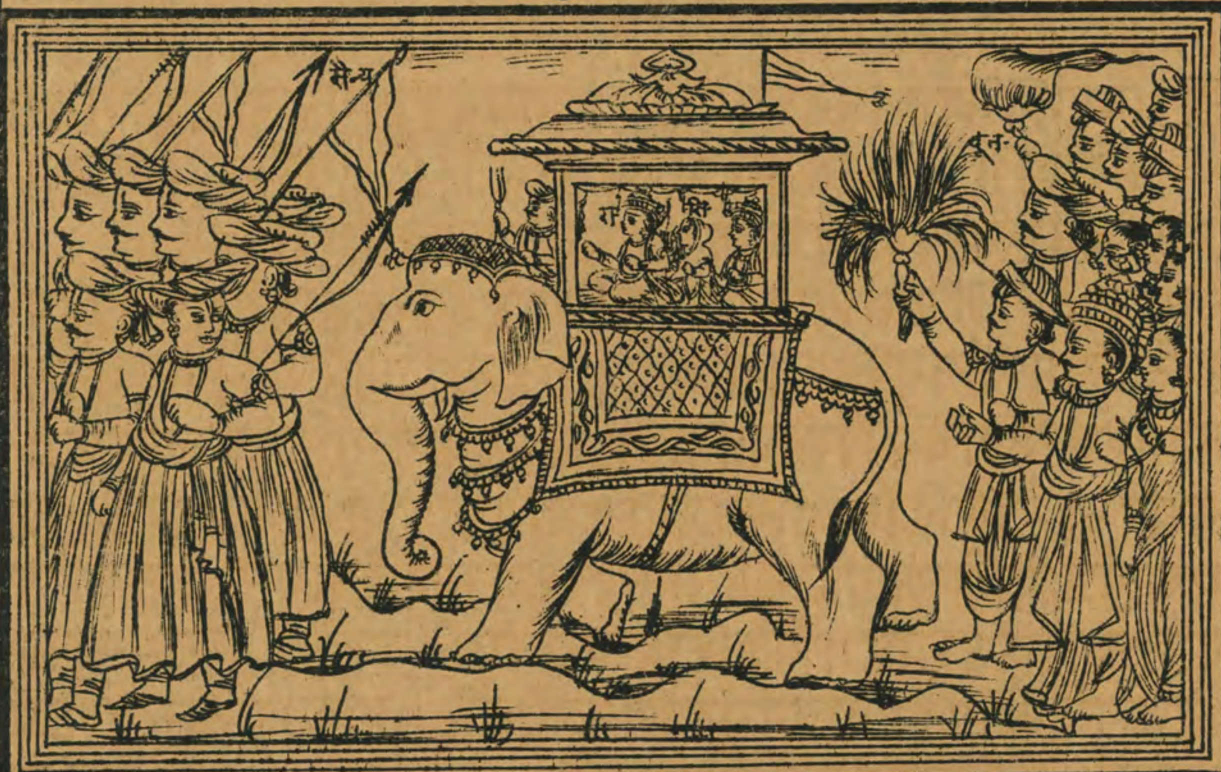
राजासवरनिवासबुलाई॥जनकपत्रिकाबाचिसुनाई॥ सुनिसंदेश
सकलहरषानी॥अपरकथासबभूपबखानी॥ प्रेमप्रफुल्लितराजा
राणी॥ मनहुंशिखिनसुनिबारिदवाणी॥मुदितआशीसदेहिं



गुरुनारी॥अतिआनंदमगनमहतारी॥लेहिंपरस्परअतिप्रियपानी
॥हृदयलगाइजुडावहिंछाती॥रामलषणकीकीरतिकरणी॥बार
हिंबारभूपवरबरणी॥मुनिप्रसादकहिद्वारसिधाए॥ रानिनतबम
हिदेवबुलाए॥ दिएदानआनंदसमेता॥चलेविप्रवरआशिषदेता॥
॥सोरठा॥ ॥याचकलियेहंकारि॥दीन्हनिछावरिकोटिविधि॥
चिरजीवहुसुतचारि॥चक्रवर्त्तिदशरथ्थके॥ ३६३॥ ॥चौपाई॥
॥कहतचलेपहिरेपटनाना॥हरषिहनेगहगहेनिसाना॥समाचार
सबलोगनपाए॥लागेघरघरहोनबधाए॥भुवनचारिदशभरेउउछा
हू॥जनकसुतारघुवीरविवाहू॥सुनिशुभकथालोगअनुरागे॥म
गगृहगलीसंवारनलागे॥यद्यपिअवधसदैवसुहावनि॥ राममपुरीमं
गलमयपावनि॥तदपिप्रीतिकीरीतिसुहाए॥ मंगलरचनारचीव

नाए॥ध्वजपताकपटचामरचारू॥छावापरमविचित्रबजारू॥कन
ककलशतोरणमणिजाला॥हरददूबदधिअक्षतमाला॥ ॥दोहा
॥मंगलमयनिजनिजभवन॥लोगनरचेबनाइ॥वीथींसींचीचतुर
सम॥चौकेंचारुपुराइ॥३६४॥ ॥चौपाई॥ ॥जहँतहँयूथयू
थमिलिभामिनि॥सजिनवसप्तसकलद्युतिदामिनि॥विधुबदनीमृग
शावकलोचनि॥निजस्वरूपरतिमानविमोचनि॥गावहिंमंगलमंजु
लवानी॥सुनिकलरवकलकंठलजानी॥भूपभवनकिमिजाइबखा
ना॥विश्वविमोहनरचेउविताना॥मंगलद्रव्यमनोहरनाना॥राज
तबाजतविपुलनिसाना॥कतहुँविरदबंदीउच्चरहीं॥कतहुँवेदध्व-
निभूसुरकरहीं॥गावहिंसुंदरिमंगलगीता॥लैलैनामरामअरुसी
ता॥बहुतउछाहभवनअतिथोरा॥मानहुँउमगिचलाचहुँओरा॥
॥दोहा॥ ॥शोभादशरथभवनकी॥कोकविवरणैपार॥
जहांसकलसुरशीर्षमणि॥रामलीन्हअवतार॥३६५॥ ॥
चौपाई॥ ॥बांधेविशदवीररणगाढे॥निकसीभयेपुरबाहिर
ठाढे॥फेरहिंचतुरतुरंगगतिनाना॥हरषहिंध्वनिसुनिपणवनिसा
ना॥रथसारथिनविचित्रबनाए॥ध्वजपताकमणिभूषणलाए॥
चमरचारुकिंकिणिध्वनिकरहीं॥भानुयानशोभाअपहरहीं॥श्या
मकर्णअगणितहयहोते॥तेतिन्हरथनसारथिनजोते॥सुंदरस
कलअलंकृतसोहे॥निजहिंबिलोकतमुनिमनमोहे॥जेजलचल-
हिंथलहिंकीनाईं॥टापनबूडवेगअधिकाई॥अस्त्रशस्त्रसबसाज
सजाई॥रथीसारथिनलियेबोलाई॥ ॥दोहा॥ ॥चढिचढिर
थबाहिरनगर॥लागीजुरनबरात॥होतसगुणसुंदरसबहिं॥जो
जेहिंकारजजात॥३६६॥ ॥चौपाई॥ ॥कलितकलीबरनिध
रीअवारी॥कहिनजाइजेहिंभांतिसंवारी॥चलेमत्तगजघंटविराजे॥

मनहुंसभगश्रावणघनगाजे ॥वाहनश्रपरश्रनेकविधाना॥शिबि
कासुभगसुखासनयाना॥तिनचढिचलेविप्रवरवृंदा॥जनुतनुध
रैसकलश्रुतिछंदा॥मागधसूतबंदिगुणगायक॥चलेयानचढिजे
जेहिलायक॥वेसरउंठवृषभबहुजाती॥चलेवस्तुश्रगणितबहुभां
ती॥कोटिन्हकावरिचलेकहारा॥विविधवस्तुकोबरणैपारा॥चले
सकलसेवकसमुदाई॥निजनिजसाजसमाजबनाई॥ ॥दोहा॥
सबकेउरनिर्भरहरष॥पूरितपुलकशरीर॥कबहिंदेखिहैंनयनभरि
॥रामलषणदोउबीर॥३६७॥ ॥चौपाई॥ ॥गरजहिंगजघंटाध्व
निघोरा॥रथवरवाजिहीसचहुंश्रोरा॥निदरिघमहिंघूमहींनिसाना



॥निजपराजयकछुसुनियनकाना॥महाभीरभूपतिकेद्वारे॥रज
होइजाइपखानपवोरे॥चढीश्रटारिनदेखहिंनारी॥लिएश्रारतीमंग
लथारी॥गावहिंगीतमनोहरनाना॥श्रतिश्रानंदनहिजाइवषाना॥न

बसुमंत दुइ स्यंदन साजी॥ जोते रवि हय निंदक बाजी॥ दोउ रथ रु
चिर भूप पहँ आने॥ नहि शारद पति जाहि बखाने॥ राज समाज एक र
थ साजा॥ दुसर तेज पुंज अति भ्राजा॥ ॥दोहा॥ ॥तेहि रथ रुचिर
वसिष्ठ कह॥ हरषि चढाइ नरेश॥ आपचढे उ स्यंदन सुमिरि॥ हर गुरु गौ
रि गणेश॥ ३६८॥ ॥चौपाई॥ सहित वसिष्ठ सोह नृप कैसें॥ सुरगुरु
संग पुरंदर जैसें॥ करि कुल रीति बेद बिधि राऊ॥ देखि सबहिं सब भांति
बनाऊ॥ सुमिरि राम गुरु आयसु पाई॥ चले महीपति शंख बजाई॥
हर्षे विबुध बिलोकि बराता॥ बरषहिं सुमन सु मंगल दाता॥ भए उ को
लाहल हय गज गाजे॥ व्योम बरात बाजने बाजे॥ सुर नर नारि सुमंगल
गाई॥ सरस राग बाजहिं सहनाई॥ घंट घंटि ध्वनि बरणि न जाई॥ सर
व करहिं पायक फहराई॥ करहिं विदूषक कौतुक नाना॥ हँस कुशल
कल गान सुजाना॥ ॥दोहा॥ ॥तुरग नचावहिं कुंअर वर॥ अ
किन मृदंग निसान॥ नागर नट चितवहिं चकित॥ डिगहिं न ताल बं
धान॥ ३६९॥ ॥चौपाई॥ ॥बनै न बरणत बनी बराता॥ होइ सगु
ण सुंदर शुभ दाता॥ चारु चाषु बाम दिशि लेई॥ मनहु सकल
मंगल कहि देई॥ दाहिन काग सुखेत सुहावा॥ नकुल दरश सब का
हून पावा॥ सानुकूल वह त्रिविधि बयारी॥ सघट सबाल आव बरना
री॥ लोवा फिरि फिरि दरश दिखावा॥ सुरभी संमुख शिशुहि पिआ
वा॥ मृगमाला दाहिन फिरि आई॥ मंगल गण जनु दीन्ह दिखाई॥
क्षेमकरी कह क्षेम विशेषी॥ श्यामा बाम सुतरु पर देषी॥ संमुख आ
यउ दधि अरु मीना॥ कर पुस्तक दुइ विप्र प्रवीना॥ ॥दोहा॥ ॥
मंगलमय कल्याणमय॥ अभिमत फल दातार॥ जनु सब सांचे होन
हित॥ भए शगुण एक वार॥ ३७०॥ ॥चौपाई॥ ॥मंगल स
गुण सुगम सुभ ताके॥ सगुण ब्रह्म सुंदर सुत जाके॥ राम सरिस वा

रदुलहिनिसीता॥समधीदशरथजनकपुनीता॥ सुनिअसब्याहुशगु
णसबनाचे॥अबकीन्हेबिरंचिहमसांचे॥याहिविधिकीन्हबरातपयाना
॥हयगजगाजहिहनहिनिसाना॥आवनजानिभानुकुलकेतू॥सरिता
नजनकबधायेसेतू॥बीचबीचवरवासबनाए॥सुरपुरसरिससंपदाछा
ए॥अशनशयनवरवसनसुहाए॥पावहिसबनिजनिजमनभाए॥
नितनूतनसुखलषिअनुकूले॥सकलवरातिनमंदिरभूले॥ ॥दोहा॥
॥आवतजानिवरातवर॥सुनिगहगहेनिसान॥साजिगजरथपद
चतुरग॥लैनचलेअगवान॥३७१॥ ॥चौपाई॥ ॥कनकक
लशकोभरिकोपरथारा॥भोजनललितअनेकप्रकारा॥भरेसुधासमस
बपकवाना॥भांतिभांतिनहिजाहिबखाना॥फलअनेकवरवस्तुसुहा
ई॥हरषिभेटहितभूपपठाई॥भूषणवसनमहामणिनाना॥खगमृग
हयगजबहुबिधयाना॥मंगलसगुणसुगंधसुहाए॥बहुतभांतिमहि
पालपठाए॥दधिचिउराउपहारअपारा॥भरिभरिकांवरिचलकेहारा॥
अगवानीजबदीखवराता॥उरआनंदपुलकभरगाता॥देखिवनाबस
हितअगवाना॥मुदितवरातिनहनेनिसाना॥ ॥दोहा॥ ॥हर
षिपरस्परमिलनहित॥कछुकचलेवगमेल॥जनुआनंदसमुद्रदुइ॥
मिलतविहाइसुवेल॥३७२॥ ॥चौपाई॥ ॥बरषिसुमनसुर
सुंदरिगावहि॥मुदितदेवदुंदुभीवजावहिं॥वस्तुसकलसखीनृपआ
गे॥बिनयकीन्हतिन्हअतिअनुरागे॥प्रेमसमेतराउसबलीन्हा॥भई
वकसीसयाचकनदीन्हा॥करिपूजामान्यताबडाई॥जनवासकहंच
लेलिवाई॥बसनबिचित्रपांवडेपरहीं॥देखिधनदधनमदपरिहरहीं
॥नृपदशरथतापरपगुधरहीं॥बरषिसुमनसुरजयजयकरहीं॥ अ
तिसुंदरदीन्हेउजनवासा॥जहंसबकहंसबभांतिसुपासा॥जानीसी
यवरातपुरआई॥कछुनिजमहिमाप्रगटिनजाई॥हृदयसुमिरि

सबसिद्धिबुलाई॥भूपपहुनईकरणपठाई॥ ॥दोहा॥ ॥सिय
आयसुशिरसिद्धिधरि॥गइजहांजनवासु॥लिएसंपदासकलसुख
सुरपुरभोगविलास॥३७३॥ ॥चौपाई॥ ॥निजनिजबासविलो
किवरानी॥सुरसुखसकलसुलभसुरभांती॥विभवभेदकुछकाहु
नजाना॥सकलजनककरकरहिंबखाना॥सियमहिमारघुनायकजा
नी॥हरषेहृदयहेतुपहिचानी॥पितुआगमनसुनतदोउभाई॥हृदय
नअतिआनंदसमाई॥सकुचनकहिनशकतगुरुपाहीं॥पितुदरशन
लालचमनमाहीं॥विश्वामित्रविनयबडिदेषी॥उपजाउरसंतोषविशे
षी॥हरषिबंधुदोउहृदयलगाए॥पुलकअंगलोचनजलछाए॥चले
जहांदशरथजनवासे॥मनहुंसरोवरतकेपियासे॥ ॥दोहा॥ ॥
भूपविलोकेजबहिंमुनि॥आवतसुतनसमेत॥उठेउहरषिसुख
सिंधुमहु॥चलेथाहसीलेत॥३७४॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिहिं
दंडवतकीन्हमहीशा॥बारबारपदरजधरिशीशा॥कौशिकराउलि
येउरलाई॥कहिआशीषपूछिकुशलाई॥पुनिदंडवतकरतदोउभाई
॥देखिनृपतिउरसुखनसमाई॥सुतहियलाइदुसहदुखमेटे॥मृत
कशरीरप्राणजनुभेटे॥पुनिवसिष्ठपदशिरतिन्हनाए॥प्रेममुदितमु
निवरउरलाए॥विप्रवृंदवंदेदुहुभाई॥मनभावनिआशिषतिन्हपाई
॥भरतसहानुजकीन्हप्रणामा॥लिएउठाइलाइउरराम॥हरषेलष-
णदेखिदोउभ्राता॥मिलेप्रेमपरिपूरितगाता॥ ॥दोहा॥ ॥पुर
जनपरिजनजातिजन॥याचकमंत्रीमीत॥मिलेयथाविधिसबहिंप्रभु
॥परमकृपालुविनीत॥३७५॥ ॥चौपाई॥ ॥रामहिंदेखिबरातजुडा
नी॥प्रीतिकीरीतिनजाइवषानी॥नृपसमीपसोहहिंसुतचारी॥जनुध
नधर्मादिकतनुधारी॥सुतनसहितदशरथकहंदेषी॥मुदितनगरनर
नारिविशेषी॥सुमननबरषिसुरहनहिंनिसाना॥नाकनटीनाचहिं-

करिगाना॥शतानंदअरुविप्रसचिवगण॥मागधसूतविदुषबंदीजना॥सहितबरातराउसनमाना॥आयसमांगिफिरेअगवाना॥प्रथमबरातलगनतेआई॥तातेपुरप्रमोदअधिकाई॥ब्रह्मानंदलोगसबलहहीं॥बढउदिवसनिशिविधिसनकहहीं॥ ॥दोहा॥ ॥रामसीयशोभाअवधि॥सुकृतअवधिदोउराज॥जहंतहंपुरजनकहंहिअस॥मिलिनरनारिसमाज॥३७६॥ ॥चौपाई॥ ॥जनकसुकृतमूरतिवैदेही॥दशरथसुकृतरामधरिदेही॥इनसमकाहुनशिवआराधे॥काहुनइनसमानफलसाधे॥इनसमकोउनभएजगमाहीं॥हैनहिकतहूंहोनउनाहीं॥हमसबसकलसुकृतकीराशी॥भयेजगजन्मिजनकपुरवासी॥जिनजानकीरामछबिदेषी॥कोसुकृतीहमसारिसविशेषी॥पुनिदेखवरघुवीरबिवाहू॥लेवभलीविधिलोचनलाहू॥कहहिंपरस्परकोकिलबयनी॥यहिविवाहबडलाहुसुनयनी॥बडेभागविधिबातबनाई॥नयनअतिथिहोईउदोउभाई॥ ॥दोहा॥ ॥बारहिंबारसनेहबश॥जनकबोलाउबसीय॥लेनआइहहिंबंधुदोउ॥कोटिकामकमनीय॥३७७॥ ॥चौपाई॥ ॥विविधभांतिहोइहिंपहुनाई॥प्रियनकाहिअससासुरमाई॥तबतबरामलषणहिंनिहारी॥होइहहिंसबपुरलोगसुखारी॥सुखिजसरामलषणकरजोटा॥तैसेइभूपसंगदुइढोटा॥श्यामगौरसबअंगसुहावाए॥तेसबकहहिंदेखिजेआए॥कहाएकमैंआजुनिहारे॥जनुविरंचिनिजहाथसंवारे॥भरतरामएकहिंअनुहारी॥सहसालखिनशकहिंनरनारी॥लषणशत्रुसूदनएकरूपा॥नखशिखतेसबअंगअनूपा॥मनभावहिंमुखबरणिनजाहीं॥उपमाकहंत्रिभुवनकोउनाहीं॥ ॥छंद॥ ॥उपमानकोउकहदासतुलसीकतहुकबिकोविदकहें॥बलबिनयविद्याशीलशोभासिंधुइनसमएलहें॥७१॥पुरना

रिसकलपसारिअंचलविधिहिंवचनसुनावहीं॥ व्याहियसुचारि
उभाईएहिपुरहमसुमंगलगावहिं॥७२॥ ॥सोरठा॥ ॥कह
हिपरस्परनारी॥वारिविलोचनपुलकतनु॥सखिसबकरवपुरारि
॥पुण्यपयोनिधिभूपदोऊ॥३७८॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिविधिस
कलमनोरथकरहीं॥आनंदउमगिउमगिउरभरहीं॥जेनृपसीयस्व
यंवरआए॥देखिबंधुसबतिनसुखपाए॥कहतरामयशविशदविशा
ला॥निजनिजभवनगएमहिपाला॥गएबीतिकछुदिनयहिभांती॥प्र
मुदितपुरजनसकलवराती॥मंगलमूललगनदिनआवा॥हिमऋतु-
अगहनमाससुहावा॥मंगलमूललगनदिनआवा॥हिमऋतुअगह
नमाससुहावा॥ग्रथातिथिनखतयोगबरबायू॥लगनशोधिविधिकी
न्हविचारू॥पठयदीनिनारदसनसोई॥गनीजनककेगणकहजोई॥
सुनीसकललोगनयहवाता॥कहहिंज्योतिषीविप्रविधाता॥ ॥दोहा
॥धेनुधूलिवेलाविमल॥सकलसुमंगलमूल॥विप्रनकहेउविदेहसन॥
जानिसमयअनुकूल॥ ३७९॥चौपाई॥उपरोहितहिकहेउनरनाहा
॥अबविलंबकरकारणकाहा॥शतानंदतबसचिवबुलाए॥मंगलस
कलसाजिसबल्याए॥शंखनिसानपणवबहुबाजे॥मंगलकलशसगु
नसबसाजे॥सुभगसुआसिनिगावहिंगीता॥करहिंवेदध्वनिविप्रपु
नीता॥लेनचलेसादरयहिभांती॥गएजहांजनवासवराती॥कौशल
पतिकरदेखिसमाजू॥अतिलघुलागतिनहिसुरराजू॥भएउसमयअ
वधारियपाऊ॥यहसुनिपरानिसाननघाऊ॥गुरुहिपूछिकरिकुलविधि
राजा॥चलेसंगमुनिसाधुसमाजा॥दोहा॥भाग्यविभवअवधेशकर॥
देखिदेवब्रह्मादि॥लगेसराहनसहससुख॥जानिजन्मनिजवादि॥
३८०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुरनसुमंगलअवसरजाना॥वरषहिंसुमनब
जाइनिसाना॥शिवब्रह्मादिकविबुधवरूथा॥चढेविमाननानायूथा॥

।।प्रेमपुलकतनुहृदयउछाहू।।चलेविलोकनरामविवाहूं।देखिजनकपुरसुरअनुरागे। निजनिजलोगसबहिंलघुलागे॥ चितवहिंचकितविचित्रविताना।रचनासकलअलौकिकनाना॥नगरनारिनररूपविधाना॥सुघरसुधर्मसुशीलसुजाना॥तिनहिंदेखिसबसुरसुरनारी॥भएनखतजनुविधुउजियारी॥विधिहिंभएउआश्चर्यविशेषी॥निजकरणीकछुकतहुंनदेषी॥दोहा॥ शिवसमझाएदेवसब॥जनिआश्चर्यभुलाऊ॥हृदयविचारहुधीरधरि॥सियरघुवीरनिवासु॥ ३८१॥चौपाई॥जेहिकरनामलेतजगमाहीं॥सकलअमंगलमूलनशाहीं॥करतलहोहिंपदारथचारी॥तेसियरामकहेउकामारी॥याहिविधिशंभुसुरनसमुझावा॥पुनिआगेवरवशहुचलावा॥देवनदेखेदशरथजाना॥महामोदमनपुलकितगाता॥साधुसमाजसंगमहिदेवा॥जनुतनुधरेकरहिंसुरसेवा॥सोहतसातसुभगसुतचारी॥जनुअपवर्गसकलतनुधारी॥मरकतकनकबरणबरजोरी॥देखिसुरनभईप्रीतिनथोरी॥पुनिरामहिंविलोकिहियहर्षे॥नृपहिंसराहिसुमनतिनवर्षे॥दोहा॥रामरूपनखशिखसुभग॥बारहिंबारनिहारि॥पुलकतगातलोचनसजल॥उमासमेतपुरारि॥ ३८२॥चौपाई॥केकिकंठदुतिशामलअंगा॥तडितविनिंदकवसनसुरंगा॥ब्याहविभूषणविविधबनाए॥मंगलमयसबभांतिसुहाए॥शरदविमलविधुवदनसुहावन॥नयननवलराजीवलजावन॥सकलअलौकिकसुंदरताई॥कहिनजाईमनहीमनभाई॥बंधुमनोहरसोहहिंसंगा॥जातनचावतचपलतुरंगा॥राजकुअरबरवाजिनचावहिं॥वंशप्रशंसकबिरदसुनावहिं॥जेहितुरंगपररामविराजे॥गतिविलोकिषगनायकलाजे॥कहिनजाइसबभांतिसुहावा॥वाजिवेषजनुकामबनावा॥छंद॥जनुवाजिवेषबनाइमनसिजराममोहितअतिसोहही॥अपने-सुवयबलरूपगुणगतिसकलभावनमोहहीं॥ ७३॥जगमगितजीनज

डावजोतिस्कमोतिमणिमाणिकलगे॥ किंकीणीललामलगामललित बिलोकिस्करनरमुनिठगे॥७४॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुमानसलयलीनमन॥चलतवाजिछविपाव॥भूषितउडुगणतडितघन॥जनुबरबर्हिनचाव॥३९३॥ ॥चौपाई॥ ॥जेहिवरवाजिरामअसवारा॥तेहिंशारदहुनबरणैपारा॥शंकररामरूपअनुरागे॥नयनपचदशअतिप्रियलागे॥हरिहितसहितरामसबजोहे॥रमासमेतरमापतिमोहे॥निरषिरामछबिविधिहरषाने॥आठैनयनजानिपछिताने॥स्करसेनपउरबहुतउछाहू॥विधितेंबडेबिलोचनलाहू॥रामहिचितवस्करेशस्कजाना॥गौतमशापपरमहितमाना॥देवसकलस्करपतिहिंसिहाहीं॥आजुपुरंदरसमकोउनाहीं॥मुदितदेवगणरामहिदेषी॥नृपसमाजदुहुहर्षविशेषी॥ ॥छंद॥ ॥अतिहर्षराजसमाजदुहुदिशिदुंदुभीबाजेंहिंघनी॥वरषहिंस्कमनस्करहरषिकहिजयजयतिजयरघुकुलमनी॥७५॥इहिभांतिजानिवरातआवतबाजनेबहुबाजहिं॥रानीसुआसिनीबोलीपरिछनहेतुमंगलसाजहीं॥७६॥ ॥दोहा॥ ॥सजिआरतिअनेकबिधि॥मंगलकलशसम्हारी॥चलीमुदितपरिछनकरण॥गजगामिनिबरनारि॥३९४॥ ॥चौपाई॥ ॥विधुवदनीमृगशावकलोचनि॥सबनिजतनुछविरतिमदमोचनि॥पहिरेंवरणबरणवरचीरा॥सकलविभूषणसजेशरीरा॥सकलस्कमंगलअंगबनाए॥करहिंगानकलकंठलजाए॥कंकणकिंकिणीनुपूरबाजहिं॥चालुबिलोकिकामगजलाजहिं॥बाजहिंबाजनविविधप्रकारा॥नभअरुनगरसुमंगलचारा॥शशीशारदारमाभवानी॥जेसुरतियशुचिसहजसयानी॥कपटनारिवरवेषबनाई॥मिलीसकलरनिवासहिआई॥करहिंगानकलमंगलवानी॥हरषविवशसबकाहुनजानी॥ ॥छंद॥ ॥कोजानेकेहिआनंदवशसबब्रह्मवरपरिछनचली॥कलगानमधुरनिसानवरषहिंसुम

नसुरशोभाभली॥७७॥आनंदकंदविलोकिदूलहसकलहियहर्षितभई
अंभोजअंबकअंबुउमगिसुअंगपुलकावलिछई॥ ७८॥ ॥दोहा॥
॥जोसुखभासियमादुमन॥देखिरामबरवेष॥सोनशकहिंकहि
कल्पशत॥सहसशारदाशेष॥३५८॥ ॥चौपाई॥ ॥नयननी
रहठिमंगलजानी॥परिछनकरहिंमुदितमनरानी॥देवविहितअरुकु
लव्यवहारू॥कीन्हभलीविधिसबपरिचारू॥पंचशब्दध्वनिमंगलगा
ना॥पटपांबडेपरहिंबिधिनाना॥करिआरतीअर्धतिनदीन्हा॥रामग
वनमंडपतबकीन्हा॥दशरथसहितसमाजविराजे॥विभवविलोकि-
लोकपतिलाजे॥समयसमयसुरवर्षहिफूला॥शांतिपढहिंमहिसुरअ
नुकूला॥नभअरुनगरकोलाहलहोई॥आपनपरकछुसुनैनकोई॥इ
हिबिधिरामंडपहिंआए॥अर्धदेइआसनबैठाए॥ ॥छंद॥ ॥
बैठारिआसनआरतिकरिनिरखिवरसुखपावहीं॥मणिवसनभूषण
भूरिबारहिंनारिमंगलगावहीं॥७९॥ब्रह्मादिसुरवरविप्रवेषबनाइकौ
तुकदेखही॥अवलोकिरघुकुलकमलरविछविसुफलजीवनलेखहीं॥
८०॥ ॥दोहा॥ ॥नाउबारिभाटनट॥रामनिछावरिपाइ॥मुदित
अशीसहिंनाइशिर॥हर्षनहृदयसमाइ॥३५९॥ ॥चौपाई॥ ॥
मिलेजनकदशरथअतिप्रीती॥करिवैदिकलौकिकसबरीती॥मिलत
महादोउराजबिराजे॥उपमाखोजिखोजिकबिलाजे॥लहीनकतहुंहा
रिहियमानी॥इनसमएउपमाउरआनी॥समधीदेखिदेवअनुरागा॥
सुमनवर्षियशगावनलागे॥जगविरंचिउपजावाजबतें॥देखेसुनेब्या
हबहुतबतें॥सकलभांतिसमजासमजासू॥समसमधीदेखेहमआजू॥
देवगिरासुनिसुंदरसांची॥प्रीतिअलौकिकदुहुंदिशिमांची॥देतपांब
डेअर्धसुहाए॥सादरजनकमंडपहिआए॥ ॥छंद॥ ॥मंडप
विलोकिविचित्ररचनारुचिरतामुनिमनहरे॥निजपाणिजनकसुजा

नसबकहंआनिसिंधासनधरे ॥८१॥कुलइष्टसरिसवशिष्ठपूजेविनय
करिआशिषलही ॥कौशिकहींपूजनपरमप्रीतिकीरीतितोनपरैकही
८२॥ ॥दोहा॥ ॥वामदेवआदिकऋषय॥पूजेमुदितमहीश॥
दियेदिव्यआसनसबहीं॥सबसनलहीआशीस॥३८७॥ ॥चौपाई
॥ ॥बहुरिकीन्हकोशलपतिपूजा॥जानिईशसमभावनदूजा॥की
न्हजोरिकरबिनयबडाई॥निजभाग्यकरिविभवबहुताई॥पूजेभूप
तिसकलवराती॥समधीसमसादरसबभांती॥आसनउचितदिए
सबकाहू॥कहौंकहामुखएकउछाऊ॥सकलवरातजनकसनमानी
दानमानविनतीवरवानी॥विधिहरिहरदिशिपतिदिनराऊ॥जेजान
हिंरघुवीरप्रभाऊ॥कपटविप्रवरवेषबनाए॥कौतुकदेखहिंअतिस
चुपाए॥पूजेजनकदेवसनमाने॥दिव्यआसनबिनुपहिचाने॥
॥छंद॥ ॥पहिचानकोकेहिजानसबहिंअपानसुधिभोरीभई॥
आनंदकंदविलोकिदूलहउभयदिशिआनंदमई॥८३॥सुरलखेरा
मसुजानपूजेमानसिकआसनदए॥अवलोकिशीलसुभावप्रभुकों
विबुधमनप्रमुदितभए॥८४॥ ॥दोहा॥ ॥रामचंद्रमुखचंद्रछ
बि॥लोचनचारुचकोर॥करतपानसादरसकल॥प्रेमप्रमोदनथोर
॥३८८॥ ॥चौपाई॥ ॥समयबिलोकिवसिष्ठबुलाए॥सादर
शतानंदसुनिआए॥वेगिकुंअरिअबआनहुजाई॥चलेमुदितमुनि
आयसुपाई॥रानीसुनीउपरोहितवानी॥प्रमुदितसखिनसमेतसया
नी॥विप्रवधूकुलवृद्धबुलाई॥करिकुलरीतिसुमंगलगाई॥नारिवेष
जेसुरवरवामा॥सकलसुभायसुंदरीश्यामा॥तिनहिदेखिसुखपावहिं
नारी॥बिनुपहिचानीप्राणतेप्यारी॥बारबारसनमानहिंरानी॥उमारमा
शारदसमवानी॥सीयसह्मारिसमाजबनाई॥मुदितमंडपहिंचली-
लिवाई॥ ॥छंद॥ ॥चलिलिवाइसीतहिसखीसादरसजिसुमं

गलभावनि॥नवसप्तसाजेसुंदरीसबमत्तकुंजरीगामिनी॥९५॥कलगा
नसुनिमुनिध्यांनत्यागहिकामकोकिललाजहीं॥मंजीरनूपुरकलितकंक
तालगतिवरवाजहीं॥९६॥ ॥दोहा॥ ॥सोहतिवनितावृंदमहं॥ सह
जसोहावनिसीय॥छविललनागणमध्यजनु॥सुखमातियकमनीय॥
३९९॥ ॥चौपाई॥ ॥सियसुंदरताबरणिनजाई॥लघुमतिबहुतम
नोहरताई॥आवतदेखिवरातिनसीता॥रूपराशिसबभांतिपुनीता॥
सबहिंमनहिंमनकीन्हप्रणामा॥देखिरामभईपूरणकामा॥हर्षेदशरथ
सुतनसमेता॥कहिनजाइउरआनंदजेता॥सुरप्रणामकरिवर्षहिफूला
॥मुनिआशीषध्वनिमंगलमूला॥ गाननिसानकोलाहलभारी॥प्रेम
प्रमोदनगरनरनारी॥इहिविधिसीयमंडपहिंआई॥प्रमुदितशांति
पढहिंमुनिराई॥तेहिअवसरकरिविधिव्यवहारू॥दुहुंकुलगुरूसब
कीनआचारू॥ ॥छंद॥ ॥आचारकरिगुरुगौरिगणपतिमुदि
तविप्रपुजावहीं॥सुरप्रगटिपूजालेहिंदेहिंअशीसअतिसुखपावहीं
॥९७॥मधुपर्कमंगलद्रव्यजोजेहिंसमयमुनिमनमहुचहैं॥भरेक
नककोपरकलशसोतबलयेपरिचारकरहैं॥९८॥कुलरीतिप्रीतिस
मेतरविकहिदेतसबसादरकियो॥यहिभांतिवेदपूजाइसितहिंसुभगासिं
हासनदियो॥९९॥सियरामअवलोकनपरस्पर॥प्रेमकाहुनलखिपरै॥
मनबुद्धिवरवाणीअगोचरप्रगटकविकैसेकरै॥९०॥ ॥दो[illegible]॥ ॥
होमसमयतनुधरिअनल॥अतिहितआहुतिलेहिं॥विप्रवेषधरिवे
दसब॥कहिविवाहविधिदेहिं॥३९०॥ ॥चौपाई॥ ॥जनकपाट
महिषीजगजानी॥सीयमातुकिमिजाइबखानी॥सुयशसुकृतसुख
सुंदरताई॥तबसमेतबिधिरचीबनाई॥ समयजानिमुनिवरनबुलाई॥
सुनतसुवासिनिसादरल्याई॥जनकवामदिशिसोहसुनयना॥हिम
गिरिसंगवनीजनुमयना॥कनककलशमणिकोपररूरे॥शुचिसु

गंधमंगलजलपूरे ॥ निजकरमुदितराउअरनारी ॥ धरेरामकेआगेआनी ॥ पढहिंवेदमुनिमंगलबानी ॥ गगनसुमनझरिअवसरजानी ॥ बरविलोकिदंपतिअनुरागे ॥ पायपुनीतपखारणलागे ॥ ॥ छंद ॥ ॥ लागेपखारणपादपंकजप्रेमतनुपुलकावली ॥ नभनगरगाननिसानज्यध्वनिउमगिजनुचहुंदिशिचली ॥ ९१ ॥ जेपदसरोजमनोजअरिउरसरसदैवविराजहीं ॥ जेसुकृतसुमिरतविमलतामनसकलकलिमलभाजहीं ॥ ९२ ॥ जेपरसिमुनिबनितालहीगतिरहीजोपातकमई ॥ मकरंदजिनकोशंभुशिरशुचिताअवधिसुरवरनई ॥ ९३ ॥ करिमधुपमुनिमनयोगिजननजेसेइअभिमतगतिलहें ॥ तेपदपखारतभाग्यभाजनजनकजयजयसुरकहें ॥ ९४ ॥ वरकुंअरिकरतलजोरिशारवोच्चारदोउकुलगुरुकरें ॥ भयोपाणिगहनविलोकिविधिसुरमनुजमुनिआनंदभरें ॥ ९५ ॥ सुखमूलदूलहदेखिदंपतिपुलकतनुहुलसतहियो ॥ करिलोकबेदबिधानकन्यादाननृपभूषणकियो ॥ ९६ ॥ हिमवंतजिमिगिरिजामहेशहिंहारहिश्रीसागरदई ॥ तिमिजनकरामहिंसीयसमर्पीविश्वकलकीरतिनई ॥ ९७ ॥ क्योंकरेविनयविदेहकियोविदेहमूरतिसांवरी ॥ करिहोमविधिवतगांठिजोरीहोनलागीभांवरी ॥ ९८ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जयध्वनीबंदीवेदध्वनि ॥ मंगलगाननिसान ॥ सुनिहरषहिंबरषहिंविबुध ॥ सुरतरुसुमनसुजान ॥ ३९१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कुंअरकुंअरिकलभावरिदेही ॥ नयनलाभसबसादरलेहीं ॥ जाइनबरणिमनोहरजोरी ॥ जोउपमाकछुकहौंसोथोरी ॥ रामसीयसुंदरपरिछाहीं ॥ जगमगातिमणिखंभनमाहीं ॥ मनहुमदनरतिधरिबहुरूपा ॥ देखहिंरामविवाहअनूपा ॥ दरसलालसासकुचनथोरी ॥ प्रगटतदुरतबहोरिबहोरी ॥ भएमगनसबदेखनहारे ॥ जनकसमाजअपानबिसारे ॥ प्रमुदितमुनिनभांवरीकेरी ॥ नेगसहितसबरीतिनिवेरी ॥ रामसीसशिरसिंदु

रदेहीं ॥शोभाकहिनजायविधिकेही॥अरुणपरागजलजभरिनीके॥
शशिहिंभूखअहिलोभअमीके॥बहुरिवसिष्ठदीन्हअनुशासन॥वरदुल
हिनिबैठएकआसन॥ ॥छंद॥ ॥बैठेबरासनरामजानकीमुदि
तमनदशरथभए॥तनुपुलकिपुनिपुनिदेखिअपनेसुकृतसुरतरुफल
नये॥९९॥भरिभुवनरहाउछाहरामविवाहभासबहिंकहा॥केहिभांति
बरणिसिरातरसनाएकमुखमंगलमहा॥१००॥तबजनकपाइवसिष्ठ
आयसुब्याहसाजसह्मारिके॥मांडवीश्रुतिकीर्तिउर्मिलाकुंअरिइह
कारिके॥१०१॥कुशकेतुकन्याप्रथमजोगुणशीलसुखशोभामयी॥
सबरीतिप्रीतिसमेतकरिसोब्याहिभरतहिनृपदयी॥१०२॥जानकीलघु
भगिनिपरमसुंदरिशिरोमणिजानिकै॥सोदीन्हिब्याहिलषणहिंसकल
विधिसनमानिकै॥१०३॥जेहिनामश्रुतिकीरतिसुलोचनिसुमुखीसब
गुणआगरी॥सोदईरिपुसूदनहिंभूपतिरूपशीलउजागरी॥१०४॥अनु
रूपवरदुलहनिपरस्परलखिसकुचिहियहर्षहीं॥सबमुदितसुंदरतास
राहहिंसुमनसुरगणवर्षहीं॥१०५॥सुंदरीवरबरणसबमिलएकमंडप
राजहीं॥जनुजीवउरचारिउअवस्थाविभुवनसहितविराजहीं॥१०६
॥दोहा॥ ॥मुदितअवधपतिसकलसुत॥वधूनसमेतनिहारि॥ज
नुपाएमहिपालमणि॥क्रियनसहितफलचारि॥३१२॥ ॥चौपाई॥
जशरघुबीरब्याहबिधिबरणी॥सकलकुंअरब्याहेतेहिकरणी॥कहीना
जाइकछुदाइजभूरी॥रहाकनकमणिमंडपपूरी॥कंबलबसनबिचित्र
पटोरे॥भांतिभांतिबहुमोलनथोरे॥गजरथतुरंगदासअरुदासी॥धेनु
अलंकृतकामदुधारी॥वस्तुअनेककरियकिमिलेखा॥कहिनजाइजा
नहिंजिनदेखा॥लोकपालअवलोकिसिहाने॥लीन्हअवधपतिसब
सुखमाने॥दीन्हयाचकनिजोजेहिभावा॥उबरासोजनवासहिआ
वा॥तबकरजोरिजनकमृदुबानी॥बोलेसबबरातसनमानी॥ ॥

॥ ॥छंद॥ ॥सनमानिसकलबरातआदरदानबिनयबडाईकें॥प्रमु
दितमहामुनिवृंदवंदेपूजिप्रेमलडाइकें॥१०७॥ शिरनाइदेवमनाइस
बसनकहतकरसंपुटकिये॥सुरसाधुचाहतभावसिंधुकीतोषजल
अंजलिदिये॥१०८॥करजोरिकनकबहोरिबंधुसमेतकोशलरायसों॥
बोलेमनोहरबचनसानिसनेहशीलसुभायसों॥ १०९ ॥ सबंधराजन



राबरेहमबडेअवसबबिधिभए॥यहराजसाजसमेतसेवकजानिवो
बिनुग्रथलए॥११०॥एदारिकापरिचारिकाकरिपालबीकरुणामयी
॥अपराधक्षमियोबोलिपठएबहुतहादीठीदयी॥१११॥पुनिभानुकुल
भूषणसकलसनमानविधिरामधीकिए॥एद्विजातनाहिंबिनतीपरस्पर
प्रेमपरिपूरणाहिएं॥ ११२ ॥वृंदारकागुणसुमनबरषहिंराउजनबांस
हिचले॥दुंदुभीध्वनिअरुवेदध्वनिनभनगरकौतूहलभले॥११३॥तब
सखिनमंगलगानकरतीमुनीशआयसुपाइकें ॥दूलहदूलहिनि-

सहितसुंदरिचलीकोहबरल्याइके॥११४॥ ॥दोहा॥ ॥पुनिपु
निरामहिंचितबसिय॥सकुचतिमनसकुचैन॥हरतमनोहरमीनछबि॥
प्रेमपियासैनैन॥३९३॥ ॥चौपाई॥ ॥श्यामशरीरसुभायसुहाव
न॥शोभाकोटिमनोजलजावन॥यावकयुतपदकमलसुहाए॥मुनि
मनमधुपरहतजहछाए॥पीतपुनीतमनोहरधोती॥हरतबालरवि-
दामिनिज्योती॥कलकिंकिणीकटिसूत्रमनोहर॥बाहुबिशालवि
भूषणसोहर॥पीतजनेउमहाछबिदेई॥करमुद्रिकाचोरिचितले
ई॥सोहतब्याहसाजसबसाजे॥उरआयतउरभूषणराजे॥पीतउ
पन्नाकांखाधोती॥दुहुआंचरनिलागेमणिमोती॥नयनकमलकल
कुंडलकाना॥वदनसकलसौंदर्यनिधाना॥सुंदरभृकुटिमनोहर
नासा॥भालकतिलकशुचिरुचिरनिवासा॥सोहतमौरमनोहरमा
थे॥मंगलमयकुमुनामणिराखे॥ ॥छंद॥ ॥गांथेमणिमणि
मोरमंजुलअंगसबचितचोरहीं॥पुरनारिसुंदरवरविलोकहिंनिरखि
छबितृणतोरहीं॥११५॥मणिबसनभूषणवारिआरतिकरहिंमंग
लगावहीं॥सुरसुमनवर्षहिंसूतमागधबंदिसुयशसुनावहीं॥
११६॥कोहबरहिंआनेकुंअरकुंअरिसुवासिनीन्हसुखपाइके॥
अतिप्रीतिलौकिकरीतिलागिकरणमंगलगाइके॥११७॥हलकौ-
गौरिशिखावरामहिंसीयमनसादरकरे॥रनिवांसहासबिलासरस
वशजन्मकोफलसबलहें॥११८॥निजपाणिमणिमहंदेखिप्रति
मूरतिस्वरूपनिधानकी॥चालतिनभुजवल्लीविलोकनिबिरहबशभ
इजानकी॥११९॥कौतुकविनोदप्रमोदप्रेमनजाइकहिजानहिंअली
वरकुंअरिसुंदरसकलसखिनलिवाइजनवासहिचली॥१२०॥तेहि
समयसुनियआशिषजहंतहंनगरनभआनंदमहा॥चिरजीवजो-
रीचारुचारिउमुदितमनसबहींकहा॥१२१॥योगींद्रसिद्धमुनीशदे

बविलोकिप्रभुदुंदुभीहनी ॥ चलेहरषिबरषिप्रसूननिजलोकजयजय
जयभनी ॥ १२२ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सहितबंधुनकुअररसंध ॥ तबआ
येपितुपास ॥ शोभामंगलमोदभरिउमगेउजनुजनवास ॥ ३६४ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ पुनिजेवनारमएउबहुभांती ॥ पठएजनकबुलाइबराती
परतपांवडेबसनअनूपा ॥ सुतनसएतगवनकियभूपा ॥ सादरसबके
पादपखारे ॥ यथायोग्यपीठनबैठारे ॥ धाएजनकअवधपतिचरए ॥
शीलसनेहजाहिनहिंबरए ॥ बहुरिरामपदपंकजधोए ॥ जेहरहृदय
कमलमहगोए ॥ तीनभाइरामसमजानी ॥ धोएचरएजनकनिजपा
नी ॥ आसनउचितसबहिनृपदीन्हा ॥ बोलिसूपकारिसबलीन्हा ॥ साद
रलगेपरनपनवारे ॥ कनककीलमणिपरएसहारे ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
सुपोदनसुरभीसुरपि ॥ सुंदरस्वादुपुनीत ॥ क्षणमहंसबकेपरुसिगे ॥
चतुरसुआरविनीत ॥ ३६५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ पंचकबलिकरिजेव
नलागे ॥ गारिगानसुनिअतिअनुरागे ॥ भांतिअनेकपरेपकवाना ॥ सु
धासरिसनहिंबाजिबखाना ॥ परुसनलागेसुधरसुआरा ॥ व्यंजनबि-
बिधकोबरणैपारा ॥ चारिभांतिभोजनविधिगाई ॥ एकएकबिधिबरणि
नजाई ॥ छरसरुचिरव्यंजनबहुजाती ॥ एकएकरसअगणितभांती ॥
जेंवतदेहिंमधुरध्वनिगारी ॥ लैलैनामपुरुषअरुनारी ॥ समयसुहावन
गारिविराजा ॥ हसतराउसुनिसहितसमाजा ॥ यहबिधिसबहीभोज
नकीन्हा ॥ आदरसहितआचमनलीन्हा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ देइपान
पूजेजनक ॥ दशरथसहितसमाज ॥ जनवासेगवनेमुदित ॥ सकलभू
पशिरताज ॥ ३६६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ नितनूतनमंगलपुरमाहीं ॥ नि
मिषसरिसदिनयामिनिजाहीं ॥ बडेभोरपूपतिमणिजागे ॥ याचकगुण
गणगावनलागे ॥ देखिकुअरवरबधूनसमेता ॥ किमिकहिजातमोद
मनजेता ॥ प्रातक्रियाकरिगेगुरुपाहीं ॥ महाप्रमोदप्रेममनमाहीं ॥ करिप्र

णामपूजाकरजोरी ॥ बोलेगिराअमियजनुबोरी ॥ तुम्हरीकृपासुनिय
मुनिराजा ॥ भएउआजुममपूरणकाजा ॥ अबसबविप्रबुलाइगोसा
ई ॥ देबहुधनसबभांतिबनाई ॥ सुनिगुरुकरिमहिपालबडाई ॥ पुनिपठ
एमुनिवृंदबुलाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ वामदेवअरुदेवऋषि ॥ वालमीक
जाबालि ॥ आएमुनिवरनिकरतब ॥ कौशिकादितपशालि ॥ ३९७ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ दंडप्रमाणसबहिंनृपकीन्हा ॥ पूजिसप्रेमवरास
नदीन्हा ॥ चारिलक्षवरधेनुमंगाई ॥ कामसुरभिसमशीलसुहाई ॥
सबबिधिसकलअलंकृतकीन्ही ॥ मुदितमहिपऋषिनकहंदीन्ही ॥ क
रतविनयबहुविधिनरनाहू ॥ लहेउआजुजगजीवनलाहू ॥ पाईअशी
षमहीशअनंदा ॥ लियेबोलिपुनियाचकवृंदा ॥ कनकबसनमणिहयग
जस्यंदन ॥ दियेबूझिरुचिरविकुलनंदन ॥ चलेपढतगावतगुणगाथा ॥
जयजयजयदिनकरकुलनाथा ॥ इहिबिधिरामबिबाहउछाहु ॥ शके
नबरणिसहससुखजाहु ॥ दोहा ॥ बारबारकौशिकचरण ॥ शीसन
नाइकहराउ ॥ यहसबसुखमुनिराजतव ॥ कृपाकटाक्षप्रभाउ ॥ ३९८
॥ चौपाई ॥ ॥ जनकसनेहशीलकरनूती ॥ नृपसबरानिसराहविं
भूती ॥ दिनउठिबिदाअवधपतिमांगा ॥ राखहिंसाहिनजनकअनुरा
गा ॥ नितनूतनआदरअधिकाई ॥ दिनप्रतिसहसभांतिहहनाई ॥ नि
तनवनगरआनंदउछाहू ॥ दशरथगवनसोहाइनकाहू ॥ बहुतदिव
सबीतेइहिभांती ॥ जनुसनेहरजुबंधेवराती ॥ कौशिकशतानंदतब
जाई ॥ कहाविदेहनृपहिसमुझाई ॥ अवदशरथकहआयसुदेहाय
द्यपिछांडिनसकहुसनेहू ॥ भलेहिंनाथकहिसचिवबुलाए ॥ कहिज
यजीवशीसतिननाए ॥ दोहा ॥ ॥ अवधनाथचाहतचलन ॥ भीत
रकरहुजनाउ ॥ भएप्रेमबशसचिवसुनि ॥ विप्रसभासदराउ ॥ ३९९
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ पुरबासिनसुनिचलीवराता ॥ पूछनाहिविकल

परस्परखाना ॥ सत्यगवनकूनिसबबिलखाने ॥ मनहुंसांभसरसिज-
सकुचाने ॥ जहंजहंआवतबसेदराती ॥ तहंतहंसिद्धिचलीबहुभांती ॥
विविधभांतिमेवापकवाना ॥ भोजनसाजनजाइबखाना ॥ भरिभरिवसुअ
पारकहारा ॥ पठएजनकअनेकसुआरा ॥ तुरगलागरथसहसपचीशा
॥ सबलसंवारेनखअरुशीशा ॥ मत्तसहसदशसिंधुरसाजे ॥ जिन्हहिंदे
खिदिशिकुंजरलाजे ॥ कनकवसनमणिभरिभरिजाना ॥ महिषीधेनुवस्तु
विधिनाना ॥ ॥दोहा॥ ॥ दाइजअमितनशाकियकहि ॥ दीन्हवि
देहबहोरि ॥ जोअवलोकतलोकपति ॥ लोकसंपदाथोरि ॥ ४०० ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ बसमाजइहिभांतिबनाई ॥ जनकअवधपुरदीन्हपठा
ई ॥ चलिहिंबराततसुनतसबरानी ॥ विकलमीनगणजनुलघुपानी ॥
पुनिपुनिसीयगोदकरिलेही ॥ देइअशीसशिखावनदेही ॥ होइहु
सततपतिहिपियारी ॥ चिरअहिवातअशीसहमारी ॥ सासुससुरगु
रुसेवाकरहु ॥ पतिरुपलषिआयसुअनुसरिहू ॥ अतिसनेहबशस
खीसयानी ॥ नारिधर्मशिखवहिमृदुबानी ॥ सादरसकलकुंअरिसमुझ
ई ॥ रानिनवारवारउरलाई ॥ बहुरिबहुरिभेटहिमहतारी ॥ कहहिविर
चिरचीकतनारी ॥ ॥दोहा॥ ॥ तेहिअवसरभाइनसहित ॥ राम-
भानुकुलकेतु ॥ चलेजनकमंदिरमुदित ॥ बिदाकरावनहेतु ॥ ४०१ ॥
॥चौपाई॥ ॥ चारिउभाइसुभायसुहाए ॥ नगरनारिनरदेखन
धाए ॥ कोउकहचलनचलतहहिंआजू ॥ कीन्हविदेहविदाकरसाजू ॥
भलेउनयनभरिरूपनिहारी ॥ प्रियपाहनेभूपसुतचारी ॥ कोजानेकेहि
सुकृतसयानी ॥ नयनअतिथकीन्हेविधिआनी ॥ मरणशीलजिमिपाव
पियूषा ॥ सुरतरुलहेजन्मकरभूषा ॥ पावनारकीहरिपदजैसें ॥ इनकर
दरशनहमकहंतेसें ॥ निरखिरामशोभाउरधरहू ॥ निजमनफणिमू
रतिमणिकरहू ॥ इहिबिधिसबहिंनयनफलदेता ॥ गणकुअरसबराज

केता॥ ॥दोहा॥ ॥रूपसिंधुसबबंधुलखि॥हर्षिउठेउरनिवासु॥करहिंनिछावरिआरति॥महामुदितमनमासु॥४०२॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिरामछबिअतिअनुरागी॥प्रेमविवशपुनिपुनिपदलागी॥रहीनलाजप्रीतिउरछाई॥सहजसनेहबरणिकिमिजाई॥भाइनसहितउवटिअन्हवाये॥छरशअशनअतिहेतुजेवाये॥बोलेरामसुअवसरजानी॥शीलसनेहसकुचमयवानी॥राउअवधपुरचहतसिधाए॥विदाहोनहितहमहिपठाए॥मातुमुदितमनआयसुदेहू॥बालकजानिकरवनितनेहू॥सुनतबचनबिलखेउरनिवासू॥बोलिनसकहिंप्रेमवशसासू॥हृदयलगाइकुअरीसबलीन्ही॥पतिनसौंपिविनतीअतिकीन्ही॥ ॥छंद॥ ॥करिविनयसियरामहिसमर्पीजोरिकरपुनिपुनिकहै॥ बलिजातजाउंसुजानतुमकहाबिदितगतिसबकीअहै॥१२३॥ परिवारपुरजनमोहिराजहिंप्राणप्रियसियजानिबी॥तुलसीसुशीलसनेहलखिनिजकिंकरीकरिमानिबी॥१२४॥ ॥सोरठा॥ ॥तुमपरिपूरणकाम॥जानिशिरोमणिभावप्रिय॥जनगुणगाहकराम॥दोषदलनकरुणायतन॥४०३॥ ॥चौपाई॥ ॥असकहिरहीचरणगहिरानी॥प्रेमपंकजनुगिरासमानी॥सुनिसनेहसानीवरवानी॥बहुविधिरामसासुसनमानी॥रामविदामागतकरजोरी॥कीनप्रणामबहोरिबहोरी॥पाइअशीसबहुरिशिरनाई॥भाइनसहितचलेरघुराई॥मंजुमधुरमूरतिउरआनी॥भईसनेहशिथिलसबरानी॥पुनिधीरजधरिकुवरिहंकारी॥वारबारभेटहिंमहतारी॥पहुंचावहिंफिरिमिलहिंबहोरी॥बढीपरस्परप्रीतिनथोरी॥पुनिपुनिमिलतिसखिनबिलगाई॥बालवत्सजिमिधेनुलवाई॥ ॥दोहा॥ ॥प्रेमबिवशनरनारिसब॥सखिनसहितरनिवास॥मानहुकीनविदेहपुर॥करुणाविरहनिवास॥४०४॥ ॥चौपाई॥ ॥शुकशारिकाजानकीजिआए

कनकपिंजरनराखिपढाए॥ व्याकुलकहहिंकहावैदेही॥ सुनिधीर
जपरिहरैनकेही॥ भएबिकलखगमृगइहिंभांती॥ मनुजदसाकैसेंक
हिजाती॥ बंधुसमेतजनकतबआए॥ प्रेमउमगिलोचनजलछाए॥
सीयबिलोकिधीरताभागी॥ रहेकहावतपरमबिरागी॥ लीन्हराजउर
लायिजानकी॥ मिटीमहामर्यादज्ञानकी॥ समुझावतसबसचिवस
याने॥ कीन्हबिचारअनअवसरजाने॥ बारहिंबारसुताउरलाई॥ स
जिसुंदरपालकीमंगाई॥ ॥दोहा॥ ॥ प्रेमबिबशपरिवारसब॥
जानिसुलगननरेश॥ कुअरीचढाईपालखी॥ सुमिरेसिद्धिगणेश॥
॥४०५॥ ॥चौपाई॥ ॥बहुबिधिभूपसुतासमुझाई॥ नारिधर्म
कुलरीतिशिखाई॥ दासीदासदिएबहुतेरे॥ शुचिसेवकजेप्रियसिय
केरे॥ सीयचलतब्याकुलपुरवासी॥ होहिंसगुणशुभमंगलराशी॥ भू
सुरसचिवसमेतसमाजा॥ संगचलेपहुंचावनराजा॥ रथगजबाजिबरा
तिनसाजे॥ समयबिलोकिबाजनेबाजे॥ दशरथबिप्रबोलिसबलीन्हे॥
दानमानपरिपूरणकीन्हे॥ चरणसरोजधूरिधरिशीषा॥ मुदितमही
पतिपाइअशीशा॥ सुमिरिगजाननकीनपयाना॥ मंगलमूलसगुण
भएनाना॥ ॥दोहा॥ ॥ सुरप्रसूनबरषहिंहरषि॥ करहिंअपस
रागान॥ चलेअवधपतिअवधपुर॥ मुदितबजाइनिसान॥ ४०६॥
॥नृपकरिबिनयमहाजनफेरे॥ सादरसकलमागनेटेरे॥ भूषणब
सनबाजिगजदीन्हे॥ प्रेमपोषिठाढेसबकीन्हे॥ बारबारबिरदावलिभा
षी॥ फिरेसकलरामहिंउरराषी॥ बहुरिबहुरिकोशलपतिकहहीं॥ ज
नकप्रेमवशफिरनचहहीं॥ पुनिकहभूपतिबचनसुहाए॥ फिरियम
हीपदुरिवडिआए॥ राउबहोरिउतरिभएठाढे॥ प्रेमप्रवाहबिलोचनबा
ढे॥ तबबिदेहबोलेकरजोरी॥ बचनसनेहसुधाजनुबोरी॥ करौंकवनबि
धिबिनयसुहाई॥ महाराजमोहिदीनिबडाई॥ ॥दोहा॥ ॥कोश

लपतिसमधीसजन॥ सनमानेसबभांति॥ मिलनपरस्परबिनयअति
॥प्रीतिनहृदयसमानि॥ ४०७॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिमंडलिहिं
जनकशिरनावा॥आशिरबादसबहिंपावा॥ सादरपुनिभेंटेजामा-
ता॥रूपशीलगुणनिधिसबभ्राता॥जोरिपंकरुहपाणिसुहाए॥बो
लेबचनप्रेमजनुजाए॥ रामकरौंकेहिभांतिप्रशंसा॥ मुनिमहेशमनमानस
हंसा॥ करहियोगयोगीजेहिलागी॥कोहमोहममतामदत्यागी॥व्या
पकब्रह्मअलखअविनाशी॥चिदानंदनिर्गुणगुणराशी॥मनसमेतजे
हिजाननवानी॥तरकिनशकहिंसकलअनुमानी॥महिमानिगमनेतिकहिक
हहीं॥जोतिहुंकालएकरसरहहीं॥ ॥दोहा॥ ॥नयनविषयमोहकहं-
भएउ॥सोसमस्तसुखमूल॥सबहिसुलभजगजीवकहं॥ भएईशअनु-
कूल॥४०८॥ ॥चौपाई॥ ॥सबहिंभांतिमोहिदीनिबड़ाई॥निजज
नजानिदीनअपनाई॥होहिंसहसदशशारदशेषा॥करहिंकल्पकोटि
भरिलेखा॥मोरभाग्यराउरगुणगाथा॥कहिनसराहिंसुनियरघुनाथा
॥मैंकछुकहौंएकबलमोरे॥तुमरीझहुसनेहसुठिथोरे॥ बारबारमागौं
करजोरे॥मनपरिहरैचरणजनिभोरे॥सुनिवरबचनप्रेमजलपोषे॥पू
रणकामरामपरितोषे॥करिवरविनयससुरसनमाने॥ पितुकौशिक
वशिष्ठसनमाने॥ बिनतीबहुनभरतसनकीन्हा॥ मिलिसप्रेमपुनिआ
शिषदीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥मिलेलषणरिपुसूदनहिं॥ दीनिअशी-
समहीश॥ भएपरस्परप्रेमबश॥फिरिफिरिनावहिंशीस॥४०९॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥बारबारकरिबिनयबड़ाई॥रघुपतिचलेसंगसब-
नाई॥जनकगहेकौशिकपदजाई॥चरणरेणुशिरनयननलाई॥सुन
मुनीशसबदरशनतोरे॥अगमनकछुप्रतीतिमनमोरे॥जोसुखसुयश
लोकपतिचहहीं॥करतमनोरथसकुचतअहहीं॥सोसुखसुयशसु
लभमोहिस्वामी॥सबसिधितवदरशनअनुगामी॥कीनिविनयपुनि-

पुनिशिरनाई ॥ फिरेमहिपतिआशीषपाई ॥ चलीबरातनिसानबजा
ई ॥ मुदितछोटबडसबसमुदाई ॥ रामहिंनिरखिग्रामनरनारी ॥ पइन-
यनफलहोहिंसुखारी ॥ ॥दोहा॥ ॥बीचबीचवरवासकरि ॥ मगलो
गनसुखदेत ॥ अवधसमीपपुनीतदिन ॥ पहुंचीआइनिकेत ॥ ४१० ॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥हनेनिसानपणववरबाजे ॥ भेरिशंखध्वनिहयगज-
गाजे ॥ झांझमृदंगडिंडिमिडिंडिमिसुहाई ॥ सरसरागबाजीसहनाई ॥ पुरज
नआवतअकनिवराता ॥ मुदितसकलपुलकावलिगाता ॥ निजनिज-
सुंदरसदनसंवारे ॥ हाटबाटचौहटपुरद्वारे ॥ गलीसकलअरगजाहि
सिंचाई ॥ जहंतहंचौकेचारुपुराई ॥ बनाबजारनजाइबखाना ॥ तोर
णकेतुपताकविताना ॥ सकलपुगिफलकदलिरसाला ॥ रोपेबकुल
कदंबतमाला ॥ लगेसुभगतरुपरसतधरणी ॥ मणिमयआलबा-
लकलकरणी ॥ ॥दोहा॥ ॥विविधभांतिमंगलकलश ॥ गृहगृह
रचेसंवारि ॥ सुरब्रह्मादिसिहाहिंसब ॥ रघुबरपूरीनिहारि ॥ ४११ ॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपभवनतेहिअवसरसोहा ॥ रचनादेखिमदनमन
मोहा ॥ मंगलसगुणमनोहरताई ॥ रीधिसिधिसुखसंपदासुहाई ॥ ज
नुउछाहसबसहजसुहाए ॥ धनुधरिधरिदशरथगृहआए ॥ देखनहे
तुरामबैदेही ॥ कहहुलालसाकेहिनहोही ॥ यूथयूथमिलीचलीसुआ
सिनी ॥ निजछबिनिंदरहिंमदनविलसिनी ॥ सकलसुमंगलसजेआर
ती ॥ गावहिंजनुबहुवेषभारती ॥ भूपतिभवनकोलाहलहोई ॥ जाइन
बरणिसमयसुखसोई ॥ कौशल्यादिराममहतारी ॥ प्रेमविवशतुद
शाबिसारी ॥ ॥दोहा॥ ॥दियेदानविप्रनविपुल ॥ पूजिगणेशपुरा
रि ॥ प्रमुदितपरमदरिद्रजनु ॥ पाइपदारथचारि ॥ ४१२ ॥ ॥ चौपा
ई ॥ ॥मोदप्रमोदबिवशासबमाता ॥ चलहिंनचरणशिथिलभएगा
ता ॥ रामदरशहितअनुरागी ॥ परिछनसाजसजनसबलागी ॥

विविधविधानबाजनेबाजे॥मंगलमुदितसुमित्रासाजे॥हरददूबदधि
पल्लवफूला॥पानपुगफलमंगलमूला॥अक्षतकुंअररोचनलाजा॥मं
जुलमंजरितुलसिविराजा॥छुटेपुरटघटसहजसुहाए॥मदनशकुनि
जनुनीडबनाए॥सगुणसुगंधनजाहिंबखानी॥मंगलसकलसजाहिं-
सबरानी॥रचीआरतीविविधविधाता॥मुदितकरहिकलमंगलगाना
॥ ॥दोहा॥ ॥कनकथालभरिमंगलन॥कमलकरनलियेमात॥
चलीमुदितपरिछनकरण॥पुलकपल्लुविगतात॥४१३॥ ॥चौ
पाई॥ ॥धूपधूमनभमेंचकभएऊ॥श्रावणघनघमंडजनुछएउ॥
सुरनरुसुमनमालसुरवर्षहिं॥जनुवलाकअवलीमनुकरषहिं॥रचे
रुचिरवरवंदनवारा॥मनहुपाकरिचुपचापसवारा॥प्रगटहिंदुरहिंअ
टनपरभामिनि॥चारुचपलजनुदमकहिंदामिनि॥दुंदुभिध्वनिघनग
रजहिंघोरा॥याचकचातकदादुरमोरा॥सुरसुगंधशुचिवर्षहिंवारी
॥सखीसकलशशिपुरनरनारी॥समयजानिगुरुआयसुदीन्हा॥
पुरप्रवेशरघुकुलमणिकीन्हा॥सुमिरिशंभुगिरिजागणराजा॥मुदित
महिपतिसहितसमाजा॥ ॥दोहा॥ ॥होहिंसगुणवर्षहिसुमन
॥सुरदुंदुभीबजाई॥विबुधवधूनाचहिंमुदित॥मंजुलमगलगाई॥
॥४१४॥ ॥चौपाई॥ ॥मागधसूतबंदीनटनागर॥गावहिंयश
तिहुंलोकउजागर॥जयध्वनिविमलवेदवरबानी॥दशदिशिसुनिय
सुमंगलसानी॥विपुलबाजनेबाजनलागे॥नभसुरनगरलोगअनुरा
गे॥बनेबरातीबरणिनजाहीं॥महामुदितमनसुखनसमाहीं॥पुर-
वासिननतबराउजोहारे॥देखतरामहिभएसुखारे॥करहिंनिछावरि
मणिगणचीरा॥बारिबिलोचनपुलकशरीरा॥आरतिकरहिंमुदित
पुरनारी॥हर्षहिंनिरखिकुंअरवरचारी॥शिबिकासुभगउहारउघारी॥
देखिदुलहिनिनहोहिंसुखारी॥ ॥दोहा॥ ॥इहिविधिसबहींदे

तसुख॥ आएराजदुआर॥ मुदितमातुपरिछनकरहिं॥ बधुनसमेतकुमार॥४१५॥ ॥चौपाई॥ ॥करहिंआरतीबारहिंबारा॥ प्रेमप्रमोदकहैकोपारा॥ भूषणमणिपटनानाजाती॥ करहिंनिछावरिअगणितभांती॥ बधुनसमेतदेखिसुतचारी॥ परमानंदमगनमहतारी॥ पुनिपुनिसीयरामछबिदेखी॥ मुदितसफलजगजीवनलेखी॥ सखीसीयमुखपुनिपुनिचाही॥ गानकरहिंनिजसुकृतसराही॥ वरषहिंसुमनक्षणहिंक्षणदेवा॥ नाचहिंगावहिंलावहिंसेवा॥ देखिमनोहरचारिउजोरी॥ शारदउपमासकलढंढोरी॥ देतनबहिंनिपटलघुलागी॥ एकटकरहिरूपअनुरागी॥ ॥दोहा॥ ॥निगमरीतिकुलरीतिकरि॥ अर्घपांवडेदेत॥ बधुनसहितसुतपरिछिसब॥ चलीलिवाइनिकेत॥ ४१६॥ ॥चौपाई॥ ॥चारिसिंहासनसहजसुहाए॥ जनुमनोजनिजहाथबनाए॥ तिनपरकुंअरिकुंअरबैठारे॥ सादरपायपुनीतपरवारे॥ धूपदीपनैवेद्यविधि॥ पूजेवरदुलहिनिमंगलनिधि॥ बारहिंबारआरतीकरहीं॥ व्यंजनचारुचामरशिरढरहीं॥ वसुअनेकनिछावरिहोहीं॥ भरीप्रमोदमातुसबसोहीं॥ पावापरमतत्वजनुयोगी॥ अमृतलहाजनुसंततरोगी॥ जन्मरंकजनुपारसपावा॥ अंधहिलोचनलाभसुहावा॥ मूकवदनजनुशारदछाई॥ मानहुसमरशूरजयपाई॥ ॥दोहा॥ ॥यहिसुखतेशतकोटिगुण॥ पावहिंमातुअनंद॥ भाइनसहितविवाहघर॥ आयेरघुकुलचंद॥ ॥४१७॥ लोकरीतिजननीकरहीं॥ वरदुलहिनिसकुचाहिं॥ मोदविनोदविलोकिबहु॥ राममनहिंमुसुकाहिं॥४१८॥ ॥चौपाई॥ ॥देवपितरपूजेविधिनीकी॥ पूजीसकलवासनाजीकी॥ सबहिंबंदिमागहिंवरदाना॥ भाइनसहितरामकल्याना॥ अंतरहितसुरआशीषदेहीं॥ मुदितमातुअंचलभरिलेहीं॥ भूपतिबोलिवरातीली-

न्हें॥यानबसनमणिभूषणदीन्हे॥आइसुपाइराखिउररामहि॥मुदि
तगएसबनिजनिजधामहिं॥पुरनरनारिसकलपहिराये॥घरघरबाज
हिंआनंदबधाये॥याचकजनयाचहिंजोइजोई॥प्रमुदितराउदेहिंसोइ-
सोई॥सेवकसकलबजनियानाना॥पूरणकियेदानसनमाना॥ ॥
दोहा॥ ॥देहिंअशीसजुहारिसब॥गावहिंगुणगणगाथ॥तबगुरु
भूसुरसहितगृह॥गवनकीननरनाथ॥४१९॥ ॥चौपाई॥ ॥
जोवसिष्ठअनुशासनदीन्हा॥लोकवेदविधिसादरकीन्हा॥भूसुरभीरदे
खितबरानी॥सादरउठीभाग्यबड़जानी॥पायपखारिसकलअन्हवाये
॥पूजिभलीबिधिभूपजेंवाये॥आदरदानप्रेमपरिपोषे॥देतअशीसच
लेमनतोषे॥बहुबिधिकीनिगाधिसुतपूजा॥नाथमोहिसमधन्यनदूजा
॥कीनिप्रशंसाभूपतिभूरी॥राणिनसहितलीनिपदधूरी॥भीतरभवन
दीनवरवासू॥पूजेगुरुपदकमलबहोरी॥कीनिविनयमनप्रीतिनथोरी॥
॥दोहा॥ ॥बधुनसमेतकुमारसब॥राणिनसहितमहीश॥पुनिपु
निबंदेगुरुचरण॥देतअशीषमुनीश॥४२०॥ ॥चौपाई॥ ॥विन
यकीन्हउरअतिअनुरागे॥सुतसंपदाराखिसबआगे॥नेगमांगिमुनि
नायकलीन्हा॥आशिरवादबहुतविधिदीन्हा॥उरधरिरामहिंसीयसमे
ता॥हरषिकीनगुरुगमननिकेता॥विप्रवधूकुलवृद्धबुलाई॥चीरचारुभू
षणपहिराई॥बहुरिबुलाईसुआसिनिलीन्ही॥रुचिबिचारिपहिरावन
निदीन्ही॥नेगीनेगयोगसबलेहीं॥रुचिअनुरूपभूपमणिदेहीं॥प्रियपा
हुनेपूज्यतेजाने॥भूपतिभलीभांतिसनमाने॥देवदेखिरघुवीरविवाहू॥
बरषिप्रसूनप्रशंसिउछाहू॥ ॥दोहा॥ ॥चलेनिसानबजाइसुर॥नि
जनिजपुरसुखपाइ॥कहतपरस्पररामयश॥हर्षनहृदयसमाइ॥४२१
॥ ॥चौपाई॥ ॥सबबिधिसबहिंमुदितनरनाहू॥रहाहृदयभूरि
पूरिउछाहू॥जहंरनिवासतहांपगुधारे॥सहितवधूटिनकुअरनिहारे

॥लिएगोदकरिमोदसमेता॥कोकहिशकैभएउसुखजेता॥वधूसप्रेमगो
दबैठारी॥बारबारहियहर्षिदुलारी॥देखिसमाजमुदितरनिवासू॥स
बकेउरआनंदविलासू॥कहेउभूपजिमिभएउविवाहू॥सुनिसुनिहर्ष
होनसबकाहू॥जनकराजगुणशीलबडाई॥प्रीतिरीतिसंपदासुहाई
॥बहुविधिभूपभाटजिमिबरणी॥राणीसबप्रमुदितसुनिकरणी॥
॥दोहा॥ ॥सुतनसमेतनहाइनृप॥बोलिविप्रगुरुज्ञाति॥भोजन
कीन्हअनेकविधि॥घरीपांचगइराति॥४२२॥ ॥चौपाई॥ ॥मंग
लगानकरहिंवरभामिनि॥भइसुखमूलमनोहरयामिनि॥अचैपान
सबकाहूपाए॥स्रगसुगंधभूषितछविछाए॥रामहिंदेखिरजायसुपा
ई॥निजनिजभवनचलेशिरनाई॥प्रेमप्रमोदविनोदबडाई॥समयसमाजम
नोहरताई॥कहिनशकहिंश्रुतिशारदशेषू॥वेदविरंचिमहेशगणेशू॥सो
मैंकहोंकवनविधिबरणी॥भूमिनागशिरधरैकिकरणी॥नृपसबभां
तिसबहिंसनमानी॥कहिमृदुबचनबुलाईरानी॥वधूलरिकिनीपरघर
आई॥राखेउनयनपलककीनाई॥ ॥दोहा॥ ॥लरिकाश्रमितउनीं
दवश॥शयनकरावहुजाइ॥असकहिगेविश्रामगृह॥रामचरणचित
लाइ॥४२३॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपवचनसुनिसहजसुहाए॥ज
टितकनकमणिपलंगडसाए॥सुभगसुरभिपयफेनुसमाना॥कोम
लकलितसुपेतीनाना॥उपबर्हणवरबरणिनजाहीं॥स्रगसुगंधिम
णिमंदिरमाहीं॥रत्नदीपसुठिचारुचंदोवा॥कहतनबनैजानजेहिजोवा
॥सेजरुचिररचिरामउठाये॥प्रेमसमेतपलंगपोढाये॥आज्ञापुनिपुनि
भाइनदीन्ही॥निजनिजसेजशयनतिनकीन्ही॥देखिश्याममृदुमंजुलगा
ता॥कहहिंसप्रेमवचनसबमाता॥मारगजातभयावनिभारी॥केहिवि
धितातताडकामारी॥ ॥दोहा॥ ॥घोरनिशाचरविकटभट॥समर
गनैनहिंकाहू॥मारेसहितसहायकिमि॥खलमारीचसुबाहु॥४२४

॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिप्रसादबलतातनुम्हारी॥ईशअनेककरबरैटारी
॥मखरषवारिकरिदुहुभाई॥गुरुप्रसादसबविद्यापाई॥मुनितियतरीलग
तपदधूरी॥कीरतिरहीभवनभरिपूरी॥कमठपीठिपबिकूटकठोरा॥नृप
समाजमहिंशिवधनुतोरा॥विश्वविजययशजानकीपाई॥आएभव
नब्याहिसबभाई॥सकलअमानुषकर्मतुह्मारे॥केवलकौशिककृपासु
धारे॥आजुसफलजगजन्महमारे॥देखितातविधुवदनतुह्मारे॥जेदिन
गएतुमहिंबिनुदेखे॥तेबिरंचिजनिपारहिलेखे॥ ॥दोहा॥ ॥राम
प्रतोषीमातुसब॥कहिबिनीतबरबयन॥सुमिरिशंभुगुरुविप्रपद॥किये
नींदबशनयन॥४२५॥ ॥चौपाई॥ ॥नींदहुबदनसोहसुठिलोना
॥मनहुसांझसरसीरुहसोना॥घरघरकरहिंजागरणनारी॥देहिंपरस्प
रमंगलगारी॥पुरीबिराजतिराजतिरजनी॥रानीकहहिंविलोकहुसज
नी॥सुंदरवधुनसासुलेसोई॥फणिपतिजनुशिरमणिउरगोई॥प्रा-
तपुनीतकालप्रभुजागे॥अरुणचूडबरबोलनलागे॥बंदीमागधगुणग
णगाए॥पुरजनद्वारजुहारनआए॥बंदिविप्रसुरगुरुपितुमाता॥पा
इअशीसमुदितसबभ्राता॥जननीसादरबदननिहारे॥भूपतिसंगद्वार
पगुधारे॥ ॥दोहा॥ ॥कीन्हशौचसबसहजशुचि॥सरितपुनीतन-
हाइ॥प्रातक्रियाकरितातपहं॥आएचारिउभाइ॥४२६॥ ॥
चौपाई॥ ॥भूपविलोकिलयेउउरलाई॥बैठेहरषिरजायसपाई॥देखि
रामसबसभाजुडानी॥लोचनलाभअवधिअनुमानी॥पुनिवसिष्ठमुनि
कौशिकआए॥सुभगआसननमुनिबैठाए॥सुतनसमेतपूजिपदला-
गे॥निरखिरामदोउगुरुअनुरागे॥कहहिंवसिष्ठधर्मइतिहासा॥सुन
हिमहीशसहितरनिवासा॥मुनिमनअगमगाधिसुतकरणी॥मुदित-
वसिष्ठविपुलविधिबरणी॥बोलेवामदेवसबसांची॥कीरतिकलितलो
कनिहुमाची॥मुनिआनंदभएसबकाहू॥रामलषणउरअधिकउछा

हू॥ ॥दोहा॥ ॥मंगलमोदउछाहनित॥ जाहिदिवसइहिभांति ॥उमगीअवधआनंदभरि॥अधिकअधिकअधिकाति॥४२७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥सुदिनशोधिकरकंकणछोरे॥मंगलमोदविनोदनथोरे॥नितनवसुखसुरदेखिसिहाहीं॥अवधजन्मयाचहिंविधिपाहीं॥विश्वामित्रचलननितचहहीं॥रामसप्रेमविनयबशरहहीं॥दिनदिनशतगुणभूपतिभाऊ॥देखिसराहमहामुनिराऊ॥मांगतबिदाराउअनुरागे॥सुतनिसमेतठाढभएआगे॥नाथसकलसंपदातुह्मारी॥मैंसेवकसमेतसुतनारी॥करवसदालरिकनपरछोहू॥दरशनदेतरहवमुनिमोहू॥असकहिराउसहितसुतरानी॥ परेउचरणसुखआवनबानी॥दीनिअशीषविप्रबहुभांती॥चलेनप्रीतिरीतिकहिजाती॥ रामसप्रेमसंगसबभाई॥आयसुपाइफिरेपहुचाई॥ ॥दोहा॥ ॥रामरूपभूपतिभगति॥व्याहउछाहअनंद॥जातसराहतमनहिंमन॥मुदितगाधिकुलचंद॥४२८॥ ॥चौपाई॥ ॥बामदेवरघुकुलगुरुज्ञानी॥बहुरिगाधिसुतकथाबखानी॥सुनिमुनिसुयशमनहिमनराऊ॥बरणतआपनपुण्यप्रभाऊ॥बहुरेलोगरजायसुभएऊ॥सुतनसमेतनृपतिगृहगएउ॥जहंतहंरामब्याहसबगावा॥सुयशपुनीतलोकतिहुंछावा॥आएब्याहिरामघरजबतें॥बसैअनंदअवधसबतबतें॥प्रभुविवाहजशभएउउछाहू॥सकहिंनबरणिगिराअहिनाहू॥कबिकुलजीवनपावनजानी॥रामसीययशमंगलखानी॥तेंहितेंमैंकछुकहाबखानी॥करणपुनीतहेतुनिजबानी॥ ॥छंद॥ ॥निजगिरापावनकरणकारणरामयशतुलसीकह्यो॥रघुबीरचरितअपारवारिधिपारकबिकवनेलह्यो॥१२५॥ उपवीतव्याहउछाहमंगलसुनहिसादरगावही॥ बैदेहिरामप्रसादतेजनसर्वदासुखपावही॥१२६॥सुनिगाइकहौंगिरीशकन्याधन्यअधि

कारीसही ॥ नितप्रीतिनूतनसुनतहरिगुणभगतिअनुपमतेलही ॥
१२७ ॥ रघुवीरपदअनुरागललेंभागिबेगिबुफावहीं ॥ एहजानितु
लसीदासमनक्रमबचनहरिगुणगावहीं ॥ १२८ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
कठिनकालमलग्रसिततनु ॥ साधनकछुनहोइ ॥ यहविचारिविश्वा
सकरि ॥ हरिसुमिरैबुधसोइ ॥ ४२९ ॥ ॥ सोरठा ॥ ॥ मनहरि
पदअनुराग ॥ करहुत्यागिनानाकपट ॥ महामोहनिशजाग ॥ सोव
तबीतेकालबहु ॥ ४३० ॥ सियरघुवीरविवाह ॥ जेसप्रेमसादर
सुनहिं ॥ तिनकहंसदाउछाह ॥ मंगलायतनरामयश ॥ ४३१ ॥
॥ ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमल
विज्ञानवैराग्यसंतोषसंपादनोनामतुलसीदासकृतबालकांडप्र
थमसोपानःसमाप्तः ॥ १ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ अतिपुनीत
सरजूवहै ॥ तहांअवधपुरधाम ॥ चैत्रशुक्लनवमीसुभग ॥ प्रग
टभएश्रीराम ॥ १ ॥ बालचरित्रवर्णनकियो ॥ तुलसीदासअनूप
॥ सुखारामरघुवरविशदगुण ॥ सुमुक्तिशोभवकूप ॥ २ ॥ ॥
सवैया ॥ ॥ सुखारामजीसोठिकियो ॥ अतिनीकजोरामचरित्र
कैसुरूछपाई ॥ पंडितसज्जनदेषिहै ॥ सुधारिओदेहैवडाइ ॥ १ ॥
रामकोऐनमिलैंयहिप्रेमभुजोसतसंगकरैमनलाई ॥ देशभनाम
करैतिनकोजेकहैंओसुनैढिगवैठइआई ॥ २ ॥ ॥ छ ॥ ॥
॥ ॥ बालकांडसमाप्तभयो ॥ ॥ श्रीसीताराम ॥ ॥
॥ श्रीअयोध्यावासीराम ॥ श्रीरघुवीर ॥ श्रीदत्तात्रेय ॥
॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥ छ ॥

बालकांडसंपूर्ण

श्री

इति

तुलसिदासकृत

रामायण

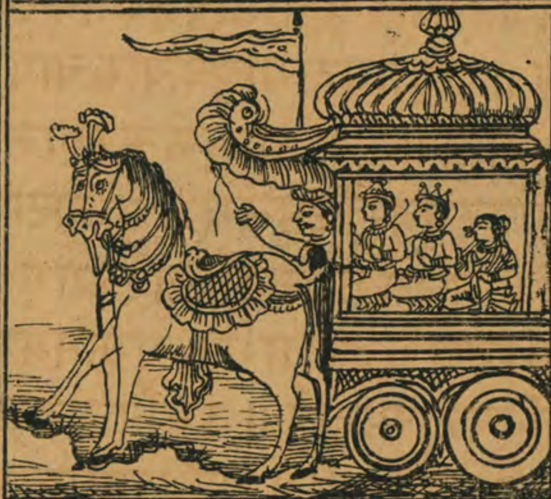
बालकांडम्

संपूर्णम्.

आवृत्ती
२
सन् १८७७

श्री
अथ
तुलसिदास
कृत
रामायण
अयोध्याकांड
प्रारंभः







श्रीगणेशायनमः

अथअयोध्याकांडलिख्यते·

श्लोक

वामांकेचविभातिभूधरसुतादेवापगामस्तके, भालेबालविधुर्गले
चगरलंयस्योरसिव्यालराट् ॥ सोयंभूतिविभूषणःसुरवरःसर्वाधिपः-
सर्वदा, शर्वःसर्वगतःशिवःशशिनिभःश्रीशंकरःपातुमाम् ॥१॥ प्रसन्न
तांयोनगतोऽभिषेकस्तथाननम्लौवनवासदुखतः ॥ मुखांबुजश्रीरघु
नंदनस्यमेऽसदास्तुसामंजुलमंगलप्रदम् ॥२॥ नीलांबुजश्यामलको-
मलांगं, सीतासमारोपितवामभागम् ॥ पाणौमहासायकचारुचापं, न
मामिरामंरघुवंशनाथम् ॥३॥ ॥दोहा॥ ॥ श्रीगुरुचरणसरो
जरज ॥ निजमनमुकुरसुधारि ॥ बरणौरघुवरविमलयश ॥ जोदायक
फलचारि ॥१॥ ॥चौपाई॥ ॥ जबतेंरामब्याहिघरआए ॥ नि
तनवमंगलमोदबधाए ॥ भुवनचारिदशभूधरधारी ॥ सुकृतमेघब
रषहिंसुखवारी ॥ ऋधिसिधिसंपतिनदीसुहाई ॥ उमगिअवधअं
बुधकहंआई ॥ मणिगणपुरनरनारिसुजाती ॥ शुचिअमोलसुंद
रसबभांती ॥ कहिनजाइकछुनगरविभूती ॥ जनुइतनियबिरंचिकर
तूती ॥ सबबिधिसबपुरलोगसुखारी ॥ रामचंद्रसुखचंद्रनिहारी ॥ मु
दितमातुसबसखीसहेली ॥ फलितबिलोकिमनोरथवेली ॥ रामरूपगुण
शीलसुभाऊ ॥ प्रमुदितहोहिंदेखिसुनिराऊ ॥ ॥दोहा॥ ॥
सबकेउरअभिलाषअस ॥ कहहिंमनाइमहेश ॥ आपुअछतयुवरा
जपद ॥ रामहिंदेहिनरेश ॥२॥ ॥चौपाई॥ ॥एकबारजानकीसमे
ता ॥ बैठेप्रभुनिजरुचिरनिकेता ॥ भुजप्रलंबउरनयनविशाला ॥ पीत
वसनतनश्यामतमाला ॥ कोटिमनोजदेषिछबिमोहा ॥ सीताकरचाम

रवरसोहा॥ तेहिअवसरऋषिनारदआए॥ सुरहितलागिबिरंचिप-
ठाए॥ तेजपुंजतनुकरतलबीना॥ हरिगुणगणगावतलयलीना॥ देषि
रामसहसाउठिधाए॥ करिदंडवतिहृदयमुनिलाए॥ सादरनिजआस-
नबैठारे॥ जनकसुतालवचरनपषारे॥ तेहिचरणोदकभवनसिंचावा
॥जगपावनहरिसीसचढावा॥ सुनिमुनिविषयभिरतजेप्रानी॥हमसा
रिखेदेहअभिमानी॥ तिन्हकहसत्संगतिनतबहोई॥ करैकृपाजाकहुंप्र-
भुसोई॥ ताकहमुनिनाहिनभवआगें॥ जेहिबिनुहेतुसंतप्रियलागे॥
तातेनारदमैंबडभागी॥ यद्यपिगृहकुटुंबअनुरागी॥ ॥दोहा॥
॥सुनिहरिबचनमधुरप्रिय॥ करिबिचारमुनिधीर॥परमकृपालुलो
कहित॥ लागिकहतरघुबीर॥३॥ ॥चौपाई॥ ॥कहतमुनि
नबमहिमारघुराया॥ मैजानउकछुतुह्मरिहिदाया॥ बचनकहेहुप्राकृ
तकीनाई॥ तातेंनहिकछुघटेउगोसांई॥ प्रभुयहतुम्हहिसदाबनिआई
॥निजलघुताजनकेरिबडाई॥ सहजसुभाउप्रनतअनुरागी॥नरत
नुधरेहुदासहितलागी॥ मायागुणगोज्ञानअतीता॥ अजितनाम
सोदासनजीता॥ जेहिप्रभुसमअतिशयकोउनाहीं॥ व्यापकअजस-
मानसबमाहीं॥ उदरचराचरमेलिजोसोवा॥ स्तनपानलागिसोरो
वा॥ नामरूपबपुबरननभेदा॥ अविगतिअकलनेतिकहवेदा॥
निरममसुक्तनिरामयजोई॥ दशरथसुतकहिगाइयसोई॥जपत
पयोगयज्ञब्रतदाना॥ बिमलबिरागज्ञानबिज्ञाना॥ करहिजतनमु
निपावतकोई॥देखाप्रगटभक्तवससोई॥ हठवससठसाधनबहु-
करही॥ भक्तिहीनभवसिंधुनतरहीं॥ ॥दोहा॥ ॥जानि
सकहुनेजानहु॥निर्गुणसगुणस्वरूप॥ममहृदपंकजभृंगइव॥
सबहुरामनरभूप॥४॥ ॥चौपाई॥ ॥ब्रम्हभुवनमैरहेउ-
कृपाला॥ गावततवगुणदीनदयाला॥ असंइच्छाउपजीमनमाहीं॥

देखेउचरनबहुतदिननाहीं॥यद्यपिप्रभुसर्वत्रसमाना॥सगुणरूप
मोरेमनमाना॥अवधचलतबिरंचिमोहिजाना॥कीन्हीविनयलागि
ममकाना॥प्रभुजानतसबअंतरजामी॥भक्तिबश्यबिनतीयहस्वामी
॥जिनहितलीन्हमनुजअवतारा॥नाथवेगिसोकरियसंभारा॥सुन
तबचनरघुपतिमुसकाने॥मुनिअजहुंबिरंचिभयमानें॥कहेहुतात
ब्रम्हहिसमुझाई॥कछुदिनबीतैदेखहुआई॥बारबारचरणनसिर
नाई॥ब्रह्मानंदनहृदयसमाई॥रामरूपउरधरिमुनिनारद॥चलेक
रतगुणगानबिशारद॥तबरघुपतिसीतहिसमुझावा॥चहतकरन-
सोचरितबतावा॥सुरहितलागिसोकरियउपाई॥जाइयबनपरिह
रिठकुराई॥ ॥दोहा॥ ॥जगसंभवअस्थितिलय॥जाकीभृ
कुटीबिलास॥सोप्रभुजननबिचारनकेहि॥बिधिनिसिचरनास॥५॥
॥चौपाई॥ ॥एकसमयसबसहितसमाजा॥राजसभारघुराजबिरा
जा॥सकलसुकृतमूरतिनरनाहू॥रामसुजशसुनिअतिहिउछाहू॥
नृपसबरहहिंकृपाअभिलाषे॥लोकपरहहिंप्रीतिरुषराषे॥त्रिभुवनतीनि
कालजगमाहीं॥भूरिभागदशरथसमनाहीं॥मंगलमूलरामसुतजासू॥
जोकछुकहियथोरसबतासू॥राजसुभायमुकुरकरलीन्हा॥बद-
नबिलोकिमुकुटसमकीन्हा॥श्रवणसमीपभएसितकेशा॥मनहुंचौथ
पनअसउपदेशा॥लागिश्रवणजनुकहतबुढाई॥रामहिंराजदेहुकिन-
जाई॥नृपयुवराजरामकहंदेहू॥जीवनजन्मसुफलकरिलेहू॥ ॥
दोहा॥ ॥इहबिचारउरआनिनृप॥सुदिनसुअवसरपाइ॥नतुपु
लकितमनमुदितअति॥गुरुहिंसुनायउजाइ॥६॥ ॥चौपाई॥ ॥
कहेउभुआलसुनहुमुनिनायक॥भएरामसबबिधिसबलायक॥सेवक
सचिवसकलपुरबासी॥जेहमारअरिमित्रउदासी॥सबहिंरामप्रिय-
जेहिंबिधिमोही॥प्रभुअशीषजनुतनुधरिसोही॥बिप्रसहितपरिवार

गोसाईं ॥ करहिंछोहसबरौरिहिंनाईं ॥ जेगुरुचरणरेणुशिरधरहीं ॥
तेजनुसकलविभवबशकरहीं ॥ मोहिसमानअरुभएउनदूजे ॥ सवपा
यउप्रभुपदरजपूते ॥ गुनसागरनागरश्रुतिगाए ॥ बडेभागमोरेगृहआ
ए ॥ जेठेरामजगतहितकारी ॥ सकलसराहतपुरनरनारी ॥ अवअ-
भिलाषएकमनमोरे ॥ पूजहिंनाथअनुग्रहतोरे ॥ मुनिप्रसन्नलखिस
हजसनेहू ॥ कहेउनरेशरजायसुदेहू ॥ ॥दोहा॥ ॥ राजन
राउररामयश ॥ सबअभिमनदातार ॥ फलअनुगामीमहिपमणि ॥
मनअभिलाषतुह्मार ॥ ७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥सबविधिगुरुप्र
सन्नजियजानी ॥ बोलेउराउबिहंसिमृदुबानी ॥ नाथरामकहंकरियुब
राजू ॥ कहियकृपाकरिकरियसमाजू ॥ मोहिअछतइहहोइउछाहू ॥
लहहिंलोगसबलोचनलाहू ॥ प्रभुप्रसादशिवसबैनिबाही ॥ यहैलाल
साहैमनमांहीं ॥ पुनिनशोचतनुरहौकिजाऊ ॥ जेहिनहोइपाछेपिछ-
ताऊ ॥ भरथरामसेंआएकमांगी ॥ मझिमगएमातुलहितलागी ॥ क
रहुबिचारनलावहुबारा ॥ अवपुनिभापनचौथहमारा ॥ कनिमुनिद
शरथबचनसुहाए ॥ मंगलमोदमूलमनभाए ॥ कनिनृपजासुबिमुखप
छताहीं ॥ जासुभजनबिनुजरनिनजाहीं ॥ भएतुम्हारतनयसोईस्वा
मी ॥ रामपुनीतप्रेमअनुगामी ॥ ॥दोहा॥ ॥बेगिबिलंबन
करियनृप ॥ साजियसबेसमाज ॥ कदिनकमंगलतबहिजब ॥ रा
महोहिंयुवराज ॥ ॥चौपाई॥ ॥मुदितमहीपतिमंदिरआए
॥ सेवकसचिवकमंत्रबुलाए ॥ कहिजयजीवसीशतिनिनाए ॥ भूपक-
मंगलबचनकनाए ॥ प्रमुदितमोहिकहेउगुरुआजू ॥ रामहिंराजदेहुयुव
राजू ॥ जौपांचहिंमतलागेनीका ॥ करहुहरषिहियरामहिटीका ॥ मंत्री
मुदितकनतप्रियबाणी ॥ अभिमतकृषीपरेउजनुपानी ॥ बिनतीसचि
वकरहिंकरजोरी ॥ जियहुजगतपतिबरषकरोरी ॥ जगमंगलभलकाज

बिचारा॥ वेगहिनाथनलाइयवारा॥ नृपहिंमोदसुनिसचिवसुभाषा॥ बढतविटपजनुलहीसुशाखा॥ ॥दोहा॥ ॥कहतभूपमुनिराजकर॥जोजोआयसुहोई॥ रामराजअभिषेकहित॥ बेगिकरहुसोईसोइ॥९॥ ॥चौपाई॥ ॥ हरषिमुनीशकहेउमृदुबानी ॥ आनहुसकलसुतीरथपानी॥औषधिमूलफूलपाना॥ कहेनामगणिमंगलनाना॥ चामरचरमबसनबहुभांती॥ रोमपाटपटअगणितजाती॥ मणिगणमंगलबस्तुअनेका॥ जोजगयोगभूपअभिषेका॥ बेदबिहितकहिसकलबिधाना॥ कहेउचहुपुरबिबिधबिताना॥सफलरसालपुंगफलकेरा॥ रोपहुबीथिनपुरचहुंफेरा॥ रचहुमंजुमणिचौकेचारू॥ कहहुबनावनबेगिबजारू॥ पूजहुगणपतिगुरुकुलदेवा॥ सबबिधिकरहुभूमिसुरसेवा॥ ॥दोहा॥ ॥ ध्वजपताकतोरणकलश॥ सजहुतुरंगरथनाग॥ शिरधरिमुनिवरबचनसब॥निजनिजकाजहिंलाग॥१०॥ ॥चौपाई॥ ॥ सुनिसुमंतमनअतिहरषाना॥ जीवनजन्मसफलकरिमाना॥ जहंतहंधावनकोटिपठाए॥ मंगलद्रव्यसकललेआए॥ कनककलशसजिधारेद्वारे॥गजरथतुरगअनेकसंवारे॥ बहुबिधिबांधेबंधनबारा॥ ध्वजपताकमणिवसनअपारा॥ वनानगरनहिवरणाजाई॥ सकललोकसोभापुरछाई॥ तहांतेक्षेपकहैं॥ *॥जहिमुनीशजोआयसुदीन्हा॥ सोजनुकाजप्रथमतेइकीन्हा॥ मुनिमनईछाकरैनपावा॥ सोसुमंतपहिलेहिलैआवा॥*॥ बिप्रसाधुसुरपूजनराजा॥ करतरामहितमंगलकाजा॥ सुनतरामअभिषेकसुहावा॥ बाजेगृहगृहअवधबधावा॥ रामसीयतनुसगुणजनाए॥ फरकहिंमंगलअंगसुहाए॥ पुलकिसप्रेमपरस्परकहहीं॥ भरथआगमनसूचकअहहीं॥ भएबहुतदिनअतिअवसेरी॥ सगुणप्रतीतिभेंटप्रियकेरी॥ भरतसरिसप्रियकोजगमांहीं॥ यहै

सगुणफलदूसरनाहीं॥ रामहिशोचबंधुदिनराती॥ अंडनकमठहृद
यजेहिभांती॥ ॥दोहा॥ ॥इहिंअवसरमंगलपरम॥सुनिहर
षेउरनिवास॥ शोभितलखिविधुबढतजनु॥ बारिधिबीचिबिलास॥११
॥ ॥चौपाई॥ ॥ प्रथमजाइजिन्हबचनसुनाए॥ भूषणबसन
भूरितिनपाए॥ प्रेमपुलकतनुमनअनुरागी॥ मंगलसाजसजनस
बलागी॥ चौकेंचारुसुमित्रापूरे॥ मणिमयबिबिधभांतिअतिरूरे॥
आनंदमगनराममहतारी॥ दिएदानबहुबिप्रहंकारी॥ पूजेउग्रामदेव
सुरनागा॥ कहेउबहोरिदेनबलिभागा॥*॥इहांतेंक्षेपककहें॥*॥ बा
रबारगनपतीहिनिहोरा॥ कीजेसकलमनोरथमोरा॥ भूपतहृदयप्रभु-
प्रेरहुजाई॥ मतिहृददेहुजोजियमहुआई॥ जोकछुइच्छारहींमनमा
हीं॥ सोपइहोईआनकछुनाहीं॥*॥जेहिबिधिहोइरामकल्याणा॥
देहुदयाकरिसोवरदाना॥ गावहिंमंगलकोकिलबयनी॥ बिधुबदनी
मृगशावकनयनी॥ एहिबिधिमंगलबहुतबनाए॥ बिबिधदानविप्र-
नतवपाए॥ ॥दोहा॥ ॥रामराजअभिषेकसुनि॥ हियहरषे
नरनारि॥ लगीसुमंगलसजनसब॥ बिधिअनुकूलबिचारि॥१२॥
॥चौपाई॥ ॥तबनरनाहबसिष्ठबुलाये॥ रामधामशिखदेनपठा
ये॥गुरुआगमनसुनतरघुनाथा॥ द्वारआइनायेउपदमाथा॥ साद
रअर्घदेइघरआने॥षोडशभांतिपूजिसनमाने॥ गहेचरणसियसहि-
तबहोरी॥ बोलेरामकमलकरजोरी॥ सेवकसदनस्वामिआगमनू॥ मं
गलमूलअमंगलदमनू॥ तदपिउचितअसबोलिसप्रीती॥ पठइयना
थकाजअसनीती॥ प्रभुतातजिप्रभुकीन्हसनेहू॥ भएउपनीतआजु-
ममगेहू॥ आयसुहोइसोकरियगोसाईं॥ सेवकलहैस्वामिसेवकाई॥
॥दोहा॥ ॥ सुनिसनेहसानेबचन॥मुनिरघुबरहिंप्रशंस॥ राम-
कसनतुमकहहुअस॥ हंसबंशअवतंस॥१३॥ ॥चौपाई॥ ॥

बरणिरामगुणशीलसुभाऊ॥बोलेप्रेमपुलकिमुनिराऊ॥भूपसजेउ अभिषेकसमाजू॥चाहतदेनतुमहिंयुवराजू॥रामकरहुसबसंयमआजू॥जौंबिधिकुशलनिबाहैकाजू॥गुरुशिखदेइराउपहंगएऊ॥रामहृदयअसबिस्मयभएऊ॥जनमेएकसंगसबभाई॥भोजनशयनकेलिलरिकाई॥कर्णबेधउपबीतबिवाहा॥संगसंगसबभएउउछाहा॥बिमलबंशइहअनुचितएकू॥बंधुबिहाइबड़ेहिअभिषेकू॥प्रभुसप्रेमपछितानिसुहाई॥हरहिभक्तमनकीकुटिलाई॥ ॥दोहा॥ ॥तेंहिअवसरआएलषण॥मगनप्रेमआनंद॥सनमानेप्रियबचनकहि॥रविकुलकैरवचंद॥१४॥ ॥चौपाई॥ ॥बाजहिंबाजनबिबिधबिधाना॥पुरप्रमोदनहिंजाइबखाना॥भरतआगमनसकलमनावहिं॥आवहिंबेगिनयनफलपावहिं॥हाटबाटघरगलीअथाई॥कहहिंपरस्परलोगलुगाई॥कलिलगनभलिकेतिकबारा॥पूजहिंबिधिअभिलाषहमारा॥कनकसिंहासनसीयसमेता॥बैठहिंरामहोइचितचेता॥सकलकहहिंकबहोइहिंकाली॥बिघनमनावहिंदेवकुचाली॥तिनहींसोहाबनअबधबधावा॥चोरहिंचांदनिरातिनभावा॥शारदबोलिबिनयसुरकरहीं॥बारहिंबारपांइलैपरहीं॥ ॥दोहा॥ ॥बिपतिहमारिबिलोकिबडि॥मातुकरियसोइआजु॥रामजाहिबनराजतजि॥होइसकलसुरकाजु॥१५॥चौपाई॥ ॥सुनिसुरबिनयठाढिपछिताती॥भइउसरोजबिपिनहिमराती॥देखिदेवपुनिकहहीबहोरी॥मातुतोहिनहिंथोरीउखोरी॥बिस्मयहर्षरहितरघुराऊ॥तुमजानहुरघुबीरसुभाऊ॥जीबकर्मवशदुखसुखभोगी॥जाइयअवधदेवहितलागी॥बारबारगहिचरणसकोची॥चलीबिचारिबिबुधमतिपोची॥ऊंचनिवासनीचकरतूती॥देखिनशकहिंपराइबिभूती॥आगिलकाजबिचारिबहोरी॥करिहैंचाहकुशलकबिमोरी॥हरषिहृदयदशरथपुरआई॥जनुग्रहद-

दशादुसहदुखदाई॥ ॥दोहा॥ ॥नामपंथरामंदगति॥ चेरिकेकयि
करि॥ अयशपिटारीताहिकरि॥ गईगिरामतिफेरि॥१६॥ ॥ चौ
पाई॥ ॥देखिमंथरानगरबनावा॥ मंगलमंजुलबाजुबधावा॥पूछे
सिलोगन्हकाहउछाहू॥रामतिलकसुनिभाउरदाहू॥करैबिचारकुबुद्धि
कुजाती॥ होइअकाजकवनबिधिराती॥ देखिलागिमधुकुटिलकिराती
॥ जिमिगवतकेलेउंकेहिभांती॥ भरतमातु पहंगइबिलखानी॥काअन
मनीहाबिहसिकहरानी॥ उतरदेइनलेइउसासू॥ नारिचरितकरिढारति
आसू॥ हंसिकहरानिगालबडतोरे॥ दीन्हलषणशिषअसमनमोरे॥तबहुंन
बोलिचेरिबडिपापिनी॥छाडेश्वासकारिजनुसांपिनी॥ ॥दोहा॥
सभयरानिकहकहसिकिन॥कुशलराममहिपाल॥ भरतलषणरिपुदवन-
सुनि॥ भाकुबरीउरशाल॥१७॥ ॥चौपाई॥ ॥*॥कासोवहिसो
हागअभिमानी॥ निकटमहाभयतूनडरानी॥* ॥कतशिखदेइहमहिंको
उमाई॥ गालकरवकिहिकरबलपाई॥ रामहिछांडिकुशलकेहिआजू॥जाहि
नरेशदेतयुवराजू॥ भाकौशल्यहिंबिधिअतिदाहिन॥ देखतगर्वरहितउरना
हिन॥ देखहुकसनजाइसबशोभा॥जोअवलोकिमोरमनक्षोभा॥ पूतबि
देशनशोचतुम्हारे॥ जानतिहौबशनाहहमारे॥नींदबहुतप्रियसेजतुराई
॥लषहुनभूपकपटचतुराई॥ सुनिप्रियबचनकुटिलमनजानी॥झुकि-
कुबरीसनकहअसरानी॥ पुनिअसकबहुंकहसिघरफोरी॥ तोधरि-
जीभकढावौंतोरी॥ ॥दोहा॥ ॥कानीखोरीकूबरी॥कुटिलकुचा
लीजानि॥ तियविशेषपुनिचेरिकहि॥ भरतमातुमुसुकानि॥ १८॥
॥चौपाई॥ ॥प्रियवादिनिशिखदीन्हेउतोही॥ सपनेहुतोपरको
पनमोही॥ सुदिनसुमंगलदायकसोई॥ तोरकहाफुरजिहिंदिनहोई॥
जेठस्वामिसेवकलघुभाई॥ यहदिनकरकुलरीतिसुहाई॥ रामतिलकजौं
साचेहुकाली॥ मंगुदेउमनभावतआली॥ भरततेरामअधिकप्रियमो

रे॥ तिनकेराजकवनभयतोरे॥ कौसल्यासमशबमहतारी॥ रामहिंसह
जस्वभावपियारी॥ मोपरकरहिंसनेहबिशेषी॥ मैंकरिप्रीतिपरीक्षादेखी
॥जौंबिधिजन्मदेइकरिछोहू॥ होहिंरामसियपूतपतोहू॥ प्राणतेंअधिक
रामप्रियमोरे॥ तिनकेतिलकक्षोभकसतोरे॥ अतिप्रियबचनसुनाएहु
मोही॥ कहुमंथरादेहुकातोही॥ ॥दोहा॥ ॥ भरथशपथतोहि
सत्यकहु॥ परिहरिकपटदुराव॥ हर्षसमयविस्मयकरसि॥ कारणमो
हिसुनाव॥१९॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनतबचनमथरारिसानी॥
बोलीबचनकपटछलसानी॥ एकहिंबारआशसबपूजी॥ अबकछुक
हवजीभकरिदूजी॥ फोरेयोगकपारअभागा॥ भलेकहतदुखरौरेहुंला
गा॥ कहइझूठफुरबातबनाई॥ तेप्रियतुमहिंकरुईमैमाई॥ हमहुकह
बअबठकुरसोहाती॥ नाहितमौनरहबदिनराती॥ करिकुरूपबिधिप
रबशकीन्हा॥ बोवासोलुनियचहियजोदीन्हा॥ कोउनृपहोउहमैंकहा
नी॥ चेरीछांडिनहिहोउबरानी॥ जारईजोगस्वभावहमारा॥ अनभल
देखिनजाइतुम्हारा॥ तातेंकछुकबातअनुसारी॥ क्षमवदेविबडिचू
कहमारी॥ ॥दोहा॥ ॥गूढकपटप्रियबचनसुनि॥तीयअधर
बुधिरानि॥ सुरमायाबशबैरनिहि॥ सुहृदजानिपतिआनि॥२०॥
॥चौपाई॥ ॥सादरपुनिपुनिपूछतिओही॥ शबरीगानमृगीजनु
मोही॥ तसमतिफिरीअहैजसभावी॥ रहसिचेरिघातभलिफावी॥ तुमपूछ
हमैंकहतडेराऊं॥ धरेहुमोरघरफोरीनाऊं॥ सजिप्रतितीबहुबिधिगढछो
ली॥ आयुधसाढसतीतबबोली॥ प्रियसियरामकहातुमरानी॥ रा
महिंतुमप्रियसोफुरबानी॥ रहाप्रथमदिनसोअबबीते॥ समयपाइ
रिपुहोहिंपिरीतें॥ भानुकमलकुलपोषनिहारा॥ बिनुजलजारिकरैसो
इछारा॥ जरतुम्हारिचहसबतिउखारी॥ रूंधहुकरिउपाइबरवारी॥
॥ ॥दोहा॥ ॥तुमहिनशोचसोहागबल॥निजबशजानुहुराव

मनमलीनमुहमीठनृप॥ राउरसरलसुभाव॥२१॥ ॥चौपाई॥
॥चतुरगभीररामममहतारी॥बीचपाइनिजकाजसम्हारी॥पठएभरत
भूपननिओरे॥राममातुमतिजानबरौरे॥सेवहिंसकलसबतिमोहिनीके
॥गर्बितभरतमातुबलपीके॥शालतुम्हारकौशिलहिमाई॥चतुरकपूट
नहिंपरतलखाई॥राजहितुमपरप्रीतिविशेषी॥सबतिसुभावृशकैनहिंदे
षी॥रचिप्रपंचभूपहिंअपनाई॥रामतिलकहितलागनधराई॥इहिंकु
लउचितरामकहंटीका॥सबहिंसोहाइमोहिसुठिनीका॥आगिलबातसा
मुझिडरमोही॥देऊदेवफिरिसोफलओही॥ ॥दोहा॥ ॥रचिपचिको
टिककुटिलपन॥ कीन्हेसिकपटप्रबोध॥कहेसिकथाशतसौतिकर॥जा
तेबढैविरोध॥२२॥ ॥चौपाई॥ ॥भावीबशप्रतीतिउरआई॥पूछि
रानिनिजशपथदिवाई॥कापूछहुतुमअबहुनजाना॥निजहितअनहि
तपशुपहिचाना॥भएउपाखदिनसजतसमाजू॥ तुमसुधिपायहुमोस
नआजू॥ खाइयपहिरियराजतुम्हारे॥सत्यकहेंनहिदोषहमारे॥जौअ
सत्यकछुकहबबनाई॥तौबिधिदेहहिंमोहिसजाई॥ रामहिंतिलककाः
लिजौंभएऊ॥ तुमकहबिपतिबीजबिधिवएऊ॥रेखाखैंचिकहौंबलभाखी
॥भामिनिभयिहुदुधकीमाखी॥जौंसुतसहितकरहुसेवकाई॥तौघरर
हहुनआनउपाई॥ ॥दोहा॥ ॥कद्रूबिनतहिंदीन्हदुख॥तुमहिं
कौशिलादेव॥भरतबंदिगृहसेइहें॥रामलषेणकरनेव॥२३॥ ॥चौ
पाई॥ ॥केकयसुतासुनतकटुवानी॥कहिनशकेकछुसहमिसु-
खानी॥तनुपसेवकदलीजिमिकापी॥कुबरीदशनजीभतबचापी॥कहि
कहिकोटिककपटकहानी॥धीरजधरहुप्रबोधेसिरानी॥कीन्हेसिकठि
नपढाइकपाटू॥जिमिननवैफिरिउकठिकुकाटू॥ ॥क्षेपकहै॥ ब-
चनसुनतअतिसयभयमानी॥दुष्टसंगनेमतीबौरानी॥धरमनिरत
गुनज्ञानगंभीरा॥दुष्टसंगमतिरहेनधीरा॥ ॥ फिराकर्मप्रियलागि-

कुचाली॥ बकिहिंसराहतिमनहुमराली॥ सुनुमंथराबातफुरतोरी॥ दा
हिनआंखिफरकनितमोरी॥ दिनप्रतिदेखौंरातिकुसपना॥ कहौंनतोहिमो
हिवशअपना॥ कहकरोंसखिशूद्धसुभाऊ॥ दहिनबामजानौंनहिकाऊ॥
॥दोहा॥ ॥अपनेचलतनआजुलगि॥ अनभलकाहुककीन्ह॥
केहिअघएकहिंबारमोंहि॥ दैवदुसहसुखदीन्ह॥२४॥ ॥चौपाई॥
नैहरजन्मरहबबरुजाई॥ जिअतनकरबसबतिसेबकाई॥ अरिबशदैव
जिआवैजाही॥ मरणतेहिजीवननाही॥ दीनबचनकहबहुविधरानी॥
सुनिकुबरीतियमायाठानी॥ असकसकहहुमानिमनऊना॥ सुखसोहा
गतुमकहदिनदूना॥ जोराउरअसअनभलताका॥ सोपाइहियहफलपरि-
पाका॥ जबतेंकुमतिसुनामेंस्वामिनि॥ भूखनबासरननींदनयामिनि॥
पूछागुणिनरेखतिनरबांची॥ भरतभुआलहोवयहसांची॥ भामिनिकर
हुतकहौंउपाऊ॥ हैतुम्हरेसेवाबशराऊ॥ ॥दोहा॥ ॥परौंकूपत
बबचनलगि॥ शकौंपूतपतित्यागि॥ कहेसिमोरदुखदेखिबड॥ कसनक
रबहितलागि॥२५॥ ॥चौपाई॥ ॥कुबरीकरीवावरिकेकेई॥ क
पटछुरीउरपाहनटेई॥ लषेनरानिनिकटदुखकैसे॥ चरेहरिततृणवलिप
शुजैसे॥ सुनतबातमृदुअंतकठोरी॥ देतिमनहुमधुमाहुरघोरी॥ कहे
चेरिसुधिअहैकिनाही॥ स्वामिनिकहहुकथामोंहिपांही॥ दुइबरदानभू
पसनथाती॥ मागहुआजुजुडाबहुछाती॥ सुतहिराजरामहिंबनबा
सू॥ देहुलेहुसबसबतिहुलासू॥ भूपतिरामशपथजबकरई॥ तबमाग
हुजेहिबचननटरई॥ होइअकाजुआजुनिशिबीते॥ बचनमोरफुर
मानहुजीते॥ ॥दोहा॥ ॥बडकुघातकरिपातकिनि॥ कहेसिको
पगृहजाहु॥ काजसंवारहुसजगहोई॥ सहसाजनिपतिआहु॥२६॥
॥चौपाई॥ ॥कुवरिहिरानिप्राणप्रियजानी॥ बारबारबडिबु
द्धिबखानी॥ तोहिसमहितूनमोहिसंसारा॥ बहेजातकैभयिसिअध

रा॥ जौंबिधिपूरवमनोरथकाली ॥करौंतोहिकचपूतरिआली॥ बहुबि
धिचेरिहिंआदरदेई॥ कोपभवनगवनीकैकेई॥ बिपतिबीजवर्षाऋतुचे
री॥ महिभइकुमतिकैकेयीकेरी॥ पाइकपटजलअंकुरजामा॥ वरदोउदल
फलदुखपरिणामा॥ कोपसमाजसाजिसबसोई॥ राजकरततेहिकुमतिवि
गोई॥ राउरनगरकोलाहलहोई॥ यहकुचालिकछुजाननकोई॥ ॥दोहा
प्रमुदितपुनिनरनारिसब॥ साजिसुमंगलचार॥ एकप्रविशहिएकनिर्गम
हीं॥ भीरभूपदरबार॥२७॥ ॥चौपाई॥ ॥ बालसभासुनिहिय
हरषाहीं॥ मिलिदशपांचरामपहिंजाहीं॥ प्रभुआदरहिंप्रेमपहिचानी॥
पूछहिंक्षेमकुशलमृदुबानी॥ फिरहिंभवनप्रभुआयसुपाई॥ करतपरस्प
ररामबड़ाई॥ कोरघुवीरसरिससंसारा॥ शीलसनेहनिवाहनहारा॥जेहिं
जेहिंयोनिकर्मवशभ्रमहीं॥ तहंतहंईशदेवयहहमहीं॥ सेवकहमस्वामी-
सियनाहू॥ होउनाथयहओरनिबाहू॥* ॥क्षेपकहे॥ अभिमतिदानी-
कहवहुनीके॥पुरवहुसकलमनोरथजीके॥* ॥असअभिलाषत्हृदय-
सबकाहू॥ केकयसुताहृदयअतिदाहू॥ कोनकुसंगतिपाइनशाई॥रहै
ननीचमतेचतुराई॥* ॥ क्षेपकहै॥ अतिहिसुशीलकैकेयीरानी॥ दुष्ट-
संगतेमतिबौरानी॥* ॥दोहा॥ ॥ सांझसमयसानंदनृप॥ गएकैक-
यीगेह॥ गवननिठुरतानिकटकिय॥ जनुधरिदेहसनेह॥२८॥ ॥
चौपाई॥ ॥कोपभवनसुनिसकुचेराऊ॥ भयबशआगेपरैनपाऊ॥
सुरपतिबसहिंबाहुबलजाके॥ नरपतिरहहिंसकलरुषताके॥ सोसुनितिं
यरिसगएसुखाई॥ देखहुकामप्रतापबडाई॥ शूलकुलिशअसिअवग-
निहारे॥ तेरतिनाथसुमनशरमारे॥सभयनरेशप्रियापहंगएऊ॥ देखि
दशादुखदारुणभएऊ॥ भूमिशयनपटमोटपुराना॥ दियेडारितनुभूषण
नाना॥ कुमतिहिंकसकुरूपताफाबी॥ अनअहितबातसूचजनुभावी॥
जाइनिकटनृपकहमृदुबानी॥ प्राणप्रियाकेहिहेतुरिसानी॥ ॥छंद॥

केहिहेतुरानिरिसानिपरसतपाणिपतिहिंनिवारई॥ मानहुंसरोषभुजंग भामिनिविषमभांतिनिहारई॥१॥ द्वौवासनारसनादशनवरमर्मठाहरदेखई॥ तुलसीनृपतिभवितव्यताबशकामकौतुकलेखई॥२॥ ॥सोरठा॥ ॥बारबारकहराउ॥ सुमुखिसुलोचनिपिकबयनि॥ कारणमोहिसुनाउ॥ गजगामिनिनिजकोपकर॥२९॥ ॥चौपाई॥ ॥अनहिततोरप्रियाकेहिंकीन्हा॥ केहिदुइशिरकेहियमचहलीन्हा॥ कहुकेहिरंकहिंकरौंनरेशू॥ कहुकेहिनृपहिनिकारौंदेशू॥ शकौंतोरअरिअमरहुंमारी॥ कहाकीटबपुरेनरनारी॥जानसिमोरसुभावबरोरू॥ मनतवआननचंद्रचकोरू॥ प्रियाप्राणसुतसर्बसमोरे॥ परिजनप्रजासकलबशतोरे॥जोकछुकहौंकपटकरितोही॥ भामिनिरामशपथशतमोही॥ बिहंसिमांगुमनभावनिबाता॥ भूषणसाजुमनोहरगाता॥ घरीकुघरीसमुझिजियदेषू॥ बेगिप्रियापरिहरहुकुबेषू॥ ॥दोहा॥ ॥यहसुनिमनगुणिशपथबडि॥ बिहंसिउठीमतिमंद॥भूषणसजतिबिलोकिमृग॥मनहुंकिरातिनिफंद॥३०॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिकहराउसुहृदजियजानी॥ प्रेमपुलकिमृदुमंजुलबानी॥ भामिनिभएउतोरमनभावा॥ घरघरनगरआनंदबधावा॥ रामहिंदेउंकालियुवराजू॥ सजहुसुलोचनिमंगलसाजू॥दलकिउठीसुनिबचनकठोरा॥ जनुछइगएउपाकबरतोरा॥ ऐसीपीरबिहंसिउरगोई॥ चोरनारिजिमिप्रगटनरोई॥ लखीनभूपकपटचतुराई॥ कोटिकुटिलमतिगुरूपटाई॥यद्यपिनीतिनिपुणनरनाहू॥ नारिचरितजलनिधिअवगाहू॥ कपटसनेहबडाइबढारी॥ बोलीबिहंसिनयनसुखमोरी॥ ॥दोहा॥ ॥मांगुमांगुतुम्हकहहुपिय॥कबहुनदेहुनलेहु॥देनकहेउबरदानदुइ॥ सोउपावतसदेहु॥३१॥ ॥चौपाई॥ ॥*॥क्षेपकहै॥ देहुतजियउतजौंनतप्राणा॥ बचनसुनतभूपतिमुसुकाना॥*॥जानेउंमर्मराउहंसिकहई॥ तुम्हहिकों

हाचपरमप्रियअहई॥ थातीराखिनमागेउकाऊ॥ बिसरिगएममभोरस्व
भाऊ॥ ऊवहुंदोषहमहिजनिदेहू॥ दुइकेचारिमांगिकिनलेहू॥ रघुकुलरी
तिसदाचलिआई॥ प्राणजाइबरुबचननजाई॥ नहिअसत्यसमपातक-
पुंजा॥ गिरिसमहोहिंकिकोटिकगुंजा॥ सत्यमूलसबसुकृतसुहाए॥ बेद
पुराणबिदितमुनिगाए॥ तेहिंपररामशपथकरवाई॥ सुकृतसनेहअव
धिरघुराई॥ बातदृढाइकुमतिहंसिबोली॥ कुमतिविहंगकुलहीजनुखो
ली॥ ॥दोहा॥ ॥भूपमनोरथसुभगवन॥ सुखसुविहंगस
माज॥ भिल्लिनिजनुछाडनचहति॥ बचनभयकरबाज॥३२॥ ॥चौ
पाई॥ ॥सुनहुप्राणपतिभावतजीका॥ देहुएकवरभरतहिटीका॥
दूसरवरमागोकरजोरी॥ नाथमनोरथपुरबहुमोरी॥ तापसबेषविशेष
उदासी॥ चौदहवर्षरामबनवासी॥ सुनिमितियबचनभूपउरशोकू॥ शशिक
रउदितबिकलजिमिकोकू॥ सभ्रमसुरछिपरेनृपकेसे॥ काटेउपखपरा-
षगजैसे॥ गएसहमिकछुकहिनहिआवा॥ जनुसचानवनऊपठेउलावा
॥ बिवरणभएउनिपटमहिपालू॥ दामिनिहतेउतरूतालू॥ माथेहाथमुं
दिदोउलोचन॥ तनुधरिशोचलागजनुशोचन॥ मारेमनोरथसुरतरु
फूला॥ फलतकरिणिजनुहतेउसमूला॥ अवधउजारिकीन्हकैकेयी॥
दीन्हेसिअचलबिपतिकैनेई॥ ॥दोहा॥ ॥कवनेअवसरकाभए
उ॥ गएउनारिबिश्वास॥ योगसिद्धिफलसमयजिमि॥ यतिहिअविद्या
नाश॥३३॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिबिधिराऊमनहिंमनझाषा॥ देखि
कुभांतिकुमतिमनभाषा॥ भरतकिराउपूतनहोही॥ आनेहुमोलबेसाहिकि
मोही॥ जोसुनिशरअसलागुतुम्हारे॥ काहेनबोलेउबचनसंभारे॥ देहउ
तरअसकहहुकिनाही॥ सत्यसिंधुतुमरघुकुलमाही॥ देनकहेउवरअव
जनिदेहू॥ तजहुसत्यजगअपयशलेहू॥ सत्यसराहिकहेउवरदेना॥ -
जानेहुलेइहिंमांगिचबेना॥ शिबिदधिचिबलिजोकछुभाषा॥ तनुधनतजे

१ बाजकीटोपी

उबचनपएराषा॥ अतिकटुबचनकहतिकेकेई॥ मानहुलानजरेपर
देई॥ ॥दोहा॥ ॥धर्मधुरंधरधीरधरि॥ नयनउघारेराउ॥ शिरधु
निलीन्हउसासअसि॥ मारेसिमोहिकुघाउ॥३४॥ ॥चौपाई॥
॥ आगेदेखिजरतिरिसभारी॥ मनहुरोषतरबारिउघारी॥ मूठिकुबुद्धि
धारनिठुराई॥ धरिकुबरीखरशानबनाई॥ लषेउमहीपकरालकठोरा॥
सत्यजीवमहलेइहिमोरा॥ बोलेराउकठिनकरीछाती॥ बाणीबिनयन
ताहिसोहाती॥ मोरेभरतरामदोउआंखी॥ सत्यकहौंकरिशंकरसाखी
॥ प्रियाबचनकसकहसिकुभांती॥ रीतिप्रतीतिप्रीतिकरिहाती॥ अव
शिदूतमैंपठउबप्राता॥ ऐहैंबेगिसुनतदोउभ्राता॥ सुदिनसाधिस
बसाजसजाई॥ देहौंभरतहिंराजबडाई॥॥ क्षेपकहै॥ तबसुतरा
जकरौंसुनुरानी॥ रामरहहुगृहकहुयहबानी॥॥ भयभलतोरकीन
अभिलाषा॥ तोहिजियकुटिलवचनअसमाषा॥ ॥दोहा॥ ॥
लोभनरामहिंराजकर॥ बहुतभरतपरतप्रीति॥ मैंबडछोटबिचारकरि॥
करतरहेउंनृपनीति॥३५॥ ॥चौपाई॥ ॥॥ क्षेपकहै॥ बि
नुरघुपतिमम जीवननाहीं॥ प्रियाविचारदेखुमनमाहीं॥॥ रामश
पथशतकहेउसुभाऊ॥ राममातुमोहिकहानकाऊ॥ मैंसबकीन्हतोहि
बिनुपूछे॥ तातेपरेउमनोरथछूछे॥ रिसपरिहरुअबमंगलसाजू॥ क
छुदिनगएभरतयुवराजू॥ एकहिबातमोहिदुखलागा॥ बरदूसरअ
सैमंजसमागा॥ अजहुंहृदयदहततेहिआंचा॥ रिसपरिहासकिसांच
हुसांचा॥ कहुतजिरोषरामअपराधू॥ सबकोउकहतरामसुठिसाधू॥
तोहुसराहसिकरसिसनेहू॥ अबसुनिमोहिभएउसदेहू॥ जासुसु
भावअरिहुअनुकूला॥ सोकिमिकरहिंमातुप्रतिकूला॥ ॥दोहा॥
॥प्रियाहासरिसपरिहरहु॥ मागुबिचारिबिबेक॥ जेहिदेखौंअबनय
नभरि॥ भरतराजअभिषेक॥३६॥ ॥चौपाई॥ ॥जियेमीनब-

रुबारिबिहीना ॥ मणिबिनुफणिकजियैदुखदीना ॥ कहौंसुभावनछलमन
मांहीं ॥ जीवनमोररामबिनुनाहीं ॥ समुझिदेखुतैंप्रियबीणा ॥ जीवनराम-
दरशाधीना ॥ ॥ क्षेपकहे ॥ यद्यपिनृपअतिकीन्हनिहोरा ॥ मानैनहिंअति
हृदयकठोरा ॥ ॥ सुनिमृदुवचनकुमतिअतिजरई ॥ मनहुंअनलआहु
तिघृतपरई ॥ कहहुकरहुकिनकोटिउपाया ॥ इहांनलागिहिराउरमाया ॥
देहुकिलेहुअयशरनाहीं ॥ मोहिनबहुतप्रपंचसोहाहीं ॥ रामसाधुतुमसाधु
सुज्ञाना ॥ राममातुभलितुमपहिचाना ॥ जशकोशल्यामोरभललाका ॥ तस
फलदेउउन्हैंपरिपाका ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ होनप्रातमुनिबेषधरि ॥ जौंनरा
मबनजाहीं ॥ मोरमरणराउरअयश ॥ नृपसमुझियमनमांहीं ॥ ३७ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ असकहिकुटिलभईउठिगाढी ॥ मानहुरोषतरंगिनि
बाढी ॥ पापपहारप्रगटभइसोई ॥ भरीक्रोधजलजाइनसोई ॥ दुइबर
कूलकठिनहठधारा ॥ भंवरकूवरीबचनप्रचारा ॥ डाहतिभूपरूपतरु
मूला ॥ चलीबिपतिबारिधिअनुकूला ॥ लखीनरेशबानसबसाची ॥
तियमिषमीचुशीसपरनाची ॥ गहिपदबिनयकीन्हबैठारी ॥ जनिदिन
करकुलहोसिकुठारी ॥ मांगुमाथअबहिंदेउंतोही ॥ रामबिरहजनिमा
रिसिमोही ॥ राखुरामकहंजेहितेहिभांती ॥ नाहितजरिहिंजन्मभरि
छाती ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ देखिब्याधिअसाध्यनृप ॥ परेउधरणि-
धुनिमाथ ॥ कहतपरमआरतबचन ॥ रामरामरघुनाथ ॥ ३८ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ ब्याकुलराउशिथिलसबगाता ॥ करिणिकल्पतरुमन-
हुनिपाता ॥ कंठसूषसुखआवनबानी ॥ जिमिपाठीनदीनबिनुपानी ॥
पुनिकहनकटुकठोरकैकेई ॥ मनहुघावमहमाहुरदेई ॥ जौंअंतहुअ
सकरतबरहेऊ ॥ मांगुमांगुतुमकेहिबलकहेऊ ॥ दुइकिहोईएकसमय
भुआला ॥ हसबठठाइफुलाइबगाला ॥ दानिकहाउबअरुकृपणाई ॥
चाहियक्षेमकुशलरौताई ॥ छाडहूबचनकिधीरजधरहू ॥ जनिअब

लाइवकरुणाकरहू ॥ तनुतियतनयधामधनधरणी ॥ सत्यसिंधुकहं
तृणसमबरणी ॥ ॥ क्षेपकहै ॥ दीनदानफिरिमागसिराजा ॥ पहिहरवेद
लोककीलाजा ॥ होनप्रातसुतवनहिनजाई ॥ चौथेपननृपसुजसनसा
ई ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मर्मबचनसुनिराउकह ॥ कछुकदोषनहि
तोर ॥ लागेउतोहिपिशाचजिमि ॥ कालकहाबतमोर ॥ ३९ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ चहतनभरतभूपपदमोरे ॥ बिधिबशकुमतिबसीउर
तोरे ॥ सोसबमोरपापपरिणामू ॥ भएकुठाहरजिहिबिधिबामू ॥ सुवसब-
सिहिफिरिअवधसुहाई ॥ सबगुणधामरामप्रभुताई ॥ करिहंहिभाइसकलसे
वकाई ॥ होइहिहैंतिहुपुररामबडाई ॥ तोरकलंकमोरपछिताऊ ॥ मुयेहुनमि-
टहिनजाइहिकाऊ ॥ अबतोहिनीकलागुकरुसोई ॥ लोचनओटवैठुमुख-
गोई ॥ जबलौंजियौंकहौकरजोरी ॥ तबलौंजनिकछुकहसिबहोरी ॥ फिरिप
छितैहसिअंतअभागी ॥ मारेसिगायनहोरुलागी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
परेउराउकहिकोटिबिधि ॥ काहेकरसिनिदान ॥ कपटसयानिनकहतिक
छु ॥ जागतिमनहुमशान ॥ ४० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ रामरामरटिविक
लेभुआलू ॥ जनुबिनुपखबिहंगबिहालू ॥ हृदयमनावभोरजनिहोई ॥ रा
महिंजानकहइंजनिकोइ ॥ उदयकरहुजनिरघुकुलगुरु ॥ अवधबिलोकि
शूलहोइहिउर ॥ भूतप्रीतिकैकेयिनिठुराई ॥ उभयअवधबिधिरचीबना-
ई ॥ बिलपतनृपहिभयउभिनुसारा ॥ बीणाबेणुशस्वधुनिद्वारा ॥ पढहि
भाटगुणगावहिंगायक ॥ सुनतनृपतिजनुलागहिशायक ॥ मंगलसक
लसुहाइनकैसे ॥ सहगामिनीविभूषणजैसे ॥ तेहिनिशिनींदपरिन-
हिकाहू ॥ रामदरशलालसाउछाहू ॥ ॥ क्षेपकहै ॥ कबहिउदेरविहो
ईविहाना ॥ देखिनयननकृपानिधाना ॥ गजआरूढअनुजभ्रीसंगा ॥
सोभातनसतकोटिअनंगा ॥ ॥ करतमनोरथरातिसेरानी ॥ प्रात
प्रगटजागेमुनिज्ञानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ द्वारभीरसेवकसचिव ॥

कहहिउदितरबिदेषि॥जागेअबहुंनअबधपति॥कारणकबनबिशेषि॥॥४१॥ ॥चौपाई॥ ॥पछिलेपहरभूपनितजागा॥आजुहमहि बडअचरजलागा॥जाहुस्रमंत्रजगाबहुजाई॥जीकियकाजरजायसु पाई॥ गेस्रमंतनृपमंदिरमाही॥देखिभयानकजातडेराहीं॥धाइखा इजसुजाइनहेरा॥मानहुंबिपतिविषादबसेरा॥पूछतकोऊनऊतरदे ई॥गेजहिभवनभूपकैकेई॥कहिजयजीवबेठशिरनाई॥देखिभूपगति गएस्रखाई॥शोचबिकलबिबरणमहिपरेऊ॥मानहुकमलमूलपरिहरे उ॥सचिवसभीतशकैनहिपूछी॥बोलीअशभभरीशभछूली॥ ॥ दोहा॥ ॥परीनराजहिंनीदनिशि॥मर्मजानजगदीश॥रेमरामरटि भोरकिय॥हेतुनकहेउमहीश॥४२॥ ॥चौपाई॥ ॥आनहुरा महिंबेगिबुलाई॥समाचारसबपूछहुआई॥चलउस्रमंतराउरुषजा नी॥लखीकुचालिकीन्हकछुरानी॥शोचबिकलमगपरेनपाउ॥राम- हिबोलिकहहिकाराऊ॥उरधरिधीरजगएउदुआरे॥पूछहिंसकल देखिमनमारे॥समाधानसोकरिसबहीका॥गएजहांदिनकरकुल- टीका॥रामस्रमंतहिआवतदेखा॥आदरकीनपितासमलेखा॥ निरखिवदनकहीभूपरजाई॥रघुकुलदीपहिचलेलिवाई॥रामकु- भांतिसचिवसंगजाहीं॥देखिलोगजहंतहबिलखाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥जाइदीखरघुवंशमणि॥नरपतिनिपटकुसाज॥समहिपरेउल- खिसिंहनिहि॥मनहुंवृद्धगजराज॥४३॥ ॥चौपाई॥ ॥ सूषहिंअधरजरेसबअंगू॥मनहदीनमणिहीनभुवंगू॥सरूषस- मीपदेखिकेकेई॥मानहुंमीचुधुरीगुणिलेई॥करुणामयमृदुराम- स्रभाऊ॥प्रथमदीखदुखस्रनानकाऊ॥तदपिधीरधरिसमयवि- चारी॥पूछीमधुरवचनमहतारी॥चरननाइसिरदोउकरजारी ॥बोलेवचनस्रधाजनुवारी॥मोहिकहमातुतातदुखकार

ण॥करिययतनजेहिहोइनिवारण॥सुनहुरामसबकारणएहू॥राजहिंतु
मपरबहुतसनेहू॥देनकहेमोहिदुइवरदाना॥मांगेउंजोकछुमोहिसोहाना
॥सोसुनिभयेउभूपउरशोचू॥छांडिनशकहिंतुम्हारसकोचू॥ ॥दोहा
॥ ॥सुतसनेहइतवचनउत॥संकटपरेउनरेश॥शकहुतोआयसुधर
हुशिर॥मेटहुकठिनकलेश॥४४॥ ॥चौपाई॥ ॥निधरकबैठिक
हतिकटुबानी॥सुनतकठिनताअतिअकुलानी॥जीभकमानबचनशरनाना
॥मनहुंमहिपमृदुलक्षसमाना॥जनुकठोरपणधरेशरीरू॥शीखइधनु-
बिद्याबरबीरू॥सबप्रसंगरघुपतिहिंसुनाई॥बैठीमनुतनुधरिनिठुराई॥
मनसुसुकाहिभानुकुलभानू॥रामसहजआनंदनिधानू॥बोलेबचनबि
गतसबदूषण॥मृदुमंजुलजनुवागबिभूषण॥सुनुजननीसोइसुतबड
भागी॥जोपितुमातुबचनअनुरागी॥तनयमातुपितुपोषणहारा॥दु
र्लभजननीयहसंसारा॥ ॥दोहा॥ ॥मुनिगणमिलनविशेषबन
॥सबहिंभांतिहितमोर॥तेहिमहंपितुआयसुबहुरि॥संमतजननीतोर
॥४५॥ ॥चौपाई॥ ॥भरतप्रानप्रियपावहिंराजू॥विधिसबबिधि
मोहिसन्मुखआजू॥जौनजावबनऐसेहुंकाजा॥प्रथमगणियमोहिमूढ
समाजा॥सेवएरंडकल्पतरुत्यागी॥परिहरअमियलेहिंविषमांगी॥तेउ
नपाइअससमयचुकाहीं॥देखिबिचारिमातुमनमाहीं॥अबएकदुखमोहि
बिशेषी॥निपटबिकलनरनायकदेषी॥थोरीबातपितहिदुखभारी॥होतिम
तीतिनमोहिमहतारी॥राउधीरगुणउदधिअगाधू॥भामोतेकछुबडअपरा
धू॥जातेमोहिनकहकछुराऊ॥मोरशपथतोहिकहुसतिभाऊ॥ ॥दोहा
॥ ॥सहजसरलरघुपतिबचन॥कुमतिकुटिलकरजान॥चलैजोंकजि
मिबक्रगति॥यद्यपिसलिलसमान॥४६॥ ॥चौपाई॥ ॥रहसीरा
नीरामरुखपाई॥बोलीकपटसनेहजनाई॥शपथतुहारभरतकैआना
॥हेतुनदूसरमैकछुजाना॥तुमअपराधयोगनहिंताता॥जननीजनकबंधु

सुखदाता॥ राम सत्यसबसोकछुकहहु॥ तुमपितुमातुवचनरतअहहु॥
पिनहिबुझाइकहेहुबलिसोई॥ चौथोपनजेहिअयशनहोई॥ तुमसमसुवन-
सुकृतजेहिदीन्हे॥ उचितननासुनिरादरकीन्हे॥ लागहिकुसुखिबचनशुभ-
कैसे॥ मगहगयादिकतीरथजैसे॥ रामहिमातुबचनसबभाए॥ जिमिसु
रसरिगतसलिलसुहाए॥ ॥दोहा॥ ॥गईमूर्छारामहिसुमिरि॥ नृप
फिरिकरबटलीन॥ सचिवरामआगमनकहि॥ बिनयसमयसमकीन॥४७
॥ ॥चौपाई॥ ॥जवनृपअकनिरामपगुधारे॥ धरिधीरजतबनयनउ
घारे॥ सचिवसंभारिराउबैठारे॥ चरणपरतनृपरामनिहारे॥ लियेउसने
हबिकलउरलाई॥ गइमणिमनहुफणीफिरिपाई॥ रामहिचितैरहेनरना
हू॥ चलाबिलोचनवारिप्रवाहू॥ शोकबिबशकछुकहैनपारा॥ हृदयलगा
वतबारहिबारा॥ बिधिहिमनावराउमनमाहीं॥ जेहिरघुनाथनकाननजाही
॥सुमिरिमहेशहिकहहिंनिहोरी॥ बिनतीसुनहुसदाशिवमोरी॥ आशतोषतु
मअौढरदानी॥ आरतिहरहुदीनजनजानी॥ ॥दोहा॥ ॥तुमप्रेरक
सबकेहृदय॥ सोमतिरामहिदेहु॥ बचनमोरतजिरहहिंघर॥ परिहरिशील
सनेहु॥४८॥ ॥चौपाई॥ ॥अयशहोउबरुसुयशनशाऊ॥ नरक
परौबरुसुरपुरजाऊ॥ सबदुखदुसहसदाबहुमोही॥ लोचनओटरामज
निहोही॥ असमनगुणहिराउनहिबोला॥ पीपरपातसरिसतनडोला॥ र
घुपतिपितहिप्रेमबशजानी॥ पुनिकछुकहेउमातुअनुमानी॥ देशकालअ
वसरअनुसारी॥ बोलेबचनबिनीतबिचारी॥ तातकहौंकछुकरौंदिठाई॥
अनुचितक्षमबजानिलरिकाई॥ अतिलघुबातलागिदुखपावा॥ काहुनमो
हिकहिप्रथमसुनावा॥ देखिगोसांइहिंपूछेउमाता॥ सुनिप्रसंगभएशी
तलगाता॥ ॥दोहा॥ ॥मंगलसमयसनेहबश॥ शोचपरिहरियेे-
तात॥ आयसुदेइअहरषिहिय॥ कहिपुलकेप्रभुगात॥४९॥ ॥
चौपाई॥ ॥धन्यजन्मजगतीतलतासू॥ पितहिप्रमोधचरितसुनि

जासू ॥ चारिपदारथकरतलताके ॥ प्रियपितुमातुप्राणसमजाके ॥ आ
यसुपालिजन्मफलपाई ॥ ऐहौंबेगिहिहोईरुजाई ॥ विदामातुसनआवौंमां
गीं ॥ चलिहौंबनहिबहुरिपदलागी ॥ असकहिरामगबनतबकीन्हा ॥ भू
पशोचबसउतरनदीन्हा ॥ नगरव्यापिगईबातसुतीछी ॥ छुअतचदीजनु
सबतनुबीछी ॥ सुनिभएबिकलसकलनरनारी ॥ बेलिबिटपजनुलागिद
वारी ॥ जोजहसुनैंधुनैशिरसोई ॥ बडविषादनहिधीरजहोई ॥ ॥ दो
हा ॥ ॥ मखसूखहिंलोचनस्रवहिं ॥ शोकनहृदयसमाइ ॥ मानहुकरु
णारसकटक ॥ उतरीअवधिबजाइ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ भलिबनाईबि
धिबातबिगारी ॥ जहतहंदेहिकेकयिहिगारी ॥ इहिंपापिनिहिंबूझिकाप
रेऊ ॥ छाइभवनपरपावकधरेऊ ॥ निजकरनयनकाढिचहदीषा ॥ डारिसु
धाविषचाहतचीषा ॥ कुटिलकठोरकुबुद्धिअभागी ॥ भइरघुबंशबेणुबन-
आगी ॥ पल्लवबैठिपेडचहकाटा ॥ सुखमहुशोकठाटधरिठाटा ॥ सदारा
मइहिप्राणसमाना ॥ कारणकवनकुटिलपणठाना ॥ सत्यकहहिंकबि
नारिसुभाऊ ॥ सबबिधिअगमअगाधदुराऊ ॥ निजप्रतिबिंबरूपगहि-
जाई ॥ जानिनजाइनारिगतिभाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कानहिपावक
जरिशकै ॥ कानसमुद्रसमाइ ॥ कानकरैअबलाप्रबल ॥ केहिजगका
लनखाइ ॥ ५१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कानसुनाइबिधिकाहसुनावा
॥ कादेखाइचहकाहदेखावा ॥ एककहैभलभूपनकीन्हा ॥ वरबिचारिन
हिंकुमतिहिंदीन्हा ॥ जोहठिभएउसकलदुखभाजन ॥ अबलाबिबशज्ञा
नगुणगाजन ॥ एकधर्मपरमितिपहिचाने ॥ नृपहिदोषनहिदेहिसया
नें ॥ शिवदधिचिहरिचंद्रकाहानी ॥ एकएकसनकहहिंबखानी ॥ एकभ
रतकरसंमतकहहीं ॥ एकउदासभावसुनिरहहीं ॥ कानमूदिकरदगहि
जीहा ॥ एककहहिंइहबातअलीहा ॥ सुकृतजाइअशकहतुह्मारे ॥
भरतरामकहंप्राणपिआरे ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ चंद्रचुवैबरुअनलक

ए ॥ सुधाहोइविषतूल॥ सपनेहुकबहुनकरहिंकछु ॥ भरतरामप्रतिकूल ॥५२॥ ॥चौपाई॥ ॥एकबिधातहिंदूषएदेहीं॥ सुधादेखाइदीन्हविषजेंहीं॥ खरभरनगरशोचसबकाहू॥ दुसहदाहउरमिटाउछाहू॥ विप्रबंधूकुलमान्यजठेरी॥जेंप्रियपरमकैकेयीकेरी॥ लगींदेनशिखशीलसराहीं॥ बचनबाएसमलगहिंताहीं॥ भरतनप्रियमोहिरामसमाना॥ सदाकहहुइहसबजगजाना॥ करहुरामपरसहजसनेहू॥ केहिअपराधआजुवनदेहू॥ कबहुनकीन्हसबतिअवरेषू॥ प्रीतिप्रतीतिजानसबदेषू॥ कोशल्याअबकाहबिगारा॥ तुमजेहिलागिबज्रपुरपारा॥ ॥दोहा॥ ॥सीयकिपियसंगपरिहरिहिं॥ लषणकिरहिहहिधाम॥ राजकिभुंजवभरतपुर॥ नृपकिजियहिबिनुराम॥५३॥ ॥चौपाई॥ ॥असबिचारिजियछाडहुकोहू॥ शोककलंककोटिजनिहोहू॥ भरतहिअवशिदेहुयुवराजू॥ काननकबनरामकरकाजू॥ नाहिनरामराजकरभूखे॥ धर्मधुरीणविषयरसरूखे॥ गुरुगृहबसहिंरामतजिगेहू॥ नृपसनअसबरदूसरलेहू॥ जोनहिलगिहहुकहेहमारे॥ नहिलागहिकछुहाथतुम्हारे॥ जोपरिहासकीनकछुहोई॥ तबकहिप्रगटजनावहुसोई॥ रामसरिसस्रुतकाननयोगू॥ कहाकहहिंसुनितुमकहंलोगू॥ जौंनहिमानिहहुकहेहमारे॥ नहिलागिहिकछुहाथतुम्हारे॥ जोपरिहासकीन्हकछुहोई॥ तौकहिप्रगटजनाबहुसोई॥ उदहुबेगिसोइकरहुउपाई॥ जेहिबिधिशोककलंकनशाई॥ ॥छंद॥ ॥जेंहिंभांतिशोककलंकजाइउपाइकरिकुलपालहू॥ हठिफेरिरामहिंजातबनजनिबातदूसरचालहू॥३॥ जिमिभानुबिनुदिनप्राणबिनुतनुचंद्रबिनुजिमियामिनी॥ तिमिअवधितुलसीदासप्रभुबिनुसमुझियोंजियभामिनी॥४॥ ॥सोरठा॥ ॥सखिनशिखावनदीन्ह॥ सुनतमधुरपरिणामहित॥ तेइकछुकाननकीन्ह॥कुटि-

लप्रबोधीकुवरी॥५४॥ ॥चौपाई॥ ॥उतरुनदेइदुसहरिसरू
खी॥मृगहिंचितबजनुबाघिनिभूखी॥ब्याधिअसाध्यजानितिनत्यागी॥
चलीकहतमतिमंदअभागी॥राजकरतइहिंकुमतिबिगोई॥कीन्हेसि
असजसकरैनकोई॥इहिबिधिबिलपहिंपुरनरनारी॥देहिंकुचालिहिं
कोटिकगारी॥जरहिंबिषमज्वरलेहिंउसाशा॥कवनरामबिनुजीवन
आशा॥बिपुलबियोगप्रजाअकुलानी॥जिमिजलचरगणसूखतपा
नी॥अतिबिषादबशलोगलुगाई॥गएमातुपहंरामगोसाई॥मुखप्रस
न्नचितचौगुणचाऊ॥मिटाशोचजनिराखहिंराऊ॥ ॥दोहा॥ ॥
नवगयंदरघुबंशमणि॥राजसुअनलसमान॥छूटेजनुबनगवनसुनि
॥उरआनंदअधिकान॥५५॥ ॥चौपाई॥ ॥रघुकुलतिलकजो
रिदोउहाथा॥मुदितमातुपदनाएउमाथा॥दीन्हअशीषलाइउरलीन्हे
॥भूषणबसननिछावरिकीन्हे॥बारबारमुखचुंबतिमाता॥नयननेहज
लपुलकितगाता॥गोदराखिपुनिहृदयलगाई॥स्रवतप्रेमरसपयदसु
हाई॥प्रेमप्रमोदनकछुकहिजाई॥रंकधनदपदवीजनुपाई॥सादरसुं
दरबदननिहारी॥बोलीमधुरबचनमहतारी॥कहहुतातजननीबलि-
हारी॥कबहिंलगनमुदमंगलकारी॥सुकृतशीलसुखसीमसोहाई॥ज
न्मलाभकीअवधिअघाई॥ ॥दोहा॥ ॥जेहिंजाहतनरनारिसब
॥अतिआरतइहिंभांति॥जिमिचातकिचातकतृषित॥वृष्टिशरदऋ
तुस्वाति॥५६॥ ॥चौपाई॥ ॥तातजाउंबलिबेगिअन्हाहू॥जोम
नभावमधुरकछुखाहू॥पितुसमीपतबजायेहुभैआ॥भइबडिबारजाइ
बलिमैआ॥मातुबचनसुनिअतिअनुकूला॥जनुसनेहसुरतरुकेफूला
॥सुखमकरंदभरेश्रियमूला॥निरखिराममनभंवरनभूला॥धर्मधुरीण
धर्मगतिज्ञानी॥कहेउमातुसनअतिमृदुबानी॥पितादीनमोहिकाननराजू॥जहंसबभांतिमोरबडकाजू॥आयसुदेहुमुदितमनमाता॥जेहिं

मुदमंगलकाननजाता॥जनिसनेहबशडरपसिभोरे॥ आनंदमातुअनुग्रहतोरे॥ ॥दोहा॥ ॥वर्षचारिदशबिपिनबसि॥ करिपितुवचनप्रमान॥आइपाइपुनिदेषिहों॥मनजनिकरसिगलान॥सुयसवदैनृपराजकर॥मुनिवरकरिहैंषखान॥सत्यवचनममभातुसुनु॥यहिमेंअतिकल्यान॥॥५७॥ ॥चौपाई॥ ॥बचनबिनीतमधुररघुबरके॥शरसमलगेमातुउरकरके॥सहमिशूखिसुनिशीतलबानी॥जिमिजवासपरपावसपानी॥कहिनजाइकछुहृदयविषादू॥मनहुमृगीसुनिकेहरिनादू॥नयनसलिलतनथरथरकांपी॥माजेहिंखाइमीनजनुनापी॥धरीधीरजेसुतवदनिहारी॥गद्गदबचनकहतिमहतारी॥तातपितहितुमप्राणपिआरे॥देखिमुदितनितचरिततुम्हारे॥राजदेनकहंशुभदिनसाधा॥कहेउजानबनकेहिअपराधा॥तातसुनावहिमोहिनिदानु॥कोदिनकरकुलभएउकृशानु॥ ॥दोहा॥ ॥निरखिरामरुषसचिवसुत॥करणकहेउबुझाइ॥सुनिप्रसंगरहिमूकगति॥दशाबरणिनहिजाइ॥५८॥ ॥चौपाई॥ ॥राखिनशकहिनकहिशकजाहू॥दुहूभांतिउरदारुणदाहू॥लिखतसुधाकरगालिखिराहू॥बिधिगतिबामसदासबकाहू॥धर्मसनेहउभयमतिघेरी॥भइगतिसांपछछुंदरीके॥राखौंसुतहिंकरौंअनुरोधा॥धर्मजाइअरुबंधुविरोधा॥कहौंजानबनतौबडिहानी॥संकटशोचबिकलभईरानी॥बहुरिसमुझितियधर्मसयानी॥रामभरतदोउसुतसमजानी॥सरलसुभावराममहतारी॥बोलीबचनधीरधरिभारी॥तातजाउबलिकीन्हेउनीका॥पितुआयसुसबधर्मकटीका॥ ॥दोहा॥ ॥राजदेनकहंदीन्हबन॥मोहिनदुखलवलेश॥तुमबिनुभरतहिभूपतिहिं॥प्रजहिप्रचंडकलेश॥५९॥ ॥चौपाई॥ ॥जोकेवलपितुआयसुताता॥तौजनिजाहुजानिबडिमाता॥जौपितुमातुकहेउबनजाना॥तौकाननशतअवधसमाना॥पितुवनदेवमातुबनदेवी॥खगमृगचरण

सरोरुहसेवी ॥ अंतहुउचितनृपहिंबनबासु ॥ बयबिलोकिहियहोतहरा-
सु ॥ बड़भागीबनअवधअभागी ॥ जोरघुबंशतिलकतुमत्यागी ॥ जौंसुत
कहौंसंगमोहिलेहू ॥ तुम्हरेहृदयहोइसंदेहू ॥ पुत्रपरमप्रियतुमसबहीके
॥ प्राणप्राणकेजीवनजीके ॥ तेतुमकहहुमातुबनजाऊं ॥ मैंसुनिबचन
बैठिपछिताऊं ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ इहिबिचारिनहिकरउंहठ ॥ झूठ
सनेहबढाइ ॥ मानिमातुकोनातबलि ॥ सुरतिबिसरिजनिजाइ ॥ ६० ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ देवपितरसबतुमहिंगोसाई ॥ राखेहिपलकनयन
कीनाई ॥ अवधअंबुप्रियपरिजनमीना ॥ तुमकरुणाकरधर्मधुरीना ॥
असबिचारिसोइकरहुउपाई ॥ सबहिंजिअतजेहिंमेटहुआई ॥ जाहु
सुखेनबनहिंबलिजाऊं ॥ करिअनाथजनपरिजनगाऊं ॥ सबकरआ
जुसुकृतफलबीता ॥ भएउकरालकालबिपरीता ॥ बहुबिधिबिलपिच
रणलपटानी ॥ परमअभागिनिआपुहिंजानी ॥ दारुणदुसहदाहउरब्या
पा ॥ बरणिनजाइबिलापकलापा ॥ रामउठाइमातुउरलाई ॥ कहिमृदु
बचनबहुतसमझाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ समाचारतेहिसमयसुनि ॥
सीयउठिअकुलाइ ॥ बंदिसासुपदकमलयुग ॥ जाइबैठिशिरनाइ ॥
॥ ६१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ दीनअशीषसासुमृदुबानी ॥ अतिसकुमा
रिदेखिअकुलानी ॥ बैठिनमितमुखशोचइसीता ॥ रूपराशिपतिप्रेमपुनी
ता ॥ चलनचहतबनजीवननाथु ॥ केहिसुकृतीसनहोइहिंसाथु ॥ कीत
नुप्राणकिकेवलप्राणा ॥ बिधिकरतबकछुजाइनजाना ॥ चारुचरणनख
लेखतिधरणी ॥ नूपुरमुखरमधुरकबिबरणी ॥ मनहुंप्रेमबशबिनतीक
रहीं ॥ हमहिंसीयपदजनिपरिहरहीं ॥ मंजुबिलोचनमोचतिवारी ॥ बोली
देखिरामहतारी ॥ तातसुनहुसियअतिसुकुमारी ॥ सासुससुरपरि
जनहिंपिआरी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ पिताजनकभूपालमणि ॥ ससुर
भानुकुलभानु ॥ पतिरबिकुलकैरवबिपिन ॥ बिधुगुणरूपनिधानु ॥ ६२ ॥

॥चौपाई॥ ॥मैंपुनिपुत्रवधुप्रियपाई॥रूपराशिगुणशीलसुहाई॥
नयनपुतरिकरिप्रीतिबढाई॥राखेंउप्राणजानकिंहिलाई॥कल्पबेलिजि
मिबहुबिधलाली॥सींचिसनेहसलिलप्रतिपाली॥फुलतफलतभएउबि
धिबामा॥जानिनजाइकाहपरिणामा॥पलंगपीठतजिगोदहिंडोरा॥सि
यनदीनपगुअवनिकठोरा॥जीवनमुरिजिमिजुगवतरहेऊं॥दीपबाति-
नहिटारनकहेऊं॥सोइसियचलनचहतिबनसाथ॥आयसुकाहहोइर-
घुनाथा॥चंद्रकिरणरसरसिकचकोरी॥रविरुषनयनशकेकिमिजोरी॥
॥दोहा॥ ॥करिकेहरिनिशिचरचरहि॥दुष्टजंतुबनभूरि॥विष
वाटिकाकिसोहसुत॥सुभगसजीवनभूरि॥६३॥ ॥चौपाई॥ ॥
बनहितकोलकिराতকिशोरी॥रचीबिरचिबिषयसुखभोरी॥पाहनकृमि
जिमिकठिनसुभाऊ॥तिनहिंकलेशनकाननकाऊ॥कैतापसतियकानन
योगू॥जिनतपहेतुतजेसबभोगू॥सियबनबसिहितातकेहिभांती॥चि
त्रलिखितकपिदेखिडराती॥सुरसरसुभगबनजबनचारी॥डाबरयोग
किहंसकुमारी॥असबिचारिजशआयसुहोई॥मैशिखदेउजानकिहिं
सोई॥जौसियभवनरहेकहअंबा॥मोकहहोइप्राणअवलम्बा॥सुनि
रघुवीरमातुप्रियबाणी॥शीलसनेहसुधाजनुसानी॥ ॥दोहा॥
॥कहिप्रियबचनबिबेकमय॥कीन्हमातुपरितोष॥लगेप्रबोधनजानकि
हिं॥प्रगटबिपिनगुणदोष॥६४॥ ॥चौपाई॥ ॥मातुसमीपकहत
सकुचाहीं॥बोलेसमयसमुझिमनमाहीं॥सीतासुनतवकहेउवहोरी॥सु
नुममवचनकहौंछलछोरी॥राजकुमारिशिखावनसुनहू॥आनभांतिजि
यजनिकछुगुणहू॥आपनमोरनीकजौचहहू॥बचनहमारमानिगृहर
हहू॥आयसुमोरसासुसेवकाई॥सबबिधिभामिनिभवनभलाई॥इहि
तेंअधिकधर्मनहिदूजा॥सादरसासुसुरपदपूजा॥जबजबमातुकरि
हिंसुधिमोरी॥होइहिंप्रेमबिकलमतिभोरी॥तबतबतुमकहिकथापुराणी

॥ सुंदरीसमुझायेहुमृदुबाणी ॥ कहौंसुभायशपथशनमोही॥ सुमुखिमा
तुहितराखौंतोही॥ ॥दोहा॥ ॥ गुरुश्रुतिसंमतधर्मफल॥ पाइअबि
नहिकलेश ॥ हठबशसठकंठससहे ॥ गालबनहुषनरेश॥६५॥ ॥
चौपाई॥ ॥ मैंपुनिकरिप्रमानपितुबानी॥बेगिफिरबसूनुसुमुखिसया
नी॥ दिवसजातनहिलागहिवारा॥ सुंदरिशीखवनुसुनहुहमारी॥ जोह
ठकरहुप्रेमबशबामा॥ तौतुमदुखपाउबपरिणामा॥ काननकठिनभयंक
रभारी॥ घोरघामहिमबारिबयारी॥ कुशकंटकमगुकंकरनाना॥ चलवप
यादेहिबिनुपदत्राना॥ चरणकमलमृदुमंजुतुम्हारे॥ मारगअगमभुमि
धरभारे॥ कंदरखोहनदीनदनारे॥ अगमअगाधनजाहिंनिहारे॥ भालु
बाघवृकिकेहरिनागा॥ करहिंनादसुनिधीरजभागा॥ ॥दोहा॥
॥ भूमिशयनबलकलबसन॥ अशनकंदफलमूल॥ तेकिसदासबदिन
मिलहिं॥ समइसमयअनुकूल॥६६॥ ॥चौपाई॥ ॥ नरअहार
रजनीचरकरहीं॥ कपटबेशबिधिकोटिकधरहीं॥ लागैअतिपहार
करपानी॥ बिपिनबिपतिनहिजाइबखानी॥ ब्यालकरालबिहगबनघो
रा॥ निशिकरनिकरनारिनरचोरा॥ डरपहिंधीरगहनसुधिआए॥ मृ
गलोचनितुमभीरुसुभाए॥ हंसगवनितुमनहिंबनयोगू॥ सुनिअपयश
देहहिमोहिलोगू॥ मानससलिलसुधाप्रतिपाली॥ जिअइकिलवणपयो
धिमराली॥ नवरसालबनबिहरणशीला॥ सोहकिकोकिलबिपिनकरी-
ला॥ रहहुभवनअसहृदयविचारी॥ चंद्रबदीनादुखकाननभारी॥
॥दोहा॥ ॥ सहजसुहृदगुरुस्वामिशिख॥ जौनकरैहितमानि॥ सोप
छिताइअघाइउर॥ अवशिहोइहितहानि॥६७॥ ॥चौपाई॥
॥ सुनिमृदुबचनमनोहरपियके॥ लोचनललितभरेजलसियके॥ शी
तलशिखदाहकभइकैसें॥ चकइहिंशरदचांदनीजैसें॥ उतरनआवबि
कलबैदेही॥ तजनचहतमोहिपरमसनेही॥ बरबशरोकिबिलोचनबा

री॥ धरिधीरजउरअवनिकुमारी॥लागिसासुपदकहकरजोरी॥क्षमव-
देविबडिअविनयमोरी॥दीनप्राणपतिमोहिशिखसोई॥जेहिबिधिमोर
परमहितहोई॥मैपुनिसमुझिदीखमनमाही॥पियबियोगसमदुखजगना
ही॥ ॥दोहा॥ ॥प्राणनाथकरुणायतन॥सुंदरसुखदसुजान
॥तुमबिनुरघुकुलकुमुदबिधु॥सुरपुरनरकसमान॥६८॥ ॥चौपा
ई॥ ॥मातुपिताभगिनीप्रियभाई॥प्रियपरिवारसुहृदसमुदाई॥सासु



ससुरगुरुसुजनसहाई॥सुतसुंदरसुशीलसुखदाई॥जहलगिनाथ
नेहअरुनाते॥पियबिनुतियहितरणितेंताते॥तनुधनुधामधरणिपु
रराजू॥पतिबिहीनसबशोकसमाजू॥भोगरोगसमभूषणभारू॥यमज
तनासरिससंसारू॥प्राणनाथतुमबिनुजगमाहीं॥मोकहंसुखदकतहु-
कोउनाही॥जियबिनुदेहनदीबिनुवारी॥तैसेहिनाथपुरुषबिनुनारी॥ना
थसकलसुखसाथतुम्हारे॥शरदबिमलबिधुबदननिहारे॥ ॥दोहा॥
॥खगमृगपरिजननगरबन॥बलकलबिमलदुकूल॥नाथसाथसुरस
दनसम॥पर्णशालसुखमूल॥६९॥ ॥चौपाई॥ ॥बनदेवीबनदे
वउदारा॥करिहैंसासुससुरसमप्यारा॥कुशकिशलयसाथरीसुहाई॥
प्रभुसगमंजुलसेजतुराई॥कंदमूलफलअमियअहारू॥अवधसौधश
तसरसपहारू॥छिनुछिनुप्रभुपदकमलबिलोकी॥रहिहौंमुदितदिवसजि

मिकोकी॥बनदुखनाथकहेबहुतेरे॥भएबिषादपतितातघनेरे॥प्रभुवियो गलक्लेशसमाना॥सबमिलिहोंहिंनकृपानिधाना॥असजियजानसुजा- नशिरोमणि॥लेइयेसंगमोहिछांडियजनि॥बिनतीबहुनकरौंकास्वामी॥ करुणामयउरअंतरजामी॥ ॥दोहा॥ ॥राषियअवधतोअवधि लगि॥रहतजौंजानियप्रान॥दीनबंधुसुंदरसुखद॥शीलसनेहनिधा न॥७०॥ ॥चौपाई॥ ॥मोहिमगचलतनहोइहिहारी॥क्षणक्ष णचरणसरोजनिहारी॥सबहिंभांतिपियसेवाकरिहौं॥मारगजनितस कलश्रमहरिहौं॥पाइपषारिबैठितरुछांहीं॥करिहौंबातमुदितमनमाहीं ॥श्रमकणसहितश्यामतनुदेखें॥कहंदुखसमउप्राणपतिपेखें॥समम हिंत्रनतरुपल्लवडासी॥पाइपलोटिहिंसबनिशिदासी॥बारबारमृदुमूर तिजोही॥लागहितातबयारिनमोही॥कोप्रभुसंगमोहिचितवनहारा॥ सिंधबधूजिमिशशकसियारा॥मैसुकुमारिनाथवनजोगु॥तुमहिंउचित तपुमोकहंभोगु॥ ॥दोहा॥ ॥ऐसेहुवचनकठोरसुनि॥जौंनहृ दयबिलगान॥तौप्रभुबिषमबियोगदुख॥सहिहेंपामरप्रान॥७१॥ ॥चौपाई॥ ॥असकहिसीयबिकलभइभारी॥बचनबियोगनश कीसंभारी॥देखिदशारघुपतिजियजाना॥हठिराषेराखिहिनहिप्रा- णा॥कहेउकृपालुभानुकुलनाथा॥परिहरिशोचचलहुबनसाथा॥न हिंबिषादकरअषसरआजू॥वगिकरहुबनगवनसमाजू॥कहिप्रियब चनप्रियहिसमुझाई॥लगेमातुपदआशिषपाई॥बगिप्रजादुखमेटहु आई॥जननीनिठुरबिसरिजनिजाई॥फिरहिंदशाबिधिबहुकिमो- री॥देखिहोंनयनमनोहरजोरी॥सोदिनसुघरिलानकबहोई॥जन- नीजियतबदनबिधुजोई॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिवत्सकहिलाल कहि॥रघुपतिरघुबरतात॥कबहुबुलाईलगाइउर॥हरषिनिरषि होंगात॥७२॥ ॥चौपाई॥ ॥लखिसनेहकातरमहतारी॥ब

१हवा, बयारी

चनन आवबिकल भईभारी॥ रामप्रबोधकीन्हबिधिनाना॥ समयस
नेहनजाइ बखाना॥ तबजानकीसासुपदलागी॥ सुनियमातुमैप
रमअभागी॥ सेवासमयदैवबनदीन्हा॥ मोरमनोरथसफलनकीन्हा
॥ तजबक्षोभजनिछाडवछोहू॥ कर्मकठिनकछुदोषनमोहू॥ सुनिसिय
बचनसासुअकुलानी॥ दशाकवनबिधिकहौबखानी॥ बारहिबारलाइउर
लीन्हा॥ धरिधीरजशिखआशिषदीन्हा॥ अचलहोउअहिबाततुह्मारा
॥जबलगिगंगजमुनजलधारा॥ ॥दोहा॥ ॥सीतहिंसासुअशीष
शिख॥दीन्हअनेकप्रकार॥चलीनाइपदपशिर॥ अतिहितबारहिबार॥
७३॥ ॥चौपाई॥ ॥समाचारजबलक्ष्मणपाए॥ ब्याकुलबिलखि
बदनउठिधाए॥ कंपपुलकतनुनयनसनीरा॥गहेचरणअतिप्रेमअधीर
॥कहिनशकतकछुचितवतठाढे॥ मीनदीनजनुजलतेंकाढे ॥शोचहृदय
बिधिकहाहोनिहारा॥ सबसुखसुकृतसिरानहमारा॥ मोकहंकहाकहबर-
घुनाथा॥राखिहिंभवनकिलेहहिंसाथा॥रामबिलोकिबंधुकरजोरे॥देह
गेहसबसततृणसमतोरे॥ बोलेबचनरामनयननागर॥ शीलसनेहस
रलसुखसागर॥ तातप्रेमबशजनिकदराहू॥ समुझिहृदयपरिणामउ
छाहू॥ ॥दोहा॥ ॥मातुपितागुरुस्वामिशिख॥ शिरधरिकरियसु
भाय॥लहेउलाभतिनजन्मकर॥ नतरुजन्मजगजाय॥७४॥ ॥
चौपाई॥ ॥असजियजानिसुनहुशिखभाई॥ करहुमातुपितुपदसे
वकाई॥ भवनभवनरिपुसूदननाहीं॥ राउवृद्धममदुखमनमाहीं॥ राउ
वृद्धममदुखमनमाहीं॥ मैबनजाउंतुमहिंलैसाथा॥ होइहिसबबिधिअ
बधअनाथा॥गुरुपितुमातुप्रजापरिवारू॥सबकहपरैदुसहदुखभारू
॥रहहुकरहुसबकरपरितोषू॥ नतरुतातहोइहिबडदोषू॥जासुराजप्रि
यप्रजादुखारी॥ सोनृपअवशिनरकअधिकारी॥ रहहुतातअसनीति
बिचारी॥ सुननलषणभयेब्याकुलभारी॥सिहंरबचनसुषिगेकैसें॥पर

सनतुहिनतामरसजैसें॥ ॥दोहा॥ ॥उतरनआवनप्रेमबश॥गहेउ
चरणअकुलाइ॥नाथदासमैस्वामितुम॥तजुहुतकहावशाइ॥७५॥
॥चौपाई॥ ॥दीन्हमोहिशिरबनीकगोसांई॥आगीअगमआपनिकद
राई॥नरवधीरधर्मधुरधारी॥निगमनीतिकेतेअधिकारी॥मैशिशप्रभुसने
हप्रतिपाला॥मंदरमेरुकिलेइमराला॥गुरुपितुमातुनजानोंकाहू॥कहौंसुभा
वनाथपतिआहू॥जहंलगिजगतसनेहसगाई॥प्रीतिप्रतीतिनीतिनिपुनाई
॥मोरेसबैएकतुमस्वामी॥दीनबंधुउरअंतरजामी॥धर्मनीतिउपदेशियता
ही॥कीरतिभक्तिसुगतिप्रियजाही॥मनक्रमबचनचरणरतहोई॥कृपासिं
धुपरिहरियकिसोई॥ ॥दोहा॥ ॥करुणासिंधुसुबंधुके॥सुनिमृदुब
चनबिनीत॥समुझाएउरलाइप्रभु॥जानिसनेहसभीत॥७६॥ ॥चौपा
ई॥ ॥मांगहुबिदामातुसनजाई॥आवहुबेगिचलहुबनभाई॥मुदितभ
एसुनिरघुबरबानी॥भएउलाभबडमिटीगलानी॥हर्षितहृदयमातुपहंआ
ए॥मनहुंअंधफिरिलोचनपाए॥जाइजननिपदनाएउमाथा॥मनरघुनं
दनजानकिसाथा॥पुछेउमातुमलिनमनदेषी॥लषणकहेउसबकथावि
शेषी॥गईसहमिसुनिवचनकठोरा॥मृगीदेखिजनुदबचहुंओरा॥लषण
लखेउभाअनरथआजू॥इहसनेहबशकरवअकाजू॥मागतविदासम
यसकुचाहीं॥जानसंगबिधिकहिहिकिनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥समुझि
सुमित्रारामसिय॥रूपसुशीलसुभाव॥नृपसनेहलखिधनेउशिर॥पापि
निहनेसिकुघाव॥७७॥ ॥चौपाई॥ ॥धीरजधरेउकुअवसरजानी
॥सहजसुहृदबोलीमृदुबानी॥तातुतुम्हारिमातुबैदेही॥पितारामसबभां
तिसनेही॥अवधतहांजहंरामनिवासू॥तहांदिबसजहंभानुप्रकाशू॥जो
पैंसीयरामवनजाहीं॥अबधतुम्हारकाजकछुनाहीं॥गुरुपितुमातुबंधु
सुरसाईं॥सेइयसकलप्राणकीनाईं॥रामप्राणप्रियजीवनजीके॥स्वा
रथरहितसखासबहीके॥पूजनीयप्रियपरमजहांते॥मानियसबहिरामके

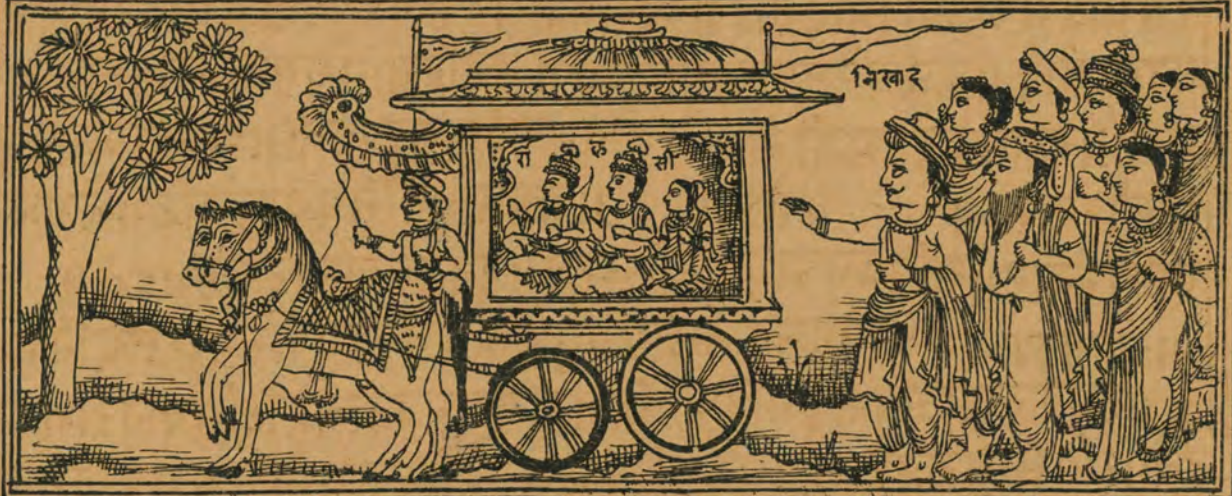
केनाते॥ असजियजानिसंगबनजाहू॥ लेहुतातजगजीवनलाहू॥ ॥
दोहा॥ ॥भूरिभागभाजनभएउ॥ मोहिसमेतबलिजाउं॥ जौंतुह्मरेमन
छाडिछल॥ कीन्हरामपदठांउ॥७८॥ ॥चौपाई॥ ॥पुत्रवतीयुव
तीजगसोई॥ रघुबरभक्तजासुसुतहोई॥ नतरुबांझभलिबादिबियानी
॥ रामबिमुखसुतनतेहितहानी॥ तुम्हरेहिंभागरामबनजाहीं॥ दुसरेहेतुता
तकछुनाहीं॥ सकलसुकृतकरफलएहू॥ रामसीयपदसहजसनेहू॥ रागरो
षईर्षामदमोहू॥ जनिसपनेहुइनकेवशहोहू॥ सकलप्रकारबिकारबिहाई॥
मनक्रमबचनेकरेहुसेवकाई॥ तुमकहंबनसबभांतिसुपाशू॥ संगपितुमा
तुरामसियजासु॥ जेहिनरामबनलहहिंकलेशू॥ सुतसोइकरेहुइहैउपदेशू
॥ ॥छंद॥ ॥उपदेशएहिजेहितातुम्हतेरामसियसुखपावहीं॥ पितु-
मातुप्रियपरिवारपुरसुखसुरतिबनबिसरावहीं॥५॥ तुलसीसुतहिंशिखद्
इआयसुदइपुनिआशिषदई॥ रतिहोउअबिरलअमलसियरघुबीरपद्
नितनितनई॥६॥ ॥सोरठा॥ ॥मातुचरणशिरनाइ॥ लषणचले
शंकितहिये॥ वागुरिबिषमतुराइ॥ मनहुंभागमृगभागबश॥७९॥ ॥
चौपाई॥ ॥गएलषणजहंजानकिनाथा॥ भएमनमुदितपाइप्रियसाथा
॥ बन्दिरामसियचरणसुहाए॥ चलेसंगनृपमंदिरआए॥ कहहिंपरस्परपु
रनरनारी॥ भलिबनाईबिधिबातबिगारी॥ तनुकृशमनदुखबदनमलीने॥
बिकलमनहुंमाषीमधुछीने॥ करमीजहिंशिरधुनिपछिताहीं॥ जनुबिनुपं
खबिहगअकुलाहीं॥ भइबडिभीरभूपदरबारा॥ बरणिनजाइबिषादअपा
रा॥ सचिवउठाइराउबैठारे॥ कहिप्रियबचनरामपगुधारे॥ सियसमेतदो
उतनयनिहारी॥ व्याकुलभएभूमिपतिभारी॥ ॥दोहा॥ ॥सीयस
हितसुतसुभगदोऊ॥ देखिदेखिअकुलाई॥ बारहिंबारसनेहबश॥ राउ
लेतउरलाइ॥८०॥ ॥चौपाई॥ ॥शकैनबोलिबिकलनरनाहू
॥ शोकजनितउरदारुणदाहू॥ नाइशीसपदअतिअनुरागा॥ उठीरे-

घुनाथबिदातबमांगा॥ पितुअशीषआयसुमोहिदीजे॥ हर्षसमयबि
स्मयकसकीजे॥ नातकियेप्रियप्रेमप्रमादू॥ जसजगजाइहाइअपबादू॥
सुनिसनेहबशउठिनरनाहू॥ बैठारेरघुपतिगहिबाहू॥ सुनहुरामतुम्हक
हंमुनिकहहीं॥ रामचराचरनायकअहहीं॥ शुभअरुअशुभकर्मअनु
हारी॥ ईशदेहफलहृदयबिचारी॥ करैजोकर्मपावफलसोई॥ निगमनी
तिअसकहसबकोई॥ ॥दोहा॥ ॥औरकरैअपराधकोइ॥ औ
रपावफलभोग॥ अतिबिचित्रभगवंतगति॥ कोजगजानेयोग॥ ८१॥
॥चौपाई॥ ॥राउरामराखनहितलागी॥ बहुतउपायकीन्हछलत्यागी
॥लखेउरामरुखरहतजाने॥ धर्मधुरंधरधीरसयाने॥ तबनृपसीयला
इउरलीन्ही॥ अतिहितबहुतभांतिशिखदीन्ही॥ कहिबनकेदुखदुसहसु
नाये॥ सासुससुरपितुसुखसुहाये॥ सियमनरामचरणअनुरागा
॥घरनसुगमबनविषमनलागा॥ औरौसबहिंसीयसमुझाई॥ कहिक
हिबिपिनबिपतिअधिकाई॥ सचिवनारिगुरुनारिसयानी॥ सहितसने
हकहहिंमृदुबानी॥ तुमकहतोनदीन्हबनवासु॥ करहुजोकहहिंससु
रगुरुसासु॥ ॥दोहा॥ ॥शिखशीतलहितमधुरमृदु॥ सुनिसी
तहिंनसोहानि॥ शरदचंदचांदनिनिरखि॥ जनुचकईअकुलानि॥ ८२॥
॥चौपाई॥ ॥सीयशकुचवशउतरनदेई॥ सोसुनितमकिउठीकैकेई॥
मुनिपटभूषणभाजनआनी॥ आगेधरिबोलीमृदुबानी॥ नृपहिंप्राण
प्रियतुमरघुबीरा॥ शीलसनेहनछाडिहिंभीरा॥ सुकृतसुयशपरलो
कनशाऊ॥ तुमहिंजानबनकहहिंनराऊ॥ असबिचारिसोइकरहुजोभा
वा॥ रामजननिशिखसुनिसुखपावा॥ भूपहिंबचनबाणसमलागे॥ क
रहिंनप्राणपयानअभागे॥ शोकबिकलमूर्छितनरनाहू॥ काहकरियक
छुसूझनकाहू॥ रामतुरितमुनिवेषबनाई॥ चलेजनकजननीहिशिरना
ई॥ ॥दोहा॥ ॥सजिवनसाजसमाजसब॥ बनिताबंधुसमेत॥ बं

दिबिप्रगुरुचरणप्रभु॥चलेकरिसबहिअचेत॥८३॥ ॥चौपाई॥
निकसिबसिष्ठद्वारभएठाढे॥देखेलोगबिरहदवडाढे॥कहिप्रियबचनस
बहिंसमुझाए॥बिप्रवृंदरघुबीरबुलाए॥गुरुसनकहीबरषाशनदीन्हे
॥आदरदानबिनयवशकीन्हे॥याचकदानमानसंतोषे॥मीतपुनीतप्रे
मपरिपोषे॥दासीदासबुलाइबहोरी॥गुरुहिंसौंपिबोलेकरजोरी॥सबक
रसारसंभारगोसांई॥करबजनकजननीकीनाई॥बारहिंबारजोरियुग
पाणी॥कहतरामसबसनमृदुबाणी॥सोइसबभांतिमोरहितकारी॥
जेहितेरहनरनाहसुखारी॥ ॥दोहा॥ ॥मातुसकलमोरेबिरह-
॥जेहिंनहोहिंदुखदीन॥सोउपायतुमकरवसब॥पुरजनपरमप्रवीन॥
८४॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिबिधिरामसबहिंसमुझावा॥गुरुपदपद्म
हरषिशिरनावा॥गणपतिगौरिगिरीशमनाई॥चलेअशीषपाइरघुरा
ई॥रामचलतअतिभएउबिषादू॥सुनिनजाइपुरआरतनादू॥कुस
गुनलंकअवधअतिशोकू॥हर्षबिषादबिबशसुरलोकू॥गैमूर्छातबभूप
तिजागे॥बोलीसुमंतकहनअसलागे॥रामचलेवनप्राणनजाहीं॥केहि
सुखलागिरहततनमाहीं॥यहितेकवनव्यथाबलवाना॥जोदुखपाइतज
हितनुप्राणा॥पुनिधरिधीरकहहिंनरनाहू॥लैरथसंगसुखातुमजाहू॥
॥दोहा॥ ॥सुठिसुकुमारकुमारदोउ॥जनकसुतासुकुमारि॥रथच
ढाइदिखराइबन॥फिरउगएदिनचारि॥८५॥ ॥चौपाई॥ ॥जौं
नहिंफिरहिंधीरदोउभाई॥सत्यसिंधुदृढब्रतरघुराई॥तौतुमबिनयकरे
हुकरजोरी॥फेरियप्रभुमिथिलेशकिशोरी॥जबसियकाननदेखिडराई
॥कहेउमोरशिखअवसरपाई॥सासुससुरअसकहेउसंदेशू॥पुत्रि-
फिरियबनबहुतकलेशू॥पितुगृहकबहुकबहुंससुरारी॥रहेहुजहांरु
चिहोइतुम्हारी॥इहिबिधिकरेहुउपायकदंबा॥फिरइतोहोइप्राणअ
वलंबा॥नाहितमोरमरणपरिणामा॥कछुनबिशाइभएविधिवामा॥

असकहिमूर्छिपरेमहिराऊ॥ रामलषणसियअानिदेखाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥पायरजायसुनाइशिर॥ रथअतिबेगिबनाइ॥ गएउजहांवाहेरनगर॥ सीयसहितदोउभाइ॥८६॥ ॥चौपाई॥ ॥तबसुमंत्रनृपबचनसुनाए॥ करिबिनतीरथरामचढाव॥ चढिरथसीयसहितदोउभाई॥ चलेहृदयअवधहिंसिरनाई॥ चलतनाथलषिअवधअनाथा॥ बिकललोगलागेसबसाथा॥ कृपासिंधुबहुबिधिसमुझावहिं॥ फिरहिंप्रेमबशपुनिफिरिआवहिं॥ लागतअवधभयानकभारी॥ मानहुंकालरातिअंधिआरी॥ घोरजंतुसबपुरनरनारी॥ डरपहिंएकहिंएकनिहारी॥ घरस्मशानपरिजनजनुभूता॥ सुतहितमातुमनहुयमदूता॥ बागनविटपबेलिकुम्हिलाहीं॥ सरितसरोवरदेखिनजाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥हयगजकोटिनकेलिमृग॥ पुरपशुचातकमोर॥ पिकरथांगशुक-शारिका॥ सारसहंसचकोर॥८७॥ ॥चौपाई॥ ॥रामबियोगबिकलसबठाढे॥ जहंतहंमनहुचित्रलिखिकाढे॥ नगरसकलवनगहवरभारी॥ खगमृगबिपुलसकलनरनारी॥ बिधिकैकेयीकिरातिनिकीन्ही॥ जेहिंदवदुसहदशहुदिशिदीन्ही॥ सहिनशकेरघुवरविरहागी॥ चलेलोगसबब्याकुलभागी॥ सबहिंबिचारकीन्हमनमाही॥ रामलषणसियबिनुसुखनाहीं॥ जहांरामतहंसकलसमाजू॥ बिनुरघुबीरअवधकह-काजू॥ चलेसाथअसमंत्रदृढाई॥ सुरदुर्लभसुखसदनविहाई॥ रामचरणपंकजप्रियजिनहीं॥ विषयभोगवशकरेकिननाही॥ ॥दोहा॥ ॥बालकवृद्धबिहाइगृह॥ लगेलोगसबसाथ॥ तमसातीरनिवासकिय॥ प्रथमदिवसरघुनाथ॥८८॥ ॥चौपाई॥ ॥रघुपतिप्रजाप्रेमबशदेषी॥ सदयहृदयदुखभएउविशेषी॥ करुणामयरघुनाथगोसांई॥ बेगहिपावहिंपीरपराई॥ कहिसप्रेममृदुबचनसुनाए॥ बहुबिधिरामलोगसमुझाये॥ किएपरमउपदेशघनेरे॥ लोगप्रेमबशफिरहिनफे

रे॥शीलसनेहछाडिनहिंजाई॥असमंजसवशभेरघुराई॥लोगशोकश्रम
वशगेसोई॥कछुकदेवमायामतिभाई॥जबहियामयुगयामिनिबीती॥रा
मसचिवसनकहेउसप्रीती॥खोजमारिरथहांकहुताता॥आनउपायवन-
हिंनहिवाता॥ ॥दोहा॥ ॥रामलषणसिययानचढि॥शंभुचर
णशिरनाइ॥सचिवचलाएउतुरितरथ॥इतउतखोजदुराइ॥८९॥
॥चौपाई॥ ॥जागेसकललागभएभेरू॥गएरघुवीरभएउअतिशो
रू॥रथकरखोजकतहुंनहिपावहिं॥रामरामकहिचहुदिशिधावहीं॥मन
हुवारिनिधिबूडजहाजू॥भएउबिकलसबवणिकसमाजू॥एकहिंएक-
देहिंउपदेशू॥तजेउरामहमजानिकलेशू॥निंदहिआपुसराहहिंमीना॥-
धिकजीवनरघुबीरबिहीना॥जोपैंप्रियबियोगबिधिकीन्हा॥तोकसमरण
मांगेनहिदीन्हा॥एहिबिधिकरतप्रलापकलापा॥आएअवधभरेपरितापा
॥विषमबियोगनजाइबखाना॥अवधिआशवशराखहिंप्राणा॥ ॥
दोहा॥ ॥रामदरशहितनेमब्रत॥लगेकरणनरनारि॥मनहुंकोककोकीकमल॥दीनबिहीनतमारि॥९०॥ ॥चौपाई॥ ॥सीतासचिब
सहितदोभाई॥शृंगबेरपुरपहुंचेजाई॥उतरेरामदेवसरिदेखी॥कीनिदंड
वतहरषबिशेषी॥लषणसचिबसियकीन्हप्रणामा॥सबहिंसहितसुखपा
एउरामा॥गंगसलिलसुदमंगलमूला॥सबसुखकरणिहरणिसबशूला
॥कहिकहिकोटिककथाप्रसंगा॥रामबिलोकतगंगतरंगा॥सचिवहिअ
नुजहिप्रियहिसुनाई॥बिबुधनदीमहिमाअधिकाई॥मज्जनकीनपंथश्र
मगएउ॥शुचिजलपिअतमुदितमनभएऊ॥सुमिरतजाइमिटहिभवभा
रू॥तेहिश्रमयहलौकिकव्यवहारू॥ ॥दोहा॥ ॥शुद्धसच्चिदानंदमय॥रामभानुकुलकेतु॥चरितकरतनरअनुहरत॥संसृतिसागरसेतु॥
९१॥ ॥चौपाई॥ ॥यहशुधिगुहनिषादजबपाई॥मुदितलिएप्रि
यबंधुबुलाई॥लैफलमूलभेटभरिभारा॥मिलनचलाहियहर्षअपारा॥क



रिदंडवतिभेटधरिआगे॥ प्रभुहिबिलोकतअतिअनुरागे॥ सहजसनेह
बिबशरघुराई॥पूछेउकुशलनिकटबैठाई॥ नाथकुशलपदपंकजदेखे॥भ
एउभाग्यभाजनजनलेखे॥देवधरणिधनधामतुह्मारा॥मैजननीचसहि
तपरिवारा॥ कृपाकरियपुरधारियपाऊ॥थापियजनसबलोगसिहाऊ॥
कहेउसत्यसबसखासुजाना॥मोहिदीनपितुआयसुआना॥ ॥दोहा
॥ ॥वर्षचारिदशबासबन॥मुनिव्रतवेषअहार॥ग्रामवासनहिउचि
तसुनि॥गुहहिभएउदुखभार॥९२॥ ॥चौपाई॥ ॥रामलषण
सियरूपनिहारी॥कहहिसप्रेमनगरनरनारी॥तेपितुमातुकहहुसखिकै
से॥जिनिपठएवनबालकऐसे॥एककहैभूपतिभलकीन्हा॥लोचनलाभ
हमहिंबिधिदीन्हा॥तबनिषादपतिउरअनुमाना॥तरुशिशपामनोहर-
जाना॥लैरघुनाथहिठाउबतावा॥कहेउरामसबभांतिसुहावा॥पुरजन
करिजुहारगृहआए॥रघुवरसंध्याकरणसिधाए॥गुहसंवारिसाथरीब
नाई॥कुशकिशलयमयमृदुलसुहाई॥शुचिफलमूलमधुरमृदुजानी॥दो
नाभरिभरिराखेसिआनी॥ ॥दोहा॥ ॥सियसुमंतभ्रातासहित
॥कंदमूलफलखाइ॥शयनकीन्हरघुबंशमणि॥पायपलोटतभाइ॥९३
॥ ॥चौपाई॥ ॥उठेलषणप्रभुसोवतजानी॥कहिसचिवहिसोमृदु

बानी॥कछुकदूरिसजिबाणशरासन॥जागनलगेबैठिबिरासन॥गुह-
बुलाइपाहरूपरतीती॥ठांवठांवराखेअतिप्रीती॥आपुलषणपहिबै
ठेउजाई॥कटिमाथाशरचापचढ़ाई॥सोवतप्रभुहिनिहारिनिषादा॥भ
एउप्रेमवशहृदयविषादा॥तनुपुलकितलोचनजलबहाई॥वचनसप्रेमल
षणसनकहई॥भूपतिभवनसुसहजसुहावा॥सुरपतिसदननपटनर
पावा॥मणिमयरचितचारुचौवारे॥जनुरतिपतिनिजहाथसंवारे॥
॥दोहा॥ ॥शुचिसुबिचित्रसुभोगमय॥सुमनसुगंधसुवास॥पलंग-
मंजुमणिदीपजहं॥सबबिधिसकलसुपास॥९४॥ ॥चौपाई॥ ॥बि
बिधबसनउपधानतुराई॥क्षीरफेनमृदुबिसदसुहाई॥तहंशियरामशय
ननिशिकरहीं॥निजछबिरतिमनोजमदहरहीं॥तेसियरामसाथरीसोई॥
अमितबसनबिनुजाहिंनजोई॥मातुपितापरिजनपुरवासी॥सखासुशी
लदासअरुदासी॥जुगवहिंजिन्हहिंप्राणकीनाई॥महिसोवतसोरामगोसा
ई॥पिताजनकजगबिदितप्रभाउ॥ससुरसुरेशसखारघुराऊ॥रामचंद्र
पतिसोबैदेही॥महिसोवतिविधिवामनकेही॥सियरघुवीरकिकाननयो
गू॥कर्मप्रधानसत्यकहलोगू॥ ॥दोहा॥ ॥कैकयनंदिनिमंदमति
॥कठिनकुटिलपणकीन॥जेहिरघुनंदनजानकीहि॥सुखअवसरदुख
दीन॥९५॥ ॥चौपाई॥ ॥भइदिनकरकुलबिटपकुठारी॥कुमति
कीनसबबिश्वदुखारी॥रामसीयमहिशयननिहारी॥भएउबिषादनिषाद
हिभारी॥बोलेलषणमधुरमृदुबानी॥ज्ञानबिरागभक्तिरससानी॥को
उनकाहुदुखसुखदाता॥निजकृतकर्मभोगसबभ्राता॥योगबियोगभो
गभलमंदा॥हितअनहितमध्यमभ्रमफंदा॥जनममरणजहंलगिजग-
जालू॥संपतिबिपतिकर्मअरुकालू॥धरणिधामधनपुरपरिवारू॥स्वर्ग
नरकजहंलागिव्यवहारू॥देखियसुनियगुनियमनमाहीं॥मोहमूलपर
मारथनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥सपनेनहोइभिखारिनृप॥रंकनाकपति

होइ॥जागेलाभनहानिकछु॥तिमिप्रपंचजियजोइ॥९६॥ ॥असबि
चारिनहिंकीजियरोषू॥बादिकाहुनहिदीजियदोषू॥मोहनिशासबसोव
नहारा॥देखहिंस्वप्नअनेकप्रकारा॥इहिजगयामिनिजागहिंयोगी॥प
रमारथीप्रपंचबियोगी॥जानियतबहिजीवजगजागा॥जबसबबिषय
बिलासबिरागा॥होइबिबेकमोहभ्रमभागा॥तबरघुबीरचरणअनुरा
गा॥सखापरमपरमारथएहू॥मनक्रमबचनरामपदनेहू॥रामब्रह्मप
रमारथरूपा॥अबिगतअलखअनादिअनूपा॥सकलबिकाररहितगत
भेदा॥कहिंनितनेतिनिरूपहिंबेदा॥ ॥दोहा॥ ॥भक्तभूमिभूसुरसु
रभि॥सुरहितलागिकृपालु॥करितचरितधरिमनुजतनु॥सुनतमिटहि
जगजालु॥९७॥ ॥चौपाई॥ ॥सखासमुझिअसपरिहरिमोहू॥
सियरघुबीरचरणरतहोहू॥कहतरामगुणभाभिनुसारा॥जागेजगमं-
गलदातारा॥सकलशौचकरिसमअन्हावा॥शुचिसुजानबटक्षीरमं
गावा॥अनुजसहितशिरजटाबनाए॥देखिसुमंतनयनजलछाए॥हृ
दयदाहअतिबदनमलीना॥कहकरजोरिबचनअतिदीना॥नाथकहेउ
असकोशलनाथा॥लैरथजाहुरामकेसाथा॥बनदेखाइसुरसरिअन्ह
वाई।आनेहुबेगिफेरिद्वौभाई॥लषणरामसियआनेहुफेरी॥संशय
सकलसंकोचनिबेरी॥ ॥दोहा॥ ॥नृपअसकहेउगोसाइंजस॥
कहइकरौंबलिसोइ॥करिबिनतीपायनपरेउ॥दीनबालजिमिरोइ॥९८
॥ ॥चौपाई॥ ॥तातकृपाकरिकीजियसोई॥जातेंअवधअनाथन
होई॥मंत्रिहिरामउठाइप्रबोधा॥तातधर्ममतुतुमसबशोधा॥शिबिद
धीचहरिश्चंदनरेशा॥सहेधर्महितकोटिकलेशा॥रंतिदेवबलिभूपसुजा
ना॥धर्मधरेउसहिसंकटनाना॥धर्मनदूसरसत्यसमाना॥आगम
निगमपुराणबखाना॥मैंसोइधर्मसुलभकरिपावा॥तजौंततिहुंपुरअ
पयशछावा॥संभावितकहंअपयशलाहू॥मरणकोटिसमदारुणदाहू

तुमसनतातबहुतकाकहऊं॥दिएउतरफिरिपातकलहऊं॥ ॥दोहा॥
॥पितुपदगहिकरिकोटिबिधि॥बिनयकरबकरजोरि॥चिंताकबनिहुंबात
की॥तातकरियजनिमोरि॥९९॥ ॥चौपाई॥ ॥तुमपुनिपितुसमान
हितुमोरे॥बिनतीकरौंतातकरजोरे॥सबबिधिसोइकरतव्यतुम्हारे॥दुखन
पावनृपशोचहमारे॥सुनिरघुनाथसचिवसंवादू॥भएउसपरिजनबिकल
निषादू॥पुनिकछुलषणकहेरकटबानी॥प्रभुवरजेउबडअनुचितजानी
॥शकुचिरामनिजशपथदिवाई॥लषणसंदेशकहवजनिजाई॥कहसुमं
तपुनिभूपसंदेशू॥सहिनशकहिसियबिपिनकलेशू॥जेहिंबिधिअवध-
आयफिरिसीया॥साइरघुबीरतुमहिंकरणीया॥नतरुनिपटअवलंबबि
हीना॥मैनजियवजिमिजलबिनुमीना॥ ॥दोहा॥ ॥मयिकेससुरे
सकलसुख॥जबहिंजहांमनमान॥तबलहरहवसुखेनसिय॥जबलगि
बिपतिबिहान॥१००॥ ॥चौपाई॥ ॥बिनतीकीनिभूपजेहिंभांती॥आ
रतिप्रीतिनसोकहिजाती॥पितुसंदेशसुनिकृपानिधाना॥सियहिंदीन्हशिख
कोटिबिधाना॥सासुससुरगुरुप्रियपरिवारू॥फिरहुतसबकरमिटइंखभा
रू॥सुनिपतिबचनकहतिबैदेही॥सुनहुप्राणपतिपरमसनेही॥प्रभुकरुणा
मयपरमबिवेकी॥तनुतजिछांहरहतिकिमिछेकी॥प्रभाजाइकहंभानुविहाई
॥कहंचंद्रिकाचंद्रतजिजाई॥पतिहिप्रेममयबिनयसुनाई॥कहतिसचिव
सनगिरासुहाई॥तुमपितुससुरसरिसहितकारी॥उतरदेउंफिरिअनुचि-
तभारी॥ ॥दोहा॥ ॥आरतबशसन्मुखभएउं॥बिलगनमानबतात
॥आरजसुतपदकमलबिनु॥वादिजहांलगिनात॥१०१॥ ॥चौपाई॥
॥पितुबैभवबिलासमैदीठा॥नृपमणिमुकुटमिलतपदपीठा॥सुखनिधा
नअसमाइकमोरे॥पतिविहीनमनभावनमोरे॥ससुरचक्कवैकोशलराऊ
॥भुवनचारिदशप्रगटप्रभाऊ॥आगेहोइजेहिंसुरपतिलेई॥अर्धसिंहासन
आसनदेई॥ससुरएतादृशअबधनिवासु॥प्रियपरिवारमातुसमसासु॥-

बिनुरघुपतिपदपद्मपरागा॥ गोहिसवसपनेस्रूखदनलागा॥ अगमपंथबन
भूमिपहारा॥ करिकेहरिसरसरितअपारा॥ कोलकिरातकुरंगबिहंगा॥ मो
हिसबस्रूखदप्राणपतिसंगा॥ ॥दोहा॥ ॥सास्रूससुरसनमोरिहु
ति॥ बिनयकरबपरिपाय॥ मोरशोचजनिकरियकछु॥ मैबनस्रूखीस्रूभा
य॥१०२॥ ॥चौपाई॥ ॥प्राणनाथप्रियदेवरसाथा॥ धीरधुरीणधा
रेघनुभाथा॥ नहिमगुश्रमभ्रमदुखमनमोरे॥ मोहिलगिशोचकरियजनिभो
रे॥ स्रूनिस्रूमंतसियशीतलबानी॥ भएबिकलजनुफणिमणिहानी॥ नया
ननसूरूस्रूनैनहिकाना॥ काहिनशकैकछुअतिअकुलाना॥ रामप्रबोधकी
नबहुभांती॥ तदपिहोइनहिंशीतलछाती॥ यतनअनेकसाथहितकीन्हा
॥ उचितउतरघुनंदनदीना॥ मेटिजाइनहिंरामरजाई॥ कठिनकर्मगतिक
छुनबिसाई॥ रामलषणसियपदशिरनाई॥ फिरेबणिकजिमिमूरगवाई॥
॥दोहा॥ ॥रथहांकेयहरामतन॥ हेरिहेरिहिहिनाहिं॥ देखिनिषाद
बिषादबश॥ शिरधुनिधुनिपछिताहिं॥१०३॥ ॥चौपाई॥ ॥जासु
बियोगबिकलपशुऐसे॥ प्रजामातुपितुजीवहिंकैसे॥ वरबसरामस्रूमंतप
ठाए॥ स्रूरसरितीरआपुचलिआए॥ मागीनावनकेवटआना॥ कहेउतुम्हा
रमरमैंजाना॥ चरणकमलरजकहसवकहई॥ मानुषकरणिमूरिकछुअह
ई॥ छुअतिशीलाभइनारिस्रूहाई॥ पाहनतेनकाठकठिनाई॥ तरणिउस्रूनि
घरनीहोइजाई॥ वाटपरेमोरिनावउडाई॥ एहिप्रतिपालौसबपरिवारू॥ न
हिजानौंकछुऔरकबारू॥ जौप्रभुअवशिपारगाचहहू॥ तौपदपद्मपखार
नकहहू॥ ॥छंद॥ ॥पदपद्मधोइचढाइनावननाथउतराईचहों॥ मो
हिरामराउरिआनिदशरथशपथसतसांचीकहों॥७॥ वरुतीरमारहिंलष
णपैजबलगिनपांवपखारिहौं॥ तौलगिनतुलसीदासनाथकृपालुपारउता
रिहौं॥८॥ ॥सोरठा॥ ॥सुनिकेवटकेवयन॥ प्रेमलपेटेअटपटे॥ बि
हसेकरुणाअयन॥ चितयजानकीलषणतन॥१०४॥ ॥चौपाई॥

कृपासिंधुबोलेमुसुकाई॥ सोइकरहुजेहिंनावनजाई॥ बेगिआनिजल पायपखारू॥ होतबिलंबउतारहुपारू॥ जासुनामसुमिरतएकबारा॥ उतरहिंनरभवसिंधुअपारा॥ सोईकृपालुकेवटहिनिहोरा॥ जेहिंकियजगति हुंपदतेथोरा॥ पदनखनिरखिदेवसरिहरषी॥ सुनिप्रभुबचनमोहमतिक रषी॥ केवटरामरजायसुपावा॥ पानिकठवताभरिलेआवा॥ अतिआ नंदउमगिअनुरागा॥ चरणसरोजपखारनलागा॥ बरषिसुमनसुरसक लसिहाहीं॥ इतिसमपुण्यपुंजकोउनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥पदपखारि जलपानकरि॥ आपुसहितपरिवार॥ पितरपारकरिप्रभुहिपुनिमुदित गएउलेपार॥१०५॥ ॥चौपाई॥ ॥उतरिठाढभएसुरसरिरेता ॥सीयरामगुहलषणसमेता॥ केवटउतरिदंडवतकीन्हा॥ प्रभुसकुचे एहिकछुनदीन्हा॥ पियहियकीसियजाननिहारी॥ मणिमुदरीमनमुदि तउतारी॥ कहेउकृपालुलेहुउतराई॥ केवटचरणगहेउअकुलाई॥ नाथ आजुहमकाहनपावा॥ मिटेदोषदुखदारिददावा॥ अमितकालमेंकीनि मजूरी॥ आजुदीनबिधिसबभरिपूरी॥ अबकछुनाथनचाहियमोरे॥ दी नदयालुअनुग्रहतोरे॥ फिरतीबारजोकछुमोहिदेवा॥ सोप्रसादमेंधरि शिरलेवा॥ ॥दोहा॥ ॥बहुतकीनहठलषणप्रभु॥ नहिकछुकेवट लेई॥ बिदाकीनकरुणायतन॥ भक्तिबिमलवरदेइ॥१०६॥ ॥ चौपाई॥ ॥तबमज्जनकरिरघुकुलनाथा॥ पूजिपार्थिवनायउमाथा॥ सियसुरसरिहिकहाकरजोरी॥ मातुमनोरथपुरवहुमोरी॥ पतिदेवरसंग कुशलबहोरी॥ आइकरौंजेहिंपूजातोरी॥ सुनिसियबिनयप्रेमरससा नी॥ भइतबबिमलबारिबरबानी॥ सुनुरघुवीरप्रियाबैदेही॥ तबप्रभा वजगबिदितनकेही॥ लोकपहोंहिंबिलोकततोरे॥ तोहिसेवहिंसबसिधि करजोरे॥ तुमजोहमहिंबडिबिनयसुनाई॥ कृपाकीनिमोहिदीनीबडा ई॥ तदपिदेविमेंदेवअसीशा॥ सफलहोनहितनिजवागीशा॥ ॥दोहा

॥ ॥प्राणनाथदेवरसहित॥कुशलकोशलाआइ॥पूजहिंसबमनकाम
ना॥सुयशरहहिजगछाइ॥१०७॥ ॥चौपाई॥ ॥गंगबचनसुनि
मंगलमूला॥मुदितसीयसुरसरिअनुकूला॥तबप्रभुगुहहिकहाघरजाहू
॥सुनतसूषमुखभाउरदाहू॥दीनबचनगुहकहकरजोरी॥बिनयसुनि
यरघुकुलमणिमोरी॥नाथसाथरहिपंथदेखाई॥करिदिनचारिचरणसे
वकाई॥जहिबनजाइरहबरघुराई॥पर्णकुटिमैंकरबसुहाई॥तबमोकहं
जशदेवरजाई॥सोकरिहोंरघुबीरदुहाई॥सहजसनेहरामलखितासु॥
संगलीनगुहहृदयहुलासु॥पुनिगुहज्ञातिबोलिसबलीन्हा॥करिपरितो
षबिदासबकीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥तबगणपतिशिवसुमिरिप्रभु॥ना
इसुरसरिहिमाथ॥सखाअनुजसियसहितबन॥गवनकीनरघुनाथ॥१०८॥
॥चौपाई॥ ॥तेहिदिनभएउबिटपतरुवासू॥लषणसखासबकीन्हसु
पाशू॥प्रातप्रातकृतकरिरघुराई॥तीरथराजदीखप्रभुजाई॥सचिवसत्य
श्रद्धाप्रियनारी॥माधवसरिसमीतहितकारी॥चारिपदारथभरोभंडारू॥
पुण्यप्रदेशअधिकअतिचारू॥क्षेत्रअगमगढगाढसुहावा॥सपनेहुजिन
प्रतिपक्षिनपावा॥सैनसकलतीरथबरबीरा॥कलुषअनीकदलनरणधी
रा॥संगमसिंहासनअतिसोहा॥छत्रयक्षयबटमुनिमनमोहा॥चमरजमु
नजलगंगतरंगा॥देखिहोहिंदुखदारिदभंगा॥ ॥दोहा॥ ॥सेवहिंसु
कृतीसाधुशुचि॥पावहिंसबमनकाम॥बंदीबेदपुराणगण॥कहहिंबिम
लगुणग्राम॥१०९॥ ॥चौपाई॥ ॥कोकहिशकैप्रयागप्रभाऊ॥क
लुषपुंजकुंजरमृगराऊ॥असतीरथपतिदेखिसुहावा॥सुखसागररघुवर
सुखपावा॥कहसियअनुजहिसखहिंसुनाई॥श्रीमुखतीरथराजबडा
ई॥करिप्रणामदेखतबनबागा॥कहतमहातमअतिअनुरागा॥इहिबि
धिआइबिलोकीबेनी॥सुमिरतशकलसुमंगलदेनी॥मुदितअन्हाइकी-
निशिवसेवा॥पूजियथाबिधितीरथदेवा॥तबप्रभुभरद्वाजपहिंआए॥करत

दंडवतिमुनिउरलाए॥मुनिमनमोदनकछुकहिजाई॥ब्रम्हानंदराशिजनु
पाई॥ ॥दोहा॥ ॥दीनअशीसमुनीशउर॥अतिआनंदअसजानि
॥लोचनगोचरसुकृतफल॥मनहुंकिएविधिआनि॥११०॥ ॥चौपाई॥
॥कुशलप्रश्नकरिआसनदीन्हा॥पूजिप्रेमकरिपूरएकीन्हा॥कंदमूलफ
लअंकुरनीके॥दिएआनिमुनिमनहुअमीके॥सीयलषएजनसहितसु
हाए॥अतिरुचिराममूलफलखाए॥भएविगतश्रमरामसुखारे॥भरद्वा
जमृदुबचनउचारे॥आजुसुफलतपतीरथत्यागू॥आजुसफलजपजोग
विरागू॥सकलसुफलशुभसाधनसाजू॥रामतुमहिंअवलोकतआजू॥
लाभअवधिसुखअवधिनदूजी॥तुम्हरेदरशआशसबपूजी॥अबकरिकृ
पादेहुवरएहू॥निजपदसरसिजसहजसनेहू॥ ॥दोहा॥ ॥कर्म
बचनमनछाडिछल॥जबलगिजननतुह्मार॥तबलगिसुखसपनेहुनहिं
॥कियेकोटिउपचार॥१११॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिमुनिबचनरामस-
कुचाने॥भावभक्तिआनंदअघाने॥तबरघुवरमुनिसुयशसुहावा॥को
टिभांतिकहिसबहिसुनावा॥सोबडसोसबगुणगणगेहू॥जेहिमुनीशतु
मआदरदेहू॥मुनिरघुवीरपरस्परनमहीं॥बचनअगोचरसुखअनुभवहीं॥
यहसुधिपाइप्रयागनिवासी॥बटुतापससुनिसिद्धउदासी॥भरद्वाजआश्र
मसबपाए॥देखनदशरथसुअनसुहाए॥रामप्रणामकीन्हसबकाहू॥मु
दितभएलहिलोचनलाहू॥देहिअशीसपरमसुखपाई॥फिरेसराहतसुंदर
ताई॥ ॥दोहा॥ ॥रामकीन्हबिश्रामनिशि॥प्रातप्रयागअन्हाइ॥च
लेलषणसियजनसहित॥मुदितमनहिंशिरनाइ॥११२॥ ॥चौपाई॥
॥रामसप्रेमकहेउमुनिपाहीं॥नाथकहियहमकेहिमगजाहीं॥सुनिमुनि
बिहंसिरामसनकहहीं॥सुगमसकलमगतुमकहंअहहीं॥साथलागिमु
निशिष्यबुलाए॥सुनिमनमुदितपचाशकआए॥सबहिरामपदप्रेमअपा
रा॥सबहिकहामगदीखहमारा॥मुनिबटुचारिसंगतबदीन्हे॥जिन्हबहु

जन्मसफ़तसबकीन्हे॥करिप्रणाममुनिआशिषपाई॥प्रमुदितहृदयचले
रघुराई॥ग्रामनिकटजबनिकसेजाई॥देखहिंदरशनारिनरधाई॥होहिंस-
नाथजन्मफलपाई॥फिरहिंदुखितमनसंगपठाई॥ ॥दोहा॥ ॥बि
दाकिएबटुबिनयकरि॥फिरेपाइमनकाम॥उतरिअन्हाएजमुनजल॥जो
शरीरशमशाम॥११३॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनतीरथबासीनरनारी॥
धाएनिजनिजकाजबिसारी॥लषणरामसियसुंदरताई॥देखिकरहिंनिज
भाग्यबडाई॥अतिलालसासबहिंमनमाहीं॥नामग्रामबूझतसकुचाहीं॥जे
तिनमहंबयवृद्धसयाने॥तिनकरियुक्तिरामपहिचाने॥सकलकथाकहिति
नहिंसुनाई॥वनहिचलेपितुआयसुपाई॥सुनिसविषादसकलपछिताहीं॥
रानिराउकीनाभलनाही॥तेहिअवसरएकतापसआवा॥तेजपुंजलघुव-
यससुहावा॥कबिअलखितगतिबेषबिरागी॥मनबचकर्मरामअनुरागी
॥ ॥दोहा॥ ॥सजलनयनतनुपुलकनिज॥इष्टदेवपहिचानि॥पुरउदंड
जिमिधरणितल॥दशानजातिबखानि॥११४॥ ॥चौपाई॥ ॥राम
सप्रेमपुलकिउरलावा॥परमरंकजनुपारसपावा॥मनहुंप्रेमपरमारथदोऊ
॥मिलतधरेतनुकहसबकोऊ॥बहुरिलषणपायनसोइलागा॥लीनउठाइउ
मगिअनुरागा॥पुनिसियचरणरेणुधरिसीसा॥जननिजानिशिशुदीन्ह-
अशीषा॥कीननिषाददंडवतितेही॥मिलेउमुदितमनरामसनेही॥पियत
नयनपुटरूपपीयूषा॥मुदितसुअन्नपाइजिमिभूषा॥तेपितुमातुकहोसखिकै
से॥जिनपठएबनबालकऐसे॥रामलषनसियरूपनिहारी॥शोचसनेहबिक
लनरनारी॥ ॥दोहा॥ ॥तबरघुबीरअनेकबिधि॥सबहिंसिखाबनदी
न॥रामरजायसुशीशधरि॥भवनगवनतेहिंकीन॥११५॥ ॥चौपाई॥
॥पुनिसियरामलषणकरजोरी॥जमुनहिंकीनप्रणामबहोरी॥चलेससी-
यमुदितदोभाई॥रवितनयाकरकरनबडाई॥पथिकअनेकमिलहिंमगजा
ता॥कहहिंसप्रेमदेषिदोभ्राता॥रामलक्षणसबअंगतुम्हारे॥देखिशोचहि-

यहोतहमारे॥ मारगचलहुपयादेहिंपाए॥ज्योतिषरूटहमारेभाए॥ अगम पंथगिरिकाननभारी॥ तेहिंमहसाथनारिसुकुमारी॥ करिकेहरिबनजाहिनजो ई॥ हमसंगचलहिंजोआयसुहोई॥जावजहांलगितहंपहुचाई॥ फिरबबहोरि तुमहिंशिरनाई॥ ॥दोहा॥ ॥इहिविधिपूछहिंप्रेमबश॥पुलकगातजल नयन॥ कृपासिंधुफेरहिंतिनहिं॥ करिबिनतीमृदुबयन॥११६॥ ॥चौपा ई॥ ॥जेपुरग्रामबसहिंमगुमाही॥ तिनहिंनागसुरनगरसिहांही॥ केहिंसु कृतीकेहिघरीवसाए॥ धन्यपुण्यमयपरमसुहाए॥जहंजहंरामचरणचलि जाहीं॥ तेहिंसमानअमरावतिनाहीं॥ पुण्यपुंजमगुनिकटनिवासी॥ तिनहिं सराहहिंसुरपुरवासी॥ जोभरिनयनबिलोकहिंरामहिं॥ सीतालषणसहित घनश्यामहिं॥जेसरसरितरामअवगाहहिं॥ तिनहिंदेवसरसरितसराहहिं॥ जेहितरुतरप्रभुबैठहिंजाई॥ करहिंकल्पतरुतासुबडाई॥ परसिरामपदप द्मपरागा॥ मानतिभूमिभूरिनिजभागा॥ ॥दोहा॥ ॥छांहकरहिंघनवि बुधगण॥ वरषहिंसुमनसिहांहिं॥देखतगिरिबनविहंगमृग॥ रामचलेमगुजा हिं॥११७॥ ॥चौपाई॥ ॥सीतालषणसहितरघुराई॥गांवनिकटज बनिकसहिंजाई॥ सुनिसबबालवृद्धनरनारी॥ चलहिंतुरितगृहकाजबिसा री॥ रामलषणसियरूपनिहारी॥ पाइनयनफलहोहिंसुखारी॥ सजलन यनअतिपुलकशरीरा॥सबभएमगनदेषिदोउवीरा॥बरणिनजाइदशाति नकेरी॥ लहीरंकजनुपारसदेरी॥ एकहिंएकबोलिशिखदेंहीं॥ लोचनलाहु लेहुक्षणएहीं॥ रामहिंदेखिएकअनुरागे॥ चितवतचलेजातसंगलागे॥ ए कनयनमगुछबिउरआनी॥ होहिंशिथिलतनुमानसबानी॥ ॥दोहा॥ ॥एकदेखिवटछांहभलि॥डासिमृदुलतृणपात॥ कहहिंगवाइयक्षिनुक- श्रम॥गवनवअबहिंकिप्रात॥११८॥ ॥चौपाई॥ ॥एककलशभरि आनहिंपानी॥ अचइयनाथकहहिंमृदुबानी॥ सुनिप्रियबचनप्रीतिअ तिदेखी॥ रामकृपालुसुशीलबिशेषी॥ जानीसियाश्रमितमनमाहीं॥ घरी

कुबिलंबकीनबटछाहीं॥ मुदितनारिनरदेखहिंशोभा॥ रूपअनूपनयनमनलोभा॥ एकटकसबजोवहिंचहुंओरा॥ रामचंद्रसुखचंद्रचकोरा॥ तरुणतमालबरणतनुसोहा॥ देखतकामकोटिमनमोहा॥ दामिनिबरणलषणसुठिनीके॥ नखशिखसुभगभावतेजीके॥ मुनिपटकटिनकसेतूषीरा॥ सोहतकरकमलनधनुतीरा॥ ॥दोहा॥ ॥जटामुकुटशीसनसुभग॥ उरभुजनयनबिशाल॥ सरदपर्वबिधुबदनवर॥ लसतस्वेदकणजाल॥११९॥ ॥चौपाई॥ ॥बरणिनजाइमनोहरजोरी॥ शोभाअमितमोरमतिथोरी॥ रामलषणसियसुंदरताई॥ सबचितवहिंमतिमनचितलाई॥ थकेनारिनरप्रेमपिआसे॥ मनहुंमृगीमृगदेखिदियासे॥ सीयसमीपग्रामतियजाहीं॥ पूछतअतिसनेहसकुचाहीं॥ बारबारसबलागहिंपाए॥ कहहिंवचनमृदुसरलसुहाए॥ राजकुमारिबिनयहमकरहीं॥ तियसुभावकछुपूछतडरहीं॥ स्वामिनिअबिनयक्षमबहमारी॥ बिनगुणमानबजानिगवारी॥ राजकुंअरदोउसहजसलोने॥ इननेलहिदूतिमरकतसोने॥ ॥दोहा॥ ॥श्यामलगौरकिशोरवर॥ सुंदरसुखमाअयन॥ शरदसर्वरीनाथसुख॥ शरदसरोरुहनयन॥१२०॥ ॥चौपाई॥ ॥कोटिमनोजलजावनहारे॥ सुमुखिकहहुकोअहहिंतुम्हारे॥ सुनिसनेहमयमंजुलबानी॥ सकुचिसीयमनमहुसुसुकानी॥ तिनहिंबिलोकिबिलोकेउधरणी॥ दुहुंसंकोचसकुचतिबरबरनी॥ सकुचिसप्रेमबालमृगनयनी॥ बोलीमधुरवचनपिकबयनी॥ सहजसुभावसुभगतनगोरे॥ नामलषणलघुदेवरमोरे॥ बहुरिबदनबिधुअंचलढांकी॥ पियतनचितेभौंहकरिबांकी॥ खंजनमंजुतिरीछेनयनी॥ निजपतिकहेउतिनहिंसियसयनी॥ भईमुदितसबग्रामबधूटी॥ रंकनरतनराशिजनुलूटी॥ ॥दोहा॥ ॥अतिसप्रेमसियपायधरि॥ बहुबिधिदेहींअशीस॥ सदासोहागिनिरहहुतुम॥ जबलगिमहिअहिशीस॥१२१॥ ॥चौपाई॥ ॥पारबतिसमपतिप्रियहोहू॥ देबिनहमपरछाडवछो

हू॥ पुनिपुनिबिनयकरहिंकरजोरी॥जोइहिमारगफिरियबहोरी॥ दरशन
देवजानिनिजदासी॥लखीसीयसबप्रेमपिआसी॥मधुरबचनकहिकहिप
रताषी॥ जनुकुमुदिनीकौमुदीपोषी॥ तबहिंलषणरघुबररुषजानी॥ पू
छेउमगुलोगनमृदुबानी॥सुनतनारिनरभएदुखारी॥पुलकितअंगबिलो
चनबारी॥ मिटामोदमनभएमलीने॥ बिधिनिधिदीनलेतजनुछीने॥समु
झिकर्मगतिधीरजकीन्हा॥शोधिसुगममगुतिनकहिदीन्हा॥ ॥दोहा॥
॥लषणजानकीसहिततब॥गवनकीन्हरघुनाथ॥फेरेसबप्रियबचनक
हि॥लिएलायमनसाथ॥१२२॥ ॥चौपाई॥ ॥फिरतनारिनरअति-
पछिताहीं॥दैवहिदोषदेहिमनमाहीं॥सहितविषादपरस्परकहहीं॥ बिधि
करतबसबउलटेअहहीं॥निपटनिरंकुशनिठुरनिशंकू॥जेहिंशशिकीन
सरुजसकलंकू॥रूषकल्पतरुसागरखारा॥तेहिपठएवनराजकुमारा
॥जोपैइनहिदीनबनबासू॥कीनबादिबिधिभोगबिलासू॥येबिचरहिंम
गुबिनुपदत्राना॥रचेबादिबिधिवाहननाना॥एमहिंपरहिंडासिकुसपा
ता॥सुभगसेजकतसृजतबिधाता॥तरुतरबासइनहिंबिधिदीना॥धा
वलधामरचिश्रमकतकीना॥ ॥दोहा॥ ॥जोएमुनिपटधरजटिल॥
सुंदरसुठिसुकुमार॥बिबिधभांतिभूषणबसन॥बादिकिएकरतार॥१२३
॥ ॥चौपाई॥ ॥जोएकंदमूलफलखाहीं॥बादिसुधादिअशनजग
माहीं॥एककहहियेसहजसुहाए॥आपुप्रगटभएबिधिनबनाए॥जहं
लगिबेदकहेउबिधिकरणी॥श्रवणनयनमनगोचरबरणी॥देखहुखो-
जिभुवनदशचारी॥कहंअसपुरुषकहांअसनारी॥इनहिंदेखिबिधिमन
अनुरागा॥पटतरुयोगबनाबनलागा॥कीनबहुतश्रमएकनआए॥तेहिं
ईर्षावनआनिदुराए॥ एककहहिंहमबहुतनजानहि॥आपुहिपरमधन्य
करिमानहि॥तेपुनिपुण्यपुंजहमलेखे॥जेदेखतहिंदेखहिंजिनदेखे॥
॥दोहा॥ ॥इहिबिधिकहहिबचनप्रिय॥लेहिंनयनभरिनीर॥किमि-

चलिहहिंमारगअगम॥ सुठिसुकुमारशरीर॥१२४॥ ॥चौपाई॥ ॥
नारिसनेहबिकलसबहोहीं॥ चकईसांझसमयजिमिसोंहीं॥ मृदुपदकमल
कठिनमगुजानी॥ गहवरहृदयकहहिंमृदुबानी॥ परसतमृदुलचरणअ
रुणारे॥ सकुचतिमहिजिमिहृदयहमारे॥ जौंजगदीशइन्हहिंबनदीना॥
कसनसुमनमयमारगकीना॥ जौंमागेपाइयबिधिपाहीं॥ एरारवीसखि
आखिनमाहीं॥ जेनरनारिनअवसरआए॥ तिन्हसियरामनदेखनपाए
॥ सुनिस्वरूपबूझहिंअकुलाई॥ अबलगिगएकहांलगिभाई॥ समरथधा
इबिलोकहिंजाई॥ प्रमुदितफिरहिंनयनफलपाई॥ इहिबिधिसकलनारि
नरआवहिं॥ रामदरसकरिसबसुखपावहिं॥ ॥दोहा॥ ॥अबला
बालकवृद्धजन॥ करमीजहिंपछिताहीं॥ होहिंप्रेमबशलोगइमि॥ राम
जहांजहंजाहिं॥१२५॥ ॥चौपाई॥ ॥गांउंगांउंअसहोइअनंदू॥
देखिभानुकुलकैरवचंदू॥ जेकछुसमाचारपुनिपावहिं॥ तेनृपरानिहिंदो
षलगावहिं॥ कहहिंएकअतिभलनरनाहू॥ दीनहमहिंजिनलोचनलाहू
॥ कहहिंपरस्परलोगलुगाई॥ बातेसरलसनेहसुहाई॥ तेपितुमातुध
न्यजिनजाए॥ धन्यसोनगरजहांतेआए॥ धन्यसोशैलदेशबनगाऊ॥
जहंजहंजाहिंधन्यसोठांऊ॥ सुखपाएउबिरंचिरचितेही॥ येइनकेसब
भांतिसनेही॥ रामलषणपथकथासुहाई॥ रहीसकलमगुकाननछाई॥
॥दोहा॥ ॥इहिबिधिरघुकुलकमलरवि॥ मगुलोगनसुखदेत॥ जाहिं
चलेदेखतविपिन॥ सियसौमित्रिसमेत॥१२६॥ ॥चौपाई॥ ॥आ
गेरामलषणपुनिपाछे॥ तापसबेषबिराजतआछे॥ उभयमध्यसियशो
हतिकैसी॥ ब्रम्हजीवबिचमायाजैसी॥ बहुरिकछुउंछबिजसमनबस-
ई॥ जनुमधुमदनमध्यरतिलसई॥ उपमाबहुरिकहंउजियजोही॥ बुध
बिधुमध्यरोहिणीसोई॥ प्रभुपदरेखबीचबिचसीता॥ धरतिचरणम
गुचलतिसभीता॥ सीयरामपदअंकबराएं॥ लषणचलहिंमगुदाहिन

वांए ॥ रामलषणसियप्रीतिसुहाई ॥ वचनअगोचरकिमिकहिजाई ॥
खगमृगमगनदेखिछबिहोंहीं ॥ लियेचोरिचितरामबटोंहीं ॥ ॥दोहा
॥ ॥ जिनजिनदेखेपथिकप्रिय ॥ सियसहितद्वौभाइ ॥ भवमगुअगम
अनंदते ॥ बिनुश्रमरहेसिराइ ॥१२७॥ ॥चौपाई॥ ॥अजहुंजा
सुउरसपनेहुकाऊ ॥ बसहिंरामसियलषणबटाऊ ॥ रामधामपथपाइहि
सोई ॥ जोपथपावकबहुंमुनिकोई ॥ तबरघुबीरश्रमितसियजानी ॥ दे-
खिनिकटबटशीतलपानी ॥ तहंवसिकंदमूलफलखाई ॥ प्रातअन्हाइ
चलेरघुराई ॥ देखतबनसरशैलसुहाए ॥ बालमीकआश्रमप्रभुआए
॥ रामदेखिमुनिवाससुहावन ॥ सुंदरगिरिकाननजलपावन ॥ सरसि
सरोजबिटपबनफूले ॥ गुंजतमंजुमधुपरसभूले ॥ खगमृगबिपुलको
लाहलकरहीं ॥ बिरहितबैरमुदितबनचरहीं ॥ ॥दोहा॥ ॥शुचि
सुंदरआश्रमनिरखि ॥ हर्षेराजिवनयन ॥ सुनिरघुवरआगमनपुनि
॥ आगेआएलयन ॥१२८॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिकहंरामदंडवति
कीन्हा ॥ आसिरबादविप्रवरदीन्हा ॥ देखिरामछबिनयनजुडाने ॥ करिस
नमानआश्रमहिआने ॥ तबमुनिआसनदिएसुहाए ॥ मुनिवरअति-
थिप्राणप्रियपाए ॥ कंदमूलफलमधुरमंगाए ॥ सियसोमित्रिरामफलखा
ए ॥ बालमीकमनआनंदभारी ॥ मंगलमूरतिनयननिहारी ॥ तबकरक
मलजोरिरघुराई ॥ बोलेबचनश्रवणसुखदाई ॥ तुमत्रिकालदरशीमु
निनाथा ॥ बिश्वबदरजिमितुम्हरेहाथा ॥ असकहिप्रभुसबकथाबखानी
॥ जेहिंजेहिंभांतिदीन्हबनरानी ॥ ॥दोहा॥ ॥ तातबचनपुनिमातु
हित ॥ भाइभरतअसराउ ॥ मोकहंदरशतुम्हारप्रभु ॥ सबममपुण्यप्रभा
उ ॥१२९॥ ॥चौपाई॥ ॥ देखिपायमुनिरायतुम्हारे ॥ भएसुकृत
सबसुफलहमारे ॥ अवजहंराउरआयसुहोई ॥ मुनिउद्वेगनपावहिं
कोई ॥ मुनितापसजिनतेदुखलहहीं ॥ तेनरेसबिनुपावकदहहीं ॥ मंगल

मूलविप्रपरितोषू॥ दहइकोटिकुलभूसुररोषू॥ असजियजानिकहिय
सोइठांऊ॥ सियसोमित्रिसहितजहंजांऊ॥ तहंरुचिरुचिरपर्णतृणशा
ला॥ वासकरौंकछुकालकृपाला॥ सहजसरलसुनिरघुवरबानी॥ साधु
साधुबोलेमुनिज्ञानी॥ कसनकहहुअसरघुकुलकेतू॥ तुमपालकसंत
तश्रुतिसेतू॥ ॥छंद॥ ॥श्रुतिसेतुपालकरामतुमजगदीशमाया-
जानकी॥ सोसृजतिजगपालतिहरतिरुषपाइकृपानिधानकी॥९॥ जोस
हसशीषअहीशमहिधरिलषणसचराचरधनी॥ सुरकाजधरिनरराजत
नुचलेदलनखलनिशिचरअनी॥१०॥ ॥दोहा॥ ॥रामस्वरूपतुम्हार
॥वचनअगोचरबुद्धिबर॥ अविगतअकथअपार॥ नेतिनेतिनितनिगम
कह॥१३०॥ ॥चौपाई॥ ॥जगपेखनतुमदेखनहारे॥ विधिहरि
शंभुनचावनहारे॥ तेउनजानहिंमर्मतुह्मारा॥ औरतुमहिकोजाननहारा॥
सोजानैजेहिंदेहुजनाई॥ जानैतुम्हैतुमहिंहाइजाई॥ तुम्हरीकृपातुमहिंर
घुनंदन॥ जाननभक्तभक्तउरचंदन॥ चिदानंदमयदेहतुम्हारी॥ बिगतबि
कारज्ञानअधिकारी॥ नरतनुधरेहुसंतसुरकाजा॥ कहहुकरहुजसप्राकृ
तराजा॥ रामदेखिसुनिचरिततुम्हारे॥ जडमोहहिंबुधहोहिंसुखारे॥
तुमजोकहहुकरहुसवसांचा॥ जसकाछियतसचाहिनाचा॥ ॥दोहा
॥ पूछहुमोहिकिरहोंकह॥ मैंपूछतसकुचाउं॥ जहंनहोहुतहंदेहुकहि॥ तु
महिवतावोंठाउं॥१३१॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिमुनिवचनप्रेमरससाने
॥सकुचिराममनमहंमुसुकाने॥ वालमीकहंसिकहहिंबहारी॥ वाणीम
धुरअमियरसबोरी॥ सुनहुरामअवकहौंनिकेता॥ वसहुंजहांसियलषण
समेता॥ जिनकेश्रवणसमुद्रसमाना॥ कथातुम्हारिसुभगसरिनाना॥ भ
रहिंनिरंतरहोहिंनपूरे॥ तिनकेहृदयसदनतबरूरे॥ लोचनचातकजिन
करिराषे॥ रहहिंदरशजलधरअभिलाषे॥ निदरहिंसिंधुसरितअतिभारी
॥रूपबिंदुजलहोहिंसुखारी॥ तिनकेहृदयसदनसुखदायक॥ वसहुल

षणसियसहरघुनायक॥ ॥दोहा॥ ॥यशतुम्हारमानसविमल॥
हंसिनिजीहाजासु॥मुक्ताफलगुणगणचूनै॥वसहुरामहियतासु॥१३२॥
॥चौपाई॥ ॥प्रभुप्रसादशुचिसुभगसुवासा॥सादरजासुलहैनितना
शा॥तुमहिनिवेदितभोजनकरहीं॥प्रभुप्रसादपटभूषणधरहीं॥शीसनव
हिंसुरगुरुद्विजदेषी॥प्रीतिसहितकरिबिनयविशेषी॥करनितकरहिंरामसि
यपूजा॥रामभरोसहृदयनहिदुजा॥चरणरामतीरथचलिजाहीं॥रामबस
हुतिनकेमनमाहीं॥मंत्रराजनितजपहिंतुह्मारा॥पूजहिंतुमहिंसहितपरिवा
रा॥तर्पणहोमकरहिंबिधिनाना॥विप्रजेवाइदेहिंबहुदाना॥तुमतेंअधिकगु
रुहिंजियजानी॥सकलभावसेवहिंसनमानी॥ ॥दोहा॥ ॥सबकरि-
मांगहिंएकफल॥रामचरणरतिहोउ॥तिनकेमनमंदिरबसहु॥सियरघुनं
दनदोउ॥१३३॥ ॥चौपाई॥ ॥कामक्रोधमदमाननमोहा॥लोभ
नक्षोभनरागनद्रोहा॥जिनकेकपटदंभनहिमाया॥तिनकेहृदयवसहुर
घुराया॥सबकेप्रियसबकेहितकारी॥दुखसुखसरिसप्रशंसागारी॥क
हहिसत्यप्रियबचनबिचारी॥जागतसोवतशरणतुम्हारी॥तुमहिंछाडि
गतिदूसरनाही॥रामबसहुतिनकेउरमाहीं॥जननीसमजानहिपरनारी॥
धनपराययविषतेंविषभारी॥जेहरषहिंपरसंपतिदेखी॥दुखितहोहिंप
रविपतिविशेषी॥जिनहिंरामतुमप्राणपियारे॥तिनकेउरशुभसदनतुम्हा
रे॥ ॥दोहा॥ ॥स्वामिसखापितुमातुगुरु॥जिनकेसबतुमतात॥ति
नकेमनमंदिरवसहु॥सीयसहितदोभ्रात॥१३४॥ ॥चौपाई॥ ॥
अवगुणतजिसबकेगुणगहहीं॥विप्रधेनुहितसंकटसहहीं॥नीतिनिपुण
जिनकीजगलीका॥घरतुम्हारतिनकेमननीका॥गुणतुम्हारसमुझहिंनिज
दोसू॥जेहिंसबभांतितुम्हारभरोसू॥रामभक्तप्रियलागहिंजेही॥तेहिंउरब
सहुसहितबेदेही॥जातिपांतिधनधर्मबडाई॥प्रियपरिवारसुहृदसमुदा
ई॥सबतजितुमहिरहैलवलाई॥ताकेहृदयबसहुरघुराई॥स्वर्गनरकअप

वर्गसमाना॥जहंतहंदेखिधरेधनुबाना॥मनक्रमबचनजोराउरचेरा॥राम
करहुताकेउरडेरा॥ ॥दोहा॥ ॥जाहिनचाहियकबहुकछु॥तुमसनसह
जसनेह॥बहुनिरंतरतासुउर॥सोराउरनिजगेह॥१३५॥ ॥चौपाई॥
॥इहिबिधिमुनिबरसदनदेखाए॥बचनसप्रेमराममनभाए॥कहमुनिसुन
हुभानुकुलनायक॥आश्रमकहौंसमयसुखदायक॥चित्रकूटगिरिकरहुनिवा
सू॥तहंतुम्हारसबभांतिसुपासू॥शैलसुहाबनकाननचारू॥करिकेहरिमृग
बिहगबिहारू॥नदीपुनीतपुराणबखानी॥अत्रिप्रियानिजतपबलआनी॥
सुरसरिधारनाममंदाकिनि॥जोसबपातकपोतकडाकिनि॥अत्रिआदि
मुनिवरबहुबसहीं॥करहिंयोगजपतपतनुकसहीं॥चलहुसफलआश्रम
प्रभुकरहू॥रामदेहुगौरवगिरिबरहू॥ ॥दोहा॥ ॥चित्रकूटमहिमा
अमित॥कहीमहामुनिगाइ॥जाइअन्हानेसरितबर॥सीयसहितदोभा
इ॥१३६॥ ॥चौपाई॥ ॥रघुबरकहेउलषणभलघाटू॥करहुकत
हुंअबठाहरठाटू॥लषणदीखपयउतरिकरारा॥चहुंदिशिफिरेउधनुषजि
मिनारा॥नदीपचनशरशमयदाना॥सकलकलुषकलिसाउजनाना॥
चित्रकूटजनुअचलअहेरी॥चूकनघातमारुमुठभेरी॥असकहिलषण
ठाउदेखरावा॥थलबिलोकिरघुपतिसुखपावा॥रमेउराममनदेवनजा
ना॥चलेसहितसुरपतिपरधाना॥कोलकिरातबेषधरिआए॥रचेउप
र्णतृणसदनसुहाए॥बरणिनजाइमंजुदुइशाला॥एकललितलघुएक
बिशाला॥ ॥दोहा॥ ॥लषणजानकीसहितप्रभु॥राजतरपर्णनि
केत॥सोहमदनमुनिबेषजनु॥रतिऋतुराजसमेत॥१३७॥ ॥चौपाई
॥ ॥अमरनागकिन्नरदिकपाला॥चित्रकूटआएतेहिंकाला॥रामप्रणा
मकीन्हसबकाहू॥मुदितदेवलहिलोचनलाहू॥वर्षिसुमनकहदेवसमाजू॥
नाथसनाथभएहमआजू॥करिबिनतीदुखदुसहसुनाए॥हर्षितनिजनि
जसदनसिधाए॥चित्रकूटरघुनंदनछाए॥समाचारसुनिसुनिमुनिआ



ए ॥ आवतदेखिमुदितमुनिवृंदा ॥ कीनिदंडवतिरघुकुलचंदा ॥ मुनिरघुव
रहिलाइउरलेहीं ॥ सुफलहोनहितआशिषदेहीं ॥ सियसौमित्रिरामछबिदे
खी ॥ साधनसकलसुफलकरिलेखी ॥ ॥दोहा॥ ॥यथायोगस
नमानिप्रभु ॥ बिदाकिएमुनिवृंद ॥ करहिंयोगजपयज्ञतप ॥ निजआश्रम
हिस्वच्छंद ॥१३८॥ ॥चौपाई॥ ॥यहसुनिकोलकिरातनपाई ॥ हर्षेज
नुनवनिधिघरआई ॥ कंदमूलफलभरिभरिदोना ॥ चलेरंकजनुलूटनसो-
ना ॥ तिनमहंजिनदेखेदोभ्राता ॥ औरतिनहिंपूछहिंमगुजाता ॥ कहतसु
नतरघुबीरनिकाई ॥ आइसबनदेखेदोभाई ॥ करहिंजुहारभेटधरिआगे
॥ प्रभुहिंबिलोकतअतिअनुरागे ॥ चित्रलिखेजनुजहंतहंठाढे ॥ पुलकशा-
रीरनयनजलबाढे ॥ रामसनेहमगनसबजाने ॥ कीहप्रियबचनसकलसन
माने ॥ प्रभुहिंजोहारिबहोरिबहोरी ॥ बचनबिनीतकहहिंकरजोरी ॥ ॥दो
हा ॥ ॥अबहमनाथसनाथसब ॥ भएदेखिप्रभुपायभाग्यहमारेआग
मन ॥ राउरकोशलराय ॥१३९॥ ॥चौपाई॥ ॥धन्यभूमिबनपंथपहा
रा ॥ जहंजहंनाथपावतुमधारा ॥ धन्यबिहंगमृगकाननचारी ॥ सुफलजन्म
भएतुमहिंनिहारी ॥ हमसबधन्यसहितपरिबारा ॥ देखिनयनभरिदरशतु
म्हारा ॥ कीनवासभलठावंबिचारी ॥ इहांसकलऋतुरहबसुखारी ॥ हमस-

बभांतिकरवसेवकाई॥ करिकेहरिअहिबाघवराई॥ बनबिहंगगिरिकंदरखो
हा॥ सबहमारप्रभुपगुपगुजोहा॥ तहंतहंतुमहिंअहेरखेलाउब॥ सरनिर्झर
सबठाउंदेखाउब॥ हमसेवकपरिवारसमेता॥ नाथनसकुचबआयसुदेता॥
॥दोहा॥ ॥बेदबचनमुनिमनअगम॥ तेप्रभुकरुणाअयन॥ बचनकी
रातनकेसुनत॥ जिमिपितुबालकबयन॥१४०॥ ॥चौपाई॥ ॥
रामहिंकेवलप्रेमपिआरा॥ जानिलेहुजोजाननिहारा॥ रामसकलबनचर
परितोषे॥ कहिमृदुबचनप्रेमपरिपोषे॥ बिदाकिएशिरनाइसिधाए॥ प्र
भुगुणकहतसुनतघरआए॥ एहिबिधिसीयसहितदोउभाई॥ बसहिं
बिपिनसुरमुनिसुखदाई॥ जबतेआइरहेरघुनायक॥ तबतेभाबनमं
गलदायक॥ फूलहिंफलहिंबिटपबिधिनाना॥ मंजुललितबरबेलिबिता
ना॥ सुरतरुसरिससुभावसुहाए॥ मनहुंबिबुधवनपरिहरिआए॥
गुंजतमंजुलमधुकरश्रेणी॥ त्रिविधवयारिबहैसुखदेणी॥ ॥दोहा॥
नीलकंठकलकंठशुक॥ चातकचक्रचकोर॥ भांतिभांतिबोलहिंबिहग॥ श्रव
णसुखदचितचोर॥१४१॥ ॥चौपाई॥ ॥करिकेहरिकपिकोलकुरंगा॥
बिगतबयरबिहरहिंएकसंगा॥ फिरतअहेररामछबिदेखी॥ होहिंमुदितमृग
वृंदविशेषी॥ बिबुधविपिनजहंलगिजगमाहीं॥ देखिरामबनसकलसिहाहीं॥
सुरसरिसरस्वतिदिनकरकन्या॥ मेकलसुतागोदावरिधन्या॥ सबसरसिं
धुनदीनदनाना॥ मंदाकिनिकरिकराहिंबखाना॥ उदयअस्तगिरिवरकैला-
सू॥ मंदरमेरुसकलसुरबासु॥ शैलहिमाचलआदिकजेते॥ चित्रकूटयश
गावहिंतेते॥ बिधिमुदिमनसुखनसमाई॥ बिनुश्रमबिपुलबडाईपाई॥
॥दोहा॥ ॥चित्रकूटकेबिहंगमृग॥ बेलिबिटपतृणजाति॥ पुण्यपुंजस
बधन्यअस॥ कहहिंदेवदिनराति॥१४२॥ ॥चौपाई॥ ॥नयनवंतर
घुपतिहिंबिलोकी॥ पाइजन्मफलहोहिंविशोकी॥ परसिचरणरजअचर
सुखारी॥ भएपरमपदकेअधिकारी॥ सोहतशैलसुभायसुहाबन॥ मं

गलमयअतिपावनपावन॥ महिमाकहौंकवनविधितासु॥ सुखसागरजहंकीन्हनिवासू॥ पयपयोधितजिअवधविहाई॥ जहंसियरामलषणरहेआई॥ कहिनशकहिंउपमाजसकानन॥ जौंशतसहसहसहोहिंसहसानन॥ सोमैंबरणिकहौंविधिकेहीं॥ डावरकमठकिमंदरलेहीं॥ सेवहिंलषणकर्ममनबानी॥ जाइनशीलसनेहबखानी॥ ॥दोहा॥ ॥क्षणक्षणलखिसियरामपद॥ जानिआपुपरनेह॥ करतनसपनेहुलषनचित॥ बंधुमातुपितुगेह॥१४३॥ ॥चौपाई॥ ॥रामसंगसियरहहिंसुखारी॥ पुरपरिजनगृहसुरतिबिसारी॥ क्षणक्षणपियुबिधुबदननिहारी॥ प्रमुदितमनहुंचकोरकुमारी॥ नाहनेहनितबढतबिलोकी॥ हर्षितरहतिदिवसजिमिकोकी॥ सियमनरामचरणअनुरागा॥ अवधसहससमबनप्रियलागा॥ पर्णकुटीप्रियप्रीतमसंगा॥ प्रियपरिवारकुरंगविहंगा॥ सासुससुरसममुनितियमुनिबर॥ अशनअमियसमकंदमूलफर॥ नाथसाथसाथरीसुहाई॥ मयनशयनशतसमसुखदाई॥ लोकपहोहिंबिलोकतजासू॥ तेहिकिमोहिशकविषयबिलासू॥ ॥दोहा॥ ॥सुमिरतरामहिंतजहिंजन॥ तृणसमविषयबिलासु॥ रामप्रियाजगजननिसिय॥ कछुनआचरजतासु॥१४४॥ ॥चौपाई॥ ॥सियालषणजेहिविधिसुखलहहीं॥ सोइरघुनाथकरहिंसोइकहहीं॥ कहहिंपुरातनकथाकहानी॥ सुनहिंलषणसियअतिसुखमानी॥ जबतबरामअवधसुधिकरहीं॥ तबतबवारिबिलोचनभरहीं॥ सुमिरिमातुपितुपरिजनभाई॥ भरतसनेहशीलसेवकाई॥ कृपासिंधुप्रभुहोहिंदुखारी॥ धीरजधरहिंकुसमयबिचारी॥ लखितसियलषणबिकलहोइजाहीं॥ जिमिपुरुषहिंअनुसरपरिछाहीं॥ प्रियाबंधुगतिलखिरघुनंदन॥ धीरकृपालुभक्तउरचंदन॥ लगेकहनकछुकथापुनीता॥ सुनिसुखलहहिंलषणअरुसीता॥ ॥दोहा॥ ॥रामलषणसीतासहित॥ सोहतपर्णनिकेत॥ जिमिबासबबसअमरपुर॥ शचीजयंतसमेत॥१४५॥ ॥चौपाई॥ ॥

युगवहिंप्रभुसियलषणहिकैसे॥ पलकबिलोचनगोलकजैसे॥ सेवहिल-
षणसीयरघुबीरहि॥ जिमिअबिबेकीपुरुषशरीरहिं॥ इहिबिधिप्रभुवनब
सहिंसुखारी॥ खगमृगसुरतापसहितकारी॥ कहेउरामबनगवनसुहावा
॥ सुनहुसुमंतअवधजिमिआवा॥ फिरेउनिषादप्रभुहिंपहुंचावा॥ सचिवस
हितरथदेखेउआई॥ मंत्रिहिंबिकलबिलोकिनिषादू॥ कहिनशकहिंजशभ
एउबिषादू॥ रामरामसियलषणपुकारी॥ परेउधरणितलव्याकुलभारी॥ दे-
खिदक्षिणदिशिहयहिहिनाहीं॥ जिमिबिनुपंखविहगअकुलाहीं॥ ॥
दोहा॥ ॥ नहितृणचरहिंनपियहिंजल॥ मोचनलोचनवारि॥ व्याकुलभए
उनिषादपति॥ रघुवरवाजिनिहारि॥१४६॥ ॥चौपाई॥ ॥ धीरजधरि
तबकहहिंनिषादू॥ अवसुमंतपरिहरहूविषादू॥ तुमपंडितपरमारथज्ञाता॥ ध
रहुधीरलखिबिमुखबिधाता॥ बिबिधकथाकहिकहिमृदुबानी॥ रथबैठारेसि
वरवसआनी॥ शोकशिथिलरथशकहिंनहांकी॥ रघुपतिबिरहपीरउरवांकी
॥ तरफराहिमगुचलहिनघोरे॥ नवमृगमनहुंआनिरथजोरे॥ उठकिपरहिंफि
रिचितवहिंपीछे॥ रामबियोगबिकलदुखतीछे॥ जोकहरामलषणबैदेही॥ हिं
करहिकरिहयहिरहियतेही॥ बाजिबिरहगतिकिमिकहिजाती॥ मणिबिनुफ
णिकबिकलजेहिभांती॥ ॥दोहा॥ ॥भएनिषादबिषादबश॥ देखतसचि
वतुरंग॥ बोलिसुसेवकचारितब॥ दिएसारथीसंग॥१४७॥ ॥चौपाई॥
॥ गुहसारथिहिंफिरेपहुंचाई॥ बिरहबिषादबरणिनहिजाती॥ चलेअवधलै
रथहिंनिषादा॥ होतक्षणहिंक्षणमगनविषादा॥ शोचसुमंतबिकलदुखदी
ना॥ धिग्जीवनरघुबीरविहीना॥ रहहिंअनंतहुअधमशरीरा॥ यशनलहे
उबिछुरतरघुवीरा॥ भएउअयशअघभाजनप्राना॥ कौंनहेतुनहिंकरत
पयाना॥ अहहमंदमतिअवसरचूका॥ अजहुनहृदयहोनदुइटूका॥ मीजि
हाथशिरधुनिपछिताई॥ मनहुकृपणधनराशिगंवाई॥ बिरधबांधिवरबी
रकहाई॥ चलेसमरजनुसुभटपराई॥ ॥दोहा॥ ॥बिप्रबिवेकीबेदबि

द॥ संमतसाधुसुजानि॥ जिमिधोखेमदपानकर॥सचिवशोचतेहिभांति॥१४८॥ ॥चौपाई॥ ॥जिमिकुलीनतियसाधुसयानी॥पतिदेवता-कर्ममनबानी॥रहैकर्मबशपरिहरिनाहू॥सचिवहृदयनिमिदारुणदाहू॥लोचनसजलदृष्टिभइथोरी॥सुनेनअवणाविकलमतिभोरी॥सुखहिंअधरलागिमुहलाटी॥जीबनजाइउरअवधकपाटी॥बिवरणभएउनजाइनिहारी॥मारेसिमनहुंपितामहतारी॥हानिगलानिबिपुलमनव्यापी॥यमपुरपंथशोचजिमिपापी॥बचननआवहृदयपछिताई॥अबधकहांमैंदेखबजाई॥रामरहितरथदेखिहिंजोई॥सकुचिहिंमोहिबिलोकतसोई॥ ॥दोहा॥ धाइपूछिह्हिंमोहिजब॥बिकलनगरनरनारी॥उतरदेवमैंसबहिंतब॥हृदयवज्रबैठारि॥१४९॥ ॥चौपाई॥ ॥पूंछिहहिंदीनदुखितसबमाता॥कहवकहामैंतिनहिंविधाता॥पूछिहहिंजवाहिंलषणमहतारी॥कहिहौंकवनसंदेशसुखारी॥ रामजननिसबआइहिंधाई॥सुमिरिवत्सजिमिधेनुलवाई॥ पूछतउतरदेवमैंतेही॥गेवनरामलषणबैदेही॥जोइपूछहिंतेहिउतरदेवा॥जाइअवधअवयहसुखलेवा॥ पूछिहिंजबहिंराउदुखदीना॥जिवनजासुरघुनाथअधीना॥दैहौंउत्तरकवनसुहलाई॥आएउंकुशलकुवरपहुंचाई॥ सुननलषणसियरामसंदेशू॥तृणइवतनुपरिहरहिंनरेशू॥ ॥दोहा॥ ॥हृदयनबिदरतपंकजिमि॥बिछुरतप्रियतमनीर॥जानतहौंमोहिदीन्हविधि॥जमजातनाशरीर॥१५०॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिबिधिकरतपंथपछितावा॥तमसातीरतुरतरथआवा॥ बिदाकिएकरिबिनयनिषादू॥ फिरेपायपरिविकलविषादू॥पैठतनगरसचिवसकुचाई॥जनुमारेसिगुरुब्राम्हणगाई॥बैठिबिटपतरदिवसगवावा॥सांझसमयतबअसरपावा॥ अवधप्रवेशकीन्हअंधिआरे॥ पैठभवनरथराखिदुआरे॥ जिनजिनसमाचारसुनिपाए॥भूपद्वाररथदेखनआए॥ रथपहिंचानिविकललखिघोरे॥गरहिंगातजिमिआतपओरे॥नगरनारिनरब्याकुलकैसे॥नि

घटितनीरमीनगणजैसे॥ ॥दोहा॥ ॥सचिवआगमनसुननसब
॥बिकलभएउरनिवास॥भवनभयंकरलागतेहिं॥मानहुंप्रेतनिवास॥१५१
॥ ॥चौपाई॥ ॥अतिआरतसबपूछहिंराणी॥उतरनआवबिकलभई
बाणी॥सूनैनश्रवणनयननहिंसूझा॥कहहुकहांनृपजोहितेहिंबूझा॥दा
सीनदीखिसचिबबिकलाई॥कौशल्यागृहगईलवाई॥जाइसुमंतदीखकस
राजा॥अमियरहितजनुचंदबिराजा॥अशननशयनबिभूषणहीना॥प
रेउभूमितलनिपटमलीना॥लेतश्वासशोचैंइहिंभांती॥सुरपुरतेंजनुखसे
उजजाती॥लेतशोचभरिक्षणक्षणछाती॥जनुजरिपंषपरेउसंपाती॥रा
मरामकहरामसनेही॥पुनिकहरामलषणबैदेही॥ ॥दोहा॥ ॥देखि
सचिवजयजीवकहि॥कीन्हेसिदंडप्रणाम॥सुनतउठेब्याकुलनृपति॥क
हुसुमंतकहंराम॥१५२॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपसुमंतलीन्हउरलाई॥
बूडतकछुअधारजनुपाई॥सहितसनेहनिकटबैठारी॥पूछतराउनयन
भरिवारी॥रामकुशलकहुसखासनेही॥कहंरघुनाथलषणबैदेही॥आ
नेहुफेरिकिबनहिंसिधाए॥सुनतसचिवलोचनजलछाए॥शोकबिक
लपुनिपूछनरेशू॥कहुसियरामलषणसंदेशू॥रामरूपगुणशीलसुभा
उ॥सुमिरिसुमिरिउरशोचतराऊ॥राजसुनाइदीन्हबनबासु॥सुनिम
नभएउनहरषहरासु॥सोसुतबिछुरतगएनप्राणा॥कोपापीबडमो
हिसमाना॥ ॥दोहा॥ ॥सखारामसियलषणजहं॥तहांमोहिप
हुंचाऊ॥नाहिनचाहतचलनअब॥प्राणकहौंसतिभाऊ॥१५३॥ ॥
चौपाई॥ ॥पुनिपुनिपूछतमंत्रिहिंराऊ॥प्रीतमसुअनसंदेशसुनाऊ॥क
रहुसखासोइबेगिउपाई॥रामलषणसियबेगिदिखाई॥सचिवधीरधरिक
हमृदुबानी॥महाराजतुमपंडितज्ञानी॥वीरसुधीरधुरंधरदेवा॥साधुस
माजसदातुमसेवा॥जन्मकर्मसबदुखसुखभोगा॥हानिलाभप्रियमिलनबि
योगा॥कालकर्मवशहोहिंगोसाई॥बरवशरातिदिवसकीनाई॥सुखहर्षहिं

जडदुखबिलखांहीं॥ होसमधीरधरहिंमनमाहीं॥ धीरजधरहुबिबेकबिचारी ॥छांडियशोचसकलहितकारी॥ ॥दोहा॥ ॥प्रथमवासतमसाभएउ॥ दुसरसुरसरितीर॥न्हाइरहेजलपानकरि॥सियसमेतदोवीर॥१५४॥ ॥ चौपाई॥ ॥केवटकीन्हबहुतसेवकाई॥ सोयामिनिशृंगवेरगंवाई॥होत-प्रातवटक्षीरमंगावा॥जटामुकुटनिजशीसबनावा॥रामसखातबनावमंगाई॥प्रियाचढाइचढेरघुराई॥लषणधरेधनुबाणबनाई॥आपुचढेप्रभुआयसुपाई॥ बिकलबिलोकिमोहिरघुबीरा॥बोलेमधुरबचनधरिधीरा॥तात-प्रणामतातसनकहेहू॥बारबारपदपंकजगहेहू॥करविपायपरिबिनय बहोरी॥तातकरियजनिचिंतामोरी॥बनमगुमंगलकुशलहमारे॥कृपाअनुग्रहपुण्यतुम्हारे॥ ॥छंद॥ ॥तुम्हरेअनुग्रहतातकाननजातसबसुखपाइहों॥प्रतिपालिआयसुकुशलदेखनपायपुनिफिरिआइहों॥११॥ जननीसकलतोषिपरिपरिपायकरिबिनतीघनी॥तुलशीकरेहुसोइयत्न जेहिंबिधिकुशलरहहिंकोशलधनी॥१२॥ ॥सोरठा॥ ॥गुरुसनकहबसंदेश॥बारबारपदपद्मगहि॥करवसोइउपदेश॥जेहिंनशोचमोहिं अवधपति॥ ॥१५५॥ ॥चौपाई॥ ॥पुरजनपरिजनसकलनिहोरी॥ तातसुनायहुबिनतीमोरी॥सोइसबभांतिमोरहितकारी॥जातेंरह-नरनाहसुखारी॥कहबसंदेशभरतकेआए॥ नीतिनतजवराजपदपाए॥ पालहुप्रजहिंकर्ममनबानी॥ सेयहुमातुसकलशमजानी॥ओरनिवाहब भायपभाई॥करिपितुमातुसुजनसेवकाई॥ तातभांतितेहिंराखवराऊ ॥शोचमोरजेहिंकरहिंनकाऊ॥लषणकहेकछुबचनकठोरा॥ बरजिराम-पुनिमोहिनिहोरा॥बारबारनिजशपथदिवाई॥कहबनताततलषणलरिकाई॥ ॥दोहा॥ ॥कहिप्रणामकछुकहनलिय॥सियभइशिथिलसनेह॥थकितबचनलोचनसजल॥ पुलकपल्लवितदेह॥१५६॥ ॥चौपाई ॥ ॥तेहिंअवसररघुवररुषपाई॥ केवटपारहिंनावचलाई॥ रघुकुल

तिलकचलेएहिभांती॥देखेउठादकुलिशकरिछाती॥मैंआपनकिमिकहउंकलेशू॥जिअनफिरेउंलेरामसंदेशू॥असकहिसचिवबचनरहिगएऊ॥हानिगलानिशोचवशभएउ॥सुनतसुमंतवचननरनाहू॥परेउधरणिउरदारुणदाहू॥तलफतबिकलमोहमनमापा॥माजामनहुंमीनकहुंव्यापा॥करिबिलापदुखहूंदुखलागा॥धीरजहूंकरधीरजभागा॥ ॥दोहा॥ ॥भएकोलाहलअवधअति॥सुनिनृपराउरसोर॥बिपुलबिहगबनपरेउनिशि॥मानहुकुलिशकठोर॥१५७॥ ॥चौपाई॥ ॥प्राणकंठगतभएउभुआलू॥मणिबिहीनजिमिव्याकुलव्यालू॥इंद्रियसकलभइभारी॥जनुसरसरसिजबनबिनुवारी॥कौशल्यानृपदीखमलीना॥रविकुलरविअथएजियदीना॥उरधरिधीररामहतारी॥बोलीबचनसमयअनुसारी॥नाथसमुझिमनकरियबिचारू॥रामबियोगपयोधिअपारू॥कर्णधारतुमअवधजहाजू॥चढेसकलप्रियपथिकसमाजू॥धीरजधरियतोपाइयपारू॥नाहिंतबूडहिसबपरिवारू॥जौजियधरबबिनयपियमोरी॥रामलषणसियमिलवबहोरी॥ ॥दोहा॥ ॥प्रियबचनमृदुसुनतनृष॥चितउआंखिउघारि॥तलफतमीनमलीनजनु॥सींचतसीतलबारि॥१५८॥ ॥चौपाई॥ ॥धरिधीरजउठिबैठभुआलु॥कहुसुमंतकहंरामकृपालु॥कहांलषणकहंरामसनेही॥कहप्रियपुत्रवधूबैदेही॥बिलपतराउबिकलबहुभांती॥भइयुगसरिससिरातिनराती॥तापसअंधशापसुधिआई॥कौशल्यहिंसबकथासुनाई॥भएबिकलबरणतइतिहासा॥रामरहितधिकजीवनआशा॥सोतनुराखिकरबमैंकाहा॥जेइनप्रेमपणमोरनिवाहा॥हारघुनंदनप्राणपिरीते॥तुमबिनुजिअतबहुतदिनबीते॥हाजानकीलषणहारघुवर॥हापितुहितचातकजलधर॥ ॥दोहा॥ रामरामकहिरामकहि॥रामरामकहिराम॥तनुपरिहरिरघुवरबिरह॥राउगएसुरधाम॥१५९॥ ॥चौपाई॥ ॥जियनमरणफलदशरथपावा

॥ अंडअनेकअमलयशछावा॥ जिअतरामबिधुबदननिहारा॥ रामविरह
भलमरणसंवारा॥ शोकबिकलसबरोवहिंरानी॥ रूपशीलबलतेजबखानी
॥करहिंविलापअनेकप्रकारा॥ परहिंभूमितलबारहिंबारा॥ विलपहिंबिक
लदासअरुदासी॥ घरघररुदनकरहिंपुरवासी॥ अथएजुआजुभानुकुल
मानू॥ धर्मअबधिगुणरूपनिधानू॥ गारीसकलकैकेयीहिंदेही॥ नयनबिही
नकीन्हजगजहीं॥ इहिबिधिबिलपतरैनिविहानी॥ आएसकलमहामुनिजानी
॥ ॥दोहा॥ ॥तबबशिष्टमुनिसमयसम॥ कहिअनेकइतिहास॥ शोक
निवारेउसबहिंकर॥ निजबिज्ञानप्रकाश॥१६०॥ ॥चौपाई॥ ॥तेलनावभ
रिनृपतनुराखा॥ दूतबुलाइबहुरिअसभाषा॥ धावहुबेगिभरतपहंजाहू॥
नृपशुधिकतहुकहहुजनिकाहू॥ इतनेकहेहुभरतसनजाई॥ गुरुबुलाइप
ठएदोउभाई॥ सुनिमुनिआयसुधावनधाए॥ चलेबेगिवरबाजिलजाए॥
अनरथअवधअरंभेउजबते॥ कुशगुनहोहिंभरतकहतबतें॥ देखहिंरा
तिभयानकसपना॥ जागिकरहिंकटुकोटिकलपना॥ विप्रजेंवाइदेहिंदिन
दाना॥ शिवअभिषेककरहिविधिनाना॥ मांगहिंहृदयमहेशमनाई॥ कु
शलमातुपितुपरिजनभाई॥ ॥दोहा॥ ॥इहिबिधिशोचतभरतमन॥
धावनपहुंचेआई॥ गुरुअनुशासनश्रवणसुनि॥ चलेगणेशमनाइ॥ ॥
चौपाई॥ ॥चलेसमीरबेगहयहाके॥ नाघतसरितशैलबनबांके॥ हृदय
शोचबडकछुनसोहाई॥ असजानहिंजियजाउंउडाई॥ एकनिमेषबरषस
मजाई॥ इहिविधिभरतअवधनिपराई॥ असगुनहोहिंनगरपैठारा॥ रट
हिंकुभांतिकुखेतकरारा॥ खरशृगालबोलहिंप्रतिकूला॥ सुनिसुनिहोहिं
भरतमनशूला॥ श्रीहतसरसरितावनबागा॥ नगरविशेषभयावनगाला
॥खगमृगहयगजजाहिनजोए॥ रामबियोगकुरोगबिगोए॥ नगरनारिन
रनिपटदुखारी॥ मनहुंसबनसबसंपतिहारी॥ ॥दोहा॥ ॥पुरजनमि
लहिंनकहहिंकछु॥ गवहिंजोहारहिंजाहिं॥ भरतकुशलनहिपूछिशक॥ भय

विषादमनमांहि ॥१६२॥ ॥चौपाई॥ ॥हाटबाटनहिजाइनिहारी॥जनु
पुरदशदिशिलागिदवारी॥आवतसुतसुनिकेकयनंदिनि॥हरषीरबिकुल
जलरुहचांदिनि॥सजिआरतीमुदितउठिधाई॥द्वारहिंभेंटिभवनलेआ
ई॥भरतदुखितपरिवारनिहारा॥मानहुतुहिनवनजबनमारा॥कैकेयीह
र्षितइहिभांती॥मनहुंमुदितदवलाइकिराती॥सुतहिंसशोचदेखिमनमा
रे॥पूछतिनैहरकुशलहमारे॥सकलकुशलकहिभरतसुनाई॥पूछीनिज
कुलकुशलभलाई॥कहुकहंतातकहांसबमाता॥कहंसियरामलषणप्रि
यभ्राता॥ ॥दोहा॥ ॥सुनिसुतबचनसनेहमय॥कपटनीरभरिनय
न॥भरतश्रवणमनशूलसम॥पापिनिबोलीबयन॥१६३॥ ॥चौपाई॥
तातबातमैंसकलसंवारी॥भईमंथरासहाइबिचारी॥कछुकाजबिधिबीच
बिगारे॥भूपतिसुरपतिपुरपगुधारे॥सुनतभरतभएबिबशविषादा॥
जनुसहमेउकरिकेहरिनादा॥ताततातहातातपुकारी॥परेभूमितलब्या
कुलभारी॥चलतनदेखनपाएउतोहीं॥तातनरामहिंसौंपेहुमोहीं॥बहुरि
धीरधरिउठेसंभारी॥कहुपितुमरणहेतुमहतारी॥सुनिसुतबचनकह
तिकेकेयी॥मर्मपछिजनुमाहुरदेई॥आदिहितेसबआपनिकरणी॥कु
टिलकठोरमुदितमनबरणी॥ ॥दोहा॥ ॥भरतहिंबिसरेउपितुमर
ण॥सुनतरामबनगोन॥हेतुआपुकोजानिजिय॥थकितरहेधरिमोन॥
१६४॥ ॥चौपाई॥ ॥विकलबिलोकिसुतहिसमुझावति॥मनहुजरे
परलोनलगावति॥तातराउनहिशोचइयोगू॥विविधसुकृतजशकीन्हे
उभोगू॥जीवतसकलजन्मफलपाए॥अंतअमरपतिसदनसिधाए॥अ
सअनुमानिशोचपरिहरहू॥सहितसमाजराजपुरकरहू॥सुनिसहमेउ
सुठिराजकुमारू॥पाकेक्षतजनुलागुअंगारू॥धीरजधरिभरिलेहिउशा
सा॥पापिनिसबहिंभांतिकुलनाशा॥जोपैंकुमतिरहीअसतोही॥जनम
तकाहेनमारेसिमोही॥पेंडकाटितैंपल्लवसींचा॥मीनजिअनहितवारिउली

चा॥ ॥दोहा॥ ॥हंसबंशदशरथजनक॥ रामलषणसेभाइ॥जन
नीतूजननीभई॥ विधिसोंकछाबिसाई॥१६५॥ ॥चौपाई॥ ॥जब
तेंकुमतिकुमतजियठएउ॥ खंडखंडहोइहृदयनगएऊ॥वरमागतमनभ
इनहिपीरा॥ जरिनजीहमुखपरेउनकीरा॥ भूपप्रतीतितोरिकिमिकीन्ही
॥मरणकालबिधिमतिहरिलीन्ही॥ बिधिहुनंनारिहृदयगतिजानी॥स
कलकपटअघअवगुनखानी॥ सरलसुशीलधर्मरतराऊ॥ सोकिमिजा
नहितीयसुभाऊ॥ असकोजीवजंतुजगमाहीं॥ जेहिंरघुनाथप्राणप्रिय-
नाहीं॥ भेअतिअहितरामतेंतोंहीं॥ कोतुवअहसिसत्यकहुमोही॥जोहसि
सोहसिमुहमसिलाई॥ आखिओटउठिबैठिहिजाई॥ ॥दोहा॥ ॥रा
मबिरोधीहृदयते॥ प्रकटकीन्हबिधिमोहिं॥ मोहिसमानकोपातकी॥ बादि
कहौंकछुतोहिं॥१६६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिशत्रुघनमातुकुटिलई॥ज
रहिंगातरिसकछुनबिशाई॥ तेहिंअवसरकुवरितहंआई॥ वसनविभूष
णविबिधबनाई॥ लखिरिसभरेउलषणलघुभाई॥ वरतअनलघृतआहु
तिपाई॥ हुमकिलाततकिकूवरमारा॥ परिमुहभरिमहिकुरतिपुकारा॥
कूवरटूटेउकुटिकपारू॥ दलितदशनमुखरुधिरप्रचारू॥ आहिदइय
मैंकाहनशावा॥ करतनीकफलअपयशपावा॥ सुनिरिपुहनलखिनख
शिखखोटी॥ लगेधसीटनधरिधरिचोटी॥ भरतदयानिधिदीन्हछुडाई
॥कोशल्यापहगेदोउभाई॥ ॥दोहा॥ ॥मलिनबसनविवरणवि
कल॥ कृशशरीरदुखभार॥ कनककल्पवरबेलिबन,मानहुहनीतुषार॥
१६७॥ ॥चौपाई॥ ॥भरतहिंदेखिमातुउठिधाई॥ मूर्छितअवनि
परिअकुलाई॥ देखतभरतबिकलभएभारी॥ परेचरणतनुदशाबिसा
री॥ मातुतातकहंदेहिदेखाई॥ कहंसियरामलषणदोउभाई॥ केकयिक
तजनमीजगमांझा॥ जोजननीभइकाहेनबांझा॥ कुलकलंकजेहिजन
मेहुमोही॥ अपयशभाजजनप्रियजनद्रोही॥ कोत्रिभुवनमोहिसरिसअ

भागी ॥ गतिअसितोरिमातुजेहिंलागी ॥ पितुसुरपुरबनरघुकुलकेतू ॥
मैंकेवलसबअनरथहेतू ॥ धिगमोहिभएउबेएुवनआगी ॥ मैंदुसहदाहदु
खदूषणभागी ॥ ॥दोहा॥ ॥ मातुभरतकेवचनमृदु ॥ सुनिपुनिउठीसं-
भारि ॥ लिएउठाइलगाइउर ॥ लोचनमोचतिवारि ॥१६८॥ ॥चौपाई॥
सरलसुभाऊमाइहियलाए ॥ अतिहितमनहुंरामफिरिआए ॥ भेटेउबहुरि
लषणलघुभाई ॥ शोकसनेहनहृदयसमाई ॥ देखिसुभावकहतसबकोई ॥
राममातुअसकाहेनहोई ॥ माताभरतगोदबैठारे ॥ आंसुपोछिमृदुबचनउ
चारे ॥ अजहुंबत्सबलिधीरजधरहू ॥ कुसमयसमुझिशोकपरिहरहू ॥ ज-
निमानहुहियहानिगलानी ॥ कालकर्मगतिअघटितजानी ॥ काहुहिंदोषदेहु
जनिताता ॥ भामोहिसबबिधिबामविधाता ॥ जोऐनेहुदुखमोहिजिआवा ॥
अजहुकोजानैकातेहिंभावा ॥ ॥दोहा॥ ॥ पितुआयसुभूषणबसन
॥ ताततजेरघुवीर ॥ विस्मयहर्षनहृदयकछु ॥ पहिरेवल्कलचीर ॥१६९॥
॥चौपाई॥ ॥ मुखप्रसन्नमनरागनरोषू ॥ सबकरसबबिधिकरिपरि
तोषू ॥ चलेविपिनसुनिसियसंगलागी ॥ रहैनरामचरणअनुरागी ॥ सु
नतहिलषणचलेउठिसाथा ॥ रहहिंनयतनकिएरघुनाथा ॥ तबरघुप
तिसबहीशिरनाई ॥ चलेसंगसियअरुलघुभाई ॥ रामलषणसियबन-
हिंसिधाए ॥ गएसंगनहिप्राणपठाए ॥ इहसबभाइनआंखिनआगे ॥
तउनतजततनुजीवअभागे ॥ मोहिनलाजनिजनेहनिहारी ॥ रामसरिस
सुतमैमहतारी ॥ जिअइमरइभलभूपतिजाना ॥ मोरहृदयशतकुलिश
समाना ॥ ॥दोहा॥ ॥ कौशल्याकेबचनसुनि ॥ भरतसहितरनि
वास ॥ व्याकुलविलपतराजगृह ॥ मानहुशोकनिवास ॥१७०॥ ॥चौ
पाई॥ ॥ विलपहिंबिकलभरतदोभाई ॥ कौशल्यालिएहृदयलगाई ॥
भांतिअनेकभरतसमुझाए ॥ कहिविवेकमयबचनसुहाए ॥ भरतहुमा
तुसकलसमुझाई ॥ कहिपुराणश्रुतिकथासुहाई ॥ छलबिहीनसुचिसर

लसुबाणी॥बोलेभरतजोरियुगपाणी॥जेअघमातुपितासुतमारे॥
गाईगोठमहिसुरपुरजारे॥जेअघतियबालकबधकीन्हे॥मीतमहीप
हिमाहुरदीन्हे॥जेपातकउपपातकअहहीं॥कर्मबचनमनभवकविकह
हीं॥तेपातकमोहिहोउबिधाता॥जौंयहहोइमोरमतमाता॥ ॥दोहा॥
जेपरिहरिहरचरण॥भजहिंभूतगणघोर॥तिनकीगतिमोहिदेउबिधि॥
जोजननीमतमोर॥१७१॥ ॥चौपाई॥ ॥बेचहिबेदधर्मदुहिलेहीं॥
पिशुनपरायपापकहिदेहीं॥कपटीकुटिलकलहप्रियक्रोधी॥बेदबिदूष
कबिश्वबिरोधी॥लोभीलंपटलोलुपचारा॥जेताकहिपरधनपरदारा॥
पावउंमैंतिन्हकीगतिघोरा॥जोजननीइहसंमतमोरा॥जोनहिसाधुसंग
अनुरागे॥परमारथपथबिमुखअभागे॥जेनभजहिंहरिनरतनुपाई॥
जिन्हहिनहरिहरसुयशसुहाई॥तजिश्रुतिपंथवामपथचलहीं॥बंचकबि
रचिवेषजगछलहीं॥तिन्हकीगतिमोहिशंकरदेऊ॥जननीयोयहजानौ
भेऊ॥ ॥छंद॥ ॥मनबचनकरमकृपायतनकरदाससुनुमयमातु-
री॥उरवसतरामसुजानजानतप्रीतिअरुछलचातुरी॥असकहतलोच
नवहतजलतनुपुलकनखलेखतमही॥हियलायलीन्हेवहुरिजननीजानि
प्रभुपदरतिसही॥२४॥ ॥दोहा॥ ॥मातुभरतकेबचनसुनि॥सांचे
सरलसुभाय॥कहतिरामप्रियताततुम॥सदाबचनमनकाय॥१७२॥
॥चौपाई॥ ॥रामप्राणतेप्राणतुम्हारे॥तुमरघुपतिहिंप्राणतेप्यारे॥
बिधुबिषचुवैस्रवैहिमआगी॥होइवारिचरवारिविरागी॥भएज्ञानब-
रुमिटैनमोहू॥तुमएमहिप्रतिकूलनहोहू॥मततुम्हारइहजोजगकहहीं॥
सोसपनेहुंसुखसुगतिनलहहीं॥असकहिमातुभरतहियलाए॥थनप
यअवहिंनयनजलछाए॥करतबिलापबिपुलइहिभांती॥बैठेहिंबीतिग
ईसबराती॥वामदेववशिष्ठतबआए॥सचिवमहाजनसकलबुलाए॥
मुनिबहुभांतिभरतउपदेशे॥कहिपरमारथबचनसुदेशे॥ ॥दोहा॥

तातहृदयधीरजधरहु॥करजोअवसरआजु॥उठेभरतगुरुबचनसु
नि॥करणलगेपितुकाजु॥१७३॥ ॥चौपाई॥ ॥नृपतनुबेदबिहि
तअन्हवावा॥परमबिचित्रबिमानबनावा॥गहिपदभरतमातुसबराषी
॥रहीरामदरशनअभिलाषी॥चंदनअगरभारबहुआए॥अमितअने
कसुगंधसुहाए॥सरजुतीररचिचिताबनाई॥जनुसुरपुरसोपानसुहा
ई॥इहिबिधिदाहक्रियासबकीन्हा॥विधिवतन्हाइतिलांजलिदीन्हा॥शोधि
समृतिसबवेदपुराना॥कीनभरतदशगात्रविधाना॥जहंजसमुनिवरआ
यसुदीन्हा॥तहंतससहस्रभांतिसबकीन्हा॥भएशुद्धदीन्हेसबदाना॥धे
नुबाजिगजबाहननाना॥ ॥दोहा॥ ॥सिंहासनभूषणवसन॥अन्न
धरणिधनधाम॥दिएभरतलहिभूमिसुर॥भेपरिपूरणकाम॥ ॥चौ
पाई॥ ॥पितुहितभरतकीन्हिजशकरणी॥सोमुखलाखजाइनहिवर
णी॥सुदिनशोधिमुनिवरतबआए॥सचिवमहाजनसकलबुलाए॥बैठे
राजसभासबजाई॥पठएबोलिभरतदोउभाई॥भरतबशिष्ठनिकटबैठा
रे॥नीतिधर्ममयबचनउचारे॥प्रथमकथासबमुनिबरणी॥कैकेयिकुटि
लकीन्हजशकरणी॥भूपधर्मव्रतसत्यसराहा॥जेहितनुपरिहरिप्रेमनि
बाहा॥कहतरामगुणशीलसुभाऊ॥सजलनयनपुलकेमुनिराऊ॥बहु
रिलषणसियप्रीतिबखानी॥शोकसनेहमगनमुनिज्ञानी॥ ॥दोहा॥
सुनहुभरतभावीप्रबल॥बिलखिकहेउमुनिनाथ॥हानिलाभजीवनमरण
॥यशअपयशविधिहाथ॥१७५॥ ॥चौपाई॥ ॥असबिचारिकेहिदी
जियदोषु॥ब्यर्थकाहिपरकीजियरोषु॥तातबिचारकरहुमनमाहीं॥शोच
योगदशरथनृपनाहीं॥शोचियबिप्रजोबेदबिहीना॥तजिनिजधर्मविषयर
सलीना॥शोचियनृपतिजोनीतिनजाना॥जेहिनप्रजाप्रियप्राणसमाना॥शो
चियवैश्यकृपणधनवानू॥जोनअतिथिशिवभक्तिसुजानू॥शोचियशूद्र
बिप्रअपमानी॥मुखरमानप्रियज्ञानगुमानी॥शोचियपुनिपतिबंचितिना

री॥कुटिलकलहप्रियइच्छाचारी॥शोचियबटुनिजव्रतपरिहरई॥जोनहिंगु
रुआयसुअनुसरई॥ ॥दोहा॥ ॥शोचियगृहीजोमोहबश॥करैकर्म
पथत्याग॥शोचिययतीप्रपंचरत॥बिगतबिबेकबिराग॥१७६॥ ॥चौपा
ई॥ ॥वैशानससोइशोचनयोगू॥तपबिहायजेहिभावैभोगू॥शोचियपिशु
नअकारणक्रोधी॥जननिजनकगुरुबंधुबिरोधी॥सबबिधिशोचियपरअ
पकारी॥निजतनुपोषकनिर्दयभारी॥शोचनीयसबहीबिधिसोई॥जोन
छांडिछलहरिजनहोई॥शोचनीयनहिंकोशलराउ॥भुवनचारिदशप्रग
टप्रभाऊ॥भएउनअहईनहोनिहुंहारा॥भूपभरतजशपितातुम्हारा॥
बिधिहरिहरसुरपतिदिशनाथा॥बरणहिंसबदशरथगुणनाथा॥ ॥
दोहा॥ ॥कहहुतातकेहिभांतिकोऊ॥करिहिंबडाईतासु॥रामलष
णतुमशत्रुहन॥शुकसरिससुतजासु॥१७७॥ ॥चौपाई॥ ॥
सबप्रकारभूपतिबडभागी॥बादिबिषादकरियतेहिलागी॥इहसुनिस
मुझिशोचपरिहरहू॥शिरधरिराजरजायसुकरहू॥रायराजपदतुम
कहंदीन्हा॥पिताबचनफुरचाहियकीन्हा॥तजेरामजेहिबचनहिंलागी
॥तनपरिहरेउरामबिरहागी॥नृपहिंबचनप्रियनहिंप्रियप्राणा॥करहु
तातपितुबचनप्रमाणा॥करहुशीसधरिभूपरजाई॥हैतुमकहंसब
भांतिभलाई॥परशुरामपितुआज्ञाराखी॥मारीमातुलोकसबसाखी
॥तनययजातिहिंयौवनदएऊ॥पितुआज्ञाअघयशनभएऊ॥ ॥दो
हा॥ ॥अनुचितउचितबिचारतजि॥जेपालहिंपितुबयन॥तेभाजन
सुखसुयशके॥बसहिंअमरपतिअयन॥१७८॥ ॥चौपाई॥ ॥
अघशिनरेशबचनपुरकरहू॥पालहुप्रजाशोकपरिहरहू॥सुरपुरनृप
पाइहिंपरितोषू॥तुमकहंसुकृतसुयशनहिंदोषू॥बेदबिहितसंमतस
बहीका॥जेहिंपितुदेहिसोपावैटीका॥करहुराजपरिहरहुगलानी॥मा
नहुमोरबचनहितजानी॥सुनिसुखलहबरामबैदेही॥अनुचितकहहिं

नपंडितनेही॥ कौसल्यादिसकलमहतारी॥ तेउप्रजासुखहोहिंसुखारी
॥मरमतुह्मारराभसबजानहिं॥ सोसबबिधितुमसनभलमानहिं॥सौंपेहु
राजरामकेआए॥ सेवाकरेहुसनेहसुहाए॥ ॥दोहा॥ ॥कीजियगुरु
आयसुअवशि॥कहहिंसचिवकरजोरि॥रघुपतिआयउचितजस॥ न
बतसकरवबहोरि॥१७९॥ ॥चौपाई॥ ॥कौशल्याधरिधीरजकहई
॥ पुत्रपथागुरुआयसुअहई॥सोआदरीयकरियहितमानी॥ तजियबि
षादकालगतिजानी॥ बनरघुपतिसुरपुरनरनाहू॥ तुमइहिंभांतितातक
दराहू॥ परिजनप्रजासचिवकहअंबा॥ तुमहींसुतसबकहंअवलंबा॥ल
खिबिधिवामकालकठिनाई॥ धीरजधरहुमातुबलिजाई॥ शिरधरिगुरु
आयसुअनुसरहू॥ प्रजापालिपरिजनदुखहरहू॥ गुरुकेबचनसचिव
अभिनंदन॥ सुनतभरतहियहितजनुचंदन॥सुनीबहोरिमातुमृदुबा
नी॥शीलसनेहसरलरससानी॥ ॥छंद॥ ॥सानीसरलरसमातुबा
नीसुनिभरतब्याकुलभए॥ लोचनसरोरुहस्रवतसींचतबिरहउरअंकु
रनए॥१५॥ सोदशादेखतसमयतेहिंबिसरीसबहिंसुधिदेहकी॥तुलसी
सराहतसकलसादरसीमसहजसनेहकी॥१६॥ ॥सोरठा॥ ॥भर
तकमलकरजोरि॥ धर्मधुरंधरधीरधरि॥बचनअमियजनुबोरिदेतउचि
तउत्तरसबहिं॥१८०॥ ॥चौपाई॥ ॥मोहिउपदेशदीन्हगुरुनीका॥प्र
जासचिवसंमतसबहीका॥ मातुउचितपुनिआयसुदीन्हा॥ अवशिशीसध
रिचाहियकीन्हा॥ गुरुपितुमातुस्वामिहितबानी॥ सुनिमनमुदितकरिय
भलजानी॥उचितकिअनुचितकिएबिचारू॥ धर्मजाइशिरपातकभारू॥
तुमतौदेहुसरलशिखसोई॥जोआचरतमोरहितहोई॥ यद्यपिसहससुरु
नहोंनीके॥ तदपिहोतपरितोषनजीके॥ अवतुमबिनयमोरिसुनिलेहू॥मो
हिअनुहरतशिखावनदेहू॥उत्तरदेऊंक्षमवअपराधू॥दुखितदोषगुण
गणहिनसाधू॥ ॥दोहा॥ ॥पितुसुरपुरसियरामबन॥ करणकह

हुमोहिराज॥ इहितेंजानहुमोरहित॥कैआपनबडकाज॥१८१॥ ॥
चौपाई॥ ॥हितहमारसियपतिसेवकाई॥सोहरिलीन्हमातुकुटिलाई
॥मैंअनुमानिदीखमनमाहीं॥आनउपायमोरहितनाहीं॥शोकसमाज
राजकेहिलेखे॥लषणरामसियपदबिनुदेखे॥वादिवसनबिनुभूषणभा
रू॥वादिविरतिबिनुब्रम्हविचारू॥सरुजशरीरवादिबहुभोगा॥बिनु
हरिभक्तिवादिजपयोगा॥वादिजीवबिनुदेहसुहाई॥वादिमोरसबबिनु
रघुराई॥जाऊंरामपहंआयसुदेहू॥एकहिंअंकमोरहितएहू॥मोहिनृ
पकरिआपनभलचहहू॥सोसनेहजडताबशकहहू॥ ॥दोहा॥ ॥
कैकेयीसुतकुटिलमति॥रामबिमुखगतलाज॥तुमचाहतसुखमोहब-
श॥मोहिअधमकेराज॥१८२॥ ॥चौपाई॥ ॥कहौंसाचसबसुनि
पतिआहू॥चाहियधर्मशीलनरनाहू॥मोहिराजहठिदेहहुजबहीं॥र
सारसातलजाइहितबहीं॥मोहिसमानकोपापनिवासी॥जेहिलगिसी
यरामबनबासी॥राउरामकहंकाननदीना॥बिछुरतगमनअमरपुर
कीना॥मैंसठसबअनरथकरहेतू॥बैठबातसबसुनहुसचेतू॥बिनु
रघुबीरबिलोकिअवासू॥रहेप्राणसोइजगउपहासू॥रामपुनीत
विषयरसरूषे॥लोलुपभूपभोगकेभूषे॥कहंलगिकहउंहृदयकठि
नाई॥निदरिकुलिशजेहिलईबडाई॥ ॥दोहा॥ ॥कारणतेंका
रजकठिन॥होइदोषनहिमोर॥कुलिशअस्थितेउपलते॥लोहकरा
लकठोर॥१८३॥ ॥चौपाई॥ ॥कैकेयीभवतनुअनुरागे॥पाम
रप्राणअघाइअभागे॥जौंप्रियबिरहप्राणप्रियलागे॥देखिवसुनब
हुतअवभागे॥लषणरामसियकहंबनदीना॥पठएअमरपुरपति
हितकीना॥लीन्हबिधवपनअपयशआपू॥दीन्हेउप्रजहिंशोकसंता
पू॥मोहिदीनसुखसुयशसुराजू॥कीनकैकेयीसबकरकाजू॥इहि
तेंमोरकाहअबनीका॥तेंहिपरदेनकहहुतुमटीका॥कैकेयीजठरजन्मि

जगमाहीं॥यहमोहकहंकछुअनुचितनाहीं॥मोरबातसबबिधिहिंबना
ई॥प्रजापंचकतकरहुसहाई॥ ॥दोहा॥ ॥ग्रहगृहीतपुनिबातब
श॥तेहिपुनीबिछीमार॥ताहिपिआइयबारुणी॥कहहुकवनउपचा
र॥१८४॥ ॥चौपाई॥ ॥कैकेयिसुअनयोगजगजोई॥चतुरबिर
चिरचेउमोहिसोई॥दशरथतनयरामलघुभाई॥दीनमोहिबिधिवा-
दिबड़ाई॥तुमसबकहहुकढावनटीका॥रायजायसबहीकहनीका॥
उतरदेउकेहिबिधिकेही॥कहहुसुखेनयथारुचिजेही॥मोहिकुमातुस
मेतबिहाई॥कहहुकहहिंकोकीनभलाई॥मोहिबिनुकोसचराचरमा
हीं॥जेहिंसियरामप्राणप्रियनाहीं॥परमहानिसबकहंबडलाहू॥अदि
नमोरनहिदूषणकाहू॥संशयशीलप्रेमवशआहहू॥सबैउचितसबजोक-
छुकहहू॥ ॥दोहा॥ ॥राममातुसुठिसरलचित॥मोपरप्रेमविशेषि॥
कहहिसुभावसनेहवश॥मोरिदीनतादेषि॥१८५॥ ॥चौपाई॥ ॥
गुरुबिबेकसागरजगजाना॥जिनहिंबिश्वकरबदरसमाना॥मोकहंतिलकसा
जसजिसोई॥भाविधिबिमुखबिमुखसबकोई॥परिहरिरामसियजगमा
हीं॥कोनहिकहहिंमोरमतनाहीं॥सोमैंसुनवसहवसुखमानी॥अंत
हुकीचतहांजहंपानी॥डरनमोहिजगकहहिंकिपोचू॥परलोकहुकरमो
हीनशोचू॥एकैवडउरदुसहदवारी॥मोलिलगिभेसियरामदुखारी॥जी
वनलाहुलषणभलपावा॥सबतजिरामचरणमनलावा॥मोरजन्मर
घुवरबनलागी॥झूठकहौंपछिताउंअभागी॥ ॥दोहा॥ ॥आप
निदारुणदीनता॥सबहिकहेउसमुझाय॥देखेबिनुरघुबीरपद॥जियकी
जरनिनजाय॥१८६॥ ॥चौपाई॥ ॥आनउपायमोहिनहिसूझा॥
कोजियकीरघुबरबिनुबूझा॥एकहिंआकइहैमनमाही॥प्रातकालचलि
हौंप्रभुपाहीं॥यद्यपिमैंअनभलअपराधी॥भइमोहिकारणसकलउपाधी
॥तदपिशरणसनमुखमोहिदेषी॥क्षमिसबकरिहहिंकृपाविशेषी॥शी-

लसकुचस्फटिसरलसुभाऊ॥कृपासनेहसदनरघुराऊ॥अरिहूअनभ
लकीन्हरामा॥मैशिशुसेवकयद्यपिबामा॥तुमसबपांचमोरभलमानी॥
आयसुआशिषदेहुसुबानी॥जेहिंसुनिविनयमोहिजनजानी॥आवहि
बहुरिरामरजधानी॥ ॥दोहा॥ ॥यद्यपिजन्मकुमातुते॥मैशठसदा
सदोस॥आपनजानिनत्यागिहैं॥मोहिरघुवीरभरोस॥१८७॥ ॥चौ
पाई॥ ॥भरतबचनसबकहंप्रियलागे॥रामसनेहसुधाजनुपागे॥लोग
वियोगविषमदुखदागे॥मंत्रसजीवसुनतजनुजागे॥मातुसचिवगुरुपुरन
रनारी॥सकलसनेहबिकलभेभारी॥भरतहिंकहहिंसराहिसराही॥राम
प्रेममूरतिजनुआही॥तातभरतअसकाहेनकहहू॥प्राणसमानरामप्रि
यअहहू॥जोपामरआपनिजडताई॥तुमहिंसुगाईमातुकुटिलाई॥सोश
ठकोटिकपुरुषसमेता॥बसहिंकल्पशतनरकनिकेता॥अहिअघअवगु
णमणिनहिगहई॥हरैगरलदुखदारिददहई॥ ॥दोहा॥ ॥अवशि
चलियबनरामजहं॥भरतनेत्रभलकीन्ह॥शोकसिंधुबुडतसबहिं॥तुम-
अवलंबनदीन्ह॥१८८॥ ॥चौपाई॥ ॥भासबकेमुदमोदनथोरा॥
जनुघनधुनिसुनिचातकमोरा॥चलबप्रातलखिनिर्णयनीके॥भरतप्रा
णप्रियभेसबहीके॥मुनिहिंवंदिभरतहिशिरनाई॥चलेसकलघरबिदा-
कराई॥धन्यभरतजीवनजगमाहीं॥शीलसनेहसराहतजाहीं॥कहहिंप
रस्परभावडकाजू॥साजहिसकलचलहिंकरसाजू॥जेहिंराखहिंघररहुर-
खवारी॥सोजानैजनुगरदनिमारी॥कोउकहरहनकहीयनहिकाहू॥कोन
चहैजगजीवनलाहू॥ ॥दोहा॥ ॥जरौसुसंपतिसदनसुख॥सुहृद
मातुपितुभाई॥सन्मुखहोतजोरामपदकरैनसहजसहाइ॥१८९॥ ॥
चौपाई॥ ॥घरघरबाहनसाजहिनाना॥हर्षहृदयपरभातपयाना॥भर
तजाइघरकीन्हविचारू॥नगरबाजिगजभवनभंडारू॥संपतिसबरघु
पतिकीआही॥जोबिनुयतनचलौंतजिताही॥तौपरिणाममनमोरभला-

ई॥ पापशिरोमणिसांइदोहाई॥करिहिस्वामिहितसेवकसोई॥दूषणकोटिदे
इकिनकोई॥ असबिचारिशुचिसेवकबोले॥जेसपनेहुनिजधर्मनडोले॥कहि
सबमर्मधर्मसबभाषा॥जोजेहिंलाइकसोतहंराषा॥करिसबयतनराखिरख
वारे॥राममातुपहिंभरतसिधारे॥ ॥दोहा॥ ॥आरतजननीजानिसब
॥भरतसनेहसुजान॥कहेउसजावनपालकी॥सजनसुखासनजान॥१८९
॥ ॥चौपाई॥ ॥चकचकईइवपुरनरनारी॥चलेप्रातउरआरतभारी॥
जागतसबनिशिभएउबिहाना॥भरतबुलायेसचीवसुजाना॥कहेउलेहु
सबतिलकसमाजू॥बनहिंदेवमुनिरामहिंआजू॥बेगचलहुमुनिसचिबंजो
हारे॥तुरततुरगरथनागसंवारे॥अरुंधतीअरुअग्निसमाजू॥रथचढि
चलेप्रथममुनिराजू॥ विप्रवृंदचढिवाहननाना॥चलेसकलतपतेजनिधा
ना॥नगरलोकसबसजिसजियाना॥चित्रकूककहंकीन्हपयाना॥शिबिका
सुभगनजाइबखानी॥चढिचढिचलतभइसबरानी॥ ॥दोहा॥ ॥सौं
पिनगरशुचिसेवकन॥सादरसबहिंबुलाइ॥सुमिरिरामसियचरणसब॥
चलेभरतदोउभाइ॥१९१॥ ॥चौपाई॥ ॥रामदरशहितसबननारी
॥जनुकरिकरिनिचलेतकिवारी॥बनसियरामसमुझिमनमाहीं॥सानुज
भरतपयादेजाहीं॥ देखिसनेहलोगअनुरागे॥उतरिचलेरथगजहयत्यागे
॥जाइसमीपराखिनिजडोली॥राममातुमृदुबाणिबोली॥तातचढहुरथ
बलिमहतारी॥होइहिप्रियपरिवारदुखारी॥तुह्मरेचलतचलहिंसबलो
गू॥ सकलसोककृशनहिंमगयोगू॥शिरधरिमातुवचनशिरनाई॥रथ
चढिचलतभयेदोउभाई॥तमसाप्रथमदिवसकरिवासू॥दुसरेगोमति
तीरनिवासु॥ ॥दोहा॥ ॥पयअहारफलअशनएक॥निशिभोजनए
कलोग॥करतरामहितनेमव्रत॥परिहरिभूषणभोग॥१९२॥ ॥चौपा
ई॥ ॥सईतीरवसिचलेबिहाने॥शृंगबेरपुरसबनियराने॥समाचारस
बसुनेनिषादा॥हृदयबिचारकरैसबिषादा॥कारणकवनभरतबनजाहीं

१ अग्निहोत्रकीसबवस्तु·

॥ हैकछुकपटभावमनमाहीं॥जौपैंजियनहोतिकुटिलाई॥तौकतलीन्हिसं
कटकाई॥जानहिंसानुजरामहिंमारी॥करौंअकंटकराजसुखारी॥भरत
नराजनीतिउरआनी॥तबकलंकअबजीवनहानी॥सकलसुरासुरजु
रहिंजुझारा॥रामहिंसमरकोजीतनहारा॥काआश्चर्यभरतअसकरहीं
॥नहिविषबेलिअमियफलफलहीं॥ ॥दोहा॥ ॥असबिचारिगुह
ज्ञातिसन॥कहेउसजगसबहोहु॥निजहाथनबोरहुतरणि॥कीजिय
घाटारोहु॥१९३॥ ॥चौपाई॥ ॥होहुसजोइलरोकहुंघाटा॥ठाढेउ
सकलमरणकेठाटा॥संमुखलोहभरतसनलेहु॥जियतनसुरसरिउतर
णदेहु॥समरमरणपुनिसुरसरितीरा॥रामकाजक्षणभंगुशरीरा॥भ
रतजाइनृपमैंजननीसु॥बडेभागअसपाइयमीचु॥स्वामिकाजकरिहौं
रणरारी॥यशधरिलहउंभुवनदशचारी॥तजौंप्राणरघुनाथनिहोरे॥दु
हुंहाथमुदमोदकमोरे॥साधुसमाजनजाकरलेखा॥रामभक्तमहंतासुन
रेखा॥जाय्जियतजगसोमहिभारू॥जननीयौवनाबिटपकुठारू॥ ॥
दोहा॥ ॥बिगतबिषादनिषादपति॥सबहिंबढायउछाह॥सुमिरिरा-
ममागेउतुरत॥तरकसधनुषसनाह॥१९४॥ ॥चौपाई॥ ॥बेगहिं
भाइसजहुसंजोऊ॥सुनियजायकदरायनकोऊ॥भलहिंनाथसबकह
हिंसहर्षी॥एकहिंएकबढावहिंकर्षा॥चलेनिषादजुहारिजुहारी॥शूरसक
लरणरुचहिंरारी॥सुमिरिरामपदपंकजपनहीं॥भाथाबांधिचढावहिंध-
नुहीं॥अंगिरीपहिरिकुंडिशिरधरहीं॥फरसाबांधिसेलससकरहीं॥एक
कुशलअतिओडूनखाडे॥कुदहिंगगणमनहुक्षितिछाडे॥निजनिज-
साजसमाजबनाई॥गुहरावतहिंजुहारहिंजाई॥देखिसुभटसबलायक
जाने॥लैलैनामसकलसनमाने॥ ॥दोहा॥ ॥भाइहुलावहुधोकजनि
॥आजुकाजबडमोहु॥सुनिसरोषबोलेसुभट॥वीरअधीरनहोहु॥१९५
॥ ॥चौपाई॥ ॥रामप्रतापनाथबलतोरे॥करहिंकटकबिनुभटबिनु

घोरे॥जीवतपांवनपाछेघरहीं॥रुंडमुंडमयमेदिनिकरहीं॥दीखनिषादना
थभलटोलू॥कहउबजाउजुझाऊढोलू॥इतनाकहतछींकभइबाएं॥कहेश
गुनिअनखेतसुहाएं॥बूढ़एककहसगुणबिचारी॥भरतहिमिलियनहोइ
हिरारी॥रामहिंभरतमनावनजाहीं॥शगुणकहेअसबिग्रहनाहीं॥सुनि-
गुहकहेंनीककहबूढा॥सहसाकरिपछिताहिंबिमूढा॥भरतसुभावशील
बिनुबूझे॥बडिहितहानिजानिबिनुजूझे॥ ॥दोहा॥ ॥गहहुघाटभट
सुमिटिसब॥लेउमर्ममिलिजाइ॥बूझिमित्रअरिमध्यगति॥तबतसकर
बउपाइ॥१९६॥ ॥चौपाई॥ ॥लखबसनेहसुभावसुहाए॥बैरप्रीति
नहिदुरितदुराए॥असकहिभेटसजोवनलागे॥कंदमूलफलखगमृगमां
गे॥मीनपीनपाठीनपुराने॥भरिभरिभारकहारनआने॥सकलसाजस
जिमिलनसिधाए॥मंगलमूलशकुनशुभपाए॥देखिदुरितेकहिनिजना
मा॥कीनमुनीसहिदंडप्रणामा॥जानिरामप्रियदीन्हिअसीसा॥भरत-
हिंकहेउबुझायमुनीशा॥रामसखासुनिस्यंदनत्यागा॥चलेउउतरिउमग
तअनुरागा॥गावंजातिगुहनामसुनाई॥कीनजुहारिमाथमहिलाई॥ ॥
दोहा॥ ॥करदंडवतदेखितेहिं॥भरतलीन्हउरलाइ॥मनहुलषणसन
भेटभइ॥प्रेमनहृदयसमाइ॥१९७॥ ॥चौपाई॥ ॥भेटेउभरतता
हिअतिप्रीती॥लोगसिहाहिंप्रेमकीरीती॥धन्यधन्यध्वनिमंगलमूला॥सु
रसराहितेहिंबरषहिंफूला॥लोकबेदसबभांतिहिंनीचा॥जासुछांहछु-
इलेइयसींचा॥तेहिंभरिअंकरामलघुभ्राता॥मिलतपुलकपरिपूरितगा
ता॥रामरामकहिजेजंमुहाहीं॥तिनहिनपापपुंजसमुहाहीं॥यहतौराम
रायउरलीन्हा॥कुलसमेतजगपावनकीन्हा॥कर्मनाशजलसुरसरिपर-
ई॥तेहिकोकहहुशीसनहिधरई॥उलटानामजपतजगजाना॥बालमीकि
भएब्रम्हसमाना॥ ॥दोहा॥ ॥स्वपचशबरखलयवनजड॥पामरको
लकिरात॥रामकहतपावनपरम॥होतभुवनबिख्यात॥१९८॥ ॥चौपा

ई॥ ॥नहिअचरजयुगयुगचलिआई॥ केहिनदीनिरघुवीरबडाई॥ राम-
नाममहिमासुरकहहीं॥ सुनिसुनिअवधलोगसुखलहहीं॥ रामसखहिंमि-
लिभरतसप्रेमा॥ पूछहिंकुशलसुमंगलक्षेमा॥ देखिभरतकरशीलसनेहू॥
भानिषादतेहिसमयविदेहू॥ सकुचसनेहमोदमनबाढा॥ भरतहिंचितवत
एकटकठाढा॥ धरिधीरजपदबंदिबहोरी॥ बिनयसप्रेमकरतकरजोरी॥ कु
शलमूलपदपंकजपेखी॥ मैंतिहुंकालकुशलनिजलेखी॥ अवप्रभुपरमअनु
ग्रहतोरे॥ सहितकोटिकुलमंगलमोरे॥ ॥दोहा॥ ॥ समुझिमोरिकर
तूतिकुल॥ प्रभुमहिमाजियजोइ॥ जोनभजैरघुवीरपद॥ जगविधिवंचितसो



इ॥१९९॥ ॥चौपाई॥ ॥कपटीकायरकुमतिकुजाती॥ लोकबेदबाहेर
सबभांती॥ रामकीनआपनजबहीतें॥ भएभुवनभूषणतबहीतें॥ देखि
प्रीतिसुनिबिनयसुहाई॥ मिलेबहोरिलषणलघुभाई॥ कहिनिषादनिज
नामसुबाणी॥ सादरसकलजुहारीराणी॥ जानिलषणसमदेहिंअशीशा
॥जियहुसुखीशतलाखबरीशा॥ निरखिनिषादनगरनरनारी॥ भएसुखी
जनुलषणनिहारी॥ कहहिलहेउयहजीवनलाहू॥ भेटेउरामभाइभरिबाहू
॥सुनिनिषादनिजभाग्यबडाई॥ प्रमुदितमनमहंचलेउलिवाई॥ ॥दोहा
॥सनकारेसेवकसकल॥ चलेस्वामिरुषपाइ॥ घरतरुतरसरबागबन॥ बा

सबनाएनिजाइ॥२००॥ ॥चौपाई॥ ॥शृंगबेरपुरभरतदीखजब॥भ
एसनेहबशअंगशिथिलतब॥सोहतदिएनिषादहिंलागू॥जनुतनुधरेबिन
यअनुरागू॥इहिबिधिभरतसेनसबसंगा॥दीखजाइजगपावनिगंगा॥रा
मघाटकहकीन्हप्रणामा॥भामनमगनमिलेजनुरामा॥करहिंप्रणामन
गरनरनारी॥मुदितब्रह्ममयबारिनिहारी॥करिमज्जनमांगहिकरजोरी॥
रामचंद्रपदप्रीतिनथोरी॥भरतकहेउसुरसरितवरेनू॥सकलसुखदसेवक
सुरधेनू॥जोरिपाणिवरमांगौएहू॥सीयरामपदसहजसनेहू॥ ॥दोहा॥
इहिबिधिमज्जनभरतकरि॥गुरुअनुशासनपाइ॥मातुनहानीजानीसब
॥डेराचलेलवाइ॥२०१॥ ॥चौपाई॥ ॥जहंतहंलोगनडेराकीन्हा॥
भरतशोधसबहीकहलीन्हा॥गुरुसेवाकरिआयसुपाई॥राममातुपहिं-
गेदोउभाई॥चरणचापिकहिकहिमृदुबानी॥जननीसकलभरतसनमा
नी॥भाइहिंसौंपिमातुसेवकाई॥आपुनिषादहिंलीन्हबुलाई॥चलेसखा
करसोकरजोरे॥शिथिलशरीरसनेहनथोरे॥पूछतसखहिंसोठांवदेखा-
ऊ॥नेकनयनमनजरनिजुडाऊ॥जहंसियरामलषणनिशिसोए॥कहत
भरेजललोचनकोए॥भरतबचनसुनिभएउविषादू॥तुरततहांलेगएउनि
षादू॥ ॥दोहा॥ ॥जहंसिंशपापुनीततरु॥रघुबरकियबिश्राम॥अ
तिसनेहसादरभरत॥कीन्हेउदंडप्रणाम॥२०२॥ ॥चौपाई॥ ॥कुश
साथरीनिहारिसुहाई॥कीन्हप्रणामप्रदक्षिणजाई॥चरणरेखरजआंखि
नलाई॥बनिनजातप्रीतिअधिकाई॥कनकबिंदुदुइचारिकदेखे॥राखेशी
ससीयसमलेखे॥सजलबिलोचनहृदयगलानी॥कहतसखासनबचन
सुवानी॥श्रीहतसीयबिरहदुतिहीना॥यथाअवधनरनारिमलीना॥
पिताजनकदेउंपटतरकेही॥करतलभोगयोगजगजेही॥ससुरभानुकुल
भानुभुआलू॥जेहिसिहातअमरावतिपालू॥प्राणनाथरघुनाथगोसाईं॥
जोबडहोतसोरामबडाई॥ ॥दोहा॥ ॥पतिदेवतासुतीयनमणि॥

सीयसाथरीदेखि॥ बिदरतन्हृदयनहहरिकरि॥ पबितेंकठिनबिशेषि॥२०३
॥ ॥चौपाई॥ ॥लालनयोगलषणलघुलोने॥ भेनभाइअसअहहिंन
होने॥पुरजनप्रियपितुमातुदुलारे॥ सीयरघुवीरहिंप्राणपियारे॥ मृदुमूरति
सुकुमारसुभाऊ॥ तातीवाततनलागिनकाऊ॥ तेवनसहहिंबिपतिसवभांती
॥निदरेकोटिकुलिशयहछाती॥ रामजनमजगकीन्हउजागर॥ रूपशीलसुख
सगुणसागर॥पुरजनपरिजनगुरुपितुमाता॥ रामसुभावसबहिंसुखदा-
ता॥ वैरिउरामबडाईकरहीं॥ बोलनिमिलनिविनयमनहरहीं॥ शारदकोटि
कोटिशतशेखा॥ करिनशकहिंप्रभुगुणगणलेखा॥ ॥दोहा॥ ॥सु
खस्वरूपरघुवंशमणि॥मंगलमोदनिधान॥ तेसोवतकुशडारिमहि॥ बिधि
गतिअतिबलवान॥२०४॥ ॥चौपाई॥ ॥रामसुनादुखकाननकाऊ॥
जीवनतरुजिमिजुगवतराऊ॥पलकनयनफणिमणिजेहिंभांती॥जुगवहिंज
ननिशिकलदिनराती॥ तेअवफिरतबिपिनपदचारी॥कंदमूलफलफूलअहा
री॥धिककैकेयिअमंगलमूला॥ भईप्राणप्रियतमप्रतिकूला॥मैधिक्धिक्
अघउदधिअभागी॥सबउत्पातभएउजेहिंलागी॥कुलकलंककरिसृजेउबि
धाता॥ सांइद्रोहीमोहिकीन्हकुमाता॥ सुनिसप्रेमसमुझावनिषादू॥ नाथक
रियकतवारिविषादू॥ रामतुमहिप्रियप्रियतुमरामहिं॥ यहिनिरदोषदोषवि
धिवामहिं॥ ॥छंद॥ ॥विधिवामकीकरणीकठिनजेइमातुकीन्हीबावरी
॥तेहिंरातिपुनिपुनिकरहिंप्रभुसादरसराहनरावरी॥१७॥ तुलसीनतुमसों
रामप्रियतमकहतहौंसौंहेकिए॥ परिणाममंगलजानिअपनेआनिएधीर
जहिए॥१८॥ ॥सोरठा॥ ॥अंतरजामीराम॥ सकुचसप्रेमकृपायत
न॥चलियकरियविश्राम॥यहिबिचारदृढआनिमन॥२०५॥ ॥चौपाई॥
सखाबचनसुनिउरधरिधीरा॥ वासचलेसुमुरतरघुवीरा॥ यहसुधिपाइ
नगरनरनारी॥चलेबिलोकनआरतिभारी॥ प्रदक्षिणाकरिकरहिंप्रणा-
मा॥ देहिंकैकेयिहिंखोरिनिकामा॥ भरिभरिबारिबिलोचनलेहीं॥वामवि

धानहिंदूषणदेहीं॥ एकसराहहिंभरतसनेहू॥ कोउकहनृपनिनिबाहेउनेऊ॥ निंदहिंआपुसराहिनिषादहिं॥ कोकहिशकैबिमोहिबिषादहिं॥ इहिबिधिरा-तिलोगसबजागे॥ भाभिनुसारउतारेलागे॥ गुरुहिंसुनावचढायसुहाई॥ नईनावसबमातुचढाई॥ दंडचारिमहंभेसबपारा॥ उतरिभरततबसबहिंसंभा॥ ॥दोहा॥ ॥प्रातक्रियाकरिमातुपद॥ बंदिगुरुहिंशिरनाइ॥ आगेकिएनिषादगण॥ दीन्हाकटकचलाइ॥२०६॥ ॥चौपाई॥ ॥किएउनिषादनाथअगुभाई॥ मातुपालकीसकलचलाई॥ साथबुलाइभाइलघुदीन्हा॥ विप्रनसहितगमनगुरुकीन्हा॥ आपुसुरसरिहिकीन्हप्रणामू॥ सुमिरेलषणसहितसियरामू॥ गमनेभरतपियादेहिपाए॥ कोतलसंगजाहिंडरिआए॥ कहहिंसुसेवकबारहिंबारा॥ होइयनाथअश्वअसवारा॥ रामपयादेहिपांवसिधाए॥ हमकहंरथगजवाजिबनाए॥ शिरभएजाउउचितअसमोरा॥ सबतेसेवकधर्मकठोरा॥ देखिभरतगतिसुनिमृदुबानी॥ सबसेवकमनगरहिंगलानी॥ ॥दोहा॥ ॥भरततीसरेपहरकहं॥ कीन्हप्रवेशप्रयाग॥ कहतरामसियरामसिय॥ उमगिउमगिअनुराग॥२०७॥ ॥चौपाई॥ ॥फलकाऊलकतपयनकेसे॥ पंकजकोशओसकणजैसे॥ भरतपयादेहिंआएआजु॥ भएदुखितसुनिसकलसमाज॥ खबरिलीन्हसबलोगअन्हाए॥ कीन्हप्रणामत्रिवेणिहिंआए॥ सबिधिसितासितनीरअन्हाने॥ दिएदानमहिसुरसनमाने॥ देखतश्यामलधवलहिलोरे॥ पुलकशरीरभरतकरजोरे॥ सकलकामप्रदतीरथराऊ॥ बेदबिदितजगप्रगटप्रभाऊ॥ मांगोभीखत्यागिनिजधर्मू॥ आरतकाहनकरहिंककर्मू॥ असजियजानिसुजानसुदानी॥ सफलकरहिंजगयाचकबानी॥ ॥दोहा॥ ॥अर्थनधर्मनकामरुचि॥ गतिनचहउनिर्वानजन्मजन्मरतिरामपद॥ यहबरदाननआन॥२०८॥ ॥चौपाई॥ ॥जोजानेहुरामकुटिलकरिमोही॥ लोगकहौगुरुसाहिबद्रोही॥ सीतारामचरणरतिमोरे॥ अनुदिनबढोअनुग्रहतोरे॥

जलदजन्मभरिस्मरतिबिसारे॥ याचतजलपबिपाहनडारे॥ चातकरटनिघटनघटिजाई॥ बढेप्रेमसबभांतिभलाई॥ कनकहिबानचढैजिमिदाहे॥ तिमिप्रियतमपदप्रेमनिबाहे॥ भरतबचनस्मनिमाझत्रिवेनी॥ भईमृदुबाणिसुमंगलदेनी॥ तातभरततुमसबबिधिसाधू॥ रामचरणअनुरागअगाधू॥ वादिगलानिकरहुमनमाहीं॥ तुमसमएमहिंकोउप्रियनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥तनुपुलकेहियहर्षस्मनि॥ बेणिबचनअनुकूल॥ भरतधन्यकहिधन्यकहि॥ नभस्मरबरषहिंफूल॥२०९॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रमुदिततीरथराजनिवासी॥ वैखानसबटुगृहीउदासी॥ कहहिंपरस्परमिलिदशपांचा॥ भरतसनेहशीलशुचिसांचा॥ स्मनतरामगुणग्रामस्महाए॥ भरद्वाजमुनिवरपहंआए॥ दंडप्रणामकरतमुनिदेखे॥ मूरतिवंतभाग्यनिजलेखे॥ धाइउठाइलाइउरलीन्हे॥ दीन्हिअशीशकृतारथकीन्हे॥ आसनदीन्हनाइशिरबैठे॥ चहतसकुचगृहजनुभजिपैठे॥ मुनिपूछहिकछुयहबडशोचू॥ बोलेऋषिलखिशीलसंकोचू॥ स्मनहुभरतहमसबशुधिपाई॥ बिधिकरतबपरकछुनबसाई॥ ॥दोहा॥ ॥तुमगलानिजियजनिकरहु॥ समुझिमातुकरतूति॥ तातकैकेयिहदोषनहि॥ गईगिरामतिधूति॥२१०॥ ॥चौपाई॥ ॥यहउकहतभलकहहिनकोऊ॥ लोकवेदबुधसंमतदोऊ॥ ताततुम्हारविमलयशगाई॥ पाइहिलोकहुंवेदबडाई॥ लोकवेदसमतसबकहई॥ जेहिपितुराजदेइसोलहई॥ राउसत्यव्रततुमहिंबुलाई॥ देतराजस्मखधर्मबडाई॥ रामगबनबनअनरथमूला॥ जोस्मनिसकलविश्वभइशूला॥ सोभावीबशरानिसयानी॥ करिकुचालिअंतहुपछितानी॥ तहनतुम्हारअल्पअपराधू॥ कहैसोअधमअजानअसाधू॥ करतेहुराजतुम्हारनदोषू॥ रामहुहोतस्मनतसंतोषू॥ ॥दोहा॥ ॥अबअतिकीन्हेहुभरतभल॥ तुमहिउचितमतएहु॥ सकलस्ममंगलमूलजग॥ रघुवरचरणसनेहु॥२११॥ ॥चौपाई॥ ॥सोतुम्हारधनजीबनप्राना॥ भूरिभाग्यकोतुमहिंसमाना॥

यहतुम्हारअचरुजनहिताता॥दशरथसुअनरामप्रियभ्राता॥सुनहुभर
तरघुपतिमनमाहीं॥प्रेमपात्रतुमसमकोउनाहीं॥लषणरामसीतहिंअति
प्रीती॥तेहिनिशितुमहिंसराहतबीती॥जानामर्मअन्हातप्रयागा॥मगन
होहिंतुम्हरेअनुरागा॥तुमपरअससनेहरघुवरके॥सुखजीवनजगजश
जडनरके॥यहनअधिकरघुवीरबडाई॥प्रणतकुटुंबपालरघुराई॥तु
मतोभरतमोरमतएहू॥धरेउदेहजनुरामसनेहू॥ ॥दोहा॥ ॥तुम
कहभरतकलंकयह॥हमसबकहउपदेश॥रामभक्तिरससिद्धिहित॥भाय
हसमयगणेश॥११२॥ ॥चौपाई॥ ॥नवविधुविमलतातयशतोरा॥र
घुवरकिंकरकुसुदचकोरा॥उदितसदाअथइहिकबहूना॥घटिहिनजगन
भदिनदिनदूना॥कोकबिलोकिप्रीतिअतिकरही॥प्रभुप्रतापरविछविहिन
हरहीं॥निशिदिनसुखदसदासबकाहू॥ग्रसहिनशकैयिकरतबराहू॥पू
रणकामसुप्रेमपियूषा॥गुरुअपमानदोषनहिदूषा॥रामभक्तिरसअमि
यअघाहू॥कीन्हेउसुलभसुधावसुधाहू॥भूपभगीरथसुरसरिआनी॥
सुमिरतसकलसुमंगलखानी॥दशरथगुणगणबरणिनजाहीं॥अधिक
कहाजेहिसमकोउनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥जासुसनेहसकोचबश॥रामप्र
गटभेआइ॥जेहरहियनयनन्हकबहुं॥निरखेनाहिअघाइ॥२१३॥ ॥
चौपाई॥ ॥कीरतिविधुतुमकीन्हअनूपा॥जहंबसरामप्रेममृगरूपा॥ता
तगलानिकरहुजियजाए॥डरहुदरिद्रहिंपारसपाए॥सुनहुभरतहमझूठ
नकहहीं॥उदासीनतापसवनरहहीं॥सबसाधनकरसुफलसुहावा॥ल
षणरामसियदरशनपावा॥तेहिफलकरफलदरशतुम्हारा॥सहितप्रया
गसुभाग्यहमारा॥भरतधन्यतुमजगयशलएउ॥कहिअसप्रेममगन
मुनिभएउ॥सुनिमुनिबचनसभासदहर्षे॥साधुसराहिसुमनसुरबर्षे
॥धन्यधन्यध्वनिगगनप्रयागा॥सुनिसुनिभरतमगनअनुरागा॥ ॥
दोहा॥ ॥पुलकगातहियरामसिय॥सजलसरोरुहनयन॥करिप्रणा

ममुनिमंडलिहि॥ बोलेगदगदबयन॥२१४॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिसमा
जअरुतीरथराजू॥ सांचेहुशपथअघायअकाजू॥ इहिथलजौंकछुकहिय
बनाई॥ इहिसमनहिकछुअघअधकाई॥ तुमसरबज्ञकहौंसतिभाऊ॥ उ
रअंतरजामीरघुराऊ॥ मौंहिनमातुकरतवकरशोचू॥ नहिदुःखजियजन
जानहिपोचू॥ नाहिनडरबिगरहिपरलोकू॥ पितहुंमरणकरमोहिनशोकू॥
सुकृतसुयशभरिभुवनसुहाए॥ लक्ष्मणरामसरिससुतपाए॥ रामबिरह
तजितनक्षणभंगू॥ भूपशोचकरकवनप्रसंगू॥ रामलषणसियबिनुपगपन
ही॥ करिमुनिवेषफिरहिंबनबनहीं॥ ॥दोहा॥ ॥अजिनबसनफलअ
शनमहि॥ शयनडासिकुशपात॥ बसितरुतरनितसहतहिम॥ आतपबर
षाबात॥२१५॥ ॥चौपाई॥ ॥इहदुखदाहृदहैनितछाती॥ भूखन
बासरनींदनराती॥ इहकुरोगकरऔषधनाहीं॥ शोधेउसकलविश्वमनमा-
हीं॥ मातुकुमतबढइहीअघमूला॥ तेइहमारहितकीन्हवसूला॥ कलिकुका
ठकरिकीन्हकुयंत्रू॥ गाडिअवधपठिकठिनकुमंत्रू॥ मोहिलगिइहिकुगटते
हिठाटा॥ घालिसिसबजगबारहुबाटा॥ मिटैकुरोगरामफिरिआए॥ बसैअ
वधनहिआनउपाए॥ भरतबचनसुनिमुनिसुखपाई॥ सबहिकीन्हबहु-
भांतिबडाई॥ तातकरहुजनिशोचविशेषी॥ सबदुखमिटहिंरामपददेषी॥
दोहा॥ ॥करिप्रबोधमुनिवरकहेउ॥ अतिथिप्रेमप्रियहोहु॥ कंदमूलफल
देहिहम॥ लेहुमुदितकरिछोहु॥२१६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिमुनिबचनभ
रतहियशोचू॥ भएकुअवसरकठिनसंकोचू॥ जानिगरुइगुरुगिराबहोरी॥
चरणबंदिबोलेकरजोरी॥ शिरधरिआयसुकरियतुह्मारा॥ परमधर्मयह-
नाथहमारा॥ भरतबचनमुनिवरमनभाए॥ शुचिसेवकसबनिकटबुलाए
॥ चाहियकीन्हभरतपहुनाई॥ कंदमूलफलआनहुजाई॥ भलिहिनाथक
हितिन्हशिरनाए॥ प्रमुदितनिजनिजकाजसिधाए॥ मुनिहिंशोचपाहुनव
डनेवता॥ तसिपूजाचाहियजशदेवता॥ सुनिरिधिसिधिअणिमादिकआई॥

आयसुहोइसोकरहिंगोसाईं॥ ॥दोहा॥ ॥रामबिरहव्याकुलभर
त॥सानुजसकलसमाज॥पहुंनाईकरिहरहुश्रम॥कहामुदितमुनिराज
॥२१७॥ ॥चौपाई॥ ॥ऋधिसिधिशिरधरिमुनिवरबानी॥बडभागि
निआपुहिंअनुमानी॥कहहिंपरस्परसिधिसमुदाई॥अतुलितअतिथि
रामलघुभाई॥मुनिपदबंदिकरियसोइआजू॥होइसुखीसबराजसमा
जू॥असकहिरुचिररचेगृहनाना॥जेहिबिलोकिबिलखांहिबिमाना॥भा
गबिभूतिभूरिभरिराखे॥देखतजिनहिंअमरअभिलाषे॥दासीदाससमा
जसबलीन्हे॥जोगवतरहहिंमनहिंमनदीन्हे॥सबसमाजसजिसिधिपल
माहीं॥जेसुखसपनेहुंसुरपुरनाहीं॥प्रथमहिंबासदिएसबकेहीं॥सुंदर
सुखदयथारुचिजेहीं॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिसपरिजनभरतकहं॥ऋषि
आयसुअसदीन्ह॥बिधिबिस्मयदायकबिभव॥मुनिबरतपबलकीन्ह॥
२१८॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिप्रभावजबभरतबिलोका॥सबलघुलगेलो
कपतिलोका॥सुखसमाजनहिजाइबखानी॥देखतबिरतिबिसारहिंज्ञा-
नी॥आसनशयनवसनसुबिताना॥वनवाटिकाबिहंगमृगनाना॥सुर
भिफूलफलअमियसमाना॥बिमलजलाशयबिबिधबिधाना॥अशनपा
नशुचिअमितअमीसे॥देखिलोकसकुचातजिमीसे॥सुरसुरभीसुरतरु
सबहीके॥लखिअभिलाषसुरेशशचीके॥ऋतुवसंतवहत्रिबिधबयारी॥
सबकहंसुलभपदारथचारी॥स्रकचंदनबनितादिकभोगा॥देखिहर्षबि
स्मयवशलोगा॥ ॥दोहा॥ ॥संपतिचकईभरतचक॥मुनिआयसुले-
खवार॥तेहिंनिशिआश्रमपिंजरा॥राखेभाभिनुसार॥२१९॥ ॥चौपाई
॥कीन्हनिमज्जनतीरथराजा॥नाइमुनिहिंशिरसहितसमाजा॥ऋषिआय
सुअशीषशिरराखी॥करिदंडवतबिनयबहुभाषी॥पथगतिकुशलसाथस
बलीन्हे॥चलेचित्रकूटहिंचितदीन्हे॥रामसखाकरदीन्हेआगू॥चलतदेहध
रिजनुअनुरागू॥नहिपदत्राणशीर्षनहिछाया॥प्रेमनेमव्रतधर्मअमाया

॥लषणरामसियपंथकहानी॥पूछतसखहिकहनमृदुबानी॥रामवास
थलविटपबिलोकी॥उरअनुरागरहतनहिरोकी॥देखिदशासुरबरषहिं
फूला॥भइमृदुमहिमगमंगलमूला॥ ॥दोहा॥ ॥कियेजाहिंछायाजल
द॥सुखदबहैबरबात॥तसमगुभएउनरामकहं॥जसभाभरतहिंजात
॥२२०॥ ॥चौपाई॥ ॥जडचेतनजगजीवघनेरे॥जेचितएप्रभुजिन्हप्र
भुहेरे॥तेसबभएपरमपदजोगू॥भरतदरशमेटाभवरोगू॥यहिबडिबात
भरतकानाही॥सुमिरतजिनहिंराममनमाहीं॥बारकरामकहतजगजेऊ॥
होततरणतारणनरतेऊ॥भरतरामप्रियपुनिलघुभ्राता॥कसनहोइमगु
मंगलदाता॥सिद्धसाधुमुनिवरअशकहहीं॥भरतहिंनिरखिहर्षहियलह
हीं॥देखिप्रभावसुरेशहिंशोचू॥जगभलभलहिंपोचकहंपोचू॥गुरुसन
कहेउकरहुप्रभुसोई॥रामहिंभरतहिंभेटनहोई॥ ॥दोहा॥ ॥रामस
कोचीप्रेमवश॥भरतसप्रेमपयोधि॥बनीबातबिगरणचहत॥करियतन
छलशोधि॥२२१॥ ॥चौपाई॥ ॥वचनसुनतसुरगुरुसुसुकाने॥
सहसनयनबिनुलोचनजाने॥कहगुरुबादिक्षोभछलछाडू॥इहांकपटकरि
होइयभांडू॥मायापतिसेवकसनमाया॥करियतोउलटिपरैसुरराया॥
तबकछुकीन्हरामरुचिजानी॥अबकुचालिकरिहोइहिंहानी॥सुनिसुरेश
रघुनाथसुभाऊ॥निजअपराधरिसाहिनकाऊ॥जोअपराधभक्तकरकर
ई॥रामरोषपावकसोजरई॥लोकहुवेदबिदितइतिहासा॥यहमहिमाजा
नहिंदुर्वासा॥भरतसरिसकोरामसनेही॥जगजपुरामरामजपुजेही॥
॥दोहा॥ ॥मनहुनआनियअमरपति॥रघुवरभक्तअकाज॥अय
शलोकपरलोकदुख॥दिनदिनशोकसमाज॥२२२॥ ॥चौपाई॥ ॥
सुनुनरेशउपदेशहमारा॥रामहिंसेवकपरमपियारा॥माननसुखसेवकसे
वकाई॥सेवकबैरबैरिअधिकाई॥यद्यपिसमनहिरागनरोषू॥गहहिंनपाप
पुण्यगुणदोषू॥कर्मप्रधानविश्वकरिराखा॥जोजसकरैसोतसफलचाखा॥

॥तदपिकरहिंसमविषमविहारा॥ रघुवरभक्तिभक्तअनुसारा॥ अगुण
अलेपअमानएकरस॥ रामसगुणभएभक्तप्रेमबश॥ रामसदासेवकरु
चिराखी॥ बेदपुराणसाधुसुरभाखी॥ असजियजानितजहुकुटिलाई॥
करहुभरतपदप्रीतिसुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥रामभक्तपरहितनिरत॥ पर
दुखदुखीदयालु॥ भक्तशिरोमणिभरतते॥ जनिडरपहुसुरपालु॥२२३॥
॥चौपाई॥ ॥सत्यसंधप्रभुसुरहितकारी॥ भरतरामआयसुअनुसा
री॥ स्वारथविवशबिकलतुमहोहू॥ भरतदोषनहिराउरमोहू॥ सुनिसु
रवरसुरगुरुवरवानी॥ भाप्रमोदमनमिटीगलानी॥ बरषिप्रसूनहर्षिसु
रराऊ॥ लगेसराहनभरतसभाऊ॥ इहिबिधिभरतचलेमगुजाहीं॥ दशादे
खिमुनिसिद्धसिहाहीं॥ जबहिंरामकहिलेहिंउशासा॥ उमगतप्रेममनहुंच
हुपाशा॥ द्रवहिंबचनसुनिकुलिशपषाना॥ पुरजनप्रेमनजाइबखाना॥
बीचबासकरियमुनहिआए॥ निरखिनीरलोचनजलछाए॥ ॥दोहा॥
रघुवरवर्णबिलोकीवर॥ वारिसमेतसमाज॥ होनबिरहबारिधिमगन॥ च
ढेबिबेकजहाज॥२२४॥ ॥चौपाई॥ ॥यमुनतीरतेहिदिनकरिबासू॥
भएउसमयसमसबहिसुपासू॥ रातिहिघाटघाटकीतरणी॥ आईअग
णितजाइनबरणी॥ प्रातपारभेएकहिंखेवा॥ तोषेरामसखाकरिसेवा॥
चलेअन्हाइनदिहिंशिरनाई॥ साथनिषादनाथलघुभाई॥ आगेमुनिवर
वाहनआछे॥ राजसमाजजाइसबपाछे॥ तेहिंपाछेदोउबंधुपयादे॥ भूष
णबसनबेषसुठिसादे॥ सेवकसुहृदसचिवसुतसाथा॥ सुमिरतलषण
सीयरघुनाथा॥ जहंजहंरामबासबिश्रामा॥ तहंतहंकरहिंसप्रेमप्रणामा॥
॥दोहा॥ ॥मगुवासीनरनारिसुनि॥ धामकामतजिधाइ॥ देखिस्वरूप
सनेहबश, मुदितजन्मफलपाई॥२२५॥ ॥चौपाई॥ ॥कहहिंसप्रेम
एकएकपाहीं॥ रामलषणसखिहोहिंकिनाहीं॥ बयबपुबरणरूपसोइआ
ली॥ शीलसनेहसरिससमचाली॥ बेषनसोसखिसीयनसंगा॥ आगेअ

नीचलीचतुरंगा॥नहिप्रसन्नमुखमानसखेदा॥सखिसंदेहहोतइहिभे
दा॥तासुतर्कतियगुछिपनमानी॥कहहिंसकलतोहिसमनसयानी॥ते
हिसराहिबाएगीफुरपूजी॥बोलिमधुरबचनतियदूजी॥कहिसप्रेमसब
कथाप्रसंगू॥जेहिंबिधिरामराजरसभंगू॥भरतहिंबहुरिसराहनलागी॥
शीलसनेहस्रुभावसुभागी॥ ॥दोहा॥ ॥चलतपयादेखातफल॥
पितादीन्हतजिराज॥जातमनावनरघुबरहिं॥भरतसरिसकोआज॥२२६
॥ ॥चौपाई॥ ॥भायपभक्तिभरतआचरएू॥कहतस्रुनतदुखदूष
एाहरएू॥जोकछुकहियथोरसखिसोई॥रामबंधुअसकाहेनहोई॥हम
सबसानुजभरतहिंदेखे॥भएधन्ययुबतीजनलेखे॥सुनिगुणिदेखिदशा
पछिताहीं॥कैकेयिजननियोगस्रुतनाहीं॥कोउकहदूषएरानिहुनाहिन
॥विधिसबकीन्हहमहिंजोदाहिन॥कहंहमलोकबेदबिधिहीनी॥लघुकुल
तियकरतूतिमलीनी॥बसहिंकुदेशकुगांवकुठामा॥कहयहदरशपुएयप
रिएामा॥असआनंदअचरजप्रतिग्रामा॥जनुमरुभूमिकल्पतरुजा
मा॥ ॥दोहा॥ ॥भरतदरशदेखतखुलेउ॥मगुलोगन्हकरभाग॥
जनुसिंधलवासिन्हभए॥बिधिबशस्रुलभप्रयाग॥२२७॥ ॥चौपाई
॥ ॥निजगुएासहितरामगुएागाथा॥स्रुनतजाहिंस्रुमिरतरघुनाथा॥
तीरथमुनिआश्रमस्रुरधामा॥निरखिनिमज्जहिंकरहिंप्रएामा॥म
नहींमनमांगहिंवरएहू॥सीयरामपदपद्मसनेहू॥मिलहिंकिरातकोे
लबनवासी॥वैखानसबटुयतीउदासी॥करिप्रएामपूछहिंजेहितेही
॥केहिबनलषएारामवैदेही॥तेप्रभुसमाचारसबकहहीं॥भरतहिंदेखि
जन्मफललहहीं॥जेजनकहहिंकुशलहमदेखे॥तेप्रियरामलषएासम
लेखे॥इहिबिधिबूझतसबहिंस्रुबानी॥स्रुनतरामबनबासकहानी॥
॥दोहा॥ ॥तेहिवासरवसिप्रातहीं॥चलेस्रुमिरिरघुनाथ॥रामदर
शकीलालसा॥भरतसरिससबसाथ॥२२८॥ ॥चौपाई॥ ॥मंगल

शगुणहोहिंसबकाहू॥फरकहिंफरवदविलोचनबाहू॥भरतहिंसहितस
माजउछाहू॥मिलिहहिंराममिटिहिंदुखदाहू॥करतमनोरथजशजियज
के॥जाहिंसनेहफधासबछाके॥शिथिलअंगमगुपगुडगिडोलहिं॥बिह्व
लबचनप्रेमबशबोलहिं॥रामसखानेहिंसमयदेखावा॥शैलशिरोमणिस
हजफहावा॥जासुसमीपसरितपयतीरा॥सीयसमेतबसहिंदोउबीरा॥
देखिकरहिंसबदंडप्रणामा॥कहिजयजानकिजीवनरामा॥प्रेममगन-
असराजसमाजू॥जनुफिरिअवधचलेरघुराजू॥ ॥दोहा॥ ॥भ
रतप्रेमनेहिसमयजश॥नसकहिशकेनशेषु॥कविहिंअगमजिमिब्रम्ह
फख॥अहममममलिनजनेषु॥२२९॥ ॥चौपाई॥ ॥सकलसनेह
शिथिलरघुबरके॥गएकोशदुइदिनकरढरके॥जलथलदेखिबशेनिशि
बीते॥कीन्हगवनरघुनाथपिरीते॥उहांरामरजनीअवशेषा॥जागीसी
थस्वप्नअसदेषा॥सहितसमाजभरतजनुआए॥नाथबियोगतापतनुत
ए॥सकलमलीनमनदीनदुखारी॥देखीसासुआनअनुहारी॥फनिसि
यस्वप्नभरेजललोचन॥भएशोचबशशोचविमोचन॥लषणस्वपनयहनी
कनहोई॥कठिणकुचाहफनाइहिकोई॥असकहिबंधुसमेतअन्हाने॥
पूजिपुरारिसाधुसनमाने॥ ॥छंद॥ ॥सनमानिफरमुनिबंदिबैठेउत्तर
दिशिदेखतभए॥नभधूरिखगमृगभूरिभागेविकलप्रभुआश्रमगए॥१९॥
तुलसीउठेअवलोकिकारणकहचित्तचकितरहे॥सबसमाचारकिरातकोल
नआइतेहिंअवसरकहे॥२०॥ ॥सोरठा॥ ॥फनतफमंगलबयन॥
मनप्रमोदतनुपुलकभरशरदसरोरूहनयन॥तुलसीभरेसनेहजल॥
२३०॥ ॥चौपाई॥ ॥बहुरिशोचबशभेसियरमणू॥कारणकवनभर
तआगमनू॥एकआइअसकहाबहोरी॥सेनसंगचतुरंगनथोरी॥सो
सुनिरामहिंभाअतिशोचू॥इतपितुबचइतबंधुसंकोचू॥भरतफभावस
मुझिमनमाहीं॥प्रभुहितचितधितिपावतनाहीं॥समाधानतबभायह

जाने॥ भरतकहेमहंसाधसयाने॥ लषणलखेउप्रभुहृदयखंभारू॥ कह
तसमयसमनीतिबिचारू॥ बिनुपूछेकछुकहहुगोसांई॥ सेवकसमयन
दीठदिठाई॥ तुमसर्वज्ञशिरोमणिस्वामी॥ आपनिसमुझकहौंअनुगामी
॥ ॥दोहा॥ ॥ नाथसुहृदसुठिसरलचित॥ शीलसनेहनिधान॥ स
बपरप्रीतिप्रतीतिजिय॥ जानियआपुसमान॥२३१॥ ॥चौपाई॥
विषयीजीवपाइप्रभुताई॥ मूढमोहबशहोहिंजनाई॥ भरतनीतिरतसाधु
सुजाना॥ प्रभुपदप्रेमसकलजगजाना॥ तेऊआजुराजपदपाई॥ चले
धर्ममरजादमिटाई॥ कुटिलकुबंधुकुअवसरताकी॥ जानिरामबनबा
सएकाकी॥ करिकुमंत्रमनसाजिसमाजू॥ आएकरणअकंटकराजू॥
कोटिप्रकारकपटकुटिलाई॥ आएदलबटोरिदोउभाई॥ जौजियहोति-
नकपटकुचाली॥ केहिसोहातरथबाजिगजाली॥ भरतहिदोषदेइकोजाए
॥ जगबौराइराजपदपाए॥ ॥दोहा॥ ॥शशिगुरुतियगामीनहुष॥ चढे
उभूमिसुरयान॥ लोकवेदतेंविमुखभा॥ अधमकोबेणुसमान॥२३२॥ ॥
चौपाई॥ ॥ सहसबाहुसुरनाथत्रिसंकू॥ केहिनराजमददीन्हकलंकू॥ भ
रतकीन्हयहउचितउपाऊ॥ रिपुऋणरंचनराखबकाऊ॥ एककीन्हनहिभ
रतभलाई॥ निदरेरामजानिअसहाई॥ समुझिपरिहिंसोआजुविशेषी॥ रा
मरसरोषरामसुखदेषी॥ इतनीकहतनीतिरससूला॥ रणरसबिटपपुलक
जिमिफूला॥ प्रभुपदबंदिशीसरजराषी॥ बोलेसत्यसहजबलभाषी॥ अनु-
चितनाथनमानबमोरा॥ भरतहमहिंउपचारनथोरा॥ कवलगिसहियरहिय
मनमारे॥ नाथसाथधनुहाथहमारे॥ ॥दोहा॥ ॥ क्षत्रिजातिरघुकुलज
नम॥ रामअनुजजगजान॥ लातहुंमारेचढतशिर॥ नीचकोधूरिसमान॥२३३
॥चौपाई॥ ॥ उठिकरजोरिरजायसुमांगा॥ मनहुंबीररससोवतजागा॥ बां
धिजटाशिरकटिकसिभाथा॥ साजिशरासनशायकहाथा॥ आजुरामसेव
कयशलेऊं॥ भरतहिंसमरशिखावनदेऊं॥ राममिरादरकरफलपाई॥ सोब

हिसमरसेजदोउंभाई॥ आइबनाभलसकलसमाजू॥ प्रगटकरौंरिसिपाछि-
लआजू॥ जिमिकरिनिकरदलैमृगराजू॥लेइलपेटिलवाजिमिवाजू॥ तैसेहिं
भरतहिसेनसमेता॥सानुजनिदरिनिपातौंखेता॥जौसहायकरशंकरआई
॥तौमारौंरणरामदोहाई॥ ॥दोहा॥ ॥अतिसरोषभाषेलषण॥लखि
सुनिशपथप्रमाण॥सभयबिलोकतलोकपति॥चाहतभभरिभंगान॥२३४
॥ ॥चौपाई॥ ॥जगभामगनगगनभैषानी॥लषणबाहुबलबिपुलब
खानी॥ तातप्रतापप्रभावतुह्मारा॥कोकहिशकेकोजाननहारा॥अनुचि-
तउचितकाजकछुहोई॥समुझिकरियभलकहसबकोई॥सहसाकरिपाछे-
पछिताहीं॥कहहिंबेद्बुधतेबुधनाहीं॥सुनिसुरबचनलषणसकुचाने॥रा
मसीयसादरसनमाने॥कहीतातुमनीतिसुहाई॥सबतेकठिनराजमद-
भाई॥जोअचवतनृपमातहिंतेई॥नाहिनसाधुसभाजिनसेई॥सुनहुलष-
णभलभरतसरीषा॥विधिप्रपंचमहंसुनानदीषा॥ ॥दोहा॥ ॥भरतहिं-
होइनराजमद॥ विधिहरिहरपदपाइ॥कबहुकिकांजीशीकरन्हि॥क्षीरसिंधु
बिनशाइ॥२३५॥ ॥चौपाई॥ ॥तिमिरतरुणतरणिहिमकुगिलई॥गग
नमगनमकुमेघहिंमिलई॥गोपदजलबूडहिंघटयोनी॥सहजक्षमावरुछाड
हिंक्षोणी॥मशकफूंकवरुमेरुउडाई॥होइननृपमदभरतहिंभाई॥लषण-
तुह्मारशपथपितुआना॥शुचिसुबंधुनहिभरतसमाना॥सगुणक्षीरअ
वगुणजलताता॥मिलैरचेउपरपंचविधाता॥भरतहंसरविबंशतडागा॥ज
नमिकीन्हगुणदोषविभागा॥गहिगुणपयतजिअवगुणवारी॥निजयश
जगतकीन्हउजिआरी॥कहतभरतगुणशीलसुभाऊ॥प्रेमपयोधिमगन-
रघुराऊ॥ ॥दोहा॥ ॥सुनिरघुवरबाणीविबुध॥देखिभरतपरहेतु॥
सकलसराहतरामसे॥प्रभुकोकृपानिकेतु॥२३६॥ ॥चौपाई॥ ॥जौन
होतजगजन्मभरतको॥सकलधरमधुरधरणिधरतको॥कबिकुलअगमभ
रतगुणगाथा॥कोजानेतुमविनरघुनाथा॥लषणरामसियसुनिसुरबाणी

॥अतिसुखलहेउनजाइबखानी॥ इहांभरतसबसहितसुहाए॥ मंदाकिनीपुनीतअन्हाए॥ सरितसमीपराखिसबलोगा॥मांगिमातुगुरुसचिवनियोगा॥ चलेभरतजहंसियरघुराई॥साथनिषादनाथलघुभाई॥ समुझिमातुकरतबसकुचाहीं॥ करतकुतर्ककोटिमनमाहीं॥ रामलषणसुनिममनाऊ॥उठिजनिअनतजाहिंतजिठाऊं॥ ॥दोहा॥ ॥मातुमतेमहंजानिमोहि॥जोंकछुकहहिंसोथोर॥अघअवगुणक्षमिआदरहि॥समुझिआपनीओर॥२३७॥ ॥चौपाई॥ ॥जोपरिहरहिंमलिनमनजानी॥जौंसनमानहिंसेवकमानी॥ मोरेशरणरामकीपनहीं॥ रामसुस्वामिदोषसबजनहीं॥जगयशभाजनचातकमीना॥ नेमप्रेमनिजनिपुणनवीना॥ असमनगुणनचलेमगुजाता॥ सकुचसनेहशिथिलसबगाता॥ फेरतिमनहिमातुकृतखारी॥चलतभक्तिबलधीरजधोरी॥जवसमुझहिंरघुनाथसुभाऊ॥ तवपथपरतउताइलपाऊ॥ भरतदशातेहिअवसरकेसी॥जलप्रवाहजलअलिगतिजैसी॥ देखिभरतकरशोचसनेहू॥भानिषादतेहिसमयविदेहू॥ ॥दोहा॥ ॥लगेहोनमंगलशगुण॥सुनिगुणकहतनिषाद॥ मिटिहिंशोचहोइहिहरष॥पुनिपरिणामविषाद॥२३८॥ ॥चौपाई॥ ॥सेवकबचनसत्यसबजाने॥आश्रमनिकटजाइनिअराने॥भरतदीखवनशैलसमाजु॥मुदितक्षुधितजनुपाइसुनाजु॥ ईतिभीतिजनुप्रजादुखारी॥ त्रिविधतापपीडितग्रहमारी॥जाइसुराजसुदेशसुखारी॥ होहिभरतगतितेहिअनुहारी॥ रामवासबनसंपतिसाजा॥ सुखीप्रजाजनुपाइसुराजा॥ सचिवविरागबिबेकनरेशू॥बिपिनसुहावनपावनदेशू॥ भटयमनियमशैलरजधानी॥ शांतिसुमतिशुचिसुंदरिरानी॥ सकलअंगसपन्नसुराऊ॥ रामचरणआश्रितचितचाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥जीतिमोहमहिपालदल॥ सहितबिबेकभुआल॥करतअकंटकराजपुर॥सुखसंपदासुकाल॥२३९॥ ॥चौपाई॥ ॥वनप्रदेशमुनिवासघनेरे॥जनुपुरनगरगांवगणखेरे॥ बिपुलबिचित्रविहंगमृग

नाना॥ प्रजासमाजनजाइबखाना॥खगहंकरिहरिबाघबराहा॥देखि
महिषवृकसाजसराहा॥ बैरबिहाइचरहिंएकसंगा॥ तहंतहंमनहुसेनचतु
रंगा॥ऊरनाऊरहिंमत्तगजगाजहिं॥मनहुनिशानबिबिधिबिधि॥चकचको
रचातकशुकपिकगण॥कूजतमंजुमरालमुदितमन॥अलिगणगावतना
चतमोरा॥जनुसुराजमंगलचहुंओरा॥बेलिबिटपतृणसफलसफूला॥
सबसमाजमृदुमंगलमूला॥ ॥दोहा॥ ॥रामशैलशोभानिरखि॥भरतहृ
दयअतिप्रेम॥तापसतपफलपाइजिमि॥सुखीसिरानेनेम॥२४०॥ ॥चौ
पाई॥ ॥तबकेवटऊंचेचढिधाई॥कहाभरतसनभुजाउठाई॥नाथदेखुयहबि
टपबिशाला॥पाकरिजंबुरसालतमाला॥तिनतरुवरनमध्यवटसोहा॥मंजु
विशालदेखिमनमोहा॥नीलसघनपल्लवफलफूला॥अविचलछांहिसुखद
सबकाला॥मानहुतिमिरअरुणमयराशी॥विरचीबिधिसकेलिसुखमा
सी॥तेहितरुसरितसमीपगोसांई॥रघुवरपर्णकुटीजहंछाई॥तुलसीतरुब
रबिबिधसुहाए॥कहुसियपियकहुंलषणलगाए॥वटछायाबेदिकाबनाई
॥सियनिजपाणिसरोजसुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥जहंबैठमुनिगणसहित
॥नितसियरामसुजान॥सुनहिंकथाइतिहाससब॥आगमनिगमपुरान
॥२४१॥ ॥चौपाई॥ ॥सखावचनसुनिबिटपनिहारी॥उमगेभरतबिलो
चनबारी॥करतप्रणामचलेदोउभाई॥कहतप्रीतिशारदसकुचाई॥हर्षहिं
निरखिरामपदअंका॥मानहुपारसपाएउरंका॥रजशिरधरिहियनयन
नलावहिं॥रघुवरमिलनसरिससुखपावहिं॥देखिभरतगतिअकथअती
वा॥प्रेममगनखगमृगजडजीवा॥सखहिंसनेहबिबशमगभूला॥कहि
सुपंथसुरबरषहिंफूला॥निरखिसिद्धसाधकअनुरागे॥सहजसनेह
सराहनलागे॥होननभूतलभावभरतको॥अचरसचरचरअचरकरत-
को॥ ॥दोहा॥ ॥प्रेमअमियमंदरविरह॥भरतपयोधिगभीर॥मथि
प्रगटेसुरसाधुहित॥कृपासिंधुरघुवीर॥२४२॥ ॥चौपाई॥ ॥स

खासमेतमनोहरजोरा॥लखेउनलषणसघनवनओरा॥भरतदीखप्रभु
आश्रमपावन॥सकलसुमंगलसदनसुहावन॥करतप्रवेशमिटादुखदावा
॥जनुयोगीपरमारथपावा॥देखाभरतलषणप्रभुआगे॥पूंछेबचनकहतअ
नुरागे॥ शीसजटाकटिमुनिपटबांधे॥तूणकसेकरशरधनुकांधे॥वेदीपर
मुनिसाधुसमाजू॥सीयसहितराजतरघुराजू॥वल्कलबसनजटिलतनुश्या
मा॥जनुमुनिवेषकीनरतिकामा॥करकमलनधनुशायकफेरत॥जियकीजर
निहरतहसिहेरत॥ ॥दोहा॥ ॥लसतमंजुमुनिमंडली॥मध्यसीयरघुचंद
॥ज्ञानसभाजनुतुधरे॥भक्तिसच्चिदानंद॥२४३॥ ॥चौपाई॥ ॥सानु
जसखासमेतमगनमन॥विसरेहर्षशोकसुखदुखगन॥पहिनाथकहिपाइ
गोसाई॥भूतलपरेलकुटकीनाई॥बचनसप्रेमलषनपहिचाने॥करतप्रणाम
भरतजियजाने॥बंधुसनेहसरसइहिओरा॥उतसाहिबसेवाबरजोरा॥मि
लिनजाइनहिगुदरतबनई॥सुकविलषणमनकीगतिभनई॥रखेराखिसेवा
परभारू॥चढीचंगजनुखैंचखेलारू॥कहतसप्रेमनाइमहिमाथा॥भरतप्रणा
मरघुनाथा॥उठेरामसुनिप्रेमअधीरा॥कहुपटकहुनिषंगधनुतीरा॥ ॥
दोहा॥ ॥बरबसलिएउठाइउर॥लाएकृपानिधान॥भरतरामकीमिलनिलखि
॥विसरेउसबहिंअपान॥२४४॥ ॥चौपाई॥ ॥मिलनिप्रीतिकिमिजाइ
बखानी॥कबिकुलअगमकर्ममनबानी॥परमप्रेमपूरणदोउभाई॥मनबुधि
चितअहमितिविसराई॥कहहुसुप्रेमप्रगटकोकरई॥केहिछायाकबिमति-
अनुसरई॥कबिहिंअर्थआखरबलसांचा॥अनुहरतालगतिहिनटनांचा॥
अगमसनेहभरतरघुबरको॥जहंनजाइमनविधिहरिहरको॥सोमैकुमति
कहौंकेहिभांती॥वाजुसुरागकिगाडरवांती॥मिलनिविलोकिभरतरघुवरकी
॥सुरगणसभयधुकधुकीधरकी॥समुझाएसुरगुरुजडजागे॥बरषिप्रसून-
प्रशंसनलागे॥ ॥दोहा॥ ॥मिलिसप्रेमरिपुदमनहिं॥केवटभेंटेउराम॥भू
रिभाग्यभेंटेभरत॥लछिमनकरतप्रणाम॥२४५॥ ॥चौपाई॥ ॥भेटेलष

१ तिनसीककाः

एललकिलघुभाई ॥बहुरिनिषादलीन्हउरलाई॥ पुनिमुनिगएदुहुभाइनवं
दे॥ अभिमतआशिष पाइआनंदे॥ सानुजभरतउमगिअनुरागा॥धरिशिर
सियपदपद्मपरागा॥पुनिपुनिकरतप्रणामउठाए॥ शिरकरकमलपरशिबै-
ठाए॥सीयअशीषदीन्हिमनमाहीं॥मगनसनेहदेहशुधिनाहीं॥सबबिधि
सानुकूललखिसीता॥भेविशोचउरअपडरबीता॥कोउकछुकहेनकोउकछपूं
छा॥प्रेमभरामननिजगतिछूछा॥ तेहिंअवसरकेवटधीरजधरि॥जोरिपाणि
बिनवतप्रणामकरि॥ ॥दोहा॥ ॥नाथसाथमुनिनाथके॥मातुसकलपु
रलोग॥सेवकसेनपसचिवसब॥आएविकलबियोग॥२४६॥ ॥चौपाई॥
सीलसिंधुसुनिगुरुआगमनू॥सीयसमीपराखिरिपुदमनू॥चलेसबेगराम
तेहिकाला॥धीरधरमधुरदीनदयाला॥गुरुहिदेखिसानुजअनुरागे॥दंडप्र
णामकरनप्रभुलागे॥मुनिवरधाइलिएउरलाई॥प्रेमउमगिभेंटेदोउभाई॥
प्रेमपुलकिकेवटकहिनामू॥कीन्हदूरितेहिंदंडप्रणामू॥रामसखाऋषिबरब
सभेटा॥जनुमहिलुटतसनेहसमेटा॥रघुपतिभक्तिसुमंगलमूला॥नभसराहि
सुरबरषहिंफूला॥इहिसमनिपटनीचकोउनाहीं॥बडबशिष्ठसमकोजगना
हीं॥ ॥दोहा॥ ॥जेहिलखिलषणहुंतेअधिक॥मिलेमुदितमुनिराउ॥
सोसीतापतिभजनको॥प्रगटप्रतापप्रभाउ॥२४७॥ ॥चौपाई॥ ॥आ
रतलोगरामसबजाना॥करुणाकरसुजानभगवाना॥जोजेहिभांतिरहाअ-
भिलाषी॥तेहितेहिकीतैसीरुचिराखी॥सानुजमिलिपलमहसबकाहू॥कीन्ह
दूरिदुखदारुणदाहू॥यहबडिबातरामकानाहीं॥जिमिघटकोटिएकरबिछा
हीं॥मिलिकेसवहिंउमगिअनुरागा॥पुरजनसकलसराहहिंभागा॥देखि
रामदुखितमहतारी॥जनुसुबेलिअवलीहिममारी॥प्रथमरामभेटिकैकेयी
॥सरलसुभावभक्तिमतिभेंई॥पगपरिकीन्हप्रबोधबहोरी॥कालकर्मबिधि
शिरधरिखोरी॥ ॥दोहा॥ ॥भेंटिबुद्धिवरमातुसब॥करिप्रबोधपरितोष
॥अंबईशआधीनजग॥काहुनदेइयदोष॥२४८॥ ॥चौपाई॥ ॥गुरुति

यपद्वंदेदोउभाई॥सहितविप्रतियजेसंगआई॥गंगागौरीसमसबसनमानी॥देहिअशीसमुदितमृदुबानी॥गहिपदलगेसुमित्राअंका॥जनुभेंटीसंपतिअतिरंका॥पुनिजननीचरणनदोउभ्राता॥परेप्रेमव्याकुलसबगाता॥अतिअनुरागअबउरलाए॥नयनसनेहसलिलअन्हवाए॥तेहिअवसरकरहर्षविषादू॥किमिकविकहैमूकजिमिस्वादू॥मिलिजननिहिंसानुजरघुराऊ॥गुरुसनकहेउकिधारियपाऊ॥पुरजनपाईमुनीशनियोगू॥जलथलतकितकिउतरेलोगू॥ ॥दोहा॥ ॥महिसुरमंत्रीमातुगुरु॥गनेलोगलिएसाथ॥पावनआश्रमगमनकिय॥भरतलषणरघुनाथ॥२४९॥ ॥चौपाई॥ ॥सीयआइमुनिवरपदलागी॥उचितअशीसलहीमनमांगी॥गुरुपत्निहिमुनितियनसमेता॥मिलिसप्रेमकहिजाइनजेता॥बंदिबंदिपदसियसबहीके॥आशिरवादलहेप्रियजीके॥सासुसकलजबसीयनिहारी॥मुंदेउनयनसहमिसुकुमारी॥परीवधीकवशमनहुमराली॥काहकीन्हकरतारकुचाली॥तिनसियनिरखिनिपटदुखपावा॥सोसबसहियजोदैवसहावा॥जनकसुतातबउरधरिधीरा॥नीलनलिनलोचनभरिनीरा॥मिलिसकलसासुनसियजाई॥तेहिअवसरकरुणामनिछाई॥ ॥दोहा॥ ॥लागिलागिपदसबनसिय॥भेंटीअतिअनुराग॥हृदयआशिसहिंप्रेमवश॥रहिहहुभरीसुहाग॥२५०॥ ॥चौपाई॥ ॥बिकलसनेहसीयसबरानी॥बैठनसबहिंकहेउगुरुज्ञानी॥प्रथमकहीजगगतिमुनिनाथा॥कहेउकछुकपरमारथगाता॥नृपकरसुरपुरगमनसुनावा॥सुनिरघुनाथदुसहदुखपावा॥मरणहेतुनिजनेहविचारी॥भेअतिविकलधीरधुरधारी॥कुलिशकठोरसुनतकटुबानी॥बिलपतलषणसीयसबरानी॥शोकविकलअतिसकलसमाजू॥मानहुंराजअकाजेउआजू॥मुनिवरबहुरिरामसमुझाए॥सहितसमाजसरितअन्हाए॥व्रतनिरंबुतेहिदिनप्रभुकीन्हा॥मुनिहुकहेजलकाहुनलीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥भोरभएउरघुनंदनहिं॥जोमुनिआयसुदीन्ह॥श्रद्धाभक्तिसमे

नप्रभु॥सोसबसादरकीन्ह॥२५१॥ ॥चौपाई॥ ॥करिपितुक्रियाबे-
दजसिबरणी॥भेपुनीतपातकतमतरणी॥जासुनामपावकअघतूला॥
सुमिरतसकलसुमंगलमूला॥शुद्धसोभएउसाधुसंमतअस॥तीरथआवा
हनसुरसरिजस॥शुद्धभएदुइबासरबीते॥बोलेगुरुसनरामपिरीते॥नाथ
लोगसबनिपटदुखारी॥कंदमूलफलअंबुअहारी॥सानुजभरतसचिवसब
माता॥देखिमोहिपलजिमिजुगजाता॥सबसमेतपुरधारियपाऊ॥आपुइ
हांअमरावतिराऊ॥बहुतकहेउसबकिएउढिठाई॥उचितहोइतसकरियगोसा
ई॥ ॥दोहा॥ ॥धर्मसेतुकरुणायतन॥कसनकहहुअसराम॥लोगदु
खितदिनदुईदरश॥देखिलहेउबिश्राम॥२५२॥ ॥चौपाई॥ ॥रामबचन
सुनिसभयसमाजू॥जनुजलनिधिमहंबिकलजहाजू॥सुनिमुनिगिरासुमंगल
मूला॥भएउमनहुंमारुतअनुकूला॥पावनपयतिहुंकालअन्हाहीं॥जेहिंबि
लोकिअघओघनशाहीं॥मंगलमूरतिलोचनभरिभरि॥निरखहिंहर्षितदंड
वतिकरिकरि॥रामशैलवनदेखनजाहीं॥जहंसुखसकलकतहुंदुखनाहीं॥
झरनाझरहिंसुधासमवारी॥त्रिविधतापहरत्रिविधबयारी॥विटपबेलितृ-
णअगणितजाती॥फलप्रसूनपल्लवबहुभांती॥सुंदरशिलासुखदतरुछां
हीं॥जाइबरणिबनछविकेहिपाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥सरनसरोरुहजलवि
हग॥कूजतगुंजतभृंग॥बैरबिगतबिहरतबिपिन॥मृगबिहंगबहुरंग॥२५३
॥ ॥चौपाई॥ ॥कोलकिरातभिल्लबनबासी॥मधुशुचिसुंदरस्वादुसुधासी
॥भरिभरिपर्णपुटीरुचिरूरी॥कंदमूलफलअंकुरमूरी॥सबहिंदेहिंकरिबिन
यप्रणामा॥कहिकहिस्वादुभेदगुणनामा॥देहिंलोगबहुमोलनलेहीं॥फेरतरा
मदोहाईदेहीं॥कहहिंसनेहमगनमृदुबानी॥मानतसाधुप्रेमपहिचानी॥तुम
सुकृतीहमनीचनिषादा॥पावादरशनरामप्रसादा॥हमहिंअगमअतिदरश
तुम्हारा॥जसमरुधरणिदेवधुनिधारा॥रामकृपालुनिषादनेवाजा॥परिजन
प्रजहिंउचितजसराजा॥ ॥दोहा॥ ॥यहजियजानिसकोचतजि॥करियछो

हलखिनेहु॥ हमहिंकुनारथकरएलगि॥ फलतृणअंकुरलेहु॥२५४॥ ॥
चौपाई॥ ॥तुमप्रियपाहुनवनपगुधारे॥सेवायोगनभाग्यहमारे॥देवक
हाहमतुम्हेंगोसाईं॥इंधनपातकिरातमिताई॥यहहमारअतिबडिसेवका
ई॥लेहिनबासनबसनचोराई॥हमजडनीचजीवगणघाती॥कुटिलकुचा
लीकुमतीकुजाती॥पापकरनिशिवासरजाहीं॥नहिकटिपटनहिपेटअघा
हीं॥सपनेहुधर्मबुद्धिकसकाऊ॥यहरघुनंदनदरशप्रभाऊ॥जबतेंप्रभुपद
पद्मनिहारे॥मिटेअमंगलदोषहमारे॥वचनसुनतपुरजनअनुरागे॥ति-
न्हकेभाग्यसराहनलागे॥ ॥छंद॥ ॥लागेसराहनभाग्यसबअनुरागब
चनसुनावहीं॥बोलनिमिलनिसियरामचरणसनेहलखिसुखपावहीं॥२१
॥नरनारिनिदरहिनेहनिजसुनिकोलभिल्लनकीगिरा॥तुलसीकृपारघुवंशम
णिकीलोहलेलौकातिरा॥२२॥ ॥सोरठा॥ ॥बिहरहिंवहुंओर॥प्रतिदि
नप्रमुदितलोगसब॥जलज्योंदादुरमोर॥भएपीनपावासप्रबल॥२५५॥
चौपाई॥ ॥पुरनरनारिमगनअतिप्रीती॥वासरजाहिपलकसमबीती॥
सीयसासुप्रतिवेषबनाई॥सादरकरहिंसरिससेवकाई॥लषानमर्मराम
बिनुकाहू॥मायासबसियमायामाहू॥सीयसासुसेवावशकीन्ही॥तिनल
हिसुखसियआशिषदीन्हीं॥लखिसियसहितसरलदोभाई॥कुटिलरानि
पछिताइअघाई॥अवनिजमनयाचतिकैकेई॥मोहिनवीचविधिमीचुनदे-
ई॥लोकहुवेदविदितकविकहहीं॥रामविमुखथलनरकनलहहीं॥यहसं-
शयसबकेमनमाहीं॥रामगमनविधिअवधकिनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥नि
शिननींदनहिभूषदिन॥भरतविकलसुठिशोच॥नीचकीचविचमगनजश
॥मीनहिंसलिलसंकोच॥२५६॥ ॥चौपाई॥ ॥कीन्हमातुमिसिकालकु
चाली॥ईतिभीतिजसपातकशाली॥केहिविधिहोइरामअभिषेकू॥मोहि-
अवफुरनउपायनएकू॥अवशिफिरहिंगुरुआयसुमानी॥मुनिपुनिकहव
रामरुचिजानी॥मातुकहेबहुरहिंरघुराऊ॥रामजननिहठकहहिनकाऊ॥

मोहिअनुचरकरकेतिकबाता॥ तेहिमहंकुसमयवामविधाता॥ जोहठकरौं तोनिपटकुकर्मू॥ हरगिरितेगुरुसेवकधर्मू॥ एकौयुक्तिनमनठहरानी॥ शोचत भरतहिरैनिविहानी॥ प्रातअन्हाइप्रभुहिशिरनाई॥ बैठतपठएऋषियबुलाई॥ ॥दोहा॥ ॥गुरुपदकमलप्रणामकरि॥ बैठेआयसुपाइ॥ विप्रमहाजनसचिवसब॥ जुरेसभासदआइ॥२५७॥ ॥चौपाई॥ ॥बोलेमुनिवरसमयसमाना॥ सुनहुसभासदभरतसुजाना॥ धर्मधुरीणभानुकुलभानू॥ राजारामस्ववशभगवानू॥ सत्यसंधपालकश्रुतिसेतू॥ रामजन्मजगमंगलहेतू॥ गुरुपितुमातुबचनअनुसारी॥ खलदलदलनदेवहितकारी॥ नीतिप्रीतिपरमारथस्वारथ॥ कोउनराससमजानयथारथ॥ बिधिहरिहरशशिरविदिशिपाला॥ मायाजीवकर्मकलिकाला॥ अहिपमहिपजहंलगिप्रभुताई॥ योगसिद्धिनिगमागमगाई॥ करिविचारजियदेखहुनीके॥ रामरजाइशीससबहीके॥ ॥दोहा॥ ॥राखेरामरजाईरुष॥ हमसबकरहितहोइ॥ समुझिसयानेकरहुअब॥ सबमिलिसंमतसोइ॥२५८॥ ॥चौपाई॥ ॥सबकहंसुखदरामअभिषेकू॥ मंगलमोदमूलगुणएकू॥ केहिविधिअवधचलहिरघुराई॥ कहहुसमुझिसोइकरियउपाई॥ सबसादरसुनिमुनिबरबानी॥ नयपरमारथस्वारथसानी॥ उतरनआवलोगभेभोरे॥ तबशिरनाईभरतकरजोरे॥ भानुबंशभेभूपघनेरे॥ अधिकएकतेएकबडेरे॥ जन्महेतुसबकहपितुमाता॥ कर्मशुभाशुभदेइबिधाता॥ दलिदुखसजइसकलकल्याणा॥ असआशिषराउरजगजाना॥ जोगोसाईबिधिगतिजेइ छेंकी॥ शकेकोटारिटेकजोटेकी॥ ॥दोहा॥ ॥बुझियमोहिउपायअब॥ सोसबमोरअभाग॥ सुनिसनेहमयवचनगुरु॥ उरउमगाअनुराग॥२५९॥ ॥चौपाई॥ ॥तातबातफुररामकृपाही॥ रामविमुखसिधिसपनेहुनाही॥ सकुचौतातकहतएकबाता॥ अर्धतजहिंबुधसरबसुजाता॥ तुह्मकाननगबनहुदोभाई॥ फेरियलषणसीयरघुराई॥ सुनिशुभबचन-

हर्षह्रौं भाता॥ प्रेमप्रमोदपरिपूरणगाता॥ मनप्रसन्नतनुतेजबिराजा॥ जनुजियेराउराम भेराजा॥ बहुतलाभलोगनलघुहानी॥ समदुखसुखसब दोषहिंरानी॥ कहहिंभरतमुनिकहासोकीन्हे॥ फलजगजीवनअभिमत दीन्हे॥ काननकरौंजन्मभरिवासू॥ इहितेअधिकनमोरसुपाशू॥ ॥दोहा॥ ॥अंतरजामीरामसिय॥ तुमसरबज्ञसुजान॥ जोफुरकहौतोनाथनिज॥ कीजियबचनप्रमाण॥२६०॥ ॥चौपाई॥ ॥भरतबचनसुनिदेखिसनेहू॥ सभासहितमुनिभएउबिदेहू॥ भरतमहामहिमाजलराशी॥ मुनिमतिठाढितीरअबलासी॥ गाचहपारयतनबहुहेरा॥ पावतिनावनबोहितबेरा॥ औरकरहिंकोभरतबडाई॥ सरसिजसीपकिसिंधुसमाई॥ भरतमुनिहिमनभीतरभाए॥ सहितसमाजरामपहंआए॥ प्रभुप्रणामकरदीन्हसुआसन॥ बैठेसबसुनिमुनिअनुशासन॥ बोलेमुनिवरबचनबिचारी॥ देशकालअवसरअनुहारी॥ सुनहुरामसरबज्ञसुजाना॥ धर्मनीतिगुणज्ञाननिधाना॥ ॥दोहा॥ ॥सबकेउरअंतरबसहु॥ जानहुभावकुभाव॥ पुरजनजननीभरतहित॥ होइसोकहियउपाय॥२६१॥ ॥चौपाई॥ ॥आरतकंहहिंबिचारिनकाऊ॥ सूझजुआरिहिंआपनदाऊ॥ सुनिमुनिबचनकहतरघुराऊ॥ नाथतुह्मारेहिहाथउपाऊ॥ सबकरहितरुषराउरराखे॥ आयसुकरियमुदितफुरभाषे॥ प्रथमजोआयसुमोकहहोई॥ माथेमानिकरौंशिखसोई॥ पुनिजेहिकहंजसकहंहिंगोसाई॥ सोसबभांतिकरिहिसेवकाई॥ कहमुनिरामसत्यतुमभाषा॥ भरतसनेहबिचारनराषा॥ तेहितेंकहउंबहोरिबहोरी॥ भरतभक्तिममममतिक्रतभोरी॥ मोरेजानभरतरुचिराखी॥ जोकीजियसोशुभशिवसाखी॥ ॥दोहा॥ ॥भरतबिनयसादरसुनि॥ करियबिचारबहोरि॥ करबसाधुमतलोकमत॥ नृपनयनिगमनिचोरि॥२६२॥ ॥चौपाई॥ ॥गुरुअनुरागभरतपरदेखी॥ रामहृदयआनंदबिशेषी॥ भरतहिंधर्मधुरंधरजानी॥ निजसेवकतनुमानसबानी॥

बोलेगुरुआयस्अनुकूला॥वचनमंजुमृदुमंगलमूला॥नाथशपथपि
तुचरणदोहाई॥भएउनभुवनभरतसमभाई॥जेगुरुपदअंबुजअनुरागी
॥तेलोकहुंबेदहुंबडभागी॥राउरजापरअसअनुरागू॥कोकहिशकेभर
तकरभागू॥लखिलघुबंधुबुद्धिसकुचाई॥करतबदनपरभरतबड़ाई॥
भरतकहहिंसोकियेभलाई॥असकहिरामरहेअरगाई॥ ॥दोहा॥
तबमुनिबोलेभरतसन॥सबसकोचतजितात॥कृपासिंधुप्रियबंधुसन
॥कहहुहृदयकीबात॥२६३॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिमुनिबचनरामरु-
षपाई॥गुरुसाहिबअनुकूलअघाई॥लखिअपनेशिरसबुछरभारू॥
कहिनशकहिंकछुकरहिंबिचारू॥पुलकशरीरसभाभएठाढे॥नीरजन
यननेहजलबाढे॥कहबमोरमुनिनाथनिबाहा॥इहितेंअधिककहोंमैंका
हा॥मैंजानोंनिजनाथस्भाऊ॥अपराधिहुपरकोहनकाऊ॥मोपर-
कृपासनेहविशेषी॥खेलतखुनसकबहुंनहिंदेखी॥शिशुपनतेंपरिहरेउन
संगू॥कबहूंनकीन्हमोरमनभंगू॥मैंप्रभुकृपारीतिजियजोही॥हारेहुखे
लजितावहिंमोही॥ ॥दोहा॥ ॥महुंसनेहसकोचबश॥सनमुखकहे
नबयन॥दरशनतृप्तिनआजुलगि॥प्रेमपिआसेनयन॥२६४॥ ॥
चौपाई॥ ॥विधिनशकेउसहिमोरदुलारा॥नीचवीचजननीमिस्पारा॥
यहउकहतमोहिआजुनशोभा॥आपनीसमुझसाधुशुचिकोभा॥मातुमं
दमैंसाधुसचाली॥उरअसआनतकोटिकुचाली॥फरेकिकोदोबालिसुशा
ली॥मुक्ताप्रसवकिशंबुकताली॥सपनेहुंदोषकलेशनकाहू॥मोरअभा-
ग्यउदधिअवगाहू॥बिनुसमुझेनिजअघपरिपाकू॥जारजायजननीक-
हिकाकू॥हृदयहेरिहारेउंसबओरा॥एकहिंभांतिभलेहिभलमोरा॥गुरु
गोसाईसाहिबसियरामू॥लागतमोहिनीकपरिणामू॥ ॥दोहा॥ ॥
साधुसभाप्रभुगुरुनिकट॥कहोंसुथलसतिभाउ॥प्रेमप्रपंचकीझूठफुर
॥जानहिमुनिरघुराऊ॥२६५॥ ॥चौपाई॥ ॥भूपतिमरणप्रेमपणराखी

॥जननीकुमतिजगतसबसाखी॥देखिनजाहिबिकलमहतारी॥जरहिंदुसहज्वरपुरनरनारी॥महीसकलअनरथकरमूला॥सोसुनिसमुझिसहेउसबशूला॥सुनिबनगमनकीन्हरघुनाथा॥करिमुनिवेषलषणसियसाथा॥बिनुपनहीअरूप्यादेहिपाए॥शंकरसाखिरहेउइहिधाए॥बहुरिनिहारिनिषादसनेहू॥कुलिशकठिनउरभयउनवेहू॥अवसबआंखिनदेखेउआई॥जियतजीवजडसबैसहाई॥जिन्हहिनिरषिमगसांपिनिबीछी॥तजहिबिषमबिषतामसतीछी॥ ॥दोहा॥ ॥तेरघुनंदनलषणसिय॥अनहितलागेजाहि॥तासुतनयतजिदुसहदुख॥दैवसहावैकाहि॥२६६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिअतिविकलभरतवरवानी॥आरतिप्रीतिबिनयनयसानी॥शोकमगनसबसभाखभारू॥मनहुंकमलवनपरेउतुषारू॥कहिअनेकविधिकथापुरानी॥भरतप्रबोधकीन्हमुनिज्ञानी॥बोलेउचितवचनरघुनंदू॥दिनकरकुलकैरवबनचंदू॥तातजायजियकरहुगलानी॥ईशअधीनजीवगतिजानी॥तीनिकालत्रिभुवनमतमोरे॥पुण्यश्लोकताततनुतोरे॥उरआनततुमपरकुटिलाई॥जाइलोकपरलोकनशाई॥दोषदेहिजननिहिजडतेई॥निजगुरुसाधुसभानहिसेई॥ ॥दोहा॥ ॥मिटहिंपापपरपंचसब॥अखिलअमंगलभार॥लोकसुयशपरलोकसुख॥सुमिरतनामतुम्हार॥२६७॥ ॥चौपाई॥ ॥कहौसुभावसत्यशिवसाखी॥भरतभूमिरहराउरिराखी॥तातकुतर्ककरहुजनिजाए॥बैरप्रेमनहिंदुरैदुराए॥मुनिगणनिकटबिहगमृगजाहीं॥बाधकबधिकविलोकिपराहीं॥हितअनहितपशुपंक्षिउजाना॥मानुषतनुगुणज्ञानविधाना॥ताततुमहिमैंजाननतनीके॥करौकाहअसमंजसजीके॥राषेउराउशत्यमोहित्यागी॥तनपरिहरेउप्रेमविरहागी॥तासुबचनमेटतमनशोचू॥तेहितेंअधिकतुह्मारसकोचू॥तापरगुरुमोहिआयसुदीन्हा॥अवशिजोकहहुचहौसोकीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥मनप्रसन्नकरिसकुचतजि॥कहहुकरौंसोआज॥सत्यसिंधुरघुवरवचन॥सुनिभासुखीसमाज॥

२६८॥ ॥चौपाई॥ ॥सुरगणसहितसभयसुरराजू॥ शोचतचाहत-
होनअकाजू॥करतबिचारबनतकछुनाहीं॥रामशरणवसगेमनमाहीं॥
बहुरिबिचारिपरस्परकहहीं॥रघुपतिभक्तिभक्तवशअहहीं॥सुधिकरि-
अंबरीषदुर्वासा॥भेसुरसुरपतिनिपटनिराशा॥सहेसुरनबहुकालबि
षादा॥नरहरिकिएप्रगटप्रल्हादा॥लगिलगिकानकहिंहिधुनिमाथा॥अ
वसुरकाजभरतकेहाथा॥आनउपायनदेखियदेवा॥माननरामसुसेव
कसेवा॥हियसप्रेमसेवहुसबभरतहि॥निजगुणशीलरामबशकरतहि॥
॥दोहा॥ ॥सुनिसुरमतसुरगुरुकहेउ॥भलतुम्हारबडभाग॥सकल
सुमंगलमूलजग॥भरतचरणअनुराग॥२६९॥ ॥चौपाई॥ ॥सीता
पतिसेवकसेवकाई॥कामधेनुसमसरिससुहाई॥भरतभक्तितुम्हरेमन-
आई॥तजहुशोचबिधिबातबनाई॥देखुदेवपतिभरतप्रभाउ॥सहजसुभा
वबिबशरघुराऊ॥मनथिरकरहुदेबडरनाहीं॥भरतहिजानिरामपरछा-
हीं॥सुनिसुरगुरुसुरसंमतशोचू॥अंतरजामीप्रभुहिसंकोचू॥निजशिर
भारभरतजियजाना॥करतकोटिबिधिउरअनुमाना॥करिबिचारमनदीन्ह
सुठीका॥रामरजायसुआपननीका॥निजपणराखेउपनमोरा॥छोह-
सनेहकीन्हनहिंथोरा॥ ॥दोहा॥ ॥कीन्हअनुग्रहअमितअति॥स
बबिधिसीतानाथ॥करिप्रणामबोलेभरत॥जोरिजलजयुगहाथ॥२७०॥
॥चौपाई॥ ॥कहउकहावउकाअबस्वामी॥कृपाअंबुनिधिअतरयामी
॥गुरुप्रसन्नसाहिबअनुकूला॥मिटीमलिनमनकल्पितशूला॥अपडरड
रेउंनशोचसमूला॥रबिहिनदोषदेबदिशभूला॥मोरअभाग्यमातुकुटिला
ई॥बिधिगतिबिषमकालकठिनाई॥पांवरोपिसबमिलिमोहिघाला॥प्रणत
पालपणआपनपाला॥इहनइरीतिनराउरिहोई॥लोकहुवेदबिदितनहिंगो
ई॥जगअनभलभलएकगोसांई॥कहियहोइभलकासुभलाई॥देवदेवत
रुसरिससुभाऊ॥सनमुखबिमुखनकाहुहिकाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥जाइनि

कटपहिचानितरू॥छांहशमनसबशोच॥मांगतअभिमतपावजग॥राउ
रंकभलपोच॥ ॥२७१॥ ॥चौपाई॥ ॥लखिसबबिधिगुरुस्वामिस-
नेहू॥मिटेउछोभगतमनसंदेहू॥अवकरुणाकरुणाकरकीजियसोई॥ज
नहितप्रभुचितक्षोभनहोई॥सोसेवकसाहिबसंकोची॥निजहितचहैतासुम
तिपोची॥सेवकहितसाहिबसेवकाई॥करैसकलसुखलोभबिहाई॥स्वारथ
नाथफिरेंसबहीका॥किएरजाइकोटिबिधिनीका॥इहस्वारथपरमारथसा
रू॥सकलसुकृतफलसुगतिशिंगारू॥देवएकबिनतीसुनिमोरी॥उचि
तहोइतसकरबबहोरी॥तिलकसमाजसाजिसबआना॥करियसुफलजोप्र
भुमनमाना॥ ॥दोहा॥ ॥सानुजपठइयमोहिबन॥कीजियसबहिसना
थ॥नतरुफेरियबंधुदोउ॥नाथचलोंमैसाथ॥२७२॥ ॥चौपाई॥ ॥न
तरुजाहिंबनतीनिउभाई॥बहुरियसीयसहितरघुराई॥जेहिंबिधिप्रभुप्र-
सन्नमनहोई॥करुणासागरकीजियसोई॥देवदीन्हसबमोपरभारू॥मोरे-
नीतिनधर्मबिचारू॥कहौंबचनसबस्वारथहेतू॥रहतनआरतकेचितचेतू॥
उतरदेइसुनिस्वामिरजाई॥सोसेवकलखिलाजलजाई॥असमैंअवगुणउद
धिअगाधू॥स्वामिसनेहसराहतसाधू॥अबकृपालुमोहिसोमतभावा॥स
कुचस्वामिमनजाइनपावा॥प्रभुपदशपथकहौंसतिभाऊ॥जगमंगलहितए
कउपाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुप्रसन्नसकुचनजि॥जेजेहिआयसुदेव॥
जोशिरधरिधरिकरहिंसब॥मिटहिंअनटअबरेव॥२७३॥ ॥चौपाई॥
भरतबचनसुनिमुनिहियहरषे॥साधुसराहिसुमनसुरबरषे॥असमंजस
बशअवधनिवासी॥प्रमुदितमनतापसबनबासी॥चुपरहिगेरघुनाथस
कोची॥प्रभुगतिदेखिसभासबशोची॥जनकदूततेहिअवसरआए॥मु
निवशिष्ठसुनिवेगिबुलाए॥करिप्रणामतिनरामनिहारे॥वेषदेखिभेनिप
टदुखारे॥दूतनहिंमुनिवरबूझीबाता॥कहहुबिदेहभूपकुशलाता॥सुनिसकु
चाइनाइमहिमाथा॥बोलेचरवरजोरेहाथा॥बूझबराउरसादरसांई॥कुशल

हेतुसोभयेगोसांई॥ ।दोहा॥ ॥नाहितकोशलनाथकें॥साथकुश-
लगेनाथ॥ मिथिलाअवधविशेषतें॥जगसबभयउअनाथ॥२७४॥
चौपाई॥ ॥कौशलपतिगतिसुनिजनकौरा॥भेसबलोगशोकवशबौरा॥
जेंहिदेखातेंहिसमयविदेहू॥नामसत्यअसलागनकेहू॥रानिकुचालीसुन
तमहिपालहिं॥सूझनकछुजसमणिबिनुब्यालहिं॥भरतराजरघुवरबचन
बासू॥भामिथिलेशहिदृदयहससू॥नृपबूझेबुधसचिवसमाजू॥कहहुबि
चारिउचितकाआजू॥समुझिअवधअसमंजसदोऊ॥चलियकिरहियनक
हकछुकोऊ॥नृपतिधीरधरित्हृदयबिचारी॥पठयेअवधचतुरचरचारी॥बू
झिभरतसतभाउकुभाऊ॥आयेहुबेगिनहोइलषाउ॥ ॥दोहा॥ ॥गएअ
वधचरभरतगति॥बूझिदेखिकरतूति॥चलेचित्रकूटहिभरत॥चारचलेतिर
हूति॥२७५॥ ॥चौपाई॥ ॥दूतनआइभरतकिकरणी॥जनकसमा
जयथामतिबरणी॥मुनिगुरुपुरजनसचिवमहीपति॥भेसबशोचसनेहबि
कलअति॥धरिधीरुजकरिभरतबडाई॥लिएसुभटसाहनीबोलाई॥घरपर
देशराखिरखवारे॥हयगजरथबहुयानसंवारे॥दुघरीसाधिचलेततकाल
॥कियबिश्रामनमगुमहिपाला॥भोरहिंआजुनहाइप्रयागा॥चलेयमुनउ
तरनसबलागा॥खबरिलेनहमपठएनाथा॥तिन्हकहिअसमहिनायेउमा
था॥साथकिरातछसातकदीन्हे॥मुनिवरतुरतबिदाचरकीन्हे॥ ॥दोहा॥
सुनतजनकआगमनसब॥हर्षेउअवधसमाज॥रघुनंदनहिंसकोचबड॥
शोचविबशसुरराज॥२७६॥ ॥चौपाई॥ ॥गरइगलानिकुटिलकेकयी
॥काहिकहैकेहिदूषणदेई॥असमनआनिमुदितनरनारी॥भयेउबहोरि
रहवदिनचारी॥इहिप्रकारगतवासरसोऊ॥प्रातअन्हानलागसबकोऊ॥
करिमज्जनपूजहिंनरनारी॥गणपतिगौरिपुरारितमारी॥रमारमणपदवंदि
बहोरी॥विनबहिंअंजलिअंचलजोरी॥राजारामजानकीरानी॥आनंदअ
वधिअबधरजधानी॥स्ववशबसहिफिरिसहितसमाजा॥भरतहिंरामकर-

हिंयुवराजा॥इहिसुखसुधासींचिसबकाहु॥देवदेहुजगजीवनलाहु॥ ॥दोहा॥ ॥गुरुसमाजभाइन्हिसहित॥रामराजपुरहोउ।अछतरामराजाअवध।संवरिमांगसबकोउ॥२७७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिसनेहमयपुरजनबानी॥नींदहिंयोगबिरतिमुनिज्ञानी॥इहिबिधिनित्यकर्मकरिपुरजनु॥रामहिंकरहिंप्रणामपुलकितनु॥ऊंचनीचमध्यमनरनारी॥लहहिंदरशनिजनिजअनुहारी॥सावधानसबहींसनमानहिं॥सकलसराहतकृपानिधानहिं॥लरिकाहींतेंरघुवरबानी॥पालतनीतिप्रीतिपहिचानी॥शीलसंकोचसिंधुरघुराऊ॥सुमुखसुलोचनसरलसुभाऊ॥कहतरामगुणगणअनुरागे॥सबनिजभाग्यसराहनलागे॥हमसमपुण्यपुंजजगथोरे॥जिनहिंरामजानतकरिमोरे॥ ॥दोहा॥ ॥प्रेममगनतेहिसमयसब।सुनिआवतमिथिलेश॥सहितसभासंभ्रमउठे॥रविकुलकमलदिनेश॥२७८॥ ॥चौपाई॥ ॥भाइसचिवगुरुपुरजनसाथा॥आगेंगवनकीन्हरघुनाथा॥गिरिवरदीखजनकनृपजबहीं॥करिप्रणामत्यागरथतबहीं॥रामदरशलालसाउछाहू॥पथश्रमलेशकलेशनकाहू॥मनतहंजहंरघुबरबैदेही॥बिनुमनतनुदुखसुखसुधिकेही॥आवतजेनकचलेइहिभांती॥सहितसमाजप्रेममतिभांती॥आएनिकटदेखिअनुरागे॥सादरमिलनपरस्परलागे॥लगेजनकमुनिगणपदवंदन॥ऋषिन्हप्रणामकीन्हरघुनंदन॥भाइनसहितराममिलिराजहिं॥चलेलवाइसमेतसमाजहिं॥ ॥दोहा॥ ॥आश्रमसागरशांतरस॥पूरणपावनपाथ॥सैनमनहुकरुणासरित॥लियेजातरघुनाथ॥२७९॥ ॥चौपाई॥ ॥तोरतिज्ञानबिरागकरारे॥बचनसशोकमिलतनदनारे॥शोचउसांससमीरतरंगा॥धीरजतटतरुवरकरभंगा॥विषमविषादतुरावतिधारा॥भयभ्रमभंवरआवर्तअपारा॥केंवटबुद्धिविद्यावडिनावा॥सकहिंनखेइवोकनहिआवा॥बनचरकोलकिरातबिचारे॥थकेबिलोकिपथिकहियहारे॥आश्रमउदधिमिलीजबजाई॥म

नहुउदेअंबुधिअकुलाई॥शोकविकलद्वौराजसमाजा।रहानज्ञाननधीर-
जलाजा॥भूपरूपगुणशीलसराही॥रोवहिंशोकसिंधुअवगाही॥ ॥छंद
॥ ॥अवगाहिशोकसमुद्रशोचहिनारिनरव्याकुलमहा॥देदोषसकलस
रोषबोलहिंवामविधिकीन्होकहा॥२३॥सुरसिद्धतापसयोगीजनमुनिदशा
देखिबिदेहकी॥तुलसीनसमरथकोउजोंतरिशकेसरितसनेहकी॥२४॥
॥सोरठा॥ ॥किएअमितउपदेश॥जहंतहंलोगनमुनिवरन॥धीरजध
रियनरेश॥कहेउबशिष्ठबिदेहसन॥२८०॥ ॥चौपाई॥ ॥जासुज्ञानर
विभवनिशिनाशा॥बचनकिरणमनकमलविकाशा॥तेहिकिमोहममतानि
यराई॥यहसियरामसनेहबड़ाई॥विषयीसाधकसिद्धसयाने॥त्रिविध-
जीवजगवेदबखाने॥रामसनेहसरसमनजासु॥साधुसभाबडआदरता
सु॥सोहनरामप्रेमबिनुज्ञाना॥कर्णधारबिनुजिमिजलयाना॥मुनिबा
हुविधविदेहसमुझाए॥रामघाटसबलोगनहाए॥सकलशोकसंकुलनर-
नारी॥सोबासरबीतेउबिनुबारी॥पशुखगमृगननकीन्हअहारा॥प्रिय
परिजनकरकबनबिचारा॥ ॥दोहा॥ ॥दोउसमाजनिमिराजमिलि॥
रामनहानेप्रात॥बैठेसबवटबिटपतर॥मनमलीनकृशगात॥२८१॥
॥चौपाई॥ ॥जेमहिसुरदशरथपुरवासी॥जेमिथिलापतिनगरनि
वासी॥हंसबंशगुरुजनकपुरोधा॥जिनजगमगपरमारथशोधा॥लगे
कहनउपदेशअनेका॥सहितधर्मनयबिरतिबिबेका॥कौशिककहिकहि
कथापुराणी॥समुझाइसबसभासुबाणी॥तबरघुनाथकौशिकहिकहे
ऊ॥नाथकालिजलबिनुसबरहेऊ॥मुनिकहउचितकहतरघुराई॥गयउ
बीतिदिनपहरअढाई॥ऋषिरुषलखिकहतिरहुतिराजू॥इहांउचितनहि-
अशनअनाजू॥कहाभूपबलसबहिंसोहाना॥पाइरजायसुचलेनहाना
॥ ॥दोहा॥ ॥तेहिअवसरफलफूलदल॥मूलअनेकप्रकार॥लेआ
एबनचरविपुल॥भरिभरिकावरिभार॥२८२॥ ॥चौपाई॥ ॥कामदभे

गिरिरामप्रसादा॥अवलोकतअपहरतबिषादा॥सरसरितावनसभूमि
बिभागा॥जनुउमगतआनंदअनुरागा॥बेगिबिटपसबसफलसफूला॥
बोलतखगमृगअतिअनुकूला॥तेहिअवसरवनअधिकउछाहू॥त्रिविध
समीरसुखदसबकाहू॥जाईनबरणिमनोहरताई॥जनुमहिकरतजनकप
हुनाई॥तबसबलोगनहाइनहाई॥रामजनकमुनिआयसुपाई॥देखिदे
खितरुवरअनुरागे॥जहंतहंपुरजनउतरणलागे॥दलफलफूलकंदविध-
नाना॥पावनसुंदरसुधासमाना॥ ॥दोहा॥ ॥सादरसबकहंरामगु
रु॥पठएभरिभरिभार॥पूजिपितरसुरगुरुअतिथि॥लगेकरणफलहार
॥२८३॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिबिधवासरबीतेचारी॥रामनिरखिनरना-
रिसुखारी॥दुहुसमाजअसरुचिमनमाहीं॥बिनुसियरामफिरवभलना
हीं॥सीतारामसंगबनवासू॥कोटिअमरपुरसरिससुपासु॥परिहरिल
षणरामबैदेही॥जेहिघरभावबामबिधितेही॥दाहिनदेवहोइजवसवहीं
॥रामसमीपसियवनतबही॥मंदाकिनिमज्जननिहुकाला॥रामदरशमु
दमंगलमाला॥अटनरामगिरिवनतापसथल॥अशनअमियसमकंद
मूलफल॥सुखसमेतसंवतदुइसाता॥पलसमहोहिनजानीयजाता॥
॥दोहा॥ ॥यहिसुखयोगनलोगसब॥कहहिकहाअसभाग॥सहज
सुभावसमाजदुहुं॥रामचरणअनुराग॥२८४॥ ॥चौपाई॥ ॥इहि
बिधिसकलमनोरथकरहीं॥वचनसप्रेमसुनतमनहरहीं॥सीयमातुतेहि
समयपठाई॥दासीदेखिसुअवसरआई॥सावकाशसुनिसबसियसासु
॥आएउजनकराजरनिवासु॥कौशल्यासादरसनमानी॥आसनदीन्ह
समयसबजानी॥शीलसनेहसरसदुहुंओरा॥द्रवहिंदेखिसुनिकुलिश
कठोरा॥पुलकशिथिलतनुवारिबिलोचन॥महिनखलिखनलगीसबशो
चन॥सबसियरामप्रेमकीमूरति॥जनुकरुणाबहुवेषविसूरति॥सीय
मातुकहविधिबुधिबांकी॥जिमिपयफेनुफोरपबिटांकी॥ ॥दोहा॥

सुनियसुधादेखियगरल॥ सबकरतूतिकराल॥ जहंतहंकाकउलूकब
क॥ मानसस्वकृतमराल॥२८५॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिसकोचकहदे
विसुमित्रा॥ विधिगतिअतिविपरीतविचित्रा॥ जोसृजिपालइहरइबहोरी॥
वालकेलिसमविधिमतिमोरी॥ कौशल्याकहदोषनकाहू॥ कर्मविवशदुखसु
खक्षतिलाहू॥ कठिनकर्मगतिजानविधाता॥ जोशुभअशुभकर्मफलदाता
॥ईशरजाइशीससबहींके॥ उतपतिथितिलयविषहुअमीके॥ देविमोहबश
सोचियवादी॥ विधिप्रपंचअसअचलअनादी॥ भूपतिजियवमरबउरआ
नी॥ शोचियसखिलखिनिजहितहानी॥ सीयमातुकहसत्यसुबानी॥ सु
कृतअवधिअवधपतिरानी॥ ॥दोहा॥ ॥लषणराममसियजाहिंबन॥ भ
लिपरिणामनपोच॥ गहवरिहियकहकौशल्या॥ मोहिभरतकरशोच॥२८६
॥ ॥चौपाई॥ ॥ईशप्रसादअाशीसतुह्मारी॥ सुतसुतवधूदेवसरिवारी
॥ रामशपथमैंकीन्हनकाऊ॥ सोकरिसरवीकहोंसतिभाऊ॥ भरतशीलगुण
बिनयबडाई॥ भायपभक्तिभरोसभलाई॥ कहतशेषशारदमतिहीने॥ साग
रसींपकिकुरन्हउलीचे॥ जानौंसदाभरतकुलदीपा॥ बारबारमोहिकहेउम-
हीपा॥ कसैकनकमणिपारिषपाए॥ पुरुषपरीक्षियसमयसुभाए॥ अनु
चितअाजुकहवअसमोरा॥ शोकसनेहसयानपथोरा॥ सुनिसुरसरिसम
पावनिबानी॥ भईसनेहबिकलसबरानी॥ ॥दोहा॥ ॥कौशल्याकह-
धीरधरि॥ सुनहुदेविमिथिलेशि॥ कोविवेकनिधिवल्लभहिं॥ तुमहिंशकैउ
पदेशि॥२८७॥ ॥चौपाई॥ ॥रानिरायसनअवसरपाई॥ अापनिभां
तिकहबसमुझाई॥ राखियलषणभरतगवनहिंबन॥ जोयहमतमानैमही
पमन॥ सोभलयतनकरबसुबिचारी॥ मोरेशोचभरतकरभारी॥ गूढसनेह
भरतमनमाहीं॥ रहेनीकमोहिलागतनाहीं॥ लखिसुभावसुनिसरलसु-
बानी॥ सबभइमगनकरुणरससानी॥ नभप्रसूनझरिधन्यधन्यध्वनि॥
शिथिलसनेहसिद्धयोगीमुनि॥ सबरनिवासविथकिलखिरहेऊ॥ तबधरिधी

रस्फमिश्राकहेऊ॥ देविदंडसुगयामिनिवीती॥ राममातुस्फनिउठीसप्रीती
॥ ॥दोहा॥ ॥वेगिपायधारियथलहि॥कहिसनेहसतिभाय॥हमरेत
वअवईशगति॥कीमिथिलेशसहाय॥२८८॥ ॥लखिसनेहस्फनिबचन-
विनीता॥जनकप्रियागहिपायपुनीता॥देविउचितअसविनयतुह्मारी॥द
शरथघरणिराममहतारी॥प्रभुअपनेनीचहुआदरहीं॥अग्निधूमगिरि-
शिरतृणधरहीं॥सेवकराउकर्ममनबानी॥सदासहायमहेशभवानी॥रौरे
अगयोगजगकोहे॥दीपसहायकिदिनकरसोहे॥रामजाइवनकरिस्फरका-
जु॥अचलअवधपुरकरिहहिंराजु॥अमरनागनररामबाहुबल॥स्फखब-
सिहहिंअनेअपनेथल॥इहसबयाज्ञवल्क्यकहिराखा॥देविनहोईमृषमु-
निभाषा॥ ॥दोहा॥ ॥असकहिपदपरिप्रेमअति॥सितहियविनय
सुनाइ॥सियसमेतसियमातुसब॥चलीसुआयस्फपाइ॥२८९॥ ॥चौपा
ई॥ ॥प्रियपरिजनहिंमिलीबैदेही॥जोजेहियोगभांतितेहितेहीं॥तापसवे
षजानकिहिंदेषी॥भेसबबिकलबिषादविशेषी॥जनकरामगुरुआयसुपाई
॥चलेथलहिसियदेखेउआई॥लीन्हलाइउरजनकजानकी॥पाहुनिपावनि
प्रेमप्राणकी॥उरउमगेउअबुधअनुरागू॥भयउभूपमनमनहुप्रयागू॥सि
यसनेहवटवाढतजोहा॥तापररामप्रेमशिशुसोहा॥चिरंजीविमुनिज्ञान
विकलजनु॥बूडतलहेउबालअवलंबनु॥मोहमगनमतिनहिविदेहकी॥म
हिमासीयरघुवरसनेहकी॥ ॥दोहा॥ ॥सीयपितुमातुसनेहवश॥विक
लनशकेसंभारि॥धरणिस्फताधीरजधरेउ॥समयस्फधर्मबिचारि॥२९०॥
॥चौपाई॥ ॥तापसवेषजनकसियदेषी॥भएउप्रेमपरितोषविशेषी॥
पुत्रिपवित्रकिएकुलदोऊ॥स्फयशधवलजगकहसबकोऊ॥जिमिस्फरसरि
कीरतिसरितोरी॥गवनकीन्हविधिअंडकरोरी॥गंगअवनिथलतीनिबडेरे
॥इहिकिएसाधुसमाजघनेरे॥पितुकहसत्यसनेहस्फबानी॥सीयसंकुचम
नमहुसमानी॥पुनिपितुमातुलीनउरलाई॥शिषआशिषहितदीन्हिस्फहाई॥

कहतिसंकुचिसियामनमाहीं॥इहांवसवरजनीभलनाहीं॥लखिरुखरानि
जनायउराऊ॥हृदयसराहतशीलसुभाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥बारबारमिलि
भेंटिसिय॥बिदाकीन्हसनमानि॥कहासमयशिरभरतगति॥रानिसुबाणि
सयानि॥२९१॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिभूपालभरतव्यवहारू॥सोनसु
गंधसुधाशशिसारू॥मुंदेसजलनयनपुलकेतन॥सुयशसराहनलागेमुदित
मन॥सावधानसुनुसुमुखिसुलोचनि॥भरतकथाभवबंधविमोचनि॥
धर्मराजनयब्रम्हविचारू॥इहांयथामतिमोरप्रचारू॥सोमतिमोरिभरतमहि
माहीं॥कहौंकाहछलछुअतिनछाहीं॥विधिगणपतिअहिपतिशिवशारद॥क
विकोविदबुधबुद्धिविशारद॥भरतचरितकीरतिकरतूती॥धर्मशीलगुणबिमल
विभूती॥समुझतसुनतसुखदसबकाहू॥शुचिसुरसरिरुचिनिदरिसुधाहू॥
॥दोहा॥ ॥निरबधिगुणनिरुपमपुरुष॥भरतभरतसमजानी॥कहियसुमे
रुकिसेरसम॥कविकुलमतिसकुचानि॥२९२॥ ॥चौपाई॥ ॥अगमस
बहिबरणतबरबरणी॥जिमिजलहीनमीनगणधरणी॥भरतअमितमहि
माकुनुरानी॥जानहिंरामनशकहिंबखानी॥बरणिसप्रेमभरतअनुभाऊ॥
तियजियकीरुचिलखिकहराऊ॥बहुरहिंलषणभरतबनजाहीं॥सवकरभल
सबकेमनमाहीं॥देविपरंतुभरतरघुवरकी॥प्रीतिप्रतीतिजाईनहिंतरकी॥यद्य
पिरामसीमसमताके॥भरतअवधिसनेहममताके॥परमारथस्वारथसुखसा
रे॥भरतनसपनेहुंमनहुंनिहारे॥साधनसिद्धरामपदनेहू॥मोहिलखिपरत
भरतमतिएहू॥ ॥दोहा॥ ॥भोरेहुभरतनपेलिहहिं॥मनमहरामरजाइ॥
करियनशोचसनेहबश॥कहेहुभूपबिलखाइ॥२९३॥ ॥चौपाई॥ ॥राम
भरतगुणगणतसप्रीती॥निसिदंपतिहिंपलकसमबीती॥राजसमाजप्रातयु
गजागे॥न्हाइन्हाइसुरपूजनलागे॥गेनहाइगुरुपहिंरघुराई॥बंदिचरणबोले
रुषपाई॥नाथभरतपुरजनमहतारी॥शोकविकलबनवासदुखारी॥सहित
समाजराउमिथिलेशू॥बहुतदिवसभेसहतकलेशू॥उचितहोइसोकीजिय

नाथा॥हितसबहीकररौरेहाथा॥ असकहिअतिसंकुचेरघुराऊ॥मुनिपुल केलखिशीलसुभाऊ॥ तुमबिनुरामसकलसुखसाजा॥नरकसरिसदुहुंराज समाजा॥ ॥दोहा॥ ॥प्राणप्राणकेजीवके॥सुखकेसुखतुमराम॥तुम तजितातसोहातगृ॥तिन्हहिबिधिबाम॥२९४॥ ॥चौपाई॥ ॥सोसुखक रमधुरमजाऊ॥जहांनरामपदपंकजभाऊ॥तुमबिनुदुखीसुखीतुमतेही॥ तुमजानहुजियजोजेहिकेहि॥राउरआयसुशिरसबहींके॥बिदितकृपालुहि गतिसबनीके॥आपुआश्रमहिंधारियपाऊ॥भयेउसनेहशिथिलमुनिराऊ ॥करिप्रणामतबरामसिधाए॥ऋषिधरिधीरजनकपहिंआए॥रामवचनगु रुनृपहिंसुनाए॥शीलसनेहसुभावसुहाए॥महाराजअबकीजियसोई॥ सबकरधर्मसहितहितहोई॥ ॥दोहा॥ ॥ज्ञाननिधानसुजानशुचि॥ धर्मधीरनरपाल॥तुमबिनुअसमंजसशमन॥कोसमर्थइहिकाल॥२९५॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिमुनिबचनजनकअनुरागे॥लखिगतिज्ञानबिरागबि- रागे॥शिथिलसनेहगुणतमनमाहीं॥आयेइहांकीन्हाभलनाहीं॥रामहिंरा उकहेउवनजाना॥कीन्हआपुप्रियप्रेमप्रमाना॥हमअबवनतेंबनहिंपठाई ॥प्रमुदितफिरबबिबेकबदाई॥तापसमुनिमहिसुरसुनिदेखी॥भएप्रेमबश बिकलविशेषी॥समयसमुझिधरिधीरजराजा॥चलेभरतपहिंसहितसमाजा ॥भरतआयआगेहोयलीन्हे॥अवसरसरिससुआसनदीन्हे॥तातभरतक हतिरहुतिराऊ॥तुमहिंबिदितरघुबीरसुभाऊ॥ ॥दोहा॥ ॥रामसत्यव्र तधर्मधर॥सबकरशीलसनेह॥संकटसहतसंकोचबश॥कहियसोआयसु देहु॥२९६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनितनुपुलकिनयनभरिवारि॥वालभरत धीरधरिभारी॥प्रभुप्रियपूज्यपितासमआपू॥कुलगुरुसमहितमायनबापू ॥कौशिकादिमुनिसहितसमाजू॥ज्ञानअंबुनिधिआपुनआजू॥शिशुसेव- कआयसुअनुगामी॥जानिमोहिशिखदेइयस्वामी॥इहिसमाजथलबुझव राउर॥मनमलीनमैंबोलतबाउर॥छोटेवदनकहौंबडिबाना॥क्षमवतात-

लखिवामविधाता॥ आगमनिगमप्रसिद्धपुराना॥ सेवाधर्मकठिनजगजा
ना॥ स्वामीधर्मस्वारथहिविरोधू॥ वैरअंधप्रेमहिंनप्रबोधू॥ ॥दोहा॥ ॥
राखिरामरुखधर्मव्रत॥ पराधीनमोहिजानि॥ सबकेसंमतसर्बहित॥ करि
यप्रेमपहिचानि॥२९७॥ ॥चौपाई॥ ॥भरतबचनसुनिदेखिसुभाऊ
॥सहितसमाजसराहतराऊ॥ सुगमअगममृदुमंजुकठोरे॥ अर्थअमि
तअतिआखरथोरे॥ ज्योंमुखमुकुरमुकुरनिजपाणी॥ गहिनजाइअस
अद्भुतबाणी॥ भूपभरतमुनिसाधुसमाजू॥ गेजहंविबुधकुमुदद्विजरा
जू॥ सुनिसुधिशोचविकलसबलोगा॥ मनहुंमीनगणनवजलयोगा॥ देव
प्रथमकुलगुरुगतिदेषी॥ निरखिविदेहसनेहविशेषी॥ रामभक्तिमयभरत
निहारे॥ सुरस्वारथीहहरिहियहारे॥ सबकोउराममप्रेमपयपेखा॥ भएअ
लंखशोचवशलेखा॥ ॥दोहा॥ ॥रामसनेहसंकोचबश॥ कहसशोच
सुरराज॥ रचहुप्रपंचहिंपंचमिलि॥ नाहितभएउअकाज॥२९८॥ ॥चौ
पाई॥ ॥सुरनसुमिरिशारदासराही॥ देविदेवशरणागतपाही॥ फेरिभ
रतमतिकरिनिजमाया॥ पालुविबुधकुलकरिछलछाया॥ बिबुधबिनयसु
निदेविसयानी॥ बोलीसुरस्वारथजडजानी॥ मोसनकहहुभरतमतिफे-
रु॥ लोचनसहसनसूझसमेरू॥ विधिहरिहरमायाबडिभारी॥ सोनभरत
मशंकेनिहारी॥ सोमतिमोहिकहतकरुभारी॥ चांदनिकरैकिचंद्रकरचोरी
भरतहृदयसियरामनिवासू॥ तहंकितिमिरजहंतरणिप्रकाशू॥ असक-
हिशारदगइविधिलोका॥ बिबुधबिकलनिशिमानहुंकोका॥ ॥दोहा॥
सुरस्वारथीमलीनमन॥ कीन्हकुमंत्रकुठाठ॥ रचिप्रपंचमायाप्रबल॥ भ-
एअसअआर्तउचाट॥२९९॥ ॥चौपाई॥ ॥करिकुचालिशोचतसुररा
जा॥ भरतहाथसबकाजअकाजा॥ गएजनकरघुनाथसमीपा॥ मनमाने
सबरघुकुलदीपा॥ समयसमाजधर्मअविरोधा॥ बोलेतबरघुवंसपुरोधा
॥जनकभरतसंवादसुनाई॥ भरतकहाउतिकहीसुहाई॥ तातरामजस

आयसुदेहू ॥ सोसबकरैमोरमनएहू ॥ सुनिरघुनाथजोरियुगपाणी ॥ बोलेसत्यसरलमृदुबाणी ॥ विद्यमाननआपुनमिथिलेशू ॥ मोरकहबसब भांतिभदेसू ॥ राउररायरजायसुहोई ॥ राउरिशपथसहीसिरसोई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ रामशपथसुनिमुनिजनक ॥ सकुचेसभासमेत ॥ सकलबिलोकहिंभरतमुख ॥ बनैनउत्तरदेत ॥ ३०० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सभासकुचबशभरतनिहारी ॥ रामबंधुधरिधीरजभारी ॥ कुसमयदेखिसनेहसभारा ॥ बढतविन्ध्यजिमिघटजनिवारा ॥ शोककनकलोचनमतिक्षोणी ॥ हरिबिमलगुणगणजगयोनी ॥ भरतबिबेकबराहबिशाला ॥ अनायासउधरीतेहिकाला ॥ करिप्रणामसबकहंकरजोरे ॥ रामराउगुरुसाधुनिहोरे ॥ क्षमबआजुअतिअनुचितमोरा ॥ कहउंवदनमृदुवचनकठोरा ॥ हृदयसुमिरिशारदासुहाई ॥ मानसतेंमुखपंकजआई ॥ बिमलबिबेकधर्मनयशाली ॥ भरतभारतीमंजुमराली ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ निरखिबिवेकबिलोचनन ॥ शिथिलसनेहसमाज ॥ करिप्रणामबोलेभरत ॥ सुमिरिसीयरघुराज ॥ ३०१ ॥ ॥ चौपाई ॥ प्रभुपितुमातुसुहृदयगुरुस्वामी ॥ पूज्यपरमहितअंतरजामी ॥ सरलसुसाहिबशीलनिधानू ॥ प्रणतपालसर्वज्ञसुजानू ॥ समरथशरणागतहितकारी ॥ गुणग्राहकअवगुणअघहारी ॥ स्वामिगोसांईहिंसरिसगोसांई ॥ मोहिसमानमैंस्वामिदोहाई ॥ प्रभुपितुबचनमोहबशपेली ॥ आएउइहांसमाजसकेली ॥ जगभलपोचऊंचअरुनीचू ॥ अमियअमरपदमाहुरमीचू ॥ रामरजायमेटिमनमाहीं ॥ देखासुनाकतहुंकोउनाहीं ॥ सोमैंसबबिधिकीन्हिढिठाई ॥ प्रभुमानीसनेहसेवकाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कृपाभलाईआपनी ॥ नाथकीन्हभलमोर ॥ दूषणभेभूषणसरिस ॥ सुयशचारुचहुंओर ॥ ३०२ ॥ चौपाई ॥ ॥ राउरिरीतिसुबाणिबडाई ॥ जगतबिदितनिगमागमगाई ॥ क्ररकुटिलखलकुमतिकलंकी ॥ नीचनिशीलनिरीशनिशंकी ॥ तेसुनिशरणसामुहेंआए ॥ सकृतप्रणामकिएअपनाए ॥ देखिदोषकबहुनउरआने ॥ सु

१ हिरण्याक्ष. २ पृथ्वी. ३ एकबार.

निगुणसाधुसमाजबखाने॥कोसाहिबसेवकहिनिवाजी॥आपुसमानसा
जसबसाजी॥निजकरतूतिनसमुझियसपने॥सेवकसकुचशोचउरअप
ने॥सोगोसांइनहिदूसरकोपी॥भुजाउठाइकहौंपणरोपी॥पशुनाचतशु
कपाठप्रबीना॥गुणगतिनटपाठकअधीना॥ ॥दोहा॥ ॥योंसुधारि
सनमानिजन॥किएसाधुशिरमोर॥कोकृपालुबिनुपालिहय॥बिरुदावलि
वरजोर॥३०३॥ ॥चौपाई॥ ॥शोकसनेहकिबालसुभाए॥आएउ
राउरजांयमिटाए॥तबहुंकृपालुहेरिनिजओरा॥सबहिंभांतिभलमानेहु
मोरा॥देखेउंपायसुमंगलमूला॥जानेउंस्वामिसहजअनुकूला॥बडेसमा
जबिलोकेउभागू॥बडीचूकसाहिबअनुरागू॥कृपाअनुग्रहअंगअघाई
॥कीन्हिकृपानिधिसबअधिकाई॥सखामोरदुलारगोसांई॥अपनेशील
सुभावभलाई॥नाथनिपटमैकीन्हिढिठाई॥स्वामिसमाजसंकोचबिहाई॥
अबिनयबिनययथारुचिबाणी॥क्षमियदेवअतिआरतजाणी॥ ॥दो
हा॥ ॥सुहृदसुजानसुसाहिबहिं॥बहुतकहवबडिखोरि॥आयसुदेइ
यदेवअब॥सबहिसुधारियमोरि॥३०४॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुपदपद्म
परागदोहाई॥सत्यसुकृतसुखसीमसुहाई॥सोकरिकहौंहियेअपनेकी
॥रुचिजागतसोवतसपनेकी॥सहजसनेहस्वामिसेवकाई॥स्वारथछल
फलचारिबिहाई॥अज्ञासमनहिसाहिबसेवा॥सोप्रसादजनपावैदेवा॥
असकहिप्रेमबिबशभएभारी॥पुलकशरीरबिलोचनबारी॥प्रभुपदकमल
गहेअकुलाई॥समयसनेहनसोकहिजाई॥कृपासिंधुसनमानिसुबाणी॥
बैठाएसमीपगहिपाणी॥भरतबिनयसुनिदेखिसुभाऊ॥शिथिलसनेहसभा
भारघुराऊ॥ ॥छंद॥ ॥रघुराउशिथिलसनेहसाधुसमाजमुनिमिथिला
धनी॥मनमहंसराहतभरतभायपभक्तिकीमहिमाघनी॥२५॥भरतहिप्रशं
सतबिबुधबरषतसुमनमानसमलिसने॥तुलसीविकलसबलोगसुनिशकु
चेनिशागमनलिनसे॥२६॥ ॥सोरठा॥ ॥देखिदुखारीदीन॥दुहुसमाज

नरनारिसब॥ मघवामहामलीन॥सुएमारिमंगलन्चहत॥३०५॥ ॥चौपा
ई॥ ॥कपटकुचालिसीससुरराजू॥ परअकाजप्रियआपनकाजू॥ काक
समानपाकरिपुरीती॥ छलीमलीनकतहूनप्रतीती॥ प्रथमकुमतिकरिकप
टसकेला॥ सोउचाटसबकेशिरमेला॥ सुरमायासबलोगविमोहे॥ रामप्रेम
अतिशयनबिछोहे॥ भएउचाटबसमनथिरनाहीं॥ क्षणबनरुचिक्षणस
दनसोहाहीं॥ दुबिधमनोगतप्रजादुखारी॥ सरितसिंधुसंगमजिमिवारी॥
दुचितकतहुंपरितोषनलहहीं॥ एकएकसनमर्मनकहहीं॥ लखिहियहसिगु
णिकृपानिधानू॥ सरिसश्वानमघवाकरवानू॥ ॥दोहा॥ ॥भरतजनकमु
निगणसचिव॥ साधुसमाजबिहाई॥ लगीदेवमायासबहिं॥ यथायोगजन
पाइ॥३०६॥ ॥चौपाई॥ ॥कृपासिंधुलखिलोगदुखारे॥ निजसनेहसुर
पतिछलभारे॥ सभारावगुरुमहिसुरमंत्री॥ भरतभक्तिसबकीमतियंत्री॥ रा
महिंचितवतचित्रलिखेसे॥ सकुचतबोलतबचनशिरखेसे॥ भरतप्रीतिनीति
बिनयबडाई॥ सुननसुखदबरणनकठिनाई॥ जासुबिलोकिभक्तिबललेशू
॥ प्रेममगनमुनिगणमिथिलेशू॥ महिमातासुकहैकिमितुलसी॥ भक्तिप्रभावसु
मतिहियहुलसी॥ आपुछोटमहिमाबडिजानी॥ कबिकुलकानिमानिसकुचा-
नी॥ कहिनशकतिगुणरुचिअधिकाई॥ मतिगतिबालबचनकीनाई॥ ॥
दोहा॥ ॥भरतबिमलयसबिमलबिधु॥ सुमतिचकोरकुमारि॥ उदितबि
मलजनहृदयनभ॥ एकटकरहीनिहारि॥३०७॥ ॥चौपाई॥ ॥भरत
प्रभावनसुगमनिगमहूं॥ लघुमतिचापलताकबिक्षमहूं॥ कहतसुननस
तिभावभरतको॥ सीयरामपदहोइनरतको॥ सुमिरतभरतहिप्रेमरामको
॥ जेहिनसुलभतेहिसरिसबामको॥ देखिदयालुदशासबहीकी॥ रामसु
जानजानिजनजीकी॥ धर्मधुरीणधीरधरनागर॥ सत्यसनेहशीलसुखसा
गर॥ देशकाललखिसमयसमाजू॥ नीतिप्रीतिपालकरघुराजू॥ बोलेबचनबा
णीसरबससे॥ हितपरिणामसुनतशशिरससे॥ तातभरततुमधर्मधुरी-

णा॥ लोकबेदबिधिपरमप्रबीणा॥ ॥दोहा॥ ॥कर्मबचनमानसबि-
मल॥ तुमसमानतुमतात॥ गुरुसमाजलघुबंधुगुण॥ कुसमयकिमिक-
हिजात॥ ३०८॥ ॥चौपाई॥ ॥जानहुताततरणिकुलरीती॥ सत्यसं
धपितुकीरतिप्रीती॥ समयसमाजलाजगुरुजनकी॥ उदासीनहितअन-
हितमनकी॥ तुमहिंबिदितसबहींकरमरमू॥ आपनमोरपरमहितधरमू
॥ मोहिसबभांतिभरोसतुह्मारा॥ तदपिकहउंअवसरअनुसारा॥ तातता
तबिनुबातहमारी॥ केवलकुलगुरुकृपासंभारी॥ नतरुप्रजापुरजनपरिवा
रू॥ हमहिंसहितसबहोतखुआरू॥ जौंबिनुअवसरअथबदिनेशू॥ जग
कहंकाहेनहोइकलेशू॥ तसउत्पाततातबिधिकीन्हा॥ मुनिमिथिलेशराखि
सबलीन्हा॥ ॥दोहा॥ ॥राजकाजसबलाजपति॥ धर्मधरणिधनधाम॥
गुरुप्रभावपालिहिंसबहि॥ भलहोइहिपरिणाम॥ ३०९॥ ॥चौपाई॥ ॥
सहितसमाजतुम्हारहमारा॥ घरबनगुरुप्रसादरखवारा॥ मातुपितागुरु-
स्वामिनिदेशू॥ सकलधर्मधरणीधरुदेशू॥ सोतुमकरवहुकरावहुमोहू॥
ताततरणिकुलपालकहोहू॥ साधनएकसकलसिधिदेनी॥ कीरतिसुगति
भूतिमयवेनी॥ सोबिचारिसहिसंकटभारी॥ करहुप्रजापरिवारसुखारी॥ बां
टिबिपतिसबहिंमोरिभाई॥ तुमहिंअवधिभरिअतिकठिनाई॥ जानितुमहिंमृदु
कहौंकठोरा॥ कुसमयताततनअनुचितमोरा॥ होहिंकुठांवसुबंधुसुहाए॥ ओ
डियकरअसनिहुकेघाए॥ ॥दोहा॥ ॥सेवककरपदनयनसे॥ मुखसो
साहिबहोइ॥ तुलसीप्रीतिकीरीतिसुनि॥ सुकबिसराहहिंसोइ॥ ३१०॥ ॥
चौपाई॥ ॥सभासकलसुनिरघुवरबानी॥ प्रेमपयोनिधिअमियजनुसानी
॥ शिथिलसमाजसनेहसमाधी॥ देखिदशाचुपशारदसाधी॥ भरतहिंभएउप
रमसंतोषू॥ सनमुखस्वामिबिमुखदुखदोषू॥ मुखप्रसन्नमनमिटाविषादू॥ भा
जनुगुंगहिंगिराप्रसादू॥ कीन्हसप्रेमप्रणामबहोरी॥ बोलेपाणिपंकरुहजोरी
॥ नाथभएउसुखसाथगएको॥ लहेउंलाभजगजन्मभएको॥ अबकृपालुज-

सञायसुहोई॥ करौंसीसधरिसादरसोई॥ सोअवलंबदेवमोहिदेई॥ अवधिपारपावउंजेहिसेई॥ ॥दोहा॥ ॥ देवदेवअभिषेकहित॥ गुरुअनुशासनपाइ॥ आनेउंसबतीरथसलिल॥ तेहिंकहंकहारजाइ॥३११॥ ॥चौपाई॥ एकमनोरथबड़मनमाहीं॥ भएउसकोचजातकहिनाहीं॥ कहहुतातप्रभुआयसुपाई॥ बोलेवचनसनेहसुहाई॥ चित्रकूटमुनिथलतीरथबन॥ खगमृगसरिसरनिर्झरगिरिगण॥ प्रभुपदअंकितअवनिविशेखी॥ आयसुहोइतोआवउंदेखी॥ अवशिअत्रिआयसुशिरधरहू॥ तातविगतभयकाननचरहू॥ मुनिप्रसादबनमंगलदाता॥ पावनपरमसोहावनभ्राता॥ ऋषिनायकजहंआयसुदेहीं॥ राखेहुतीरथजलथलतेहीं॥ सुनिप्रभुबचनभरतसुखपावा॥ मुनिपदकमलमुदितशिरनावा॥ ॥दोहा॥ ॥ भरतरामसंवादसुनि॥ सकलसुमंगलमूल॥ सुरस्वारथीसराहिंकुल॥ हर्षितबरषहिंफूल॥३१२॥ ॥चौपाई॥ ॥ धन्यभरतजयरामगोसांई॥ कहतदेवहर्षितबरिआई॥ मुनिमिथिलेशसभासबकाहू॥ भरतबचनसुनिभएउउछाहू॥ भरतरामगुणग्रामसनेहू॥ पुलकिप्रशंसितराउविदेहू॥ सेवकस्वामिसुभावसुहावन॥ नेमप्रेमअतिपावनपावन॥ मतिअनुसारसराहनलागे॥ सचिवसभासदसबअनुरागे॥ सुनिसुनिरामभरतसंवादू॥ दुहुसमाजहियहर्षविषादू॥ राममातुदुखसुखसमजानी॥ कहिगुणदोषप्रबोधीरानी॥ एककहिंरघुबीरबड़ाई॥ एकसराहतभरतभलाई॥ ॥दोहा॥ ॥ अत्रिकहेउतबभरतसन॥ शैलसमीपसुकूप॥ राखियतीरथतोयतहं॥ पावनअमलअनूप॥३१३॥ ॥चौपाई॥ ॥ भरतअत्रिअनुशासनपाई॥ जलभाजनसबदिएचलाई॥ सानुजआपुअत्रिमुनिसाधू॥ सहितगएजहंकूपअगाधू॥ पावनपाथपुण्यथलराखा॥ प्रमुदितप्रेमअत्रिअसभाषा॥ तातअनादिसिद्धथलएहू॥ लोपेउकालबिदितनहिंकेहू॥ तबसेवकनसरसथलदेखा॥ कीन्हसुजलहितकूपविशेषा॥ बिधिबशभयेउविश्वउपकारू॥ सुगमअगमअतिधर्मविचारू॥

॥ भरतकूपअबकहिहैंलोगा ॥ अतिपावनतीरथजलयोगा ॥ प्रेमसनेमनिमज्जनप्राणी ॥ होइहहिंबिमलकर्ममनबाणी ॥ ॥दोहा॥ ॥ कहतकूपमहिमासकल ॥ गएजहांरघुराउ ॥ अत्रिसुनायेउरघुवरहिं ॥ तीरथपुण्यप्रभाउ ॥३१४॥ ॥चौपाई॥ ॥कहतधर्मइतिहाससप्रीती ॥ भयेउभोरनिशिसोसुखबीती ॥ नित्यनिवाहिभरतदोउभाई ॥ रामअत्रिगुरुआयसुपाई ॥ सहितसमाजसाजसबसादे ॥ चलेरामबनअटनपयादे ॥ कोमलचरणचलतबिनुपनही ॥ भईमृदुभूमिसकुचिमनमनही ॥ कुशकंटककांकरीकुराई ॥ कटुककठोरकुबस्तुदुराई ॥ महिमंजुलमृदुमारगकीन्हे ॥ बहतसमीरत्रिबिधिसुखलीन्हे ॥ सुमनबरणिसुरघनकरिछांही ॥ बिटपफूलिफलितृणमृदुलाही ॥ मृगबिलोकिखगबोलिसुबानी ॥ सेवहिंसकलरामप्रियजानी ॥ ॥दोहा॥ ॥सुलभसिद्धिसबप्राकृतहुं ॥ रामकहतजंभुहात ॥ रामप्राणप्रियभरतकहं ॥ यहनहोयबडिबात ॥३१५॥ ॥चौपाई॥ ॥ इहिबिधिभरतफिरतबनमाहीं ॥ नेमप्रेमलखिमुनिसकुचाहीं ॥ पुण्यजलाश्रयभूमिविभागा ॥ खगमृगतरुतृणगिरिबनबागा ॥ चारुविचित्रपवित्रविशेषी ॥ बूझतभरतदिव्यथलदेषी ॥ सुनिमनमुदितकहतऋषिराऊ ॥ हेतुनामगुणपुण्यप्रभाऊ ॥ कतहुनिमज्जनकतहुंप्रणामा ॥ कतहुंबिलोकतबनअभिरामा ॥ कतहुंबैठिमुनिआयसुपाई ॥ सुमिरतसीयसहितदोभाई ॥ देखिसुभावसनेहसुसेवा ॥ देतअशीसमुदितवनदेवा ॥ फिरहिंगयेदिनपहरअदाई ॥ प्रभुपदकमलबिलोकहिंआई ॥ ॥दोहा॥ ॥देखेथलतीरथसकल ॥ भरतपांचदिनमाऊ ॥ कहतसुनतहरिहरसुयश ॥ गयउदिवसभइसांऊ ॥३१६॥ ॥चौपाई॥ ॥ भोरन्हाइसबराजसमाजू ॥ भरतभूमिसुरतिरहुतिराजू ॥ भलदिनआजुमानिमनमाहीं ॥ रामकृपालुकहतसकुचाहीं ॥ गुरुनृपभरतसमाअवलोकी ॥ सकुचिरामफिरिअवनिबिलोकी ॥ शीलसराहिसभासबशोची ॥ कहुंनरामसमस्वामिसकोची ॥ भरतसुजानरामरुखदेखी ॥ उठिसप्रेमधरिधीरविशेषी ॥ करिदं

डवनिकहतकरजोरी॥राखीनाथसकलरुचिमोरी॥मोहिलगिसबहिंसहेउसंतापू॥बहुतभांतिदुखपावाआपू॥अबगोसांइमोहिदेउरजाई॥सेवौंअवधिअवधलगिजाई॥ ॥दोहा॥ ॥जेहिंउपायपुनिपायजन॥देखेदीनदयालु॥सोशिखदेइयअवधिलगि॥कोशलपालकृपालु॥३१७॥ ॥चौपाई॥ ॥पुरजनपरिजनप्रजागोसांई॥सबशुचिसरिससनेहसगाई॥राउरसंगभलभवदुखदाहू॥प्रभुविनुवादिपरमपदलाहू॥स्वामिसुजानजानिसबहीकी॥रुचिलालसारहनिजनजीकी॥प्रणतपालपालहिंसबकाहू॥देवदुहूदिशिओरनिवाहू॥असमोहिसबबिधिभूरिभरोसो॥कियेविचारनशोचखरोसो॥आरतिमोरिनाथकरछोहू॥दुहुमिलिकीन्हढीठहठिमोहू॥यहबडदोषदूरिकरिस्वामी॥तजिसंकोचशिखइयअनुगामी॥भरतबिनयसुनिसबहिंप्रशंसी॥क्षीरनीरविवरणगतिहंसी॥ ॥दोहा॥ ॥दीनबंधुसुनिबंधुके॥बचनदीनछलहीन॥देशकालअवसरसरिस॥बोलेरामप्रवीन॥३१८॥ ॥चौपाई॥ ॥ताततुह्मारमोरपरिजनकी॥चिंतागुरुहिनृपहिघरबनकी॥माथेपरगुरुमुनिमिथिलेशू॥हमहिंतुमहिंसपनेहुकलेशू॥मोरतुम्हारपरमपुरुषारथ॥स्वारथसुयशधरमपरमारथ॥पितुआयसुपालियदुहुभाई॥लोकवेदभलभूपभलाई॥गुरुपितुमातुस्वामिशिखपाले॥चलतसुमगुपगुपरतनखाले॥असबिचारिसबशोचविहाई॥पालहुअवधअवधिभरिजाई॥देशकोसपुरजनपरिवारू॥गुरुपदरजहिलागछरभारू॥तुमसुनिमातुसचिवशिखमानी॥पालहुभूमिप्रजारजधानी॥ ॥दोहा॥ ॥मुखिआमुखसोचाहिये॥खानपानकहएक॥पालेपोषैसकलअंग॥तुलसीसहितबिबेक॥ ॥३१९॥ ॥चौपाई॥ ॥राजधर्मसरबसइतनोई॥जिमिमनमांहमनोरथगोई॥बंधुप्रबोधकीन्हबहुभांती॥बिनुअधारमनतोषनशांती॥भरतशीलगुरुसचिवसमाजू॥संकुचसनेहबिबशरघुराजू॥प्रभुकरिकृपापांवरीदीन्ही॥सादरभरतशीसधरिलीन्ही॥चरणपीठकरुणानिधानके॥

जनुयुगजामिकप्रजाप्राणके॥संपुटभरतसनेहरतनके॥आखरयुगजनु
जीवयतनके॥कुलकपाटकरकुशलकर्मके॥बिमलनयनसेवासुधर्मके॥
भरतमुदितअवलबलहेते॥असुरवजससियरामरहेते॥ ॥दोहा॥
मांगेउबिदाप्रणामकरि॥रामलियेउरलाइ॥लोगउचाटेअमरपति॥कुटिल
कुअवसरपाइ॥३२०॥ ॥चौपाई॥ ॥सोकुचालिसबकहंभइनीकी॥
अवधिआशसबजीवनजीकी॥नतरुलखणसियरामबियोगा॥हहरिमरत
सबलोगकुरोगा॥रामकृपाअवरेवसुधारी॥बिबुधधारभैगुणदगोहारी॥
भेंटतभुजभरिभाइभरतसो॥रामप्रेमरसकहिनपरतसो॥तनमनबचनउ
मगिअनुरागा॥धीरधुरंधरधीरजत्यागा॥बारिजलोचनमोचतबारी॥दे
खिदशासुरसभादुखारी॥मुनिगणगुरुजनधीरजनकसे॥ज्ञानअनलमन
कसेकनकसे॥जेबिरंचिनिरलेपउपाए॥पद्मपत्रजिमिजगजलजाए॥ ॥
दोहा॥ ॥तेउबिलोकिरघुवरभरत॥प्रीतिअनूपअपार॥भएमगनमन
तनुबचन॥सहितबिरागबिचार॥३२१॥ ॥चौपाई॥ ॥जहांजनकगु
रुगतिमतिभोरी॥प्राकृतप्रीतिकहतबडखोरी॥बरणतरघुवरभरतबियोगू
॥सुनिकठोरकबिजानिहिलोगू॥सोसकोचबशअकथसुबानी॥समयसने
हसुमिरिसकुचानी॥भेटिभरतरघुवरसमुझाए॥पुनिरिपुदमनहर्षिहिय
लाए॥सेवकसचिवभरतसुखपाई॥निजनिजकाजलगेसबजाई॥सुनिदा
रुणदुखराजसमाजा॥लगेचलनकेसाजनसाजा॥प्रभुपदपद्मबंदिदोभा
ई॥चलेशीसधरिरामरजाई॥मुनितापसवनदेवनिहोरी॥सबसनमानि
बहोरिबहोरी॥ ॥दोहा॥ ॥लषणहिभेटिप्रणामकरि॥शिरधरिसिय
पदधूरि॥चलेसप्रेमआशिषसुनि॥सकलसुमंगलभूरि॥३२२॥ ॥चौपाई
॥ ॥सानुजरामनृपहिंशिरनाई॥कीन्हिबहुतबिधिबिनयबडाई॥देवदयाब
शवडदुखपाए॥सहितसमाजकाननहिआए॥पुरपगुधारियदइअशीसा॥की
न्हधीरधरिगमनमहीशा॥मुनिमहिदेवसाधुसनमाने॥बिदाकिएहरिहरसमजा

ने॥ सासुसमीपगए द्वौभाई॥ फिरेंबंदिपदआशिषपाई॥ कौशिकवामदेव-
जाबाली॥ परिजनपुरजनसचिवसुचाली॥ यथायोगकरिबिनयप्रणामा॥
बिदाकिएसबसानुजरामा॥ नारिपुरुषलघुमध्यबडेरे॥ सबसनमानिकृपा
निधिफेरे॥ ॥दोहा॥ ॥भरतमातुपदबंदिप्रभु॥ शुचिसनेहमिलिभेंटि॥
बिदाकीन्हसजिपालकी॥ सकुचशोचसबमेटि॥ ३२३॥ ॥चौपाई॥ ॥प



रिजनमातुपितुहिमिलिसीता॥ फिरिप्राणप्रियप्रेमपुनीता॥ करिप्रणामभे
टिसबसासू॥ प्रीतिकहतकबिहियनहुलासू॥ सुनिशिखअभिमतआशिषपा
ई॥ रहीसीयदुहुंप्रीतिसमाई॥ रघुपतिपटुपालकीमंगाई॥ करिप्रबोधसबमातु
चढाई॥ बारबारहिलिमिद्वौभाई॥ समसनेहजननीपहुंचाई॥ साजिबाजिगज
वाहननाना॥ भूपभरतदलकीन्हपयाना॥ हृदयरामसियलषणसमेता॥ चले
जाहिंसबलोगअचेता॥ सबहिबाजिगजपशुहियहारे॥ चलेजाहिंपरबशम-
नमारे॥ ॥दोहा॥ ॥गुरुगुरुतियपदबंदिप्रभु॥ सीतालषणसमेत॥ फिरे

हर्षविस्मयसहित॥आएपर्णनिकेत॥३२४॥ ॥चौपाई॥ ॥बिदाकीन्ह
सनमानिनिषादू॥चलेउहृदयबडिबिरहबिषादू॥कोलकिरातभिल्लबनचारी॥
फेरेफिरेजोहारिजुहारी॥प्रभुसियलषणबैठिबटछांहीं॥प्रियपरिजनवियोग-
बिलखाहीं॥भरतसनेहसुभावसुबानी॥प्रियाअनुजसनकहतबखानी॥प्री



तिप्रतीतिबचनमनकरणी॥श्रीमुखरामप्रेमबशकरणी॥तेहिंअवसरखगमृग
जलमीना॥चित्रकूटचरअचरमलीना॥बिबुधबिलोकिदशारघुवरकी॥वरषिसु
मनकहिगतिघरघरकी॥प्रभुप्रणामकरिदीन्हभरोसो॥चलेमुदितमनडरनखरो
सो॥ ॥दोहा॥ ॥सानुजसीयसमेतप्रभु॥राजतपर्णकुटीर॥भक्तिज्ञानवैरा
ग्यजनु॥सोहतधरेशरीर॥३२५॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिमहिसुरगुरुभरतभु-
आलू॥रामबिरहसबसाजबेहालू॥प्रभुगुणग्रामगुणतमनमाहीं॥सबचुपचाप
चलेमगुजाहीं॥यमुनाउतरिपारसबभएऊ॥सोवासरबिनुभोजनगएऊ॥उतरिदे
वसरिदूसरवासू॥रामसखासबकीन्हसुपासू॥सईउतरिगोमतीनहाए॥चौथे
दिवसअवधपुरआए॥जनकरहेपुरवासरचारी॥राजकाजसबसाजसंभारी॥

सौंपिसचिवगुरुभरतहिंराजू॥ तिरहुतचलेसाजिसबसाजू॥ नगरनारिनर-
गुरुशिखमानी॥ वसैसुखेनरामरजधानी॥ ॥दोहा॥ ॥रामदरशलगिलो-
गसब॥ करतनेमउपवास॥ तजितजिभूषणभोगसुख॥ जिअतअवधिकी-
आश॥ ३२६॥ ॥चौपाई॥ ॥सचिवसुसेवकभरतप्रबोधे॥ निजनिजकाज
पाइशिषशोधे॥ पुनिशिषदीनिबोलिलघुभाई॥ सौंपिसकलमातुसेवकाई॥ भू
सुरबोलिभरतकरजोरे॥ करिप्रणामवरबिनयनिहोरे॥ ऊंचनीचकारजभलपो
चू॥ आयसुदेवनकरवसंकोचू॥ परिजनपुरजनप्रजाबुलाए॥ समाधानकरि
सुवसबसाए॥ सानुजगेगुरुगेहबहोरी॥ करिदंडवतिकहतकरजोरी॥ आयसुहो
इतोरहउंसनेमा॥ बोलेमुनिसुनिपुलकिसप्रेमा॥ समुझबकहवकरबतुमसोई॥ धर्मसा
रजगहोइहिंजोई॥ ॥दोहा॥ ॥मुनिशिषपाइअशीषबडि॥ गणकबोलिदिनसाधि
॥ सिंहासनप्रभुपादुका॥ बैठारीनिरुपाधि॥ ३२७॥ ॥चौपाई॥ ॥राममातु
गुरुपदशिरनाई॥ प्रभुपदपीठरजायसुपाई॥ नंदिग्रामकरिपर्णकुटीरा॥ कीन्हनि
वासधर्मधुरधीरा॥ जटाजूटशिरमुनिपटधारी॥ महिखनिकुशसाथरीसंवारी॥
अशनबसनआसनव्रतनेमा॥ करतकठिनव्रतधर्मसप्रेमा॥ भूषणबसनभोग
सुखभूरी॥ मनतनुबचनतजेतृणतूरी॥ अवधराजसुरराजसिहाहीं॥ दशरथध
नदलजाहीं॥ तेहिंपुरवसतभरतविनुरागा॥ चंचरीकजिमिचंपकबागा॥ रमाविलास
रामअनुरागी॥ तजतबमनइवजनबडभागी॥ ॥दोहा॥ ॥रामप्रेमभाजन
भरत॥ बडेनइहिकरतूति॥ चातकहंससराहिअन॥ टेकबिबेकबिभूति॥ ३२८॥
चौपाई॥ ॥देहदिनहिंदिनदुवरिहोई॥ बढततेजबलमुखछबिसोई॥ नितनवरामप्रे-
मपणपीना॥ बढतधर्मबलमननमलीना॥ जिमिजलनिघतशरदप्रकाशे॥ बिलस
तबेतसवनजबिकासे॥ शमदमसंयमनेमउपासा॥ नखतभरतहियबिमलअकाश॥
॥ ध्रुवविश्वासअवधिराकासी॥ स्वामीसुरतिसुरबीथिबिकाशी॥ राम
प्रेमबिधुअचलअदोषा॥ सहितसमाजसोहनितचोषा॥ भरतरहनिस
मुझनिकरतूती॥ भक्तिबिरतिगुणबिमलबिभूती॥ बरणतसकलसु

कबिसकुचाहीं॥ शेषगणेशगिरागमनाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥नितपूजतप्र
भुपांवरी॥ प्रीतिनहृदयसमाति॥ मांगिमांगिआयंसुकरत॥ राजकाजबहुभां
ति॥३२९॥ ॥चौपाई॥ ॥पुलकगातहियसियरघुबीरा॥ जीहनामजपु
लोचननीरा॥ लषणरामसियकाननबसहीं॥ भरतभवनवसितपतनुकसहीं
॥ दुहुंदिशिसमुझिकहतसबलोगू॥ सबबिधिभरतसराहनयोगू॥ सुनिब्रत
नेमसाधसकुचाहीं॥ देखिदशामुनिराजलजाहीं॥ परमपुनीतभरतआचर-
णू॥ मधुरमंजुमुदमंगलकरणू॥ हरणकठिनकलिकलुषकलेशू॥ महामोह
निशिदलनदिनेशू॥ पापपुंजकुंजरमृगराजू॥ शमनसकलसंतापसमाजू॥
जनरंजनभंजनभवभारू॥ रामसनेहसुधाशशिसारू॥ ॥छंद॥ ॥सि-
यराममेमपीयूषपूरणहोतजन्मनभरतको॥ मुनिमनअगमयमनियम-
शमदमविषमव्रतआचरतको॥२७॥ दुखदाहदारिददंभदूषणसुयशमिसु
अपहरतको॥ कलिकालतुलसीसेशठहिंहठिरामसनमुखकरतको॥२८॥
॥सोरठा॥ ॥भरतचरितकरिनेम॥ तुलसीजेसादरसुनहिं॥ सीयरामप
दप्रेम॥ अवशिहोइभवरसविरति॥३३०॥ ॥इतिश्रीरामचरितमानसेस
कलकलिकलुषविध्वंसनेबिमलविज्ञानवैराग्यसंपादनोनामतुलसीकृता-
योध्याकांडद्वितीयःसोपानः समाप्तः॥२॥ ॥श्रीरामचंद्रार्पणमस्तु॥छ॥
शुभंभवतु॥ ॥दोहा॥ ॥निजचरणनकीपादुका॥ सेवतसरितातीं
र॥ श्रीधरभावीभरतकी॥ सुफलसदारघुबीर॥१॥ रामलषणसियसं
गसुख॥ चित्रकूटबडभाग्य॥ श्रीधरज्योंसतसंगमें॥ भक्तिज्ञानवैराग्य
॥२॥ ॥दोहा॥ ॥सज्जनसंतवकेचरन॥ मननिशिवासरशेव॥ देश
सिंहकोकरिकृपा॥ भक्तिविमलजसदेव॥१॥ ॥छ॥ ॥सिद्धिर-
स्तु॥ ॥अयंकांडःसमाप्तः॥ ॥छ॥ ॥छ॥ ॥छ॥

श्री
इति
तुलसिदास
कृत
रामायण
अयोध्याकांड
समाप्तम्.

श्री
अथ
तुलसिदास
कृत
रामायण
अरण्यकांड
प्रारंभः


राम
काग
सीता
काग
काग


ऋषि
राम
लक्ष्मण
सीता
ऋषिपत्नि


चित्रकूटपर्वत
ऋषिमंडली
ऋषि
राम
लक्ष्मण

श्रीगणेशायनमः

अथअरण्यकांडलिख्यते३

श्लोकः

मूलंधर्मतरोर्विवेकजलधेःपूर्णेंदुमानंददं,वैराग्यांबुजभास्करंअघहरं
ध्वांतापहंतापहम्॥मोहांभोधरपुंजपाटनविधौस्वशंभवंशंकरं
वंदेब्रह्मकुलंकलंकशमनंश्रीरामभूपप्रियम्॥१॥सांद्रानंदपयोदसौभग
तनुंपीतांबरंसुंदरंपाणौबाणशरासनंकटिलसत्तूणीरभारंवरम्॥
राजीवायतलोचनंधृतजटाजूटेनसंशोभितंसीतालक्ष्मणसंयुतंपथि
गतंरामाभिराममभजे॥२॥ ॥सोरठा॥ ॥उमारामगुणगूढ॥पं
डितमुनिपावहिंविरति॥पावहिंमोहबिमूढ॥जेहरिविमुखनधर्मर
त॥१॥ ॥चौपाई॥ ॥पुरणभरतप्रीतिमेंगाई॥मतिअनु
रूपअनूपसुहाई॥अबप्रभुचरितसुनहुअतिपावन॥करतजे
वनसुरनरमुनिभावन॥एकबारचुनिकुसुमसुहाए॥निजकरभू
षणरामबनाए॥सीतहिंपहिराएप्रभुसादर॥बैठेस्फटिकशिलाअति
आदर॥सुरपतिसुतधरिवायसवेखा॥शठचाहतरघुपतिबलदेखा
॥जिमिपिपीलिकासागरथाहा॥महामंदमतिपावनचाहा॥सीताचर
णचोंचहतिभागा॥मूढमंदमतिकारणकागा॥चलारुधिररघुनाय
कजाना॥सींकधनुषशायकसंधाना॥ ॥दोहा॥ ॥अतिकृपा
लरघुनायकहिं॥सदादीनपरनेह॥तासनआइकीन्हछल॥मूरख-
अवगुणगेह॥२॥ ॥चौपाई॥ ॥बिनअपराधप्रभुहतेनेका
हू॥अवसरपरेयसेशशिराहू॥जबप्रभुलीन्हसींकधनुबाना॥क्रोध
जोनिभाअनलसमाना॥प्रेरितमंत्रब्रह्मसरधावा॥चलाभाजिबायसभ
यपावा॥धरिनिजरूपगयेउपितुपांहीं॥रामबिमुखराखातिन्हनाहीं॥
भानिराशउपजीउरत्रासा॥यथाचक्रभयऋषिदुर्वासा॥ब्रम्हधाम-

शिवपुरसबलोका॥ फिराश्रमितब्याकुलभयशोका॥काहुहिबैठन
कहानओही॥राखिकोशकैरामकरद्रोही॥ मातुमृत्युपितुशमनस-
माना॥सुधाहोइबिषसुनुहरिजाना॥मित्रकरैशतरिपुकीकरणी॥ता
कहंबिबुधनदीबैतरणी॥सबजगताहिअनलतेताता॥जोरघुबीरबि
मुखसुनुभ्राता॥ ॥दोहा॥ ॥जिमिजिमिभाजतशक्रसुत॥ब्या
कुलअतिदुखदीन॥तिमितिमिधावतरामशर॥पाछेपरमप्रवीन॥
३॥ ॥चौपाई॥ ॥बचहिउरगबरुयसेखगेशा॥रघुपतिशरछु
टिबचवअदेशा॥नारददेखाबिकलजयंता॥लागिदयाकोमलचितसं
ता॥दूरहितेकहिप्रभुप्रभुताई॥भजतातबहुबिधिससुझाई॥पठवातुरतरा
मपहंताही॥कहसिपुकारिप्रणतहितपाहीं॥आतुरसभयगहसिपदजा
ई॥त्राहित्राहिदयालुरघुराई॥अतुलितबलअतुलितप्रभुताई॥मैंम-
तिमदजानिनहिपाई॥निजकृतकर्मजनितभयपायेउं॥ अबप्रभुपाहि
शरणतकिआयेउं॥सुनिकृपालुअतिआरतबानी॥ एकनयनक-
रितजाभवानी॥ ॥सोरठा॥ ॥कीन्हमोहबशद्रोह॥यद्यपितें-
हिकरबधउचित॥प्रभुछाडेउकरिछोह॥कोकृपालुरघुबीरसम॥४॥
॥चौपाई॥ ॥रघुपतिचित्रकूटबसिनाना॥चरितकरतश्रुति-
सुधासमाना॥बहुरिरामअसमनअनुमाना॥होइहिभीरसबहिमो
हिजाना॥ सकलमुनिनसनबिदाकराई॥सीतासहितचलेदोउभा
ई॥ अत्रिकेआश्रमप्रभुचलिगयेऊ॥सुनतमहामुनिहर्षितभयेउ
॥पुलकितगातअत्रिउठिधाए॥देखिरामआतुरचलिआए॥ करत
दंडवतमुनिउरलाए॥प्रेमबारिद्वौजनअन्हवाए॥देखिरामछबिनयन
जुडाने॥सादरनिजआश्रमतबआने॥करिपूजाकहिबचनसहाए
॥दिएमूलफलप्रभुमनभाए॥ ॥सोरठा॥ ॥प्रभुआसनआ
सीन॥भरिलोचनशोभानिरखि॥मुनिवरपरमप्रवीण॥जोरिपाणि

अस्तुतिकरत॥५॥ ॥छंद॥ ॥नमामिभक्तवत्सलंकृपालुशील
कोमलम्॥भजामितेपदांबुजंअकामिनांस्वधामदम्॥१॥निकामश्या
मसुंदरंभवांबुनाथमंदरम्॥प्रफुल्लकंजलोचनंमदादिदोषमोचनम्॥
२॥प्रलंबबाहुविक्रमंप्रभोऽप्रमेयवैभवम्॥निषंगचापसायकंधरंत्रिलो
कनायकम्॥३॥दिनेशवंशमंडनं महेशचापखंडनम्॥मुनींद्रसंतरंज
नंसुरारिवृंदभंजनम्॥४॥मनोजवैरिवंदितंअजादिदेवसेवितम्॥वि-
शुद्धबोधविग्रहंसमस्तदूषणापहम्॥५॥नमामिइंदिरापतिंसुखाकरं
सतांगतिम्॥भजेसशक्तिसानुजंशचीपतिप्रियानुजम्॥६॥त्वदंघ्रिमू
लंयेनराःभजंतिहीनमत्सराः॥पतंतिनोभवार्णवेवितर्कवीचिसंकुलम्॥
७॥विविक्तवासिनःसदाभजंतिमुक्तयेमुदा॥निरस्यइंद्रियादिकंप्रया
तितेगतिंस्वकम्॥८॥त्वमेकमद्भुतंप्रभुंनिरीहमीश्वरंविभुम्॥जगद्गु
रुंचशाश्वतंतुरीयमेवकेवलम्॥९॥भजामिभाववल्लभंकुयोगिनांसु
दुर्लभम्॥स्वभक्तकल्पपादपंसमस्तसेव्यमन्वहम्॥१०॥अनूपरू
पभूपतिंनतोहमुर्विजापतिम्॥प्रसीदमेनमामितेपदाब्जभक्तिदेहि-
मे॥११॥पठंतियेस्तवंइदंनरादरेणतेपदम्॥व्रजंतिनात्रसंशयंत्वदी
यभावसंयुतम्॥१२॥ ॥दोहा॥ ॥विनतीकरिमुनिनाइशिर॥
कहकरजोरिबहोरि॥चरणसरोरुहनाथजनि॥कबहुंतजेमतिमोरि
॥६॥ ॥चौपाई॥ ॥जन्मजन्मतवपदसुखकंदा॥बंदौप्रेमचको
रजिमिचंदा॥देखिराममुनिबिनयप्रणामा॥विविधभांतिपयोविश्रा
मा॥अनुसूयाकेपदगहिसीता॥मिलीबहोरिसुशीलविनीता॥जो
सियसकललोकसुखदाता॥अखिलकोटिब्रह्मांडकिमाता॥तेउ-
पायिमुनिवरबरभामिनि॥सुखीभईकुमुदिनिजिमिजामिनि॥ऋ-
षिपत्नीमनसुखअधिकाई॥आशिषदेइनिकटबैठाई॥दिव्यवस्त्र
भूषणपहिराए॥जेनितनूतनअमलसुहाए॥जाहिनिरखिदुखदूरिप

राही॥गरुड्जानिजिमिपन्नगजाही॥ ॥दोहा॥ ॥ऐसेबसनबिचि
त्रसुठी॥दिएसीयकुहृआनि॥सनमानीप्रियबचनकहि॥प्रीतिनजाइ
बखानि॥७॥ ॥चौपाई॥ ॥कहऋषीबधुसरलमृदुबानी॥नारिध
र्मकछुब्याजबखानी॥मातुपिताभ्राताहितकारी॥मितसुखप्रदसुनुराज
कुमारी॥अमितदानिभर्त्ताबैदेही॥अधमसोनारिजोसेवननेही॥धीरज
धर्ममित्रअरुनारी॥आपदकालपरिखिएहिचारी॥वृद्धरोगबशजडधन
हीना॥अंधबधिरक्रोधीअतिदीना॥ऐसेहुपतिकरकियअपमाना॥
नारिपावयमपुरदुखनाना॥एकैधर्मएकव्रतनेमा॥कायबचनमनपति
पदप्रेमा॥जगपतिव्रताचारिबिधिअहहीं॥वेदपुराणसंतअसकहहीं॥
॥दोहा॥ ॥*॥उत्तममध्यमनीचलघु॥सकलकहउसमुझाई॥आ
गेसुनहितेभवतरहिं॥सुनहुसीयचितलाई॥*॥इहदोहाक्षेपकहै॥८
॥ ॥चौपाई॥ ॥उत्तमकेअसवसमनमाहीं॥सपनेहुआनपुरुषज-
गनाहीं॥मध्यमपरपतिदेखहिकैसे॥भ्रातापितापुत्रनिजजैसे॥धर्म-
विचारिसमुझिकुलरहहीं॥सोनिकृष्टत्रियश्रुतिअसकहहीं॥बिनुअ
वसरभयतेरहजोई॥जानेहुअधमनारिजगसोई॥पतिबंचकपरपतिरति
करई॥रौरवनरककल्पशतपरई॥छिनुसुखलागिजन्मशतकोटी॥दुषन
समुझतेहिसमकोषोटी॥बिनुश्रमनारिप्रेमगतिलहई॥पतिव्रतधर्मछां-
डिछलगहई॥पतिप्रतिकूलजन्मजहजाई॥विधवाहोयपाईतरुणाई॥
॥सोरठा॥ ॥सहजअपावनिनारि॥पतिसेवतशुभगतिलहहिं॥
यशगावतश्रुतिचारि॥अजहुंतुलसिकाहरिप्रिया॥९॥सुनुसीतातव
नाम॥सुमिरिनारिपतिव्रतकरहिं॥तुम्हहिंप्राणप्रियराम॥कहेउंकथा
संसारहित॥१०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिजानकीपरमसुखपावा॥सा
दरतासुचरणशिरनावा॥तबमुनिसनकहकृपानिधाना॥आयसहो-
इजाउंवनआना॥संततमोपरकृपाकरेहू॥सेवकजानितजेहुजनिनेहू॥ध

मधुरंधरप्रभुकैबानी॥सुनिसप्रेमबोलेमुनिज्ञानी॥जासुकृपाअजशि
वसनकादी॥चहतसकलपरमारथबादी॥तेतुमरामअकामपिआरे॥दीन
बंधुमृदुवचनउचारे॥अवजानीमेंश्रीचतुराई॥भजहतुमहिंसबदेवबिहा
ई॥जेहिसमानअतिशयनहिंकोई॥ताकरशीलकसनअसहोई॥केहिबिधि
कहोंजाहुअवस्वामी॥कहहुनाथतुमअंतरजामी॥असकहिप्रभुबिलोकि
मुनिधीरा॥लोचनजलवहपुलकशरीरा॥ ॥छंद॥ ॥तनुपुलकनि-
भरप्रेमपूरएनयनमुखपंकजदिए॥मनज्ञानगुणगोतीतप्रभुमैंदीख-
जपतपकाकिए॥२३॥जपयोगधर्मसमूहतेनरभक्तिअनुपमपावई॥
रघुबीरचरितपुनीतनिशिदिनदासतुलसीगावई॥२४॥ ॥दोहा॥
कलिमलशमनदमनभव॥रामसुयशसुखमूल॥सादरसुनहिंजेता
हिपर॥रामरहहिंअनुकूल॥११॥ ॥सोरठा॥ ॥कठिनसुकलिमलको
स॥धर्मनज्ञाननहियोगतप॥परिहरिसकलभरोस॥रामभजहिंतेचतु
रनर॥१२॥ ॥दोहा॥ ॥मुनिहुंकिअस्तुतिकीनिप्रभु॥दीनसुभग
वरदान॥सुमनवृष्टिनभसंकुल॥जयजयकृपानिधान॥१३॥इहा
ताइक्षेपकहै॥*॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिपदकमलनाइकरिशीसा॥
चलेबनहिंसुरनरमुनिईशा॥आगेरामअनुजपुनिपाछे॥मुनिबरबे
षबनेअतिकाछे॥उभयबीचसियसोहतिकैसी॥ब्रह्मजीवबिचमायाजै
सी॥उपमाबहुरिकहौंजियजोही॥बिधुबुधमध्यरोहिणीसोही॥सरिता
वनगिरिअवघटघाटा॥पतिपहिचानिदेहींबरबाटा॥जहंजहंजाहिंदेवर
घुराया॥करहिंमेघनभतहंतहंछाया॥इहातेंक्षेपकहै॥*॥आश्रम
बिपुलदीषवनमाहीं॥देवसदनतेहिपटतरनाहीं॥बहुतबागसुंदरअ
मराई॥भांतिभांतिसबमुनिनलगाई॥दिव्यबिटपफलचहुंदिशसोहैं॥
देखतसुनतसकलमनमोहैं॥पक्षिअनेकओरबहुरंगा॥कूजहिकलर
बकरहिबिहंगा॥ ॥दोहा॥ ॥निजनिजआश्रमबेदिका॥तेहिपरतुल

सिबिराज॥ अनुजजानकीसहिततहं॥राजतभएरघुराज॥१४॥आ
निरूआसनमुदितमन॥पूजिपहुनईकीन्ह॥कंदमूलफलअमियसम
॥आनिरामकहदीन्ह॥१५॥ ॥चौपाई॥ ॥अनुजसीयसहभोजन
कीन्हा॥जोजेहिभावसूभगवरदीन्हा॥तेहिदिनतहंप्रभुकीननिवासा
॥सकलमुनिनमिलिकीनसूपासा॥प्रातःकालउठिरघुकुलदेवा॥मजन
कीनकरिपार्थिवसेवा॥तबरघुवीरमुनिनशिरनावा॥आशिरबादस
बहिसनपावा॥सूमिरिउमापतिसिद्धगणेशा॥पुनिप्रभुचलेसूनहुंरख
गईशा॥वनअनेकसूंदरगिरिनाना॥लांघतचलेजाइभगवाना॥मिला
असूरविरोधमगुजाता॥गरजतघोरकठोररिसाता॥रूपभयंकरमान
हुकाला॥वेगवंतधाएउजिमिब्याला॥गगनदेवगणमुनिवरनाना॥
तेहिक्षणहृदयहारिभयमाना॥गहेपाणित्रिशूलअतिघोरा॥केहरिमा
रिबांधिचहूओरा॥तुरतहिंसोसीतहिलेगयेऊ॥रामहृदयकछुबिस्मयभ
येऊ॥ससुझिहृदयकेकेयिकिकरणी॥कहीअनुजसनबहुबिधिबरणी
॥बहुरिलषणरघुवरहिंप्रबोधा॥पावबाणछांडाकरिक्रोधा॥ ॥
छंद॥ ॥भयक्रोधलषणसंधानिधनुषरमारितेहिब्याकुलकियो॥पु
निउठिनिशाचररारिवसीतहिंशूललैछाडतभयो॥१५॥जनुकालदंड
करालधावतबिकलसबखगमृगभये॥धनुतानिश्रीरघुवंशमणिपु-
निकोटितेहिरजसमकिये॥१६॥ ॥दोहा॥ ॥बहुरिएकशरमा
रेउ॥पराधरणिधुनिमाथ॥उठाबहुरिसोगर्जता॥चलेउजहांरघु-
नाथ॥१६॥ ॥चौपाई॥ ॥ऐसेकहतनिशाचरधावा॥अब
नहिवचहुतुमहिमैखावा॥आवप्रबलजेहिंबिधिजनुभूधर॥होइ
हिकहाकहेहिंब्याकुलसूर॥तासूतेजशतमरुतसमाना॥टूटहिंतरू
बहुउडहिपहाना॥जीवजंतुजहंलगिरहेजेते॥व्याकुलभागिचलेसब
तेते॥उरगसमानजोरिशतशाता॥आवतहीरघुनाथनिपाता॥तु

रतहिंरुचिररूपतेहिपावा ॥ देखिदुखीनिजधाम पठावा ॥ तासुअस्थि
गाडेउप्रभुधरणी ॥ देवमुदितलषिप्रभुकीकरणी ॥ सीताआईचरण
लपटानी ॥ अनुजसहिततबचलेभवानी ॥ पुनिआएजहंमुनिशरभंगा
॥ सुंदरअनुजजानकीसंगा ॥ गएकह्नप्रभुदेनशिषावण ॥ दिशिबलभे
दबसनजहरावण ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुरपतिसंशयतिमिरसम ॥ रघुप
तितेजदिनेश ॥ रावणजीवननिशासम ॥ बीतेछटहिंकलेश ॥ १७ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ सुनासीरप्रभुतेहिक्षणदेषा ॥ तेजनिधानशुभअ
तिवेषा ॥ तुरगचारिबलमरुतसमाना ॥ रथरबिसमनहीजाइबषाना ॥
क्षितिनपरशअतरहितरहई ॥ श्वेतछत्रचामरसिरदरई ॥ एहिविधि
प्रभुसुरेशकहदेषा ॥ भएमगनसुखपायविशेषा ॥ अनुजहिप्रियहि
कहीसमुझाई ॥ सुरपतिमहिमागुणप्रभुताई ॥ जेहिकारणबासवतह
आए ॥ सोकछुबचनकहेंनहीपाए ॥ बोचहिसुनिआवनप्रभुकेरो ॥
कहिसारथिहितुरतरथफेरो ॥ दूरहितेंकरिप्रभुहिप्रणामा ॥ हरषिसु
रेशगएउनिजधामा ॥ पुनिआएजहमुनिशरभंगा ॥ सुंदरअनुजजान
कीसंगा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ देखिरामसुखपंकजहि ॥ मुनिवरलोचनभृंग
॥ सादरपानकरतअति ॥ धन्यजन्मशरभंग ॥ १८ ॥ ॥ चौपाई ॥
॥ कहमुनिसुनिरघुबीरकृपाला ॥ शंकरमानसराजमराला ॥ जात
रहेउबिरंचिकेधामा ॥ सुनेउश्रवणवनआवतरामा ॥ चितवतपंथर
थेउदिनराती ॥ अबप्रभुदेखिजुडानीछाती ॥ नाथसकलसाधनमेंही
ना ॥ कीन्हीकृपाजानिजनदीना ॥ सोकछुदेबनमोरनिहोरा ॥ निजपण
राखेउजनमनचोरा ॥ तबलगिरहहुदीनहितलागी ॥ जबलगितुह्मेमि
लौंतनुत्यागी ॥ योगयज्ञजपतपब्रतकीन्हा ॥ प्रभुकहदेइभक्तिबर
लीन्हा ॥ इहिंबिधिशररचिमुनिशरभंगा ॥ बैठेह्रदयछांडिसबसंगा
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सीताअनुजसमेतप्रभु ॥ नीलजलजतनुश्याम

॥ममहियवसहुनिरंतरहिं॥सगुणरूपश्रीराम॥१९॥ ॥चौपाई
॥ ॥असकहियोगअग्नितनुराजा॥रामकृपाबैकुंठसिधारा॥ता
तैमुनिहरिलीननभयेऊ॥प्रथमहिभेदभक्तिबरलयेऊ॥ऋषिनिकाय
मुनिबरगतिदेषी॥सुखीभएनिजहृदयबिशेषी॥अस्तुतिकरहिंसक
लमुनिवृंदा॥जयतिप्रणतहितकरुणाकंदा॥पुनिरघुनाथचलेबनआ
गे॥मुनिवरवृंदचलेसंगलागे॥अस्थिसमूहदेखिरघुराया॥पूछामुनिन
लागिअतिदाया॥जानतहुंकापूछहुस्वामी॥समदरशीतुमअंतरजा
मी॥निशिचरनिकरसकलमुनिखाए॥सुनिरघुनाथनयनजलछाए
॥ ॥दोहा॥ ॥निशिचरहीनकरौंमहि॥भुजउठाइपणकीन्ह॥
सकलमुनिनकेआश्रमन॥जाइजाइसुखदीन्ह॥२०॥ ॥चौपाई
॥ ॥मुनिअगस्त्यकरशिष्यसुजाना॥नामसुतीक्षणरतभगवा
ना॥मनक्रमवचनरामपदसेवक॥सपनेहुआनभरोसनदेवक॥प्रभु
आगमनश्रवणसुनिपावा॥करतमनोरथआतुरधावा॥हेबिधिदी
नबंधुरघुराया॥मोसेसपरकरिहहिंदाया॥सहितअनुजमोहिरामगो
साईं॥मिलिहहिंनिजसेवककीनाईं॥मोरेहृदभरोसाजियनाहीं॥भक्ति
नबिरतिज्ञानमनमाहीं॥नहिसतसंतयोगजपजागा॥नहिदृढचरण
कमलअनुरागा॥एकबानिकरुणानिधानकी॥सोप्रियजाकेगतिनआ
नकी॥ ॥छंद॥ ॥सोपरमप्रियअतिपानकीजिनकबहुप्रभुसुमिर
णकर्यो॥तेआजुमैंनिजनयनदेखौंपूरिपुलकितहियभर्यो॥१७॥जे
पदसरोजअनेकमुनिधरिध्यानकबहुनपावहीं॥तेरामश्रीरघुवंशमणि
प्रभुप्रेमतेसुखपावहीं॥१८॥ ॥दोहा॥ ॥पन्नगारिसुनुप्रेमसम॥भ
जननदूसरआन॥इहबिचारिमुनिपुनिपुनिकरतरामगुणगान॥२१॥
॥चौपाई॥ ॥होइहहिंसुफलआजुममलोचन॥देखिबदनपंक
जभवमोचन॥निर्भरप्रेममगनमुनितानी॥कहिनजाइसोइदशाभ

वानी॥ दिशिअरुबिदिशिपंथनहिसूझा॥ कोमैंचलेउंकहांनहींबूझा॥ कबहुंकनृत्यकरैगुणगाई॥ अबिरलप्रेमभक्तिमुनिपाई॥ कबहुंक फिरिपाछेहटिजाई॥ प्रभुदेखहितरुओटलुकाई॥ अतिशयप्रीतिदेखि रघुबीरा॥ प्रगटेहृदयहरणभवभीरा॥ मुनिमगमांझअचलहोइबैशा॥ पुलकशरीरपनसफलजैसा॥ तबरघुनाथनिकटचलिआए॥ देखिद शानिजजनमनभाए॥ ॥सोरठा॥ ॥रामसकसहजसुभाय॥ सेवक दुखदारिद्रदमन॥ सुनिसनप्रभुकहिआय॥ उठउठद्विजममप्राणसम॥ २२॥ ॥चौपाई॥ ॥मुनिहिरामबहुभांतिजगावा॥ जागनध्यानजनि तसुखपावा॥ भूपरूपतबरामदुरावा॥ हृदयचतुर्भुजरूपदिखावा॥ मुनि अकुलाइउठातबकैसे॥ बिकलहीनमणिबिनुफणिजैसे॥ आगेदेखिराम तनुश्यामा॥ सीताअनुजसहितसुखधामा॥ परेउलकुटइवचरणनला गी॥ प्रेममगनमुनिवरबडभागी॥ भुजबिशालगहिलिएउठाई॥ परमप्री तिराखेउरलाई॥ मुनिहिमिलतअससोहकृपाला॥ कनकतरुहिजनुभेंट तमाला॥ रामबदनबिलोकिमुनिठाढा॥ मानहुंचित्रमांझलिखिकाढा॥ ॥दोहा॥ ॥तबमुनिहृदयेधीरधरि॥ गहिपदबारहिबार॥ निजआ श्रमप्रभुआनिकरि॥ पूजाबिबिधप्रकार॥ २३॥ ॥चौपाई॥ ॥ कहमुनिप्रभुसुनुबिनतीमोरी॥ अस्तुतिकरौंकवनबिधतोरी॥ महिमा अमितमोरमतिथोरी॥ रविसन्मुखखद्योतअंजोरी॥ श्यामतामरसदा मशरीरा॥ जटामुकुटपरिधनमुनिचीरा॥ पाणिचापशरकटितूणीरा॥ नौमिनिरंतरश्रीरघुवीरा॥ मोहबिपिनघनदहनकृशानू॥ संतसरोरु हकाननभानू॥ निशिचरकरिवरूथमृगराजम्॥ त्रातुसदानोभवखगबा जम्॥ अरुणनयनराजीवसुवेसम्॥ सीतानयनचकोरनिशेसम्॥ हर हृदमानसबालरामलम्॥ नौमिरामउरबाहुविशालम्॥ संशयसर्पग्रस नउरगादम्॥ शमनसकलसंतापविषादम्॥ भयभंजनरंजनसुरयूथम्॥

त्रातुसदानोकृपाबरूथम्॥ निर्गुणसगुणबिषमसमरूपम्॥ ज्ञानगि
रागोतीतअनूपम्॥ अमलमखिलमनवद्यमपारम्॥ नौमिरामभंजनम
हिभारम्॥ भक्तकल्पपादपआरामम्॥ तर्जनक्रोधलोभमदकामम्॥
अतिनागरभवसागरसेतुम्॥ त्रातुसदादिनकरकुलकेतुम्॥ अतुलितभु
जप्रतापबलधामम्॥ कलिमलबिपुलबिभंजननामम्॥ धर्मवर्मशर्मदगुण
ग्रामम्॥ संततशंतनोतुअभिरामम्॥ यद्यपिबिरजब्यापकअबिना-
शी॥ सबकेहृदयनिरंतरबासी॥ तदपिअनुजसियसहितखरारी॥
बसहुमनसममकाननचारी॥ जेजानहितेजानहुस्वामी॥ सगुणअगुण
उरअंतरजामी॥ जोकोशलपतिराजिवनयना॥ करौसोराममहृदयममअ
यना॥ ॥सोरठा॥ ॥मायाबशजगजीव॥ रहहिंसदासंतमगन॥
तिमिलागहुमोहिपीव॥ करुणाकरसुंदरसुखद॥२४॥ ॥चौपाई॥
असअभिमानजाइनहिभोरे॥ मेसेवकरघुपतिमतिमोरे॥ रामभक्तितजि
चहकल्याणा॥ सोनरअधमशृगालसमाना॥ सुनिमुनिवचनराममनभाए
॥बहुरिहरषिमुनिवरउरलाए॥ परमप्रसन्नजानिमुनिमोहीं॥ जोबरमांगु
देउमैतोहीं॥ मुनिकहमैबरकबहुनयाचा॥ समुझिनपरैझूठकासाचा॥ तुम
हिनीकलागैरघुराई॥ सोमोहिदेहुदाससुखदाई॥ अबिरलभक्तिबिरति
बिज्ञाना॥ होऊसकलगुणज्ञाननिधाना॥ प्रभुजोदीन्हसोबरमैपावा॥ अ
बसोदेहुमोहिजोभावा॥ ॥दोहा॥ ॥अनुजजानकीसहितप्रभु॥ चा
पबाणधरराम॥ ममहियगगनइंदुइव॥ बसहुसदायहुकाम॥२५॥ ॥चौ
पाई॥ ॥एवमस्तुकहिरमानिवासा॥ हरषिचलेकुंभजऋषिपाशा॥ पु
निप्रणामकरिकहकरजोरी॥ सुनहुनाथकछुबिनतीमोरी॥ बहुतदिव
सगुरुदरसनपाये॥ भयेमोहिएहिआश्रमआये॥ अबप्रभुसंगजाउं
गुरुपाहीं॥ तुमकहनाथनिहोरानाहीं॥ चलेजातमगतवपदकंजा॥ देखि
हौंसोबिरोधमदगंजा॥ देखिकृपानिधिमुनिचतुराई॥ लिएसंगबिहंसे-

द्वौभाई॥ पंथकहतनिज़भक्तिअनूपा॥ मुनिआश्रमपहुंचेसुरभूपा॥ आ
श्रमदेखिमहाशुचिसुंदर॥ सरितसरोवरकाननभूधर॥ वनचरजल
चरजीवसहीते॥ वैरनकरहिंप्रीतिसबहीते॥ ॥दोहा॥ ॥तरुबहु
बिबिधविहंगमृग॥ बोलतविविधप्रकार॥ बसहिंसिद्धमुनिनपकरहिं॥
महिमागुणआगार॥२६॥ ॥चौपाई॥ ॥तुरतसुतीक्षणगुरुपहंग
येऊ॥ करिदंडवतकहतअसभयेऊ॥ नाथकोशलाधीशकुमारा॥ आ
एमिलनजगतआधारा॥ रामअनुजसमेतबैदेही॥ निशिदिनदेवजप
तहहुजेही॥ सुनतअगस्त्यतुरतउठिधाए॥ हरिहिंबिलोकिलोचनज-
लछाए॥ मुनिपदकमलपरेद्वौभाई॥ ऋषिअतिप्रीतिलिएउरलाई॥ सा
दरकुशलपूछिमुनिज्ञानी॥ आसनपरबैठारेआनी॥ पुनिकरिबहुप्रकार
प्रभुपूजा॥ मोहिसमभाग्यवंतनहिंदूजा॥ जहंलगिरहेअपरमुनिवृंदा॥
हर्षेसबबिलोकिसुखकंदा॥ ॥दोहा॥ ॥मुनिसमूहमहंबैठप्रभु॥ सै-
मुखसबकीओर॥ शरदइंदुजनुचितवत॥ मानहुनिकरचकोर॥२७॥
॥चौपाई॥ ॥पाइसुथलजलहर्षितमीना॥ पारसपाइसुखीजिमि
दीना॥ प्रभुहिनिरखिसुखभाइहिभांती॥ चातकजथापाइजलस्वाती॥
तबरघुबीरकहामुनिपाहीं॥ तुमसनप्रभुदुरावकछुनाहीं॥ तुमजान
हुजेहिकारणआयेउं॥ तातेनाथनकहिसमुझायेउं॥ अबसोमंत्र
देहुप्रभुमोही॥ जेहिकारणमारौंसुरद्रोही॥ निशिचरअवनबचहिंमु
निराई॥ जिमिपंजवनहिमऋतुपाई॥ मुनिमुसकानेसुनिप्रभुबानी॥ पू
छहुनाथमोहिकाजानी॥ तुम्हरेभजनप्रभावअंधारी॥ जानौमहिमा
कछुकतुह्मारी॥ ॥सोरठा॥ ॥भृकुटीनिरखतनाथ॥ रहतसदा
पदकैमूलतर॥ जिन्हडारेनिजगात॥ विबुधबिधातासिद्धहर॥२८॥
॥चौपाई॥ ॥अतिकरालसबपरजगजाना॥ औरौंकहौसुनिय
भगवाना॥ ऊमरितरुबिशालतबमाया॥ फलब्रह्मांडअनेककनिकाया॥

जीवचराचरजंतुसमाना॥भीतरसबहिंनजानहिंआना॥तेफलभक्ष कठिनकराला॥तबभयडरतसदासोकाला॥तेतुमसकललोकपति साई॥पूछेहुमोहिमनुजकीनाई॥इहबरमागोंकृपानिकेता॥बसहुहृद यसियअनुजसमेता॥अबिरलभक्तिबिरतिसतसंगा॥चरणसरोरु हप्रीतिअभंगा॥यद्यपिब्रह्मअखंडअनंता॥अनुभवगम्यभजहिं जेसंता॥असतबरूपबखानौजानौं॥फिरिफिरिसगुणब्रह्मरतिमानौं॥ ॥दोहा॥ ॥जाहिजीवपरतबकृपा॥संततरहहिहुलास॥ति नकीमहिमाकोकहय॥जेअनन्यप्रियदास॥२९॥ ॥चौपाई॥
॥संततदासनदेहुबडाई॥तातेमोहिपूछेहुरघुराई॥हैप्रभुपर-ममनोहरठाऊं॥पावनपंचवटीतेहिनाऊं॥गोदावरीनदीतहंवहई॥ चारिहुयुगप्रसिद्धसोअहई॥दंडकवनपुनीतप्रभुकरहू॥उग्रशापमु निवरकोरहहु॥वासकरहुतहंरघुकुलराया॥कीजैसकलमुनिनप-रदाया॥चलेराममुनिआयसुपाई॥तुरतहिंपंचवटीनिअराई॥दिख लनाद्रुमप्रभुमनभाए॥निरखिरामतेभयेउसोहाए॥लषणरामसिय चरणनिहारी॥काननअघगाभास्करबकारी॥ ॥दोहा॥ ॥गीध राजसोंभेटभई॥बहुबिधप्रीतिदृढाइ॥गोदावरीसमीपप्रभु॥रहेपर्ण गृहछाई॥३०॥ ॥चौपाई॥ ॥जबतेरामकीन्हतहंवासा॥सुखी भएमुनिबीतीत्रासा॥गिरिवननदीतालछबिछाए॥दिनदिनप्रतिअ-तिहोतसुहाई॥खगमृगवृंदअनंदितरहहीं॥मधुरमधुपगुंजतछबिल हहीं॥सोवनवरणिनशकहिअहिराजा॥जहांप्रगटरघुवीरविराजा॥ए कबारप्रभुसुखआसीना॥लक्ष्मणबचनकहेछलहीना॥सुरनरमुनि सचराचरसाई॥मैपूछौंनिजप्रभुकीनाई॥मोहिसमुझाइकहहुसोइदेवा ॥सबतजिकरौंचरणरजसेवा॥कहहुज्ञानविरागअरुमाया॥कहहु सोभक्तिकरहुजेहिदाया॥ ॥दोहा॥ ॥ईश्वरजीवभेदप्रभु॥

सकलकहहुससुझाई ॥ जातेहोईचरणरति ॥ शोकमोहभ्रमजा-
इ ॥ ३१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ थोरेमहंसबकहौंबुझाई ॥ सुनहुतातम
तिमनचितलाई ॥ मैंअरुमोरतोरतैंमाया ॥ जेहिवशकीन्हेजीवनिकाया
॥ गोगोचरजहंलगिमनजाई ॥ सोसबमायाजानहुभाई ॥ तेहिकरभेद
सुनहुतुमसोऊ ॥ विद्याअपरअविद्यादोऊ ॥ एकदुष्टअतिशयदुखरू
पा ॥ जावशजीवपरेभवकूपा ॥ एकरचैजगगुणबशजाके ॥ प्रभुप्रेरितन
हिनिजबलताके ॥ ज्ञानमानजहंएकौनाहीं ॥ देखतब्रह्मरूपसबमाहीं ॥ क
हियतातसोपरमबिरागी ॥ तृणसमसिद्धितीनिगुणत्यागी ॥ ॥ दोहा ॥
॥ मायाईशनआपुकह ॥ जानिकहैसोजीव ॥ बंधमोक्षप्रदसर्वप
र ॥ मायाप्रेरकशीव ॥ ३२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ धर्मतेंबिरतियोगतें
ज्ञाना ॥ ज्ञानमोक्षप्रदवेदबखाना ॥ जातेंवेगिद्रवौंमैंभाई ॥ सोममभ
क्तिभक्तसुखदाई ॥ सोस्वतंत्रअवलंबनआना ॥ तेहिआधीनज्ञानबि
ज्ञाना ॥ भक्तितातअनुपमसुखमूला ॥ मिलयजोसंतहोहिअनुकूला
॥ भक्तिकेसाधनकहौंबखानी ॥ सुगमपंथमोहिपावहिंप्रानी ॥ प्रथमहिं
बिप्रचरणअतिप्रीती ॥ निजनिजधर्मनिरतश्रुतिनीती ॥ एकहिकरफल
पुनिबिषयबिरागा ॥ तबममचरणउपजअनुरागा ॥ श्रवणादिकनवभ
क्तिदृढाहीं ॥ ममलारतिअतिमनमाहीं ॥ संतचरणपंकजअतिप्रेमा ॥ म
नक्रमबचनभजनदृढनेमा ॥ गुरुपितुमातुबंधुपतिदेवा ॥ सबमोहिकहं-
जानेदृढसेवा ॥ ममगुणगावतपुलकशरीरा ॥ गद्गदगिरानयनबहनीरा
॥ कामादिकमदुदंभनजाके ॥ तातनिरंतरबशमैंताके ॥ ॥ दोहा ॥
॥ बचनकर्ममनमोरिगति ॥ भजनकरेंनिःकाम ॥ तिनकेहृदयक
मलमहं ॥ करौंसदाबिश्राम ॥ ३३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ भक्तियोग-
सुनिअतिसुखपावा ॥ लक्ष्मणप्रभुचरणनशिरनावा ॥ नाथसुनो
गतममसंदेहा ॥ भयउज्ञानउपज्योनवनेहा ॥ अनुजबचनसुनिप्रभु

मनभाए॥ हर्षिरामनिजहृदयलगाए॥ इहिविधिगयेकछुकदिनबीती॥



कहतबिरागज्ञानगुणनीती॥ शूर्पणखारावणकीबहिनी॥ दुष्टहृदयदारुण
जसिअहिनी॥ पंचवटीसोगईएकबारा॥ देखिबिकलभईयुगलकुमारा॥ भ्राता
पितापुत्रउरगारी॥ पुरुषमनोहरनिरखतिनारी॥ होइबिकलशकमनहिन-
रोकी॥ जिमिरविमणिद्रवरविहिबिलोकी॥ ॥दोहा॥ ॥अधमनि
शाचरिकुटिलअति॥ चलीकरणउपहास॥ सुनुखगेशभावीप्रबल॥
भाचहनिशिचरनाश॥३४॥ ॥चौपाई॥ ॥रुचिररूपधरिप्रभु-
पहंजाई॥ बोलीवचनमधुरमुसकाई॥ तुमसमपुरुषनमोसमनारी॥ यह
संयोगबिधिरचाविचारी॥ ममअनुरूपपुरुषजगनाहीं॥ देखिउंखोजिलोक
तिहमाहीं॥ तातेंअबलगिरहीकुमारी॥ मनमानाकछुतुमहिनिहारी॥ सी
तहिचितइकहीप्रभुबाता॥ अहेकुमारमोरलघुभ्राता॥ गईलषणरिपु
भगिनीजानी॥ प्रभुबिलोकिबोलेमृदुबानी॥ सुंदरिसुनुमैंउन्हकरदासा
॥पराधीननहितोरसुपाशा॥ प्रभुसमर्थकोशलपुरराजा॥ जोकछुकरहिं-
उन्हैसबछाजा॥ ॥दोहा॥ ॥केहरिसमनहिंकरिहिंबल॥ बांकीवाज
समान॥ प्रभुसेवकइमिजानहु॥ मानहुबचनप्रमान॥३५॥ ॥चौ
पाई॥ ॥सेवकसुखचहमानभिखारी॥ व्यसनीधनशुभगतिव्यभि
चारी॥ लोभीयहचहज्ञानगुमानी॥ नभदुहिदूधचहतएप्रानी॥ पु

निफिरिरामनिकटसोआई॥प्रभुलक्ष्मणपहंबहुरिपठाई॥लक्ष्मणक
ह्यातोहिंसोबरई॥जोतृणतोरिलाजुपरिहरई॥तबरिसिआनिराम
पहंजाई॥रूपभयंकरप्रगटिदेखाई॥बिथरकेशबदनबिकराला॥
भृकुटीकुटिलकरणलगिगाला॥सीतहिंभयदेखिरघुराई॥कहाअ
नुजसननसेनबुझाई॥अनुजराममनकीगतिजानी॥उठेरिसाईसो
सुनहुभवानी॥ ॥दोहा॥ ॥लक्ष्मणअतिलाघवसों॥नाककां
नबिनुकीन्ह॥ताकेकररावणकहं॥मनहुंचुनौतीदीन्ह॥३६॥ ॥चौपा
ई॥ ॥नाककानबिनुभइबिकरारा॥जनुस्रवशैलगेरुकेधारा॥श्याम
घटादेखतघनकरी॥तहूबासबधनुमनहुंउगेरी॥खरदूषणपहंगइबि
लपाता॥धिकधिकतबपौरुषबलभ्राता॥तेइपूछासबकेहसिबुझाई॥
यातुधानसुनिसैनबनाई॥चौदहसहससुभटसंगलीन्हे॥तिन्हसप-
नेहुंरणपीठनदीन्हे॥धाएनिशिचरनिकरबरूथा॥जनुसपक्षकज्जल
गिरियूथा॥नानाबाहननानाकारा॥नानाआयुधघोरअपारा॥शूर्प
नखहिआगेकरिलीनी॥अशुभरूपश्रुतिनासाहीनी॥ ॥दोहा॥
निजनिजबलसबमिलिकहहिं॥एकहिंएकसुनाइ॥बाजनबाजुजुहा
वने॥हर्षनहृदयसमाइ॥३७॥ ॥चौपाई॥ ॥अशगुणअमि
तहोहिंभयकारी॥गणहिंनमृत्युबिबशवशभारी॥गर्ज्जहिंतर्ज्जहिंग
गनउडाहीं॥देखिकटकभटअतिहरषाहीं॥कोउकहजिअतधरहुदोउ
भाई॥धरिमारहुतियलेहुछुडाई॥कोउकहसुनियसत्यहमकहहीं॥का
ननफिरहिबीरकोउअहहीं॥एकनकहाभ्रष्टहोइरहहू॥खरकआगेअ
सजनिकहहू॥बहुबिधबचनकहतरणधीरा॥आएसकलजहांरघुबी
रा॥धूरिपूरिनभमंडलरहेऊ॥रामबुलाइअनुजसनकहेऊ॥लैजानकी
हिजाहुगिरिकंदर॥आवानिशिचरकटकभयंकर॥रहेहुसजगसुनिप्र
भुकेबानी॥चलेसहितसियशरधनुपाणी॥देखिरामरिपुदलचलिआ

वा॥ बिहंसिकठिनकोदंडचदावा॥ ॥छंद॥ ॥कोदंडकठिनचढा
इ प्रभुशिरजटाबांधतसोहज्यों॥ मरकतशैलपरलसतदामिनिकोटि
सोंयुगभुजगज्यों॥१९॥ कटिकसिनिषंगविशालभुजगहिचापबिशि
खरूधारिके॥ चितवतमनहुंमृगराजप्रभगजराजघटानिहारिके॥२०
॥सोरठा॥ ॥आईगयेवगमेल॥ धरहुधरहुधावहिंभुभट॥ यथा
बिलोकिअकेल॥ बालरविहिंघेरतदनुज॥३८॥ ॥चौपाई॥ ॥



घेरिरहेनिशिचरसमुदाई॥ दंडकखगमृगचलेपराई॥ प्रभुबिलोकि
शरशकहिंनडारी॥ थकितभईरजनीचरधारी॥ सचिवबोलिबोलेखरदूष
ण॥ यहकोउनृपबालकनरभूषण॥ सरनरनागअसरसुनिजेते॥ देखे
सुनेहतेहमकेते॥ हमभरिजनमसरुनहुंसबभाई॥ देखीनहींअससुंदरता
ई॥ यद्यपिभगिनिकीन्हिकुरूपा॥ वधलायकनहिंपुरुषअनूपा॥ देहतु
रतनिजनारिदुराई॥ जीवतभवनजाहुदोउभाई॥ मोरकहातुमताहिसु
नावहु॥ तासुबचनसुनिआतुरआवहु॥ ॥दोहा॥ ॥भएकालबश
मूढजव॥ जानहिंनहिंरघुबीर॥ मशकफूंककिमिमेरुउड॥ सनहुगरुडमं
तिधीर॥३९॥ ॥चौपाई॥ ॥दूतनकहारामसनजाई॥ सुनतराम

बोलेसुसुकाई ॥ आजुभयेउबडभाग्यहमारा ॥ तुम्हरेप्रभुअसकीन्ह
बिचारा ॥ हमक्षत्रीमृगयाबनकरहीं ॥ तुमसेखलमृगखोजतफिरहीं ॥
रिपुबलवंतदेखिनहिडरहीं ॥ एकबारकालहुसनलरहीं ॥ यद्यपिमनुज
दनुजकुलघालक ॥ मुनिपालकखलशालकबालक ॥ जौंनहोइबलघरफिरि
जाहू ॥ समरबिमुखमैंहतौंनकाहू ॥ रणचढिकरियकपटचतुराई ॥ रिपुपर
कृपापरमकदराई ॥ दूतन्हजाइतुरतसबकहेऊ ॥ सुनिखरदूषणउरअतिद
हेऊ ॥ ॥छंद॥ ॥उरदहेउकहेउकिधरहुधावहुबिकटभटरजनीचरा
॥शरचापतोमरशक्तिशूलकृपाणपरिघपरशुधरा ॥ २१ ॥ प्रभुकीन्हध-
नुषटकोरप्रथमकठोरघोरभयावहा ॥ भएबधिरव्याकुलयातुधाननज्ञा
नतेहिअवसररहा ॥ २२ ॥ ॥दोहा॥ ॥सावधानहोइधाएऊ ॥ जानि
सबलआराति ॥ लागेवरषणरामपर ॥ अस्त्रशस्त्रबहुभांति ॥ ४० ॥ ॥
॥उमाएकनिजप्रभुहिबस ॥ पुनिउनकेबडभाग ॥ तरनचहहिप्रभुश-
रलगे ॥ बिनाजोगजपजाग ॥ ॥ ॥तिन्हकेआयुधतिलसरिस ॥ करि-
काटेरघुबीर ॥ तानिशरासनश्रवणलगि ॥ पुनिछाडेनिजतीर ॥ ४१ ॥
॥ ॥छंद॥ ॥तबचलेबाणकराल ॥ फुंकरतजनुबहुब्याल ॥ कोपे
उसमरश्रीराम ॥ चलेबिशिखनिसितनिकाम ॥ २३ ॥ अवलोकिखरत
रतीर ॥ मुरिचलेनिशिचरवीर ॥ एकएककोउनसंभार ॥ करेतातमातपु
कार ॥ २४ ॥ भएक्रुद्धतीनोभाई ॥ जोभागिरणतेजाई ॥ तेहिबधबमैंनि
जपाणी ॥ फिरेमरणमनमहंठानि ॥ २५ ॥ आयुधअनेकप्रकार ॥ स-
नमुखतेकरहिंप्रहार ॥ रिपुपरमकोपेजानि ॥ प्रभुधनुषशरसंधानि ॥
२६ ॥ छाडेबिपुलनाराच ॥ लगेकटनबिकटपिशाच ॥ उरशीसकरभुजच
रण ॥ जहंतहंलगेमहिपरण ॥ २७ ॥ चिक्करतलागतबाण ॥ धरपरत
कुधरसमान ॥ भटकततनुशतखंड ॥ पुनिउठतकरिपाखंड ॥ २८ ॥ न
भउडतबहुभुजमुंड ॥ बिनुमौलिधावतरुंड ॥ खगकंककाकशृगाल ॥ कटक

हिंकठिनकराल॥२९॥ ॥छंद॥ ॥कटकटहिंजंबूकभूतप्रेतपिशाच
खप्परसचहीं॥बैतालबीरकपालतालबजाइयोगिनिनाचहीं॥३०॥रघु
बीरबाणप्रचंडखंडहिंभटनकेउरभुजशिरा॥जहंतहंपरहिंउठिलरहिंध-
रुधरुकरहिंगिराभयकरा॥३१॥अन्त्रावलीलेउडतगीध्रपिशाचकरग
हिधावहीं॥संग्रामपुरवासीमनहुबहुबालगुडीउडावहीं॥३२॥मारेपि
छारेउरबिदारेबिपुलभटकहंतरपरे॥अवलोकिनिजदलबिकलभटत्रि
शिरादिखरदूषणफिरे॥३३॥शरशक्तितोमरपरशुशूलकृपाणएकहिं
बारहीं॥करिकोपश्रीरघुबीरपरअगणितनिशाचरडारहीं॥३४॥प्रभु-
निमिषमहंरिपुशरनिवारिप्रचारिडारेशायका॥दशदशबिशिखउरमां
झमारेसकलनिशिचरनायका॥३५॥महिपरतउठिभटभिरतपुनिपुनि
करतमायाअतिघनी॥सुरडरतचौदहसहसनिशिचरएकश्रीरघुकुल
मणी॥३६॥सुरमुनिसभयप्रभुदेखिमायानाथअतिकौतुककर्यो
॥देखहिंपरस्पररामकरिसंग्रामरिपुदललरिमर्यो॥३७॥ ॥दो
हा॥ ॥रामरामकरितनुजहिं॥पावहिंपदनिर्वान॥करिउपायरिपु
मारेउ॥क्षणमहंकृपानिधान॥४२॥हर्षितवर्षहिंसुमनसुर॥बा
जहिंगगननिशान॥अस्तुतिकरिकरिसबचले॥शोभितबिबिधबि
मान॥४३॥ ॥चौपाई॥ ॥जबरघुनाथसमररिपुजीते॥सुरनर
मुनिसबकेदुखबीते॥तबलक्ष्मणसीतहिलेआए॥प्रभुपदपरतहर्षि
उरलाए॥सीतानिरखिश्याममृदुगाता॥परमप्रेमलोचननअघाता
॥पंचवटीबसिश्रीरघुनायक॥करतचरितसुरमुनिसुखदायक॥सुंडदे
खिखरदूषणकेरा॥जाइशूर्पणखरावणप्रेरा॥बोलीबचनक्रोधकरि
भारी॥देशकोशकीसुरतिबिसारी॥करसिपानसोवसिदिनराती॥शु
धिनतोहिशिरपरआराती॥राजनीतिबिनुधनबिनुधर्मा॥हरिहिसम
र्पितबिनुसतकर्मा॥बिद्याबिनुबिबेकउपजाये॥श्रमफलपढेकियेअरु-

पाये॥ संगतेयती कुमंत्रतेराजा॥ मानतेज्ञान पानतेलाजा॥ प्रीतिप्र
णयविनुमदतेगुणी॥ नाशहिंवेगिनीतिअससुनी॥ ॥सोरठा॥ ॥
रिपुजपावककुपाप॥ प्रभुअहिगणियनछोटकरि॥ असकहिबिबिध-
बिलाप॥ पुनिलागीरोदनकरण॥ ४४॥ ॥दोहा॥ ॥सभामांझपरि
ब्याकुल॥ बहुप्रकारकहरोइ॥ तोहिजिअतदशकंधर॥ मोरिकिअसग
तिहोइ॥ ४५॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनतसभासदउठिअकुलाई॥ समुझा
ईगहिवाहुउठाई॥ कहलंकेशकहसिनिजबाता॥ केहिंतवनासाकाननिपा
ता॥ अवधनृपतिदशरथकेजाए॥ पुरुषसिंहवनखेलनआए॥ समुझिप
रीमोहिउनकेकरणी॥ रहितनिशाचरकरिहहिंधरणी॥ जिनकरभुजबल
पाइदशानन॥ अभयभयेमुनिबिचरहिंकानन॥ देखतबालककालस-
माना॥ परमधीरधन्वीगुणनाना॥ अतुलितबलप्रतापदोउभ्राता॥ ख

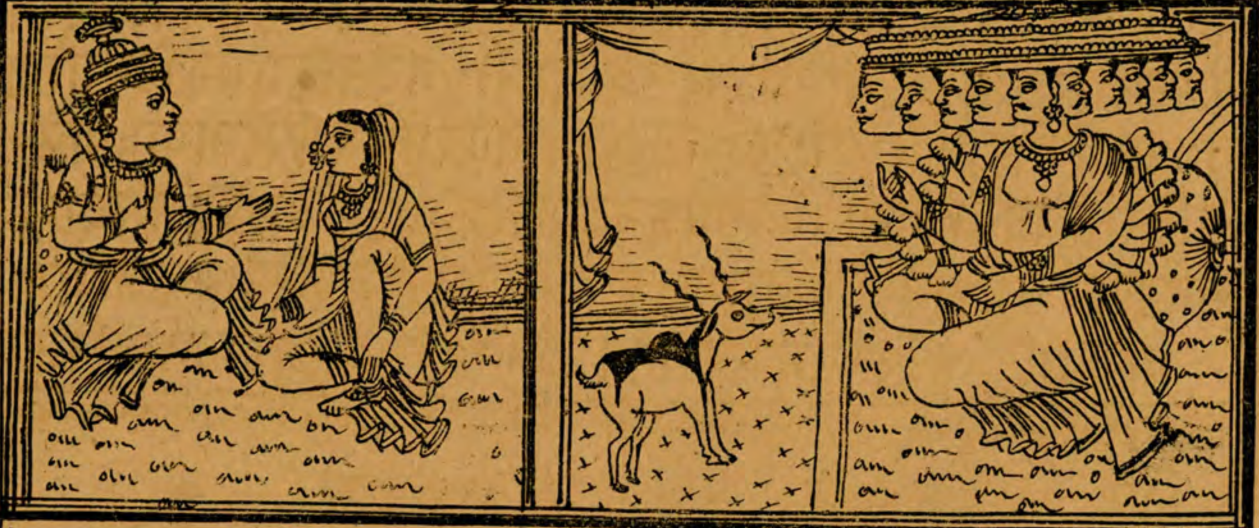


लवधरतसुरमुनिसुखदाता॥ शोभाधामरामअसनामा॥ तिनकेसंग
नारिएकश्यामा॥ ॥सोरठा॥ ॥अतिकुसुमारपियारि॥ पटतरयो
गनआहिकोउ॥ मैंमनदीखबिचारि॥ जहांरहयतेहिसमनकोउ॥ ४६॥
॥चौपाई॥ ॥अजहुंजाइदेखबतुमजवहीं॥ ह्वैहहुबिकलतासु
वशनवहीं॥ जीवनमुक्तलोकसबजाके॥ दशमुखसुनहुसेदरिअसनें

हिके ॥ रूपराशिबिधिनारिसंभारी ॥ रतिशतकोटितासुबलिहारी ॥
तासुअनुजकाटिश्रुतिनासा ॥ सुनितबभगिनीकरिपरिहासा ॥ खरदूष
णसुनिलागुगोहारी ॥ क्षणमहंसकलकटकउनमारी ॥ खरदूषणत्रिशि
राकरघाता ॥ सुनिदशशीसजरासबगाता ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ शूर्पनख
हिंसमुझाइकरि ॥ बलबोलेसिबहुभांति ॥ भवनगयेउअतिशोचबस ॥-
नींदपरीनहिंराति ॥ ४७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सुरनरअसुरनागमहिमाहीं
॥ मोरेअनुचरकहंकोउनाहीं ॥ खरदूषणमोसमोबलवंता ॥ तिन्हेंकोमा
रेबिनुभगवंता ॥ सुररंजनभंजनमहिभारा ॥ जौंजगदीशलीनअवतारा
॥ तौंमैंजाइबैरहठिकरऊं ॥ प्रभुकरमरिभवसागरतरऊं ॥ होयभजनन
हिंतामसदेहा ॥ मनक्रमबचनमंत्रदृढएहा ॥ जोनररूपभूपसुतकोऊ ॥ ह
रिहौंनारिजीतिरणदोऊ ॥ चलाअकेलयानचढितहंवा ॥ बसमारीचसिंधु
तटजहंवा ॥ रथअनूपजारस्वरचारी ॥ बेगबंतइमिजिमिउरमारी ॥ ॥ छंद
॥ ॥ उरगारीसमअतिबेगबरणतजाइनहीउपमाकही ॥ शिरछत्रशोभि-
तश्यामघनजनुचवरश्वेतविराजहीं ॥ ३८ ॥ एहिभांतिनाघतसरितशैल
अनेकवापीसोहहीं ॥ वनबागउपबनवाटिकाशुचिनगरमुनिमनमोह
हीं ॥ ३९ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ बहुतडागशुचिविहगमृग ॥ बोलतबिबिधप्र
कार ॥ एहिबिधिआयोसिंधुतट ॥ शतयोजनविस्तार ॥ ४८ ॥ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ सुंदरजीवविबिधबिधजाती ॥ करहिंकुलाहलदिनअरुराती ॥
कूदहिंतेगर्जहिंघननाई ॥ महाबलीबलबर्णिनजाई ॥ कनकबालुसुंदरसुख
दाई ॥ बैठहिंसकलजंतुतहंजाई ॥ तेहिपरदिव्यलताद्रुमलागे ॥ जेहिदेषत
मुनिमनअनुरागे ॥ गुहाबिबिधबिधिरहीबनाई ॥ वर्णैतशारदमतिसकु-
चाई ॥ चाहियजहांऋषिनकरवासा ॥ तहांनिशाचरकरहिंनिवासा ॥ दशमु
खदेखिसकलसकुचाने ॥ जेजडजीवसजीवपराने ॥ इहांरामजसयुक्तिब
नाई ॥ सुनहुउमासोकथासुहाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ लक्ष्मणगएबनहिंजब

॥लेनमूलफलकंद॥जनकसुतासनबोलेउ॥विहंसिकृपासुखकंद॥४९
॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनहुप्रियाव्रतरुचिरसुशीला॥मैंकछुकरबलिलि
तनरलीला॥तुमपावकमहंकरहुनिवासा॥जबलगिकरौंनिशाचरनाशा॥
॥जबहिरामसबकहेउबखानी॥प्रभुपदधरिहियअनलसमानी॥निज
प्रतिबिंबराखितहंसीता॥तैसइशीलस्वरूपविनीता॥लक्ष्मणहूयहम
र्मनजाना॥जोकछुचरितरचाभगवाना॥दशमुखगएउजहांमारीचा॥
नाइमाथस्वारथरतनीचा॥नमनिनीचकीअतिदुखदाई॥जिमिअंकुश
धनुउरगबिलाई॥भयदायकखलकीप्रियबानी॥जिमिअकालकेकुसुम
भवानी॥ ॥दोहा॥ ॥करिपूजामारीचतब॥सादरपूजीबात॥कवनहे
तुमनव्यग्रइति॥एकसरआएउतात॥५०॥ ॥चौपाई॥ ॥दशमुखस
कलकथातेहिआगे॥कहीसहितअभिमानअभागे॥होहुकपटमृगतुमछ
लकारी॥जेहिविधिहरिआनौंनृपनारी॥तेंहिपुनिकहासुनहुदशशीसा॥ते
नररूपचराचरईशा॥तासोंतातबैरनहिंकीजे॥मारेमरियजियाएजीजे॥
मुनिमखराखनगयेउकुमारा॥बिनुफलशररघुपतिमोहिमारा॥शतयोज
नआयेउँक्षणमाहीं॥तिनसनबैरकिएभलनाहीं॥भइगतिकीटभृंगकीना
ई॥जहंतहंमैंदेखौंदोउभाई॥जौंनरतातलदपिअतिशूरा॥तिनहिंबिरोध
नआइहिंपूरा॥ ॥दोहा॥ ॥जेहिंताडकासुबाहुहति॥खंडेउहरकोदं
ड॥खरदूषणत्रिशिरावधेउ॥मनुजकिअसबलबंड॥५१॥ ॥चौपा
ई॥ ॥जोहुभवनकुलकशलबिचारी॥सुनतजरादीन्हेसिबहुगारी॥गु
रुजिमिमूढकरसिममबाधा॥कहुजगमोहिसमानकोयोधा॥तबमारी
चहृदयअनुमाना॥एहिबिरोधेनहिकल्याना॥शस्त्रीमर्मीप्रभुशठधनी
॥वेदवंद्यकविकोविदगुणी॥उभयभांतिदेखोंनिजमरणा॥तबताकेरघु
नायकशरणा॥उतरदेतमोहिविधिहिअभागे॥कसनमरोंरघुपतिशर
लागे॥असजियजानिदशाननसंगा॥चलारामपदप्रेमअभंगा॥मनअति

हर्षजनावातेही॥आजुदेखिहोंपरमसनेही॥ ॥छंद॥ ॥निजपरम
प्रीतमदेखिचनसफलकरिसुखपाइहों॥श्रीसहितअनुजसमेतकृपानि



केतपदमनलाइहों॥४०॥ निर्बाणदायकक्रोधजाकरभक्तिअवशहिंव-
शकरी॥निजपाणिशरसंधानिसोमाहिबधहिंसुखसागरहरी॥४१॥
॥दोहा॥ ॥ममपाछेंउठिधावत॥धरेशरासनबाण॥फिरिफिरिप्र
भुहिबिलोकिहौं॥धन्यनमोसमआन॥५२॥ ॥चौपाई॥ ॥सीताल
षणसहितरघुराई॥जेहिंवनसबहिंसुनिनसुखदाई॥तेहिबननिकटदशा
ननगयेऊ॥तबमारीचकपटमृगभयेऊ॥अतिबिचित्रकछुबरणिनजाई
॥कनकदेहमणिरचितबनाई॥सीतापरमरुचिरमृगदेखा॥अंगअंग
सुमनोहरवेखा॥सुनहुदेवरघुबीरकृपाला॥एहिमृगकरअतिसुंदरछा
ला॥सत्यसंधप्रभुबधकरिएही॥आनहुचर्मकहाबैदेही॥तबरघुपति-
जानासबकारण॥उठेहर्षिसुरकाजसंवारण॥मृगबिलोकिकटिपरि-
करबांधा॥करतलचापरुचिरशरसाधा॥प्रभुलक्ष्मणहिकहासमुझा
ई॥फिरतबिपिननिशिचरबहुभाई॥सीताकेरिकरेहुरखवारी॥बहुबि
वेकबलसमयबिचारी॥ ॥दोहा॥ ॥असकहिचलेउतहांप्रभु॥ज
हांकपटमृगनीच॥देवहर्षविस्मयबिबस॥चातकजिमिबरषाबीच॥५३

॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुहिबिलोकिचलामृगभाजी॥धाएरामशरास
नसाजी॥निगमनेतिशिवध्याननपावा॥मायामृगपाछेंसोधावा॥
कबहुंनिकटपुनिदूरीपराई॥कबहुंकप्रगटेंकबहुंछपाई॥प्रगटतदुरत
करतछलभूरी॥इहिबिधिप्रभुहिगयोलैदूरी॥तबतकिरामकठिनशरमा
रा॥धरणिपरेउकरिघोरपुकारा॥लक्ष्मणकरप्रथमहिंलैनामा॥पाछे-
सुमिरेसिमनमहंरामा॥प्राणतजतप्रगटेसिनिजदेहा॥सुमिरेसियराम
समेतसनेहा॥अंतरप्रेमतासुपहिचाना॥मुनिदुर्लभगतिदीनसुजाना॥
॥दोहा॥ ॥बिपुलसुमनसुरवर्षहिं॥गावहिंप्रभुगुणगाथ॥निजप



ददीनअसुरकहं॥दीनबंधुरघुनाथ॥५४॥ ॥चौपाई॥ ॥खल-
बधितुरतफिरेरघुवीरा॥सोहचापकरकटितूणीरा॥आरतगिरासुनीज
बसीता॥कहलक्ष्मणसनपरमसभीता॥जाहुवेगिसंकटअतिभ्राता॥
लक्ष्मणबिहसिकहासुनुमाता॥भृकुटीबिलाससृष्टिलयहोई॥सपनेहुसं
कटपरैकिसोई॥सोपिगएमोहिरघुपतिथाती॥जौनजिजाउंतोषनहिछा
ती॥यहजियजानिसुनहुममम‌ाता॥पूछतकहबकबनमेंबाता॥मर्मब-
चनसीताजबबोली॥हरिप्रेरितलक्ष्मणमतिडोली॥चहुंदिशिरेखरखचा
इअहीशा॥बारबारनावापदसीशा॥बदनदिशिदेवसौंपिसबकाहू॥च

लेजहांरावणशशिराहू॥ चितवहिलक्ष्मणसियहिफिरिकेसें॥ तजनब-
त्सनिजमातहिजैसें॥ ॥दोहा॥ ॥एकडरतडररामके॥दूजेसीयअ
केलि॥ लक्ष्मणतेजतनुहतभयो॥ जिमिउदीदवबेलि॥५५॥ ॥चौपा
ई॥ ॥शून्यबीचदशकंधरदेखा॥ आवानिकटयतीकेभेषा॥ जाकेडरसु
रअसुरडराहीं॥ निशिननींदादिनअन्ननखांहीं॥ सोदशशीसस्वानकी
नाई॥ इतउतचितइचलाभडिहाई॥ जिमिकुपंथपगदेतखगेशा॥ रहनतें
जबलबुधिलवलेशा॥ करिअनेकबिधिछलचतुराई॥ मांगेउभिक्षादश
मुखजाई॥ अतिथिजानिसियकंदमूलफल॥ देनलगीतेंहिकीन्हबहरि
छल॥ कहदशमुखसुनुसुंदरिबानी॥ बांधीभीखनलेउंसयानी॥ बि-
धिगतिबामकालकठिनाई॥ रेखनाधिसियबाहिरआई॥ ॥दोहा॥
॥विश्वभरणिअघदलनिसिय॥ करणिसकलसुरकाज॥ जानानहि
तेहिसमयमह॥ दशशिरकपटकेसाज॥५६॥ ॥चौपाई॥ ॥ना
नाबिधकहिकथासुहाई॥ राजनीतिभयप्रीतिदिखाई॥ कहसीतासुनु
यतीगोसांई॥ बोलेहुबचनदुष्टकीनाई॥ तबरावणनिजरूपदेखावा॥
भईसभयजबनामसुनावा॥ कहसीताधरिधीरजगादा॥ आईगएप्र
भुरहुखलठादा॥ जिमिहरिबधूहिक्षुद्रशशचाहा॥ भएसिकालवशनि
शिचरनाहा॥ वायसकरिचहखगपतिसमता॥ सिंधुसमानहोइकिमि
सरिता॥ खरीकिहोइसुरधेनुसमाना॥ ज्ञाहुभवननिजसुनुअज्ञाना
॥सुनतबचनदशशीसलजाना॥ मनमहचरणबंदिसुखमाना॥ ॥
दोहा॥ ॥क्रोधवनतबरावण॥ लीन्हेसिरथबैठाइ॥ चलेउगगनपंथ
आतुर॥ भयरथहांकिनजाइ॥५७॥ ॥चौपाई॥ ॥हाजगदीश
देवरघुराया॥ केहिअपराधबिसारेहुदाया॥ आरतिहरणशरणसुख
दायक॥ हारघुकुलसरोजदिननायक॥ हालक्ष्मणतुम्हारनहिंदोषा॥
सोफलपायउंकीन्हेउंरोषा॥ कैकेयीमनजोकछुरहेऊ॥ सोबिधिआजुमो

हिदुखदयेऊ॥ पंचवटीकैखगमृगजाती॥ दुखीभएजलचरबहुभांती॥
बिबिधबिलापकरतीबैदेही॥ भूरिकृपाप्रभुदूरीसनेही॥ बिपतिमोरि-
कोप्रभुहिसुनावा॥ पुरोडाशचहरासभखावा॥ सीताकेबिलापसुनिभा
री॥ भयेउचराचरजीवदुखारी॥ ॥दोहा॥ ॥बहुबिधकरतिबिलाप
नभ॥ लिएजातदशशीस॥ डरतनरखलबरपाइभल॥ जोदीन्होअजई
श॥५८॥ ॥चौपाई॥ ॥गृध्रराजसुनिआरतबानी॥ रघुकुलतिल
कनारिपहिचानी॥ अधमनिशाचरलीन्हेजाई॥ जिमिमलेछबशकपि
लागाई॥ अहहप्रथमबलममतनुनाहीं॥ तदपिजाइदेखौंबलताहीं॥
सीतापुत्रिकरसिजनित्रासा॥ करिहौंयातुधानकरनाशा॥ धावाक्रोधवं
तखगकैसे॥ छूटेपविपर्वतकहंजैसे॥ रेरेदुष्टठाढकिनहोही॥ निर्भयच-
लेसिनजानेसिमोही॥ आवतदेखिकृतांतसमाना॥ फिरिदशकंधकर
तअनुमाना॥ कीमैनाककिखगपतिहोई॥ ममबलजानतसुरपतिसो-
ई॥ जानाजरठजटायूएहा॥ ममकरतीरथछांडिहिदेहा॥ ॥दोहा॥
॥ममभुजबलनहिजानही॥ आवततपसिसहाय॥ समरचदेतौयहि
हतौं॥ जिअतननिजथलजाय॥५९॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनतगृध्र
क्रोधातुरधावा॥ कहसुनुरावणमोरशिखावा॥ तजिजानकिहिकुशल
गृहजाहू॥ नाहितखंडितहोइहिबाहू॥ रामरोषपावकअतिघोरा॥ होइ
हिसकलसलभकुलतोरा॥ उतरनदेतदशाननयोधा॥ तबहिंगृध्रधावा
करिक्रोधा॥ धरिकचबिरथकीन्हमहिगीरा॥ सीतहिराखिगृध्रपुनिफी
रा॥ दशमुखउठिकनशरसंधाना॥ गृध्रआइकाटेउधनुबाना॥ जोचन-
मारिबिदारेसिदेही॥ दंडएकभईमूर्च्छातेही॥ ॥दोहा॥ ॥जेइरावण
निजबशकिए॥ मुनिगणसिद्धसुरेश॥ तेहिरावणसनसमरअति॥ धीर
बीरगृध्रेश॥६०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुरतिभएपुनिउठसोधावा
॥मारिगृध्रसन्मुखतेंहिआवा॥ किन्हेसिबहुबिधयुद्धखगेशा॥ थकितभ

१ जग्यकोभाग.

यातंबजरठगृध्रेशा॥ नबुसक्रोधनिशिचरखिसिम्राना॥काटेसिपरम
करालकृपाना॥काटेसिपंखपराखगधरणी॥सुमिरिरामकरम्रद्भुतक
रणी॥ मनमहुंगृध्रपरमसुखमाना॥ रामकाजममलागेउम्राना॥सींव
हिंयानचढाइबहोरी॥ चलाउताइलत्रासनथोरी॥ करतिबिलापजाति
नभसीता॥ब्याधबिबशाजनुमृगीसभीता॥ गिरिपरबैठेकपिननिहारी॥
कहिहरिनामदीनपटडारी॥ इहबिधसीतहिसोलैगयऊ॥बनम्रशोकम
हंराखतभयऊ॥ ॥दोहा॥ ॥हारिपराखलबहुतबिधि॥भयम्ररुप्री
तिदेखाय॥ तबम्रशोकपादपतरे॥राखेसियतनेकराय॥६१॥ ॥चौ
पाई॥ ॥उहांबिधातामनम्रनुमाना॥ सुरपतिबोलिमंत्रम्रसठाना॥
तातजनकतनयापहिजाहु॥सुधिनपावजिमिनिशिचरनाहु॥म्रसकहि
बिधिसुंदरहबिम्रानी॥सौंपिबहुरिबोलेमृदुबानी॥इहिभक्षणकृतक्षु
धानप्यासा॥वर्षसहस्रयहसंशयनाशा॥ऐसेसादरलेम्रायसुपाई॥चल्यो
हृदयसुमिरतरघुराई॥ कछुवासुबमायानिम्रयहोई॥रक्षकरहेगुणतह
सोइ॥तदपिडरतसीतापहम्रायो॥करिप्रणामनिजनामसुनायो॥सि
यतवजानिसुरेशसुजाना॥ पितुजनकदशरथसममाना॥ करिपरितो
षदूरितकरिशोका॥ हव्यखवाइगयोनिजलोका॥ ॥दोहा॥ ॥जेहि
बिधकपटकुरंगसंग॥ धाइचलेश्रीराम॥ सोछबिसीताराखिउर॥ रटतिर
हतिहरिनाम॥६२॥ ॥चौपाई॥ ॥रघुपतिम्रनुजहिम्रावतदेषा॥म
नमहुचिंताकीन्हविशेषा॥जनकसुतापरिहरेउम्रकेली॥ म्रायेहुतातब
चनममपेली॥ निशिचरनिकरफिरहिबनमाहीं॥ममनसीताम्राश्रम
नाहीं॥ म्रहहतातभलकीन्हहुनाहीं॥ सियबिहीनममजीवननाहीं॥ए
हितेकबनबिपतिबडभाई॥खोएउसीयकाननहिम्राई॥गहीपदकमल
म्रनुजकरजोरी॥ कहेउनाथकछुमोहिनखोरी॥ म्रनुजसमेतगएप्रभु
तहवां॥ गोदावरितटम्राश्रमजहवा॥म्राश्रमदेखिजानकीहीना॥भा

एबिकलजसप्राकृतदीना॥ ॥दोहा॥ ॥काननरहेउतडागइव॥
चकचकुइसियराम॥रावणनिशिबिछुरनभयो॥वर्षाचारिवयम॥६३
॥ ॥चौपाई॥ ॥परदुखहरणशोकदुखलाहीं॥भाविषादतिन्ह
केमनमाहीं॥हागुणखानिजानकीसीता॥रूपशीलव्रतनेमपुनीता॥
लक्ष्मणसमुझायेबहुभाती॥पूछतचलेलतातरूपाती॥हेखगमृग
हेमधुकरश्रेनी॥तुमदेखीसीतामृगनयनी॥खंजनसुकपोतमृग
मीना॥मधुपनिकरकोकिलाप्रबीना॥कुंदकलीदाडिमदामिनी॥शर
दकमलशशिअहिभामिनी॥बरुणपाशमनोजधनुहंसा॥गजकेह
रिनीसुनतप्रशंसा॥श्रीफलकनककदलिहरषाहीं॥नेकुनशंकसकुच
मनमाहीं॥सुनुजानकीतोहिबिनुआजू॥हर्षेसकलपायजनुराजू॥
किमिसहिजातअनरवतोहिपाहीं॥प्रियाबेगिप्रगटसिकसनाहीं॥ ॥
दोहा॥ ॥फणिमणिहीनदीनजिमि॥मीनहीनजिमिवारी॥तिमि-
व्याकुलभएलषणतहं॥रघुबरदशानिहारि॥६४॥ ॥चौपाई॥ ॥
धरिउरधीरबुझावहिंरामहि॥तजहिंशोकअधिकसुखधामहिं॥इहि
बिधिखोजतबिलपतस्वामी॥मनहुमहाबिरहीअतिकामी॥पूरणकामरा
मसुखराशी॥मनुजचरितकरअजअबिनाशी॥सुरवरअमितनदीगि
रिखोहा॥बहुबिधरामलषणतहंजोहा॥शोचत्हृदयकछुकहिनहिआ
वा॥टूटधनुषशरआगेपावा॥कहुकहुंशोणितदेखियकैसे॥श्रवण
जलभांडाबरजेसे॥कहतरामलछिमनहिबुझाई॥काहूकीन्हयुद्धएहि
ठाईं॥आगेपरागृध्रपतिदेखा॥सुमिरतरामचरणजिन्हरेखा॥
॥दोहा॥ ॥करसरोजशिरपरसेऊ॥कृपासिंधुरघुबीर॥निरखि-
रामछबिधामसुख॥बिगतभईसबपीर॥६५॥ ॥चौपाई॥ ॥त
बकहगृध्रबचनधरिधीरा॥सुनहुरामभंजनभवभीरा॥नाथदशानन
यहगतिकीन्ही॥तेहिखलजनकसुताहरिलीन्ही॥लैदक्षिणदिशिग

एउगोसांई॥ बिलपतिअतिकुररीकीनाई॥ दरशलागिप्रभुराखेंउप्राणा॥चलनचहतअबकृपानिधाना॥ रामकहातनुराखहुताता॥सुखमुसुकाइकहीतेइबाता॥जाकरनाममरतमुखआवा॥ अधमउमुक्तहोइश्रुतिगावा॥सोममलोचनगोचरआगे॥राखोंदेहनाथकेहिलागे॥जलभरिनयनकहारघुराई॥ तातकर्मनिजतेगतिपाई॥ परहितबसजिन्हकेमनमाहीं॥तिन्हकहदुर्लभकछुनाहीं॥ तनुतजितातजाहुममधामा॥ देउंकहातुमपूरणकामा॥ गृध्रदेहतजिधरिहरिरूपा॥ भूषणबहुपटपीतअनूपा॥श्यामगातबिशालभुजचारी॥अस्तुतिकरतनयनभरिवारी॥ ॥दोहा॥ ॥सीताहरणतातजिनि॥कहहुपितासनजाई॥जोमैरामतोकुलसहित॥कहहिदशाननजाइ॥६६॥ ॥छंद॥ ॥जयरामरूपअनुपनिगुणसगुणगुणप्रेरकसही॥ दशशीसबाहुप्रचंडखंडनचापशरमंडनमही॥४२॥ पाथोजगातसरोजमुखराजीवआयतलोचनं॥नितनौमिरामकृपालुबाहुबिशालभवभयमोचनं॥४३॥ बलमप्रमेयमनादिमजमव्यक्तमेकमगोचरं॥ गोविंदगोपरद्वंद्वहरबिज्ञानघनधरणीधरम्॥४४॥ जेराममंत्रजपतसंतअनंतजनमनरंजनं॥ नितनौमिरामअकामप्रियकामादिखलदलगंजनं॥४५॥जेहिश्रुतिनिरंतरब्रह्मब्यापकबिरजअजकहिगावहीं॥ करिध्यानज्ञानबिरागयोगअनेकमुनिजेहिपावहीं॥४६॥सोप्रगटकरुणाकंदशोभावृंदअगजगमोहई॥ममहृदयपंकजभृंगअंगअनंगबहुछबिसोहई॥४७॥जोअगमसुगमस्वभावनिर्मलअसमसमशीतलसदा॥ पश्यंतियेयोगियतनकरिकरतमनगोबशसदा॥४८॥सोरामरमानिवाससंततदासबशत्रिभुवनधनी॥ममउरबसहुसोशमनसंसृतिजासुकीरतिपावनी॥४९॥ ॥दोहा॥ ॥अबिरलभक्तिमांगिबर॥ गृध्रगयउहरिधाम॥ तेहिकीक्रियायथोचित

॥निजकरकीन्हीराम॥६७॥ ॥चौपाई॥ ॥कोमलचितअतिदीन
दयाला॥कारणविनुरघुनाथकृपाला॥गृध्रअधमखगआमिषभोगी
॥गतितेहिदीन्हजोयाचतयोगी॥सुनहुउमातेलोकअभागी॥हरितजि
होहिंविषयअनुरागी॥पुनिसीतहिंखोजतदोउभाई॥चलेबिलोकतबनबहु
ताई॥संकुललताबिटपघनकानन॥बहुखगमृगतहंगजपंचानन॥आ
वतपंथकबंधनिपाता॥तेइसबकहीशापकीबाता॥दुर्वासामोहिदीन्हो
शापा॥प्रभुपददेखिमिटासोपापा॥सुनुगंधर्वकहौंमैंतोही॥मोहिनसु
हाइब्रह्मकुलद्रोही॥ ॥दोहा॥ ॥मनक्रमबचनकपटतजि॥जोकरभू
सुरसेव॥मोहिसमेतबिरंचिशिव॥वशताकेसबदेव॥६८॥ ॥चौपाई
॥ ॥शापतताडतपरुषकहंता॥बिप्रपूज्यअसगावहिंसंता॥पूजिय-
विप्रशीलगुणहीना॥शूद्रनगुणगणज्ञानप्रबीना॥कहिनिजधर्मता
हिसमुझावा॥निजपदप्रीतिदेखिमनभावा॥रघुपतिचरणकमलशिर-
नाई॥गएउगगनआपनिगतिपाई॥ताहिदेइगतिरामउदारा॥शबरीके
आश्रमपगुधारा॥शबरीदेखिरामगृहआए॥मुनिकेबचनसमुझिजिय
भाए॥सरसिजलोचनबाहुबिशाला॥जटामुकुटशिरउरबनमाला॥श्या
मगौरसुंदरदोऊभाई॥शबरीपरीचरणलपटाई॥प्रेममगनमुखबचनन
आवा॥पुनिपुनिपदशिरोजशिरनावा॥सादरजललेचरणपखारी॥
पुनिसुंदरआसनबैठारी॥ ॥दोहा॥ ॥कंदमूलफलसरसअति॥दि
एरामकहंआनि॥प्रेमसहितप्रभुखाएउ॥बारहिबारबखानि॥६९॥ ॥
चौपाई॥ ॥पाणिजोरिआगेभइठाढी॥प्रभुहिबिलोकिप्रीतिअतिबा-
ढी॥केहिबिधिअस्तुतिकरौंतुह्मारी॥अधमजातिमैंजडमतिनारी॥ति
नमहंमैंअतिमंदगवांरी॥कहरघुपतिसुनुभामिनिबाता॥मानौंएकभ
क्तिकोनाता॥जातिपांतिकुलधर्मबडाई॥धनबलपरिजनगुणचतुराई॥
भक्तिहीननरसोहैकैसे॥बिनुजलबारिददेखियजैसे॥नवविधभक्तिक

हौंतोहिपाहीं॥ सावधानसुनुधरुमनमाहीं॥ प्रथमभक्तिसंतनकरसं
गा॥ दूसरिरतिममकथाप्रसंगा॥ ॥दोहा॥ ॥गुरुपदपंकजसेवा
॥ तीसरिभक्तिअमान॥ चौथिभक्तिममगुणगण॥ करैकपटतजिगा
न॥७०॥ ॥चौपाई॥ ॥मन्त्रजापममदृढबिश्वासा॥ पंचमभजनसो
बेदप्रकाशा॥ छठेंदमशीलविरतिबहुकर्मा॥ निरतनिरंतरसज्जनधर्मा॥
सप्तमसबमोहिमयजगदेखै॥ मोतेसंतअधिककरिलेखै॥ अष्टमयथा
लाभसंतोषा॥ सपनेहुनहिदेखैपरदोषा॥ नवमसरलसबसोंछलहीना॥
॥ ममभरोसजियहर्षनदीना॥ नवमहँएकौजिन्हकेहोई॥ नारिपुरुषस
चराचरकोई॥ सोअतिशयप्रियभामिनिमोरे॥ सकलप्रकारभक्तिदृढतो
रे॥ योगिवृंददुर्लभगतिजोई॥ तोकहँआजुसुलभभईसोई॥ ममदरश
नफलपरमअनूपा॥ जीवपावनिजसहजस्वरूपा॥ ॥दोहा॥ ॥सब
प्रकारतबभागबड॥ ममचरणनअनुराग॥ तबमहिमाजेहिउरबसहिं
॥ तासुपरमबडभाग॥७१॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिशभबचनह-
र्षकहपाई॥ पुनिबोलेप्रभुगिरासुहाई॥ जनकसुताकेसुधिकहुभामि
नि॥ जानहिंकहुकरिगईवरगामिनि॥ पंपासरहिंजाहुरघुराई॥ सुनि
वरविपुलरहेजहँछाई॥ ऋषिमतंगमहिमागुणभारी॥ जीवचराचरर-
हतसुखारी॥ बैरनकरैकाहुसनकोई॥ जासनबैरप्रीतिकरुसोई॥
शिखरसुहावनकाननफूले॥ खगमृगजीवजंतुअनुकूले॥ करहुसुफ
लआश्रमसबजाई॥ तहहोइहिंसुग्रीवमिताई॥ सोसबकहिहिदेव
रघुबीरा॥ जानतहूपूछतमतिधीरा॥ बारबारप्रभुपदशिरनाई॥ प्रे-
मसहितसबकथासुनाई॥ ॥छंद॥ ॥कहिकथासकलबिलो
किहरिमुखहृदयपदपंकजधरे॥ तजियोगपावकदेहहरिपदलीनभ
ईजहँनहिंफिरे॥५०॥ नरबिबिधकर्मअधर्मबहुमतशोकप्रदसब-
त्यागहू॥ विश्वासकरिकहदासतुलसीरामपदअनुरागहू॥५१॥

दोहा॥ ॥जातिहीनअघजन्ममहि॥मुक्तकीन्हअसनारि॥महामंदमनसुखचहसि॥ऐसेप्रभुहिंबिसारि॥७२॥ ॥चौपाई॥ ॥
चलेउरामत्यागावनसोऊ॥अतुलितबलनरकेहरिदोऊ॥बिरहीइवप्रभुकरतविषादा॥कहतकथाअनेकसंवादा॥लक्ष्मणदेखहुकाननशोभा॥देखतकेहिकरमननहिंक्षोभा॥नारिसहितसबखगमृगबृंदा॥मानहुमोरिकरतहयनिंदा॥हमहिंदेखिमृगनिकरपराहीं॥मृगीकहहिंतुमकहँभयनाहीं॥तुमआनंदकरहुमृगजाए॥कंचनमृगखोजनएआए॥संगलाइकरिणीकरिलेहीं॥मानहुमोहिसिखावनदेहीं॥शास्त्रसुचिंतितपुनिपुनिदेखिय॥भूपसुसेवितबशनहिंलेखिय॥राखियनारियतदपिउरमाहीं॥युवतीशास्त्रनृपतिबशनाहीं॥देखहुतातबसंतसुहावा॥प्रियाहीनमोहिभयउपजावा॥ ॥दोहा॥ ॥बिरहबिकलबलहीनमोहि॥जानेसिनिपटअकेल॥सहितबिपिनमधुकरखगन॥मदनकीनबगमेल॥७३॥देखिगएउभ्रातासहित॥तासुदूतसुनिबात॥डेरादीन्हेउमनहुतिन॥कटकहटकिमनजात॥७४॥ ॥चौपाई॥ ॥बिटपबिशाललताअरुझानी॥बिबिधबितानदिएजनुतानी॥कदलीतालबरध्वजापताका॥देखिनमोहधीरमनजाका॥बिबिधभांतिफूलेतरुनाना॥जनुबानेतबनेवहुबाना॥कहुकहुंसुंदरबिटपसुहाए॥जनुभटबिलगबिलगहोइछाए॥कूजतपिकमानहुगजमाते॥ढेकमहिषउटबिसरातें॥मोरचकोरकीरबरबाजी॥पारावतमरालसबताजी॥तीतरलावापदचरयूथा॥बरणिनजाइमनोजबरूथा॥रथगिरिशिलादुंदभीझरणा॥चातकबंदीगुणगणबरणा॥मधुकरमुखरभेरीसहनाई॥त्रिविधबयारिबसीठीआई॥चतुरंगिनीसेनसंगलीन्हे॥बिचरतसबहिचुनौतीदीन्हे॥लक्ष्मणदेखहुकामअनीका॥रहहिंधीरतिन्हकैजगलीका॥एहिकेएकपरमबलनारी॥तेहितेउबरेसुभटसोभारी॥ ॥दोहा॥

तानतीनिअतिप्रबलखल॥ कामक्रोधअरुलोभ॥ मुनिबिज्ञाननिधान
मन॥ करहिंनिमिषिमहक्षोभ॥७५॥ लोभकेइच्छादंभबल॥ कामकेकेव
लनारि॥ क्रोधकेपरुषबचनबल॥ मुनिबरकहहिंबिचारि॥७६॥ ॥
चौपाई॥ ॥गुणातीतसचराचरस्वामी॥ रामउमासबअंतरजामी॥
कामिनकीदीनतादिखाई॥ धीरनकेमनबिरतिदृढाई॥ क्रोधमनोजमहा
मदमाया॥ छूटहिंसकलरामकीदाया॥ सोनरइंद्रजालनहिभूला॥ जापर
होइसोनटअनुकूला॥ उमाकहौंमैंअनुभवअपना॥ सत्यहरिभजनज
गतसबसपना॥ पुनिप्रभुगएसरोवरतीरा॥ पंपानामसुभगगंभीरा॥
संतहृदयजसनिर्मलबारी॥ बांधेघाटमनोहरचारी॥ जहंतहंपिअहि
बिबिधमृगनीरा॥ जनुउदारगृहयाचकभीरा॥ ॥दोहा॥ ॥पुरइनि
सघनिओटजल॥ बेगिनपाइयमर्म॥ मायाअछतनदीखजिमि॥ केव
लनिर्गुणब्रम्ह॥७७॥ सुखीमीनसबएकरस॥ अतिअगाधजलमांहीं
॥ यथाधर्मशीलन्हिके॥ दिनसुखसंयुताजाहिं॥७८॥ ॥चौपाई॥
॥ बिकसेसरसिजनानारंगा॥ मधुरमुखरगुंजतबहुभृंगा॥ बोलतज
लकुक्कुटकलहंसा॥ प्रभुबिलोकिजनुकरतप्रशंसा॥ चक्रबाकबकखग
समुदाई॥ देखतबनैबरणिनहिजाई॥ सुंदरखगगणगिरासुहाई॥ जा
तपथिकजनुलेनबुलाई॥ तालसमीपमुनिन्हगृहछाए॥ चहुदिशिकान
नबिटपसुहाए॥ चंपकबकुलकदंबतमाला॥ पाटलपनसपलाशरसा-
ला॥ नवपल्लवकुसुमितनतरुनाना॥ चंचरीकपटलीकरगाना॥ शीतल
मंदसुगंधसुभाऊ॥ संततबहैमनोहरबाऊ॥ कहुंकुहुंकोकिलपिकध्व-
निकरहीं॥ सुनिरवसरसध्यानमुनिटरहीं॥ ॥दोहा॥ ॥फूलेफले
बिटपसब॥ रहेभूमिनिअराइ॥ पुरउपकारीपुरुषजिमि॥ नमहिंसुसं
पतिपाइ॥७९॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिरामअतिरुचिरतलावा॥ मज्ज
नकीन्हपरमसुखपावा॥ देखेउसुंदरतरुवरछाया॥ बैठेअनुजसहित

रघुराया॥ तहंपुनिसकलदेवमुनिआए॥ अस्तुतिकरिनिजधामसिधाए
॥बैठेपरमप्रसन्नकृपाला॥ कहतअनुजसनकथारसाला॥ बिरहवंतभ
गवंतहिदेषी॥ नारदमनभाशोचबिशेषी॥ मोरशापकरिअंगीकारा॥ सहत
रामनानादुखभारा॥ ऐसेप्रभुहिबिलोकौंजाई॥ पुनिनबनहिअसअव
सरआई॥ यहबिचारिनारदकरबीणा॥ गएजहांप्रभुसुखआसीना॥
गावतरामचरितमृदुबानी॥ प्रेमसहितबहुभांतिबखानी॥ करतदंडवति
लिएउठाई॥ राखेबडीबारउरलाई॥ स्वागतपूछिनिकटबैठारे॥ लक्ष्मण
सादरचरणपखारे॥ ॥दोहा॥ ॥नानाबिधिबिनतीकरि॥ प्रभुप्रस
न्नजियजानि॥ नारदबोलेबचनतब॥ जोरिसरोरुहपाणि॥८०॥ ॥



चौपाई॥ ॥सुनहुउदारपरमरघुनायक॥ सुंदरअगमसुगमबरदा
यक॥ देहुएकबरमागौंस्वामी॥ यद्यपिजानतअंतरजामी॥ जानहुमुनि
तुममोरसुभाऊ॥ जनसनकबहुंनकरौंदुराऊ॥ कवनबस्तुअसप्रियमो
हीलागी॥ जोमुनिबरनशकहुतुमभागी॥ जनकहंकछुअदेयनहिंमोरे
॥असबिश्वासतजहुजनिभोरे॥ तबनारदबोलेहर्षाई॥ असबरमागौं
करौंढिठाई॥ यद्यपिप्रभुकेनामअनेका॥ श्रुतिकहअधिकएकतेएका

॥रामसकलनामन्हतेअधिका॥ होउनाथअघखगगणबधिका॥ ॥
दोहा॥ ॥राकारजनीभक्तितव॥रामनामसोइसोम॥अपरनामउडुगणबिमल॥ वशहुभक्तउरव्योम॥८१॥ एवमस्तुमुनिसनकहेउ॥कृपासिंधुरघुनाथ॥तबनारदमनहर्षअति॥प्रभुपदनाएउमाथ॥८२॥ ॥
चौपाई॥ ॥अतिप्रसन्नरघुनाथहिजानी॥पुनिनारदबोलेमृदुबानी॥रामजबहिप्रेरेहुनिजमाया॥मोहेहुमोहिसुनहुरघुराया॥तबबिबाहमैंचाहौंकीन्हा॥प्रभुकेहिकारणकरैनदीन्हा॥सुनिमुनितोहिकहौंसहरोषा॥भजहिमोहितजिसकलभरोसा॥करौंसदातिन्हकैरखवारी॥जिमिबालकहिराखमहतारी॥गहिशिशुवत्सअनलअहिधाई॥तहंराखैजननीअरगाई॥प्रौढभएतेहिसुतपरमाता॥प्रीतिकरैनहिंपाछिलबाता॥मोरेप्रौढतनयसमज्ञानी॥बालकसुतसमदासअमानी॥जिनहिमोरबलनिजबलनाही॥ताकहंकामक्रोधरिपुआही॥यहबिचारिपंडितमोहीभजहीं॥पाएहुंज्ञानभक्तिनहितजहीं॥ ॥दोहा॥ ॥कामक्रोधलोभादिमद॥प्रबलमोहकेधारि॥तिन्हमहंअतिदारुणदुखद॥मायारूपीनारी॥८३॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुमुनिकहपुराणश्रुतिसंता॥मोहबिपिनकहंनारिवसंता॥जपतपनेमजलाशयझारी॥होइग्रीषमशोषैसबनारी॥कामक्रोधमदमत्सरभेका॥इन्हहिहर्षप्रदवरषाएका॥दुर्वासनाकुमुदसमुदाई॥तिन्हकहंशरदसदासुखदाई॥धर्मसकलसरसीरुहवृंदा॥होइहिमतिन्हहिदेतिदुखमंदा॥पुनिममताजवासबहुताई॥बाढहिनारिशिशिरऋतुपाई॥पापउलूकनिकरसुखकारी॥नारिनिबिडरजनीअंधिआरी॥बुधिबलशीलसत्यसबमीना॥बनशीसमत्रियकहहिंप्रबीना॥ ॥दोहा॥ ॥अवगुणमूलशूलप्रद॥प्रमदासबदुखखानि॥तातेंकीन्हनिवारण॥मुनिमनयहजियजानि॥८४॥ ॥
चौपाई॥ ॥सुनिरघुपतिकेबचनसुहाए॥मुनितनुपुलकिनयनभ

रिआए॥कहहुकवनप्रभुकीअसरीती॥सेवकपरममताअतिप्रीती॥
जेअमनभजहिंअसप्रभुत्यागी॥ज्ञानरंकनरमंदअभागी॥पुनिसाद
रबोलेमुनिनारद॥सुनहुरामविज्ञानविशारद॥संतनकेलक्षणरघुबी
रा॥कहहुरामभंजनभवभीरा॥सुनिमुनिसंतनकेगुणकहऊं॥जोंहिते
मेउनकेबशरहऊ॥षट्‌विकारजितअनघअकामा॥अकलअकिंचनसु
चिसुखधामा॥अमितबोधपरमारथभोगी॥सत्यसारकबिकोबिद-
योगी॥सावधानमानदमदहीना॥धीरधर्मगतिपरमप्रबीना॥ ॥दो
हा॥ ॥गुणागारसंसारदुख॥रहितबिगतसंदेह॥तजिममचरण
सरोजप्रिय॥तिनकहंदेखनगेह॥८५॥ ॥चौपाई॥ ॥निजगुण
सुनतश्रवणसकुचाहीं॥परगुणसुनतअधिकहरषाहीं॥समशीतलन
हित्यागहिंनीती॥सरलसुभावसबहिसनप्रीती॥जपतपव्रतदमसं
यमनेमा॥गुरुगोविंदबिप्रपदप्रेमा॥श्रद्धाक्षमामईत्रीदाया॥मुदिता-
ममपदप्रीतिअमाया॥बिरतिबिबेकबिनयबिज्ञाना॥बोधजथारथबेद
पुराना॥दंभमानमदकरहिंनकाऊ॥भूलिनदेहिंकुमारगपाऊ॥गावहिं
सुनहिंसदाममलीला॥हेतुरहितपरहितरतशीला॥सुनुमुनिसाधुन-
केगुणजेते॥कहिनसकहिंशारदश्रुतितेते॥ ॥छंद॥ ॥कहिशक
नशारदशेसनारदसुनतपदपंकजगहे॥असदीनबंधुकृपालुअपनेभ
कगुणनिजसुखकहे॥५२॥शिरनाइबारहिंबारचरणनब्रह्मपुरनारदग
ये॥तेधन्यतुलसीदासआशबिहाइजेहरिरंगरये॥५३॥ ॥दोहा॥
रावणारियशपावन॥गावहिंसुनहिंजेलोग॥रामभक्तिदृढपावहीं॥बि
नुबिरागजपयोग॥८६॥दीपशिखासमयुवतिजन॥मनजनिहोसिपतं
ग॥भजहिंरामतजिकाममद॥करहिसदासतसंग॥८७॥ ॥इति
श्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसंपाद
नोनामतृतीयःसोपानः अरण्यकांडःसमाप्तः॥३॥ ॥दोहा॥ ॥

अतिअरण्यसीताहरण॥ गृध्रगयेउनिजधाम॥ श्रीधरशवरीपरमपद॥ पायेउप्रभुगुणग्राम॥१॥ ॥श्रीसीतारामचंद्रार्पणमस्तु॥छ॥



श्री

अथ

तुलसीदास

कृत

रामायण

किष्किंधाकांड

प्रारंभः


वाळीचीस्त्री.
सुग्रिवाचीस्त्री.


मारुती
सुग्रीव
वाली
अंगद
राम


अंगद.
राम.
वाली.
मा.

श्रीगणेशायनमः

अथकिष्किंधाकांडंलिख्यते·

श्लोक·

कुंदेंदीवरसुंदरावतिबलौविज्ञानधामावुभौ॥शोभाढ्यौवरधन्विनौश्रुति
नुतौगोविप्रवृंदप्रियौ॥मायामानुषरूपिणौरघुवरौसद्धर्मवर्मौहितौ,सीता
न्वेषणतत्परौपथिगतौभक्तिप्रदौदेहिनः॥१॥ब्रह्मांभोधिसमुद्भवंकलिमल
प्रध्वंसनंचाव्ययं॥श्रीमच्छंभुमुखेंदुसुंदरवरेसंशोभितंसर्वदा॥संसाराम
यभेषजंसुमधुरंश्रीजानकीजीवनं,धन्यास्तेकृतिनःपिबंतिसततंश्रीरामनाम
मृतं॥२॥ ॥सोरठा॥ ॥मुक्तिजन्ममहिजानि॥ज्ञानखानिअघहानि
कर॥जहंबसशंभुभवानि॥सोकाशीसेइयनकस॥१॥जरतसकलसुरवृंद
॥विषमगरलजेहिपानकिय॥तेहिनभजसिमतिमंद॥कोकृपालुशंकरसरि
स॥२॥ ॥चौपाई॥ ॥आगेचलेबहुरिरघुराई॥ऋष्यमूकपर्वतनियराई॥
तहंरहसचिवसहितसुग्रीवा॥आवतदेखिअतुलबलसींवा॥अतिसभीत
कहसुनुहनुमाना॥पुरुषयुगलबलरूपनिधाना॥धरिबटुवेशदेखुतेंजाई
॥कहेसिआईमोहिजियसैनबुझाई॥पठवावालिहोइमनमैला॥भागौंतुरत
जौंयहशैला॥बिप्ररूपधरिकपितहंगएऊ॥मथनायपूछतअसभयऊ॥को
तुमश्यामलगौरशरीरा॥क्षत्रीरूपफिरहुबनबीरा॥कठिनभूमिकोमलप
दगामी॥कवनहेतुबिचरहुवनस्वामी॥मृदुलमनोहरसुंदरगाता॥सहतदु
सहबनआतपवाता॥कीतुमतीनिदेवमहंकोऊ॥नरनारायणकीतुमदोऊ॥
दोहा॥जगकारणतारणभवहि॥भजनधरणीभार॥कीतुमअखिलभुव
नपति॥लीन्हमनुजअवतार॥३॥चौपाई॥ हसिबोलेरघुबंसकुमारा॥बिधि
कालिखाकोमेटनहारा॥कोशलेशदशरथकेजाए॥हमपितुबचनमानि
वनआए॥नामरामलक्ष्मणदोभाऊ॥संगनारिसुकुमारसुहाई॥ इहां
हरिनिशिचरबैदेही॥खोजतबिप्रफिरहिहमतेही॥आपनचरितकहाह
मगाई॥कहहुबिप्रनिजकथाबुझाई॥तबहनुमंतहृदयअसजाना॥एतव

प्रगटरामभगवाना ॥ प्रभुपहिचानिपरेगहिचरणा ॥ सोसुखउमाजाहिन
हिबरणा ॥ पुलकिततनुमुखआवनवचना ॥ देखतरुचिरवेषकैरचना ॥ पुनि
धीरजधरिअस्तुतिकीन्हा ॥ हर्षिहृदयनिजनाथहीचीन्हा ॥ मैंअजानहोंपू
पूछासाई ॥ तुमकसपूछहुनरकीनाई ॥ नवमायाबशफिरौंभुलाना ॥ तातें
मैंनहिप्रभुपहिचाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ एकमंदमैंमोहबश ॥ कुटिलहृदयअ
ज्ञान ॥ पुनिप्रभुमोहिनबिसारेउं ॥ दीनबंधुभगवान ॥ ४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
यदपिनाथबहुअवगुणमोरे ॥ सेवकप्रभुहिपरैनहिमोरे ॥ नाथजीवतब-
मायामोहा ॥ सोनिस्तरैतुह्मारेहिछोहा ॥ तापरमैंरघुवीरदोहाई ॥ जानौं
कछुनहिंभजनउपाई ॥ सेवकसुतपितुमातुभरोसे ॥ रहैअशोचबनैप्रभुपो
से ॥ असकहिचरणपरेअकुलाई ॥ निजतनुप्रगटप्रीतिउरछाई ॥ तबरघु
पतिउठाईउरलाए ॥ निजलोचनजलसींचिजुडाए ॥ सुनुकपिजियजनि-
मानेसुऊना ॥ तैंममप्रियलक्ष्मणतेदूना ॥ समदरशीमोहिकहसबको
ई ॥ सेवकप्रियअनन्यगतिहोई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सोअनन्यअसजाहिकै
॥ मतिनटरैहनुमंत ॥ मैंसेवकसचराचर ॥ रूपराशिभगवंत ॥ ५ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ देखिपवनसुतपतिअनुकूला ॥ हृदयहर्षबीतासबशूला ॥
नाथशैलपरकपिपतिरहई ॥ सोसुग्रीवदासतबअहई ॥ तासननाथसुमै
त्रीकीजे ॥ दीनजानितेहिअभयकरीजे ॥ सोसीताकरखोजकराइही ॥
जहंतहंमरकटकोटिपठाइहिं ॥ इहिबिधिसकलकथासमुझाई ॥ लिएदो
उजनपीठचढाई ॥ जबसुग्रीवरामकहुंदेखा ॥ अतिशयजन्मधन्यकरिले
खा ॥ सादरमिलेनाइपदमाथा ॥ भेटेअनुजसहितरघुनाथा ॥ कपिकेमन
बिचारयहरीती ॥ करिहहिंविधिमोसनयेप्रीती ॥ दोहा ॥ ॥ तबहनुमंत
उभयदिशि ॥ कहिसबकथासमुझाई ॥ पावकसाक्षीदेइकरि ॥ जोरिप्रीति
हढाई ॥ ६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कीन्हप्रीतिकछुबीचनराषा ॥ लक्ष्मणराम
चरितसबभाषा ॥ कहसुग्रीवनयनभरिवारी ॥ मिलिहिनाथमिथिलेशकुमा-

री॥मंत्रिन सहित इहांइकवारा॥बैठरहउमैकरतबिचारा॥गगनपंथदे
खौमैजाता॥परबशपरीबहुतबिलपाता॥रामरामहारामपुकारी॥मम
हिदिशिदखिदीन्हपटडारी॥मागारामतुरतसोदीन्हा॥पटउरलाइशोचअ
तिकीन्हा॥कहसुग्रीवसुनहुरघुवीरा॥तजहुसोचमनआनहुधीरा॥सबप्रका
रकरिहौंसेवकाई॥जेहिबिधिमिलहिंजानकीआई॥ दोहा॥ सखाबचनसुनि
हर्षेहु॥कृपासिंधुबलसीव॥कारणकवनबसहुबन॥मोसनकहसुग्रीव॥
॥७॥चौपाई॥ पूछहिप्रभुहसिजानहिताही॥महावीरमरकटकुलमाहीं॥
तबअसथानप्रथकेहिठामा॥कहुनिजमतपिताकरनामा॥कहसुग्रीवसु
नहुरघुराई॥कहवआदितेउतपतिगाई॥ब्रह्मनयननिजकिंचनिकारा॥
धरिअंगुरीभूमीपरडारा॥वानरएकप्रगटतहंहोई॥चचलबहुतविरंचि-
बलसोई॥तेहिकानामघराविधिज्ञानी॥रिच्छरजतेहिसमनहिज्ञानी॥
बिधिपदनाइसीसकपिकहई॥आयसुकाममोहिप्रभुअहई॥विचरहुव
नगिरिबनफलखावहु॥सोब्रह्माकीआज्ञापाई॥दच्छिनदिशिगएवरघु
राई॥ ॥दोहा॥ ॥रिच्छरजनहंबिचरई॥महावीरबलवान॥निशिचर
मिलैतेसवहते॥लयलयवडेपरवान॥८॥ ॥चौपाई॥ ॥फिरनदी
षएकफूपअनूपा॥जलपरिछांहीदीषनिजरूपा॥तवकपिसोचकरतमन
मांहीं॥केहिविधिरिपूरहहिह्यांआई॥तेहिंदेषिकोपाकपिवीरा॥सवहि
शिफिराकूपकेतीरा॥जोजोचरितकीनकपिजैसा॥सोसोचरितदीषनहंसै
सा॥गर्जाकीसऊंइसोबोला॥कूदिपराजलमाहीडोला॥तेहिनतुपलटि
भैसोनारी॥अतिअनूपसुनरूपअपारी॥सुनहुउमाअतिकौतुकहोई॥
आइवहोरिगादीभयसोई॥सुरपतिदृष्टिपरीतेहिकाला॥तेहिरेतसाबि
दुपराशिखाल॥मोहेभानुदेखिछबिसीवा॥छुटोबिंदुपरातेहिग्रीवा॥
॥दोहा॥ ॥इद्रअशतेवालीभयो॥कहौवीरबलधाम॥दिनकर
सुतदूसरभयो॥तेहिसुग्रीऊनाम॥९॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनितनकालसु

नहुंरघुवीरा॥नारीपलटिभयोसोइवीरा॥तवरिच्छेसप्रीतमनभएऊ॥ह
महिसंगलयविधिपहंगएऊ॥करिप्रणामसवचरितबखाना॥कहविधि
हरिइच्छाबलवाना॥तवविधिहमहिकहासमुझाई॥दच्छिनदिशाजाउ
द्वौभाई॥किसकिंधातुमकरहुथाना॥रंगभोगबहुबिधिसुखनाना॥जोप्र
भुलोकचराचरस्वामी॥सोअवनारबहुनामी॥रघुकुलमणिदशरथसुन
होई॥पितुआज्ञाविचरिहिवनसोई॥नरलीलाकरिहहिविधिनाना॥पेह
वदर्शहोईकल्याना॥ ॥दोहा॥ ॥तवहर्षेहमबंधुदोऊ॥सुनिकयवि
धिकवचन॥नपजपजोगनपावहिं॥सोहमदेषिहहिनयन॥१०॥ ॥
चौपाई॥ ॥विधिपदवंदिचलेदोउभाई॥किशकिंधातवआयेगोसांई॥
वालीराजकीनसुखदाता॥वनवसिदैतहन्योदोउभ्राता॥मयदानवकेसुत
दोउवीरा॥मायाबिंदुदुभिरणधीरा॥कहसुग्रीवसुनहुरघुराई॥विधिग
तिअलखजानिनहिजाई॥नाथवालिअरुमैद्वौभाई॥प्रीतिरहीकछुबर
णिनजाई॥मयसुतमायावीतेहिनाऊ॥आवासोप्रभुहमरेगाऊ॥अ
ईरातिपुरद्वारपुकारा॥बालिहिरिपुदलसहैनपारा॥धावाबालिदेखिसो
भागा॥मैपुनिगएउबंधुसंगलागा॥गिरिबरगुहापैठसोधाई॥बालिमोहि
तबकहाबुझाई॥परषेहुमोहिएकपखवारा॥नहिआवौतौजानेहुमारा॥
॥दोहा॥ ॥तववालीमोहितनकहा॥बैठरहेउअधमास॥मयपैठ
हुगिरिवरगुहा॥करहुनिशाचरनास॥११॥ ॥चौपाई॥ ॥असक
हिभीतरपैठसोधाई॥नानाविधितहभूलएई॥मासदिवसतहरहेउखरा
री॥निसरीरुधिरधारतहंभारी॥तवमैनिजमनकीन्हविचारा॥जानारि
पुनबंधुकहंभारा॥बालिहतेसिमोहिमारिहिआई॥शिलाद्वारदेचलेउ
पराई॥ ॥दोहा॥ ॥वालिमहाबलअमितअति॥समरनजीताकोई॥ते
हिंमारानिशिचरनजब॥सोअबमरिहेमोइ॥१२॥ ॥चौपाई॥ ॥ग
एउभवनमनसोचअपारा॥पूछेवालिकह्योजिमिमारा॥पंपापुरके जनते

हिकाला ॥ ननव्याकुलमनमोहीबहुतबिहाला ॥ मंत्रिनपुरदेखाबिनुसांई ॥ दीन्हेउराजमोहिबरिआई ॥ बालिताहिमारीगृहआवा ॥ देखिमोहिजियमेदबढावा ॥ रिपुसमानमोहिमारेसिभाई ॥ हरिलीन्हेसिसर्वसुअरुनारी ॥ ताकेभयरघुबीरकृपाला ॥ सकलभुवनमेंफिरेउंबिहाला ॥ इहांशापबशआवतनाहीं ॥ तदपिसभीतरहौंमनमांहीं ॥ सुनिसेवकदुखदीनदयाला ॥ फरकिउठेदोउभुजाविशाला ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुनतुबचनबोलेप्रभु ॥ कहहुसापकीबात ॥ दुंदुभीदैतसोकवनविधि ॥ वालिहन्योतेहितात ॥ १३ ॥ समदर्शीशीतलसदा ॥ सुनिवरपरमप्रवीन ॥ मोहिबुझाइकहहुसब ॥ सापकवनहितदीन ॥ १४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ पुनिपूंछतभेकृपानिकेता ॥ बालीसापभयोकेहिहेता ॥ बोलेतवकपीशमनलाई ॥ दुंदुभीदैतमहाबलभाई ॥ मधुकैटभकीगतिसवजाने ॥ अवरवलीकोउनहिंमनमाने ॥ एकवारजलनिधितटआयो ॥ आइकयजलनिधिमाऊथहायो ॥ सवहिकटीप्रमाणजलभएऊ ॥ करिअभिमानमथनतेहिमएऊ ॥ मथनसिंधुव्याकुलसबगाता ॥ जीवजन्तुसवभएनिपाता ॥ नवअकुलायसिंधुचलिआवा ॥ वचनविचारिहिताहिसुनावा ॥ तुमवलसरवरऔरनकोऊ ॥ वचनविचारिकहहुहौंमयसोऊ ॥ हेमगिरीवलवरनिनजाई ॥ तेहिजीतहुकरिजायउपाई ॥ वचनसुनतताहांचलिआयो ॥ देखिहिमाचलअतिमनभायो ॥ तालठोंकिगिरिलीनउगाई ॥ नवहिमगिरिबहुविनतीलाई ॥ तुह्मरेवलसरवरमैंनाहीं ॥ तातेकरौंनमानतुह्माहीं ॥ पंपापुरतुमहींचलिजाहू ॥ वालिमहाबलनिधिऔगाहू ॥ सुननतवचनतवहींचलिआवा ॥ वालिवालिकहिताहिउघावा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ भेखकिएसोमहिखकर ॥ गर्वबहुतमनमांही ॥ आयोनिकटसोगर्जिकय ॥ मनहुंनिनकुभयनाहीं ॥ १५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ महिमरदहिहुमकरहिनिपाता ॥ गरज्योघोरगिराजनुधाता ॥ गोक्योतालवज्रजनुपरेऊ ॥ मर्मतासुजानिसवडरेऊ ॥ पंपापुरव्याकुलसवकाहू ॥ चंद्रग्रसनआयोजनु

राहू।सुनतवालिदौरातनतकाला॥देषिअसुरभुजदंडकराला॥भिरेउ
जुगलजनुकरिवरआई॥मल्लयुद्धकछुवरनिनजाई॥चारिजामसवको
तुकभएऊ॥मुष्टिप्रहारतासुकपिकरेऊ॥गिराअवनिनवशैलसमाना॥
जीवजंतुनसिटूटेतरुनाना॥पुनितेहिवालिजुगलकरिडार॥उनरदच्छि
नदिशिकीनप्रहारा॥तेहिगिरिपरमुनिकुटीसोहाई॥रुधिरप्रवाहगयो-
तहधाई॥सुनंदरिषीकोहोंहिंनिवासा॥सोऋषिगएमंजनसुखरासा॥मं
जनकरिसुनंदरिषीआए॥देखिकुटीअतिक्रोधबढाए॥तवहिविचारकर
तमनमनमाहीं॥जक्षएकचलिअवइताहीं॥तिनहीसकलकहीइतिहा
सा॥सुनिसुनंदभएक्रोधनिवासा॥ दोहा॥दीनसापतवक्रोधकरि॥
नहिंमनकीनानिवार॥वालिनाशगिरिदेखनहि॥दोइजायतनुछार॥
१६॥ ॥चौपाई॥ ॥तेभयतेवालीनहिंआवत॥रिपुकेवचनसमुझि
भयपावत॥तेहिभरोसेएहिगिरिपररहऊं॥वालित्रासनहिविचरतकहू
ऊं॥एहिदुखतेप्रभुदिनअरुराती॥चिंताबहुतजरतिअतिछाती॥सुनिसे
वकदुखदीनदयाला॥फरकिउठेदोउभुजाविशाला॥मित्रदुःखरजमेरु
समाना॥बोलेविहसिरामभगवाना॥ ॥दोहा॥ ॥सुनिसुग्रीवमैं
मारिहौं॥वालिहिंएकहिबाण॥ब्रह्मरुद्रशरणागतहु॥गएउनबरहिं-
प्राण॥१७॥ ॥चौपाई॥ ॥जेनमित्रदुखहोहिंदुखारी॥तिन्हैबिलोक
तपातकभारी॥निजदुखगिरिसमरजकेजाना॥मित्रकेदुखरजमेरुस
माना॥जिनकेअसमतिसहजनआई॥तेशठहठकतकरतमिताई॥कु
पथनिवारिसुपंथचलावा॥गुणप्रगटैअवगुणहीदुरावा॥देतलेतमनशं
कनधरहीं॥वलअनुमानसदाहितकरहिं॥विपतिकालकरशतगुणने
हा॥श्रुतिकहसंतमित्रगुणएहा॥आगेंकहमृदुबचनबनाई॥पाछैंअनहि
तमनकुटिलाई॥जाकरचितहिअहिगतिसमभाई॥असकुमित्रपरिह
रेभलाई॥सेवकशठनृपकृपणकुमारी॥कपटीमित्रशूलसमचारी॥ ॥

॥ ॥दोहा॥ ॥मित्रमित्रसोप्रीतिकरि॥हृदयग्यानमुखग्यान॥
जाकरमनवसप्रीतिनाहिं॥दुरेदुरायनजान॥१८॥ ॥चौपाई॥ ॥
जानहुमर्मसोइरघुनाथा॥ईहांरह्योहनुमतलयसाथा॥शोवृत्तांतवालि
सुवर्जाना॥इहांनआवतकृपानिधाना॥सुनिसुग्रीववचनभगवाना॥
बोलेहरिहसिधरिधनुवाना॥सखाशोचत्यागहुवलमोरे॥सवविधिकर
हुकाजमयतोरे॥कहसुग्रीवसुनहुरघुवीरा॥वालिमहाबलअतिरण
धीरा॥ससतालएकृपानिधाना॥वेधहिसवएएकहिवाना॥चंद्रमंडला
कारसुहाई॥परेएकबाणमहिमांई॥ताकेकरवालीप्रभुमरई॥नातरुभ्र
मभिथ्यकोउकरई॥शुनिबोलेप्रभुशीतलवानी॥कपिचतुराइतोरिमय-
जानि॥एहिविधिवलकाकरहुपरेखू॥कहहुतालकरचरितविशेषू॥सु
निसुग्रीवहियेहरखाना॥तारवृक्षकेरचरितवषाना॥एकदिवसकपि
सवनगएउ॥वृक्षफूलफलदेखतभएउ॥मनहर्षायसातफललीन्हा॥
जलमंजनतेमुनिजोकीन्हा॥दोहा॥लैआतुरचलिआयउ॥पंपापुरज
गदीस॥करिअस्नानध्यानमुनि॥नाहिंइष्टकहुशीस॥१९॥चौपाई॥
शषेफलजेमगकरिदर्पा॥सोफलपरएकवैठासर्पा॥ससिमंडलसमान-
फणकाटी॥देषिकपीशमहारिसवाठी॥क्रोधअनलतनलेतउसासू॥
आतुरचलिगयोतेहिपासू॥अरेदुष्टमक्षुमोरनसावा॥जमपुरआजु
सदनतुवछावा॥नाहितशोपलेहुसिसमोरा॥वृक्षफूटिनिकसयतनतु
तोरा॥जहांजाइकरिवैठावेदी॥निकसेतारविरिच्छतनुछेदी॥क्रोधनि
वारवालियहआवा॥समाचारयहूतक्षकपावा॥ ॥दोहा॥ ॥सुनि
पुत्रवधसुनिक्रोधकरिमनदुखभयोअपार॥निश्चयमारिहिवालिही॥
जोइवेधियेतार॥२०॥ ॥चौपाई॥ ॥सोसवसमचारमयंजानव॥
असतवकहवनाथमनमानव॥चौदाभुवनजोएकरसज्ञाना॥व्यापि
रहासवजीवसमाना॥सोप्रभुसुनतदासकीवानी॥निरखिवदनबोले

धनुपानी॥सखासोचत्यागहुबलमोरे॥सवविधिकरहुंकाजमयनोरे॥
अवधिचंद्रजवतारविलोके॥कंपेद्रुमजवहींप्रभुकोपे॥सहजसरासन
बाणचढाए॥विनुप्रयासरघुवीरढहाए॥ ॥दोहा॥ ॥सरहिचलयो
नाथतव॥गयोभुजाकोदंड॥निकस्योसर्पतारनरहि॥वृक्षभएशतखंड
॥२१॥ ॥चौपाई॥ ॥करिअस्तुतिजबसर्पसिधावा॥निरषिहरीश
प्रभुहिसरूपावा॥देखिअमितबलवादीप्रीती॥बारहिंबारनाइपदशी
सा॥प्रभुहिजानीमनहर्षकपीशा॥उपजाज्ञानबचनतबबोला॥ना
थकृपामनभएउअडोला॥सुखसंपतिपरिवारबडाई॥सबपरिहरि
करिहौंसेवकाई॥एसबरामभक्तिकेबाधक॥कहहिसंततवपदअवराध
क॥शत्रुमित्रसुखदुखजगमाहीं॥मायाकृतपरमारथनाहीं॥बालिपर
महितजासुप्रसादा॥मिलेहुरामतुमशमनविषादा॥सपनेजेहिसनहो
इलराई॥जागेससुरूतमनसकुचाई॥अबप्रभुकृपाकरहुयहिभांती॥स
बतजिभजनकरौंदिनराती॥सुनिबिरागसंयुतकपिबाणी॥बोलेबिहसि
रामधनुपाणी॥जोकछुकहेउसत्यसबसोई॥सखाबचनममषृषानहोई
॥नटमरकटइवसहहिनचावत॥रामखगेशबेदअसगावत॥लैसुग्री
वसगरघुनाथा॥चलेचापसायकगहिहाथा॥तबरघुपतिसुग्रीवपठावा
॥गर्जेसिजाइनिकटबलपावा॥सुनतबालिक्रोधातुरधावा॥गहिकर
चरणनारीसमुझावा॥सुनुपतिजिनहिमिलासुग्रीवा॥तेदोउबंधुतेज
बलसींवा॥कोशलेशसुतलक्ष्मणरामा॥कालहुजीतिशकहिंसंग्रामा
॥सोरघुवीरहृदयमहआनहु॥ममताछांडिकहौममआनहु॥दोहा॥
कहाबालिसुनुभीरुप्रिय॥समदरशीरघुनाथ॥जोकदापिमोहिमारि
हीं॥तौपुनिहोवसनाथ॥२२॥ ॥चौपाई॥ ॥असकहिचलामहा
अभिमानी॥तृणसमानसुग्रीवहिंजानी॥भिरेउभयबालीअतितर्जा
॥मुष्टिकमारिमहाध्वनिगर्जा॥तबसुग्रीवबिकलहोइभागा॥मुष्टिप्र

हारबज्रसमलागा ॥ मैंजोकहारघुबीरकृपाला ॥ बंधुनहोइमोरयहका
ला ॥ एकरूपतुमभ्रातादोऊ ॥ तेहिभ्रमतेनहिंमारेउसोइ ॥ कुरपरशा
सुग्रीवशरीरा ॥ तनुभाकुलिशगईसबपीरा ॥ मेलीकंठसुमनकैमाला ॥
पठवापुनिबलदेइबिशाला ॥ पुनिनानाविधिभईलराई ॥ बिटपओटदे-
खहुरघुराई ॥ दोहा ॥ बहुछलबलसुग्रीवकरि ॥ हृदयहारिमयमानी ॥
मारीबालिहिंरामनब ॥ हियेमाऊशरतानि ॥ २३ ॥ चौपाई ॥ पराबिकल
महिशरकेलागे ॥ पुनिउठबैठदेखिप्रभुआगे ॥ श्यामगातशिरजटाबढा
ए ॥ अरुणनयनशरचापचढाए ॥ पुनिपुनिचितैचरणचितदीन्हे ॥ स
फलजन्ममानाप्रभुचीन्हे ॥ हृदयप्रीतिमुसबचनकठोरा ॥ बोलाचितै
रामकीओरा ॥ धर्महेतुअवतरेहुगोसांई ॥ मारेहुमोहिव्याधकीनाई ॥
मैबैरीसुग्रीवपिआरा ॥ कारणकवननाथमोहिमारा ॥ अनुजवधूभगि
नीसुतनारी ॥ शुनुशठएकन्यासमचारी ॥ इन्हैकुदृष्टिबिलोकेजोई ॥ ता
हिवधेकछुपापनहोई ॥ मूढतोहिअतिशयअभिमाना ॥ नारिशिखा
वनकरेसिनकाना ॥ ममभुजबलआश्रितनेहिजानी ॥ माराचहसिअ
धमअभिमानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुनहुरामस्वामीसन ॥ चलनचा
तुरीमोरी ॥ प्रभुअजहूंमैपातकी ॥ अंतकालगतितोरि ॥ २४ ॥ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ सुनतरामअतिकोमलबाणी ॥ बालिशीसपरसेउनिज
पाणी ॥ अचलकरौंतनुराखहुप्राना ॥ बालिकहासुनुकृपानिधाना
॥ जन्मजन्ममुनियतनकराही ॥ अंतरामकहिआवतनाही ॥ जासुना
मबलशंकरकाशी ॥ देतसबहिंसमगतिअविनाशी ॥ मगलोचनगो
चरसोइआवा ॥ बहुरिकिंप्रभुअसबनहिंबनावा ॥ सुनहुनाथबिनती
एकमोरी ॥ अस्तुतिकरहुंकौनविधितोरी ॥ ॥ छंद ॥ ॥ सोनय
नगोचरजासुगुणनितनेतिकहिंश्रुतिगावहिं ॥ जीतिपवनमनगोनि
रसकरिमुनिध्यानकबहुंकपावहीं ॥ १ ॥ मोहिजानिअतिअभिमानब

शप्रभुकहेउराखुशरीरही॥असकवनशठहाठिकाठिसुरनरुवारिसीं
चिवबूरहीं॥२॥अबनाथकरिकरुणाविलोकहुंदेहुंयहवरमांगहूं॥
जेहियोनिजनमौकर्मवशनहरामपदअनुरागहूं॥३॥यहतनयमम
समविनयबलकल्याणपदप्रभुदीजिये॥गहिबांहसुरनरनाहआग
ददासआपनकीजिये॥४॥ ॥दोहा॥ ॥रामचरणदृढप्रीति
करि॥बालिकीन्हतनुत्याग॥सुमनमालजिमिकंठतें॥गिरतनजानै
नाग॥२५॥चौपाई॥रामबालिनिजधामपठावा॥नगरलोकसबव्या
कुलधावा॥नानाविधविलापकरतारा॥छूटेकेशनदेहसंभारा॥पुनि
पुनितारासिरउरधुनहीं॥वदनविलोकिहृदयमनगुनहीं॥मैंपतितुम्है
बहुतसमुझावा॥कालविवसकछुमनहीनआवा॥अंगदकाकछुक
हनेनपावा॥बीचहिसुरपुरप्राणपठावा॥ताराबिकलदेखिरघुराया॥
दीन्हज्ञानहरिलीन्हीमाया॥क्षितिजलपावकगगनसमीरा॥पंचरहि
तयहअधमशरीरा॥प्रगटसोतनुतवआगेसोवा॥जीवनित्यकेहिल
गितुमरोवा॥उपजाज्ञानचरणतबलागी॥लीन्हेसिपरमभक्तिवरमा
गी॥उमादारुयोषितकीनाई॥सबहिंनचावतरामगोसाईं॥तबसु
ग्रीवहिआयसुदीन्हा॥मृतककर्मविधिवतसबकीन्हा॥रामकहाअ
नुजहिंसमुझाई॥राजदेहुसुग्रीवहिंजाई॥रघुपतिचरणनाइकरिमा
था॥चलेसकलप्रेरितरघुनाथा॥ ॥दोहा॥ ॥लक्ष्मणतुरतबु
लाएहु॥पुरजनविप्रसमाज॥राजदीन्हसुग्रीवकहं॥अंगदकहंयुवरा
ज॥२६॥ ॥चौपाई॥ ॥उमारामसमहितजगमाहीं॥गुरुपितु
मातुबंधुकोउनाहीं॥सुरनरमुनिसबकेयहरीती॥स्वारथलागिकरैंसु
बप्रीती॥बालित्रासव्याकुलदिनराती॥तनुबिवरणचिंताज्वरछाती॥सो
सुग्रीवकीन्हकपिराऊ॥अतिकोमलरघुवीरसुभाऊ॥ऐसप्रभुकहंजो
परिहरहीं॥काहनविपतिजालनरपरहीं॥पुनिसुग्रीवहिंलीन्हबुलाई॥ब

हुप्रकारनृपनीतिशिखाई॥तवस्रुग्रीवकहाकरजोरी॥सुनहुनाथएक विनतीमोरी॥जलिजनगेहपुनीतकरीजय॥दीनजानिमोहिदयाकरिजय॥कहप्रभुसुनुस्रुग्रीवहरीशा॥पुरनजाउंदशचारिबरीषा॥गतग्रीषमवरषाऋतुआई॥रहिहौंनिकटशैलपरजाई॥अंगदसहितकरहुतुमराजू॥संततहृदयधरेहुमपकाजू॥तबसुग्रीवभवनफिरिआए॥रामप्रबर्षणगिरिपरछाए॥दोहा॥प्रथमहिंदेवनगिरिगुहा॥राखीरुचिरबनाई॥रामकृपानिधिकछुकदिन॥वासकरहिंगेआई॥२७॥चौपाई॥सुंदरबनकुसुमिततरुशोभा॥गुंजतचंचरीकमधुलोभा॥कंदमूलफलपत्रसुहाए॥भएबहुतजबप्रभुतेआए॥देखिमनोहरशैलअनूपा॥रहेतहांअनुजसहितसुरभूपा॥मंगलरूपभएबनतबते॥कीन्हनिवासरमापतिजबते॥मधुकरखगमृगतनुधरिदेवा॥करहिंसिद्धमुनिप्रभुकैसेवा॥स्फटिकशिलाअतिशुभ्रसुहाई॥सुखआसीनतहांदोउभाई॥कहतअनुजसनकथाअनेका॥भक्तिबिरतिनृपनीतिबिवेका॥बरषाकालमेघनभछाए॥गरजतलागतपरमसुहाए॥दोहा॥लक्ष्मणदेखहुमोरगण॥नाचतवारिदपेखि॥गृहीबिरतिरतहर्षजश॥विष्णुभक्तकहूंदेखि॥२८॥चौपाई॥घनघमंडनभगरजतघोरा॥प्रियाहीनडरपतमनमोरा॥दामिनिदमकिरहीघनमाहीं॥खलकैप्रीतियथाथिरनाहीं॥बरषहिंजलदभूमिनिअराए॥यथानमहिंबुधबिद्यापाये॥बिंदुनिधानसहेंगिरिकैसे॥खलकेबचनसंतसहेजैसे॥क्षुद्रनदीभरिचलिउतराई॥जशथोरधनखलबौराई॥भूमिपरतभाढावरपानी॥जिमिजीवहिमायालपटानी॥सिमिटिसिमिहिजलभरैंतलावा॥जिमिसद्गुणसज्जनपहावा॥सरिताजलजलनिधिमहजाई॥होइअचलजिमिजनहरीपाई॥दोहा॥हरितभूमितृणसंकुल॥समुझिपरैनहिंपंथ॥जिमिपाषंडविवादतें॥गुप्तभएसद्ग्रंथ॥२९॥चौपाई॥दादुरध्वनिचहुओरस्रुहाई॥वेदपढैंजनुबटुसमुदाई॥नवपल्लवभएबिटपअनेका॥सी

धकमनजशाहोइबिबेका॥अर्कजवासपातबिनुभएऊ॥जससुराज्य
खलउद्यमगएऊ॥खोजतकहूंकहुंमिलैनहिधूरी॥करैक्रोधजिमिधर्महि
दूरी॥शस्यसंपन्नसोहमहिकैसे॥उपकारीकीसंपत्तिजैसे॥निशिनमघन
खद्योतबिराजा॥जनुदंभिनकरमिलासमाजा॥महावृष्टिचलीफूटिकिया
री॥जिमिस्वतंत्रहोइबिगरहिनारी॥कृषीनिरावहिंचतुरकिशाना॥जिमि
बुधतजहिंमोहमदमाना॥देखियचक्रवाकखगनाहीं॥कलिहिंपाइजि
मिधर्मपराहीं॥ऊसरबरषैतृणनहिंजामा॥संतहृदयजशउपजनकामा
॥बिबिधजंतुसंकुलमहिभ्राजा॥बढेप्रजाजिमिपाइसुराजा॥जहंतहंप
थिकरहेथकिनाना॥जिमिइंद्रियगणउपजेज्ञाना॥दोहा॥कबहुंप्रबल
चलमारुता॥जहंतहंमेघबिलाहिं॥जिमिकुपुत्रकुलऊपजे॥कुलकेधर्म
नशाहिं॥३०॥कबहुंदिवसमहंनिबिडतम॥कबहूंप्रगटपतंग॥उपजैबि
नशैज्ञानजिमि॥पाइसुसंगकुसंग॥३१॥चौपाई॥वर्षाबिगतशरदऋतु
आई॥देखहुलक्ष्मणपरमसुहाई॥फूलेकाशसकलमहिछाही॥जनु
वर्षाकृतप्रगटबुढाई॥उदितअगस्त्यपंथजलशोषा॥जिमिलोभहिंशोषै
संतोषा॥सरितासरजलनिर्मलसोहा॥संतहृदयजसगतमदमोहा॥
रसरसशोषसरितसरपानी॥ममतात्यागकरहिंजिमिज्ञानी॥जानिशर
दऋतुखंजनआए॥पाइसमयजिमिसुकृतसुहाए॥पंकनरेणुसोहअ
सधरणी॥नीतिनिपुणनृपकैजशकरणी॥जलसकोचबिकलभैमीना
॥अबुधकुटुंबीजिमिधनहीना॥बिनुघननिर्मलसोहअकाशा॥जिमिह
रिजनपरिहरसबआशा॥कहुंकहुंवृष्टिशारदीथोरी॥कोउएकपावभक्ति
जिमिमोरी॥ ॥दोहा॥ ॥चलेहरषितजिनगरनृप॥तापसवणिक
भिखारी॥जिमिहरिभक्तिपाइश्रम॥तजहिंआश्रमीचारी॥३२॥चौ
पाई॥ ॥सुखीमीनजहंनीरअगाधा॥जिमिहरिशरणनएकौबाधा
॥फूलेकमलसोहसरकैसे॥निर्गुणब्रह्मसगुणभएजैसे॥गुंजतमधुकर

निकरअनूपा॥सुंदरखगरवनानारूपा॥चक्रबाकमुनिदुखनिशिपेखा॥
जिमिदुर्जनपरसंपतिदेखी॥चातकरटनतृषाअतिओही॥जिमिसुखलह
हैनशंकरद्रोही॥शरदातपनिशिशशिअपहरई॥संतदरशजिमिपातक
टरई॥देखिहिबिधुचकोरसमुदाई॥चितवहिंहरिजनहरिजिमिपाई॥मश
कदंशबीतेहिमत्रासा॥जिमिद्विजद्रोहकियेकुलनाशा॥ ॥दोहा॥ ॥
भूमिजीवसंकुलरहे॥गएशरदऋतुपाइ॥सतगुरुमिलेजाहिंजिमि॥सं
शयभ्रमसमुदाइ॥३३॥ ॥चौपाई॥ ॥वर्षागतनिर्मलऋतुआई॥शु
धिनतातसीताकीपाई॥एकबारकैसेउशुधिपावों॥कालहुजीतिनिमिषम
हल्याऊं॥कतहुरहीजोजीवनहोई॥तातमतनकरिआनौंसोई॥सुग्रीव
हुशुधिमोरिबिसारी॥पावाराजकोसपुरनारी॥जेहिशायकमैमाराबाली
॥तेहिशरहनौंमूढकहकाली॥जासुकृपाछूटेमदमोहा॥ताकहंउमाकिस
पनेहुकोहा॥जानहियहचरित्रबोमुनिज्ञानी॥जिन्हरघुबीरचरणरतिमानी॥
॥लक्ष्मणक्रोधवंतप्रभुजाना॥धनुषचढाइगहेकरबाना॥ ॥दोहा॥ ॥
तवअनुजहिंसमुझावा॥रघुपतिकरुणासीव॥भयदेखाइलैआवहु॥
तातसखासुग्रीव॥३४॥ ॥चौपाई॥ ॥इहापवनसुतहृदयबिचारा
॥रामकाजसुग्रीवबिसारा॥निकटचरणजाइचरणनशिरनावा॥चारि
हुबिधितेहिकहिसमुझावा॥सुनिसुग्रीवपरमभयमाना॥विषयमोरह
रिलीन्हेउज्ञाना॥अवमारुतसुतदूतसमूहा॥पठवहुजहंतहंबानरयूहा
॥पृथ्वीसैलसमुद्रगिरिकंदर॥आवहुबोलिसकलयूथबंदर॥कहहुपा-
खमाआवनजोई॥मोरेकरताकरबधहोई॥सुनिपितुवचनबोलेयुवराजू
॥बिनुहनुमंतहोइनहिंकाजू॥जानेहैंगिरिकंदरसागर॥चतुरविचक्षण
बुधिबलनागर॥केसरिपुत्रपवनकरअंशा॥पठवहुनाथकरहुपरसंसा॥
तबसुग्रीवमारुतीहंकारा॥रामकाजजनिलावहुवारा॥पतिआज्ञाधरिहि
शीससिधाए॥मारिफलंगपुरवदिशिआए॥सोनिहनुमतमिलनसवअह

हीं॥माथनाइहितवचनसुनवहीं॥कारनकौनकीनश्रमभारी॥तुमकिस
किंधानाथश्रधारी॥हमलायकजोकारजहोई॥नाथशीशधरिमानवसोई
॥सुनिकपिकहानलावहुवारा॥तुमहिवालिलघुबंधुहमारा॥श्रतुरजाहुन
विलंबकरेऊ॥परेउकाजभारिमनधरेऊ॥सुनतवचनसबचलेतुरंता॥जय
सुग्रीवकहिगगनगहंता॥ ॥दोहा॥ ॥श्रसीलाषश्ररुसातसत॥कपि
दलवरबलचंड॥नभमारगबूडतचले॥सबगवाक्षवलिदंड॥३५॥चौपाई
॥पठइतिनहिताक्योहनुमाना॥रोहितपर्वतजायतुलाना॥दुर्धरवरएगस
ववातसुनाई॥चलावीरकदलीवनश्राई॥गजसनकहसुनुवानरराजा॥
पराकठिनसुग्रीवहिकाजा॥निजदलसंगजाइसवलेहू॥धीरजतापराय
निकहुदेहू॥भलेहिनाथकहिसवउठिचले॥वसुधाहालिशेशकलमले॥
पद्मसातदलश्रसीकरोरी॥चलेधुर्धजगभईश्रंधेरी॥हनुमतब्याहरपर्व
तश्रावा॥जेठपुत्रबलिवीरबोलावा॥तीसलाखदलसाठिहजारा॥पवन
पुत्रसवकिनहुजोहारा॥करीजोहोयसोश्रयसुदीजय॥एतनाश्रमकेहि
कारकीजय॥श्राज्ञाकरियहोईजोकाजा॥कुशलीहैकिसकिंधाराजा॥क
पिपतिरघुपतिकथासुनाई॥चलपवनसुतविदारकराई॥धुंधुमारपर्वत
नियराना॥कहतश्रीखंडकीनपयाना॥छपनकोटिवनचरलयेसाथा॥क
रीप्रणामचलेकपिनाथा॥तवहनुमतश्रंजनीगिरिश्रावा॥कुमुदनामक
पिवीरबोलावा॥पद्मसातश्ररुलाससतासी॥धाएवीरमहाबलरासी॥
गगनमार्गजयरामकहंता॥श्रायेनीलगिरीहनुमंता॥जहंरहनीलना
मकपिभारी॥श्रग्निपुत्रबलबुधिश्रधिकारी॥मारुतसुततेहिमर्मबुझा
वा॥मेघसमानगर्जिकपिश्रावा॥श्ररबुदचारिचारिसतवारा॥समधी
रसुभहजुंझारा॥गहेवृक्षश्रायुधवनचारी॥चलेसकलतेरारामपुकारी
॥पवनपुत्रउत्तरदिशिगएउ॥बद्रिकश्राश्रमपरसतभएउ॥श्रातुरगंध
मादनपरगएऊ॥जलतडागदेषिसुखभयऊ॥ ॥दोहा॥ ॥

गजगवाक्षकामिलेहुपुनि ॥ बहुप्रकारसमुभाई ॥ नाइमाथअस्तुतिक
रत ॥ चलेवीरहररवाई ॥ ३६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ हनुमतअर्जुनगिरि
परआवा ॥ तारातानविरतहंगावा ॥ नामसुखेनमहाबलवीरा ॥ बुधिवल
तेजसमरवरधीरा ॥ समाचारपुनितांहिसुनावा ॥ चलिहनुमंतसमेरहि
आवा ॥ कनकवरणसमदीपितकाया ॥ नेत्रलालअतिविपुलसहाया ॥
पवनप्रसूनगगनपरगर्जे ॥ राक्षसदेखिकालसमतर्जे ॥ उठेउलंगूरसी
सपरलाए ॥ मानहुमधवाधनुषसुहाए ॥ एकएकतनवचनसनावा ॥
हनुमतचरननसिरतिननावा ॥ कायाकष्टकीनकेहिकाजा ॥ कुशलअ
हहिकिशकिंधाराजा ॥ कपितहसमाचारसवभाषा ॥ चलेदरशकारनअ
भिलाषा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ दशकरोरिनवलारवअव ॥ सीससहसश
तएक ॥ चलेकेसरीसंगलय ॥ करतचरितअनेक ॥ ३७ ॥ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ ताहिहुविदाकीनसुतपवना ॥ रुद्रगिरीकैलासहिगव
ना ॥ कपिवलपुलदतांहिकरनाऊ ॥ रखवारीअलकापुरगाऊ ॥ महाते
जवलदुर्गमकाया ॥ पर्मचतुरजाननसवमाया ॥ सुनिसोमारुतसतपह
आवा ॥ लैसंगसैनसीतनेहिनावा ॥ पूछाकवनकाजहयनाथा ॥ दीनद-
रसहमभयेसनाथा ॥ नृपसुग्रीवकेतुमेपरधाना ॥ आज्ञादेहुवेगिहनुमा
ना ॥ कहापवनसुतविलमनलावहु ॥ लयनिजसैनपपपुरधावहु ॥ ज
यरघुवीरअनुजलघुवाली ॥ सजिदलचलामेदिनीहाली ॥ सिंघनादकरि
पूछउठावा ॥ दर्शउछाहसकलउठिधावा ॥ सहानकोउपवनसुतप्रेरा ॥
मैनागिरिहिहिमाचलहारा ॥ प्रेमसहितकपिसकलबोलाए ॥ आसवा
सनाकरतपजाए ॥ अंडकनाममहावलकीसा ॥ चलकहिजयरामलष
नअहीसा ॥ ताहिविदाकरिपवनकुमारा ॥ विंध्याचलपरशीघ्रपधारा ॥
नामनेतामूरमहबलवाना ॥ लयनिजदलकपिनिकटतुलाना ॥ इंद्रकेलिके
वनकपिजेते ॥ हनुमतचरणगहेसवतेते ॥ आठपद्मअवसहसअगासी ॥

चलेतहंजाहांअविनासी॥रामकाजहनुमंतहियधारे॥कस्यपर्वतजा
हिपुकारे॥नाममयंदमहाबलवीरा॥तेजपुंजअतिदुर्गसरीरा॥एकैस
कोवनचरलयसाथा॥पवनकुमारहिनाएवमाथा॥कैवनकाजप्रभुमोहि
कहीजय॥कायाकष्टआपूकसकीजय॥कहापवनसुतजानहुतोही॥धन्य
भागिदर्शनभामोहीं॥करहुनवेरसुनहुबलसींवा॥बालाविगितुमहिसुग्री
वा॥ दोहा॥ ॥सुनतमयंदगयंदगति॥उच्छलंतआकाश॥अट्टहास
गंभीरकरिसैनिबोलाएसिपास॥३९॥ ॥चौपाई॥ ॥दीडिसमा
नसैनउथलानी॥चलितभयेदिशिपालभवानी॥आतुरचलेगगनकरि-
छांहीं॥उठेलंगूरपतंगछपाही॥एकनीलदलनीसकरोरा॥धावतएकए
कवरजोरा॥जयेसिंहनादकरनवलदापा॥देवनहाथपेटमेचापा॥रामस
रूपहियेमहआना॥करिदलविदाचलाहनुमाना॥रसनामाऊरामकर
नामा॥धवलागिरिकहुकीनपयाना॥दुर्गधनामवनरवधजोधा॥नाहि
बोलायदीनवरबोधा॥आठलाखवशनवीरगनाई॥सैनसंगलयपंपपुरजा
ई॥हनुमदउदयागिरिपरआवा॥वंदरघायपरेतेहिपावा॥कुंदकुसुदव
दरजेगाए॥जेजहंरहेवनचरसवछाये॥शब्दकिलकिलअकाशपरकरहिं
॥वनसरसैलधरासवधरहिं॥ ॥दोहा॥ ॥रामकाजकरिपवनसुत
॥आएजवसुग्रीव॥मिलेहरषिअस्तुतिकरी॥धन्यधन्यवलसीव॥३९॥
चौपाई॥ ॥नबहनुमंतबुलाएदूता॥सबकरकरिसनमानबहूता॥
भयअरुप्रीतिनीतिनीतिदिखराई॥आइसकलचरणनशिरनाई॥ते
हिअवसरलक्ष्मणपुरआए॥क्रोधदेखिजहंनहंकपिधाए॥ ॥दोहा
॥धनुषचढाइकहानवे॥जारिकरौंपुरक्षार॥व्याकुलनगरदेखिनवे॥
आएउवालिकुमार॥४०॥ ॥चौपाई॥ ॥चरणनाइशिरबिनतीकी-
न्हा॥लक्ष्मणअभयबांहतेहिदीन्हा॥क्रोधवंतलक्ष्मणरूनिकाना॥क
हकपीशअतिभयअकुलाना॥सुनुहनुमंतसंगलेतारा॥करिबिनतीस

मुझाउकुमारा॥ तारासहितजाइहनुमाना॥चरणबंदिप्रभुसुयशबखा
ना॥करिबिनतीमंदिरलैआए॥चरणपखारिआसनबैठाए॥तवकपीशच
रणशिरनावा॥गहिभुजलक्ष्मणकंठलगावा॥नाथविषयसममदकछुना
हीं॥मुनिमनमोहकरैक्षणमाहीं॥सुनतबिनीतबचनसुखपावा॥लक्ष्म
णतेहिबहुबिधसमुझावा॥पवनतनयसबकथासुनाई॥जेहिबिधगयेदूत
समुदाई॥ ॥दोहा॥ ॥हर्षिचलेसुग्रीवतब॥अंगदादिकपिसाथ॥रा
मअनुजआगेंकियें॥आऐंजहंरघुनाथ॥४१॥ ॥चौपाई॥ ॥नाइच
रणशिरकहकरजोरी॥नाथमोहिकछुनाहींनखोरी॥अतिशयप्रबल
देवतबमाया॥छूटैतबहिकरहुजबदाया॥विषयबिबशसुरनरमुनि
स्वामी॥मैपामरपशुपतिअतिकामी॥नारिनयनशरजाहिनलागा॥मह
घोरनिशिसोवतजागा॥लोभपाशजेहिगरनवंधाया॥सोनरतुमसमान
रघुराया॥यहुगुणसाधनतेनहिंहोई॥तुम्हरीकृपापावकोइकोई॥तबर
घुपतिबोलेमुसकाई॥तुमप्रियमोहिभरतजिमिभाई॥अबसोईयतन
करहुमनलाई॥जेहिबिधसीताकीसुधिपाई॥सीताकीसुधिमोहिसु
नावौ॥हियेविरहकीतपनिबुझावौ॥असकहिरामनयनजलआवा॥
तबसुग्रीवचरनसिरनावा॥तजहुसोचतुमदीननबंधू॥जानहिकपिस
बगिरिबनसिंधू॥कहिकपीससबजूथबोलावा॥सुनिआग्यासबहुन
सिरनावा॥तुमसेवकपिदशहुदिसिधावहु॥जनकसुतासुधिआतुरला
वहु॥रामकृपाचिंताजनिधरेउ॥लताबिशालफूलफलेपरेउ॥सारसहं
सचकोरकोकवागा॥रमनिकसरिमनहरषितडागा॥समरगआनिद्वंद
सोहवत्त॥सदाकालधनपतिमनभावन॥पुष्पभारभरिविटपसोहाए
॥परसतभूमिहरिनसदाए॥श्रमनिवारिकछुकरवनिहारी॥हियधरि
रखेहुरामभयभारी॥चढेउशैलसीताकहंहेरी॥गंदमादसवथानगहेरी
॥दोहा॥ ॥ऋषितपसिनकहंपूछहु॥करेहुबलिष्टपयान॥भवनभूमि

उत्तरदिशा॥अंधधराकोजान॥४२॥ ॥चौपाई॥ ॥शिखर
सुमेरुहेरिकैलासा॥कागभुसुंडीकेरनिवासू॥कुंडएकतलमोतीच्चूरा॥
पानीअमृतकीचकापूरा॥जंबूविरिच्छअहहितेहिठाऊ॥जंबूद्वीपइहीते
नाऊ॥गजप्रमानलागतफलमाही॥अमितरसकहिनिगमसेसही॥पा
केफलधरनीपरपरही॥तिनकेसताकुंडवहिभरही॥दिव्यरूपचढिदिव्य
विमाना॥हरषितनीरकरहिअस्नाना॥बहुरिसरिताहोइजोवहही॥
अवधिसमीपअसिद्धसोअहही॥जामंजनकीन्हेतवीरा॥सकलपापदु
खहरनशरीरा॥फलभोजनजलपानाकरहु॥रामकाजहितहिमनधरे
हू॥सुरसेनकमंडपहयजाही॥सुमिरिरामप्रभुतिजायेहुताही॥लोमसरि
षिकरदरसकरेहु॥बहुरिसंडिलपुरआनुसरहू॥रनवनघनजनसोधि
निरखिकय॥सीयाहियेमनहरषिराषिकय॥ ॥दोहा॥ ॥
एहिविधिवहुकहिवातजव॥आएवानरजूथ॥नानावरणसकलदि
शा॥भालुकीशवारूथ॥४३॥स्यामलालधूमरधवल॥हरितपीत
सुववर्षन॥हाथजोरिठाढेभये॥सीसनाइसवचरन॥४४॥ ॥
चौपाई॥ ॥जथजूथसबआयतुलाने॥देखतरामहियेहरखाने
॥कुहलछिमनसुनुकरुनाशीवा॥बंधुभलिश्अहीसुग्रीवा॥नवकपी
शहोंद्धतहिबोलाए॥गजगवाक्षआतुरचलिआए॥करिप्रणामधीर
जधरिठाढे॥सीयसाधहितहियसुखबाढे॥मनबुधिनिगमकेरिमति
जानी॥बोलकपीशसुधासमवानी॥सियखोजपूरवदिशजावहु॥रा
मकाजकहुवेलमनलावहु॥समुद्रगिरीक्षितिसरितारूरना॥बसेपरी
कामावतिवरना॥सखापोगिरिकंदरजेते॥देवनगररिषिथानसमेते
॥जेकोउतुम्हेमिलैमगमाहीं॥सीतासोधपुछहुतिनपाही॥ ॥
दोहा॥ ॥रामचरणप्रणामकरि॥उरधरिजुगलसरूप॥तीस
कोटिवानरवली॥चलेप्राचिदिशिभूप॥४५॥ ॥चौपाई॥ वाली

अनुजसुषेनबोलावा ॥ करिसनमाननिकटबैठावा ॥ सुनहुवीरप्रान
नहितकारी ॥ रामकाजहियधरहुसभारी ॥ तुमवसंतपश्चिमदिसिग
वनी ॥ सीतासुधिपूछवसवअवनी ॥ तुरतकालवर्षतअनुसरेऊ ॥ फल
भोजनकरिहोइअमहरेऊ ॥ खोजेहुसबनाकेअस्थाना ॥ रामकाजहित
कारहुपयाना ॥ रंगभूमिजावहुतुमभाई ॥ सीतासुधिपूछवसवगाई ॥
सरसरिनागिरिकंदरयेते ॥ खोजेहुहियधरिसीतहितेते ॥ जोकोउमिल
यमहामुनिज्ञानी ॥ पूछेहुसमाचारहितमानी ॥ तुह्मरेबलमयगर्जनभा
ई ॥ मिलबहुवेगिजानकीआई ॥ ॥दोहा॥ ॥ पश्चिमदिशिदिशेव
सव ॥ जहांधराकोअंत ॥ एकमासमेंसुधिलई ॥ फिरहुवेगिबलवंत ॥
४६ ॥ ॥चौपाई॥ ॥चरणकमलसवकरिपरिणामा ॥ पश्चिमदि-
शाचलेबलधामा ॥ दशशतलाखहरीहरबोलत ॥ चलेजातसवपर्वततो
लत ॥ सुखसियरामहियेधरिरूपा ॥ चलेबहुरिसनवलिवरभूपा ॥ पुनि
सुग्रीअंगदहिबोलावा ॥ करिवडहेतनिकटबैठावा ॥ जूथपपतिसववा
नरजेते ॥ विधुमंडलसवराजहितेते ॥ घेरिचहूंदिशिप्रभुकारहहीं ॥ उन
कीभाग्यकवनकविकहहीं ॥ रामरूपनयननभरिदेखें ॥ अवननप्रीतिगि
रापरितारवें ॥ जिनमिधिबंधुसहितरघुनाथा ॥ सोहतचापबाणशुभ
हाथा ॥ देवसभासमवानरराजे ॥ लछिमनराममध्यद्युतिभ्राजे ॥ कोटि
पतंगदेखिछविमोहे ॥ वामभागवानरपतिसोहे ॥ जमवंतवलिअंगदसा
था ॥ कपिपतिसीखद्वेतुगहिहाथा ॥ मारुतसुतप्रभुसन्मुखठादा ॥ अत
आनंदहियेमेवाढा ॥ बैठेउसभापूरिसुग्रीवा ॥ एकएकवलअतुलितसी
वा ॥ बहुरिकिशपतिहष्टिचलावा ॥ द्रुतहिनामतेहिनिकटबोलावा ॥ को
ईअग्निनिरीतईशाना ॥ पठवहुनिजसेनाबलवाना ॥ ॥दोहा॥ ॥इ
हिविधहोतबनकही ॥ आएवानरयूथ ॥ नानावरणअतुलबल ॥ देखि
येकीशवरूथा ॥ ४७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥ ज्ञानरकटकउमामेंदेखा ॥ सो

सूरखजोकियन्वहलेखा॥आइसमपदनावहिमाथा॥निरखिवदनस
वहोहिसनाथा॥असकपिएकनसेनामाही॥रामकुशलपूछाजेहिना
हीं॥यहनकछुप्रभुकेअधिकाई॥बिस्वरूपब्यापकरघुराई॥ठादेजहिं
तहींआयसुपाई॥कहिसुग्रीवसबहिसमुझाई॥रामकाजअरुमोरनि
होरा॥वानरयूथजाहुचहुंओरा॥जनकसुताकहखोजहुजाई॥मास
दिवसमहंआयेहुभाई॥अबधिमेटिजोबिनुसुधिपाये॥अबशिमारि-
हिसोममकरआये॥ ॥दोहा॥ ॥बचनसुनतसबबानर॥जहंतहं
चलेतुरंत॥तबसुग्रीवबुलाएहु॥अंगदादिहनुमंत॥ ४८ ॥ ॥चौ
पाई॥ ॥सुनहुनीलअंगदहनुमाना॥जामवंतमतिधीरसुजाना
॥सकलसुभटमिलिदक्षिणजाहू॥सीतासुधिपूछहुसबकाहू॥मन
बचक्रमसोयतनबिचारेहु॥रामचंद्रकरकाजसम्हारेहु॥भानुपीठसे
इयउरआगी॥स्वामीसेइयसबछलत्यागी॥तजिमायासेइयपरलो
का॥मिटैसकलभवसंभवशोका॥देहधरेकरयहफलभाई॥भजिय
रामसबकामबिहाई॥सोइगुनिज्ञानीसोइवडभागी॥जोरघुवीरच
रणअनुरागी॥पाछेंपवनतनयसिरनावा॥जानिकाजप्रभुनिकटबु
लावा॥आयसुमांगिचरणसिरनाई॥चलेहर्षिसुमिरतरघुराई॥पु
निपुनिफिरिसुग्रीवनिहोरा॥तुमसनकाजहोइहितमोरा॥तुमबल
मैरघुवरतनभाई॥वाणलीनमोहिरामदोभाई॥बीरवचनममसवस
तिकरेउ॥मेटेहुतापसकलदुखहरेऊ॥तुमवलवेगविदितहितमोहीं
॥बहुतवनाइकेहवकातोंही॥मोरहरखरारबहुसबरीती॥सियासु
धिदेइप्रभुसनरहिप्रीति॥अंगदवालबुद्धिअज्ञाना॥ताकुरवचनकर
वजनिकाना॥राखेहुतातप्राणकीनाई॥गहिकरसौंपोमोहिरघुराई
॥वारवारबहुविनयसुनावा॥हनुमतहियेहरखभरिआवा॥सुनहुना
थकहिरिक्षकनाथा॥अंगदअहहिमनकेसाथा॥रामचरनसेवातुम

करहू॥ अंगदसोचनमनमाधरहू॥ परशाशीसुशिरोरुहपानी॥ कर
मुद्रिकैदीन्हीसहिदानी॥ बहुप्रकारसीनहिसमुझायेहू॥ कहिबलवीर्यबेग
तुमआयेहू॥ हनुमतजन्मसुफलकरिजाना॥ चलेहृदयधरिकृपानिधाना
॥ यद्यपिप्रभुजाननसबबाता॥ राजनीतिराखतसुरत्राता॥ ॥ दोहा॥
॥ चलेसकलवनखोज॥ सरितासरगिरिखोह॥ रामकाजलयलीन
मन॥ बिसरातनकरछोह॥ ४६॥ ॥ चौपाई॥ ॥ वीसकोटिसंगसैनसो
हाई॥ चलेसकलकहिजयरघुराई॥ रामरामसबवनसंचारा॥ मुक्तभ
एजडजीवअपारा॥ चहुदिशिचलेकरतगुणगाना॥ अमरलोकभूलोकसि
हाना॥ हमवसिस्वर्गलोकसुखपागे॥ धनिएरामरूपअनुरागे॥ एहिवि
धिकरतकुलाहलभारी॥ खोजतशैलवृक्षवनवारी॥ कतहुंहोईनिशिचरनन
भेटा॥ प्राणलेइएकएकचपेटा॥ बज्रदंतराक्षसएकआवा॥ देखतकपिन
महाभयपावा॥ गगनशीसपुनिपादपताला॥ रक्तनेत्रधावाजसकाला॥
देखिनाहिकोपजिवराजा॥ सनमुखजाईनाहिसनवाजा॥ मल्लयुद्धबहुहो
तअपारा॥ सबवानरमिलिकरतविचारा॥ प्रथमपयानकालचलिआ
वा॥ सीयखवरिनहिप्रभुहिसुनावा॥ वालिसुअननवहृदयबिचारा॥ मु
ष्टिकएकतासुशिरमारा॥ रामरूपनवहृदयमहआनी॥ अर्धअर्धधरि
चिरेवभवानी॥ जयजयशब्दसबनतवगावा॥ मारुतसुततवहृदयलग
गावा॥ बहुप्रकारगिरिकाननहेरहीं॥ कोउमुनिमिलेताहिसबघेरहीं॥
लागितृषाअतिशयअकुलाने॥ मिलानजलबनगहनभुलाने॥ तबह-
नुमानकीनअनुमाना॥ मरणचहतसबबिनुजलपाना॥ चढिगिरिशिष
रचहुंदिशिदेखा॥ भूमिबिबरएककौतुकपेखा॥ चक्रवाकबकहंसउडा
हीं॥ बहुतेकखगप्रविशहितहिंमाहीं॥ गिरितेउतरिपवनसुतआवा॥
सबकहंलैसोबिबरदिखावा॥ आगेकरिहनुमतहिलीन्हा॥ पैठेबिबरवि
लंबनकीन्हा॥ जोजनचारिदुर्गअतिवंकी॥ मैंदानवकीन्हीनिजटंकी॥ प

दपाहनलागतमहिपरहीं॥सुमिररामम्प्रोहिकरसवधरहीं॥ ॥दोहा॥ ॥दीखजाइउपवनसुभग॥सरबिकसेबहुकंज॥मंदिरएकरुचिरतहांबैठिनारितपपुंज॥५०॥ ॥चौपाई॥ ॥दूरहितेतेहिसबशिरनावा॥पूछेसिनिजवृत्तांतसुनावा॥नबनेइकहाकरहुजलपाना॥खाहुसरससुंदरफलनाना॥मज्जनकीनमधुरफलखाए॥तासुनिकटपुनिसबचलिआए॥तेइसबआपनिकथासुनाई॥मैंअबजाबजहांरघुराई॥मूंदहुनयनबिबरताहिजाहू॥पैहहुसीतहिजनिकदराहू॥नयनमूंदिनबेदेखहिबीरा॥ठाढेसकलसिंधुकेतीरा॥सोपुनिगईजहांरघुनाथा॥जाइकमलपदनाएसिमाथा॥नानाभांतिबिनयतेइकीन्ही॥अनपावनीभक्तिप्रभुदीन्ही॥ ॥दोहा॥ ॥बद्रीबनकहसोगई॥प्रभुआज्ञाधरिशीस॥उरधरिरामचरणयुग॥जोबंदितअजईश॥५१॥ ॥चौपाई॥ ॥इहांबिचारकपिनमनमाहीं॥बीतीअबधिकाजकछुनाहीं॥सबमिलिकहहिंपरस्परबाता॥बिनुसुधिलियेकरबकाभ्राता॥कहअंगदलोचनभरिवारी॥दुहुप्रकारभइमृत्युहमारी॥इहांनसुधिसीताकरपाई॥उहांगयेमारिहिकपिराई॥पिनावधपरमारतमोही॥राखारामनिहोरननाहीं॥पुनिपुनिअंगदकहसबपाहीं॥मरणभयोकछुसंशयनाहीं॥अवमतएकसकलसुनिलेहू॥अनुचितउचितसिखावनदेहू॥मसंनजाउकिसकिंधाभाई॥अवनोकरहुराजमयजाई॥तुमसबआहुमोरपरधाना॥रहिहवगुहागुफाकरियाना॥अंगदबचनसुनतकपिबीरा॥बोलिनसकहिनयनभरिनीरा॥छिनइनशोकगमनहोइरहे॥पुनिसबकपिनबचनअसकहे॥हमसीताकीसुधिहुविहीना॥नहिजैहहिजुवराजप्रवीना॥असकहिलवणसिंधुतटजाई॥बैठकपिसबदर्भडसाई॥जामवंतअंगददुखदेखी॥कहिकथाउपदेशबिशेखी॥नातरामकहंनरजनिमानहु॥निर्गुणब्रह्मअजितअजजानहु॥हमसबसेवकअतिबडभागी॥संतत-

सगुणब्रह्मअनुरागी॥ ॥दोहा॥ ॥निजइच्छाअवतरेउप्रभु॥सुरद्विजगोमहिलागि॥सगुणउपायकरहहिंसब॥मोक्षसकलसुखत्यागी॥५२॥ ॥चौपाई॥ ॥इहिविधिकहतभएबहुभांती॥गिरिकंदरासुनासंपाती॥बाहिरहोइदेखसबकीशा॥मोहिअहारदीन्हजगदीशा॥आजुसबनकहंभक्षणकरहु॥दिनबहुचलेअहारविनुमरऊं॥कबहुंनमिलेभूरिउदरअहारा॥आजदीन्हविधिएकहिवारा॥विनापंखचलहिआवाकैसे॥विंध्याचलपर्वतपुनिजैसे॥डरपेगृध्रबचनसुनिकाना॥अबभामरणसत्यहमजाना॥कपिसबउठगृध्रकहंदेखी॥जांबवतमनशोचविशेषी॥कहविचारअंगदमनमाहीं॥धन्यजटायुसरिसकोउहिनाहीं॥रामकाजकारणतनुत्यागी॥हरिपुरगयेउपरमबडभागी॥सुनिखगहर्षशोकयुतबाणी॥आवानिकटकपिन्हभयमानी॥नाहिदेखिसुबचलेपराई॥डाटकीन्हतेइशपथदिवाई॥तिन्हेअभयकरिपूछेसिजाई॥कथासकलतिन्हताहिसुनाई॥सुनिसपातिबंधुकीकरणी॥रघुपतिमहिमाबहुविधबरणी॥ ॥दोहा॥ ॥मोहिलेचलहुसिंधुतट॥देउतिलांजलिताहि॥बचनसहायककरवमै॥पैहहुखोजहुजाहि॥५३॥ चौपाई॥ ॥अनुजक्रियाकरिसागरतीरा॥कहनिजकथासुनहुकपिबीरा॥हमदोउबंधुप्रथमतरुणाई॥गगनगयेउरविनिकटउडाई॥तेजनसहिशकसोफिरिआवा॥मैअभिमानीरबिनिजहिअरावा॥जरेपंखरवितेजअपारा॥परेउभूमिकरिघोरचिकारा॥मुनिएकनामचंद्रमाओहि॥लागीदयादेखिकरिमोहि॥बहुप्रकारतिनज्ञानशिखावा॥देहजनितअभिमानछुडावा॥त्रेताब्रह्ममनुजतनुधरिहैं॥तासुनारिनिशिचरमतिहरिहैं॥तोहिखोजपदवाहिप्रभुदूना॥तिन्हैंमिलेतुमहोवपुनीना॥जामिहिपंखकरसिजानिचिंता॥तिन्हेदेखाइदेबतेसीना॥मुनिकैगिरासत्यभाईआजु॥सुनिममबचनकरहुप्रभुकाजू॥बहुरिसंपातीवचन उचारहि॥सु

नहुगिराममतुमहिनकारी ॥ पुत्रमोरस्रूपरएगनेहिनाऊं ॥ सेवनमो
हिसदाएहिठाऊं ॥ ॥दोहा॥ ॥क्षुधावंतएकदिनभएऊं ॥कहेउ
पुत्रतनवात ॥वेगिभक्ष्यलयआवहु ॥नैनरुमाएममजात ॥ ५४ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥लयआज्ञासुनसीससिधावा ॥ मोहिधीरजदेसमुझावा
॥गगनमार्गहोइमहवनगयऊ ॥ गजमृगरोऊहननवहुभयऊ ॥ अ
स्तपतंगभएघरआवा ॥क्षुधाबिबसमैंक्रोधबढावा ॥ज्ञानरंकआंध
रआभागा ॥ सुनकहशापदेननवलागा ॥ गहिममवाहकहासमुझा
ई ॥सुनहुतातममवचनसुहाई ॥जवमयगएउअरनिमानाता ॥ नेह
नवभयोएकउतपाता ॥वीसभुजादशमस्तकजाहीं ॥ अतुरचलाजा-
नमगमाहीं ॥ संगनारिएकदिवअनूपा ॥वरनिनसकहिताहिकररूपा
॥ कोटिसुधाकरनखवलिहारी ॥ संगनारिएकरतिछविहारी ॥नहिं-
साविश्रिशिवातेहिनोला ॥ रंभारमानकामकलोला ॥जंतुजानितेहध
रामचारी ॥दीन्हेउछाडिदेखितेहिनारी ॥ मोहिविनयदक्षिनदिशिगयऊ
॥एहिकारनविलंबमोहिभयऊ ॥ सुनतवचनमोहिलागअंगारा ॥ आप
निगतिदेखनहियहारा ॥ अवमैंपरवहीनकाकरऊं ॥नानरुजाइनिम
खमाहरऊं ॥ ॥दोहा॥ ॥परवहीनअवसरगएव ॥ सुतवलकीन
धिकारि ॥ गहिमोरिनिकटनलाएहु ॥धृतिरामकीनारि ॥ ५५ ॥ चौपाई
॥ सुनिमखबचनसुरनिमयकीन्हा ॥ बहुविधिधीरजजियकहुदीन्हा ॥
एहिबिधिरामजोदूतपठाई ॥ सियखबिलेनअरन्निहिआई ॥ देखनद
रसहोववडभागी ॥तुमभगदेखहुमनअनुरागी ॥ सदारामकरसुमि
रनकरहु ॥पायतवदरसवेगिनिस्तरहु ॥जोकोउकरवरामकरकाजू ॥
नेहिसमधन्यनकोउआजू ॥सुनिममवचनकरहुप्रभुकाजू ॥ मुनिकीगि
रासत्यभयआजू ॥ यहकहिमुनिनिजआश्रमगयो ॥ तिहिछिनहृदय
ज्ञानकछुभयो ॥ इहिविधिमगजोवनमैंरहहु ॥ गिरित्रिकूटऊपरवसल

का ॥ तहंरहहरावणसहजअशंका ॥ तेहिसमीपउत्तमएकबागा ॥ मध्य
नीरभरपूरतडागा ॥ बांधघांटमनोहरचारी ॥ कनकसिढीमणिनहांसंवा
री ॥ हीरशिलामयभूजहंदेषी ॥ परवालनकीपारिविशेषी ॥ नीलमणीभर
त्रिनकीनारी ॥ दृष्टिविलोकीसवकिछविहारी ॥ तेहितडागकेनिकटसुहा
ई ॥ हरितविटपसीतलसुखदाई ॥ तहांअशोकवाटिकाअहई ॥ सीताबै
ठितहंशोचतिरहई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मैंदेखौतुमदेखतनाहि ॥ गृध्रहिदृ
ष्टिअपार ॥ बूढभएउनहिकरतेउं ॥ कछुकसहायतुह्मार ॥ ५६ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ जोनाघयशतयोजनसागर ॥ करैसोरामकाजमतिआ
गर ॥ जोकोईकरैरामकरकाजू ॥ तेहिसमधन्यआननहिआजू ॥ मोहि
बिलोकिधरहुमनधीरा ॥ रामकृपाकसभयेऊशरीरा ॥ पापिउजाकरना
मसुमिरहीं ॥ अतिअपारभवसागरतरहीं ॥ तासुदूततुमतजिकदराई ॥
रामहृदयधरिकरहुउपाई ॥ असकहिउमागृध्रजबगयेऊ ॥ सबकेमनअ
तिविस्मयभयेऊ ॥ निजनिजबलसबकाहूभाषा ॥ पारजानकरसंशयरा
खा ॥ जरठभयेउंअबकहेऋछेशा ॥ नहितनुरहाप्रथमबललेशा ॥ जब
हित्रिविक्रमभयेउखरारी ॥ तबमैंतरुणरहाबलभारी ॥ देखिसमुद्रकि
वाटिअपारा ॥ जूथपतिनमिलकीनविचारा ॥ कोअसवीरजोनाथपयो-
धी ॥ आपनिमृत्युआपअससोधी ॥ उमगसमुद्रगगनलगनाका ॥ जहि
विधिफिरिकुह्मरकरचाका ॥ जायूपतालसमुद्रलगिवाढा ॥ स्नानसमुद्रभ
येजन्नुवाढा ॥ नीरतरंगैंलपकतकैसे ॥ प्रलयकालकेजलधरजैसे ॥ उत्तंगव
हुजोजनलखसेती ॥ दुर्गमदीर्घदेखियपरेती ॥ कच्छमच्छभरिजीवअपा
रै ॥ शैलसमानदेहविस्तारा ॥ लहरिलहरिधावतपानी ॥ तर्षहिनयनभू
दिमखानी ॥ जिमिविनप्राणचित्रकीपुतरी ॥ तेहिविधिथकितभएबुधि
उतरी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ घूरिअंगदहिसवकह्यो ॥ अवकछुकरहुउपाऊ
॥ हयकोउसुभटप्रवीणवोअस ॥ समुद्रउलंघीजाउ ॥ ५७ ॥ ॥

चौपाई॥ ॥बोले विकट स्रुनहु जुवराजू॥ जोजन बीस उलंघहुं आजू॥
नील कहा चालिस मैं जाऊं॥ आगे नहि परत मोर पाऊं॥ नील वचन स्रुनि
दुधर कहही॥ जोजन पचास मोर बल अहही॥ बोले उनल दुइ भुजा उठाई॥
जौजन साठि मोरि गति भाई॥ दधिमुख कह अरसी उपाराती॥ जोजन सा
त जानु बलवाना॥ सुनहु वचन मम स्रुभट प्रवीना॥ आगे होइ मोर बल-
हीना॥ स्रुनि सब वचन बोल जुवराजू॥ एहि बल होई न प्रभु कर काजू॥ ब
हु दुख क्रसत व अंगद देखी॥ जामवंन नव कहा विशेखी॥ निरखि सक
ल मुख कह रिछेशा॥ नहि रह प्रथम कवल लवलेशा॥ ह्न्हु भए बल ऐसा
भाई॥ नाघत पल मैं जलधी धाई॥ सब कहु बात कहे सून मानी॥ मानी स-
त्य कर्म मन वानी॥ जब य त्रिविक्रम भए खरारी॥ तब मैं तरुन रह वं बलभा
री॥ एक दिन बद्रिक आश्रम गयऊ॥ अरन बिलोकि महा स्रुख भयऊ॥ भ
क्षकरि फल पीनेऊ पानी॥ बैठेऊं एक शिला स्रुखमानी॥ ब्रह्मज्ञानि एक वि
प्र स्रुजाना॥ बैठि अराधसी भगवाना॥ ताहि वधन एक दानव आवा॥ देषत
नयन क्रोध मोहि छावा॥ मुनि भय देखि गयेऊ तेहि सामू॥ तैंह्न तन रकीन्हा
असकामू॥ तीस जोजन एक शैल उवाई॥ मारेसि मोहि गोद से आई॥ लागत
गिरि तन सहा प्रहारा॥ भयो क्रोध तेहि अवनि षछारा॥ चीरेउं दोउ चरण क
रि रीसा॥ स्रुख पायो द्विज दीनि असीसा॥ सो बल नहि अव तुम हि वषानू
॥ स्रुनन तवन सब अचरज मानू॥ ॥दोहा॥ ॥ बिलि बांधत प्रभु बाढेऊ॥
सो तन बरणि न जाई॥ उभय घरी मह दीन्ह मैं॥ सात प्रदक्षिण धाई॥ ५८॥
॥चौपाई॥ ॥ सुनत रिक्षपति मुख की वानी॥ होइ ह राम काज
जिय जानी॥ एहि सम नाही कोय समर्था॥ पूजहि आजू सबन कर अर्था॥
वानर जुथ आनंद तव भारी॥ बहुरि रिच्छपति गिरा उचारी॥ शैश प्रहर करे
किन पांऊ॥ जोजन नवक पांच मैं जाऊं॥ अंगद कहा जाउं मैं पारा॥ जियसं
शय कछु फिरती वारा॥ जांबवंत कह तुम सब लायक॥ किमि पठवौं सब हि

करनायक॥कहाऋक्षपतिसुनुहनुमाना॥काचुपसाधिरहाबलवाना॥
पवननतनयबलपवनसमाना॥बुद्धिविवेकविज्ञाननिधाना॥कौनसोकाज
कठिनजगमांही॥जोनहितातहोइतुमपाहीं॥रामकाजतेराजीदेखा॥ज
नकतनयस्रुधिदयप्रभुसेवा॥नवउतपतिअवकहहुसहेता॥सुनहुसकल
बैठेएहिरेता॥हिमचलपर्वतकेएकपासा॥कस्यपऋषितपतेजप्रकासा॥
दिग्गजएकऐरापतिकीसम॥आयोऋषिसन्मुखदुर्धरजम॥निरषताहि
रिषिसकलसकोने॥चलेनचरनसिथिलभयमाने॥तानतुह्मरतेहिवन
केराजा॥केशरिनामतेजवलछाजा॥सोगजमुनिदेषितेहिओरा॥हेकपि
सकलसरनमेंतोरा॥रिषिदुखदेषिदयामनमाहीं॥धायोतुरततातवल
वाहीं॥भिरेउताहिएकमुष्टिकमारा॥दोऊदशनगहिभूमिपछारा॥परेऊ
धरणिकहिघोरविकारा॥ ॥दोहा॥ ॥पितुवलदेषिविशेषमुनि
॥मुनिवरदीनिअशीस॥मागुमागुवरभावमन॥हेहिजपालकपीस॥
॥५९॥ ॥चौपाई॥ ॥सानुकूलतपसीकहुजानी॥बोलेतातजोरि
जुगपानी॥जोपरसनमोरभगवाना॥पुत्रदेहुबलमरुतसमाना॥एवम
स्तुकहिरिषिसवगएउ॥आगिलचरितसुनेहुजोभएउ॥मातातोरिअं
जनीअसिसती॥रूपअपाररहीहियरती॥नवसतसाजिसिंगारवनाई
॥बैठीशैलशिखरपरजाई॥त्रिविधसमीरवहासुखदाई॥निरखतवन
शोभाअधिकाई॥चीरउडावनपवनसुखसी॥भुजादीर्घकरिवाहतप
र्सा॥निरषितुमाताक्रोधकरेही॥लागीशापदेनपुनितेही॥मारुतमधुरे
वचनकहेऊ॥शापनदेववचनसुनिलेऊ॥नवपतिरिषिसनसुतवरमा
गा॥तातेपरसिअंगतवलागा॥निजकायाधरिमिलेनतोही॥काहेकशा
पदेतितुममोही॥असकहिपवनगुपतहोइरहेऊ॥सोतवमातापतिसन
कहेऊ॥अवतवजन्मकहववसुखमानी॥सुनहुसकलवनदीपकज्ञानी॥
शुभनक्षत्रशुभघरीसुहाई॥जन्मतुभयोदववलपाई॥मुनिवरदानपवन

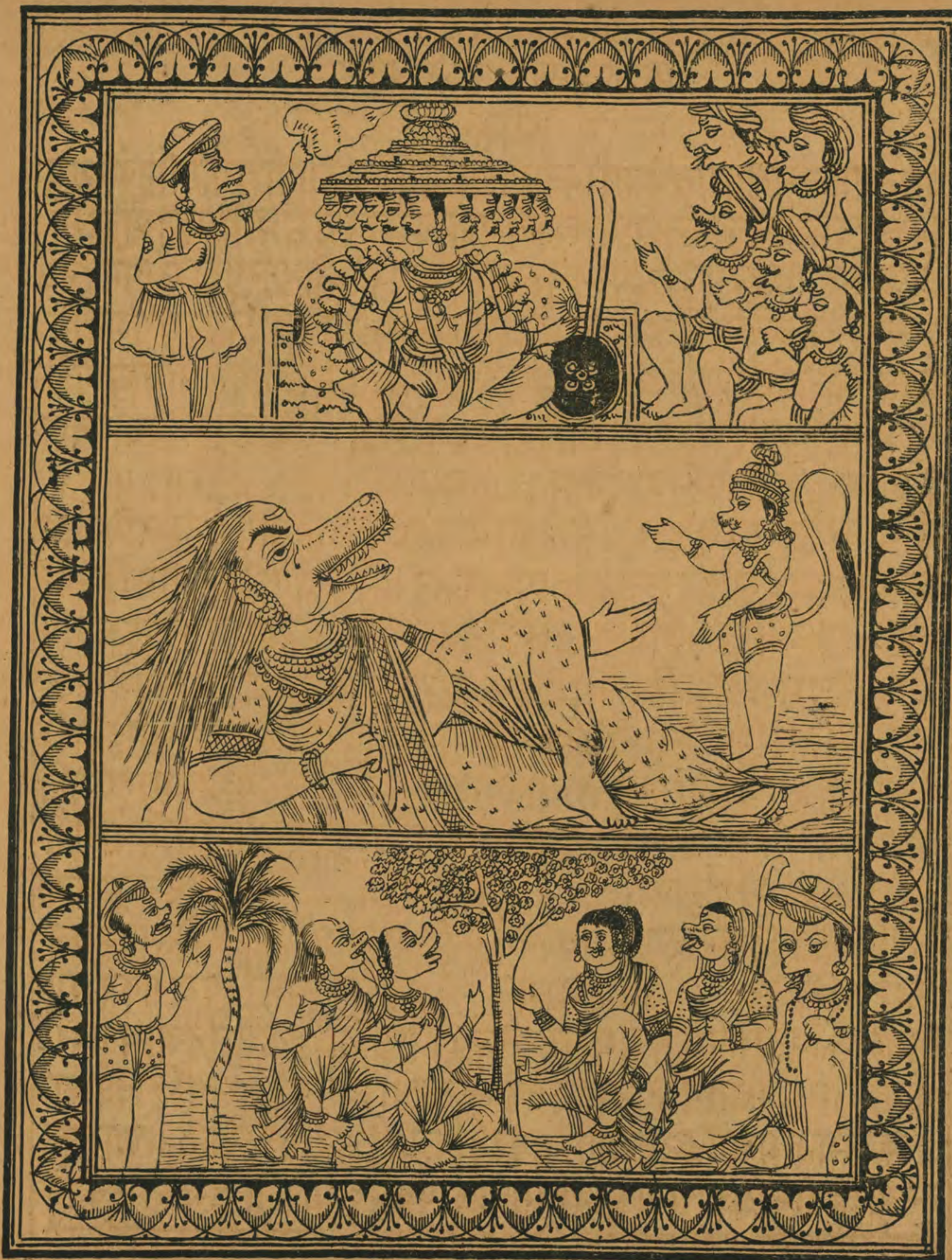
करअंशा ॥ बीरजनोहिपिताकरपरसा ॥ उदितभयेदंपतिहरखाने ॥
करहिकेलिवनमहिसुखमाने ॥ एकदिवसमाताकीगोदा ॥ करतरहेपय
यपानविनोदा ॥ देखेउअरुणबधुछविलाला ॥ तडकिअकाशगयोनत्का
ला ॥ सुरजगहनजवभुजापसारा ॥ क्रोधइंद्रवज्रसोमारा ॥ ॥ दोहा ॥
॥ सहिप्रकारमनक्रोधकरि ॥ घावपतंगहिलीन ॥ बालअवस्थाव्यस
नते ॥ सूरजकाभक्षुकीन ॥ ६० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ अंधकारचारिउ
दिशिभएऊ ॥ जपतपदानधर्मरहिगएऊ ॥ अस्तुतिसुरनकीनिनिजहेता
॥ बोलेशिवगुणज्ञाननिकेता ॥ धरहुधीरजिनिहोउउदासा ॥ सवमिलिच
लहुकेशरीपाशा ॥ शिवविरंचिसुरइंद्रसमेता ॥ आएसकलकेशरीनिके
ता ॥ कहसुनतनोरसूर्जगहिलीना ॥ स्वाससमीररोकिदुखदीना ॥ तजहु
भानुरहेप्रानभलाई ॥ तुमकहुसुजसहोइजगमाई ॥ जोमनभावसोलेहु
वरदाना ॥ नजहुपतंगहोईकल्याना ॥ देवगिरासुनिसुंदरिवानी ॥ बोलेवु
तातजोरिजुगपानी ॥ अमरअजीतसवलवलसागर ॥ सुतहिदेववर
देवननागर ॥ रामभक्तअरुनिकटनिवासी ॥ एहिवरदानदेवबलराशी
॥ एवमस्तुसवदेवनकीन्हा ॥ सूर्यसमीरछाडितवदीन्हा ॥ दयवरदानदे
वसवगयेऊ ॥ विचरेवनहिमहासुखभएऊ ॥ मातनातकरप्राणसमाना
॥ इंद्रजोहनीनामहनुमाना ॥ तजहुशोकमनआनहुधीरा ॥ मोहिनिश्च
यसेवकरघुवीरा ॥ हनुमतवचनसुनतसवकाना ॥ जयजयजयसवक
रहिवषाना ॥ नाचहिएकएकगहिवाही ॥ परमानंदभयेमनमाहीं ॥ हो
इसिद्धरामकोकाजा ॥ अतिसुखलह्योहियेजुवराजा ॥ जामवंतआहीन
लनीला ॥ अंगदआदिसुभटबलशीला ॥ मिलेसवयहहनुमंतहिधाई ॥
रामकाजलगिजातुमभाई ॥ बोलेपवनतनयसुखवानी ॥ धरहुधीरकार
जशुभजानी ॥ कहहनुमंतसिंधुतनदेखी ॥ रामरूपडरआनिविशेषी ॥
नवरिछेशअसवचनउचारा ॥ सादरसुनहुसमीरकुमारा ॥ रामकाज-

लगितबन्अवतारा॥सुनिकपिभएउपर्बताकारा॥कनकवरणतनुतेज
बिराजा॥मानहुअपरगिरन्हकरराजा॥ सिंहनादकरिबारहिबारा॥
लीलहीलांघोंजलनिधिखारा॥सहितसहायरावणहिमारी॥ आनौंइ
हांत्रिकूटउपारी॥जामवंतमेपूछौंतोही॥उचितशिखावनदीजैमोही॥
इतनाकरहुताततुमजाई॥सीतहिदेखिकहाेशुधिआई॥एहितेअ-
धिकशिखावननाहीं॥वेगिकरहुसबधरिमनमाहीं॥तबनिजभुजबल
राजीवनयना॥कौतुकलागिसंगकपिसयना॥ ॥छंद॥ ॥कपि
सेनसंगसंघारिनिशिचररामसीतहिआनिहैं॥त्रैलोक्यपावनसुयश
शुरसुनिनारदादिबखानिहैं॥५॥जोसुनतगावतकहतसमुझतपरम
पदनरपावहीं॥रघुवीरपदपाथोजमधुकरदासतुलसीगावहीं॥६॥
॥दोहा॥ ॥भवभेषजरघुनाथयश॥सुनैंजोनरअरुनारी॥
तिनकरसकलमनोरथ॥सिद्धकरहिंत्रिपुरारी॥६१॥ ॥सोरठा॥
॥नीलोत्पलतनुश्याम॥कामकोटिशोभाअधिक॥सुनियतासु
गुणग्राम॥जासुनामअघखगबधिक॥६२॥ ॥इतिश्रीराम
चरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमलवैराग्यसंपादनोनाम
चतुर्थसोपानःकिष्किंधाकांडःसमाप्तः॥४॥ ॥६॥ ॥६॥



श्री
इति
तुलसिदास
कृत
रामायण
किष्किंधाकांडं
समाप्तम्

श्री
तुलसिदास
कृत
रामायण
सुंदरकांडम्
प्रारंभः



श्रीगणेशायनमः

अथसुंदरकांडलिख्यते ॥

श्लोकः

शांतंशाश्वतमप्रमेयमनघंनिर्वाणशांतिप्रदंब्रह्माशंभुफणींद्रसेव्यमनिशंवेदांतवेद्यंविभुं॥रामाख्यंजगदीश्वरंसुरगुरुंमायामनुष्यंहरिंवंदेहंकरुणाकरंरघुवरंभूपालचूडामणिम्॥१॥नान्यास्पृहारघुपतेहृदयेऽस्मदीयेसत्यंवदामिचभवानखिलांतरात्मा॥भक्तिंप्रयच्छरघुपुंगवनिर्भरांमेकामादिदोषरहितंकुरुमानसंच॥२॥अतुलितबलधामंस्वर्णशैलाभदेहंदनुजवनकृशानुंज्ञानिनामग्रगण्यम्॥सकलगुणनिधानंवानराणामधीशंरघुपतिवरदूतंवातजातंनमामि॥३॥ ॥चौपाई॥ ॥

जामवंतकेवचनसुहाये॥सुनिहनुमानहृदयअतिभाये॥तबलगिमोहीपरेखहुभाई॥सहिदुखकंदमूलफलखाई॥तबलगिआवौंसीतहिदेखी॥होइकाजमनहर्षविशेषी॥असकहिनाइपवनकुहंमाथा॥चलेउहर्षिहियधरिरघुनाथा॥सिंधुतीरएकसुंदरभूधर॥कौतुककूदीचढेतेहिऊपर॥बारबाररघुवीरसंभारी॥तरकेउपवनतनयबलभारी॥जेहिगिरिचरणदेइहनुमंता॥सोचलिगयेउपतालतुरंता॥जिमिअमोघरघुपतिकेबाना॥एहिभांतिचलाहनुमाना॥जलनिधिरघुपतिदूतबिचारी॥तैंमैनाकहोउश्रमहारी॥ ॥सोरठा॥ ॥सिंधुबचनउरआनि॥तुरतउठेउमैनाकतब॥कपिकहुकीन्हप्रणाम॥पुलकिततनुकरजोरिकरि॥१॥ ॥दोहा॥ ॥हनुमानतेहिपरसिकर॥पुनितेहिकीन्हप्रणाम॥रामराजकीन्हेबिना॥मोहिकहाबिश्राम॥२॥चौपाई॥ ॥जातपवनसुतदेवनदेखा॥जानेचहबलबुद्धिविशेषा॥सुरसानामअहिनकैमाता॥पठईनिआईकहीतेहिबाता॥आजुसुरनमोहिदीनअहारा॥सुनिहंसिबोलापवनकुमारा॥रामकाजकरिफिरिमैंआवौं॥सीताकरशुधिप्रभुहिसुनावौं॥तबतबबदनपठिहौं-

आई॥ सत्यकहौंमोहिजानदेमाई॥ कबनिहुयतनदेहिनहिजाना॥
ग्रससिनमोहिकहाहनुमाना॥ योजनभरितेहिबदनपसारा॥ कपितन
कीन्हदुगुणबिस्तारा॥ चारिजोजनसुरसामुखकरेउ॥ जोजनआठक
पितनधरेउ॥ सोरहायोजनमुखतेइठएऊ॥ तुरतपवनसुतबत्तिसभए
ऊ॥ जसजससुरसाबदनबढावा॥ तासुदुगुणकपिरूपदिखावा॥
शतजोजनतेइआननकीन्हा॥ अतिलघुरूपपवनसुतलीन्हा॥ बदन
पैठिपुनिबाहेरआवा॥ मांगीबिदाताहिशिरनावा॥ मोहिसुरनजेहि
लागिपठावा॥ बुधिबलमर्मतोरमैंपावा॥ ॥दोहा॥ ॥रामका
जसबकरिहहु॥ तुमबलबुद्धिनिधान॥ आशिषदेसुरसागई॥ हर्षि
चलेहनुमान॥३॥ ॥चौपाई॥ ॥निशिचरएकसिंधुमहंर
हुई॥ करिमायानभकेखगगहई॥ जीवजंतुजेगगनउडाहिं॥ जलबि
लोकितिनकीपरिछाहीं॥ गहैछाहशकशोनउडाई॥ इहिबिधसदागग
नचरखाई॥ सोइछलहनुमानतेकीन्हा॥ तासुकपटकपितुरतहिचीन्हा
॥ताहिमारिमारुतसुतबीरा॥ बारिधिपारगएउमतिधीरा॥ ताहांजा-
इदेखिबनशोभा॥ गुंजतचंचरीकमधुलोभा॥ नानातरुफलफूलसुहा
ये॥ खगमृगवृंददेखिमनभाये॥ शैलबिशालदेखिएकआगे॥ तापर
कूदिचढेउभयत्यागे॥ उमानकछुकपिकीअधिकाई॥ प्रभुप्रतापजो
कालहिखाई॥ गिरिपरचढिलंकातेइदेखी॥ कहिनजाइअतिदुरग
बिशेखी॥ अतिउतंगजलनिधिचहुंपाशा॥ कनककोटिकरपरमप्रका
शा॥ ॥छंद॥ ॥कनककोटिबिचित्रमणिकृतसुंदरायत
अतिघना॥ चौहट्टहट्टसुबट्टबीथिचारुपुरबहुबिधबना॥१॥गज
बाजिखच्चरनिकरपदचररथबरूथनिकोगनै॥ बहुरूपनिशिचरयूथ
अतिबलसेनबरणतनहिंबनै॥२॥ बनबागउपबनबाटिकासरकूप
बापीसोहही॥ नरनागसुरगंधर्वकन्यारूपमुनिमनमोहही॥३॥ कहुं

मह्लुदेहविशालशैलसमानअतिबलगर्जहीं ॥नानाअखारनभिरहि
बहुबिधएकएकनतर्जहीं॥४॥करियतनभटकोटिनविकटतनुनगर
चहुँदिशिरक्षहीं। कहुंमहिषमानुषधेनुखरअजरखलनिशाचरभक्षहीं
॥५॥इहिलागितुलसिदासइनकीकथासंक्षेपहिकही।रघुबीरशरतीरथ
सरिततनुत्यागिगतिपैहैसही॥६॥ ॥दोहा॥ ॥पुररखवारेदेषि
बहु॥कपिमनकीन्हबिचार॥अतिलघुरूपधरौंनिशि॥नगरकरौंपैठार॥
॥४॥ ॥चौपाई॥ ॥मशकसमानरूपकपिधरी॥लंकाचलेस्फ
मिरिनरहरी॥नामलंकिनीएकनिशिचरी॥सोकहचलेसिमोहिनिरदरी॥
जानसिनाहिंमर्मशठमोरा॥मोरअहारलंककरचोरा॥मुष्टिकएकताहि
कपिहनी॥रुधिरवमनधरणीढनमनी॥पुनिसंभारिउठासोलंका॥जो
रिपाणिकरिविनयसशंका॥जबरावणहिंब्रह्मावरदीन्हा॥चलतविरंचि
कहामोहिचिन्हा॥बिकलहोसिजबकपिकेमारे॥तबजानेसिनिशिचर
संहारे॥तातमोरअतिपुण्यबहूता॥देखेउनयनरामकरदूता॥ ॥
दोहा॥ ॥तातस्वर्गअपवर्गस्फुख॥धरियतुलाएकअंग॥तुलैनता
हिसकलमिलि॥जोसुखलवसतसंग॥५॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रवि
शिनगरकीजैसबकाजा॥हृदयराखिकोशलपुरराजा॥गरलसुधारिपुक
रैमिताई॥गोपदसिंधुअनलशितलाई॥गरुअस्फुमेरुरेणुसमताही॥
रामकृपाकरिचितवहीजाही॥अतिलघुरूपधरेउहनुमाना॥पैठानग
रस्फुमिरिभगवाना॥मंदिरमंदिरप्रतिघरशोधा॥देखाजहतहअग-
णितयोधा॥गयेउदशाननमंदिरमांहीं॥अतिबिचित्रकहिजानसो
नाहीं॥शयनकिएदेखाकपितेही॥मंदिरमहंनदीखबैदेही॥कपिके
मनशोकअतिभएउ॥इहासोइसबनिश्चररूएउ॥पूछीकीनहिदेइवति
पाई॥जनकस्फुतामोहिदेखाई॥एहिविधिसोसशंकहनुमाना॥आगे
चलेस्फुमिरिभगवाना॥भवनएकपुनिदीखस्फुहावा॥हरिमंदिरतहंभि

न्हबनावा॥ रामनामअंकितगृहशोहा॥ बरणिनजाइदेखिमनमोहा॥
॥दोहा॥ ॥रामायुधअंकितगृह॥ शोभाबरणिनजाइ॥नवतु
लसिकेवृंदबहु॥देखिहर्षकपिराइ॥६॥ ॥चौपाई॥ ॥लंकानिशि
चरनिकरनिवासा॥इहांकहांसज्जनकरवासा॥मनमहंतर्ककरणकपि
लागे॥ताहीसमयबिभीषणजागे॥रामरामतेहिसुमिरणकीन्हा॥हर्षि
हृदयकपिसज्जनचीन्हा॥इहिसनहठिकरिहौंपहिचानी॥साधुतेहोइ-
नकारजहानी॥ बिप्ररूपधरिबचनसुनावा॥सुनतबिभीषणउठितहंआ
वा॥करिप्रणामपूछीकुशलाई॥बिप्रकहहुनिजकथाबुझाई॥कीतुमह
रिदासनमेकोई॥मोरहृदयप्रीतिअतिहोई॥कीतुमरामदीनअनुरागी॥
आयेहुमोहिकरणबडभागी॥ ॥दोहा॥ ॥तबहनुमंतकहीस-
ब॥रामकथानिजनाम॥सुनतयुगलतनुपुलकअति॥मगनसुमिरिगु
णग्राम॥७॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनहुपवनसुतरहनिहमारी॥जिमि
दशननमहंजीभबिचारी॥तातकबहुंमोहिजानिअनाथा॥करिहहिंकृ
पाभानुकुलनाथा॥नामसतनुकछुसाधननाहीं॥प्रीतिनपदसरोजम-
नमाहीं॥अबमोहिभाभरोसहनुमंता॥बिनुहरिकृपामिलहिनहिंसं
ता॥जौरघुबीरअनुग्रहकीन्हा॥तौतुममोहिदरशहठिदीन्हा॥सुन
हुबिभीषणप्रभुकैरीती॥करहिंसदासेवकपरप्रीती॥कहहुकवनपरम
कुलीना॥कपिचंचलसबहीबिधिहीना॥प्रातलेइजोनामहमारा॥ता
दिनताहिनमिलैअहारा॥ ॥दोहा॥ ॥असमैअधमसखासु
नु॥मोहूपररघुबीर॥कीन्हीकृपासुमिरिगुण॥भरेबिलोचननीर॥
८॥ ॥चौपाई॥ ॥जानतहूअसस्वामिबिसारी॥सोनर
काहेनहोहिंदुखारी॥इहिबिधिकहतरामगुणग्रामा॥पावनअवणसु
खदबिश्रामा॥पुनिसबकथाबिभीषणकही॥जेहिबिधजनकसुताजहं
रही॥तबहनुमंतकहासुनुभ्राता॥देखाचहौंजानकीमाता॥युक्तिबि

भीषणसकलसुनाई॥चलेउपबनसुतोबिदाकराई॥करिसोइरूपगये
उपुनितहंवा॥बनअशोकसीतारहिजहंवा॥देखिमनहिमनकीन्हप्रणा
मा॥बैठेबीतिजातनिशियामा॥कृशतनुशीसजटाएकबेणी॥जपतिहृ
दयरघुपतिगुणश्रेणी॥ ॥दोहा॥ ॥निजपदनयनदियेमन॥
रामचरणमहंलीन॥परमदुखीभापवनसुत॥निरखिजानकीदीन॥
॥९॥ ॥चौपाई॥ ॥तरुपल्लवमहंरहालुकाई॥करैबिचारकरौंकाभा
ई॥तेहिअवसररावणतहंआवा॥संगनारिबहुकिएबनावा॥बहुबिध
खलसीतहिंसमुझावा॥सामदामभयभेददिखावा॥कहरावणसुनुसु
मुखिसयानी॥मंदोदरीआदिसबरानी॥तबअनुचरीकरौंपणमोरा॥
एकबारबिलोकुममओरा॥सुनिखलवचनउपज्जाक्रोधा॥कहसीता
सुनुखलदुरबोधा॥तृणधरिओटकहतिबैदेही॥सुमिरिअवधपतिपर
मसनेही॥सुनुदशमुखखद्योतप्रकाशा॥कबहुकबलिनीकरहिंबिका
सा॥असमनसमुझतिकहतिजानकी॥खलशुधिनहिरघुबीरबाणकी
॥शठसूनेहरिआनेसिमोही॥अधमनिलज्जालाजनहितोही॥ ॥
दोहा॥ ॥आपुहितुनिखद्योतसम॥रामहिंभानुसमान॥पुरुष
बचनसुनिकाढिअसि॥बोलाअतिरिसिआन॥१०॥ ॥चौपाई॥ ॥
सीतातैंममकृतअपमाना॥काटौंनवशिरकठिनकृपाना॥नाहितस-
पदिमानुममबानी॥सुमुखिहोततनुजीवनहानी॥श्यामसरोजदामस
मसुंदर॥प्रभुभुजकरिकरसमदशकंधर॥सोभुजकंठकितबौअसिघो
रा॥सुनुशठअसप्रमाणपणमोरा॥चंद्रहासहरुममपरितापा॥रघुप
तिबिरहअनलसंतापा॥शीतलनिशितबअसिवरधारा॥कहसीताह
रुममदुखभारा॥सुनतबचनपुनिमारणधावा॥मयतनयाकहिनीति
बुझावा॥कहेसिसकलनिशिचारिनबुलाई॥सीतहिबहुबिधत्रासहुजा
ई॥मासदिवसमहंकहानमाना॥तोमैंमारबकाढिकृपाणा॥ ॥

दोहा ॥ भवनगयेउदशकंधतब ॥ इहांनिशाचरिवृंद ॥ सीतहिंत्रासदि
खावहीं ॥ धरिहिंरूपबहुमंद ॥ ११ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ त्रिजटानामरा
क्षसीएका ॥ रामचरणरतनिपुणबिवेका ॥ सबहिंबुलाइसुनायेसिसप
ना ॥ सीतहिसेइकरौहितअपना ॥ सपनेवानरलंकाजारी ॥ यातुधानसे
नासबमारी ॥ खरअरूढनगनदशशीसा ॥ मुंडितशिरखंडितभुज-
वीशा ॥ एहिबिधसोदक्षिणदिशिजाई ॥ लंकामनहुंबिभीषणपाई ॥ न
गरफिरीरघुबीरदोहाई ॥ तबप्रभुसीताबोलिपठाई ॥ इहसपनामैंकहौं
बिचारी ॥ होइहैसत्यगयेंदिनचारी ॥ तासुबचनसुनितेसबडरी ॥ जनक
सुताकेचरणनपरी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जहांतहांगईतुरिनसब ॥
सीताकेमनशोच ॥ मासदिवसबीतेंजुमोहि ॥ मारिहिनिशिचरपोच ॥
१२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ त्रिजटासनबोलीकरजोरी ॥ मातुबिपतिसं-
गिनितैंमोरी ॥ तजौदेहकरिबेगिउपाई ॥ दुसहबिरहअबनहिंसहिजाई
॥ आनुकाठरचुचिताबनाई ॥ मातअनलतुमदेहुलगाई ॥ सत्यकरहु
ममप्रीतिसयानी ॥ सुनैकोश्रवणशूलममबानी ॥ सुनतबचनपदगहि
समुझावा ॥ प्रभुप्रतापबलसुयशसुनावा ॥ निशिनअनलमिलिराज
कुमारी ॥ असकहिसोनिजभवनसिधारी ॥ कहसीताबिधिभाप्रतिकू
ला ॥ मिलैनपावकमिटैनशूला ॥ देखियतप्रगटगगनअंगारा ॥ अवनि
नआवतएकौतारा ॥ पावकमयशशिस्रवतनआगी ॥ मानहुंमोहिजानि
हतभागी ॥ सुनहुबिनयममबिटपअशोका ॥ सत्यनामकरुहरुममशो
का ॥ नूतनकिसलयअनलसमाना ॥ देहुअगिनिममकरहुनिदाना ॥
देखिपरमबिरहाकुलसीता ॥ सोक्षणकपिहिकल्पसमबीता ॥ सोरठा
॥ कपिकरिहृदयबिचार ॥ दीन्हिमुद्रिकाडारितब ॥ जनुअशोकअंगार ॥
दीनहर्षिउठिकरगहेउ ॥ १३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ तबदेखिमुद्रिकामनो
हर ॥ रामनामअंकितअतिसोहर ॥ चकितचितैमुद्रिकपहिचानी ॥ ह

र्षिविषादहृदयअकुलानी॥जीतिकोशकैअजयरघुराई॥मायातेअ
सरचीनजाई॥सीतामनबिचारकरनाना॥मधुरवचनबोलेहनुमाना॥रा
मचंद्रगुणवरणनलागे॥सुनतहिसीताकरदुखभागे॥लागीस्रनैश्रव
णमनलई॥आदिहितेसबकथासुनाई॥तबहनुमंतनिकटचलिगयेऊ
॥ फिरिबैठिमनविस्मयभयेऊ॥रामदूतमैमातुजानकी॥सत्यशपथक
रुणानिधानकी॥यहमुद्रिकामातुमैआनी॥दीन्हरामतुमकहंसहिदा
नी॥नरवानरहिंसंगकहुकैसे॥कहीकथासंगतिभईजैसे॥ ॥
दोहा॥ ॥कपिबरबचनसप्रेमसुनि॥उपजामनबिस्वास॥जाना
मनक्रमबचनयह॥कृपासिंधुकरदास॥१४॥ ॥चौपाई॥ ॥
हरिजनजानिप्रीतिअतिबाढी॥सजलनयनपुलकावलिठाढी॥बूडत
विरहजलधिहनुमाना॥भयेहुतातमोकहंजलयाना॥अबकहुकुशल
जाउंबलिहारी॥अनुजसहितसुखभवनखरारी॥कोमलचित्तकृपालु
रघुराई॥कपिकेहिहेतुधरिनिठुराई॥सहजबानिसेवकसुखदायक
॥कबहुमोहिस्मरतरघुनायक॥कबहुनयनमनशीतलताता॥हो
इहिनिरखिश्याममृदुगाता॥वचननआवनयनभरिवारी॥अहोना
थमोहिनिपटबिसारी॥देखिविरहव्याकुलअतिसीता॥बोलेउकपि
मृदुबचनविनीता॥मातुकुशलप्रभुअनुजसमेता॥तवदुखदुखिसोकृ
पानिकेता॥जननीजनिमानहुमनऊना॥तुमतेप्रेमरामकहंदूना॥ ॥
दोहा॥ ॥रघुपतिकोसंदेशअब॥सुनुजननीधरिधीर॥असक
हिकपिगद्गदभए॥भरविलोचननीर॥१५॥ ॥चौपाई॥ ॥रा
मवियोगकहासुनुसीता॥मोकहंसकलभएउबिपरीता॥नूतनकि
सलयमनहुकृशानू॥कालनिशासमनिशिशशिभानू॥कुवलयविपि
नकुंतबनसरिसा॥वारिदतपतनेलजनुबरिसा॥जहितरुरहोंकरतसो
पीरा॥उरगश्वाससमत्रिविधसमीरा॥कहेहुतेदुःखघटिकछुहोई॥

काहिकहौंयहजाननकोई॥तत्वप्रेमकरममअरुतोरा॥जानतप्रिया
एकुमनमोरा॥सोमनुसदारहततोहिपाहीं॥जानुप्रीतिरसइतनेहिमा
हीं॥प्रभुसंदेशसुनतबैदेही॥मगनप्रेमतनुसुधिनहिंतेही॥कहकपि
हृदयधीरधरुमाता॥सुमिरिरामसेवकसुखदाता॥उरआनहुरघु
पतिप्रभुताई॥सुनिममबचनतजहुविकलाई॥ ॥दोहा॥ ॥निशि-
चरनिकरपतंगसम॥रघुपतिबाणकृशानु॥जननीहृदयधीरधरि॥जरे
निशाचरजानु॥१६॥ ॥चौपाई॥ ॥जोरघुवीरहोतशुधिपाई॥कर
तेनहिविलंबरघुराई॥रामवाणरविउएजानकी॥तमबरूथजातुधान-
की॥अबहिमातुमैंजाउलेवाई॥प्रभुआयसुनहिरामदोहाई॥कछुकदि
वसजननीधरुधीरा॥कपिन्हसहितऐहैरघुवीरा॥निशिचरमारितुमहि
लेजैहैं॥तिहुंपुरनारदादियशगैहैं॥हैंसुतकपिसबतुमहिंसमाना॥
यातुधानभटअतिबलबाना॥मोरेहृदयपरमसंदेहा॥सुनिकपिप्रगट
कीनिनिजदेहा॥कनकभूधराकारशरीरा॥समरभयंकरअतिबलधी
रा॥सीतामनभरोसतबभएऊ॥पुनिलघुरूपपवनसुतलएऊ॥दोहा
॥ ॥सुनुमाताशाखामृगहिं॥नहिंबलबुद्धिविशाल॥प्रभुप्रतापते
गरुडहिं॥खाइपरमलघुब्याल॥१७॥ ॥चौपाई॥ ॥मनसंतोष
सुनतकपिवाणी॥तनुअतिपुलकनयनटरुपानी॥भक्तिप्रतापतेजब
लसानी॥आशिषदीन्हरामप्रियजानी॥अजरअमरगुणनिधिसुनहो
हू॥करहुसदारघुनायकछोहू॥करिहिंकृपाप्रभुअससुनिकाना॥नि
र्भरप्रेममगनहनुमाना॥बारबारनावहिंपदशीसा॥बोलेवचनजोरि
करकीशा॥अबकृतकृत्यभएउमैंमाता॥आशिषतवअमोघविख्या
ता॥सुनियमातुमोहिअतिशयभूखा॥लागिदेखिसुंदरफलरूखा॥
सुनुसुतकरहिंविपिनिरखवारी॥परमसुभटरजनीचरभारी॥तिनक
रभयमातामोहिनाहीं॥जोतुमसुखमानहुमनमाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥

देखिबुद्धिबलविपुलकपि॥कह्यजानकीजाहु॥रघुपतिचरणहृदयध
रि॥तातमधुरफलखाहु॥१९॥ ॥चौपाई॥ ॥चलानाइशि
रपैठेउबागा॥फलखाहैतरुतोरनलागा॥रहेतहांबहुभटरखवारे॥
कछुमारेकछुजाइपुकारे॥नाथएकआवाकपिभारी॥तेइंअशोकवा
टिकौउजारी॥खाएसिफलअरुबिटपउपारेसी॥जहंतहंपटकिपटकिभ
टमारेसी॥सुनिरावणपठएमटनाना॥तिन्हहिदेखिगरजाहनुमाना॥स
बरजनीचरकपिसपने॥गएपुकारतकछुअधमारे॥पुनिपठवातेइंअ
क्षकुमारा॥चलासंगलैसुभटअपारा॥आवतदेखिबिटपगहितर्जा॥
ताहिनिपातिमहाध्वनिगर्जा॥ ॥दोहा॥ ॥कछुमारेसिकछुमर्द
सि॥कछुकमिलाएसिधुरी॥कछुपुनिजाइपुकारे॥प्रभुमर्कटभटभूरि॥
॥२९॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिसुतवधलंकेशरिसाना॥पठवामेघना
दबलवाना॥मारेसिजिनिसुतबांधसिनाही॥देखौकीशकहांकरआई॥
इंद्रजितअतुलितयोधा॥बंधुनिधनसुनिउपजाक्रोधा॥कपिदेखादारुण
भटआवा॥कटकटाइगर्जाअरुधावा॥अतिविशालतरुएकउपारा॥वि
रथकीन्हलंकेशकुमारा॥रहेमहाभटताकेसंगा॥गहिगहिकपिमर्देसिनि
जअंगा॥तिन्हैनिपातिताहिसनवाजा॥भिरेयुगुलमानहुगजराजा॥मु
ष्टिकमारिचढातरुजाई॥ताहिएकक्षणमूर्च्छाआई॥उठिबहोरिकिन्ह
सिबहुमाया॥जीतनजाइप्रभंजनजाया॥ ॥दोहा॥ ॥तेहिसा
धाब्रह्मास्त्रतब॥कपिमनकीन्हविचार॥जौनमानिहौंब्रह्मशर॥महिमा
मिटैअपार॥२०॥ ॥चौपाई॥ ॥ब्रह्मबाणतेहिकपिकहंमारा॥
परतेहुबारकटकसंघारा॥तेहिजानाकपिमूर्च्छितभएऊ॥नागपाशबांध
सतबभएऊ॥जासुनामजपिसुनहुभवानी॥भवबंधनकाटहिनरज्ञानी॥
॥तासुदूतबंधनतरआवा॥प्रभुकारजलगिआपुबंधावा॥कपिबंधन-
सुनिनिशिचरधाए॥कौतुकलागिसभालैआए॥ दशमुखसभादी

खकपिजाई॥ कहिनजाइकछुम्रतिप्रभुनाई॥ करजोरेसुरदिशिपम्रवि
विनीता॥ भृकुटिविलोकहिसकलसभीता॥ देखिप्रतापनकपिउरशंका
॥ जिमिम्रहिगणमहुगरुडम्रशंका॥ ॥दोहा॥ ॥कपिहि
विलोकिदशानन॥विहसाकहिदुर्वाद॥सुतवधसुरतिकीन्हपुनि॥उ
पजाहृदयविषाद॥२१॥ ॥चौपाई॥ ॥कहलंकेशकवन
तैंकीशा॥केहिकेबलघालेहिबनखीशा॥कीधौंम्रवणसुनेनहिमोही॥
देखौंम्रतिम्रशंकशठतोही॥मारेनिशिचरकेहिम्रपराधा॥ कहुशठ-
तोहिनप्राणकीबाधा॥सुनुरावणब्रह्मांडनिकाया॥पाइजासुबलबि
रचितमाया॥जाकेबलबिरंचिहरिईशा॥पालतहरतसृजतदशशीसा
॥जाबलशीसधरेसहसानन॥म्रंडकोशसमेतगिरिकानन॥धरजो
विविधदेहसुरत्राता॥तुमसेशठनशिखावनदाता॥हरकोदंडक-
ठिनजेइभंजा॥तोहिसमेतनृपदलमदगंजा॥खरदूषणत्रिशिराम्र
रुबाली॥वधेसकलम्रतुलितबलशाली॥ ॥दोहा॥ ॥
जाकेबललवलेशते॥जितेउचराचरझारि॥तासुदूतहौंजाहिकी॥
हरिम्रानेहुप्रियनारि॥२२॥ ॥चौपाई॥ ॥जानौंमैंतुह्मा
रिप्रभुताई॥सहसबाहुसनपरीलराई॥समरबालिसनकरिजशपा-
वा॥सुनिकपिबचनबिहंसिबहलावा॥खायेउफलमोहिलागिभूखा
॥कपिस्वभावतेंतोरेउरूखा॥सबकेदेहुपरमप्रियस्वामी॥मारहिमो
हिकुमारगगामी॥जिनमोहिमारातेहिमैंमारा॥तेहिपरबाधेउतनय
तुह्मारा॥मोहिनकछुबांधेकरलाजा॥कीनचहौंनिजप्रभुकरकाजा
॥बिनतीकरौंजोरिकररावण॥सुनहुमानतजिमोरशिषावण॥दे-
खहुतुमनिजहृदयबिचारी॥भ्रमतजिभजहुभक्तभयहारी॥जाके
डरम्रतिकालडराई॥जोसुरम्रसुरचराचरखाई॥तासौंबैरकबहुन
हिकीजे॥मोरेकहेजानकीदीजे॥ ॥दोहा॥ ॥प्रणतपालरघु

वंशमणि ॥ करुणासिंधुखरारी ॥ गएशरएप्रभुराखिहैं ॥ नवञ्चपरा
धबिसारि ॥ २३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ रामचरएपंकजउरधरहू
॥ लंकाञ्चचलराजतुमकरहू ॥ ऋषिपुलस्त्ययशबिमलमयंका ॥ तेहिं
कुलमहंजनिहोसिकलंका ॥ रामनामबिनुगिरानसोहा ॥ देखिबिचारि
त्यागिमदमोहा ॥ सबभूषनभूषितवरनारी ॥ वसनहीननहिसोहसुरा
री ॥ रामविमुखसंपतिप्रभुताई ॥ जाइरहीपाइबिनुपाई ॥ सजलमूलजे
हिसरितानाहीं ॥ बरषिगएपुनितबहिसुरवाहीं ॥ सुनुदशकंठहोंपए
रोपी ॥ रामबिमुखत्रातानहिकोपी ॥ शंकरसहितविष्णुञ्जजतोही ॥ श
कहिनराखिरामकरद्रोही ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मोहमूलबहुशूलप्रद
॥ त्यागहुतमञ्चभिमान ॥ भजहुरामरघुनायकहिं ॥ कृपासिंधुभगवान ॥
॥ २४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ यद्यपिकहिकपिञ्चतिहितबानी ॥ भक्ति
विवेकविरतिनसयानी ॥ बोलाविहसिञ्चधमञ्चभिमानी ॥ मिलाहम-
हिंकपिगुरुबडज्ञानी ॥ मृत्युनिकटञ्चाइखलतोहीं ॥ लागेञ्चधमशिखा
वनमोहीं ॥ उलटाहोइकहाहनुमाना ॥ मतिभ्रमतोहिप्रगटमैंजाना ॥
सुनिकपिवचनबहुतरिसिञ्चाना ॥ बेगिनहरहुमूढकरप्राणा ॥ सुनतनि
शाचरमारएधाए ॥ सचिवनसहितबिभीषएञ्चाए ॥ नाइशीससुरिवि
नयबहूता ॥ नीतिबिरोधनमारियदूता ॥ ञ्चानदंडकछुकरियगोसांई ॥
सबहिंकहतमंत्रीभलभाई ॥ सुनतबिहसिबोलादशकंधर ॥ ञ्चंगभंग
करिपठवहुबंदर ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कपिकरममतापूंछकर ॥ सबहिं
कहासमुझाई ॥ तलबोरिपटबांधिपुनि ॥ पावकदेहुलगाई ॥ २५ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ पूंछहिबंदरजबजाइहि ॥ नबशठनिजनाथलैञ्चाइहि
॥ जनकेकीन्हेसिञ्चमितबडाई ॥ देखौंधोंतिन्हकैप्रभुताई ॥ वचनसुन
तकपिमनमुसकाना ॥ भइसहायशारदमैंजाना ॥ यातुधानसुनिरा
वएवचना ॥ लागेरचनमूढसोइरचना ॥ रहाननगरबसनधृततेला ॥ बा

ढ़िपूछकीन्हकपिखेला॥कौतुककहंआएपुरवासी॥मारहिंचरणकरहिंबहुहांसी॥बाजहिंढोलदेहिंसबतारी॥नगरफेरिपुनिपूछप्रजारी॥पावकजरतदेखिहनुमंता॥भयउपरमलघुरूपतुरंता॥निबुकिचढेउकपिकनकअटारी॥भयेसभीतनिशाचरभारी॥ ॥दोहा॥ ॥हरिप्रेरितनेहिअवसर॥वहपवनउनचाश॥अट्टहासकरिगर्जहि॥कपिबढलागुआकाश॥२६॥ ॥चौपाई॥ ॥देहविशालपरमहरुआई॥मंदिरतेमंदिरचढिजाई॥जरेनगरभेलोगबेहाला॥लपटझपटबहुकोटिकराला॥तातमातसबकरहिंपुकारा॥एहिअवसरकोहमहिंउबारा॥हमजोकहायहकपिनहिंहोई॥बानररूपधरेसुरकोई॥साधुअवज्ञाकरफलऐसा॥जरेनगरअनाथकरजैसा॥जारानगरनिमिषएकमाहीं॥एकबिभीषणकोगृहनाहीं॥ताकरदूतअनलजेहिसिरजा॥जरानसोतेहिकारणगिरिजा॥उलटिलपटिलंकासबजारी॥कूदिपरातबसिंधुमझारी॥ ॥दोहा॥ ॥पूछबुझाईखोइश्रम॥धरिलघुरूपबहोरि॥जनकसुताकेआगें॥ठाढभयउकरजोरि॥२७॥



॥चौपाई॥ ॥मातुमोहिदीजेकछुचीन्हा॥जैसेंरघुनायकमो-

हिदीन्हा॥चूडामणिउतारितबदएऊ॥हर्षसमेतपवनसुतलएऊ॥कहेहुतातमोरप्रणामा॥सबप्रकारप्रभुपूरणकामा॥दीनदयालबिरदसंभारी॥हरहुनाथममसंकटभारी॥तातशक्रसुतकथासुनायेहु॥बाणप्रतापप्रभुसमुझायेहु॥मासदिवसमहनाथनआएहु॥तौपुनिमोहिजियतनहिपायेहु॥कहुकपिकेहिबिधराखोंप्राणा॥तुमहुतातकहतअबजाना॥तुमहिदेखिशीतलभइछाती॥पुनिमोकहंसोइदिनसोइराती॥ ॥दोहा॥ ॥जनकसुतहिसमुझाइकरि॥बहुबिधधीरजदीन्ह॥चरणकमलसिरनाइकपि॥गमनरामपहंकीन्ह॥२८॥ ॥चौपाई॥ ॥चलतमहाध्वनिगरजेउभारी॥गर्भस्रवहिंसुनिनिशिचरनारी॥नाघिसिंधुएहिपारहिआवा॥शब्दकिलकिलाकपिन्हसुनावा॥हर्षेसबबिलोकिहनुमाना॥नूतनजन्मकपिनतबजाना॥मुखप्रसन्नतनुतेजबिराजा॥कीन्हेसिरामचंद्रकरकाजा॥मिलेसकलअतिभयेऊसुखारी॥तलफतमीनपावजनबारी॥चलेहर्षिरघुनायकपाशा॥पूछतकहतनवलइतिहासा॥तबमधुवनभीतरसबआए॥अंगदसहितमधुरफलखाए॥रखवारेतबबरजनलागे॥मुष्टिप्रहारकरतसबभागे॥ ॥दोहा॥ ॥जाइपुकारेसकलते॥बनउजारयुवराज॥सुनिसुग्रीवहर्षकपि॥करिआयेप्रभुकाज॥२९॥ ॥चौपाई॥ ॥जौनहोतसीताशुधिपाई॥मधुबनकेफलशकहिंकेखाई॥एहिबिधमनबिचारकरुराजा॥आइगएकपिसहितसमाजा॥आइसबहिंनावापदशीसा॥मिलेसबनअतिप्रेमकपीशा॥पुछेउकुशलकुशलपददेषी॥रामकृपाभाकजविशेषी॥नाथकाजकीन्हेहनुमाना॥रोषसकलकपिनकरप्राणा॥सुनिसुग्रीवबहुरिउठिमिलेऊ॥कपिनसहितरघुपतिपहंचलेऊ॥रामकपिनजबआवतदेषा॥कियेकाजउरहर्षविशेषा॥स्फटिकशिलाबैठेदोउभाई-

॥परेसकलकपिचरणनजाई॥ ॥दोहा॥ ॥प्रीतिसहितभेंटे
सकल॥रघुपतिकरुणापुंज॥पूछेउकुशलनाथअब॥कुशलदेखि
पदकंज॥३०॥ ॥चौपाई॥ ॥जांबवंतकहसुनुरघुराया॥जाप
रनाथकरहुतुमदाया॥ताहिसदाशुभकुशलनिरंतर॥सुरनरमु-
निप्रसन्नतेहिऊपर॥सोविजयीबिनयीगुणकोसागर॥तासुसु
यशत्रैलोक्यउजागर॥प्रभुकीकृपाभयउसबकाजू॥जन्महमारसफ
लभाआजू॥नाथपवनसुतकीनिजोकरणी॥सोमुखलक्षहुंजा
ईनबरणी॥सुनुकृपालुउठिहृदयलगाये॥जानिसुभटरघुपतिम
नभाये॥कहहुतातकेहिभांतिजानकी॥रहतिकरतिरक्षास्वप्राण
की॥ ॥दोहा॥ ॥नामपाहरूदिवसनिशि॥ध्यानतुह्मारक
पाट॥लोचननिजपदयंत्रिका॥प्राणजाहिकवाट॥३१॥ ॥चौपाई
॥ ॥चलतमोहिचूडामणिदीन्हा॥रघुपतिहृदयलाइतेहिली
न्हा॥नाथयुगललोचनभरिवारी॥वचनकहेउकछुजनककुमारी॥
अनुजसमेतगहेहुप्रभुचरणा॥दीनबंधुप्रणतारतिहरणा॥मनक्रम
बचनचरणअनुरागी॥केहिअपराधनाथमोहित्यागी॥अवगुणएक
मोरमैंजाना॥बिछुरतप्राणनकीनपयाना॥नाथसोनयनकरनअप
राधा॥निसरतप्राणकरहिंकबिवाधा॥बिरहअनलतनुतूलसमी
रा॥श्वासजरैक्षणमाहशरीरा॥नयनस्रवेजलनिजहितलागी॥
जरैनपावदेहबिरहागी॥सीताकैअतिबिपतिबिशाला॥बिनहिंक
हेभलदीनदयाला॥ ॥दोहा॥ ॥निमिषनिमिषकरुणायतन॥
जाहिकल्पशतवीति॥बेगिचलियप्रभुआनिये॥भुजबलखलदल
जीति॥३२॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिसीतादुःखप्रभुसुखअयना॥
भरिआयेजलराजीवनयना॥बचनकायमनेममगतिजाही॥सपने
हुंबिपतिकिचाहियताहीं॥कहहनुमानबिपतिप्रभुसोई॥जबतब-

सुमिरणभजनन होई ॥ केतिकवातप्रभुयातुधानकी ॥ बेगिचलिय
आनियेजानकीसुनुकपितोहिसमानउपकारी ॥ नहिंकोउसुरनरमुनि
तनुधारी ॥ प्रत्युपकारकरौंकातोरा ॥ सनमुखहोइनशकतमनमोरा ॥
सुनिकपितोहिउरिणमैंनाहीं ॥ देखेउंकरिबिचारमनमाहीं ॥ पुनिपुनिक
पिहिंचितवसुरत्राता ॥ लोचननीरपुरकअतिगाता ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
सुनिप्रभुबचनविलोकिमुख ॥ हृदयहर्षहनुमंत ॥ चरणपरेउप्रेमा
कुल ॥ त्राहित्राहिभगवंत ॥ ३३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ बारबारप्र
भुचहतउठावा ॥ प्रेममगननेहिउठबनभावा ॥ प्रभुपदपंकजकपिकर
शीशा ॥ सुमिरिसोदशागमनगौरीशा ॥ सावधानमनकरिपुनिशंकर
॥ लागेकहनकथाअतिसुंदर ॥ कपिउठायप्रभुहृदयलगावा ॥ करग
हिपरमनिकटबैठावा ॥ कहुकपिरावणपालितलंका ॥ केहिबिधिदहेउ
दुर्गअतिबंका ॥ प्रभुप्रसन्नजानाहनुमंता ॥ बोलेबचनबिगतअभिमाना
॥ शाखातेंशाखापरजाई ॥ लांघिसिंधुहाटकपुरजारा ॥ निशिचरग
णगणबधिविपिनउजारा ॥ सोसबतबप्रतापरघुराई ॥ नाथनकछुक
मोरप्रभुताई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ ताकहंप्रभुकछुअगमनहि ॥ जोपर
तुमअनुकूल ॥ तबप्रतापवडवानलहिं ॥ जारिशकेखलतल ॥ ३४ ॥ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ मानरहितसुनिकपिकीबानी ॥ माशुमाशुकहसा
रंगपानी ॥ कहहनुमंतसुनहुतुमस्वामी ॥ अवरनयाचकअंतरजामी
॥ नाथभक्तिबअतिअनपावनि ॥ देहुकृपाकरिशिवमनभावनि ॥
सुनिप्रभुपरमसरलकपिबानी ॥ एवमस्तुतबकहेउभवानी ॥ उमारा
मसुभावजिनजाना ॥ ताहिभजनतजिभावनआना ॥ यहसंवादजा
सुउरआवा ॥ रघुपतिचरणभक्तितेइपावा ॥ सुनिप्रभुबचनकहहिं
कपिवृंदा ॥ जयजयजयकृपालुसुखकंदा ॥ तबरघुपतिकपिपति
हिबुलावा ॥ कहाचलेकरकरहुबनावा ॥ अबबिलंबकेहिकारण

कीजे ॥ तुरत कपिनकहं आयसु दीजे ॥ कौतुक देखि सुमन हि बहु वर्षे ॥ नभते भवन चले सुर हर्षे ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कपिपति बेगी बुलाएउ ॥ आए यूथप यूथ ॥ नाना वरण अतुल बल ॥ वानर भालु वरूथ ॥ ३५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ प्रभु पद पंकज नावहिं शीशा ॥ गरजहिं भालु महाबल कीशा ॥ देखा राम सकल कपि सेना ॥ चितै कृपा करि राजिव नयना ॥ राम कृपा बल पाइ कपिन्द्रा ॥ भए पक्षयुत मनहुं गिरिन्द्रा ॥ हर्षि राम तब कीन्ह प्रयाणा ॥ सगुण भए सुंदर शुभ नाना ॥ जासु सकल मंगल मय कीर्ती ॥ तासु पयान सगुण यह नीती ॥ प्रभु पयान जाना बैदेही ॥ फरके वाम अंग जनु नेही ॥ जो जो सगुण जानकिहिं होई ॥ अशगुन भएउ रावणहिं सोई ॥ चला कटक को बरणै पारा ॥ गरजहिं वानर भालु अपारा ॥ नख आयुध गिरि पादप धारी ॥ चले गगन महि इच्छाचारी ॥ केहरि नाद भालु कपि करहीं ॥ डगमग-महि दिग्गज चिक्करहीं ॥ ॥ छंद ॥ ॥ चिक्करहिं दिग्गज डोल महि गिरि लोल सागर खरभरे ॥ मन हरष दिनकर सोम सुर मुनि नाग किन्नर दुख टरे ॥ ७ ॥ कटकटहिं मरकट विकट भट बहु कोटि कोटिन धावहीं ॥ जय राम प्रबल प्रताप कोशलनाथ गुणगण गावहीं ॥ ८ ॥ सहि शकै न भार अपार अहिपति बार बार विमोहई ॥ गह दशन पुनि पुनि कमठ पृष्ठ कठोर सो किमि सोहई ॥ ९ ॥ रघुबीर रुचिर पयान प्रस्थिति जानि परम सुहावनी ॥ जनु कमठ खर्पर सर्पराज सो लिखत अबिचल पावनी ॥ १० ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ इहि बिधि जाइ कृपानिधि ॥ उतरे सागर तीर ॥ जहं नहं लागे खान फल ॥ भालु बिपुल कपि बीर ॥ ३६ ॥ चौपाई ॥ ॥ उहां निशाचर रहहिं सशंका ॥ जब ते जारि गएउ कपि लंका ॥ निज निज गृह सब करहिं बिचारा ॥ नहि निशिचर कुल केर उबारा ॥ जासु दूत बल बरणि न जाई ॥ तेहि आए पुर कवन भलाई ॥ अति

सभीतिसुनिपुरजबानी॥ मंदोदरिहृदयअकुलानी॥ रहसिजोरि
करपतिपदलागी॥बोलीबचननीतिरसपागी॥कांतकर्षहरिसुन
परहरहू॥मोरकहाअतिहितचितधरहू॥समुझतजासुदूतकीकर
णी॥स्रवहिंगर्भरजनीचरधरणी॥तासुनारिनिजसचिवबुलाई॥
पठवहुकंतजोचहहुभलाई॥तवकुलकमलबिपिनदुखदाई॥सीता
सीतनिशासमआई॥सुनहुनाथसीताबिनुदीन्हे॥हिततनतुह्मारशंभु
अजकीन्हे॥ ॥दोहा॥ ॥रामबाणअहिगणसरिस॥नि
करनिशाचरभेक॥जबलगिग्रसतननतबहिंलगि॥यतनकरहुतजिटे
क॥३७॥ ॥चौपाई॥ ॥श्रवणसुनतशठताकरिबानी॥ बिहसा
जगतबिदितअभिमानी॥ सभयसुभावनारिकहसांचा॥मंगलमाह
अमंगलरांचा॥जोआवैमरकटकटकाई॥ जियहिंबिचारेनिशिचर
खाई॥कंपहिंलोकपजाकेत्रासा॥तासुनारिसभीतिबडिहासा॥अ
सकहिंबिहसितावहिउरलाई॥चलेउसभाममताअधिकाई॥मंदोदरी
हृदयकरुचिंता॥भएकांतपरबिधिबिपरीता॥बैठेउसभाखबरिअ
सपाई॥सिंधुपारसेनासबआई॥बूझेसिसचिवउचितमतकहहू॥ते
सबहँसेमुष्टिकरिरहहू॥जितेहुसुरासुरतबश्रमनाहीं॥नरवानर-
केहिलेखामाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥सचिववैद्यगुरुतीनिजो॥
बोलहिंप्रियभयआश॥राजधर्मतनुतीनिकर॥होइबेगहिंनाश॥३८
॥ ॥चौपाई॥ ॥सोइरावणकहबनीसहाई॥अस्तुतिकर
हिसुनाइसुनाई॥अवसरजानिबिभीषणआवा॥भ्राताचरणशीसत
तेहिनावा॥पुनिशिरनाइबैठिनिजआसन॥बोलाबचनपाइअनुशा
सन॥जोकृपालुपूछेहुमोहिवाता॥मतिअनुरूपकहहुमैंताता॥
जोआपनचाहहुकल्याना॥सुयशसुमतिसुभगतिसुखनाना॥
तौपरनारिनिवारिगोसाई॥तजौचौथिचंदाकीनाई॥चौदहभुवनए

कपतिहोई॥भूतद्रोहतिष्ठैनहिंकोई॥गुणसागरनागरनरजोऊ॥
अल्पलोभभलकहैनकोऊ॥ ॥दोहा॥ ॥कामक्रोधमदलोभस
ब॥नाथनरककेपंथ॥सबपरिहरिरघुबीरपद॥भजहुकहहिंसदग्रं
थ॥३९॥ ॥चौपाई॥ ॥तातरामनहिंनरभूपाला॥भुवनेश्वरकाल
हुकरकाला॥ब्रह्मअनामयअजभगवंता॥व्यापकअजितअनादिअ
नंता॥गोद्विजधेनुदेवहितकारी॥कृपासिंधुमानुषतनुधारी॥जनरं
जनभंजनखलबाता॥तांहिवैरतजिनाइयमाथा॥प्रणतारतिभंजन
रघुनाथा॥देहुनाथप्रभुकहंबैदेही॥भजहुरामबिनुकामसनेही॥श
रणागतप्रभुकाहुनत्यागा॥विश्वद्रोहकृतअघजेहिलागा॥जासुनाम
भयतापनशावन॥सोप्रभुप्रगटसमुझजियरावन॥ ॥दोहा॥ ॥
बारबारपदलागऊं॥बिनयकरौंदशशीस॥परिहरिमानसमोहमद
॥भजहुकोशलधीश॥४०॥मुनिपुलस्त्यनिजशिष्यसन॥कहिपठईय
हवात॥तुरतसोमैंतुमसनकहीं॥पाइसुअवसरतात॥४१॥ ॥
चौपाई॥ ॥माल्यवंतएकसचिवसयाना॥तासुबचनसुनिअतिसु
खमाना॥तातअनुजतबनीतिविभूषण॥सोउरधरियजोकहहिविभू
षण॥रिपुउत्कर्षकहतशठदोऊ॥दूरिकरहुइतरहैनकोऊ॥माल्य
वंतगृहगएउबहोरी॥कहेउबिभीषणपुनिकरजोरी॥सुमतिकुमति
सबकेउररहई॥नाथपुराणनिगमअसकहई॥जहांसुमतितहसंप
तिनाना॥जहांकुमतितहंविपतिनिदाना॥तबउरकुमतीबसीविपरी
ती॥हितअनहितमानहुरिपुप्रीती॥कालरात्रिनिशिचरकुलकेरी॥ते
हिसीतापरप्रीतिघनेरी॥ ॥दोहा॥ ॥तातचरणगहिमागउं
॥राखहुमोरदुलार॥सीतादेहुरामकह॥अतिहितहोइतुह्मार॥
चौपाई॥ ॥बुधपुराणश्रुतिसंमतवानी॥कहीबिभीषणनीतिब
खानी॥सुनतदशाननउठारिसाई॥खलतोहिमृत्युनिकटचलि

आई॥ जिअसिसदाशठमोरजिआवा॥ रिपुकरपक्षसदानोहिभवा
॥कहेसिनखलअसकोजगमाही॥भुजबलजेहिजितेहमनाहीं॥मम
पुरबसितपसीसनप्रीती॥शठमिलजाहिताहिकहनीती॥असकहिकी
न्हेसिचरणप्रहारा॥अनुजगहेपदबारहिंबारा॥उमासंतकेइहैबडाई
॥मंदकरतजोकरैभलाई॥तुमपितुसरिसभलेमोहिमारा॥रामभजेहि
तहोइतुह्मारा॥सचिवसंगलैनभपथगएऊ॥सबहिंसुनाइकहतअस
भएऊ॥ ॥दोहा॥ ॥रामसत्यसंकल्पप्रभु॥सभाकालवशतोरि॥
मैंरघुनायकशरणअब॥जाहुंदेहुंजनिखोरी॥४३॥ ॥चौपाई॥ ॥
असकहिचलाबिभीषणजबहीं॥आयुहीनभएनिशिचरतबहीं॥साधु
अवज्ञातुरतभवानी॥करकल्याणअखिलकैहानी॥रावणजबहिंबि
भीषणत्यागा॥भएउबिभवबिनुतबहिंअभागा॥चलेउहर्षिरघुनाय
कपाहीं॥करतमनोरथबहुमनमाहीं॥देखिहौंजाइचरणजलजाता॥
अरुणमृदुलसेवकसुखदाता॥जेपदपरसितरीऋषिनारी॥दंडकका
ननपावनकारी॥जेपदजनकसुताउरलाए॥कपटकुरंगसंगधरधाए
॥हरउरसरसराजपदजोई॥अहोभाग्यमैंदेखबसोई॥ ॥दोहा॥
॥जिनपायनकरपादुका॥भरतरहेमनलाई॥तेपदआजुबिलोकि
हौं॥इननयननअबजाई॥४४॥ ॥चौपाई॥ ॥इहबिधिकरतस
प्रेमबिचारा॥आएउसपदिसिंधुकेपारा॥कपिनबिभीषणआवतदे
खा॥जानेउकोउरिपुदूतबिशेषा॥ताहीराखिकपीशपहंआए॥समा
चारसबजाइसुनाए॥कहसुग्रीवसुनियरघुराई॥आवामिलनदशा
ननभाई॥कहप्रभुसखाबूझियेकाहा॥कहैकपीशसुनहुनरनाहा॥
जानिनजाइनिशाचरमाया॥कामरूपकेहिकारणआया॥भेदहमा
रलेनशठआवा॥राखियबांधिमोहिअसभावा॥सखानीतितुमनी
किबिचारी॥ममपणशरणागतभयहारी॥सुनिप्रभुबचनहर्षहनुमा

ना ॥ शरणागतवत्सलभगवाना ॥ दोहा ॥ शरणागतकहुजेतजहिं
॥ निजअनहितअनुमानि ॥ तेनरपामरपापमय ॥ तिनाहिबिलोकतहा
नि ॥ ४५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कोटिविप्रवधलागहिंजाहीं ॥ आएश
रणतजौंनहितजाहीं ॥ संमुखहोइजीवमोहिजबहीं ॥ जन्मकोटिअघ
नाशींतबहीं ॥ पापवंतकरसहजसुभाऊ ॥ भजनमोरतेहिभावनको
ऊ ॥ जोपैदुष्टहृदयसोहोई ॥ मोरेसंमुखआवकिसोई ॥ निर्मलमन
जनसोमोहिपावा ॥ मोहिकपटछलछिद्रनभावा ॥ भेदलेनपठवादश
शीशा ॥ तबहुनकछुभयहानिकपीशा ॥ जगमहुसखानिशाचरजेते
॥ लक्ष्मणहनहिंनिमिषमहंतेते ॥ जौंसभीतआवाशरणाई ॥ रखिहौं
ताहिप्राणकीनाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ उभयभांतिलेआवहु ॥ हसिकहकृपा
निधान ॥ जयकृपालुकहिकपिचले ॥ अंगदादिहनुमान ॥ ४६ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ सादरतेहिंआगेकरिबानर ॥ चलेजहांरघुपतिकरुणा
कर ॥ दूरहितेंदेखेद्वोउभाई ॥ नयनानंददानकदाई ॥ बहुरिरामछबिधा
मबिलोकी ॥ रहासोठाढनयनपलरोकी ॥ भुजप्रलंबकंजारुणलोचन
॥ श्यामलगातप्रणतभयमोचन ॥ सिंहकंधआयतउरशोहा ॥ आनन
अमितमदनछबिमोहा ॥ नयननीरपुलकितअतिगाता ॥ मनधरिधीर
कहीमृदुबाता ॥ निशिचरवंशजनमसुरत्राता ॥ नाथदशाननकरमैंभ्रा
ता ॥ सहजपापप्रियतामसदेहा ॥ यथाउलूकहितमपरनेहा ॥ ॥
दोहा ॥ ॥ श्रवणसुयशसुनिआएउं ॥ प्रभुभंजनभवभीर ॥ त्राहि
त्राहिआरतिहरण ॥ शरणसुखदरघुबीर ॥ ४७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
असकहिकरतदंडवतदेखी ॥ तुरतउठेप्रभुहर्षविशेषी ॥ दीनबचनसु
निप्रभुमनभावा ॥ भुजविशालगहिहृदयलगावा ॥ अनुजसहितमि
लिढिगबैठारे ॥ बोलेबचनभक्तभयहारे ॥ कहुलंकेशसहितपरिवारा
॥ कुशलकुठारहीवासतुह्मारा ॥ कलमंडलीसेबहुदीनराति ॥ सखाधर्म

निबहेकेहिभांती॥ मैजानौंतुह्मारसबरीती॥ अतिनयनिपुणनभा
वअनीती॥ वरुभलबासनरककरताता॥ दुष्टसंगजनिदेहिविधाता॥
अबपददेखिकुशलरघुराया॥ जौंतुमकीन्हिजानिजनदाया॥ दोहा॥
तबलगिकुशलनजीवकहं॥ सपनेहुमनबिश्राम॥ जबलगिभजतनराम
कहं॥ शोधकधामतजिकाम॥ ४६॥ ॥चौपाई॥ ॥तबलगिहृदयवस



तखलनाना॥ लोभमोहमत्सरमदमाना॥ जबलगिउरनबसतरघुना
था॥ धरेचापशायककटिमाथा॥ ममतातिमिरतरुणअंधिआरी॥
रागद्वेषउलूकसुखकारी॥ तबलगिबसतजीवउरमाहीं॥ जबलगिप्रभु
प्रतापरविनाहीं॥ अबमैंकुशलमिटेभयभारे॥ देखिरामपदकमलतुह्मा
रे॥ तुमकृपालुजापरअनुकूला॥ ताहिनबापत्रिबिधभवशूला॥ मैनि-
शिचरअतिअधमसुभाऊ॥ शुभआचरणकीन्हनहिकाऊ॥ जासुरूप
मुनिध्याननआवा॥ सोप्रभुहर्षिहृदयमोहिलावा॥ ॥दोहा॥ ॥अहो
भाग्यममअमितअति॥ रामकृपासुखपंज॥ देखेउनयनविरंचिशिव
॥ सेव्ययुगलपदकंज॥ ४६॥ चौपाई॥ सुनहुसखानिजकहहुंसुभाऊ

जानभुशुंडीशंभुगिरिजाऊ॥जोनरहोइचराचरद्रोही॥आवैसभय
शरणताकिमोही॥तजिमदमोहकपटछलनाना॥करौंसद्यतेहिंसा-
धुसमाना॥जननीजनकबंधुसुतदारा॥तनुधनभवनसुहृदपरिवा
रा॥सबकेममतातागबटोरी॥ममपदमनहिंबांधिबरडोरी॥समद
रशीइच्छाकछुनाहीं॥हर्षशोकभयनहिमनमाहीं॥अससज्जनममउ
रबसकैसे॥लोभीहृदयबसतधनजैसे॥तुमसेसंतसदाप्रियमोरे॥ध
रेउदेहनहिंआननिहोरे॥दोहा॥सगुणउपासकपरमहित॥निरतनी
तिदृढनेम॥तेनरप्राणसमानमम॥जिनकेद्विजपदप्रेम॥५०॥चौपाई॥
सुनुलंकेशसकलगुणतारे॥तातेंतुमअतिशयप्रियमोरे॥रामवचन
सुनिरावणयूथा॥सकलकहहिंजयकृपावरूथा॥सुनतबिभीषण
प्रभुकरबानी॥नहिंअघातश्रवणामृतजानी॥पदअंबुजगहिबारहि
बारा॥हृदयसनातनप्रेमअपारा॥सुनिएदेवचराचरस्वामी॥प्रणत
पालउरअंतरजामी॥उरकछुप्रथमवासनारहेऊ॥प्रभुपदप्रीतिसरि
तसोवहेऊ॥अबकृपालुनिजभक्तिजोपावनि॥देहुदयाकरिशिवम-
नभावनि॥एवमस्तुप्रभुकहिरणधीरा॥मांगातुरतसिंधुकेनीरा॥यद
पिसखातोहिइच्छानाहीं॥ममदर्शनअमोघजगमाहीं॥असकहि
रामतिलकतेहिंसारा॥सुमनवृष्टिनभभएउअपारा॥ ॥दोहा॥
॥रावणक्रोधअनलनिज॥श्वाससमीरप्रचंड॥जरतबिभीषण
राखेउ॥दीन्हेउराजअखंड॥५१॥जोसंपतिशिवरावणहिं॥दीन्हदिए
दशमाथ॥सोसंपदाबिभीषणहि॥सकुचदीन्हरघुनाथ॥५२॥चौपा
ई॥असप्रभुछांडिभजहिंजेआना॥तेनरपशुबिनुपूंछविषाना॥नि-
जजनताहिजानिअपनावा॥प्रभुसुभावकपिकुलमनभावा॥पुनिस
र्वज्ञसर्वउरवासी॥सर्वरूपसबरहितउदासी॥बोलेबचननीतिप्रति-
पालक॥कारणमनुजदनुजकुलघालक॥सुनुकपीशलंकापतिबीरा॥

केहिबिधिउत्तरीजलधिगंभीरा॥संकुलउरगमकरऊषजाती॥अ-
तिअगाधदुस्तरसबभांती॥कहलंकेशसुनहुरघुनायक॥कोटिसिं
धुशोषकतबसायक॥यद्यपितदपिनीतीअसगाई॥बिनयकरियसा
गरपहंजाई॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुतुह्मारकुलगुरुजलधि॥कहहिंउपा
यबिचारि॥बिनुप्रयाससागरतरहिं॥सकलभालुकपिधारि॥५३॥
॥चौपाई॥ ॥सखाकहीतुमनीकउपाई॥करबदैवजोहोइसहा
ई॥मंत्रनयहलछिमनमनभावा॥रामबचनसुनिअतिदुखपावा॥ना
थदैवकरकवनभरोसा॥शोषियसिंधुकरियमनरोसा॥कादरमनक
रअेकअधारा॥दैवदैवआलसीपुकारा॥सुनतबिहंसिबोलेरघुबीरा
॥ऐसेइकरबधरहुमनधीरा॥असकहिप्रभुअनुजहिंसमुझाई॥सिं
धुसमीपगएरघुराई॥प्रथमप्रणामकीन्हप्रभुजाई॥बैठेतटपुनिदर्भड
साई॥जबहिंबिभीषणप्रभुपहिंआए॥पाछेरावणदूतपठाए॥ ॥
दोहा॥ ॥सकलचरितदेखातिन॥धरेकपटकपिदेह॥प्रभुगुण
हृदयसराहहीं॥शरणागतपरनेह॥५४॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रगट
बखानतरामसुभाऊ॥अतिसप्रेमगाविशरिदुराऊ॥रिपुकेदूतक
पिनतबजाने॥नाहिबाधिकपिपतिपहंआने॥कहसुग्रीवसुनहुसब
वानरचर॥अंगभंगकरिपठबहुनिशिचर॥सुनिसुग्रीववचनकपिधा
ए॥बांधिकटककचहुपाशफिराए॥बहुप्रकारमारणकपिलागे॥दीन
पुकारततदपिनत्यागे॥श्रुतीघ्राणजबकाटनलागे॥तबबोलेप्रभुकी
होईआगे॥जोहमारहरनासाकाना॥तेहिकोशलधीशकरआना
॥सुनिलक्ष्मणतेहिनिकटबुलाए॥दयालागहिसिदीन्हछुडाए॥
रावणकरदीन्हेहुयहपाती॥लक्ष्मणबचनबांचुकुलघाती॥ ॥
दोहा॥ ॥कहेउसुखागरमूढसन॥ममसंदेशउदार॥सीतादेइ
मिलहुतनु॥आवाकालतुह्मार॥५५॥ ॥चौपाई॥ ॥तुरतना

इलक्ष्मणपदमाथा ॥ चलेदूतबरणतगुणगाथा ॥ कहतरामयश
लंकाआए ॥ रावणचरणशीसतिन्हनाए ॥ बिहसिदशाननपुछेसि
बाता ॥ कहसिनशुकआपुनिकुशलाता ॥ पुनिकहुकुशलबिभीषण
केरी ॥ जासुमृत्युआईअतिनेरी ॥ करतराजलंकाशठत्यागी ॥ होइहि
जबकरकीटअभागी ॥ पुनिकहुभालुकीसकटकाई ॥ कठिनकालप्रे
रतचलिआई ॥ तीनकेजीवनकेररखवारा ॥ भएउमृदुलचितसिंधु
बिचारा ॥ कहुतपसिनकरबातबहोरी ॥ जिनकेहृदयंत्रासअतिमो
री ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ किभइभेटकीफिरिगए ॥ श्रवणसुयशसु
निमोर ॥ केहसिनरिपुदलतेजबल ॥ बहुतचकितचितत्तोर ॥ ५६ ॥
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ नाथकृपाकरिपूछेहुजैसें ॥ मानेहुबचनक्रो
धतजितैसें ॥ मिलाजाइजबअनुजतुह्मारा ॥ जातहिरामतिलकते
हिसारा ॥ रावणदूतहमहिसुनिकाना ॥ कपिन्हबांधिदीन्हेउदुखना
ना ॥ श्रवणनासिकोकाटनलागे ॥ रामशपथदीन्हीहमत्यागे ॥ पू
छेहुनाथकीशकटकाई ॥ बदनकोटिशतबरणिनजाई ॥ नानाबर-
णभालुकपिधारी ॥ बिकटाननबिशालभयकारी ॥ जेइपुरदहेउब
धेउसुततोरा ॥ सकलकपिनमहतेहिबलथोरा ॥ अमितनामभटं-
कठिनकराला ॥ बिपुलबरणनतुतेजबिशाला ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
द्विविदमयंदनीलनल ॥ अंगदादिबिकटासि ॥ दधिमुखकेसरिकुमु
दगव ॥ जामवनबलराशि ॥ ५७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ एकपिसबसुग्री
वसमाना ॥ इन्हसमकोटिगणैकोआना ॥ रामकृपाअतुलितबलति
नहीं ॥ तृणसमानत्रयलोकहिगनहीं ॥ असमैंश्रवणसुनादशकंधर
॥ पद्मअठारहयूथपबंदर ॥ नाथकटकमहंसोकपिनाहीं ॥ जोन
तुमहिजीतेरणमाहीं ॥ परमक्रोधमीजहिंसबहाथा ॥ आयसुपैन
देहिंरघुनाथा ॥ शोषहिसिंधुसहितरुखव्याला ॥ पूरहिंनतोभरि

कुधरविशाला ॥ मर्दिगर्दिमिलवहिंदससीसा ॥ ऐसेबचनकहहिं सबकीशा ॥ गर्जहितर्जहिंसहजअशंका ॥ मानहुंग्रसनचहतहहिं लंका ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सहजशूरकपिभालुसब ॥ पुनिशिरपरश्रीराम ॥ रावणकालकोटिकहु ॥ जीतिशकहिंसंग्राम ॥ ५८ ॥ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ रामतेजबलबुधिविपुलाई ॥ शेषसहस्रशतशकहिंनगाई ॥ शकशरएकशोषितशतसागर ॥ तबभ्रातहिपूछेउनयनागर ॥ तासुबचनसुनिसागरपाहीं ॥ मागतपंथकृपामनमाहीं ॥ सुनतबचनबिहंसादशशीसा ॥ जोअसमतिसहायकृतकीशा ॥ सहजभीरुकरबचनदृढाई ॥ सागरसनठानीमचलाई ॥ मूढमृषाकाकरसिबढाई ॥ रिपुबलबुद्धिथाहमैंपाई ॥ सचिवसभीतबिभीषणजाके ॥ विजयविभूतिकहांलगिताके ॥ सुनिखलबचनदूतरिसबाढी ॥ समयबिचारिपत्रिकाकाढी ॥ रामअनुजदीन्हीयहपाती ॥ नाथबचाइजुडाबहुछाती ॥ विहसिवामकरलीन्हेसिरावण ॥ सचिवबोलिशठलागबचावन ॥ ॥ दोहा ॥ बाततमनहिरिझाइशठ ॥ जनिघालसिकुलरवीश ॥ रामविरोधनउबरिहहु ॥ शरणविष्णुअजईश ॥ ५९ ॥ होउमानतजिअनुजइव ॥ प्रभुपदपंकजभृंग ॥ होहिंरामशरअनलखल ॥ जनिकुलसहितपतंग ॥ ६० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सुनतसभयसनमुखमुसुकाई ॥ कहतदशाननसबहिंसुनाई ॥ भूमिपराकरगहतअकाशा ॥ लघुतापसकरबागबिलासा ॥ कहशुकनाथसत्यसबबानी ॥ समुझहिछांडिप्रकृतिअभिमानी ॥ सुनहुबचनममपरिहरिक्रोधा ॥ नाथरामसनतजहुविरोधा ॥ अतिकोमलरघुवीरसुभाऊ ॥ यद्यपिअखिललोककरराऊ ॥ मिलतकृपाप्रभुतुमपरकरिहैं ॥ उरअपराधनएकौधरिहैं ॥ जनकसुनारघुनाथहिदीज ॥ एतना-

कहामोरप्रभुकीजै॥जबतेइदीनकहेउबैदेही॥चरणप्रहारकीनशठनेही॥चरणनाइशिरचलासोतहंवा॥कृपासिंधुरघुनायकजहंवा॥करिप्रणाम निजकथासुनाई॥ रामकृपाआपनिगतिपाई॥ऋषिअगस्त्यकरशापभवानी॥राक्षसभएउरहामुनिज्ञानी॥बंदिरामपदबारहिंबारा॥पुनिनिजआश्रमकहंपगुधारा॥ ॥दोहा॥ ॥बिनयनमानतजलधिजड॥गएतीनिदिनबीति॥बोलेरामसकोपतब॥भयबिनुहोइनप्रीति॥६१॥ ॥चौपाई॥ ॥लक्ष्मणबाणशरासनआनू॥शोषौवारिधिविशिखकृशानू॥शठसनबिनयकुटिलसनप्रीती॥सहजकृपणसनसुंदरनीती॥ममता

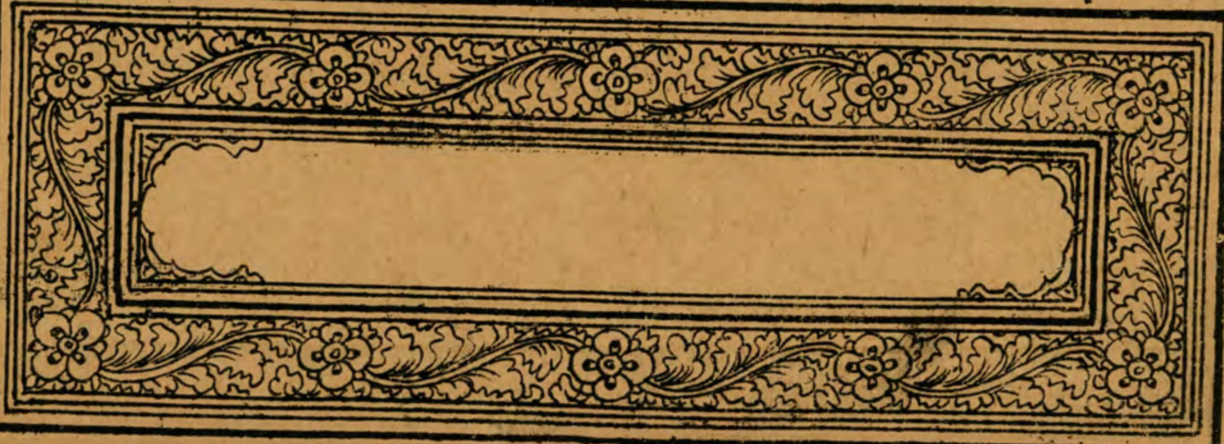


रतसनज्ञानकहानी॥अतिलोभीसनविरतिबखानी॥क्रोधिहिसमनिकामिहिहरिकथा॥ऊषरबीजबयेफलयथा॥असकहिरघुपतिचापचढावा॥यहमतलक्ष्मणकेमनभावा॥संधानेउधनुविशिखकराला॥उठीउदधिउरअंतरज्वाला॥मकरउरगऊषगणअकुलाने॥जरतजंतुजलनिधिपहिचाने॥कनकथारभरिमणिगणनाना॥

॥बिप्ररूपआएउतजिमाना॥ ॥दोहा॥ ॥काटेपैकदलिफलै
॥कोटियतनकोउसींच॥बिनयमानखगेशसुनु॥भयबिनुनवैननी
च॥६२॥ ॥चौपाई॥ ॥सभयसिंधुगहिपदप्रभुकेरे॥क्षमहुना-
थसबअवगुणमेरे॥गगनसमीरअनलजलधरणी॥इनकैनाथस
हजजडकरणी॥नवप्रेरितमायाउपजाए॥सृष्टिहेतुसबग्रंथनगाए॥
प्रभुआयसुजेहिकहंजसअहहीं॥सोतेहिभांतिअहेसुखलहहीं
प्रभुभलकीन्हमोहिशिखदीन्ही॥मर्यादासबतुह्मरीकीन्ही॥ढोलगवा
रक्षूद्रपशुनारी॥येसबताडनकेअधिकारी॥प्रभुप्रतापमैजाबसुखा
ई॥उतरहिकटकनमोहिबडाई॥प्रभुआज्ञाअपेलश्रुतिगाई॥कर
हुबेगिजोतुमहिसोहाई॥ ॥दोहा॥ ॥सुनतबिनीतवचनअति
॥कहकृपालुमुसुकाई॥जेहिबिधिउतरैकपिकटक॥तातसोकरहुउ
पाइ॥६३॥ ॥चौपाई॥ ॥ऋषिमतंगकेवचनभवानी॥प्रभुप्रताप-
हृदयतबआनी॥नाथनीलनलकपिदोउभाई॥लरिकाइऋषिआशिष



पाई ॥ तिनकेपरसकिएगिरिभारे ॥ नरिहहिंबलधिप्रतापतुह्मारे ॥ मैंपुनिउरधरिप्रभुप्रभुताई ॥ करिहौंबलअनुमानसहाई ॥ इहिबिधि नाथपयोधिबंधाई ॥ जेएसुयशलोकतिहुगाई ॥ इहिशरममउत्तरत टवासी ॥ हरहुनाथरएखलअघराशी ॥ सुनिकृपालुसागरमनपीरा ॥ तुरतहिहरीरामरएधीरा ॥ देखिरामबलअतुलितभारी ॥ हर्षिप योनिधिभएसुखारी ॥ सकलचरितकहिप्रभुहिसुनावा ॥ चरएवं दिपयोधिसिधावा ॥ ॥ छंद ॥ ॥ निजभवनगवनउसिंधुश्रीरघु- बीरहियमनभाएऊ ॥ यहचरितकलिमलहरएजशमतिदासतुल सीगाएऊ ॥ ११ ॥ सुखभवनसंशयशमनदमनविषादरघुपतिगु एगना ॥ तजिआशसकलभरोसगावहिं ॥ सुनहिंसज्जनसुठिम ना ॥ १२ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सकलसुमंगलदायक ॥ रघुनायकगु एगान ॥ सादरसुनहिंतेनरहिंभव ॥ सिंधुबिनाजलयान ॥ ६४ ॥ ॥ इतिश्रीरामचरितमानसेसकलकलिकलुषविध्वंसनेविमल- विज्ञानवैराग्यसंपादनोनामपंचमःसोपानःसुंदरःकांडःसमाप्तः ॥ ५ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ दिससिंहलघुदासहे ॥ सज्जन संतनकेर ॥ करजोरेबिनतीकरहि ॥ हरहुसकलभ्रमफेर ॥ ॥ ॥ श्रीसीतारामचंद्रार्पएमस्तु ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ६ ॥ ॥



श्री
अथ
तुलसिदास
कृत
रामायण
लंकाकांड
प्रारंभः


रावण
वानरसैन्य
लक्ष्मण
राम
कुभकर्ण
मारुती

श्रीगणेशायनमः

अथलंकाकांडलिख्यते॰

श्लोकः

शंखेंद्वाभमतीवसुंदरतनुंशार्दूलचर्मांबरंकालव्यालकरालभूषणध
रंगंगाशशांकप्रियम् ॥काशीशंकलिकल्मषौघशमनंकल्याणकल्पद्रु
मंनौमीड्यंगिरिजापतिंगुणनिधिंश्रीशंकरंकामहम् ॥१॥योददातिसतं
तांशंभुःकैवल्यमतिदुर्लभं ॥खलानांदंडकृद्योसौशंकरःशंतनोतुमे॥
॥२॥रामंकामारिसेव्यंभवभयहरणंकालमत्तेभसिंहंयोगींद्रंध्यानग
म्यंगुणनिधिमजितंनिर्गुणंनिर्विकारम् ॥मायातीतंसुरेशंखलवधनि
रतंब्रह्मवृंदैकदेवंवंदेकुंदावदातंसरसिजनयनंदेवमुर्वीशरूपम् ॥
॥३॥ ॥दोहा॥ ॥लवनिमेषपरमाणुयुग ॥वर्षकल्पशरचंड
॥भजसिनमनतेहिरामकहं॥कालजासुकोदंड॥१॥ ॥सोरठा
॥सिंधुबचनसुनिराम ॥सचिवबोलिप्रभुअसकहेउ॥ अबविलंब
केहिकाम ॥करहुसेतुउतरैकटक ॥२॥सुनहुभानुकुलकेतु ॥जांब
वंतकरजोरिकहै॥नाथनामतबसेतु ॥नरचढिभवसागरतरहिं॥३॥
॥चौपाई॥ ॥यहलघुजलधितरतकतिवारा ॥असस्रुनिपुनिकह
पवनकुमारा ॥प्रभुप्रतापवडवानलभारी ॥शोषेउप्रथमपयोनिधि
बारी ॥तवरिपुनारिरुदनजलधारा ॥भरयोबहोरिभयोतेहिंखारा ॥सु
निअसउक्तिपवनसुतकेरी ॥बिहंसेरघुपतिकपितनहेरी ॥जांबवंतबो
लेद्वौभाई ॥नलनीलहिंसबकथासुनाई ॥शिशुपनतुमसुनिआशिष
पाई॥ सोफलिअवसरआजुसुहाई ॥तवकरपरसकिएसुनभाई ॥स
मजलजानउपलउतराई ॥विधिवडआजुतुमहिंजसुदीना ॥ शि-
ल्पीपरमगुरूतुमकीना ॥ ॥दोहा॥ ॥गुणनिधानबलवान
तुम ॥जुगलबंधुजुगजान ॥ ममशिखसुनितजिसकलभय ॥सुमिरि
हृदयभगवान ॥४॥ ॥चौपाई॥ ॥रामप्रतापसुमिरिमनमाहीं

॥करहुसेतुप्रयासकछुनाहीं॥बोलिलियेकपिनिकरबहोरी॥सकल
सुनहुबिनतीएकमोही॥रामचरणपंकजउरधरहू॥कौतुकएकभालु
कपिकरहू॥धावहुमर्कटबिकटवरूथा॥आनहुबिटपगिरिनकेयूथा॥
सुनिकपिभालुचलेकरिहूहा॥जयरघुबीरप्रतापसमूहा॥ ॥दोहा॥
॥अतिउतंगगिरिपादप॥लीलहिलेहिंउठाई॥आनिदेहिनलनीलक
हं॥बिरचहिंसेतुबनाई॥ ५॥ ॥चौपाई॥ ॥शैलाबिशालआ
निकपिदेहीं॥कंदुकइवनलनीलसोलेहीं॥युगयुगसृजेजहांथलमा
हीं॥खोजतपर्वतकिनहूंनाहीं॥कहहुबिचारकरीएकभाई॥हर्षित-
सबकपिउत्तरजाई॥लेहिंमहाभटगिरिउचारी॥मारुतवेगचलतव
नचारी॥कहुंकहुएकहिएकप्रचारी॥नीलहिनिकटकेहिगिरिभारी॥
सेतुविषमकनहूनहिंहोई॥रचानीलनलदूनवभाई॥एकघरिहिन
हिंगएउसेराई॥वैस्यग्रहजोजनकीचकलाई॥जोजनएकऊचपरमा-
ना॥भएउसेतुनिरधनभगवाना॥नीतिनिधानतुरतहंकराएगारिच्छ
कपीसबिभीषणआए॥ ॥दोहा॥ ॥कपिपतिअरुलंकापती
॥जामवंतचितुलाय॥सुनिममवचनसेतुकहं॥तुरतहिनापहुजाय॥
॥६॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुआज्ञाधरिपदशिरनाई॥नापा
तुरतसेतुतिनजाई॥शतजोजनजोजनएकऊंचा॥एतनाकोशसेतुभ
यासूचा॥आइतुरततिनप्रभुहिसुनाई॥सुनिरघुपतिअसकहाबुझा
ई॥आनिमोरिअसकहहुपुकारी॥जोजहहोइतहांगिरिडारी॥अ
बहुवेगिचलीअवपारा॥शंभुकीनसिधकाजुहमारा॥रामरजायसु
जोकछुदीन्हा॥हरषिकपीसतुरतसोकीन्हा॥रागआनसुग्रीवध
रावा॥जहंतहंकपिनश्रवणसुनिपावा॥जहंतहंडारिदियेपाषाना
॥सोभसुंदरपर्वतनाना॥ ॥दोहा॥ ॥एकचारितआति
रुचिरअव॥चितधारिसुनहुखगेश॥गएपवनसुतउत्तरहिजोगि

रिवसहिंधनेश॥७॥ ॥चौपाई॥ ॥नामगोवरधनरुचिरपहारा॥जोजनषष्टितासुबिस्तारा॥शृंगसुमेरुकेरिअतिपावन॥लगेपवनसुतताहिउठावन॥विविधउपायकीन्हबलवाना॥छाडनभूमिसोइमिगरुआना॥सुनुमुनिपवनतनयइमिकरहीं॥सागरवसुधाकरतलधरहीं॥तिनकहुयहलघुगिरिगरुआना॥कौतुककीनयहहिभगवाना॥ज्ञानिकठिनकपिक्रोधबढावा॥रामहिसुमिरिलंगूरउठावा॥उठतलंगूरगोवरधनदेषा॥सोडरिभयोविप्रकोभेषा॥पवनतनयतोहिरामदोहाई॥मोहिनहींहतुलंगूरभवाई॥ ॥दोहा॥ ॥रामसपथसुनितुरितही॥शीतलभेहनुमंत॥बहुरिकहाअसतेहिसुनु॥चलसिजहांभगवंत॥८॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिकपिबचनगोवर्द्धनबोला॥प्रभुयहवचनकह्योअनमोला॥जोतुमरामदरशमोहुदेहू॥तोलैचलहुअचलजसलेहू॥सेतुहेतुतुमकहंलयजाऊं॥दरशदेषाडधरहुशुभठाऊं॥असकहहनुमततेहिवरदीन्हा॥विनुश्रमधरिलंगूरमालीन्हा॥रामसुमिरिहसिकीनपयाना॥काननवृंदावननिवराना॥श्रवणसुनातवशापथभवानी॥ठाठभएकरिमनहिगलानी॥प्रभुकीशपथमेटिनहिजाई॥औरमेरुनहिसकहिछडाई॥असमंजसमाछिनएकगएउ॥पुनिआसगिरिहिबुझावतभएउ॥ ॥दोहा॥ ॥गोवरधनइतरहहुतुम॥मयंगवनवप्रभुपास॥कछुसंशयनहिकरहुचित॥पुरहुसकलतुमआस॥९॥ ॥चौपाई॥ ॥वेदपुराणसंतअसभाषा॥संततरामदासपणराषा॥सोरघुवरराखिहहिंपणमोरा॥करिहहिंपूर्णमनोरथतोरा॥नेहिप्रबोधिकपिविदाकराई॥आएतुरतजहांरघुराई॥पदगहिठाढभएहनुमाना॥प्रभुअंतरजामीसवजाना॥कछुनहेतुहनुमानसुनावा॥प्रभुआपहीसवप्रगटसुनावा॥गोवरधनकातुमवरदीन्हा॥तातसोकाजनीकअतिकीन्ह॥वचनतुह्मारसत्यहनुमाना॥करहूद्वापरसुनहुसु

जाना ॥ गोकुलजन्मलेबहमजवहीं ॥ चरितपुनितकरबहुमतवही ॥
॥ दोहा ॥ ॥ तुह्मरेबचनहिहेतुनव ॥ नानसुनुहुचितुलाई ॥ षट्पंचा
सज्ञामनेहि ॥ राखवसीसत्त्वढाइ ॥ १० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ अंगुलि
परतेहिछत्रसमाना ॥ रषिहहुअवसिरूनहुहनुमाना ॥ गिरिबुऊाइ
राखितेहिठाऊं ॥ आवहिवेगितातवलिजाऊं ॥ दूसरप्रभुनहिरामस
माना ॥ जेराषिहिजनकरपरमाना ॥ नयननीरभरिषवनकुमारा ॥ बहु
रिहुताहिगिरीपगुधारा ॥ कहिवृत्तांतकरितासुप्रतोषा ॥ फिरिप्रभुपद
आएअतितोषा ॥ वैनतेययहजुक्तिनजोई ॥ एहिप्रगटपरकहौविद्दोई
॥ अगजगप्रकटकथायहसांची ॥ कीरतिबिमलरहीजुगमाची ॥ ब्रजप
रजबहिरूरेशरिसाना ॥ बडीवृष्टिभयप्रलयसमाना ॥ ॥ छंद ॥ ॥
जलवृष्टिभयअतिप्रलयसम ॥ हरिविकलजवव्रजजानेऊं ॥ हरिलीन
नबकरछत्रइवगिरिरूजसनिगमवषानेऊं ॥ १ ॥ मुनिहुनिजकृतवेद
गुना ॥ सोजामेजवहिवषानेऊं ॥ ब्रजपरशिकरपरेउनजेब ॥ भयमा-
निजलदपरानेऊ ॥ २ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मानमरदिरूरराजकर
॥ वृजकहुलीनउघारि ॥ सोइहआगेचरितअस ॥ सोइचितेबहुवारि
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ असचरित्रकरिहहिंरघुनाथा ॥ रूनहुभरद्वाज
गुनगाथा ॥ देखिसेतुअतिसुंदररचना ॥ बिहसिकृपानिधिबोलेवो
वचना ॥ परमरम्यउत्तमयहधरणी ॥ महिमाअमितजाइनहिंबरणीं
॥ करिहौंइह्नांशंभुथापना ॥ मोरेहृदयपरमकलपना ॥ रूनिकपीशब
हुदूतपठाये ॥ मुनिवरसकलबोलिलेआये ॥ लिंगथापिबिधिवृतक
रिपूजा ॥ शिवद्रोहीममभक्तकहावे ॥ सोनरस्वपनेहुमोहिनपावे ॥ शं
करविमुखभक्तियहमोरी ॥ सोनरमूढमंदमतिथोरी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
शंकरप्रियममद्रोही ॥ शिवद्रोहीममदास ॥ तेनरकरहिंकल्पभरि ॥
घोरनरकमहंबास ॥ १२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जेरामेश्वरदरशन-

करिहहिं॥ जोगंगाजलआनिचढाइहिं॥ सोसायुज्यमुक्तिनरपाइहि॥ भक्तिमोरतेहिसंकरदेहहि॥ जोदुर्लभअतिशयनरदेहिहि॥ ममकृत सेतुजोदरशनकरहीं॥ सोबिनुश्रमभवसागरतरहीं॥ सपनेउमाआईए हिधामा॥ करिअस्नानजपीशिवनामा॥ पशुपतिवदन निहारिहगजाहीं ॥ तेहिसमएवसिहोइमहिमाही॥ वचनजोकहहिंआइनहिशकहीं॥ अं तकालसोशिवपुरबसही॥ रामेश्वरकीकीर्तिअोनाई॥ तासुनिकटनहिं पातकजाई॥ ॥दोहा॥ ॥शिवपूजाकरअमितफल॥ जानहिस कलसुरेश॥ असकहिकीन्हेउदंडवति॥ अनुजसमेतरमेश॥ १३॥ ॥ ॥चौपाई॥ ॥करिदंडवतिरामअसभाषा॥ सुनहुसकल मुनिअरुमृगशाखा॥ तुम्हीरीकिरपापायपुरारी॥ हतिहवनिशिचर सुररिपुभारी॥ अनुजजानकीसैनसमेत॥ बहुरिपूजितवजावंभिकेना ॥ रामबचनसबकेमनभाये॥ मुनिवरनिजनिजआश्रमआये॥ गिरि जारघुपतिकीयहरीती॥ संततकरहिंप्रणतपरप्रीती॥ बांधेउसेतुनील नागर॥ रामकृपाजशभएउउजागर॥ बूडहिंआनहिबोरहिजेई॥ भ येउपलबोहितसमतेई॥ महिमाकछुनजलधिबरणी॥ पाहनगुणनक पिनकीकरणी॥ ॥दोहा॥ ॥श्रीरघुवीरप्रतापते॥ सिंधुतरेपाषाण॥ तेमतिमंदजेरामतजि॥ भजहिजाइप्रभुआन॥ १४॥ ॥चौपाई॥ ॥ ॥ बाधिसेतुअतिसुदृढबनावा॥ देखिकृपानिधिकेमनभावा॥ वार बारनलनीलबडाई॥ निजमुखकीनिलखनरघुराई॥ पुनिदोउभाई नानिकटबोलावा॥ कहप्रभुमागहुवरमनभावा॥ पदशिरनाइनलनील मागा॥ निर्मलभक्तिचरनअनुरागी॥ जन्मजन्मकेहुवरमनभावा॥ म नबचकर्मसुसंगसुहावा॥ देहुदयाकरिश्रीभगवाना॥ औरनहींहम हितवरदाना॥ ॥दोहा॥ ॥रिच्छकीशप्रतिरूपधरि॥ तेहिछि नरामकृपाल॥ करसनमानसबनको॥ एकप्रभुप्रतिपाल॥ १५॥

सोरठा॥ ॥विश्वरूपरघुनाथ॥निहिअन्वरजजोकछुकरहि॥अ
सकहिनाएउमाथ॥प्रेमसहितशिवशंकरा॥१६॥मरमनजानाको
इ॥लखनसहितकपिदलसकल॥सुनहुउमाप्रभुसोई॥जानहुजासु
चरिततुम॥१७॥ ॥दोहा॥ ॥जयतिरामरघुनाथकहि॥वारवार
शिरनाइ॥गिरिजासुनशिवकहापुनि॥पुनिसुनुचित्तलगाइ॥१८॥
कपिकुलसवइपुनीतकरि॥रामरजायसुदीनी॥लखिपयानब्रह्मा
दिसुर॥सुमनवृष्टितवकीनि॥१९॥ ॥चौपाई॥ ॥चलीसैनक-
छुबरणिनजाई॥गर्जहिंमर्कटभटसमुदाई॥सेतुबंधुढिगचढ़िरघुप
तराई॥चितवकृपालुसिंधुवहुताई॥देखनकहप्रभुकरुणाकंदा॥प्र
गटभयेसबन्वलजरवृंदा॥मकरनक्रनानाउषव्याला॥शतयोजनतनु
परमबिशाला॥ऐसेएकहिंतिनजेखाहीं॥एकनिकेडरएकुपराहीं॥
प्रभुहिबिलोकहिंटरहिंनटारे॥मनहर्षितसबभयेसुखारे॥तिनकी
ओटनदेखियवारी॥मगनभयेहरिरूपनिहारी॥चलाकटकुप्रभुआ
यसुपाई॥कोकहिशककपिदलबिपुलाई॥ ॥दोहा॥ ॥सेतुबंधभ
ईभीरअति॥कपिनभपथउडाहीं॥अपरकीशजलचरनपर॥चढ़ि
लिपारहिंजाहीं॥२०॥ ॥चौपाई॥ ॥असकौतुकबिलोकिद्वौ
भाई॥बिहंसिचलेकृपालुरघुराई॥सेनसहितउतरेरघुबीरा॥कहि
नजाईकछुयूथपाभीरा॥सिंधुपारप्रभुडेराकीन्हा॥सकलकपिनक
हुआयसुदीन्हा॥खाहुजाइफलमूलसुहाये॥सुनतभालुकपिजहंत
हंधाये॥सबनरुफरेरामहितलागी॥ऋतुअरुकुऋतुकालगतित्या
गी॥खाहिंमधुरफलबिटपहलावहि॥लंकसमुखशिखरचलावहिं॥
जहंकहुफिरतनिशाचरपावहि॥घेरिसकलबहुनाचनचावहिं॥दशन
नकाटिनासिकाकाना॥कहिप्रभुसुयशदेहींतबजाना॥ ॥दोहा॥ ॥
रिपुकरकरहिकुरूपकपि॥गावहिप्रभुगुणगूढ॥जोइहसादरसुनहि

नर॥बुधिनजिहोहिनमूद॥२१॥ ॥चौपाई॥ ॥फलअहारकरि
सबवनचारी॥पूरादिलउपजेसुखभारी॥घेरघेरकरिजूथअनूपा॥सुमि
रिरामघनःश्यामसरूपा॥वाजिकूतिमवाजास्तुतिकरई॥सत्यमृदंगा
दिकसबअहई॥सोकरमुखतेकीसवजावहिं॥नाचिकुदिसबभावदेषा
वहिं॥करिक्रीडाफिरिप्रभुपहआए॥डेरानीलचरणासिरनाए॥रामना
मसुमिरहिअनुरागे॥उमाकरनहुजसहोईआगे॥जिनकरनासाकानभि
पाता॥तेइरावणहिकहीसबबाता॥सुनतश्रवणवारिधिबधाना॥दश
मुखबोलिउठाअकुलाना॥ ॥दोहा॥ ॥बाधउजलनिधिनीर
निधि॥जलधिसिंधुबारीश॥सत्यतोयनिधिपंकनिधि॥उदधिपयोधि
नदीश॥२२॥ ॥चौपाई॥ ॥निजब्याकुलतासमुझिबहोरी॥बिहं
सिचलागृहकरिभयमोरी॥मंदोदरिसुनाप्रभुआये॥कौतुकहीपाथो
धिबंधाये॥करगहिंपतिहिंभवननिजआनी॥बोलीपरममनोहरबा-
नी॥चरणनाइशिरअचलरोपा॥सुनहुबचनप्रियपरिहरिकोपा॥ना
थबैरकीजेताहीसों॥बुधिबलजीतिसकियजाहीसों॥तुमरघुपतिहि
अंतरकैसा॥खलुखद्योतहिंदिनकरजैसा॥अतिबलमधुकैठभजिन
मारे॥महावीरदितिसुतसंहारे॥जेइबलिबांधिसहसभुजमारा॥सोअ
वतरेउहरणमहिभारा॥ ॥दोहा॥ ॥हरणभूमिभयरूपानिधि॥
जनरंजकरघुवीर॥कोटिकालक्षणमहहतय॥लषनमहारणधीर॥
॥२३॥चौपाई॥कंतमृषाएकरहुबडाई॥सत्यजानित्यागहुजडताई
॥जानहुतुमरघुबरप्रभुताई॥नंदपिबहुरिमयकहहुबुझाई॥लघु-
सररराजारघुफटकारा॥आएउपलमहतुमरेद्वारा॥तिलभरिघसाक
पोटमजवही॥शकेउनटारिकततुमनवही॥रघुकीआनिदेततुमभय
उ॥आपहिबहुरितीरतवगएउ॥तिनकरवशआयभगवाना॥जन्मली
नअसवेदवषाना॥भृकुटीविलेसशृष्टिप्रभुकरई॥लीलाकरिप्रभुअपु

इहरई ॥ तासुविरोधनकीजियनाथा ॥ कालकर्मगुणजिनकेहाथा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ रामहिसौंपहुजानकी ॥ नाइकमलपदमाथ ॥ सुतकहराजसमर्पिबन ॥ जाइभजहुरघुनाथ ॥ २४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ नाथदीनदयालरघुराई ॥ बाघउसमुखगयेनखाई ॥ चाहियकरणसोसबकरिबीते ॥ तुमसुरअसुरचराचरजीते ॥ वेदकहहिंअसनीतिदशानन ॥ चौथेपनजाईयनृपकानन ॥ तासुभजनकीजैतहभर्त्ता ॥ जोकर्त्तापालकसहर्त्ता ॥ सोइरघुबीरप्रणतअनुरागी ॥ भजहुनाथममतामदत्यागी ॥ मुनिवरयतनकरहिंजेहिंलागी ॥ भूपराजतजिहोहिबिरागी ॥ सोइकोशलाधीशरघुराया ॥ आयेकरणतोहिपरदाया ॥ जोप्रियमानहुमोरशिखावन ॥ सुयशहोइनिहुपुरअतिपावन ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ असकहिलोचनबारिभरि ॥ कहिपदकपितगात ॥ नाथभजहुरघुनाथपद ॥ ममअहिवातनजात ॥ २५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ तबरावणमयसुताउठाई ॥ कहैलागुखलनिजप्रभुताई ॥ सुनतेप्रियामृषाभयमाना ॥ जगयोधाकोमोहिसमाना ॥ वरुणकुबेरपवनयमकाला ॥ भुजबलजितेसकलदिगपाला ॥ देवदनुजनरसबबशमोरे ॥ कवनहेतुउपजाभयतोरे ॥ नानाविधतेहिकहिसमुझाई ॥ सभाबहोरिबैठुसोजाई ॥ मंदोदरिहृदयअसजाना ॥ कालबिबशउपजाअभिमाना ॥ ॥ सोरठा ॥ ॥ मयतनयाउरसोच ॥ जानेसिरावणकालवस ॥ तेनरहोहिनपोच ॥ सुनहुजेमानुसतर्कतजि ॥ २५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सभाजाईमंत्रिनतेहिबूझा ॥ करियहबनबिधिरिपुसनजूझा ॥ कहैंसचिवसुनियेनरनाहा ॥ बारबारप्रभुपूछहुकाहा ॥ कहहुवचनभयकरियबिचारा ॥ नरकपिभालुआहारहमारा ॥ भरेउनउदरबहुतदिनगएऊ ॥ आजुदयालहमहिशिवदएऊ ॥ विपुलआहारमिलाप्रभुआई ॥ विनास्जायसूकिएनखाई ॥ देहुरजायतोहमचलिजाई ॥ रिच्छकीससवधरिधरि

खाई॥रुचिसोभोजनकरवअघाई॥जियतधरवतपसीदौभाई॥सुन हुउमाजेकुटिलअभागे॥नेकटुवचनकहहिभयत्यागे॥ ॥दोहा॥ ॥ सबकेवचनकामकरि॥कहप्रहस्तकरजोरि॥नीतिबिरोधनकरियप्रभु॥मंत्रिनमतिअतिथोरि॥२६॥ ॥चौपाई॥ ॥कहहिसचिवसबठकुरसोहाती॥नाथनपूरआईएहिभांती॥बारिधिलांघिएककपिआवा॥तासुचरितमनमहंसबगावा॥क्षुधानरहितुमहितबकाहू॥जारतनगरनकसधरिखाहू॥सुनतनीकआगेदुखपावा॥सचिवनअसमतप्रभुहिंसुनावा॥जोवारिशबंधाएउहेला॥उतरेकपिदलसहितसुवेला॥सोजनिमनुजखावहमभाई॥बचनकहहुसबगालफुलाई॥इनकेवचनश्रवणनिजधरहू॥पितुतुमएकपरीक्षाकरहू॥जलधिमध्यदुइशिलातराई॥दुइमाएकजोसोउतराई॥ ॥दोहा॥ ॥तुमततेतातजोईअस॥तवमान्योपरमान॥जोतुमकछुसचिवनकह्यो॥निजबलकेरखषान॥२७॥ ॥चौपाई॥ ॥जौनशिलातुमतेउतराई॥तोतुरतहित्यागहुजडताई॥सुनिममबचनतातअतिआदर॥जनिमनगुणहुमोहिकरिकादर॥प्रियबाणीजेसुनहिजेकहहीं॥ऐसेजगनिकायनरअहहीं॥बचनपरमहितसुनतकठोरे॥कहहिसुनहितेनरप्रभुथोरे॥श्रवणसुनहिनृपसवकीबानी॥कहहिविचारहृदयमाआनी॥तुमसबनीतिनिपुणप्रभुअहहू॥ममदुलाररारववअसकहहू॥प्रथमबशीठपठाइयनीती॥सीताहिंदइकरियपुनिप्रीती॥ ॥दोहा॥ ॥नारिपाईफिरिजाहिजों॥तौंनबढाइयरार॥नाहिंतोसंमुखसमरमहं॥नाथकरियहठमार॥२८॥ ॥चौपाई॥ ॥यहमतजोमानहुप्रभुमोरा॥उभयप्रकारसुयशजगतोरा॥सुतसनकहुदशकंठरिसाई॥असमतिशठतोहिकवनशिखाई॥अबहितेउरसंशयहोई॥वेणुमूलसुतभएउघमोई॥तैसिसुआपनिनीतिनजानसि॥भयवसअरिकर

तेजवखानसि॥जसममकुलकीरीतिस्फहाई॥सुनहुसोसुततुमभि
त्तलगाई॥स्करापानश्रूरुपरत्रियभोगा॥करियविधांसंजज्ञजपयोगा
॥निशिचरकुलकरधर्मनश्राना॥इहिहिकरतहोईकल्याना॥ ॥दोहा
॥कहेउवचनजस्कश्राजुएक॥तसिजनिकह्योवहोरि॥असमसिबहु-
ततोभिनयनमहि॥वैठुजाइमनमोरि॥२९॥ ॥चौपाई॥ ॥क
रिश्रमतपासिनसिंधुवधावा॥मैसहज्योंकैलासउठावा॥रणजोचदहि
कहिहवलभाखी॥धरिहोंजियनदेषिहंसिश्राखी॥सुनिपितुगिराप-
रुखश्रतिघोरा॥चलाभवनकहिवचनकठोरा॥हितमतितोहिनलाग
तकैसे॥कालविबशकहंभेषजजैसे॥संध्यासमयजानिदशशीसा॥भव
नचलानिरखतभुजबीशा॥लंकाशिखररुचिरश्रागारा॥श्रतिविचित्र
तहंहोइश्रखारा॥बैठजाइतेहिमंदिररावन॥लागेकिन्नरगुणगणगा
वन॥बाजेतालपखाऊजबीणा॥नृत्यकरहिंश्रपसराप्रवीणा॥ ॥
दोहा॥ ॥सुनासीरसतसरीरसो॥संततकरेबिलास॥परमप्र
बलरिपुशीशपर॥तदपिनमनकछुत्रास॥३०॥ ॥चौपाई॥ ॥
इहांसुवेलशैलरघुबीरा॥उतरेसेनसहितश्रतिभीरा॥शैलश्रृंगएक-
स्कंदरदेषी॥परमरम्यसमशुभ्रविशेषी॥तहतरुकिशलयस्कमनस्क
हाये॥लक्ष्मणरचिनिजहाथडसाये॥तापररुचिरमृदुलमृगछाला॥
तेहिश्रासनश्रासीनकृपाला॥प्रभुकृतशीसकपीशउसंगा॥वामद
हिनदिशिचापनिषंगा॥दुहुकरकमलसुधारतवाना॥कहलंकेशमंत्र
लगिकाना॥बडभागीश्रंगदहनुमाना॥चरणकमलचापतविधिना
ना॥प्रभुपाछेलक्ष्मणवीरासन॥कटिनिषंगकरधरेशरासन॥
॥ ॥दोहा॥ ॥इहिबिधकृपारूपगुण॥धामरामश्रासी
न॥धन्यसोनरयहध्यानरत॥रहतसदालवलीन॥३१॥पूरवदिशा
बिलोकिप्रभु॥देखाउदितमयंक॥कहेउसबहिंदेखहशशिहिं॥मृग

पतिसरिसअशंक॥३२॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिकपिभालुप्रभू-
कीबानी॥कहनलगेनिजमतिअनुमानी॥पूरबदिशिगिरिगुहानिवासी
॥परमप्रतापतेजबलरासी॥तसुमतिबिबंशशिमापरई॥ससिप्रति
बिंबतासुसिरधरई॥तेहिप्रकासजुतभासतसोई॥तबबोलेप्रभुसब
सनजोई॥शशिमहंअतिसूरताभारी॥कहउकाहसबहृदयबिचारी
॥सुनिप्रभुबचनअवरकपिबोले॥सुनहुनाथवचनकहतोले॥मत्तनाग
तमकुंभबिदारी॥शशिकेसरीगगनबनचारी॥बिथरेनभमुकुताहल
तारा॥निशिसुंदरीकेरशृंगारा॥उगासीयआननशशिब्याजू॥मएबिर
हसरोवरधुराजू॥बिहंगसमनीसुमतीअगाधू॥जेहिसुमिरतभाजे
भवब्याधू॥तिनकेनाहिबिरहलवलेशा॥देहिरामकामिनउपदेशा॥
कामहिक्रोधलोभकरमूला॥मदनविवशउपजनसबभूला॥मीनके
तुकहुंजीतहिजोई॥अतिकहउग्रजोगेश्वरसोई॥ ॥दोहा॥ ॥जो
गीपतिअरुविबुधपति॥सीतापतिश्रीराम॥रघुपतिकरिलीलारुचिर
॥सपनेहुमोहनका॥३३॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिपुनिरघुपति
शशीनिहारी॥कहिप्रतापसुनिसबहिप्रकारी॥कहप्रभुशशिमहंमेचक
ताई॥कहहुकहानिजनिजमतिभाई॥कहसुग्रीवसुनहुरघुराई॥श
शिमहंप्रघटभूमिकीझांई॥मारेउराहुशशिहिकहकोई॥उरमहंपरी
श्यामतासोई॥कोउकहबिधिरतिमुखजबकीन्हा॥सारभागशशिकर
हरिलीन्हा॥छिद्रसोप्रकटइदुउरमाहीं॥तेहिमगदेखियनभपरिछां-
हीं॥कोउकहगरलबंधुशशिकेरा॥अतिप्रियनिजउरदीन्हबसेरा॥वि
षसंजुतकरनिकरपसारी॥जारतबिरहवंतनरनारी॥ ॥दोहा॥ ॥
कहहनुमंतसुनहुप्रभु॥शशितुह्मारप्रियदास॥तबमूरतितेहिउरबसी
॥सोइश्यामताभास॥३५॥पवनतनयकेबचनसुनि॥बिहंसेरामसु
जान॥दक्षिणदिशाविलोकिप्रभु॥बोलेकृपानिधान॥३६॥ ॥

वाकरकचमाला ॥जासुघ्राणअश्विनीकुमारा॥निशिअरुदिवसनिमे
षअपारा॥श्रवणदिशादशबेदबखानी॥मारुतश्वासनिगमनिजबानी
॥अधरलोभयमदशनकराल॥मायाहासबाहुदिगपाला॥आननअन
लअंबुपतिजीहा॥उतपतिपालनप्रलयसमीहा॥रोमराजिअष्टादशभा
रा॥अगस्तिशैलसरितानसजाला॥उदरउदधिअधगोजातना॥जगम
यप्रभुकीबहुकल्पना॥ ॥दोहा॥ ॥अहंकारशिवबुद्धिअज
॥मनशशिचित्तमहान॥मनुजबाससचराचररूपराशिभगवान॥४०॥
असबिचारिसुनुप्राणपति॥प्रभुसनबैरबिहाई॥प्रीतिकरहुरघुबरपा
द॥ममअहिवातनजाई॥४१॥ ॥चौपाई॥ ॥बिहंसानारि
बचनसुनिकाना॥अहोमोहमहिमाबलवाना॥नारिसुभावसत्यकबिक
हई॥अवगुणआठसदाउरहई॥साहसअनृतचपलतामाया॥भयअ
बिबेकअशौचअदाया॥रिपुकररूपसकलतैंगावा॥अतिबिशालभयमो
हिसुनावा॥सोसबप्रियासहजबशमोरे॥समुझिपराप्रसादअबतोरे
॥जानेउंप्रियातोरिचतुराई॥यहबिधिकहेहुमोरिप्रभुताई॥तवबतकही
गूढमृगलोचनी॥समुझतसुखदसुनतभयमोचनी॥मंदोदरिमनमहंय
हठयऊ॥पियहिकालबशमतिभ्रमभयऊ॥ ॥दोहा॥ ॥बहुविधि
जल्पेसिसकलनिशि॥प्रातभयेदशकंध॥सहजअसंकसोलंकपति॥
सभागयोमदअंध॥४२॥ ॥सोरठा॥ ॥फूलैफरैनबेत॥यद
पिसुधाबरषहिजलद॥मूरुखहृदयनचेत॥जोगुरुमिलहिंबिरंचिश
म॥४३॥ ॥दोहा॥ ॥मन्त्रिनसहितदशानन॥चढेउधौरहरजाइ॥
शकसारनकहराजसू॥देखहुदलसमुदाई॥४४॥ ॥चौपाई॥ ॥
यहजोसिंहनादकिलकाई॥नरुबरसमसमानउचाई॥सहसकोटिशत
सकुसमाना॥एहिकेसंगबानरपरिमाना॥रणअजीतअरुसहजअशंका
॥नादसुनेकांपैगढलंका॥लगिअकाशबनचरलंगूरा॥जनुऋतुपावसध

नुनभ फूरा॥ बिश्वकर्माकेसुतअभिमानी॥ इनसागरबांधेउअनुमानी॥
बसहिताम्रगिरिकंदरमाहीं॥ गोदावरीबिमलजलषाही॥ अतिबलआ
गेधांवहिबीरा॥ इनपररूपाकरहिंरघुबीरा॥ इनकेपरसाकियेगिरिशीला
॥जलमेंतरहिनामनलनीला॥ ॥दोहा॥ ॥पद्मअठराहकपिकट
क॥चलेइनकेभुजछांह॥ अपनेहाथसुपुष्पलै॥ रघुपतिपूजिवांह॥
॥४५॥ ॥चौपाई॥ ॥यहजोआवतअचलसमाना॥ चौदह-
तारऊंचपरमाना॥ वासपुलिंदाकेनदकरई॥ अंबुदऊपरयहसंचरई
॥रक्तकमलकेसरसमदेहा॥जनुअकाशसंध्याकरमेहा॥ हूतेमरिनी-
पूछभ्रमाई॥ लंकासोहनितेजनुखाई॥ तारासुअनबालिकोजायो॥
अतिजुझाररघुपतिमनभायो॥ मनमेंजपैरामकरनाऊं॥ निशिदिनिये
करयहैसभाऊं॥ करैबज्रबासबकरभंगा॥ उदयाचलकहेलेइउतसं
गा॥ सैनापतियहसबकेआगे॥ रघुपतिरूपाकरतबडभागे॥ ॥
दोहा॥ ॥पांवभुमिजोनापहि॥पन्नगहोहिअकाज॥ पांचपद्मवान्न
रलिये॥यहअंगदयुवराज॥४६॥ ॥चौपाई॥ ॥ यहजोश्वेतल
सैतनुरेषा॥जनुरूपेकरशृंगसुवेषा॥दीर्घकेशदारुणभुजदंडा॥
पायचपलतावेगप्रचंडा॥ बासकरैजलनिधिकेतीरा॥ पानकरैगोमती
सुनीरा॥ नृपसुग्रीवकेरअधिकारी॥ सबलव्यूहयहरचैसवारी॥ ब-
लेअरुबुद्धिनइनसमआना॥ इनकरपूर्षारथजगजाना॥ जेहिदिनज
नमेउबलअधिकाई॥ चढ़ेउगगनशशिदेखिललाई॥ चंद्रहिधरेगग
नउछरेऊ॥ शतजोजनथकिकरीपरेउ॥ ॥दोहा॥ ॥मरकटको
टिपचाशसै॥ रहैसर्वदासाथ॥ कालहुतेरणमेंजुरै॥ कुमुदनामकपि
नाथ॥४७॥ ॥चौपाई॥ ॥यहैदेखहुजोघटासोई॥ मानोभर
भादोंबहुताई॥ आगेपाछेदशदिशिधावहिं॥ शिलाशृंगतरुतोरतआ
वहिं॥ सहस्रनागबलअंकुससमाना॥ ससपद्मइनकरपरमाना॥ यक्र

क्षपकाशीकेबासी॥ अजरअजितअचलाअविनाशी॥तीक्षणदंतनख
युधधारी॥ गहिमारहिगजदंतउपारी॥इनऋक्षनकरयूथअपारा॥ धू
मकेतुयहपालनहारा॥इन्हकरज्येष्ठबंधुजंबवंता॥ जिहिकेबलकरअं
तहिअंता॥तीनिलोकसोजूझैपारे॥संकटपरेंकरुमेरुउखारें॥बसैंअ
शंकनर्मदानीरा॥वज्रसमानअभेदशरीरा॥ ॥दोहा॥ ॥
राजाकरयहमंतरी॥रघुपतिकेप्रियदास॥कालहुतेजूझैसमर॥ने
कनलेइउग्वास॥४८॥ ॥चौपाई॥ ॥अबदेखहुयहयू
थअपारा॥पीनवरणहोइगएउपहारा॥बालअरुणरविकिरणसछू
टी॥कुंकुममाटदिशाजनुफूटी॥चौबिसअर्बुदइनकरयूहा॥सहसवृं
दसौकोटिसमूहा॥ शिलाशृंगजेआगेपरही॥पायनपिंडीकिरकिराक
रही॥कंचनगिरिकंदरकेबासी॥ इनकरयूथनाथअविनाशी॥अति-
बलवासवकरहितकारी॥सखासुकंठकरसुभकारी॥पानकरेंगंगाकर
नीरा॥पर्वतशृंगसमानशरीरा॥क्षणक्षणसिंहनादजोहोई॥यगर
जतआवनहैसोई॥ ॥दोहा॥ ॥यशनिहुगंडगलितगज॥
बलकरनाहिनअंत॥यहकपिराजकेसरी॥जिहिकरसुतहनुमंत॥
॥४९॥ ॥चौपाई॥ ॥घटाएकआवतहैरूटी॥जनुमधुसिंधुच
ल्योमिनिफूटी॥भूमिआकाशअचलअबसाने॥उत्तरतेंजनुसलभउ-
डाने॥यहिमहयूथनाथजोअहई॥अतिबलराजाकेसंगरहई॥कपि
केरूपअचलअविनासी॥येदोउपारिपत्रकेबासी॥अतिसुंदरअरु
समरविपक्षी॥महाबीरदोऊगवयगवाक्षी॥पीवहितुगभद्रकरनीरा
॥वसहिगंधमादनदोउबीरा॥साठिसहस्रनागबलजाही॥इनमह
एककहौमैताही॥भैरिनादसिंहकरठाना॥विक्रमशार्दूलअनुमाना
॥ ॥दोहा॥ ॥देवनमेंजससुरपति॥तेजनमेंजससभानु॥पनस
नामयहबानर॥अतिबलनीतिनिधानु॥५०॥ ॥चौपाई॥ ॥

यहजोकमलपत्रसमदेहा ॥जनुकैलासशृंगकीरेहा॥लोचनमधुपिंग
लअतिलोने॥कामरूपचितवतचहुंकोने॥लंकासौंहलंगूरभवाई॥
गर्जतआवबज्रकीनाई॥सुरपतिसंगयुद्धकहगयऊ॥तबतेकामरूप
यहभयऊ॥एहिसोबासवजोरिमिताई॥तातेयहदेबनकोभाई॥सह
स्रकोटिकपिएहिकेसंगा॥राजतपीतअचितबहुरंगा॥ ॥दोहा॥ ॥गि
रिवरलंघतआवही॥चलतउडावेरेणु॥तरणितेजयहरुंधेऊ॥तार
तनयसूरवेणु॥५१॥ ॥चौपाई॥ ॥यहकपिकोदेखहुतनुफेरा
॥जनुसपक्षउडचलेउसुमेरा॥एकबारलंकाएहिजारी॥पुनिगर्जतआ
वृतआहिपारी॥जेहिदिनगर्भअंजनीजायो॥बालअरुनलनीलनकहघा
यो॥जोजनतीनसहसउडिगएऊ॥उदयाचलऊपरव्हैगएऊ॥सबदे
वनमिलिअस्तुतिकीन्हा॥तबरबिछांडिपवनसुतदीन्हा॥कामरूप
अतुलितबलयेही॥कालदंडकुलिशसमदेही॥भगवतजसगरुडउ
डाही॥बुद्धिवंतदूसरअसनाहीं॥बिद्यापढनभानुपहजाही॥उलटे
गतिरबिसंगउडाहीं॥नाकनागनरपुरगतिकारी॥महाअबधितपतेज
पुरारी॥बारिधिलांगेउगोपदजैसे॥यहकपीशसुनरूजबकेसे॥ ॥
दोहा॥ ॥तेजतरणिइबपावक॥पवनतेबेगअपार॥कंधलियेदोउबं
धुको॥श्रीरघुबंशकुमार॥५२॥चौपाई॥अतसीबरणकुसुमतनुरेषा
॥पुरुषपुराणधरेनरवेषा॥उत्तगजेंद्रशुभभुजदंडा॥धनुषबाणअसि
धरेप्रचंडा॥कंबुकंठरेषाप्रसन्नवर॥मुखछबिकीउपमाकबिजोहे॥शशि
सरोजसमकहनसोहे॥दशनपातिकीकांतिकहेको॥ललकतमनःप
टतरहिलैहेको॥देखतअधरनकीअरुणाई॥बिंबाफलबंधूकलजा
ई॥शुकतुडहिनाशिकालजावे॥थकेसुकबिनहिंपटतरपावे॥शीर्षज
टाकेमुकुटबनाये॥भालबिशालतिलकअतिभाये॥दक्षिणदिशिलक्ष्
मणबलवीरा॥रामबाहुअरुप्राणसमीरा॥दोहा॥वामभागबिभीषण

॥सिरअभिषेकाराज॥बीरमंत्रसबजाननहीं॥अबकसकरहिंअकाज॥५३॥चौपाई॥ ॥अबदेखहुयहसेनावोआई॥जसभरभादोंकीमेघवाई॥रक्तपीतश्वेतनशीआहा॥शिलाशृंगतरुबरकीछाहा॥कन्याएकब्रह्मउपजाई॥नैनभूरिअरुरूपलोनाई॥बालिभायदिनकरबलदीन्हा॥ऋतुजानैवासवरतिकीन्हा॥जातकजमलबीरदोऊजाये॥देवअशवानरहोयवोआये॥किष्किंधापुरीइनकरअस्थाना॥देबसरिसमधुबनउद्याना॥ऋष्यमूकइनकरबिश्रामा॥चातुर्मास्यवसेजहंरामा॥बालीज्येष्ठराम रणमारा॥यहिकहराजितिलकप्रभुसारा॥ताराताक्षपाटकीरानी॥जिहिकरसुतअंगदअभिमानी॥सहसशंकुकरअर्बुदएका॥अर्बुदसहसकीवृंदविशेका॥सहसवृंदजोहोइअमाना॥महापद्मतेहिकरपरमाना॥ऐसेपद्मअठारहसाजा॥विग्रहवढैऊरामकेकाजा॥बीरबेषअरुनयनबिशाला॥कंबुकंठमोतिनकीमाला॥ ॥दोहा॥ ॥हस्तीसाठीसहस्रबल॥दानधर्मकीसींव॥श्वेतछत्रशिरशोभितयहराजासुग्रीव॥५४॥इहिबिधसकलदेखाएउ॥शारनकपिदलयूह॥गणेनरावणकालवश॥अतिशयगर्वसमूह॥५५॥ ॥चौपाई॥ ॥इहांप्रातजागेरघुराई॥पूछामतसबसचिवबुलाई॥कहहुवेगिकाकरियउपाई॥जांबवंतकहपदसिरनाई॥सुनुसर्बज्ञसकलउरबासी॥बुद्धिबलतेजधर्मगुणराशी॥मंत्रकहवनिजमतिअनुसारा॥दूतपठाइयवालिकुमारा॥नीकमंत्रसबकेमनमाना॥अंगदसनकहकृपानिधाना॥वालितनयबुद्धिबलगुणधामा॥लंकाजाहुतातममकामा॥बहुतबुझाईतुमहिकाकहहऊं॥परमचतुरमैजानतअहऊं॥काजहमारतासुहितहोई॥रिपुसनकरहुवतकहीसोई॥ ॥सोरठा॥ ॥प्रभुआधरिशीस॥चरणबंदिअंगदकहेऊ॥सोइगुणसागरईश॥रामकृपाजापरकरहू॥५६॥स्वयंसिद्धसवकाज॥नाथमोहिआदरदयउ॥असवि

चारयुवराज ॥ तनुपुलकितहर्षितहियेउ ॥ ५७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥
बंदिचरणउरधरिप्रभुताई ॥ अंगदचलेउसबहिशिरनाई ॥ प्रभुप्रता
पउरसहजअशंका ॥ रणबांकुराबालिसुतबंका ॥ सकलसकलसगुन
सबभएभवानी ॥ जेअतिउत्तमनिगमवखानी ॥ सोसबअंगदपाएवनव
ते ॥ गएचारिज़ोजनचलिजवते ॥ मनमहुस्मिरतश्रीरघुराई ॥ उत्तर
द्वारकपिपहुंचेउजाई ॥ अयुतअयुतपुनिदशगुनसोई ॥ भरद्वाजइ
हजेतुकहोई ॥ भटरावणसमभुजबलभोरी ॥ रहततेहिद्वारेरख-
वारी ॥ ॥दोहा॥ ॥तिनकेनिकटहिबालिसुत ॥ जबहिपहुंचेहु
जाई ॥ सहजहिदेखततनवसकल ॥ जहंतहंदूरिपराइं ॥ ५८ ॥ एहि
विधितेगढऊपर ॥ नाघेउआठवद्वार ॥ तवदसमुखपुरपहुंचेउ ॥ ह
रषितवालिकुमार ॥ ५९ ॥ चौपाई ॥ कोटिएकत्यारालगनाहीं ॥ एन
नीविरुजलकगढमाहीं ॥ विरुजविरुजमारक्षकनाना ॥ लाखलाख
शुभभटपरिमाना ॥ पुरपैठतरावणकरबेटा ॥ खेलतरहासोइहोइ
गईभेंटा ॥ बातहिंबातकर्षबढिआई ॥ युगलअतुलबलअरुतरु-
णाई ॥ तेहिअंगदकहलातउठाई ॥ गहिपदपटकेउभूमिभ्रमाई ॥
निशिचरनिकरदेखिभटभारी ॥ जहंतहचलेनशकहिंपुकारी ॥ एकए
कसनमर्मनकहहीं ॥ समुझितासुबधचुपहोइरहहीं ॥ भयहुकोलाह
लनगरमझारी ॥ आवाकपिलकजइजारी ॥ अबधोकहाकरहिकर
तारा ॥ अतिसभीतसबकरहिविचारा ॥ विनुपूछेमगुदेहिंबनाई ॥ जि
हिंचितवहिंसोजाइसुखाई ॥ दोहा ॥ ॥ गएउसभादरबारतब ॥ सु
मिरिरामपदकंज ॥ सिंहठवनिइतउतचितै ॥ धीरबीरबलपुंज ॥ ६०
॥ चौपाई ॥ तुरितनिशाचरएकपठावा ॥ समाचाररावणहिजनावा ॥ सु
नतबचनबोलेऊदशशीशा ॥ आनहुबोलिकहांकरिकीशा ॥ आ
यसुपाईदूतबहुधाये ॥ कपिकुंजरहिबोलिलैआये ॥ अंगददी

खदशाननबैसा॥सहितप्राणकज्जलगिरिजैसा॥भुजाबिटपशिर
शृंगसमाना॥रोमावलीलतानरुनाना॥मुखनासिकानयनअरुकाना
॥गिरिकंदरासोहअनुमाना॥गयउसभामननेकुनमुरा॥बालितन-
यअतिबलबांकुरा॥उठेसभासत्कपिकहदेखी॥रावणउरभाक्रोध
विशेषी॥बैठारेउफिरिदूतकजानी॥अंगदकौतुककीनभवानी॥जोज
नफाटिकशिलासोहोई॥जहरावणकीसभारचोइ॥अंगदकीन्हेउचरण
प्रहारा॥कुंभचक्रइवफिरेउअपारा॥दशमुखदेखिमहाभयपावा॥
सकलसभामनविस्मयपावा॥ ॥दोहा॥ ॥यथामत्तग
जयूथमहं॥पंचाननचलिजाय॥रामप्रतापसभारिउर॥बैठुसबहि
शिरनाय॥६१॥ ॥चौपाई॥ ॥कहिदशकंधरकवननेवंदर॥
मैरघुबीरदूतदशकंधर॥ममजनकहितोहिरहीमिताई॥तबहितकार
णआएउभाई॥उत्तमकुलपुलस्त्यकरनाती॥शिवबिरंचिपूजेहुबहु
भाती॥वरपायेउकीन्हेउसबकाजा॥जीतेहुलोकपालसुरराजा॥नृपअ
भिमानमोहबशकिंवा॥हरिआनेहुसीताजगदंबा॥अबशुभकहाकर
हुतुममोरा॥सबअपराधक्षमहिप्रभुतोरा॥दशनगहहुतृणकंठकुठा
री॥पुरजनसंगसहितनिजनारी॥सादरजनकसुताकरिआगे॥इहि
बिधिचलहुसकलभयत्यागे॥ ॥दोहा॥ ॥विश्वरूपरघुवंशमणि॥त्रा
हित्राहिसबमोहि॥सुनतहिआरतबचनप्रभु॥अभयकरहिगेंतोहि
॥६२॥ ॥चौपाई॥ ॥रेकपिपोचबोलसम्हारी॥मूढनजान
सिमोहिसुरारी॥कहुनिजनामजनककरभाई॥केहिनातेमानिएमि
ताई॥अंगदनामबालिकरबेटा॥तासूंकबहूभईतोहिभेटा॥अंगदब-
चनसुनतसकुचाना॥रहैंबालिबानरमैंजाना॥अंगदतेहिबालिकरबा
लक॥उपजेहुबशअनलकुलघालक॥गर्भनखसेहुवृथातुमजाए॥नि
जमुखतापसदूतकहाए॥अबकहुकुशलबालिकंहअहइ॥बिहंसिब

चनअंगदअसकहई ॥ पूछेउहितसोंकहहुबुझाई ॥ वीसश्रवणसेसु
नुमनलाई ॥ ॥दोहा॥ ॥जहांगयउप्रल्हादपितु॥ हाटकहग
केशाथ॥ तहांहमारेजनकुगे॥ तुमसुनहदशमाथ॥ ६३॥ चौपाई॥
दिनदशगएवालिपहजाई॥ बूझेउकुशलसखाउरलाई॥ रामविरोध
कशजिमिहोई ॥ सोसवतुमहिसुनाइहसोई ॥ भजहिनरामहिजेधरि
देही॥ परधनपरत्रियचरखसलेही॥ पाइलच्छिमीकृपिणकहावे॥ स
न्निवकहायकुमंत्रशिखावे॥ नृपअनीतिक्रमवारुणिपाना॥ द्विजगा
यत्रिमर्मनहिजाना॥ गुरुद्विजद्रोहीपरअपकारी ॥ कामक्रोधअपगु-
नअधिकारी॥ आठवचहियेनरकमुजाई॥ वृथाआयजगमेंजनमाई॥
॥सोरठा॥ ॥इआठहुकरतोइ॥ दशमुखतुमनहिगभगएउ॥ अ
वरकहोंकाजोइ॥ अपरतिननहितोहिसम॥ ६४॥ परमचतुरजुवरा
ज॥ ज्ञानगूढवानीकही॥ नेहिनहोइकछुलाज॥ बहुरिविहसिअसकी
सकह॥ ६५॥ ॥दोहा॥ ॥हमकुलघालकसत्यतुम॥ कुल
पालकदशशीश॥ अंधाबधिरनकहहिंअस॥ श्रवणनयनतोहिबी
श॥ ६६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुदशकंठभेदउरजाके॥ श्रीरघुवी
रहृदयनहिताके॥ शिवविरंचिसुरमुनिसमुदाई॥ चाहतजासुचर-
णसेवकाई॥ तासुदूतहोइहमकुलबोरा॥ ऐसीमतिउरबिदरनतो
रा॥ सुनिकठोरबाणीकपिकेरी॥ कहतदशाननयननतरेरी॥ खल
तवचनकठिनमैंसहऊं॥ नीतिधर्मसबजानतअहऊं॥ कहकपिधर्म
शीलतातोरी॥ हमहुसुनाकृतपरत्रियचोरी॥ देखेहुनयनदूतरख
वारी॥ बूडिनमरहुधर्मव्रतधारी॥ नाककानबिनुभगिनीनिहारी॥ क्ष
माकीन्हतुमधर्मबिचारी॥ धर्मशीलतातवजगजागी॥ पावादरशह
महुबडभागी॥ ॥सोरठा॥ ॥तुमसमसाधुकोआना॥ चदे
समरनहितेहिछिन॥ निरखिहिनश्रुतिघ्राण॥ जवभगिनीनिजपुका

रकिय ॥६७॥ ॥चौपाई॥ ॥असकहिकपिपुनिमनमुस
काना ॥सोसठनहिंकछुहृदयलजाना ॥बहुरिकहाअसवालिकुमा
रा॥रावणमानहुकहाहिमारा॥जदपितुमोहिसवऔगुनमूला॥कीन्हे
उकर्मविम्बप्रतिकूला॥तदपिअजहुंहरिपदउरधरहू॥देइसिनहिप्र
भुपदरतिकरहू ॥तोतुह्मारअवगुणसबत्यागी॥रामकृपालभक्तअनुरा
गी॥देहहिंअचलराजरघुराई॥करहुसकलसुखसुखविहाई॥सुनि
असवचननजरारवलकैसे॥लागतवछस्थलछतजैसे॥ ॥सोरठा॥
कीसकहेहितवचन॥श्रवणसुनतसोसवजरेउ॥पलनहिटारेनयन॥
निरखिअंगदसनकहुतभा॥६८॥ ॥दोहा॥ ॥जनिजल्पसिज
डतंनुकपि॥शठविलोकुममबाहु॥लोकपालबलविपुलशशि॥ग्रसन
हेतुजिमिराहु॥६९॥पुनिनभशैरममकरनिकर॥करकमलनपर-
बास॥शोभितभएउमरालइव॥शंभुसहितकैलास॥७०॥ चौपाई
॥ तुह्मरेकटकमांऊसुनुअंगद॥मोसनभिरहिंकवनयोधावद॥तव
प्रभुनारिबिरहबलहीना ॥अनुजतासुदुखदुखीमलीना॥तुमसुग्री
वकुलद्रुहदोऊ ॥अनुजहमारमीरुअतिसोऊ॥जांबवंतमंत्रीअति
बूढा॥सोकिमिहोइसमरआरूढा॥शिल्पकर्मजानतनलनीला॥है
कपिएकमहाबलशीला॥आवाप्रथमनगरजेहिंजारा॥सुनिहंसी
बोलेउबालिकुमारा॥ ॥दोहा॥ ॥अट्टहासअंगदकियो
॥हरिहिहृदयशिरनाई॥जुक्तिसुनवइप्रतिउतर॥आपनकह्योबना
ई॥७१॥ ॥चौपाई॥ ॥सत्यवचनकहनिशिचरनाहा॥सा
चहुंकीशकीन्हपुरदाहा॥रावणनगरअल्पकपिदहई॥सुनिअस
बचनसत्यकोकहई॥जोअतिसुभटसराहेहुरावण॥सोसुग्रीवकेर
लघुधावन॥चलैबहुतसोवीरनहोई॥पठवाखबरिलेनहमसोई॥
दोहा॥सत्यनगरकपिजारेऊ॥बिनप्रभुआयसुपाई॥फिरिनगएउ

सुग्रीवपहं॥तेहिमयरहेउलुकाइ॥७२॥सत्यकहसिदशकंठसब
॥मोहिनसुनेकछुकोह॥कोउनहमरेकटकअस॥तुमसनलरतजो-
सोह॥७३॥प्रीतिबिरोधसमानसन॥करियनीतिअसिआहि॥जौंमृ
गपतिबधमेडुकहि॥भलोकहिकोनाहि॥७४॥यद्यपिलघुतारामकहं
॥तोहिबधेबडदोष॥तदपिकठिनदशकंठसुनु॥क्षत्रिजातिकररोष
॥७५॥हंसिबोलेउदशमौलितब॥कपिकरबडगुणएक॥जोप्रतिपा-
लीतासुहित॥करैउपाइ॥७६॥ ॥चौपाई॥ ॥धन्यकीशजोनि
जप्रभुकाजा॥जहंतहंनाचहिंपरिहरिलाजा॥नाचिकूदिकरिलोगरि
झाई॥पतिहितकरहिंधर्मनिपुणाई॥अंगदस्वामिभक्ततबजाती॥
प्रभुगुणकसनकहसिएहिभांती॥मैंगुणगाहकपरमसुजाना॥तब
कटुबचननकरौंनहिकाना॥कहकपितवगुणगाहकताई॥सत्यपवन
सुतमोहिसुनाई॥बनबिध्वंसिसुतबधिपुरजारा॥तदपिनतेहिकछु
कृतअपकारा॥सोइबिचारितबप्रकृतिसुहाई॥दशकंधरमैंकीन्हढि
ठाई॥देखेउआइजोकछुकपिभाषा॥तुह्मरेलाजनरोषनमाखा॥ ॥
दोहा॥वक्रउक्तिधनुबचनशर॥हृदयदहेउरिपुकीश॥प्रतिउत्तरस
नसिन्हमनहुं॥काढतभटदशशीश॥७७॥ ॥चौपाई॥ ॥जौं
असमतिपितुखायेहुकीशा॥कहिअसबचनहंसादशशीशा॥पि
तुहिंखाइखातेउअबतोही॥अबहिंसमुझिपराकछुमोही॥बालिबिम
लयशभाजनजानी॥हतौंनतोहिअधमअभिमानी॥कहुरावणरावण
जगकेते॥मैंनिजश्रवणसुनेसुनुतेते॥रावणएकमहाबलगर्वा॥जीत
नचलेउसुरासुरसर्वा॥सागरिउतरिपारसोगएउ॥नारिन्हदसोदेख
नभएउ॥तिनरानकहेसिपतिनपहिंजाहू॥कहुएकआएउनिशिचर
नाहू॥तबपतिनिनहिंजीतिसंग्रामा॥लैजैहौंतुमकोंनिजधामा॥सुनतब
चनएकजरठरिसानी॥धाइचरणगहिगगनउडाई॥गईदूरिधरिद

यफिरुकोरा॥ डारेसिसिंधुमध्यअतिजोरा॥ ॥दोहा॥ ॥गएउअगा
धअचेतहोइ॥मरेउनविप्रप्रसाद॥ सावधानउठिचलेउपुनि॥हियेनहर्ष
विषाद॥७८॥ ॥चौपाई॥ ॥एकरावणएकेकहेउकहानी॥जीनइच्च
लेउशशीअभिमानी॥गएउनिकटअतिशीनतनुभएउ॥कपिनगात्रबि
कलहोइफिरेऊ॥बलिजीतनएकगएउपताला॥राखाबाधशिशुनहय
शाला॥खेलहिंबालकमारहिंजाई॥दयालागिबलिदीन्हछुटाई॥एकब
होरिसहसभुजदेखा॥धाइधराजनुजंतुविशेषा॥कौतुकलागिभवनलै
आवा॥सोपुलस्त्यमुनिजाईछुटावा॥बहुप्रकारमुनिताहिसिखावा॥
गएउसोपुरखुनिलाजनआवा॥ ॥दोहा॥ ॥एककहतमोहिसकुच॥
अतिरहाबालिकेकांख॥इन्हमहरावणतैंकवन॥सत्यकहहुतजिमाख
॥७९॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनुशठसोइरावणबलशीला॥हरगिरि
जानजासुभुजलीला॥जानउमापतिजासुशुराई॥पूजेउंजेहिशिरस
मनचढाई॥शिरसरोजनिकरनउतारी॥पूजेउअमितबारत्रिपुरारी॥
भुजविक्रमजानहिंदिगपाला॥शठआजहुजिनकेउरशाला॥जानहिं
दिग्गज्जउरकठिनाई॥गजबजभिरेउजाइबरिआई॥जिनकेदशन
करालनफूटे॥उरलागतमूलकइववटे॥जासुचलतडोलतइमिध
रणी॥चढतमत्तगजजिमिलघुतरणी॥सोइरावणजगविदितप्रता
पी॥सुनेनश्रवणअलीकप्रलापी॥ ॥दोहा॥ ॥तेहिरा
वणकहलधुकहसी॥नरकरकरसिबखाना॥रेकपिवर्वरखर्बखल
॥तबनजानेअबजान॥८०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिअंगदस
कोपकहबानी॥बोलुसंभारिअधमअभिमानी॥सहसबाहुभुजगह
नअपारा॥दहनअनलसमजासुकुठारा॥जासुपरशुसागरखरधारा
॥बुडेनृपअगणितबहुवारा॥तासुगर्बजेहिदेखतभागा॥सोनरकिं-
मिदशकंठअभागा॥राममनुजकसरेशठवंगा॥धन्वीकामनदीपुनि

गंगा ।।पभुसरधेनुकल्पतरुरूषा।।अन्नदानअरुरसकिपियूषा।।
वैनतेयरवगअहिसहसानन।।चिंतामणिकिमुउपलदशानन।।सुनु
मतिमंदलोकबैकुंठालाभकिरघुपतिभक्तिअकुंठा।। ।।दोहा।। ।।
सेनसहिततवमानमथि।।वनउजारिपुरजारि।।कसरेशठहनुमानक
पि।।गयउजोतवसुतमारि।।८१।। ।।चौपाई।। ।।सुनिराव
णपरिहरिचतुराई।।भजसिनकृपासिंधुरघुराई।।जौंरवलभयेसिराम
करद्रोही।।ब्रह्मरुद्रकोऊराखिननोही।।मूढमृषाजनिमारसिगाला।।रा
मवैरहोइहिअसहाला।।तबशिरनिकरकपिनकेआगे।।परिहेधरणिरा
मशरलागे।।तेबशिरकंदुकइवनाना।।खेलहिंभालुकीशचौगाना।।जब-
हिंसमरकोपहिरघुनायक।।छटिहिंअतिकरालबोबहुशायक।।नबकि-
चलिहिअसगालतुह्मारा।।असबिचारिभजुरामउदारा।।सुनतबच
नरावणपरजरा।।जरतमहानलमहघृतपरा।। ।।दोहा।। ।।
कुंभकर्णसमबंधुमम।।सुतप्रसिद्धशक्रारि।।ममबलअवणसुनेउ
शठ।।जितेउचराचरझारि।।८२।। ।।चौपाई।। ।।शठशाखा
मृगजोरिसहाई।।बांध्योसिंधुइहैप्रभुताई।।नाघहिखगअनेकबारी
शा।।शूरनहोहिंतेशुनुसठकीशा।।ममभुजसागरजलबलपूरा।।जह
बूडेसुरनरबहुशूरा।।बीसपयोधिअगाधअपारा।।कोअसबीरजोपा
इहिपारा।।दिकपालनपरनीरभरावा।।भूपसुयशखलमोहिसुना-
वा।।जौंपैसमरसुभटतवनाथा।।पुनिपुनिकहसिजासुगुणगाथा।।
तौवशीठपठवातकेहिकाजा।।रिपुसनप्रीतीकरतनहिलाजा।।हरगि
रिमथननिरखिममबाहू।।पुनिशठकपिनिजप्रभुहिसराहू।। ।।
दोहा।। ।।शूरकबनरावणसरिस।।स्वकरकाटिनिजशीस।।हुते
अनलमहंबारबहु।।हर्षितसाखिगिरीश।।८३।। ।।चौपाई।। ।।
जरतबिलोकेउंजबहिंकपाला।।विधिकेलिखेअंकनिजभाला।।न

रकेकरआपनबधवाची॥ हंसेउजानिबिधिगिराअसांची।।सोमनस
मुझिआसनहिंमोरे।।लिखाबिरंचिजरठमतिभोरे।।बिनुहिविचारचरा
चरभाला।।स्रष्टलिखहिजोपांचविशाला।।दुखसुखशकलरोगबहुभां
ती।।कामभोगभोगवदिनराती।।मृखनहिंइसत्यसवदेखी।।आनजी
वसममोकहुलेखी।।मनुजहाथलिखिमृत्युहमारी।।भयोनचतुरचतु-
राननभारी।।सोचतुरईकाढीमैलीन्हा।।तिनहिजीतिअवनीवशकीन्हा
॥ ॥दोहा॥ ॥कमलासनआदिकविबुध।।मैंजीतेभुजजोर॥र
हतविलोकतदिवसनिशि॥सनकादिकममओर॥८४॥ ॥चौपाई
॥ ॥जमकुबेरदिग्गजनपचारी॥चहहिसमरसपनेउननिहारी॥
आनबीरबलशठममआगे॥पुनिपुनिकहसिलाजपरित्यागे॥कहअं
गदसलज्जजगमांहीं॥रावणतोहिसमानकोउनाहीं॥लाजवंततब
सहजसुभाऊ॥निजगुणनिजमुखकहसिनकाऊ॥शिरअरुशैलक
थाचितरहही॥तातेबारबीशतेकहही॥सोभुजबलराखेउउरघाली॥
जीतेउसहसबाहुबलिवाली॥सुनुमतिमंददेहिअबपूरा॥काटिसीस-
नहोइहिसूरा॥इंद्रजालिकहंकहियनवीरा॥काटेनिजकरसकलशरी
रा॥ ॥दोहा॥ ॥जरहिपतंगविमोहबश॥भारवहहिंखरवृंद॥ते
नहिशूरकहावहिं॥समुझिदेखुमतिमंद॥८५॥ ॥चौपाई॥ ॥
अबजनिबातबढावखलकरही॥सुनुममबचनमानपरिहरहीं॥द
शमुखमैनबशीठीआयेउ॥असबिचारिरघुबीरपठायेऊ॥बारबार
असकहेकृपाला॥नहिंगजारियशवधेश्रृगाला॥मनमहसमुझिब
चनप्रभुकेरे॥सहेउकठोरबचनशठतेरे॥नाहितकरिमुखभजनतोरा॥
लैजात्योंसीतहिबरजोरा॥जानातबबलअधमसुरारी॥शूनेहरिआ
निहिपरनारी॥तैंनिशिचरपतिगर्बबहुता॥मैंरघुपतिसेवककेरदूता
॥जौनरामअपमानहिडरऊ॥तोहिदेखतअसकौतुककरऊं॥ ॥

दोहा॥ ॥तौंहिपटकिमहिंसेनहत॥चौपटिकरतबगाऊं॥नव युवतिनसमेतशठ।जनकसुतहिलैजाऊं॥८६॥ ॥चौपाई॥ ॥ जौंअसकरउंतदपिनबडाई॥मुयेबधेकछुनहिंमनुशाई॥कलहका मबशकृपणविमूढा॥अतिदरिद्रअयशीअतिबूढा॥सदारोगबश संततक्रोधी॥विष्णुविमुखश्रुतिसंतविरोधी॥तनुपोषकनिंदकअ घखानी॥जीवतशवसमचौदहप्रानी॥असबिचारिखलबधौंनतो हीं॥अबजनिरिसिउपजावसिमोहीं॥सुनिसकोपकहनिशिचरनाथा ॥अधरदशनडसिमींजतहाथा॥रेकपिअधममरणअबचहसी॥ छोटेवदनबातबड़कहसी॥कटुजल्पसिशठबुधिबलजाके॥बलप्र- तापबुधितेजनताके॥ ॥दोहा॥ ॥अगुणअमानबिचा रितेंहिं॥पितादीनबनवास॥सोदुखअरुयुवतीविरह॥पुनिनि- शिदिनममत्रास॥८७॥जिनकेबलकरगर्वतोहि॥ऐसेमनुजअने क॥खाहिनिशाचरदिवसनिशि॥मूढसमुझुतजिटेक॥८८॥ ॥ ॥चौपाई॥ ॥जबतेंहिकीन्हरामकरनिंदा॥क्रोधवंततबभयेउ कपींदा॥हरिहरनिंदासुनहिजेकाना॥होइपापगोघातसमाना॥कट कटाइकपिकुंजरभारी॥दोभुजदंडतमकिमहिमारी॥डोलतधरणि सभासदखसे॥चलेभागिभयमारुतग्रसे॥गिरतदशाननउठउसं भारी॥भूतलपरेउमुकुटषटचारी॥कछुतेहिंलैनिजशिरनिसमारे ॥कछुअंगदप्रभुपासपवारे॥आवतमुकुटदेषिकपिभागे॥दिनहूलू कपरनेबिधिलागे॥ ॥सोरठा॥ ॥उरुजअग्यसबकीशाचले भागिजहतहविपुल॥कमिरिरामजगदीश॥ज्ञानीटरेनहिगिरतन न॥८९॥ ॥दोहा॥ ॥भाजनलगेपुकारकरि॥क्रूरकरतमुख बात॥कोऊराहुकोउकेतुकह॥कोऊलंवदीपाल॥९०॥ ॥चौपाई॥ ॥कीरावणकरिकोपचलाए॥कुलिशचारिआवतअतिधाये॥भय

वसकीसकटकसवजाना ॥आरतिहरणरामभगवाना ॥कहप्रभु
हंसिजनिहृदयडराहू ॥लूकनअशनिनतेनहिराहू ॥एकिरीटदश
कंधरकेरे ॥आवतबालितनयकेप्रेरे ॥ ॥दोहा॥ ॥तकिपव
नसुतकरगहे ॥आनिधरेप्रभुपाश ॥कौतुकदेखहिंभालुकपि ॥ दि
नकरसरिसप्रकास ॥९१॥उहांकोपिदशानन ॥सबसनकहतरिसा
य ॥ धरहुकपिहिंधरिमारऊ ॥सुनिअंगदसुसकाय॥९२॥ ॥
चौपाई ॥ ॥उहांकहतदशकंधरिसाई ॥धरिमारहुकपिभागि
नजाई ॥इहिबिधिबेगिसुभटसबधावहु ॥खाहुभालुकपिजहंजहंपा
वहु ॥मर्कटहीनकरहुमहिजाई ॥जिअतधरहुतपसीदोउभाई ॥पु
निसकोपबोलेउयुवराजा ॥गालबजावततोहिनलाजा ॥मरुगरका
टिनिलज्जकुलघाती ॥बालबिलोकिबिदरनिनहिछाती ॥रेतियचो
रकुमारगगामी ॥खलमलराशिमदमतिकामी ॥सन्निपातजल्पसि
दुर्बादा ॥भएसिकालवशखलमनुजादा ॥याकोफलपावहुगेआगे ॥
बानरभालुचपेटनलागे ॥राममनुजबोलतअसबानी ॥गिरिहिनन
वरसनाअभिमानी ॥ ॥सोरठा॥ ॥ हरिगुरुनिंदकजीह ॥
चहियइतुरिनाहिंगिरिपरथ ॥किमिकारणभुजबीहू ॥ तबआननन
हिकिमिपरे ॥९३॥ ॥चौपाई॥ ॥गिरिहेरसनासशयना
हीं ॥शिरनसमेतसमरमहिमाहीं ॥तिलतिलसमतवभुजाविशाला
॥कादिखसैहेरामकृपाला ॥हरकोदंडजिनतृणसमतोरा ॥मधुके
टमहिहत्योभुजजोरा ॥तेहिप्रभुकछुहिनृपतिसमजानी ॥निर्भयवचन
कहसिअभिमानी ॥शिवप्रसादतेंबिबुधनजीती ॥पौरुषुच्चदासमर
भयप्रीती ॥तवऐसीरुचिनहिंरहिसुनुभाई ॥जबहिसमरकोपिहहिं
रघुराई ॥हनिहहिएकहिशरसबभाला ॥परहिंभूमितवभुजाविशा
ला ॥मिलिहहिरजदशशीसअभागा ॥फिरिहहितवउरजंबुककागा

॥सोरठा॥ ॥मैंकिमिकहहुवखान॥समुझिपरीतोहिंरणचढे ॥देखिहहिंसारंगपाणि॥इडिवेशजेंहसिजमभवन॥९४॥सुनतब जरादशभाल॥कहतवचननिजसचिवसुना॥निरखहुकपिकरख्या ल॥मोहिस्कनावतमनुजबल॥९५॥भयोक्रोधजुवराज॥समुझिनी तिपुनिछमकरी॥रेरेसठनिरलाज॥जानिअजानहोहुकित॥९६॥ सोनरकसदशकंध॥बालिवधेउजेहिंएकशर॥बीशहुलोचनअंध॥ धृकृतवजन्मकुजातिजड॥९७॥तबशोणितकीप्यास॥तृषितरामशा यकनिकर॥तजेउंतोहितेहिंत्रास॥कटुजल्पसिनिशिचरअधम॥९८ ॥चौपाई॥ ॥मैतवदशनतोरिवेलायक॥आएसमोहिनदीन्हरघु नायक॥असिरिसिहोतदशौमुखतोरों॥लंकागहिसमुद्रमहबोरों॥ गूलरफलसमानतवलंका॥बसहिंमध्यजनुजंतुअशंका॥मैबानरफ लेखाततवारा॥आएसुदीन्हरामउदारा॥युक्तिस्कनतरावणमुस काई॥मूढशिखेसिकहेबहुतझूठाई॥बालिकबहुअसगालनमारा ॥भिलितपसिनतेंभएशिलवारा॥सांचहुमैलबारभुजवीहा॥जौंनउ पारौंतवदशजीहा॥रामप्रतापसमुझिकपिकोपा॥सभामाझप्रण करिपदरोपा॥ ॥सोरठा॥ ॥स्कमिरिहृदयरघुवीर॥हरषि ततवपदरोपिकरि॥वालितनयबलधीर॥कहसोसुनुअवज्ञानज ड॥९९॥ ॥चौपाई॥ ॥जौममचरणशकसिशठटारी॥फि रहिंरामसीतामैहारी॥सुनहुसुभटसबकहदशशीशा॥पदगहिध रणिपछारहुकीशा॥इंद्रजीतआदिकबलवाना॥हर्षिउठेजहंतहं भटनाना॥ऊपटहिंकरिवलविपुलउपाई॥पदनटरैबैठहिशिरनाई ॥पुनिउठिझपटहिसुरआराती॥टरहीनकीशचरणयहिभांती॥पु रुषकुयोगिजिमिउरगारी॥मोहविटपनाशकहिंउपारि॥ दोहा॥ ॥भूमिनछाडतकपिचरण॥देखतरिपुमदभाग॥कोटिविघन

जिमिसंतकुहं ॥नदपिनीतिनहित्याग॥ २००॥ ॥चौपाई॥ ॥
कपिबलदेखिसकलहियहारे॥उठाश्रापुयुवराजप्रचारे॥गहतचर
एकहवालिकुमारा॥ममपदगहेनतोरउबारा॥गहसिनरामचर
एशठजाई॥सुनतफिरामनश्रतिसकुचाई॥भयेउतेजहतश्रीसबग
ई॥मध्यदिवसजिमिशशिसोहई॥सिंहासनबैठाशिरनाई॥मान
हुसंपतिसकलगवाई॥जगदाधारप्रणतपतिरामा॥तासुबिमुख
किमिलहबिश्रामा॥उमारामकरभृकुटिबिलासा॥होइविश्वपुनिपा
वैनाशा॥तृणतेंकुलिशकुलिशतृणकरहीं॥तासुदूतप्रणकहुंकिमि
टरहीं॥पुनिकपिकहानीतिबिधिनाना॥मानतनाहिंकालनिश्ररना
॥रिपुमदमथिप्रभुसुयशसुनायेऊं॥यहकपिचलाबालिनृपजायेऊ॥
श्रबहीसुखकाकरौंबडाई॥हतेहौंखेतखेलाइखेलाई॥प्रथमहिंतासु
तनयकपिमारा॥सोसुनिरावणभयेउदरखारा॥यातुधानश्रंगदब
लदेखी॥भयव्याकुलसबहृदयविशेषी॥ ॥दोहा॥ ॥रिपुबल
धरखिहरखिहिय॥बालितनयबलपुंज॥सजलनयनतनुपुलकश्र
ति॥गहेरामपदकंज॥ २०१॥वालितनयकोनिरषिकय॥हरषिमिले
करचात॥पुनिप्रभुकहककहुकुशलश्रव॥नाथकहहुंसवप्रात॥
२०२॥लखनसहितरघुवरचरण॥नाईशीशजुवराज॥गनिजड़ेर
हिहरखजुत॥जानिसुफलनिजकाज॥ २०३॥ सांझजानिदशकंधन
ब॥भवनगयेउबिलखाई॥मंदोदरीश्रनेकविध॥बहुरिकहासमु
झाई॥ २०४॥ ॥चौपाई॥ ॥कांतसमुझिमनतजहुकुमतिहीं॥सो
हनसमरतुमहिंरघुपतीहीं॥रामश्रनुजलघुरेखखचाई॥सोनहिं
लांघेहुश्रसमनुसाई॥प्रियतेहितंजीतबसंग्रामा॥जाकेदूतकिये-
श्रसकामा॥कौतुकसिंधुलंधितबलंका॥श्राएउकपिकेसरीश्रशंका
॥रखवारेहतिबिपिनउजारा॥देखततुमहिंश्रक्षयजिन्हमारा॥जार

नगरजेंइकीन्हेसिक्षारा॥कहांरहाबलगर्बतुम्हारा॥अबपतिमृषा
गालजनिमारहु॥मोरकहाकछुहृदयबिचारहु॥पतिरघुपतिहिं
नृपतिजनिजानहु॥अगजगनाथअतुलबलमानहु॥ ॥सोरठा॥
॥कहउंजोरिकैरकंतमानहुहितकरिममवचन॥श्रीपतिदेवअ
नंत॥भजहुतिनहितजिछलकपट॥२०५॥ ॥चौपाई॥ ॥बा-
णप्रतापजोनमारीचा॥तासुकहानहिमानेहुनीचा॥जनकसभाअ
गणितमहिपाला॥रहेउतहांतुमगर्बबिशाला॥भजिधनुषजानकी
बिवाही॥तबसंग्रामजितेहुनाहिंताही॥सुरपतिसुतजानाबलथोरा
॥राखाजिअतआखिगहिफोरा॥शूर्पनखाकीगतितुमदेखी॥तद
पिहृदयनहिंलाजविशेषी॥ ॥दोहा॥ ॥वधिबिरोधखरदू
षणहीं॥लीलाहतेउकबंध॥बालिएकशरमारेऊ॥तेहिनरकहदशो
कंध॥२०६॥चौपाई॥जेहिजलनाथबंधायेउहेला॥उतरेउकपिदल-
सहितसुवेला॥कारुणीकदिनकरकुलकेतू॥दूतपठाएउतबहितहेतु
॥सभामांऊजेहितवबलमथा॥करिबरूथमेंहमृगपतियथा॥अंग
दहनुमतअनुचरजाके॥रणबांकुरेबीरअतिबांके॥तेहिकहप्रिय
पुनिपुनिनरकहहू॥मुधामानममतामदबहहू॥अहहकांतकृतरा
मविरोधा॥कालबिबशमनहोयनबोधा॥कालदंडगहिकाहुनमारा
॥हरैधर्मबलबुद्धिविचारा॥निकटकालजेहिआवतसांई॥तेहिभ्रम
होइतुह्मारीहिंनाई॥ ॥दोहा॥ ॥दुइसुतमारेउनगरजर॥अज
हूपरतियदेहु॥कृपासिंधुरघुवीरभजि॥नाथबिमलयशलेहु॥
२०७॥चौपाई॥ ॥नारिबचनसुनिवीषसमाना॥सभागएउउ
ठिहोनबिहाना॥बैठाजाइसिंहासनफूलि॥अतिअभिमानत्रासस्रग
भूलि॥सुनासिरजितआदिकजेते॥आएसभासकलसुततेते॥स
वसुतअवलिदेखिहरखाना॥करनलागसठहृदयगुमाना॥सह

ससपथनिजसवहिधराई॥पूछतभएउनिशाचरराई॥भाइउकह हुसत्यतजिलाजा॥रहूनुचहहिकोउग्रहस्करवकाजा॥सोग्रवहीनिज ग्रेहजाऊ॥बिनुरणचढेदोषनहिकाऊ॥सुनिग्रसबचनदशाननकेरा ॥सबसठबोलिउठेएकबेरा॥ ॥सोरठा॥ ॥ रूनहुनिसाचर एउ॥पणकरिकहहिंजोसत्यहम॥पाछेघरवनपाय॥सनमुखहोई चढबरण॥१०८॥ ॥दोहा॥ ॥सुनकेवचनभ्रवणसुनि ॥हरखाखलदशशीस॥लागेउबिलोकनपुनिपुनि॥तेजविशालभु जवीस॥१०९॥ ॥चौपाई॥ ॥इहांरामअंगदहिबुलावा॥ आइचरणपंकजशिरनावा॥अतिआदरसमीपबैठारी॥बोलेबिहं सिकृपालुखरारी॥बालितनयअतिकौतुकमोही॥तातसत्यकहुपू- छौंही॥रावणयातुधानकुलटीका॥भुजबलअतुलजासुजगलीका॥ तासुमुकुटतुमचारिचलाए॥कहहुतातकवनेविधिपाए॥कहावा लिसुतसुनहुखरारी॥मुकुटनहोइभूपगुणचारी॥सामदामअरु दंडबिभेदा॥नृपउरबसहिनाथकहबेदा॥नीतिधर्मकेचरणसुहाये ॥असजियजानीनाथपहंआए॥ ॥दोहा॥ ॥धर्महीनप्रभु पदबिमुख॥कालविवशदशशीश॥आएगुणनाजिरावणहिं॥सुनहु कोशलाधीश॥११०॥परमचतुरताभ्रवणसुनि॥बिहंसेरामउदार॥ समाचारनबसबकहे॥गढकेबालिकुमार॥१११॥ ॥चौपाई॥ ॥ रिपुकेसमाचारजबपाए॥रामसचिवसबनिकटबुलाए॥रिच्छक- पीशनिशाचरराई॥हरखितगहेरामपदआई॥अंगदमारुततन यसुहाए॥सानुजसहितरामसंगलाए॥अतिउतंगएकभृंगनिहारी ॥बिहसीतेहीपरगएखरारी॥उदयकरयजहंरविशशिआई॥तेहि तेजोजनचारिउचाई॥तेहिगिरिचरचेरामउदारा॥लगेबिलोकनग ढविस्तारा॥जहंजहंजाकरभवनसुहावा॥व्यक्तव्यक्तहनुमंतदेखा

वा॥जहिंकृपालसृष्टिउपजावा॥तेहिकाकौतुकसीशदेदेखावा॥
दोहा॥ ॥असकहिपुलकिपुरारिमुनि॥नाइपदरामशीश॥गु
रुउनपतिलागेकहन॥मुदितसुनहुखगईश॥११२॥ ॥चौपाई
॥ ॥गढलंकाकीउतपतिभारी॥चितथिरकरिसुनहुउगारी
॥कछुकहासकद्रूजवकीना॥करिछलविनतिहिआनिदुखदीना
॥सोछलकहहुंसुनेहुमुनिराई॥रहिदोउभगिनिसवतिभइआई॥
कछुदिनगएतेवरिषितपजाई॥वनमहगयेसकलौखगराई॥तवपा
छेफिरिऐसभएउ॥सुनुविनताकद्रूऐसकहेऊ॥दिनकररथहयक
हवहोकैसा॥विनताकहाश्वेतहयऐसा॥कद्रूकहनहिअवलखहेही
॥कहतकहलपएअसठहेही॥जोहिकूटसोदासिकहाई॥रहहि
सदानिनकेघरआई॥असकहिपुनिनिजग्रहअहगेहीं॥उरगमातुउ
रगनअसकेहीं॥सुनहुपूतसूरजहयकैसे॥शुक्लवरणभानासुनुऐ
से॥तुरतहिरूदनकरनजवलागी॥जननिकवनदुखकहुभयत्यागी
॥कह्योसकलसंवादजोभएऊ॥तुरतपनगआकाशेगएऊ॥पनगर
विहयगेलपटाई॥तवलयविनतहिकद्रूदेषाई॥कहाकोनिदासीअ
वहोई॥विनताकहासत्यमैसोई॥रविवाहनपरवाजिलगाई॥तासु
विवसभईविनताजवहीं॥सहिअपमानसकीनहिंतवहीं॥ ॥
दोहा॥ ॥विनताचलीसवेगतव॥जहंपतिहयतपहेतु॥गहिभ
ईकरजोरिकय॥कहतऐसदृषकेतु॥११३॥ ॥चौपाई॥ ॥
सुनहुअपरएककथभवानी॥कहुइतिहाससत्यममबानी॥षष्टि
सहस्रब्रह्माकेपूता॥वसतह्यांहिभाकालवहूता॥तनअंगुष्ठप्रमा
णहिजनका॥नामवालखिल्यएकसवका॥उतपतिइनकिनता
लवखानू॥वदिहहिकथाजदिवाउमजानू॥एकसमयमघवाअस
वारी॥आइनिकटजहंएमुनिझारी॥एरावतपरआपसुहाए॥ऋषि

पिलायतेहिनजरिनआए॥ मर्मनजानइंद्रचलिगयऊ॥ बालखिल्य
मनअसरिसभयऊ॥ कहहिंपरस्परइंद्रनडरहिहिं॥ देहुसापगिरि-
राजितेपरहिहिं॥ एककहहिवासवमदआवा॥ सहसनयनदेखन
नहिंपावा॥ मदआधरविधिकरयनकाहू॥ कोअसमदनहिब्यापाजाहु
॥ क्रोधतेकवनजरानहिभाई॥ लोभनकेजसनसावाकाई॥ दोहा॥
असविचारिमनधीरधरि॥ सुरपतिकरिपयआन॥ सवहिकहामत
नीकअति॥ तेजहरहुकरिध्यान॥ ११४॥ ॥ चौपाई॥ ॥
असकहितेजहरनजेवलागे॥ सुरपतिकरनअसुरडरलागे॥ दिन
प्रतिदेवछिन्नबलहोई॥ बूझिपरस्परजाननकोई॥ वासवतवहिंब्रह्म
पहधाए॥ निजवृत्तांतसवआइसुनाए॥ नवकमलजधरिध्यानविलो
का॥ फेरिअमरचतुराननचलेऊ॥ पितहिविलोकिचरणसवलागे॥
कहिसुनिवचनप्रेमरसपागे॥ आएस्वामिहेतुकसकहहू॥ कहअज
सुततुमजानतअहहू॥ जोसुरनाहुतेजतुमहारा॥ करहुकहासो
कहहुविचारा॥ ॥ दोहा॥ ॥ बालखिल्यकहसुनहुपितु
॥ इंद्रकरवहसमअडोर॥ एहिमघवहिकहुठारिये॥ बैठरहहिंएकठ
उर॥ ११५॥ ॥ चौपाई॥ ॥ कहब्रह्माअसकरहुनभाई
॥ ममसुतइंद्रनअवउठिजाई॥ पितुअपमानकरतघटकैसे॥ नम
रिपुउदयघटानतभजैसे॥ कश्यपतपकरहिवनमाहीं॥ सोपहतेज
सकलल्याजाहीं॥ असकहिब्रह्मलोकविधिगएऊ॥ निजवृत्तांतक
हिसोफिरिजाई॥ ह्याविनतातपकरमनलाई॥ अयुतअब्दतवनि
जपतिआगे॥ तदपिरहीहिप्रेमअनुरागे॥ वरबूझिजबकह्योकृपाल
॥ तवमाग्योकरिविनयविशाला॥ कृपासिंधुमोहिसोवरदीजय॥ तु
रितहिसवतिवैरमयलीजय॥ अजरअमरसुतदेहुगोसाई॥ असक
हीचरणपरीशिरुनाई॥ ॥ दोहा॥ ॥ एवमस्तुकहिकृपानि

धि ॥जुगलपाञ्चशुचिआनी॥बीजडारिकरिमंत्रनव ॥दीनपरम
प्रियजानि ॥ ११६ ॥ पाणिद्वियोकमलयनव ॥ विनतहिकह्योबुझा
ई॥देषेउनवउघारिजव॥वर्षपञ्चशतजाहिं॥ ११७॥ ॥चौपाई॥ ॥
सेवहिकगलपाञ्चसवकैसे ॥जोगवहिंअंडपरावनजैसे॥अब्दवे
दशनओरअगासी॥जवचलीगईकनहुकरवराशी ॥नवविनताए
कपाञ्चउघारी॥देषेउविनविवेकविचारी॥ विधिवशआतुरनारिसु
भाऊ॥अवरनमनकछुकपटदुराऊ॥बिनुकरपदकतसुभगानि
हारी॥ विनताहृदयभयोदुखभारी ॥तनयसहितपानिपदसिरनाई
॥विनयविनयविनताविलखाई॥नाथमोरअपराधबिसारी॥कृपा
करहुएहिकतपरभारी॥ ॥दोहा॥ ॥आरतवचनश्रवण
कनि॥कहकश्यपहरखाय॥विनतामुदितहोइअब॥सकलसोच
विसराय॥११८॥ ॥सोरठा॥ ॥अजरअमरवलभूरि॥नाम
अनुणइनकरसुभग॥रहहिसरवकरवपूरि॥होहिंसारथीसूर्यकर
॥११९॥ ॥चौपाई॥ ॥अवरकनहुविनताएकवाता॥होईतु
म्हारेदूसरताता॥महाबलीअरुपक्षीसरीरा॥सपनेहुतेहिनहोइ
कछुपीरा॥श्रीपतिकरवाहनसोहोई॥मनवांछितनुमकहुसुखदेई
॥ताकसुजसवदहीसंसारा॥कद्रुसुतनकोकरीअहारा॥नामगरु
डहरिभक्तशयाना ॥सकलधर्मरतशीलनिधाना ॥मियाकहवम
यंवचनप्रमाणा ॥ मानहोइकोउगरुडसमाना॥नवकनकविसुंदर
खगरूपा ॥ होइसकलविहगकरभूपा॥द्वादशअब्दबीतिजवजाई
॥अंडजपतितववाहेरआई॥ दोहा॥आपुहिप्रगटहोइसो॥पाञ्चक
पाटउघारि ॥पन्नगारिपूरणकरी॥जोरुचिअहहितुम्हारि॥१२०॥
चौपाई॥सुनिपतिवचनमानिविश्वासा ॥पुनिविनताकृतनिजगृहवा
सा॥अरुणवालिपितुआयकपाई ॥भएसारथीरविकरजाई॥आ

रुणकेरीउत्तपत्तिमैंगावा॥सुनहुगरुडकेरजन्मसुहावा॥द्वादश
वर्षवीतिजवगएउ॥अधसहससूरणतवभएऊ॥मेषसुफलत्यार
सिबुधवारा॥तेहिदिनलीनगरुडअवतारा॥पात्रउधारिमातुपहँआ
ए॥चरणलागिवरआशिषपाहे॥विष्णुभक्तउत्तमजगपावन॥अ
जरअमरकद्रूसुतदावन॥असअसीसविनताहिजवदएउ॥परमा
नंदगरुडतवभएऊ॥ ॥दोहा॥ ॥मातुअशीसाउचितअति॥
सुनिहरषेखगराय॥गदगदगिरागमनमन॥पुनिबोलेसिरुनाय॥
॥१२१॥चौपाई॥आज्ञामातुदेवअवजोई॥शिरधरिसवकरिहोंमैं
सांई॥तवविनतयौंसवकहाबुझाई॥चलेशिरुनाइकद्रुपहँजाई॥ब
हुतदिवसअहिमातासेई॥विनतादासिमीदकहितेई॥महापरा
क्रमिजानिससंका॥अवनहिउचितचेरिसुतवंका॥ऐसविचारिक
हहिमनमाहीं॥सुतहोयअमरपीछडरनाहीं॥यहमनआनिगरुड
सनकहसी॥अमृतलावनाहिविनतादासी॥सुनितववचनधायखग
राए॥उडेसवेगइंद्रपहँआये॥मागपीयूषतेहिनाहिंदयऊ॥तवउर
गारिसुक्रमनठयऊ॥करिसंग्रामदेववलधर्षी॥चलेकुंभलेमनअतिह
र्षी॥पुनिसुरसहितसुरपतीधएउ॥चितवागुरुदेवसवआएउ॥
कूलशहिछोडिमहीफिरिधाएउ॥पंखमारिसुरछवउपजएऊ॥उडे
लेइसुरसुरछागएउ॥पाछेपावितछाडतमएऊ॥अवतवज्रदेषिउर
गारी॥जोनमानुमिटिमहिमाभारी॥असविचारिएकवर्हचलावा॥ता
हिकाटिपावेसुरपुरआवा॥छंद॥सुरगएउपविपुनिउरगअरिजहकद्रु
तहांआवतभए॥आइतेहिकरजेहिदिनअमृतअतिहरषकद्रूहिए॥
॥५॥तवमाततातनदासिअवअसकहतचलीकद्रुतहां॥वहुजनन-
कतधारिकलशमहिचितेवचनसुतहरइतजहां॥६॥आनिसघनविपि
नकरालकुशकद्रुखलतउलझनपरी॥एकाचतुरतहिजानिमहिगाड

खनिशाचनकरि॥७॥उरगारिश्रावलघुरूपधारिसंगश्रवसोजातन
नहीं॥जवगाडिगईनवकाद्दिमाहिसेफोरिचलेग्रहरीरुहा॥८॥सुनलो
ईदवहिश्रमृतनाहिद्दूकदूकहोइकुंभपरे॥लगेचटनजवतवहिजिहडु
इहुइकुशगणनेसवकेरे॥९॥दोहा॥नागगणनिजगेहतव॥आईकहु
गेहे॥गरुडतहांजहंवीनता॥मामोहिग्रायसुदहु॥२२२॥सोरठा॥
मातुमोहिश्रतिभूष॥सुनतवचनविनताकहेउ॥तातवयोवहुदूष॥
जायश्रघायभोजनकरहु॥२२३॥ ॥दोहा॥ ॥मातुचरण
शिरनाईकरि॥गरुडमहाबलवीर॥सुमिरतश्रीपतिपदकमल॥ग
एउसोजलनिधितीर॥२२४॥ ॥चौपाई॥ ॥जलधितीरए
कग्राहकराला॥शतजोजनतनुनाकविशाला॥ताहिदेषिखगप-
तिहरखाना॥वामचरणगहिगगनउडाना॥गएगरुडउरधरगिरि
जाहां॥रहविशालतरुपाकरिताहां॥तेहिपरवैठगरुडवलवाना॥भा
रनसोसहिसकभौराना॥वृछपरतविनतासुतजाना॥उहउताहिकर
गहाउडाना॥पुनिसुमेरुसोशृंगगहिगएऊ॥शाषहिसुमिरिवैठतहभएऊ॥योगश्रिगुणतिहुलोकमिलाई॥तिननेजोजनकीनकुलाई॥ऊच
कोशशतऊपरसोना॥रहेउसुमेरुशृंगजगजाना॥ ॥दोहा॥ ॥
खगनायकपगधरत॥सोउपरेउभौराइ॥गिरनतपावेउलीनगहि॥
सुनहुउमाचितुलाई॥२२५॥ ॥चौपाई॥ ॥गिरितरुगही
वामकरलीना॥चलगरुडहरिपदचितुलाईदीना॥नभउडातपहुचे
रविपाशा॥कीनप्रणाममनवहुतहुलासा॥विधिइच्छाप्रेरकमुनि
राऊ॥कहाश्ररुणकहहुपशनभाऊ॥खगनायककुशेफिरहुउदासा
॥कहेउगरुडश्राहाममश्रासा॥गेरनमिलतजोभोजनकरहूं॥ते
हिकारणउडाननभफिरहूं॥सुनतश्ररुणातवभुजापसारी॥वैठहुग
रुडनदूटनहारी॥रविसारथिपुनिकहेबुझाई॥वैठसिकसनभुजोप

परअ्आई ॥ तवसकोपबैठेउखगनाहा ॥ हुमचेउहलिनअरुणकीना
हा ॥ दोहा ॥ खगनायकअतिहराखिकरि ॥ कीनअशनहरषाई ॥
आस्थिशैलडारीतसू ॥ तबाहिजोदीनगिराई ॥ १२६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
परेउसोजाइसासुद्रसुझारी ॥ जगजानतयहकौतुकभारी ॥ एहिवि
धिकछुककालचलिगयऊ ॥ आगिलचरितसुनहुजसभयऊ ॥ एकस
मयशिवआज्ञापाई ॥ विश्वकर्ममनहर्षितजाइ ॥ तुरतहिंरचिगढगए
बनाथी ॥ परमविचित्रविशदरुचिराई ॥ कनकरचितसवओरप्रकारू
॥ चरिद्वारशुभचारुवजारू ॥ मणिमयरचितविचित्रअंटारी ॥ विविध
भवनलघुविशदसभारी ॥ रचिसुभिकनककंगूराना ॥ नहिंसादरपहिं
जाइवखाना ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ हाटककलशविशालबहु ॥ देखतअम
रलोभाइ ॥ चहुंदिशिजलधिउतंगअति ॥ दुर्गविशालवनाइ ॥ १२७ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ रचिगढरुचिरविचित्रवनावा ॥ देषिमनोहरहरमनभा
वा ॥ कहमहेशदुर्गअतिवंका ॥ तातेनामधराएहिलंका ॥ अतिउतं
गआवधिदिशिचारी ॥ चारुअगारविशालशवंरी ॥ राषेउयक्षदुर्गर
खवारी ॥ बहुरिगएकैलाशपुरारी ॥ शिवकैलाशवसेसुखखानी ॥ अ
परचरितअवकहहुवषानी ॥ जेहिविधिलंकदशाननपावा ॥ सोचरि
त्रहमप्रथमहिगावा ॥ गिरितेंउतरेराजिवनयना ॥ आएतुरितजहांक
पिसयना ॥ लंकावंकाचारिदुआरा ॥ कहिविधिलागियकरहुविचारा
॥ तबकपीशऋक्षेशविभीषण ॥ सुमिरिहृदयदिनकरकुलभूषण ॥
करिविचारतिन्हमंत्रदृढावा ॥ चारीअनीककपिकटकबनावा ॥ यथायो
गसेनापतिकीन्हे ॥ यूथपसकलबोलितिन्हलीन्हे ॥ प्रभुप्रतापसवक
हिसमुझाये ॥ सिंहनादकरिसबकपिधाए ॥ हरषितरामचरणसि
रनावहिं ॥ गहिगहिगिरीसिषरसवधावहि ॥ गर्जहिंतजेहिंभालुकपी
शा ॥ जयरघुवीरकोशलाधीशा ॥ जानतपरमदुर्गअतिलंका ॥ प्रभुप

नापकपिन्हलेश्रशंका॥ घटाटोपकरिचहुंदिशघेरी॥मुखहिंनिसा
नबजावहिंभेरि॥ दोहा॥जयतिरामभ्रातासहित॥जयकपीशसु
ग्रीव॥गर्जहिंकेहरिनादकपि॥भालुमहाबलसील॥१२८॥चौपाई
॥लंकाभएउकोलाहलभारी॥सुनेउदशाननअतिअहंकारी॥दे
खहुवानरकेरिढिठाई॥बिहंसिनिशाचरसेनबुलाई॥आयेकीशका
लकेप्रेरे॥क्षुधावतरजनीचरमेरे॥असकहिअट्टहासशठकीन्हा॥
गृहबैठेअहारविधिदीन्हा॥सुभटसकलचारिहुदिशिजाहु॥धरि
धरिभालुकीशसबखाहु॥उमारावणहिअसअभिमाना॥जिमिटि
ट्टिहिखगसूतउताना॥चलेनिशाचरआयसुमागी॥गहिकरभिंदिपा
लबरसांगी॥तोमरमुद्गरपरिघप्रचंडा॥शूलकृपाणपरशुगिरि
खंडा॥जिमिअरुणोपलनिकरनिहारी॥धायेखगशठमासअहारी
॥चोचभंगदुखतिनहिंनसूझा॥तिमिधायेमनुजादअबूझा॥दोहा॥
नानायुधशरचापधरि॥यातुधानबरबीर॥कोटकंगूरनचढ़िगये॥को
टिकोटिरणधीर॥१२९॥चौपाई॥कोटकंगूरनसोहहिंकेसे॥मेरु
शृंगपरजनुघनबैसे॥बाजहिंढोलनिसानजुझाऊ॥सुनिसुनिसुभट
नकेमनचाऊ॥बाजहिंभेरिनफेरीअपारा॥सुनिकादरउरहोइदरारा
॥देखिनजाइकपिनकेठट्टा॥अतिबिशालतनुभालसुभट्टा॥कटक
टाइकोटिनभटगर्जहिं॥दशनओठकाटिअतितर्जहिं॥उतरावण
इतरामदोहाई॥जयतिजयतिकरिकरीलराई॥निशिचरशिखरस
मूहढहावहिं॥कूदिधरहिंकपिफेरिचलावहीं॥ ॥छंद॥ ॥धरिकु
धरखंडप्रचंडमर्कटभालुगडपरडारहीं॥ऊपटहिंचरणगहिंपटकिस
हिमहंबारबारप्रचारहीं॥१०॥अतितरुणतरलप्रतापतर्जहिंतमकि
गढपरचढ़िगये॥कपिभालुचढिमंदिरनजहंतहंरामयशगावतभये
॥११॥ ॥दोहा॥ ॥एकएकनिशिचरगहि॥पुनिकपिचलेपराई॥

॥ऊपरआपुनतरअसुर॥ गिरहिंधरणिमहंआई ॥१३०॥चौपाई॥
रामप्रतापप्रबलकपियूथा॥मर्दहिंनिशिचरसुभटबरूथा ॥चढेंदुर्ग
पुनिजहंतहंबानरजयरघुबीरप्रतापदिवाकर॥चलेनिशाचरनिकरपरा
ई॥प्रबलपवनजिमिधनसमुदाई ॥हाहाकारभयेउपुरभारी॥रोवहिंआ
रतबालकनारी॥सबमिलदेहिंरावणहिंगारी॥राजकरतजेइमृत्युकहंका
री॥निजदलबिचलसुनाजबकाना ॥फिरेसुभटलंकेशरिशाना॥जोर
णबिमुखफिरामैंजाना॥तेहिमारिहौंकरालकृपाणा॥सर्वस्वरवाइभो
गकरिनाना॥समरभूमिभादुर्लभप्राणा॥उग्रबचनसुनिसकलडराने॥
फिरेबीरकरिक्रोधलजाने॥सन्मुखमरणवीरकीशोभा ॥तबतिनतजा
प्राणकरलोभा॥ ॥दोहा॥ ॥बहुआयुधधरिधरिसुभट॥भिर
हिंप्रचारिप्रचारि॥ कियेब्याकुलभालुकपि॥परिघत्रिशूलनमारि॥१३१
॥ ॥चौपाई॥ ॥भयआतुरकपिभागनलागे॥यद्यपिउमाजीतिहैं
आगे॥कोउकहकहअंगदहनुमंता॥कहनलनीलदुबिदबलवंता॥
निजदलबिचलसुनाहनुमाना॥पश्चिमद्वाररहाबलवाना॥मेघनादत-
हकरैलराई॥टूटनद्वारपरमकठिनाई॥पवनतनयमनभाअतिक्रोधा
॥गर्जेउप्रबलकालसमयोधा॥कूदिलंकगढऊपरआवा॥गहिगिरिमे
घनादपरधावा॥भंजेउरथसारथिनिपाता॥तासुहृदयमहंमारेउलाता
॥दूसरसूतबिकलतेहिजाना॥स्यंदनघालितुरतघरआना॥ ॥दो
हा॥ ॥अंगदसुनेउकिपवनसुत॥गढपरगएउअकेल॥समर
वांकुराबालिसुत॥नरकिचदेऊकरिखेल॥१३२॥ ॥चौपाई॥ ॥
युद्धविरुद्धक्रुद्धदोउबंदर॥रामप्रतापसुमिरिउरअंतर॥रावणभवन
चढेधोऊधोधाई॥करहिंकोशलाधीशदोहाई॥कलशसहितगहिभवनढ
हावा॥देखिनिशाचरअतिभयपावा॥नारिवृंदकरपीटहिंछाती॥अब
दोकपिआयेउतपाती॥कपिलीलाकरिसबहिंडरावहिं॥रामचन्द्रकरसु

यशकूनावहिं॥पुनिकरगहिकंचनकरखंभा॥करहीरणउतपानअरंभा॥गर्जिपरेरिपुकटकमझारी॥लागेमर्दनभुजबलभारी॥काहुहिलाततपेटनकेहू॥भजेहुनरामहिंसोफललेहू॥ ॥दोहा॥ ॥एकएकसनमर्दहिं॥तोरिचलावहिंमुंड॥रावणआगेपरहिंते॥जनुफूटहिंदधिकुंड॥॥२३३॥ ॥चौपाई॥ ॥महामहामुखिआजेपावहिं॥तेपदगहिंप्रभुपासचलावहिं॥कहहिंबिभीषणतिनकेनामा॥देहिंरामनिन्हकोंनिजधामा॥खलमनुजादद्विजामिषभोगी॥पावहिंगतिजोयाचतयोगी॥उमारामम्रदुचितकरुणाकर॥वयरभावमोहिसुमिरतनिशिचर॥देहिंपरमगतिअसजियजानी॥कोकृपालअसअहैभवानी॥जेप्रभुअसनभजहिंभ्रमत्यागी॥तेमतिमंदसोपरमअभागी॥अंगदअरुहनुमंतप्रवेशा॥कीन्हदुर्गअसकहिअवधेशा॥लंकामहंकपिसोहहिकैसे॥मथहिंसिंधुदुइमंदरजैसे॥ ॥दोहा॥ ॥भुजबलरिपुदलदलिमलेउ॥देखिदिवसकोअंत॥कूदेजुगलप्रयासबिनु॥आयेजहंभगवंत॥२३४॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुपदकमलशीसतिननाये॥देखिसुभटरघुपतिमनभाये॥रामकृपाकरियुगलनिहारे॥भयेबिगतश्रमपरमसुखारे॥गयेजानिअंगदहनुमाना॥फिरेभालुमर्कटभटनाना॥यातुधानप्रदोषबलपाई॥धायेकरिदशशीशदोहाई॥निशिचरअनीदेखिकपिफिरे॥कटकटाइजहंजहंभटफिरे॥दोउदलभिरहीप्रबलप्रचारी॥लरहिंसुभटनहिंमानहिहारी॥बीरनिशाचरसबअतिकारे॥नानावरणबलीमुखभारे॥सबलयुगलदलसबअतियोधा॥बिबिधप्रकारलरहिकरिक्रोधा॥प्राव्टशरपयोधघनेरे॥लरतमनहुमारुतकेप्रेरे॥अनीपअकंपनअरुअतिकाया॥बिचलतसेनकीनतिनमाया॥भएउनिमिषमहंअतिअंधिआरा॥ब्रिष्टिहोईरुधिरोपलक्षारा॥ ॥दोहा॥ ॥देखिनिबिडतमदसहुदिशि॥कपिदलभएउखभार॥एकहिएकनदेखजब॥जहंनहंकर

हिप्रकार॥१३५॥ ॥चौपाई॥ ॥यहसबमर्मविभीषणजाना॥
लियबोलिअंगदहनुमाना॥समाचारसबकहिसमुझाये॥सुनतकोपिकपिकुंजरधाये॥पुनिकृपालुहंसिचापचढावा॥पावकशायकसपदिचलावा॥भयउप्रकाशकतहुंतमनाहीं॥ज्ञानउदयजिमिसंशयजाहिं॥भालुबलीमुखपाइप्रकाशा॥धायेकोपिविगतश्रमत्रासा॥हनूमानअंगदरणगाजे॥हांकसुनतरजनीचरभाजे॥भाजतभटपटकहिंधरिधरणी॥करहिंभालुकपिअद्भुतकरणी॥गहिपदडारहिंसागरमांहीं॥मकरग्राहझषधरिधरिखांही॥ ॥दोहा॥ ॥कछुघायलककछुरणपरे॥कछुगढचलेपराई॥गर्जहिंमर्कटभालुभटरिपुदलबलबिचलाइ॥१३६॥ ॥चौपाई॥ ॥निशाजानिकपिचारिउअनी॥
आयेसबजहंकोशलधनी॥रामकृपाकरिचितयेजवही॥भयेबिगतश्रमबानरतबही॥उहांदशाननसचिवहकारे॥सबसनकहेसिसुभटजेमारे॥आधाकटककपिनसंहारा॥कहहुबेगिकाकरियबिचारा॥माल्यवंतएकजरठनिशाचर॥रावणमातुपितामंत्रीवीर॥बोलाबचननीतिअतिपावन॥तात्सुनहुकछुमोरशिखावन॥जबतेतुमसीनाहरिआनी॥सगुणहोहिंनजातबखानी॥वेदपुराणजासुयशगावा॥रामविमुखसुखकाहुनपावा॥ ॥दोहा॥ ॥दोहा॥ ॥हिरण्याक्षभ्रातासहित॥मधुकैटभबलवान॥जेइमारेसोइअवतरेउ॥कृपासिंधुभगवान॥१३७॥कालरूपखलबलदहन॥गुणागारघनबोध॥शिवबिरंचिजेहिंसेवहिं॥तासोंकवनविरोध॥१३८॥ ॥चौपाई॥ ॥परिहरिबैरदेहुवैदेही॥भजहुकृपानिधिपरमसनेही॥ताकेबचनबाणसमलागे॥करियामुखकरिजाहुअभागे॥बूढभएसिनतुमरत्योंतोही॥अबजनिबदनदेषावसिमाहीं॥तेइअपनेमनअसअनुमाना॥बधेचहतएहिकृपानिधाना॥

सोउठिगएउकहतदुर्बादा॥नबसकोपबोलेउघननादा॥कौतुकप्रातदे
खियेहुमोरा॥करिहौंबूहुतककहनहौंथोरा॥सुनिसुतवचनभरोसाआ
वा॥प्रीतिसमेतनिकटबैठावा॥करतबिचारभयउभिनुसारा॥लगेभा
लुकपिचारिहुद्वारा॥कोपिकपिनदुर्गमगढघेरो॥नगरकोलाहलभयउघ
नेरो॥बिबिधअस्त्रगहिनिशिचरधाये॥गढतेपर्वतशिखरढहाये॥छं
द॥ढाहेमहीधरशिखरकोटिनबिबिधविधिगोलाचले॥घहरातजि
मिपविपातगर्जनप्रलयकेजनुबादले॥२२॥मर्कटबिकटभटजुटतल
रतकटततेननुजर्जरभये॥गहिशैलतेइगढपरचलावहिंजहंसोहतहंनि
शिचरहये॥२३॥दोहा॥मेघनादसुनिश्रवणअस॥गढपुनिछेकाआइ
॥उतरिदुर्गतेबीरबर॥सनमुखचलावजाइ॥२३९॥ ॥चौपाई॥ ॥
॥कहांकोशलाधीशदोउभ्राता॥धन्वीसकललोकबिख्याता॥कहं
नलनीलदुबिदसुग्रीवा॥कहंहनुमंतअंगदबलसींवा॥कहांबीभिषण
भ्राताद्रोही॥आजुशठहिंहठमारउओही॥असकहिकठिणबाणसं
धाने॥अतिशयकोपिश्रवणलगिताने॥शरसमूहसोंछाडैलागा॥ज
नुसपक्षधावैबहुनामा॥जहंतहंपरतदेखियेबानर॥सनमुखहोइन
शकततेहिअवसर॥भागेभयब्याकुलकपिऋक्षा॥बिशरीसबहिंयु
द्धकीइ॥सोकपिभालुनरणमहंदेषा॥कीन्हेसिजेहिनप्राणअबशेषा॥
दोहा॥ ॥दशदशशरसबमारेसि॥परेभूमिकपिबीर॥सिंहनाद
करिगर्जिनब॥मेघनादरणधीर॥ ॥२४०॥ ॥चौपाई॥ ॥
देखिपवनसुतकटकबिहाला॥क्रोधवंतधावाजनुकाला॥महामही
धरतुरतउपारा॥अतिरिसिमेघनादपरडारा॥आवतदेखिगयेउनभ
सोइ॥रथसारथीतुरंगसबकोई॥बारबारप्रचारहनुमाना॥निकटन
आवमरममसोजाना॥रामसमीपगएउघननादा॥नानाभांतिकहतदुर्बा
दा॥अस्त्रशस्त्रबहुआयुधडारे॥कौतुकहींप्रभुकाटिनिवारे॥देखिप्रभा

वमूदखिसियाना॥करैलागुमायाविधिनाना॥जिमिकोउकरैगरुड
सनखेला॥डरपावहिंगहिस्वल्पसपेला॥ ॥दोहा॥ ॥जासु
प्रबलमायाबिबश॥शिवबिरंचिवडछोड॥ताहिदेखावैनिशिचरनिज
मायामतिखोट॥१४१॥ ॥चौपाई॥ ॥नभचढीबरषैबिपुलअंगा
रा॥महितेप्रकटहोइजलधारा॥नानाभांतिपिशाचपिशाची॥मारु
काटुध्वनिबोलहिंनाची॥कीन्हेसिवृष्टिरुधिरकचहाडा॥वर्षैकबहुंउप
लबहुछाडा॥वर्षिधूरिकीन्हेसिअंधियारा॥सूझनआवनहाथपसारा
॥अकुलानेकपिमायादेखे॥सबकरमरणबनायहलेखे॥कौतुकदे
खिरामसुसुकाने॥भयेसभीतसकलकपिजाने॥एकबाणकाटीसबमाया
॥जिमिदिनकरहरतिमिरनिकाया॥कृपादृष्टिकपिभालुविलोके॥भये
प्रबलरणरहहिंनरोके॥ ॥दोहा॥ ॥आयसुमांगारामपहिं॥अंग
दादिकपिसाथ॥लक्ष्मणचलेसकोपनव॥बाणशरासनहाथ॥१४२
॥ ॥चौपाई॥ ॥जलजनयनउरबाहुबिशाला॥हिमगिरिनिभतनु
कुछुएकलाला॥उहांदशाननसुभटपठाये॥नानाअस्त्रशस्त्रगहि
धाये॥भूधरनिकटपअायुधधरिभारी॥धाएकपिजयरामपुकारी॥भि
रेसकलजोरीसनजोरी॥इतउतजयइच्छानहिंथोरी॥मुष्टिनलातन
दातनकटहीं॥कपिगिरिशिलामारिपुनिडांटहीं॥मारुमारुधरुधरु
मारू॥शीसतोरिगहिभुजाउपारू॥असिध्वनिपूरिरहीनवखंडा॥धा
वहिंजहंतहंरुंडप्रचंडा॥देखहिंकौतुकनभसुरवृंदा॥कबहुंकबिस्म
मयकबहुंआनंदा॥ ॥दोहा॥ ॥रुधिरगाटभरिभरिज
म्यो॥ऊपरधूरिउडाई॥जिमिअंगारराशीनपर॥मृतकधूमरहिछा
ई॥१४३॥चौपाई॥घायलबीरबिराजहिंकैसे॥कुसुमितकिंशुकके
तरुजैसे॥लक्ष्मणमेघनाददोउयोधा॥भिरहिंपरस्परकरिअतिक्रो
धा॥एकहिएकशकैनहिंजीति॥निशिचरछलबलकरैअनीती॥कोप

वंततबभएउअनंता॥भजेउरथसारथीतुरंता॥नानायुधप्रहारकरि
देषा॥राक्षसभएउप्राणअवशेषा॥तेहिअपूनेमनअसअनुमाना॥सं
कटभयेहरिहिममप्राणा॥वीरघातिनीछाडेसिसांगी॥तेजपुंजल
क्ष्मणउरलागी॥मूर्च्छाभईशक्तिकेलागे॥तबचलिगयेउनिकटभय
त्यागे॥ ॥दोहा॥ ॥मेघनादसमकोटिशत॥योधारहेउठाई॥ज-
गदाधारअनंतसो॥उठहिचलानजाइ॥१४४॥चौपाई॥सुनिगिरी
जाक्रोधानलजासू॥जारैभुवनचारिदिशआशू॥सकैसंग्रामजीतिको
ताही॥सेवहिसुरनरअगजगजाही॥यहकौतुकजानहिजनसोई॥जेहि
परकृपारामकीहोई॥सध्याभईफिरिदोउबानी॥लगेसंभारणनिजनि
जआनी॥व्यापकब्रह्मअजितभुवनेश्वर॥लक्ष्मणकहंबुझाकरुणाक
र॥तबलगिलैआयेहनुमाना॥अनुजदेखिप्रभुअतिदुखमाना॥जांब
वंतकहबैद्यसुषेना॥लंकारहपठइयकोउलेना॥धरिलघुरूपगयेहनुम
ता॥आनेउभवनसमेततुरंता॥ ॥दोहा॥ ॥रघुपतिचरणसरोज-
शिर॥नायउआइसुषेण॥कहानामगिरिऔषधी॥जाहुपवनसुतले
न॥१४५॥ ॥चौपाई॥ ॥रामचरणसरसिजउरराषी॥चल
उप्रभंजनसुतबलभाषी॥उहांदूतएकमरमजनावा॥रावणकालने
मिगृहआवा॥दशमुखकहामर्मतेइसुनेऊ॥पुनिपुनिकालनेमिशिरधु
नेऊ॥देखततुमहिंनगरजेहिजारा॥तासुपंथकोरोकनहारा॥भजिर
घुपतिहिकरहुहितअपना॥तजहुनाथअबवृथाकलपना॥नीलकंजतनु
सुंदरश्यामा॥हृदयराखुलोचनअभिरामा॥अहंकारममतामदत्यागू
॥महामोहनिशिसोवतजागू॥कालव्यालकरभक्षकजोई॥सपनेहुंस
मरकिजीतियसोई॥दोहा॥सुनिदशकंठरिसानअति॥तेइमनकीह्न
बिचार॥रामदूतकरमरणभल॥यहखलनतुमोहिमार॥१४६॥ ॥
चौपाई॥ ॥असकहिचलारचेसिमगमाया॥सरमंदिरबरबाग॥

बनाया॥ मारुतसुतदेखाशुभश्राश्रम॥ मुनिहिंबूझिजलपियौंजाइश्र
म॥ राक्षसकपटभेषतहंसोहा॥मायापतिदूतहिंचहमोहा॥जाइपव
नसुतनाएउमाथा॥लागाकहनरामगुणगाथा॥होतमहारणरामरा
वणहि॥जीतहिंराममनसंशयपामहि॥ इहांभयेमैंदेखौभाई॥ज्ञान
दृष्टिबलमोहिश्रधिकाई॥मांगाजलतेइदीह्नकमंडल॥कहकपिनहिं
श्रघाउंथोरेजल॥सरमज्जनकरिश्रातुरश्रवहु॥दीक्षादेउज्ञानजेहि
पावहु॥दोहा॥सरपैठतकपिपदगहा॥मकरीतबश्रकुलान॥मारीसो
धरिदिव्यतनु॥चलीगगनचढीयान॥२४७॥चौपाई॥कपितबदरश
भइनिष्पापा॥मिटीतातमुनिवरकीशापा॥मुनिनहोइयहनिशिचरघो
रा॥मानहुसत्यबचनकपिमोरा॥श्रसकहिगईश्रपसराजबहीं॥नि
शिचरनिकटगएउकपीतबहीं॥कहकपिमुनिगुरुदक्षिणालेहु॥पा
छेहमोहिंमंत्रतुमदेहू॥शिरलंगूरलपेटिपछारा॥निजप्रकटेसिमरती
बारा॥रामरामकहिछोडेसिप्राणा॥सुनिमनहर्षिचलेहनुमाना॥दे-
खाशैलनश्रौषधीचिह्ना॥सहसाकपिउपारिगिरिलीन्हा॥गहिगिरि
नभपथधावतभएउ॥श्रवधपुरीऊपरकपिगएवो॥दोहा॥देखाभर
तबिशालश्रति॥निशिचरमनश्रनुमानि॥बिनफलशरतेहिमारेउ॥चाप
श्रवणलगितानि॥२४८॥ ॥चौपाई॥ ॥परेउमूर्छिमहिलागतशाय
क॥सुमिरतरामरामरघुनायक॥सुनिप्रियबचनभरतउठिधाये॥क
पिसमीपश्रतिश्रातुरश्राये॥बिकलबिलोकिकीशउरलावा॥जागतनहिंब
हुभांतिजगावा॥मुखमलीनतनभएउदुखारी॥कहतबचनभरिलोच
नवारी॥जेहिबिधिरामबिमुखमोहिंकीन्हा॥तेहिपुनियहदारुणदुख
दीन्हा॥जौंमोरेमनबचश्ररुकाया॥प्रीतिरामपदकमलश्रमाया॥तौ-
कपिहोउबिगतश्रमशूला॥जौंमोपररघुपतिश्रनुकूला॥बचनसुनतउठि
बैठकपीशा॥कहिजयजयतिकोशलाधीशा॥ ॥सोरठा॥ ॥लीन्हक

पिहिउरलाइ॥ पुलकगात्तलोचनसजल॥प्रीतिनहृदयसमाई॥सु
मिरिरामरघुकुलतिलक॥२४९॥चौपाई॥तातकुशलकहुसुखनि
धानकी॥सहितअनुजअरुमातुजानकी॥कपिसबचरित्तसमासकब-
खाने॥भयेदुखितमनमहंपछिताने॥अहहदैवमैकतजगजाएउ॥प्र
भुकेएकौकाजनआएउ॥जानिकुअवसरमनधरिधीरा॥पुनिकपि
सनबोलेबलबीरा॥तातगहरुहोइहितोहिजाता॥काजनशहिहोतपर
भाता॥चढममशायकशैलसमेत॥पठवौतोहिजहंकृपानिकेता॥सुनि
कपिमनउपजाअभिमाना॥मोरभारचलहिकिमिबाना॥रामप्रतापबि
चारिबहोरी॥बंदिचरबोलेउकरजोरी॥तवप्रतापउररारिवगोसांई॥जैहौ
नाथबाएकीनाई॥हर्षिभरततबआयसुदीन्हा॥पदशिरनाइगमनक
पिकीन्हा॥दोहा॥तवप्रतापउररारिवतबप्रभु॥जैहौनाथतुरंत॥अ
सकहिआयसुपाइपद॥बंदिचलेहनुमंत॥२५०॥ ॥छंद॥ ॥
मनहिमनधनधन्यगावतपवनतनुनभपथचले॥धरिध्यानहरिपद
कमलहियजियजासुरघुपतिअतिभले॥२४॥जेहिहेतजपतपकरतकु



शआसनजटाशिरजूटहै॥जयजयसदारघुवीरकीयहिसत्यअरुस
त्यकूटहै॥२५॥ दोहा॥ ॥भरतबाहुबलशीलगुणप्रभुपदप्रीति

अपार ॥ जासुसराहतमनहिमन ॥ पुनिपुनिपवनकुमार ॥ १५१ ॥ चौपाई ॥ ॥ उहारामलक्ष्मणहिनिहारी ॥ बोलेवचन मनुजअनुसारी ॥ अर्धरातिगइकपिनहिआवा ॥ रामउठाइअनुजउरलावा ॥ शकहुनदुखितदेखिमोहिकाऊ ॥ बंधुसदातवमृदुलसुभाऊ ॥ ममहितलागितजेहुपितुमाता ॥ सहेउविपिनहिमआतपबाता ॥ सोअनुरागकहाअवभाई ॥ उठहुविलोकिमोरिविकलाई ॥ जौंजानतबनबंधुबिछोहू ॥ पितावचननहिंमनतेउओहू ॥ सुतवितनारिभवनपरिवारा ॥ होहिंजाहिंजगबारहिंबारा ॥ असबिचारिजगजागहुताता ॥ मिलहिनजगतसहोदरभ्राता ॥ यथापंखबिनुखगअतिदीना ॥ मणिबिनुफणिकरिवरकरहीना ॥ असममजीवनबंधुबिनुतोही ॥ जोजडदैवजिआवैमोही ॥ जैहोंअवधकवनमुखलाई ॥ नारिहेतुप्रियबंधुगँवाई ॥ बरुअपयशसहतेउजगमाहीं ॥ नारिहानिविशेषक्षतिनाहीं ॥ अवअपलोकशोकसुततोरा ॥ सहैकठोरनिठुरउरमोरा ॥ निजजननीकेएककुमारा ॥ तातत्तासुतुमप्राणअधारा ॥ सौंपेसिमोहितुमहिंगहिपानि ॥ सबविधिसुखदपरमहितजानी ॥ उत्तरकाहिदैहौंकाजाई ॥ उठिकिनमोहिसमुझाबहुभाई ॥ बहुविधशोचतशोचबिमोचन ॥ श्रवतसलिलराजिवदललोचन ॥ उमाअखंडएकरघुराई ॥ नरगतिभक्तिकृपालुदेखाई ॥ सोरठा ॥ प्रभुबिलापसुनिकान ॥ बिकलभयेउवानरनिकर ॥ आइगएउहनुमान ॥ जिमिकरुणामहवीररस ॥ १५२ ॥ चौपाई ॥ हर्षिरामभेटेहनुमाना ॥ अतिकृतज्ञप्रभुपरमसुजाना ॥ तुरतवैद्यतबकीन्हउपाई ॥ उठिबैठेउलक्ष्मणहरषाई ॥ हृदयलाईभेटेप्रभुभ्राता ॥ हर्षसकलभालुकपिव्राता ॥ पुनिकपिशैलवैदपहुंचावा ॥ जेहिविधिजाहितहांतेलावा ॥ यहवृत्तांतदशाननसुनेऊ ॥ अतिविषादपुनिपुनिशिरधुनेऊ ॥ व्याकुलकुंभकर्णपहगएउ ॥ करिबहुयतनजगावतभएउ ॥ जागानिशिचरदेखियकैसा ॥ मानहुकालदेहधरिबैसा ॥

॥कुंभकर्णपूछासुनुभाई॥काहेतबसुखरहासुकाई॥कथाकहीसब
तेहींअभिमानी॥जेहिप्रकारसीताहरिआमी॥तातकपिननिशिचरसं
हारे॥महामहायोधासबमारे॥दुर्मुखसुररिपुमनुजअहारी॥भटअति
कायअकंपनभारी॥अपरमहोदरआदिकवीरा॥परेसमरमहंसबरण
धीरा॥दोहा॥सुनिदशकंधरकेबचन॥कुंभकर्णबिलखान॥जगदंबा
हरिआनिशठ॥अबचाहसिकल्यान॥२५३॥चौपाई॥भलनकीन्हतैंनि
शिचरनाहा॥अबमोहिआनिजगायेहुकाहा॥अजहुंताततयागूअभि
माना॥भजहुंरामहोहिंहिंकल्याना॥हैदशशीशमनुजरघुनायक॥जा
केहनुमानसेपायक॥अहहबंधुतैंकीन्हखोटाई॥प्रथमहिंमोहिनसुनावौ
हुआई॥कीन्हेहुप्रभुबिनोदतेहिदेवक॥शिवविरंचिसुरजाकेसेवक॥ना
रदमुनिमोहिज्ञानजोकाहा॥कहतेउंतोहिसमयनिर्वाहा॥अबभरिअंक
भेंटुमोहिभाई॥लोचनसुफलकरौंमैंजाई॥श्यामगातसरसीरुहलोच
न॥देखौंजाइतापत्रयमोचन॥दोहा॥रामरूपगुणसुमिरिमन॥मग
नभएउक्षणएक॥रावणमांगेकोटिघट॥मदअरुमहिषअनेक॥चौपा
ई॥ ॥महिषखाइकरिमदिरापाना॥गर्जेउबज्राघातसमाना॥कुंभकर्ण
दुर्मदरणरंगा॥चलेउदुर्गतजिसेननसंगा॥देखिबिभीषणआगेआए
उ॥परेउपदगहिनिजनामसुनाएउ॥अनुजउठाइहृदयतेंहिलावा॥र
घुपतिभक्तजानिमनभावा॥तातलातमोहिरावणमारा॥कहतपरममं
त्रहितबिचारा॥तेहिग्लानिरघुपतिपहिंआयेऊं॥दीनजानिप्रभुकेमन
भायेऊं॥सुनुसुतभयेउकालबशरावण॥सोकिमिमानैतोरशिखावन॥
धन्यधन्यतैंधन्यबिभीषण॥भयहुतातनिशिचरकुलभूषण॥बंधुबंशतैं
कीन्हउजागर॥भजेहुरामशोभासुखसागर॥दोहा॥बचनकर्ममनक
पटतजिभजहुतातरघुबीर॥जाहुननिजपरसूझमोहि॥भयेउंकालब
शबीर॥२५४॥चौपाई॥बंधुबचनसुनिचलाबिभीषण॥आएउजहं

त्रैलोक्यविभूषण॥नाथभूधराकारशरीरा॥कुंभकर्णआवतरणधीरा
॥इतनाकपिनेसुनाजबकाना॥विकलकिलाइधायेबलवाना॥लियेउ
ठाइबिटपअरुभूधर॥कटककटाइडारहिंनाऊपर॥कोटिकोटिगिरिशि
खरवौप्रहारा॥डारहिंनेहिपरएकहिवारा॥मरेनमनतनुटरैनहिंटारे॥जि
मिगजआकफलनकेमारे॥तबमारुनसुतमुष्टिकहनेऊ॥परेउधरणि
व्याकुलशिरधुनेऊ॥पुनिउठतेंमारेउहनुमंता॥घूर्णितभूतलपरेउतुरंता॥
पुनिनलनीलहिअवनीपछारेसि॥जहंनहंपटिकिपटिकिभटमारेसि॥च
लीबलीमुखसेनपराई॥अनिभयत्रसिननकोउसमुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥
॥अंगदादिकपिमूर्च्छित॥करिसमेनसुग्रीव॥कांखदाबिकपिराजक
हं॥चलाअमितबलसींव॥२५६॥ ॥चौपाई॥ ॥उमा
करतरघुपतिनरलीला॥खेलगरुडजिमिअहिगणमीला॥भृकुटीबि
लासजोकालहिखाई॥नाहिकिऐसीसोहलराई॥जगपावनकीरतिबि
स्तरहीं॥गाइगाइनरभवनिधितरहीं॥मूर्छागईमारुनसुजागा॥सुग्री
वहितबखोजनलागा॥कपिराजहुकरमूर्छाबीती॥निबुकिगयेतिहिमृत
कप्रतीती॥काटेसिदशननासिकाकाना॥गर्जिआकाशचलातेंहिजाना॥
पहेंसिचरणधरिधरणीपछारा॥अतिलाघवपुनिउठिनेहिमारा॥पुनि
आएउप्रभुपहंबलवाना॥जयतिजयतिजयकृपानिधाना॥नाककानका
टेतेंहिजानी॥फिराक्रोधकरिमानिगलानी॥सहजभीमपुनिबिनुश्रुति
नासा॥देखनकपिदलउपजीत्रासा॥ ॥दोहा॥ ॥जयजयरघुवंशमणि
॥धायेकपिकरहूह॥एकहिवारजोतासुपर॥छांडेगिरिनरुजूहा॥
२५७॥ ॥चौपाई॥ ॥कुंभकर्णरणरंगविरुद्ध॥सनमुखचलाकालजि
मिक्रुद्धा॥कोटिकोटिकपिधरिधरिखाई॥जनुटिडीगिरिगुहासमाई॥
कोटिनगहिशरीरसनमर्दा॥कोटिनमींजिमिलायेसिगर्दा॥मुखनासि-
काश्रवणकीबाटा॥निकसिपराहिभालुकपिठाटा॥रणमदमत्तनिशाचर

दर्पा ॥ मानहुविभ्यग्रसनकहंअर्पा ॥ सुरेकभटरणफिरहिंनफेरे ॥ सुअनन
यनकनैनहिंटेरे ॥ कुंभकरणकपिफौजबिदारी ॥ सुनिधायेरजनीचरकारी
॥ देखारामबिकलकटकाई ॥ रिपुअनीकनानाबिधिआई ॥ ॥दोहा॥
॥सुनुसौमित्रबिभीषण ॥ सकलसंभारहुसयन ॥ मैंदखौंखलबलद
लहिं ॥ बोलेराजीवनयन ॥ १५८ ॥ ॥चौपाई॥ ॥करशरधनुषसाजि
कटिमाथा ॥ अरिदलदलनचलेरघुनाथा ॥ प्रथमकीन्हप्रभुधनुषटंकोर
॥ रिपुदलबधिरभयेकनिसोरा ॥ धनुसंधानिचढेशरलक्षा ॥ कालस
र्पजनुचलेसपक्षा ॥ जहंतहंविपुलबनेनाचार ॥ लागेकटनभटबिकटपि
शाचा ॥ काटहिंचरणउरशिरभुजदंडा ॥ बहुतेकवीरहोहिंशतखंडा ॥ घू
मिघूमिघायलमहिपरहिं ॥ उठहिंसंभारिकभटफिरिलरहीं ॥ लागत
बाणजलदजिमिजांगहिं ॥ बहुतेकदेखिकठिनशरभाजहिं ॥ रुंडप्रचंड
मुंडबिनुधावहिं ॥ धरुधरुमारुमारुगोहरावहिं ॥ ॥दोहा॥ ॥क्षण
महंप्रभुकेशायकन ॥ काटेबिकटपिशाच ॥ पुनिरघुपतिकेतूणमहं ॥
प्रबिशेसबनाराच ॥ १५९ ॥ ॥चौपाई॥ ॥कुंभकर्णमनदीखबिचा
री ॥ क्षणमहंहतेनिशाचरभारी ॥ भएउक्रोधदारुणबलवीरा ॥ करिमृ
गनायकनादगभीरा ॥ कोपिमहीधरलियेउउपारी ॥ डारेसिजहंमर्कटभ
टभारी ॥ आवनदेखिशैलप्रभुभारे ॥ शरनिकाटिरजसमकरिडारे ॥ पु
निधनुतानिकोपिरघुनायक ॥ छोडेअतिकरालबहुशायक ॥ तनुमहंप्र
बिशीनिसरिशरजाहीं ॥ जिमिदामिनिघनामाहंसमाहीं ॥ शोणित-
स्रवतसोहतनुकारे ॥ जिमिकज्जलगिरिगेरुपनारे ॥ बिकलबिलोकिभा
लुकपिधाए ॥ बिहंसाजबहिंनिकटचलिआए ॥ ॥दोहा॥ ॥गर्जत
धायेउवेगअति ॥ कोटिकोटिगहिकीश ॥ महिपटकैगजराजइव ॥ शप
थकरैदशशीश ॥ १६० ॥ चौपाई ॥ भागेभालुकपिनकेयूथा ॥ प्रबलप
वनजिमिमेघबरूथा ॥ चलेभालुकपिभागिभवानी ॥ बिकलपुकारत

आरतबानी।।यहनिशिचरदुकालसमअहई।।कपिकुलदेशपरनअब
चहई।।कृपावारिधररामखरारी।।पाहिपाहिप्रणतारनिहारी।।सक
रुणावचनश्रुनतभगवाना।।चलेसुधारिशरासनबाना।।रामसेननि
जपाछेंघाली।।चलेसकोपिमहाबलशाली।।खैंचिधनुषशरसतसंधाने
।।छूटेतीरशरीरसमाने।।लागतधरधावारिसभरा।।कुधरडगमगेउडो
लतीधरा।।लीन्हातेंइएकशैलउपारी।।रघुकुलतिलकभुजासोइकाटी
।।धावावामबाहुगिरिधारी।।प्रभुसोउभुजाकाटिमहिडारी।।काटेभुज
सोहैखलकैसे।।पक्षहीनमंदरगिरिजैसे।।उग्रबिलोकनिप्रभुहिबिलोका
।।मानहुग्रसनचहतत्रैलोका।।दोहा।। ।।करिचिकारअतिघोररव।।धावे
बदनपसारि।।गगनसकलसुरत्रासअति।।हाहाकरतपुकारि।।२६२
।।चौपाई।। ।।सभयदेवकरुणानिधिजाने।।श्रवणप्रजंतशरास
नताने।।छोडेविशिखखनिकरमुखभरेऊ।।तदपिमहाबलभूमिनप
रेऊ।।शरनभरामुखसनमुखधावा।।कालत्रोणसजीवजनुआवा।।
तबप्रभुकोपितीव्रशरलीन्हा।।धरतेभिन्नतासुशिरकीन्हा।।सोशिरप
रादशाननआगे।।बिकलभएउजिमिफणित्यागे।।धरणिधसैधरधा
वप्रचंडा।।तबप्रभुकाटिकीन्हदुइखंडा।।परौभूमिजिमिनभतेभूधर।।
हेठदाबिकपिभालुनिशाचर।।तासुतेजप्रभुबदनसमाना।।सुरमुनिस
बहिंअचंभवमाना।।नभदुंदुभीबजावहिंहर्षहिं।।जयजयकरिप्रसून
सुरवर्षहिं।।करिबिनतीसुरसकलसिधाए।।तबलोहिसमयदेवऋषिआ
ए।।गगनोपरिहरिगुणगणगाये।।रुचिरबीररसप्रभुमनभाये।।बेगि
हातहिखलमुनिकहिगएऊ।।रामसमरमहिंशोभितभएऊ।।छंद।।
संग्रामभूमिबिराजरघुपतिअतुलबलकोशलधनी।।श्रमबिंदुमुखरा
जीवलोचनरुचिरतनुशोणितकनी।।२६।।भुजयुगलफेरतशरसरा
सना।।भालुकपिचहुंदिशिवने।।कहदासतुलसीकहिनशकछबिशेष

जेहिश्रानन्यघने ॥ ९७॥ दोहा॥ ॥ निशिचरअधमलायतन ॥ नाहि दीननिजधाम ॥ गिरिजातेनरमंदमति ॥ जेनभजहिंश्रीराम ॥ १६२॥ ॥ चौपाई ॥ दिनकेअंतफिरिदोउअनी ॥ समरभएसुभटनश्रमघनी ॥ रामकृपाकपिदलबलवाढा ॥ जिमितृणपाइअनलअतिगाढा ॥ छीजहिंनिशिचरदिनअरुराती ॥ निजमुखधर्मकहेजेहिभांती ॥ बहुबिलापदशकंधरकरई ॥ पुनिपुनिबंधुशीशउरधरई ॥ रोवहिंनारिहृदयहतिपानी ॥ तासुतेजबलविपुलबखानी ॥ मेघनादतेहिअवसरआवा ॥ कहिबहुकथापिताहिंसमुझावा ॥ देखिहुकाल्हिमोरिमनुसाई ॥ अबहिंबहुतकाकरौंबडाई ॥ इष्टदेवसनजोबरपाएउं ॥ सोबलतातनतुम्हहिसुनाएउं ॥ एहिबिधिजल्पतभएउबिहाना ॥ लगेभालुकपिचहुंदिशिनाना ॥ इतकपिभालुकालसमवीरा ॥ उतरजनीचरअतिरणधीरा ॥ लरहिंनिशाचरनिजजयहेतू ॥ बरणिनजाइसमरखगकेतू ॥ दोहा ॥ मेघनादमायामय ॥ रथचढिगएउअकाश ॥ गर्जेअट्टहासकरि ॥ भईकपिदलअतित्रास ॥ १६३॥ चौपाई ॥ शक्तिशूलशरपरिघकृपाणा ॥ असनसस्त्रकुलिशायुधनाना ॥ डारेपरशुप्रचंडपाषाणा ॥ अस्त्रशस्त्रवृष्टिकरैबिधनाना ॥ दशदिशिरहेउबाणनभछाई ॥ मानहुंमघामेघझरिलाई ॥ धरुधरुमारुसुनहिंकपिकाना ॥ जोमारेतेहिकोउनजाना ॥ गहिगिरितरुआकाशकपिधावहि ॥ देखहिंनेहिनदुखितफिरीआवहि ॥ अवघटघाटबाटगिरिकंदर ॥ मायाबलकीन्हेसिशरपंजर ॥ जाहिकहांब्याकुलभएबंदर ॥ सुरपतिबंदिपरेजनुमंदर ॥ पुनिलक्ष्मणसुग्रीवबिभीषन ॥ शरनमारिकीन्हेसिजर्जरतन ॥ पुनिरघुपतिसनजूझनलागा ॥ शरछांडतहोइलागहिंनागा ॥ ब्यालपाशबशभएउखरारी ॥ अबिगतअजितएकअबिकारी ॥ नटइवचरितकरतविधिनाना ॥ सदास्वतंत्ररामभगवाना ॥ रण

शोभालगिअपुबधावा॥देखिदशादेवनभयपावा॥दोहा॥गिरि
जाजाकरनामजपि॥मुनिकाटहिंभवपाश॥सोप्रभुआवकीबंधतर
॥व्यापकविश्वनिवास॥चौपाई॥चरितरामकेसुनहुभवानी॥तरकि
नजाइबुद्धिमनबानी॥असबिचारिजोपरमबिरागी॥रामहिंभजहिंतर्क
सबत्यागी॥व्याकुलकटककीन्हघननादा॥पुनिभाप्रकटकहतदुर्वा
दा॥जांबवतकहखलरहुठाढा॥सुनिकैताहिक्रोधअतिबाढा॥बूढ
जानिशठछाडेउतोहीं॥लागेसिअधमपचारणमोहीं॥असकहितरल
त्रिशूलचलावा॥जांबवंतसोकरगहिधावा॥मारेसीमेघनादकेछाती
॥पराधरणिघूर्णितसुरघाती॥पुनिरिसाइगहिचरणफिरावा॥वर
प्रसादसोमरैनमारे॥तवपदगहिलंकापरडारा॥इहांदेवऋषिगरुड
पठावा॥प्रभुसमीपअतितुरतसोआवा॥ ॥दोहा॥ ॥खगपतिधरि
सबखाएउ॥मायानागबरूथ॥मायाबिगतभएउसब॥हर्षेवानरयू
थ॥२६५॥गहिगिरिपादपउपलनख॥धायेकीशरिसाइ॥चलेतमी
चरबिकलअति॥गढपरचढेपराइ॥२६६॥ ॥चौपाई॥ ॥मेघनादकै
मूर्छाजागी॥पितहिविलोकिलाजअतिलागी॥तुरतगएउगिरिवरकं
दरा॥करहुंअजयमखअसमनधरा॥सोशुधिपाइबिभीषणकहई॥
सुनुप्रभुसमाचारअसअहई॥मेघनादमखकरैअपावन॥खलमा
यावीदेवसतावन॥सोप्रभुसिद्धहोइजौपाइहि॥नाथबेगिरिपुजीति
नजाइहि॥सुनिरघुपतिअतिशयसुखमाना॥बोलिलियेअंगदहनुमा
ना॥लक्ष्मणसंगजाहुसबभाई॥यज्ञविधांसकरहुतुमजाई॥तुम
लक्ष्मणरणमारेहुओही॥देखिसभयसुरबडदुखमाही॥जांबवंत
कपिराजबिभीषन॥सेनसमेतरहहुतीनाजन॥जबरघुवीरदीन्ह
अनुशासन॥कटिनिषंगकरबाणशरासन॥प्रभुप्रतापउरधरिरण
धीरा॥बोलेउघनइवगिरागभीरा॥जौंतेहिआजबधेबिनुआवौं॥

तौरघुपतिसेवकनकहावा॥जौशतशंकरकरहिंसहाई॥तदपिहु तौरघुबीरदोहाई॥ दोहा॥ ॥बंदिरामपदकमलयुग॥चलेतुरतअनंत॥अंगदनीलमयंदनल॥संगसुभटहनुमंत॥ १६७॥ चौपाई॥ जाइकपिनदेखासोबैसा॥आहुतिदेतरुधिरअरुभैंसा॥तबकपिनकृतयज्ञविधासा॥जबनउठैतबकरहिंप्रशंसा॥तदपिनउठैधरहिंकचजाई॥लातनहतिहतिचलहिंपराई॥लैत्रिशूलधावाकपिभागे॥आवारामअनुजकेआगे॥आवतपरमक्रोधकरिमारा॥गर्जिघोररबबारहिंबारा॥कोपिमरुतसुतअंगदधाये॥हतित्रिशूलउरधरणिगिराये॥प्रभुपरछाडेसित्रिशूलप्रचंडा॥शरहतिकृतअननयुगखंडा॥उठिबहोरिमारुतयुवराजा॥हतेउकोपितेहिघाउनबाजा॥फिरेबीररिपुमरैनमारा॥पुनिधावाकरिघोरचिकारा॥आवबदेखीक्रुद्धजनुकाला॥लक्ष्मणछांडेविशिखकराला॥आवतदेखिबज्रसमबाना॥तुरतभयोखलअंतरधाना॥बिबिधबेषधरिकरैलराई॥कबहुंप्रकटकबहुंदुरिजाई॥तबत्रिशूलडारेसिलक्ष्मणपर॥काटिकीन्हेशतखंडधरेणिधर॥शिखरएकलैपुनिसोधायो॥रामअनुजसोकाटिखिरायो॥दोहा॥आयुधबिबिधप्रकारकिय॥रजसमकीन्हफणीश॥बिस्मयहर्षसणहिंसुण॥बिबुधसहितसुरईश॥१६८॥ ॥ चौपाई॥ ॥बिबिधायुधसोछांडनलागा॥रणकाननछूटहिंजिमिनागा॥रामअनुजशरगरुडसमाना॥उमाग्रसतछूटतअभिमाना॥देखिअजयरिपुडरपेकीशा॥परमक्रुद्धतबभएउअहीशा॥लक्ष्मणमनअसमंत्रदृढावा॥एहिपापीमैंबहुतखेलावा॥सुमिरिकोशलाधीशप्रतापा॥शरधानकीन्हकरिदापा॥देखियजिमिरविउदयसमाना॥फुंकरमनहुंब्यालअनुमाना॥छाडेउबाणमाझउरलागा॥मरतीबारकपटसबत्यागा॥ शीशपरेउधरणिपरजबई॥भुजादा

नीनभसोगवई॥घनसमानसोगर्जिअभागा॥शीसभुजाकाटेनृपना



गा॥ ॥दोहा॥ ॥रामअनुजकहिरामकहि॥असकहिछाडेसि
प्राण।धन्यशक्रजिनजननितव॥कहअंगदहनुमान॥१६९॥चौपा
ई॥जोजगकहदंडकयमदंडा॥हरिद्रोहीसुतसमरप्रचंडा॥महिमा
अमितमहाबलसीवा॥जासुप्रतापअथयदशग्रीवा॥भुजबलसुरनाय
कवशकीन्हा।चौदहभुवनजीतियशलीन्हा॥रिपुतरुलखणमूलखनि
गजेऊ॥जिमिगजकमलनालगहिभजेउ॥जिमिवासवगहिकुलीशक
राला॥कीन्हविकलगिरिपक्षबिहाला॥रणसागरमहपरेउशीरा॥न
रैदारुजिमिरुधिरस्रमिरा॥दंतविकटमुखपरमभयावन॥त्रिकुरस
घनमुखअशक्रमभयावन॥रसनाललरंगजनुजावक॥दबकीशिखा
सोहजनुपावक॥पाइस्रआयस्रऋषभकपीशा॥गरगहिलीन्हदुष्ट
करशीशा॥दोहा॥करिश्रममारेउमहारिपुहिं॥रामानुजरणधीर॥
बिडरस्रमनवर्षहिंविबुध॥कहिजयगिरागंभीर॥१७०॥चौपाई॥ ॥
कहाअनंतसुनहुकपिवीरा॥लंकपहुचावहुएहशरीरा॥बिनुभयासह
नुमानउठावा॥लंकाद्वाररराखिपुनिआवा॥नास्रमरणसुनिसुरगंध

वाँ॥चढिविमानआएनभसर्वा॥वर्षिंसुमनदुंदुभीबजावहिं॥जयअ
नंतजयजगदाधारा॥प्रभुतुमसबदेवननिस्तारा॥अस्तुतिकरिसुरसि
द्धसिधाए॥लक्ष्मणकृपासिंधुपहिंआए॥सुनबधसुनादशाननजब
हीं॥मूर्छितभरेउपरेउमहितबही॥मंदोदरिरुदनकरिभारी॥उरता
डतबहुभांतिपुकारी॥नगरलोकसबव्याकुलशोचा॥सकलकहहिंदश
कधरपोचा॥दोहा॥तबदशकंठविविधिविध॥समुझाईसबनारि॥न
श्वररूपजगतसब॥देखहुहृदयविचारि॥२७१॥चौपाई॥तिन्हहिज्ञा
नउपदेशारावण॥आपुनमंदकथासुभपावन॥परउपदेशकुशलब
हुतेरे॥जेआचरहिंतेनरनघनेरे॥प्रभुहिविलोकीसीशपदनाएउ॥उ
ठिप्रभुहर्षिअनुजउरलाएउ॥कृपादृष्टिअनुजहिप्रभुहेरा॥विगतघा
यकीन्हेउंकरफेरा॥बाणबेधदेखियतनुकैसे॥कनकतूणशरपूरित
जैसे॥मुखप्रसन्नतादेखिमिलेसब॥रिपुवधकहेउविभीषणहीन्-
व॥धरनेंहिंसीसआनिप्रभुआगे॥बानरभालुविलोकनलागे॥प्रभुकौ
तुकीबिलोकेउशीशा॥राखनकहेउकोशलाधीशा॥दोहा॥प्रभुआ
यसुस्कनिकीशपति॥राखेउयतनकराइ॥कटकसहितरघुवंशम
णि॥सोभितदोनौभाई॥२७२॥चौपाई॥कृपादृष्टिकपिभालुनिहा
रे॥भयेश्रमरहितरामबैगरे॥सुनहुउमाएहिविधरिपुमारे॥सुर
नरमुनिसबभयेसुखारे॥अबसोसुनहुबाहतिहिंकेरी॥खगज्योंलं-
कागईशरप्रेरी॥मेघनादआंगनमहिपरी॥बाणविद्धिशोणितसो-
भरी॥राजनितहांसुलोचनबैसी॥रतितेरुचिररूपगुणजैसी॥नाग
सुतादशकंठपनोह॥वासवरिपुतियछविमयजोहू॥हेमसिंहासन
सोहतिबाला॥सेविहिविद्याधरितियमाला॥पूजाहिविबुधविनयक
रिताही॥सुखप्रमोदकोशकहिसराहि॥तहंपतिभुजापरीएहिभांती॥
मनहुंसकलकल्पतरुकीकांती॥दोहा॥निहिंदिशिदासीदेखिकह॥

शोणितवस्त्रभुजदंड॥भएउसमरआश्चर्यमय॥मनहुअखंडलखंड॥२७३॥चौपाई॥सुनिकेसकलसुखीसुखबयना॥तजिसिंहासनउठीस्रुनयना॥नारिसुभावधकधकीधरकी॥सूचकअशुभदक्षिणभुजफरकी॥होतमहारणरावणरामहिं॥वीरधुरीणमोरप्रियनामहीं॥सकलस्रुरासुरशकहिनजूझी॥बिधिकोमतोपरैनहिबूझी॥इननाकहतिगईचलिआपू॥पतिभुजलखिकरिकोटिबिलापू॥कंकणमणिगणभूषणसोई॥महाबिटपसमआननहोई॥देखतिमनहिनआवननेही॥तासुप्रभावसुनापहिलेही॥नीदनारिभोजनपरिहरई॥बारहबरषतासुकरमरई॥दोहा॥करिबिचारमनठीकदै॥मैपतिदेवतनारि॥भुजालिखिमेटहुदुखितई॥सुनिकरदीन्हपसारि॥२७४॥॥चौपाई॥ ॥लखिरुखतासुसखीउठिधाई॥तुरतहिखोजिखरीलैआई॥दीनहाथपरमाणिअंगनाई॥लिखतलिखणकीरतिरुचिराई॥नीदनारिभोजनशनकोटिक॥तजैतासुमहिमायहछोटिक॥अक्षयअव्ययअजअबिनाशी॥अतुलअमितघटघटकेबासी॥प्रकटहिंपालहिंपुनिजगहरहीं॥त्रिगुणरूपत्रयमूरतिकरहीं॥जोकालहुकरकालभयंकर॥वरणतसुयशशारदाशंकर॥धरहिंबिबुधतनुसेवकहेतू॥जासुनामभवसागरसेतू॥मुनिमनपुंडरीकजाकेघर॥बचनबिबेकबिचारबुद्धिपर॥दोहा॥कोटिकल्पवरणतनिगम॥आगमजासुगुणगाथ॥तमशरीरजडजीहबिनु॥किमिवरणौलिखिहाथ॥२७५॥जैसेदीनदीनदयालप्रभु॥सदाधर्मकेशीव॥तासुअनुजतुवकरिकृपा॥भुजगपतीईदीव॥२७६॥चौपाई॥ ॥ममशिरगएउदरशरघुराई॥तबबचननलगिभुजापठाई॥एहिविधलिखीसकलभुजबाता॥परीभूमिनलअतिविलपाता॥बांचिसकलभुजलिखाजथारथ॥लक्ष्मणरामजानिपरमारथ॥नारिस्वभावतदपिबहुभांती॥बिलपहिंमिलि

सखीयक्षीपांती॥गुणगणसाहसशीलनाहको॥कहिरोवहिवलबि
जयबाहको॥जिहिभुजबलसुरनाथविगोए॥सोमभुम्राजुसमरमाहिं
सोए॥मणिगणभूषणबसनाबिसारहिं॥महिलोटहिंकरतलसिरमार
हिं॥मगन्शोकसरित्तनशुधिनाहीं॥दारुणविपतिकहोंकिहिपाही॥
क्षणकप्रबोधसखीकोउकरई॥बहुरिशोकदावानलजरई॥ क्षणक्ष
णउठतिपरतिधरणीतल॥पुनिरोवहिसराहिपतिकरबल॥दोहा॥
तिनमहसखीसयानिएक॥कहिससुझाईवैन॥शोकछांडिपतिदेव
ता॥ऋमतिकरियजियचैन॥ २७७॥चौपाई॥सुनिकहुसहसाननन
नुजाना॥सत्यकहातुह्मसखीसुवाता॥विधिनिर्मितसोकहदुखला
हू॥ऋखपरिभुवनसबकाहू॥बिजयरामलक्ष्मणकहंम्राएउ॥ऋ-
येशसकलमर्कटकुलपाएउ॥कुलकलकबडलहेउविभीषण॥कुल
कुठारऋससुनेउनदीषण॥छूटिबंदिम्रवसुरगणकेरी॥निजनिजपुर
नदुहाईफेरी॥मुनिपुलस्त्यकरमाकुलनाशा॥म्रबरविशशिकरहिप्र
काशा॥तेजवंतपावकपरिहरिदुख॥वहहिसमीरम्राजुम्रपनेसुख॥
सलिलगगनभूनिर्मलम्राजू॥ऋबसबसहिंऋरनायकराजू॥दोहा॥
यमकुबेरदिक्पालसब॥प्रमुदितसुरनरनाग॥खायम्रघायविहायदु
ख॥पायऋयज्ञविभागा॥ २७८॥ ॥चौपाई॥ ॥ इतनाकहमंदिरमें
हम्राई॥देखतिमणिगणधनबहुताई॥सुरपतिभवनपारतरताई॥
ऋद्धिसिद्धिजबसकलकमाई॥देखतविषयनमनम्रनुरागेउ॥पति
पदनेहनिपुणमनलागेउ॥दीह्ममणिगणभूषणचीरा॥धेनुधरणिग
जहाटकहीरा॥मणिमयशिबिकारचेउबनाई॥भुजचढाइपहिराबब-
नाई॥म्रापुनुचढतिभईनहम्राई॥सुरदुर्लभसुखसदनसुविहाई॥
वीतरागजिमिनजाहिंविषयगन॥सहसभांतिपतिपदलागेउमन॥ शु
कसारिकासुलोचनम्राए॥कनकपींजरनराखिपदाए॥व्याकुलकहहि

नेकहास्नयना ॥ सुनिधीरजपरिहिहरियसुवयना ॥ भयेविकलखगमृ
गएहिमांति ॥ अपरदशाकेसेकहिजाती ॥ प्रजालोगआतुरसंगलागे ॥
प्रेमउमगिलोचनजलपागे ॥ ॥दोहा॥ ॥बाजनलगेनिसाणगण ॥ ढोल
दुंदुभीभेरी ॥ पुरजनपरिजनसंगसब ॥ चलेपालकीघेरी ॥ १७९ ॥ चौपाई ॥
देखिभीरदशकंधरद्वारे ॥ सजगहोउसबवीरप्रचारे ॥ जानाकटकरिपुनक
रआई ॥ अस्त्रशस्त्रकरधरहुबनाई ॥ धनुषचढायतूणकटिबांधहिं ॥
गहिअसिचर्मबीरवरसाजहिं ॥ तोमरपरशप्रचंडगदागहिं ॥ तीसण
चोखशूलशक्तिलहिं ॥ मारुमारुधरुधरुकहिधावहिं ॥ प्रगटदशानन
विजयसुनावहिं ॥ गर्जितर्जिकहिगिरागंभीरा ॥ समरभयंकरनिशिचर
बीरा ॥ निपटहिंनिकटपालिकीआई ॥ चीन्हिसकलमनरहेलजाई ॥ दे
खिजुद्वारिनारापतिकन्या ॥ सतीशिरोमणित्रिभुवनधन्या ॥ दोहा ॥ द्वा
रपालदशकंधरकह ॥ समयसुनाएउजाई ॥ भईरजायसुबेगिहीं ॥ लेहु
सुताहिबुलाई ॥ १८० ॥ तेहींअवसरहीसुलोचना ॥ गहेचरणशिरनाइ ॥
राखिभुजाघननादकी ॥ करुणाबचनसुनाइ ॥ १८१ ॥ चौपाई ॥ तमहि
अछतअसहालहमारी ॥ सुखतजिभएउशोकअधिकारी ॥ नभमार्ग
भुजममगृहपरी ॥ संशयजानिदीन्हकरखरी ॥ लिखीरामलक्ष्मणम
हिमाइन्ह ॥ क्रमसोंसबबिधकथाकहीतिन्ह ॥ ठगिसीरहीबांचिगुणना
था ॥ जरउसंगजोपाऊंमाथा ॥ रणकेमध्यभुजममगृहआई ॥ शिरतहं
जहंनरेसद्वौभाई ॥ करियसोजतनमिलेमोहिशीशा ॥ तुमसर्बज्ञचरा
चरईशा ॥ सुनतकुलिशसमगिराबधूकी ॥ जीवनआशदशाननमूकी ॥
तदपिधीरधरिकरतप्रबोध ॥ कहुजगमोहिसमानकोजोधा ॥ दोहा ॥
रामलक्ष्मणसुग्रीवनल ॥ नीलद्विविदहनुमन्त ॥ माथबिभीषणऋषभ
के ॥ आनौमारितुरंत ॥ १८२ ॥ ॥चौपाई॥ ॥अवलगिरहाभरोसा
भारी ॥ कुंभकर्णघननादसुरारी ॥ मेहआजुलगिकीन्हनजूझा ॥ इन्ह

सबकरपुरुषारथबूझा॥ मरेतेनखानरकेमारे॥बानसुनतबडिलाज
हमारे॥गनतीकवनवीरमहितिनकी॥अतिदुर्दशाकीनिकपिजिनकी
॥छांडिशोचकुलवधुपतोहू॥जानेउउन्हसमानजिनिमोहू॥पुनिविलंब
करहुघटिचारी॥देखहुमारिभयंकरमारी॥अनहुशीशसबशत्रुनकेरा॥
बिनुप्रयासनहिलागहिवेरा॥भुगवहिजंतुपुराकृतभोगा॥ननुकृतनि
शिचरखनचरयोगा॥ दोहा॥मेरुउपारनहारजे॥धराधराहिकरबीच-
॥तेभटखाएमशकशिशु॥कालकुटिलनानीच॥ २९३॥चौपाई॥
क्रोधावेशघमंडबलबोलहि॥हृदयशोकतरुअचलनडोलहि॥समा
धानमहिमानुनिसोई॥सुनिप्रलापपरितोषनहोई॥नरबानरपुरुषा
र्थदेखत॥बडोप्रपंचछोटकरिलेखत॥कहहिसिंधुलंकाकपिजारी॥
लघुकरिमानततनाहिसुरारी॥कुंभकर्णअतिकायमहोदर॥प्रमपति
गिरेउसंशयनसहोदर॥तेंहिरिपुचहहिदशाननजीति॥देखियम
हामोहकीरीती॥उनरदेउतौपातकहोई॥करिबिबादअबसर्वसुखो
ई॥फिरेउराजतोमोहिनकाजू॥बिनुप्रियसकलनरककरसाजू॥दो
हा॥तुरतहिउठिसुलोचना॥गइमयसुताजूपास॥पदिगहिरोवति
सबकही॥प्रगटशोकउपहास॥ २९४॥चौपाई॥आदिहितेंसबक
थाबखानी॥सुनिसुनिरोवहिरावणरानी॥कहीसोपतिभुजलिखित
बहोरी॥रामलखणमहिमानहिथोरी॥कहेउबहुरीदशकंधरक्रोधा॥
मरेहुबिडंबनकीनसोजोधा॥सुनिसोपुत्रवधुकीबानी॥बोलिदुखितमं
दोदरिरानी॥कहौसोमानवसत्यसयानी॥सुनिजानारदमुखकीबानी
॥पाछिलिबातभईसबसांची॥अनुभवकीन्हनएकौवांची॥देखिनहोइ
वृथाऋषिभाषित॥अपनेमहामोहमनमाखित॥अगिलीकथासमा
जसमेता॥सुनहुत्रिऋषिबर्णेउजेता॥वीरभाषदशकंधरजूजहि
॥प्राणहुंगयेनीतिनहिबूझहीं॥बंदभेदलंकागढटूटहि॥सुरनरनागब

दिनेंछुटहिं ॥ सियाशोकसंकटतेंछूटहिं ॥ बानरभालुराजगृहलूट
हिं ॥ धनमणिभूषणवसनविमाना ॥ भोगकरहिमर्कटकुलनाना ॥ दोहा
॥ राजबिभीषणपाइहैं ॥ अमरकल्पनिर्बाही ॥ भावीबशसुरवदुखज
गन ॥ उपदेशियकहुकाहि ॥ १९५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ मुनिवचनेनि
कीमोहिप्रतीती ॥ अनुभवसदाहारिअरुजीती ॥ तेंपुत्रीपरिहरिअ
बशोका ॥ पतिसंगतुरितसाधिपरलोका ॥ जाहिरामपहिपतिशिरला
गी ॥ तजिसंकोचआनहुशिरमांगी ॥ होवनलाजआजुकोभूषण ॥
समयहीनगुणगणीयनदूषण ॥ एकनारिव्रतरघुपतिकेरा ॥ लखण
सुजशलैसुनाघनेरा ॥ हैंप्रभुनिससुरबिभीषणतोरा ॥ बालिसुवनहैबा
लकमोरा ॥ मंत्रीजाबवंतसुग्रीवा ॥ दुबिदमयंदपनसबलसीवा ॥ जा
नीब्रह्मचर्यहनुमंता ॥ शिवस्वरूपभयहरभगवंता ॥ सदानीतिरतरा
मनरेशू ॥ तहांजातकहुकवनकलेशू ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ विदितत
हिपतिभुजलिखित ॥ लक्ष्मणरामप्रभाऊ ॥ महासत्रूषिभाषितवो
भएऊ ॥ अबविलंबनहिलाऊ ॥ १९६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सुनतसा
सुसुखकीहितबानी ॥ जाहुरामपहियहउरआनी ॥ बारबारचरणशिर
नाई ॥ चलीजहांलक्ष्मणरघुराई ॥ देखिकटकभालुकपिकेरी ॥ सिंधु
सुवेलमहीधरधेरी ॥ उमगेउमनहुमहोदधिदूसर ॥ हरितपिंगकपिधू
मिलधूसर ॥ लूमिलालमाशकीनहेरी ॥ मनहुंलेपटबडबानलकेरी ॥
स्रवनरुधिरभुजसहजभयंकर ॥ जहंतहंप्रगटहोतजनुजलधर ॥ ल
क्ष्मणशेषसंअंकशीसबीधरि ॥ कटकजलधिसोवतराघवहरि ॥ अक्ष
यवटतहँबेगबिभीषण ॥ अससुकृतीजगसुनानदीषण ॥ दोहा ॥ देख
तिहर्षसुलोचना ॥ धीरजधरतिबहोरि ॥ महाराजरघुबरकहा ॥ विनय
सुनावहुमोरि ॥ १९७ ॥ चौपाई ॥ बानरसकलउठेअसबोली ॥ अरिपु
रतेंआवतएकडोली ॥ इहजानीयरावणअबबूझा ॥ भइमतिमेघनाद

जबजूझा॥ हठनजिसीतहींदीन्हपठाई॥तजहुंशोचश्चबमिटीलराई॥जेहिलगिप्रकारकीनी पुरश्चागी॥बांधेउसेतुहेतुजेहिलागी॥सोसी ताश्चबबिनुश्रमपाई॥जानहुविविधश्चनुकूलश्चघाई॥विजयरामसुग्री वहिश्चाएउ॥सुयशसकलवानरकुलपाएउ॥बिरहरामलक्ष्मणकर छूटेउ॥बिनुप्रयासलंकागढदूटेउ॥युगयुगकीरतिहीरहेगीहमारी॥ किरतणकीतहमलघुबनचारी॥ दोहा॥ एहिविधिचारुविचारकरि॥दी नगीकमनमाही॥भएउकाजरघुराजकर॥ बातदूसरीनाहिं॥२८८॥ चौपाई॥ पैठतकटकश्चतिशयसकुचाई॥श्चनचिन्हारिजिमिपरघरजा ई॥श्चागेजाइदीखरघुबीरहि॥ छबिमयश्यामलगौरशरीरहि॥मर्कत कनकछबिहिजनुनिंदक॥सोजनधन्यउमाजेबंदक॥मत्तमयंदशुंडभुज दंडा॥धनुषबाणश्चसिधरेप्रचंडा॥उरबिशालश्चतिउन्नतकंधर॥कंबु कंठरेखाप्रसन्नतर॥मुखछबिकीउपमाकबिजोइहिं॥शशिसरोजस मकहूनसोहहीं॥दशनपांतिकीकांतिकहेको॥ललनकतमनप्रदनरांह लहैकी॥ देखतश्चधरनीकीश्चरुणाई॥बिंबाफलबधूकलजाई॥शुक तुंडहिनासिकालजावहि॥थकेसुकबिनाहिपटतरपावहि॥दोहा॥ छ बिमयगुणमयतेजमय॥रामउदधिश्चवगाह॥जहांनपावतपारसुर॥ कोबरणैकबिथाह॥२८९॥चौपाई॥भृकुटीबिकटकपोलसुहाये॥शी शजटाकेमुकुटबनाये॥भालबिशालतिलकजुतसोहई॥ध्यानसमय लखिमुनिमनमोहइ॥बल्कलबसननूणकटिबांधे॥करशरसुभगश रासनकांधे॥बीरासनश्चासनमृगछाला॥नवपल्लवप्रसूनकीमाला॥ चरणसरोजबरणिनहिंजाई॥रहेमुनिमधुकरसदालोभाई॥प्रगटभई जेहिथलेतेगंगा॥श्रुतिपुराणकहिकथाप्रसंगा॥नबहिमहेशबिरंचि जाहिकहं॥लोचनगोचरहोइकाहीकहुं॥जनश्चारतिभंजनकहजोहि त॥भवसागरतारणकहवोहित॥दोहा॥प्रणतपालबिरदावली॥जि

न्हचरणनिर्कीबानी॥शोचहरणसंशयदरण॥सकलसुमंगलखानि॥
॥१९०॥चौपाई॥करजोरेअंगदहनुमाना॥दबिदमयंदकुमुद बलवाना
॥जांबवंतकपिपतिबलशीला॥ऋषभसुषेणसहितनलनीला॥महावी
रवानरसबराजहिं॥लखणबिभीषणदुहुदिशिभ्राजहिं॥मितभा[illegible]
सर्वज्ञस्कसेवक॥चितबाहिरुखरघुनंदनदेवक॥सभामध्यशोभितरघुनं
दन॥कीन्हेसिसफलनिरखिनिजअंजन॥करतिदंडवतिशिरधरिधरणी
॥तबसबकथाबिभीषणबरणी॥पुत्रबधूदशकंधरकीहै॥पतिदेवता
स्फलोचनतीहै॥मेघनादकीनारिसुशीला॥यहगतितबबिरोधकीली
ला॥ ॥दोहा॥ ॥मुयेंज्ञानपतिभुजलिखित॥कहिसमुझाईहिबोहि
॥महाराजरघुवंशमणि॥जानतआइतोहि॥१९१॥ ॥चौपाई॥ ॥
करिप्रणामआदरनहिथोरे॥करुणाबचनकहतिकरजोरे॥आतिआतु
रआईप्रभुपाशा॥पतिकरशीसहिकीमनआशा॥देहुनाथजरहिंसों
संगा॥कीरतिहोरहहीअचलजिमिगंगा॥नाथमोहिंआपनिकरिलेहु
॥आईशरणतवप्रभुफलदेहू॥सुनेंविनीतबिभीषणबयना॥बिहसेकृ
पानिधिराजिवनयना॥तबअस्तुतीकरणसोइलागी॥हरिहीकृपासुमति
हिजागी॥अतिअस्तुतिकीन्हीबहुभांती॥हृदेशोचचिंतादिनराती॥अ
स्तुतिकीन्हअहोप्रभुदेवा॥कृपाअनुग्रहअतुलसेवा॥नितसुमिरोमैतु
म्हगोसाईं॥जेहिविधिमोहीहोउसुखदाई॥दयाकरहुदेवनकेदेवा॥रा
मनामरहऐहकेसेवा॥दीनदयालअनुग्रहकारी॥मोहिपतिप्रभुलेहुउ
धारी॥पतितहुमहजेपतितकहाई॥नाहूगतिदीन्हीरघुराई॥जोत्रिभुव-
नपतीसकलविस्वामी॥करौदयाप्रभुगरुडगामी॥ छंद॥विनतीप्रभुमोरी
मैमतिमोरी॥नाथनवरमागौंआनापदकमलपरागारस॥अनुरागामनमधु
पकरपाना॥१८॥ऐहिभांतिसुनैनाअस्तुतिबैनाबारबारचरननपरी॥
जोअतिमनभावासोवरपावाचरननाइभुईसीसधरी॥१९॥मैनारीअ

पावनप्रभुजगपावनत्रिभुवनजनसुखदाई ॥ मेदासीप्रभुचरननवा
सीअलखलखैनहिकाई ॥ २०॥ जेहिलागिमैंआइतुम्हसिरनाइसो
मोहिदेहुकृपालहरी ॥ प्रभुदयालाअतिसकृपालाएवोभगतिअनू
पहरी॥ २१॥ दोहा॥ असप्रभुदीनाबंधुहरि॥ कारनरहितकृपाल॥ तु
लसीदाससठताहिभजुछाडीकपटजंजाल॥ १९२ ॥चौपाई॥ तुम्हअं
तरजामीभगवाना ॥ प्रभुताआदिमध्यअवसाना॥ करुणावचनसुनत
रघुबीरा । ।पुलकिरामभएशिथिलशरीरा॥ देउंजिवायतोरपतिआजू ॥
॥ भुंजहुलंककल्पशतराजूं॥ छांडिशोचमनअतिहरषाई ॥ तुरितभव
नअपनेफिरिजाई॥ सुनिअसेसत्यसिंधुकीबानी ॥ मनमहबानरखभूडेरा
नी॥ कहिनसकैकछुप्रभुरुखदेखी॥ कहाकरियकरतारअलेखी॥ सीयशो
चकरफलनहिंहोइहि॥ जोकरिकृपारामयेहिजोइहि ॥ असबिचारधरी
मनआसा॥ जेहितेपावोप्रभुकबिलासा ॥ ॥दोहा॥ ॥राजबिभीषणलं
ककरकेहिविधिकरिहहिंभाई ॥ समुझिवैरघननादजब॥ गहहिशरासन
इजाई॥ १९३॥ ॥चौपाई॥ ॥सुखरुखलखिकपीशसबजाना ॥ प्रण
तपालभगवानसमाना ।देखिबहुतरघुपतिकरछोहू॥ विनयकरतिदश
कंठपतोहू॥ आपुउदारदेवसबलायक॥ करुणामयेदेखेउरघुनायक॥
मोहुंबिचारकीन्हमनमांही॥ जीवनतेअसमृरणसराही ॥ भुजबलजीति
लोकसबकीन्हे॥ चौदहभुवनभोगकरिलीन्हे॥ रणतीरथजात्रुतभलचि-
न्हेउं॥ प्राणसोधनलक्ष्मणकरदीन्हेउं ॥ अबनउचितबितदेअपहारा
॥ तिहिपरअधिकसुदर्शनतुम्हारा॥ जानियहमहुंमरवसतसाथी ॥ मिलब
तुम्हहिजिमिमिलेसमाधी॥ ॥दोहा॥ ॥ निर्मलगतिअवसरभएउ॥
सुप्रियसत्यरघुबीर॥ तुम्हहिमिलेनहोइभव।यथासिंधुगतिनीर॥ १९४
॥ चौपाई॥ ॥मनकीजाननहारप्रभुदेवा॥ भवसागरनाथहिइहिखेवा
॥ लीन्हेउऋषभकपीशबुलाई ॥ मेघनादशिरदीन्हमगाई ॥ पाइकृनार्थ

मानेउआपू॥मिटाविरहसंभवपरितापू॥अंगदलपोंछतिमुखकीधू
री॥कहिमम्प्राणसजीवनमूरी॥देखिकरतसंशयसुग्रीवा॥भुजमा
हिलिखासोमोहिनसीवा॥हसैवदनतौतीययसांची॥नाहिनोनृशिखु
रमायानांची॥कहँयहज्ञानमृतकभुजगावे॥जोमुनिवरसाधननेंपावें
॥प्रभुयहकहेउहसहियहसीशा॥किम्रेकुतर्कनउचितकपीशा॥दोहा
॥शिरसोकहतिसुलोचना॥हसहुवेगिममनाथ॥ननरुप्रतीतिनमानिहै
॥लिखाजोतुम्हरेहाथ॥२९५॥ ॥चौपाई॥ ॥छिनकविलंबकीन्हन
हिंबोला॥मृतकसोसुखमुदितनहिखोला॥पुनिपुनिकहतिसोनागकु
मारी॥अमितभएउरणमांहिकरिभारी॥लगेउलखणशरक्षोभवदाव
हिं॥प्रभुसमीपकतमोहिलजावाहिं॥जौमनवचनकर्मयहदेही॥प
तिदेवतानआनसनेही॥तौप्रभुसभाबीचसिरबोलहिं॥रहिजाइहिजग
सुयशअमोलहिं॥जौजानतितबयहगतिसांई॥बोलिपठावतिपितहि
सहाई॥सुनितियवचनहसेउतबसीशा॥चौंकिउठेसबभालुकपीशा
॥हसेउमइबदनसबदेखत॥विस्मयभयेउसकलजनपेखत॥कोटिमे
घसमसुनिनहिजाई॥रहेउसोबदनबहुरिअरुगाई॥सकुचकपीशहि
तोषेउनारिहि॥बडआश्चर्यभएउवचनचारिहि॥कहसुग्रीवचरणशि
रनाई॥कारणएकवनहसाशिरसाई॥यहसुनिविहासिकहारघुराई
॥सुनुसुग्रीवकुतर्कविहाई॥पतिव्रततीयजिनकेगृहमाही॥यहबडि
बाततिन्हहिकछुनाहीं॥पुनितबसंशयभएउकपीशा॥तेहिकारण
तेहसयहशीसा॥दोहा॥ ॥शीशपाइप्रभुचरणगहि॥बहुविधि
बिनयसुनाई॥आजुकेदिनरणपरिहरहु॥ममहितकोशलराई॥
२९६॥चौपाई॥ ॥बहुरिविभीषणपदहिनमतिसो॥रघुबरगुणगण
हृदयभणतिसो॥तुमपितुसमदशकंधरभाई॥यहिकुलकीतोहिलाज
बडाई॥मुनिपुलस्त्यपरिवारकेदीपक॥पाएउफलरघुबीरसमीपक॥प्र

थमसोहवशअनहितमानेउ॥ ज्ञानभयेतबगुणपहिचानेउ॥युगयु
गकरबअकंटकराजू॥सहितसुकीर्तिसुकृतसमाजू॥सुमिरततुम्ह
हिसुयशजनपैहैं॥रघुबरचरितसगकरगैहैं॥सुनतबिभीषणकरु
णाभारी॥प्रगटनकरतसमयअनुहारी॥कालकर्मगतिकहिसमुझाई
॥चलीतुरितगुरुआयसुपाई॥ ॥दोहा॥ ॥बाहिरकरिकपिकटकते
॥फिरेबिभीषणआपू॥बिसरेउदशकंधरबयर॥निरखिहोतसंतापु
॥१९७॥ ॥चौपाई॥ ॥शिरचढाईपालिकीचढीसो॥रघुपतिकृ
पाप्रभावबढीसो॥हृदयराखिमूरतिघनश्यामहिं॥रसनारटतिनिरं
तररामहिं॥सरितसिंधुसंगमजहंपावन॥यहसुधिपाइगयेतहंरावन
॥संगमंदोदरिसबरनिवासू॥मनहुशोकरविकीन्हप्रवासू॥पाइरजा
यसुसेवकधाये॥चंदनअगरभारबहुल्याये॥रचीदारुमयचिताबना
ई॥जनुसुरलोकनसैनीलाई॥करिप्रणामसबजनपरितोषे॥धीरज
धरिसुमिरतसतचोषे॥शिरभुजधरिबैठीकरिआसन॥भईजनुयोग
सिद्धीकोबासन॥ ॥दोहा॥ ॥दीन्हअग्निज्वालाबढी॥लपटगगनल
गिजाई॥लखीनकाहूजातसोसुरपुरपहुंचीधाई॥१९८॥ ॥
चौपाई॥ ॥सतवधदीखदशाननजबहीं॥संभ्रममूर्छिपरेउमहि
तबहीं॥दुखितहृदयनयनभरिआवा॥जासुसिरमणिआहिरजगवावा
॥हासुतसंततआज्ञाकारी॥करिबिलापदशकंधपुकारी॥शक्रआदि
जीतेहुसबदेवा॥सुरमुनिनागकरहिसबसेवा॥दुसरहानभुजबलद
पा॥स्वर्गभूमितलतपेउप्रतापा॥इहिबिधिकरिबिलापलंकेशा॥मए
उतेजहतशत्रुउरगेशा॥मंदोदरीरुदनकरिभारी॥उरताडहिबहुभां
तिपुकारी॥नगरलोकसबब्याकुलसोचा॥सकलकहहिंदशकंधरपों
चा॥ ॥दोहा॥ ॥नबलंकेशअनेकबिध॥समुझाईसबनारि॥नश्व
ररूपप्रपचयह॥देखहुहृदयविचारि॥१९९॥ ॥चौपाई॥ ॥

तिन्हहिज्ञानउपदेशाहिरावण।।आपुनमंदकथाअतिपावन।। परउपदेशकुशलबहुतेरे।।जेआचरहितेनरनघनेरे।।देखिचरिनपुनीतसुरगावाहिवर्षिसुमनदुंदुभीबजावहि।।तासुक्रियाकरिनिशिचरनाहा।।भएउशोचबशअतिउरदोहा।।सचिवआइसबलगेबुझावन।।वादिविषादकरियजिनरावण।।सुतवितनारिविविधसुखकैसें।।उपजहिघटाजाहिउडिजैसें।।तडितदमकदेखियघनमाहीं।।रहइनथीरतेबहुरिछिपाही।।असजियजानिसुनियदशभाला।।बचहिनकोउजगआएकाला।।अबप्रभुजतनबिचारहुसोई।।रिपुकरनाशकवनबिधिहोई।।वचनसुनततेहिकछुसुखमाना।।कालविवश जिमितीरथज्ञाना।। ।।दोहा।। ।। ।।लागेउकरणबिचारपुनि।।बहुप्रकारदशशीश।।समुझीहृदयअहिरावणहिं।।आएउजहांगिरीश।।२००।। ।।चौपाई।। ।।दंडचारितबतहंनिशिबीती।।संध्यावंदनकीन्हसप्रीती।।लागेउकरणध्यानदशशीशा।।बहुरिहर्षिजोरेउकरबीशा।।शिवसेवकसोअतिअनुरागी।।सुनुखगेशनिहितेबडभागी।।आकर्षणमंत्रजपेउपदेशमाला।।अहिरावणचितडोलपताला।।लगेउकरणसोमनअनुमाना।।केहिकारणदशमुखअकुलाना।।निशिचरनाहभुवनवशजाके।।जीततनकहनबीरकोउताके।।मनक्रमबचनआननहिसेवी।।धरेउध्यानउरकामददेवी।।चलेउबहुरिआएउसोतहवा।।शिवमंडपदशमुखरहजहवा।।निशिचरपतिकहितेहिशिरनाएउ।।करकरगहिनिजआसनबैठाएउ।। ।।दोहा।। ।।अहिरावणतबरावणहि।।पूछेउसकलकुशलसप्रीति।।प्रथमकहीतेहिंसोकथा।।भगिनीकीन्हअनीति।।२०१।। ।।चौपाई।। ।।बधखरदूषणजिमिसुधिपाई।।मारीचकपटमृगकथासुनाई।।कहेसिबहुरिसीताकरहरण।। पवनतनयबललंकादहना।।सेतुबांधिजिमिप्रभुचलिआएउ।।बालितनयसंवादसुनाएउ।।अनियअकंपनअरुअ

तिकाया॥परेसमरमहशुनुअहिराया॥नातकुशलअबआइशिरा-
नी॥कटकनिशाचरसकलनशानी॥कुंभकरणघननादेमारे॥राम
लखनतेमनुजविचारे॥आनेउबोलितोहिनिजपाशा॥कहसोइजनन
होयरिपुनाशा॥सुनतबचनकहिकेतिकबाता॥हरिलैजैहोंदोनोंभ्राता
॥लैपतालदेबिहिबलिदेहों॥यशपूरणनिशिचरकुललैहों॥लैजबजा
उजानेउतुमतबहीं॥रविसमतेजहोयनिशिजबहीं॥ ॥दोहा॥ ॥
कहिअसबचनप्रबोधकरि॥शीशनाईबलभाषि॥आएउरघुपतिकट
कतब॥निजदेवीउरराखि॥२०२॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनपरनिशि
अतिअंधियारी॥मर्कटभटजागहितहंभारी॥कहहिंजयतिजयजय-
तिकृपाला॥अतिहिअगमगमनाहिनकाला॥तहंमारुतसुतरचाउपा
ई॥निजलंगूरकीकोटबनाई॥सोशोभाकछुबरणिनजाई॥जनुभुजंग
पतिरहेतहंआई॥अरुजिमिदेखियशैलसमाना॥दरबाजेसुतसुखहनु
माना॥देखिहृदयअहिरावणहारा॥जिमिरविउदयनतिमिरप्रसारा॥
ऐकोयुक्तिमननवहरानी॥कपटवेषतिहिंकीन्हभवानी॥वेषबिभीषण
सबअनुहारी॥पवनतनयपहगोछलकारी॥ ॥दोहा॥ ॥स
हजप्रतापीपवनसुत॥मुनिसुरपतिपतिदास॥तिन्हहिंनिदरिचलराम-
पहिं॥मूढहृदयनहित्रास॥२०३॥ ॥चौपाई॥ ॥मरमनजानेउव
छुसुतपवना॥वेषबिभीषणकेसोगवना॥ठाढहोहुबोलेउसुनुभ्राता
॥चलेउजहांकृपालजनत्राता॥मैरघुपतिसनआयसुपाई॥संध्याकर
णगएउशुनुभाई॥तेहितेतुरितचलेउप्रभुपाहीं॥भईविलंबजनिराम
रिसाही॥सत्यबचनकपिनिजमनमाना॥सुनुखगेशभावीबलवाना
॥कपटचतुरगतिजानिनजाई॥परमनहरैहरैधनभाई॥आयसु
पाईगएउसोतहंवा॥फणिपतिप्रभुदोनौरहजहंवा॥कपिपतीजांबव-
तनलनीला॥बालितनयसुषेणबलशीला॥ ॥दोहा॥ ॥कु

बिदमयंदकपीशगण ॥गवयगवाक्षकपिवीर॥सहितबिभीषण
अपारभट ॥सोयेसबरणधीर॥ ॥चौपाई॥ ॥तिन्हहिंमध
रावणशशिराहू॥एकसंगसोवतफणिमणिनाहू॥दक्षिणदिशिसोव
तरघुनाथा॥अनुजवामदिशितिन्हिंपरहाथा॥प्रभुकरउरडरपरराजत
कैसे॥जनुरूपपरफणिपतिजैसें॥कपिबलभेजनुसागरक्षीरा॥तहां
सोयेमानहुद्वौवीरा॥सुभगबाणधनुधरैवनाई॥लक्ष्मणसहितस
मीपरघुराई॥अहिरावणमनकीन्हप्रणामा॥देखिरामघनसुंदरश्या
मा॥ब्रह्मादिकजेहिध्याननपावहिं॥सुनिमहेशपूजामनलावहिं॥क
रहिंबिबिधउपयोगबिरागी॥रटहिनिरंतरदिननिशिजागी॥सोप्रभु
तिहिदेखाभरिलोचन॥कृपासिंधुसेवकभयमोचन॥बहुरिहृदयतेहि
कीन्हबिचारा॥रावणकाजकरौंअनुसारा॥कछुनिजमायाकृतगुणआ
ई॥कवनीभांतिजाइद्वौभाई॥ ॥दोहा॥ ॥मोहनतेमोहसबहि
॥स्तंभनतेसुखमूंदी॥मएउअहश्यउठाइकरि॥प्रभुहिचलेउलैकूदि
॥२०५॥जासुमोहमायाबिबश॥मोहेसुरमुनिवृंद॥अखिलअनी
हअनादिप्रभु॥चरितकरतसुखकंद॥चौपाई॥ ॥सोइप्रभुरहा
नयनसुखमूंदी॥उमाचलालयनिसिचरकूदी॥एहिबिधप्रभुहिंगयो
लैसोई॥नभमारगप्रकाशअतिहोई॥सोप्रकाशजबरावणदेखा॥बु
चनप्रमाणतासुकरिलेखा॥मनमेंहर्षकरैअतिभारी॥अहिरावणलै
गाअसुरारी॥लैनिजलोकगयोक्षणताही॥सोरुभयोतबकपिदल-
माही॥जागेबानरभीहलकारी॥देखियजिमिसरितादिनुवारी॥अस
देखियजिमिनिशिबिनुइंदू॥तेजहीनवासरजिमिचंदू॥रविबिनुदि
वसजीवबिनुदेहा॥जिमिदीपकबिनुदेखियगेहा॥एकेहिएकलागत
वपूछन॥कहांगयेत्रैलोक्यबिभूषण॥ ॥दोहा॥ ॥सोधासबमि
लिकटकतिन्ह॥नहिंपायेदोऊवीर॥भेव्याकुलसबभालुकपि॥जिमि-

जलचरबिनुनीर॥२०७॥चौपाई॥सकलकहहिबिधिकायहकीन्ह॥
रघुपतिबिनाप्राणचहलीन्हा॥शोकग्रसतधरिसकैनधीरा॥कहहि
रामलक्ष्मणदोउबीरा॥करुणाकरैकपिशअपारा॥बनीवातविधिक-
हाबिगारा॥कटकनिशाचरसकलसंघारी॥रहाएकरिपुरावणभारी॥
सोउनरहतरामशरलागे॥भाइहुहमसमकोउनअभागे॥कबहुकजो
दशशीरअरिजीतहिं॥उत्तरकवनदेवहमसीतहिं॥यहकहिबिकल
मूर्छितमहिपरेऊ॥लागेबज्रशैलजिमिगिरेऊ॥बिभीषणकीगतिकहि
नजाई॥फिरैबत्सजनुधेनुलवाई॥दोहा॥सहितपवनसुतऋक्षपति॥दु
खमनभावहुभांति॥खगपतिसूरुनकतहुकछु॥तमअपारतेहिराति
॥२०८॥चौपाई॥पवनतनयपुनिकहसबपाहीं॥विस्मयहोइएकमनमां
हीं॥कोऊएकआवबिभीषणवेषा॥प्रभुकेनिकटजातमैदेषा॥पूछ
नवचनकहेसिअनिनीका॥कपटनजानोनिशिचरजीका॥वचनसुन
नबोलेउलंकेशा॥अहिरावणलैगाअवधेशा॥पन्नगलोकबसतुहैसो
ई॥ममतनुवेषअबरनहिकोई॥महाबलीजानैबहुमाया॥निश्चयवह
दशशीशपठाया॥जेहिबलहोइउहांसाजाई॥ताहिजीनिआनैहोभा
ई॥कहहिभालुपतिशुनुहनुमाना॥तवबलतातसकलजगजाना॥
बेगिसोजतनविचारहुताता॥कृपासिंधुआनहुहोभ्राता॥दोहा॥बि
लखिकहेउकपिपतिबहुरि॥मारुतसुतशुनुतात॥बिनुरघुपतिधि
कृधिकृजसम॥पलयुगसरिसबिहात॥२०९॥　॥चौपाई॥　॥
तृषितहोयबिनुबारिदुखारी॥तैसेहमसबबिनाखरारी॥रविबिनु
पंकजहोइकुह्मिलाना॥तैसेहमसबहैहनुमाना॥सीताशुधिजिमिश्री
षधिआनी॥तेहिप्रकारआनहुगुणखानी॥यहसुनिबहुरिपवनसुत
बोला॥चित्तकरहुस्थिरसेनडोलो॥भुवनचारिदशतीनिहुँलोका॥आ-
नौप्रभुहिनजहुतुह्मशोका॥अबतुमसजगरहेउसबभाई॥लरेहुकालसो

जौंचदिआई ॥यहिकहिगर्जिचलेउहनुमाना ॥ प्रलयकालकेमेघसमा-
ना ॥चलेजातएकतरुनरगएऊ॥ गृध्रनिगृध्रकहतअसभएऊ ॥ ॥
॥दोहा ॥ ॥ गृध्रनारिहीशुर्विणी ।बोलिपतिसोंबैन ॥आनहुआमि
षमनुजकर ॥ खाऊहोयजीयचैन ॥२१०॥ ॥चौपाई॥ ॥नासुब
चनस्कनिस्वगअसकहेऊ ॥अहिरावणरामहिंलेगएऊ ।देइहिबलिदे
बिहिंसोजाई ॥बडेभाग्यआमिषजोपाई ॥ कवनेहुजतनदेवुसआनी ॥
असकहिगृध्रनारीसनमानी ॥जबहिपवनसुतयहशफ्नपाई ॥चलेउह
दयसुमिरतरघुराई ॥तुरितपतालहितिहिंक्षणगएऊ ॥अहिरावण-
पुरप्रबिशतभएऊ ॥द्वारपालमकरध्वजकीशा ॥ कपिसनडाटिकह
तबहुरीशा ॥निदरहिमोहितोहिडरनाहीं ॥जिमिदीपहिनपतंगडेरा
ही ॥ मारुतसुतकरहौंमैंबालक ॥स्वामिभक्तभंजनसुखकालक ॥ ॥
सोरठा ॥ ॥ सुनतबचनहनुमान ॥ बिस्मयबशबोलतभएउ ॥अ
रेमूढअज्ञान ॥ मारैसुतस्वपनेंनहीं ॥ २११॥ ॥चौपाई ॥ ॥
कहतबचनशठतोहिनखोरी ॥कामबिवशकबमतिमैंभोरी ॥ममस्कत
होसिमूढकेहिंवोकाजा ॥इतनाकहततोहिनहिंलाजा ॥किहिंप्रकारतैंम
ममस्कतभएउसी ॥निजउतपतिमोसनकिनकहेसी ॥सुनतकहहिंम
करध्वजबचना ॥कीन्हतातजबलंकादहना ॥जबआएउचलिउदधिस
मीपा ॥ भाप्रस्वेदतुमहिंकपिदीपा ॥छुटिप्रस्वेदसागरमहगएउ ।सोऊ
पीयेउतहांभैंभएउ ॥इहिंप्रकारमैंतवसुततात्ता ॥ गोवहुनहिंनिजपिता
नमाना ॥अहिरावणसेवामैंकरहूं ॥ प्रभुआयसइहिंद्वाररहऊ ॥ ॥
दोहा ॥ ॥सत्यबचनहनुमानकेहि ॥पुनिपूछेऊसबबात ॥आनेउ-
लक्ष्मणरामकहं ॥कहाकरतहैतात्त ॥२१२॥ ॥चौपाई॥ ॥
कहहुतातविहिंस्थलकोनाऊं ॥जानतहौंमैंनिजप्रभुगाऊं ॥यहवृत्तांत
नजानहुताता ॥असमैंश्रवणसुनाकछुबाता ॥सीतापतिअरुफणिप-

तिसाथा ॥ सोलैआएउ निशिचरनाथा ॥ करनसोअहैहोमधोंआजू ॥
देबिहिबलिदेइहिनृपराजू ॥ जोकछुनिजश्रवणनसुनिपाएउ ॥ नातस
कलमैंतुम्हहिंकनाएउं ॥ निजप्रभुकाजलागिदुःखसहेऊं ॥ तुहसनस
त्यमरमकहेऊं ॥ जानकहौंपयजाननदेऊं ॥ प्रभुआज्ञातजिअपयशना
लेऊं ॥ कनिआसपोलिचलेउहनुमाना ॥ भयउक्रोधमकरध्वजजाना
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ कपिकहंहनेसिमुष्टिका ॥ कपिपुनिमारतनात
हि ॥ एकहिएकहनेउतब ॥ बलयुगसमघटिनाहि ॥ २१३॥ ॥ चौपा
ई ॥ ॥ एकहिएकसकेनहिपारी ॥ मारुतकृतकृतदोउभटभारी ॥
सुतकीपुंछकृतबांधिभवानी ॥ चलेउबहोरिविलंबबडिजानि ॥ धरि-
लघुरूपहोमगृहदेखा ॥ जीवसजीवपरैनहिलेखा ॥ तहंदेबीकरमंडप
रहई ॥ शोणितघटबहुकोकहिसकई ॥ विविधभांतिमेवापकवाना ॥
धरेआनिदेवीअस्थानी ॥ मालिनिताहांकमनलैआई ॥ सुमनमध्यप्र
विशेकपिराई ॥ सुमनहुतेंआतिकृतहलुकाई ॥ सोलेकनमंडपमहिआ
ई ॥ कमनसकलदेवीपरचढेऊ बिकटरूपतबतहकपिबढेऊ ॥ ॥
दोहा ॥ ॥ छुवतचरणदेबीतबै ॥ धरणीगईसमाई ॥ मुखपसारि
ठाढभएउ ॥ कपिछबिबरणिनजाइ ॥ २१४॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ रूप
देखिभाआनंदभारी ॥ करहिविचारनिशाचरभारी ॥ कहहिंकिदेबिप्रग
टभईआजू ॥ बडभागीभानिशिचरराजू ॥ करिप्रणामपुनिपूजाकरही ॥
जोकछुआवसोकपिमुखपरही ॥ रहीजोसकलवस्तुसमुदाई ॥ बचीन
एकौसबकपिखाई ॥ कपिखेलारकौतुकबिस्तारा ॥ भाचहनिशिचर-
कुलसंवारा ॥ अहिरावणउरभाकखकैसें ॥ चढेकाधपरबलिपशुजै
सें ॥ निशिचरविप्रपदहिबहुवानी ॥ कहहींपरसनभईभवानी ॥ मंडपही
हारकुंडसोअहई ॥ आहुतिविप्रदेइंजयकहई ॥ आनलशिखागगन-
लगजाई ॥ जुरेनहांनिशिचरसमुदाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ वाजतढोलनगा

रबहु ॥ तालपषाउज्जवीन ॥ कूदहिंनिशिचरगगनतरा ॥ भेसबमृत्युअ्रा
धीन ॥ २२५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ निशिचरहोमसिद्धतवजाना ॥ अ्र
हिरावनसनकहिबलिआना ॥ होमभंगदेविभईआनंदा ॥ सुनतवचनउम
गामतिमंदा ॥ रामलखनआगेकरिलीना ॥ ताकुभियासोचअतिवडकी
ना ॥ गहिपदविनयकरतिकरजोरी ॥ सुनहुप्राणपतिविनतीमोरी ॥ नाथ
नहींभूपकेबालक ॥ ईनचौदभुवनप्रतिपालक ॥ जीवचराचरजेजगमाहीं
॥ सबकेइष्टदेवईआहीं ॥ अचलरोपिबहुतविलखाई ॥ मांगेदेउकुवरदो
उभाई ॥ मानहुवचनकहवंगहिपाही ॥ ननरुजावहमंडपनाहीं ॥ इ
नसनसमरकोउनहिजीता ॥ तुमपरभएउकालविपरीता ॥ ॥ दो-
हा ॥ ॥ सुनतबचनअवलोकहे ॥ हसिसमुझावतसोइ ॥ रावणकु
लसंहारइन ॥ किमिछाउवदुखमोई ॥ २२६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ मा
रिवचनकहकीन्हेसिनहिकाना ॥ लक्ष्मणरामतुरिततहंआना ॥ ठाढकीन्ह
तहंप्रभुकहआनी ॥ निशिचरवशेआयुधधारिपानी ॥ धरेंगदाकोउअस
धनुबाणा ॥ शक्तिशूलतलबबाकृपाणा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ तोमरमुद्ग
रपरशुअसि ॥ पाशफासिअरुबेत ॥ ओटनखंडाधनुषशर ॥ देखतर
हहिनचेत ॥ २२७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ मायाबलतेसकलविचक्ष
ण ॥ अतिबिकरालसोइजनुलक्षण ॥ इहिबिधसकलबीरतहंरहहीं
॥ अहिरावणआज्ञाअनुसरहीं ॥ आचकुपाईखडगतिन्हकाढे ॥ मार
नकहंप्रभुपरभेठाढे ॥ कोउकहराजनीतिअनुसरहू ॥ तौनिदंडविलंबक
रहू ॥ सुनिअसबचनमूढइमिकहई ॥ सुमिरोजोतुह्मरेकोउअहई ॥ ना
हितकालअबपहुंचाआई ॥ निशिसपनासमहोउहोभाई ॥ कहहिमूढ
प्रभुकहंबहुबानी ॥ कहतसकुचमोहिअतिहिंभवानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
फणिपतिचिंतवहिरामकहं ॥ रामचितवअहिराज ॥ प्रभुकरकौतुककहि
यकिमि ॥ सुनहुगरुडखगराज ॥ २२८ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ मुनिप्रभु

मनमहं कीन्हबिचार॥जपैसकलसबनामहमारा॥इहिअवसरस्रु
मिरियहनुमाना॥निकटहिअहहिबीरबलवाना॥यहबिचारिप्रभुस्रुमि
रनकीन्हा॥होइहिसोजोविधिलिखदीन्हा॥तबमारुतकहउद्यतभये
ऊ॥घनसमानकपिगर्जतभएऊ॥निशिचरसकलत्रसितभयभारी॥
कहहिंबचननिजहृदयबिचारी॥अहिरावणबलकीन्हनकाजू॥आनेउक
पटवेषसुरराजू॥तिहिंतेदेखिक्रुद्धभईआजू॥अबभासबकरपरमअकाजू
॥सभयभयेतबनिशिचरझारी॥दुसरेंकपिगर्जेउअतिभारी॥ ॥
दोहा॥ ॥प्रकटरूपकरिपवनस्रुत॥अट्टहासगभीर॥अतिभय
त्रसितनिशाचर॥सुनहुउमामतिधीर॥२१९॥ ॥चौपाई॥ ॥
डगमगभेनिशिचरअभिमानी॥मरुतबहेजिमिसागरपानी॥तेहिछ
णकपिमनक्रोधबढाई॥हतेंलागिनिशिचरसमुदाई॥खडगछुडाइली
न्हहनुमाना॥काटैलागभुजाशिरनाना॥काहुहिनाकअवणबिनुकीन्हा॥
धरिपदडारिअनलमहदीन्हा॥निजलंगूरकीकोटबनाई॥जिहितेंको
उभागिनहिजाई॥इहविधसबनिशिचरसंघारे॥अहिरावणतबवचन
उचारे॥रेकपिढीठत्रासनाहितोहीं॥अहिरावणमैजाननमोही॥जंबुमा
लिकेहिजिमितुह्ममारा॥अरुरावणस्रुतहतेउबिचारा॥ ॥दोहा॥
कालनेमिसममैनहीं॥सुनहुबचन हनुमान॥असकहिखड्गप्रहार
किय॥कपितनुवज्रसमान॥२२०॥ ॥चौपाई॥ ॥लैअसिता
हिपवनस्रुतमारा॥काटाशीशअनलमहडारा॥पूर्णाहुतिकरितबसो
शीशा॥पुनिप्रभुकहंलैचलेउकपीशा॥मकरध्वजतबबिनतीकीन्हा॥
बंधनछोरिराजतेहिदीन्हा॥इहांकरराजकरहुतुमताता॥भजहुसदाम
मप्रभुदोउभ्राता॥असकहिकपिनिजदलमहंआवा॥हर्षेउकटकपर
मस्रुखपावा॥मृतकशरीरप्राणफिरिआवें॥गईमणिफणिकमनहुफि
रिआवे॥बिछुरामिलैबहुरिजिमिआई॥तिमिसबभयेनिरखिदोउभाई

मिलेउकपीशचरणधरिमाथा ॥पुनिपदधरेउनिशाचरनाथा॥ दो
हा॥ ॥जांबवंतअंगदसहित ।मिलेभालुअरुकीश॥सनमानेप्रि
यबचनकहि॥लक्ष्मणकोशलधीश॥२२१॥ ॥चौपाई॥ ॥बहुरिस
बन्हिभेंटेहनुमाना ॥कहहिंनाततुमराखेउप्राना ॥देवनसुमनवृष्टिन
बकीन्ही॥प्रमुदितहृदयदुंदुभीदीन्ही॥अनुजसहितहर्षेरघुवीरा॥क-
हेउबचनशुनुतनयसमीरा॥तोहिसमाननहिकोउहितकारी॥सुरमुन
।सिद्धजोकोउतनुधारी॥यशतुह्मारत्रिभुवनमेभयेऊ॥सुनिअसबचन
चरणकपिनयेऊं॥नाथकरौतुह्ममैकेहिलेखे॥तरणीचलेअगमजलदेखे
॥तैसेसबप्रतापतबनाथा॥सुनिअसकपिहिंमिलेरघुनाथा॥कटकसहि
तहर्षेदोऊभाई॥तेहिअवसरसुखकहिकिमिजाई॥उहांदशाननसब
शुधिपाई॥दूतनकहीखरीसबजाई॥अहिरावणकरवधसुनिकाना
॥भएउतेजहतअतिदुखमाना॥बचनबाणसम लागेउताहीं॥संभ्र
ममूर्छिपरेउमहिमाहीं॥मुखसुखानलोचनजलबहई॥बचननअव
पुनिपुनिशिरधुनई॥ ॥दोहा॥ ॥मयतनुयातबआइकरि॥बहु
प्रकारसमुझाव॥माननमूढकालबश॥परमक्रोधमहंपाव॥२२२॥
चौपाई॥रावणउरअंबरैकछुठएउमेटिकोसकिजोबिधिनिर्मएउ॥
प्रभुबिरोधकरिन्हहेकल्याना॥मूढमोहबशअतिअज्ञाना॥कृपासिं
धुसेवकभयहारी॥तेहिबिरोधसुखचहेखरारी॥एहिबिधजल्पतभा
मिनीसारा॥लगेभालुकपिचारिहुद्वारा॥सुभटबुलाईदशाननबोला
॥रणसुनसुखजाकरमनडोला॥सोअवहीअरुजाइपराई॥रणसन
सुखभागेनभलाई॥निजभुजबलमैबैरबढावा॥देहौउत्तरजोरिपुचढि
आवा॥असकहिमरुतबेगरथसाजा॥बाजहिंसकलजूझाउबाजा॥
चलेबीरसबअतुलितबली॥जनुकज्जलगिरिआंधीचली॥अशगुण
अमितहोहिंतेहिंकाला॥गणेनभुजबलगर्वविशाला॥ ॥छंद॥ ॥

अतिगर्वगणइनशगुणस्रवहिंआयुधहाथतें।।भटगिरहिंरथतेंबा
जिगजचिक्करहिंभाजहिंसाथतें।।२२।।गोमायुगृध्रकरालखररवश्वान
बोलहिंअतिघने।।जनुकालदूतउलूकबोलहिंबचनपरमभयावने।।२३
।। ।।दोहा।। ।।ताहिकिसंपतिशगुणशुभ।।सपनेहुमनविश्राम।।
भूतद्रोहरतमोहबश।।रामबिमुखरतकाम।।२२३।। ।।चौपाई।। ।।
चलीनिशाचरअनीअपारा।।चतुरंगिनीचमूबहुधारा।।विविधभांतिवा
हनरथजाना।।विपुलबरणपताकध्वजनाना।।चलेमत्तगजयूथघनेरे
।।प्रावृटजलदमारुतकेप्रेरे।।बरणबरणवरदैत्यनिकाया।।समरशूर-
जानहिंबहुमाया।।अतिविचित्रवाहिनीबिराजी।।बिरबसंतसेनजनु
साजी।।चलतकटकदिगसिंधुरडगहीं।।क्षुभितपयोधीकुधरडगमग
हीं।।उठीरेणुरविगगणछिपाई।।पवनथकितवसुधाअकुलाई।।पण
वनिशानघोरबवाजहिं।।महाप्रलयकेजनुघनगाजहिं।।भेरिनफिरि
बाजसहनाई।।मारूरागशूरसुखदाई।।केहरिनादबीरसबकरहीं।।
निजनिजबलपौरुषउच्चरहीं।।कहेदशाननसुनहुसुभट्टा।।मर्दहुभा
लकपिनकरठट्टा।।हौंमारिहौंभूपदोउभाई।।असकहिसनमुखफौजच
लाई।।यहसुधिराकलकपिनजेबपाई।।धाएकरिरघुबीरदुहाई।।छं
द।। ।।धाएबिशालकरालमर्कटभालकालसमानते।।मानहुंसपक्षउ
डाहिंभूधरवृंदनानावरणते।।२४।।नखदशनशैलकरमाहद्रुमायुधस
कलशंकनमानहीं।।जयरामरावणमत्तगजमृगराजसुयशसुनावहिं
।।२५।।दोहा।। ।।दुहुदिशिजयजयकारकरि।।निजनिजजोरीजानि।।
भिरेबीरइतरघुपतिहि।।उतरावणहिबखानि।।२२४।। ।।चौपाई।।
रावणरथीबिरथरघुबीरा।।देखिबिभीषणभयउअधीरा।।अधिक-
प्रीतिउरभासंदेहा।।बंदिचरणकहसहितसनेहा।।नाथनरथपदनहिं
पदत्राणा।।केहिबिधजितबबीरबलवाना।।सुनहुसखाकहकृपानिधा

ना ॥जेहिजयहोईसोस्यंदनआना॥ शौरजधीरजातेहिरथजाका॥
सत्यशीलदृढध्वजापताका ॥बलविवेकदमपरहीतघोरे॥ क्षमादया
समतारज्जुजोरे॥ईशभजनसारथीसुजाना॥विरतिचर्मसंतोषकृपा
ना ॥दानपरशुबुधिशक्तिप्रचंडा॥बरविज्ञानकठिनकोदंडा ॥संयमनि
यमशिलीमुखनाना ॥अमलअचलमनत्रोणिसमाना ॥कवचअभेद्यवि
प्रपदपूजा॥एहिसमाविजयउपायनदूजा॥सखाधर्ममयअसरथजा
के॥जीतनकहनकतहुरिपुताके॥ ॥दोहा॥ ॥महाअजयसंसार
रिपुजीतिशकैसोवीर॥जाकेअसरथहोइदृढ॥ सुनहुसखामतिधीर
॥२२५॥सुनतविभीषणप्रभुबचन॥हरषिगहेपदकंज॥इहिविधमो
हिउपदेशेउ॥रामकृपासुखपुंज॥२२६॥उतप्रचारदशकंधर॥इतअं
गदहनुमान॥लरतनिशाचरभालुकपि॥करिनिजनिजप्रभुआन॥२२७
॥चौपाई॥ ॥सुरब्रह्मादिसिद्धमुनिनाना॥देखहिंरणनभचढेविमा-
ना॥हमहुंउमारहेउंतेहिसंगा॥देखतरामचरितरणरंगा॥ सुभटस
मररसदुहुदिशिमाते॥कपिजयशीलरामबलताते॥एकएकसनभि
रहिं॥एकएकमर्दहिंममहिपारहिं॥मारहिंकाटहिंधरणिपछारहिं॥
शीसतोरिगहिभुजाउपारहिं॥उदरबिदारहिंभुजाउपाटहिं॥गहिपद
अवनिपटकिमहिडारहीं॥निशिचरभटमहिमाडहिंभालू॥ऊपरडारि
देहिबहुवालू॥वीरबलीमुखयुद्धविरुद्धे॥देखियविपुलकालजनुक्रुद्धे
॥छंद॥क्रुद्धेकृतांतसमानकपितनुस्रवतशोणितराजहीं॥मर्दहिंनिशा
चरकटकभटबलवंतघनजिमिगाजहीं॥२६॥मारहिंचपेटनकाटिदां
तनिडाटिलातनमारहीं॥चिक्करहिंमर्कटभालुछलबलकरहिंजेहि
खलछीजहीं॥२७॥धरिगालफारहिंउरबिदारहिंगलअंत्रावलिमेल
ही॥प्रहलादपतिजनुविविधतनुधरिसमरअंगनखेलहीं॥२८॥धरु
मारुकाटुपछारुघोरगिरागगनमहिभरिरही॥जयरामजोतृणतेंकरकु

लिशकुलिशनेनृणकरसही॥२९॥ ॥दोहा॥ ॥निजदलबिचल
बिलोकितब॥बीशभुजादशचाप॥चलादशाननकोपकरि॥फिरहुफि
रहुकरिदाप॥२२८॥चौपाई॥धाएउपरमक्रोधदशकंधर॥सनमुखच
लेऊहूहकदेबंदर॥गहिकरपादपउलपहारा॥डारहिंतेहिपरएकहिबा
रा॥लागहिंशैलबज्रतनुतासु॥खंडखंडहोइफूटहिंआसू॥चलानअ
चलरहारथरोपी॥रणदुर्मदरावणअतिकोपी॥इतउतरूपटिदपटिक
पियोधा॥मर्दनलागुभयोअतिक्रोधा॥चलेपराइभालुकपिनाना॥
त्राहित्राहिअंगदहनुमाना॥पाहिपाहिरघुबीरगुसांई॥यहखलखा
इकालकीनाई॥तेहिदेखेकपिसकलपराने॥दशहुचापशायकसंधा
ने॥छंद॥संधानिधनुशरनिकरछाडेसिउरगजिमिउडिलागहीं॥रहेपु
रीशरधरणीगगनदिशिबिदिशिकहंकपिभागहीं॥३०॥भाअतिको
लाहलविकलदलकपिभालुबोलहिंआतुरे॥रघुबीरकरुणासिंधुआर
तबंधुजनरक्षकहरे॥३१॥निजदलबिचलदेखीकटक॥कटिनिषंगध
नुहाथ॥लक्ष्मणचलेसकोपतबनाइरामपदमाथ॥२२९॥चौपाई॥
रेखलकामारसिकपिभालू॥मोहिबिलोकुतोरमैकालू॥खोजतरहे
उतोहिसुतघाती॥आजुनिपातिजुडावौंछाती॥असकहिंछाडेसिबा
णप्रचंडा॥लक्ष्मणकिएसकलशतखंडा॥कोटिनशक्तित्रिशूलपवारे
॥तृणसमानप्रभुकाटिनिवारे॥पुनिनिजबाणनकीनप्रहार॥स्यंदनभं
जिसारथीमारा॥शतशतशरमारेदशभाला॥गिरिशृंगनजनुप्रविशहिं
व्याला॥पुनिशतशरमारेउउरमाही॥परेउअवनितनुशुध्दिकछुनाहीं
॥उठाप्रबलपुनिमूर्च्छाजागी॥छाडेसिब्रह्मदत्तजोसांगी॥छंद॥सो
ब्रह्मदत्तप्रचंडशक्तिअनंतउरलागीसही॥परयोबिकलबीरउठावदश
मुखअतुलबलमाहीमारहि॥३२॥ब्रह्मांडभुवनबिराजजाकेएकशि
रजिमिरजकनी॥सोचहउठावनमूढराजरावणजाननहित्रिभुवनधनी

॥३३॥ दोहा॥ ॥देखतधायापवनसुत॥बोलतबचनकठोर॥आव
ततेहिउरमहंहनेउ॥मुष्टिप्रहारप्रघोर॥२३०॥ ॥चौपाई॥ ॥जानु
टेकिकपिभूमिनपरेउ॥उठासंभारिबहुरिरिसिभरेउ॥मुष्टिकएकता
हिकपिमारा॥परेउशैलजिमिबज्रप्रहारा॥मूर्छाबिगतबहुरिसोजागा
॥कपिबलविपुलसराहनलागा॥धिक्धिक्ममबालपौरुषमोही॥जोतें
जियतउठासुरद्रोही॥असकहिकपिलक्ष्मणकहंल्याया॥देखिदशा
ननविस्मयपावा॥कहरघुवीरसमुझिजियभ्राता॥तुमकृतांतभक्षकसु
रत्राता॥सुनतबचनउठिबैठुकृपाला॥गगनभईसोशक्तिकराला॥धरि
शरचापचलतपुनिभएऊ॥रिपुसमीपअतुरअतिगएऊ॥ ॥छंद॥ ॥
अतुरबहोरिबिभंजिस्यंदनमारितेहिब्याकुलकियो॥गिरयोधरणिद
शकंधरबिकलतबबाणशतवेध्योंहियो॥३४॥सारथीदूसरघालिरथतें
हितुरतलंकालैगयो॥रघुबीरबंधुप्रतापपुंजबहोरिप्रभुचेरणननयो॥
३५॥ ॥दोहा॥ ॥उहांदशाननजागिकरिकरणलागुकछुयज्ञराम
विरोधीविजयचहशठहठबशअतिअज्ञ॥२३१॥ ॥चौपाई॥ ॥इ
हांबिभीषणसबशुधिपाई॥सपदिजाईरघुपतिहिसुनाई॥नाथकरै
रावणएकयागा॥सिद्धभयेनहिमरहिअभागा॥पठबहुनाथबेगिभ
टबंदर॥करहिविधासआवदशकंधर॥प्रातहोतप्रभुसुभटपठाये॥
हनुमंतादिबंदरसबधाये॥कौतुककूदिचलेकपिलंका॥पैठेरावणभव
नअशंका॥जबहींयज्ञकरततेहिदेषा॥सकलकपिनभाक्रोधविशेषा
॥रणतंभाजिनिलजगृहआवा॥इहांआइबकध्यानलगावा॥असक
हिअंगदमारेउलाता॥चितवनशठस्वारथमनराता॥ ॥छंद॥ ॥
नहिचितवजबकोपितवगहिदशाननलातनमारहीं॥धरिकेशनारिनि
कारिबाहिरतेअतिदीनपुकारही॥३६॥तबउठाकोपिकृतांतसमगहि
चरणबानरडारही॥एहिबीचयज्ञविधासकरिकपिदेखिमनमहहारही

॥३७॥ ॥दोहा॥ ॥मखविधांसकरिकपिसकल॥आएरघुपतिपाश॥चलादशाननक्रोधकरि॥छाडीजियकीआश॥२३२॥चौपाई॥चलतहोहितेहिअशुभभयंकर॥बैठहिगृध्रहिंउडशिरनपर॥भयउकालबशकाहुनमाना॥कहेसिबजाबहुयुद्धनिसाना॥चलीतमीचरअनीअपारा॥बहुगजरथपदचरअसवारा॥प्रभुसमुखखलधावहिंकैसे॥शलभसमूहअनलकहंजैसे॥इहांदेवसबविनतीकीन्हा॥दारुणविपतिहमहिइनहदीन्हा॥अबजनिनाथखेलाबहुएही॥अतिशयदुखितहोतिबैदेही॥देवबचनसुनिप्रभुमुसकाना॥उठिरघुबीरसुधारेउबाना॥जटाजूटदृढबांधीमाथे॥सोहतसुमनबीचबिचगाथे॥अरुणनयनबारिदतनुश्यामा॥अखिललोकलोचनअभिरामा॥कटितटपरिकरकसेनिषंगा॥ छंद॥ ॥सारंगकरसुंदरनिषंगशिलीमुखाकरकटिकस्यो॥भुजदंडपीनमनोहरायतउरधरासुरपदलस्यो॥३८॥कहदासतुलसीजबहिंप्रभुशरचापकरफेरनलगे॥ब्रह्मांडदिग्गजकमठअहिमहिसिंधुभूधरडगमगे॥३९॥ ॥दोहा॥ ॥शोभादेखिहर्षेसुर॥वर्षहिंसुमनअपार॥जयजयजयकरुणानिधि॥छबिबलगुणअपार॥२३३॥ ॥चौपाई॥ ॥एहिकेबीचनिशाचरअनी॥कसमसातिआईअतिघनी॥देखिचलेसनमुखकपिभट्टा॥प्रलयकालकेजिमिघनघट्टा॥बहुकृपाणतरबारिचमकहिं॥जनुदशदिशिदामिनीदमकाहिं॥गजरथतुरंगचिक्कारकठोरा॥गर्जनमनहुंबलाहकघोरा॥कपिलंगूरविपुलनभछाये॥मनहुइंद्रधनुउगेसुहाये॥उठीरेणुमानहुंजलधारा॥बाणबुंदभईवृष्टिअपारा॥दुहुदिशिपर्वतकरहिंप्रहारा॥वज्रपातजनुबारहिंबारा॥रघुपतिकोपिबाणउरलाई॥घायलभेनिशिचरसमुदाई॥लागतबाणबीरचिक्करहीं॥घूमिघूमिअगणितमहिपरहीं॥स्रवहिंशैलजनुनिर्झरबारी॥शोणितसरिकादरभयकारी॥ ॥छंद॥ ॥कादरभयंकर

रुधिरसरिताबढीबोपरमअपावनी॥दोउकूलदलरथरेतचक्रावर्तबह
तिभयावनी॥४०॥जलजंतुगजपदचरतुरंगखरबिबिधवाहनकोगने
॥शरशक्तितोमरपरशुचापतरंगचर्मकघटघने॥४१॥ ॥दोहा॥
बीरपरेजनुतीरतरु॥मज्जावहजनुफेन॥कादरदेखतडरहिंजियु॥सु
भटनकेमनचेन॥२३४॥ ॥चौपाई॥ ॥मज्जहिंभूतपिशाचबेता
ला॥प्रथममहायोगिनीकराला॥काककंकलैभुजाउडाहीं॥एकतेएक
छीनिघरिखाहीं॥एककहहिंएकनसोघाई॥शठतुम्हारदारिद्रनजाई॥
कहरतभटघायलतटगिरे॥जहंतहंमनहुंअर्धजलपरे॥खैचहिंआंतगृ
ध्रतटगये॥जनुवनशीखेलतचितदये॥बहुभटबहहिंचढ़ेखगजाहीं॥जि
मिनावरिखेलहिंसरिमाहीं॥योगिनिभरिभरिखपरिसाचहिं॥भूतपि
शाचबिबिधनाचहिं॥भटकपालकरतालबजावहिं॥चामुंडानानाबिधगा
वहिं॥जंबुकनिकरदंतकटकट्हीं॥खाहिंअघाहिंठढ़केवढ़हिं॥छंद॥
बोलहिंजयजयमुंडरुंडप्रचंडशिरबिनुधावहीं॥खगगणपरस्परअरु
झियूझहिंसुभटकरपुरपावहीं॥४२॥बानरनिशाचरनिकरमर्दहिंरा
मबलेदृपित्तभये॥संग्रामअंगनसुभटसोवहिंरामशरनिकरनहये४३
॥ ॥दोहा॥ ॥हृदयबिचारेसिदशवदन॥भानिशिचरसंहार॥मैं
अकेलकपिभालुबहू॥मायाकरौंअपार॥२३५॥ ॥चौपाई॥ ॥
देवनप्रभुहिपयादेहिंदेखाउपजाउरअतिक्षोभविशेषा॥सुरपतिनिजर
थतुरतपठावा॥हर्षसहितमातलेआवा॥ तेजपुंजरथदिव्यअनूपा॥
बिहंसिचलेकोशलपुरभूपा॥चंचलतुरगमनोहरचारी॥अजरअमरम
नसमगतिकारी॥रथारूढरघुनाथहिदेखी॥धायेकपिबलपाइविशेषी॥
सहानजाइकपिन्हकीमारी॥तबरावणमायाबिस्तारी॥सोमायारघुबी
रहिंबाची॥लखिसबकपिनमानीसांची॥देखाकपिननिशाचरअनी॥
बहअंगदलक्ष्मणकपिघनी॥ ॥छंद॥ ॥बहुबालिसुतलक्ष्मणकपीश

बिलोकिमर्कटअपडरे॥जनुचित्रलिखितसमेतलक्ष्मणजहंसोतह
चितवतखरे॥४४॥निजसेनचकितबिलोकिहंसिधनुतानिशरकोश
लधनी॥मायाहरीहरिनिमिषमहुहर्षीसकलमर्कटअनी॥४५॥ ॥
दोहा॥ ॥बहुरिरामसबतनचितय॥बोलेबचनगंभीर॥द्वंदयुद्ध दे
खहुसकल॥श्रमितभयेकपिबीर॥२३६॥ ॥चौपाई॥ ॥असकहि
रथरघुनाथचलावा॥विप्रचरणपंकजशिरनावा॥तबलंकेशक्रोधक-
रिधावा॥गर्जितर्जिसनमुखआवा॥जीतेहुजोभटसंयुगमाहीं॥सु
नुतापसमैतिनसमनाहीं॥रावणनामजगतयशजाना॥लोकपजाकेब
दीखाना॥खरदूषणकबंधतुममारा॥वधेहुव्याधइवबालिबिचारा॥
निशिचरसुभटसकलसंहारे॥कुंभकर्णघननादहुमारे॥आजुबैरस
बलेउंनिबाही॥जौंरणभूमिभागिनहिंजाही॥आजुकरौंखलुकालह
वाले॥परेहुकठिनरावणकेपाले॥सुनिदुर्बचनकालबशजाना॥बिहसि
बचनकहकृपानिधाना॥सत्यसत्यतबसबप्रभुताई॥जनिजलपसिदिखा
उमनसाइ॥छंद॥जनिजल्पनाकरिसुयशनाशहिनीतिसुनिशठकरुक्ष
मा॥संसारमहपूरुषधिविधिपाटलरसालपनससमा॥४६॥एकसुम
नप्रदएकसुमनफलेएकफलैकेवललागहीं॥एककहहिंकरहिंनकरिकह
हिंएकनकहिकरिकखागहीं॥४७॥दोहा॥रामबचनसुनिबिहसिकह
॥मोहिसिखावहुज्ञान॥वैरकरततनहिंनवडरेहु॥अबलागेप्रियप्राण॥
२३७॥चौपाई॥कहिदुर्बचक्रुद्धदशकंधर॥कुलिशसमानलागछांडेश
र॥नानाकारशिलीमुखधाये॥दिशिअरुबिदिशिगगनमहछाये॥अन
लबाणछांडेरघुवीरा॥क्षणमहजरेनिशाचरतीरा॥छाडेसितीव्रशक्ति
खिसिआई॥बाणसंगप्रभुफेरिपठाई॥कोटिनचक्रत्रिशूलपवारइ॥बि
नुप्रयासप्रभुकाटिनिवारइ॥विफलहोहिरावणशरकैसे॥खलकेसक
लमनोरथजैसे॥तबशतबाणसारथिहिमारेसि॥परेउभूमिजयरा-

मपुकारेसि॥रामकृपाकरताहिउठावा॥तबप्रभुपरमक्रोधउरछावा॥
छंद॥ ॥भयेक्रुद्धयुद्धविरुद्धरघुपतित्रोणशायककसमसे॥कोदंडध्व
निअतिचंडसुनिमनुजादसबमारुतग्रसे॥४८॥मंदोदरीउरकंपकंपित
कमठभूभूधरत्रसे॥चिक्करहिंदिग्गजदशननगहिमहिदेखिकौतुकसु
रहंसे॥४९॥दोहा॥तानिशरासनश्रवणलगि॥छांडेबिशिखकराल
॥नभमारगशरएचले॥लहलहातजनुब्याल॥२३८॥चौपाई॥चलेबा
णसपक्षजनुउरगा॥प्रथमहिहतेसारथीतुरगा॥रथबिभंजिहतिकेतु
पताका॥गर्जाअतिअंतरबलथाका॥तुरितआपनरथचढिखिसिआना॥
अस्त्रशस्त्रछांडेसिबिधनाना॥बिकलहोइसबउद्यमताके॥जिमिपरद्रो
हनिरतमनसाके॥तबरावणदशशूलचलावा॥वाजिचारिमहिमारिगि
रावा॥तुरितउठाइकोपिरघुनायक॥छांडेअतिकरालबहुशायक॥राव-
णशिरसरोजबनचारी॥चलेरघुनाथशिरीमुखधारी॥दशदशबाणभा
लदशमारे॥निसरिगयेचलेरुधिरपनारे॥स्त्रवतरुधिरधावाबलवाना
॥प्रभुपुनिकृतधनुशरसंधाना॥तीशतीररघुवीरपवारे॥भुजनिसमे
तशीसमहिपारे॥काटतहींपुनिभयेनवीने॥रामबहोरिभुजाशिरक्षीणे
॥प्रभुबहुबारबाहुशिरहये॥कटितझटितिपुनिनूतनभये॥पुनिपुनिप्रभु
काटहिंभुजशीशा॥अतिकौतुकीकोशलाधीशा॥रहेछाइनभशिरअरु
बाहु॥मानहुंअमितकेतुअरुराहु॥छंद॥जनुराहुकेतुअनेकनभपथस्त्र
वतशोणितधावहीं॥रघुवीरतीरप्रचंडधाबहिभूमिगिरनतपावहीं॥५०॥
एकएकशिरशिरनिकरछेदनभउडतइमिसोहहीं॥जनुकोटिदिनकर
किरणकोपिजहंतहंविधुंतुदजोहहीं॥५१॥दोहा॥जिमिजिमिप्रभुहर
तासुशिरतिमितिमिहोहिंअपार॥सेवतविषयविबुधजिमि॥नितनित
नूतनमार॥२३९॥चौपाई॥दशमुखदीखनिरतकीबाढी॥बिसरामरण
भईरिसगाढी॥गर्जेउमूढमहाअभिमानी॥धाएहुदशहुशरासनतानी॥

समरभूमिदशकंधरकोपा॥वर्षिबाणरघुपतिरथतोपा॥दंडएकरथदेषि
नपरेऊ॥जनुनिहारमहंदिनकरदुरेऊ॥हाहाकारसुरनजबकीन्हा॥तब
प्रभुकोपिधनुषकरलीन्हा॥शरनिवारिरिपुकेशिरकाटे॥तेदिशिबिदिशि-
गगनमहिपाटे॥काटेशिरनभमारगधावहिं॥जयजयध्वनिकरिभयउप
जावहिं॥कहलक्ष्मणसुग्रीवकपीशा॥कहरघुबीरकोशलाधीशा॥छं
द॥कहरामकहिशिरनिकरधावहिंदेखिमर्कटभजिचले॥संधानिशरर
घुवंशमाणितबशरनशिरवेघेभले॥५२॥शिरमालिकागहिकालिकाजनुवृं
दवृंदनबहुमिली॥करिरुधिरसरिमज्जनमनहुंसंग्रामवटपूजनचली॥
५३॥दोहा॥पुनिरावणअतिकोपकरि॥छांडिशक्तिप्रचंड॥सनमुखचली
बिभीषणहिं॥मनहुकालकोदंड॥२४०॥चौपाई॥आवतदेखिशक्तिखर
धारा॥प्रणतारतिहरबिरुदसंभारा॥तुरतबिभीषणपाछेमेला॥सनमु-
खरामसहेउसोशेला॥लगीशक्तिमूर्छाकछुभई॥प्रभुकृतखेलसुरनबि
कलई॥देखिबिभीषणप्रभुश्रमपाएउ॥गहिकरगदाक्रोधकरिधाएउ॥
रेकुभाग्यशठमंदकुबुद्धे॥तैंसुरनरमुनिनागविरुद्धे॥सादरशिवकहंशीश
चढाए॥एकएककेकोटिनपाए॥तेहिंकारणखलअबलगिबांचा॥अबतं
ककालशीसपरनांचा॥रामबिमुखशठचहसिसंपदा॥असकहिहनेसिमा
झउरगदा॥छंद॥उरमाझगदाप्रहारघोरकठोरलागतमहिपरा॥दशबदन
शोणितस्रवतपुनिसंभारिधायोरिसभरा॥५४॥दोउभिरेअतिबलमल्लयुद्ध
बिलोकिएकहिंइकहने॥रघुबीरबलगर्बितबिभीषणघालिनहितांकहंगने
॥५५॥दोहा॥उमाबिभीषणरावणहिं॥सनमुखचितवकिकाउ॥सोअ
बभिरतकालसम॥श्रीरघुबीरप्रभाऊ॥२४१॥चौपाई॥देखाश्रमितबिभीष
णभारी॥धांवाहनुमानगिरिधारी॥रथतुरगसारथीनिपाता॥हृदयमाझ
मारेउतेहिंलाता॥गादरहाअतिकंपितगाता॥गएउबिभीषणजहंजनत्रा
ता॥पुनिसबएकपिहतेउप्रचारी॥चलागगनकपिपुच्छप्रसारी॥गहेसिपुच्छ

कपिसहितउडाना॥पुनिनभभिरेउप्रबलहनुमाना॥लरतअकाशयु
गलसमयोधा॥हननएकएकहिंकरिक्रोधा॥शोभितनभछलबलबहुक
रहिं॥कज्जलगिरिसुमेरुजनुलरहीं॥बुधिबलनिशिचरपरैनपारा॥न
बमारुतसुतप्रभुहिसभारा॥ छंद॥संभारिश्रीरघुबीरधीरप्रचारिकपिराव
णहन्यो॥महिपरतपुनिउठिलरतदेवनयुगुलकहजयजयभन्यो॥५६॥
हनुमंतसंकटदेखिमर्कटभालुक्रोधातुरचले॥रणमत्तरावणसकलसुभ
टप्रचंडभुजबलदलमले॥५७॥ ॥दोहा॥ ॥तबरघुबीरप्रचारेउ॥धाये
कीशप्रचंड॥कपिदलप्रबलबिलोकितेइ॥कीन्हप्रगटपाषंड॥२४२॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥अंतर्धानभयोक्षणएका॥पुनिप्रगटेसिखलरूप
अनेका॥रघुबरकटकभालुकपिजेते॥जहंतहंप्रगटदशाननतेते॥देखा
कपिनप्रगटदशशीशा॥जहंतहंभजेभालुअरुकीशा॥चलेबलीमुखधर
हिंनधीरा॥त्राहित्राहिलक्ष्मणरघुवीरा॥दशदिशिकोटिनधावहिराव
ण॥गर्जहिघोरकठोरभयावन॥डरेसकलसुरचलेपराई॥जयकीआश-
तजहुअबभाई॥सबसुरजितेउएकदशकंधर॥अबबहुभयेनकहुगिरि
कंदर॥रहेबिरंचिशंभुमुनिज्ञानी॥जिनजिनप्रभुकीमहिमाजानी॥ छं
द॥ ॥जानहिंप्रतापतेरहेनिर्भयकपिनरिपुमानेफूरे॥चलेबिचलमर्कट
भालुसकलकृपालुपाहिभयआतुरे॥५८॥ हनुमंतअंगदनलनीलबलवं
तअतिरणबाकुरे॥मर्दहिदशाननकोटिकोटिनकटकभटकेअंकुरे॥
५९॥दोहा॥ ॥सुरवानरदेखेबिकालहसेकोशलाधीश॥साजिशरा-
सनएकशर॥हनेसकलदशशीश॥२४३॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रभुक्षण
महमायासबकाटी॥जिमिरबिउदयजाहिंतमफाटी॥रावणएकदे
खिसुरहर्षे॥बिपुलसुमनपुनिप्रभुपरवर्षे॥भुजउठाइरघुपतिकपिफे
रे॥फिरेएकएकनकेटेरे॥प्रभुबलपाईभालुकपिधाये॥तरलतमकिसं
युगमहआये॥अस्तुतिकरनदेवनहिदेखे॥भएउँअेकमैइनकेलेखे॥

सदहुसदात्तुममोरमरायल॥असकहिगगनपंथकहंघायल॥हाहा-
कारकरतसुरभागे॥खलहुजाहुकहंमोरेआगे॥देखिबिकुलसुरअंगद
धावा॥कूदिचरणगहिभूमिगिरावा॥छंद॥गहिभूमिपाखोलातमाखो
बालिसुतप्रभुपहिंगयो॥संभारिउठिदशकंठघोरकठोररवगर्जतभयो॥६०
॥करिदापधनुषचढाइदशसंधानिशरबहुवर्षई॥कियसकलभटघायल
भयाकुलदेखिनिजबलहर्षई॥६१॥ ॥दोहा॥ ॥तबरघुपतिलंकेश
के॥बीशभुजादशचाप॥काटेमयेबहोरिबहु॥जिमितारथकेपासपाप
॥२४४॥चौपाई॥ शिरभुजबाटिदेखिरिपुकेरी॥भालुकपिन्हरिसभईघ
नेरी॥मरततमूढकटेहुभुजसीशा॥धायेकोपिभालुभटकीशा॥बालि
तनयमारुतनलनीला॥द्विविदमयंदमहाबलशीला॥विटपमहीधरक
रहिंप्रहारा॥सोइगिरितरुगहिकपिनसोमारा॥एकनखनरिपुबपुष
बिदारी॥भागिचलहिंएकलाततमारी॥तबनलनीलशिरनचढिगयेऊ॥
नखनललाटबिदारतभयेऊ॥रुधिरबिलोकिसकोपसुरारी॥तिनहिं
धरनकहंभुजाप्रसारी॥गहेनजाहिंशिरनपरफिरहीं॥जनुयुगमधुप-
कमलवनचरहीं॥कापिकूदिहौधरेसिबहोरी॥महिपटकतभजेभुजाम
रोरी॥पुनिसकोपिदशधनुकरलीन्हा॥शरनमारिघायलकपिकीन्हा॥
हनुमदादिमूर्छितकरिबंदर॥पाइप्रदोषहर्षदशकंधर॥मूर्छितदेखि
सकलकपिवीरा॥जांबवंतधावारणधीरा॥संगभालुभूधरतरुधारी॥
मारणलगेप्रचारिप्रचारि॥भयोक्रोधरावणबलवाना॥गहिपदमहिपट
केभटनाना॥देखिभालुपतिनिजदलधाना॥कोपिमाऊउरमारेउलाता
॥छंद॥उरलातघातप्रचंडलागतविकलरथतेमहिपरा॥गहिभालुवीश
हुकरनमानहुकमलनिशिबसिमधुकरा॥६२॥मूर्छितबहोरिबिलोकि
पदहतिभालुपतिप्रभुपहिंगयो॥निशिजानिस्यंदनघालितेहितबसूतय
ननकरतभयो॥६३॥दोहा॥मूर्छाविगतभालुकपि॥सबआयेप्रभुपास

॥सकलनिशाचररावणहिं॥घेरिरहेअतित्रास॥२४५॥चौपाई॥तेहि
निशिमहंसीतापहंजाई॥त्रिजटाकहिसबकथाबुझाई॥शिरभुजबाढि
सुनतरिपुकेरी॥सीताउरभइत्रासघनेरी॥मुखमलीनउपजीमनचिंता॥
त्रिजटासनबोलीतबसीता॥होइहिकहाकहसिकिनुमाता॥केहिबिधि
मरिहिबिश्वदुखदाता॥रघुपतीशरशिरकटेहुनमरई॥बिधिबिपरीतच
रितसबकरई॥मोरअभाग्यजिआवतहोही॥जेहिहौंहरिपदकमलबिछो
ही॥जेइकृतकनककपटमृगझूठा॥अजहुसोदैवमोहिपररूठा॥जेहिबि
धिमोहिदुखदुसहसआए॥लक्ष्मणकहकटुबचनकहाए॥रघुपतिबिर
हबिषशरभारी॥तकितकिबारबारमोहिमारी॥ऐसेहुदुखजोराखहिमा
ना॥सोइबिधितांहिजिआवनआना॥बहुबिधकरतिबिलापजानकी॥क
रिकरिसुरतिकृपानिधानकी॥कहित्रिजटासुनुराजकुमारी॥उरशरलाग-
तमरहिंसुरारी॥तातेंप्रभुउरहतहिंनतेही॥एहिकेहृदयबसतीबैदेही॥
छंद॥एहिकेहृदयबसजानकीममजानकीउरबासहै॥ममउदरभुवन
अनेकलागतबाणसबकोनासहै॥६४॥असमुनतहर्षबिषादउरअति
देखिपुनित्रिजटाकहा॥अबमरहिंरिपुसुंदरिसुनहुयहतजहुतुमसंशय
महा॥६५॥दोहा॥काटतशिरहोइहिबिकल॥छूटिजाइतबध्यान॥
तबरावणहिंहृदयमहं॥मारहिरामसुजान॥२४६॥ ॥चौपाई॥ ॥
असकहिबहुप्रकारसमुझाई॥पुनित्रिजटानिजभवनसिधाई॥रामस्व
भावसुमिरिबैदेहि॥उपजीबिरहब्यथाअतितेही॥निशिहिंशशिहिंनिं
दतिबहुभांती॥युगसमभईसिरातिनराती॥करतिबिलापमनहींमन
भारी॥रामबिरहजानकीदुखारी॥जबअतिभयेउबिरहउरदाहू॥फरके
उवामनयनअरुबाहू॥सगुणबिचारिधरामनधीरा॥अबमिलिहहिंकृ
पालुरघुबीरा॥इहांअर्धनिशिरावणजागा॥निजसारथिसनखीझनला
गा॥शठरणभूमिछुडायेहुमोही॥धिकधिकअधममंदमतितोहीं॥तेइप

दगहिबहुविधसमुझावा॥भोरभयेरथचढ़िपुनिआवा॥सुनिआगमन
दशाननकेरा॥कपिदलखरभरभएउघनेरा॥जहंतहभूधरविटपउपारी॥
धायेकटकटाइभटभारी॥छंद॥धायेजोमर्कटबिकटभालुकरालकरभू
धरधरा॥अतिकोपिकरहिंप्रहारमारतभाजिचलेरजनीचरा॥६६॥बि
लाइदलबलवंतकीशनघेरिपुनिरावणलियो॥दशादिशिनचपेटनमा
रिनखनबिदारितेहिब्याकुलकियो॥६७॥दोहा॥देखिमहामर्कटप्र
बल॥रावणकीन्हविचार॥अंतरहितभानिमिषमहं॥कृतमायाबिस्तार
॥२४७॥तोमरछंद॥जबकीन्हतेइपाषंड॥भयेप्रगटजंतुप्रचंड॥वैताल
भूतपिशाच॥करधरेधनुनाराच॥६८॥योगिनीकहेकरवाल॥एकहाथ
मनुजकपाल॥करिसद्यशोणितपान॥नाचहिकरहिंबहुगान॥६९॥धरु
मारुबोलहिंघोर॥रहिपूरीध्वनिचहुंओर॥मुखवायधावहिंखान॥तबल
गेकीशपरान॥७०॥जहजाइमर्कटभागि॥तहबरषतदेखहिंआगि॥भ
यबिकलबानरभालु॥पुनिलागुवर्षणबालु॥७१॥जहंतहथकितकरि-
कीश॥गर्जेउबहुरिदशशीश॥लक्ष्मणकपीशसमेत॥भयेसकलबीर
अचेत॥७२॥हारामहारघुनाथ॥कहिसुभटमींजहिहाथ॥यहिबिधस
कलबलतोरि॥तेहिकीन्हकपटबहोरि॥७३॥प्रगटेसिबिपुलहनुमान॥
धायेगहेपाषाण॥तिनिघेरिरामहिंजाइ॥चहूंदिशिबिरूथबनाई॥७४॥
मारहुधरहुजनिजाइ॥कटकटहींपूछउठाइ॥दशदिशिलंगूरबिराज॥
तेहिमध्यकोशलराज॥७५॥छंद॥तेहिमध्यकोशलराजसुंदरश्याम॥
तनुशोभालही॥जनुइंद्रधनुषअनेककीबरबारीतुंगतमालही॥७६॥
प्रभुदेखिहर्षविषादसुरउरबंदिजयजयजयकरी॥रघुवीरएकहिंतीर
कोपिसोनिमिषमहंमायाहरी॥७७॥मायाबिगतकपिभालुहर्षेविटप
गिरिगहीसबफिरे॥शरनिकरछाडेरामरावणबाहुशिरमहिमहगिरे॥श्री
रामरावणसमचरितअनेककल्पजेगावहीं॥शतशेषशारदनिगमआगम

नदपिपारनपावनहीं॥७९॥दोहा॥कहेनासुगुणगणकछुकजडमति
तुलसीदास॥जिमिनिजबलअनुरूपतें॥मशकउडहिंआकाश॥२४८॥
प्रभुचितयेसुरसिद्धमुनि॥व्याकुलदेखिकलेश॥काटेशरभुजबारबहुमरै
नभटलंकेश॥२४९॥चौपाई॥ ॥काटेशिरपुनिहोहिंअपारा॥ भौंग-
करतजिमिबाढैंमारा॥मरैनरिपुश्रमभयउविशेषा॥रामबिभीषणतनत
बदेषा॥उमाकालमरुजाकीइच्छा॥सोप्रभुजनकरप्रीतिपरिक्षा॥शुनुस
र्वज्ञचराचरनायक॥प्रणतपालसुरमुनिसुखदायक॥नाभीकुंडपीयूष
बसायके॥नाथजिअतरावणबलनाके॥शुनतबिभीषणबचनकृपाला
॥हर्षिगहेकरबाणकराला॥अशुभहोनलगेबिधनाना॥रोवहिंबहुत
सृगालस्वरश्वाना॥बोलहिंखगजगआरतहेतू॥प्रगटभयेजहंतहंनभ
केतू॥दशदिशिदाहहोननबलागा॥भयेउपर्वबिनुरविउपरागा॥मंदोद
रीउरकांपतभारी॥प्रतिमास्रवहिंनयनमगबारी॥ ॥छंद॥ ॥प्रतिमा
रुदहींपविपाततनभअतिवातवहडोलतिमही॥वर्षहिंबलाहकरुधिरकचर
जअशुभअतिशककोकहि॥९०॥उतपातअमितविलोकिसुरनरविक
लबोलहिंजयजये॥सुरसभयजानिकृपालुरघुपतिचापशरजोरतभये॥
९१॥दोहा॥ ॥आकर्षेउधनुश्रवणलगि॥छाडेशरएकतीश॥रघु-
नायकशायकचले॥मानहुकालफणीश॥२५०॥ ॥चौपाई॥ ॥शा
यकएकनाभिशरशोषा॥अपरलगेशरभुजकरिरोषा॥लैशिरबाहुचले
नाराचा॥शिरभुजहीनरूडमहिनाचा॥धरणिधसेधरधावप्रचंडा॥तब
शरहतिप्रभुकृतयुगखंडा॥गर्जामरतघोररवभारी॥कहांरामरणहतौं
प्रचारी॥डोलीभूमिगिरतदशकंधर॥क्षुभितसिंधुसरिदिग्गजभूधर॥
परेउभूधरभूमियुगखंडबडाई॥चापिभालुमर्कटसमुदाई॥मंदोदरिआ
गेभुजशीशा॥धरिशरचलेजहांजगदीशा॥प्रविशेसबनिषंगमहजाई
॥देखिसुरनदुदुभीबजाई॥तासुतेजप्रविशेउप्रभुआनन॥हर्षेदेखिशंभु

चतुरानन॥जयध्वनिपूरिरहीब्रह्मांडा॥जयरघुबीरप्रबलभुजदंडा॥ वर्षहिंसुमनदेवमुनिवृंदा॥जयकृपालुजयजयतिमुकुंदा॥ ॥छंद॥ ॥ जयकृपाकंदमुकुंदहरिमर्दननिशाचरमदप्रभो॥खलदलबिदारणपरम कारणकारुणीकसदाविभो॥सुरसिद्धमुनिगंधर्वहर्षबाजदुंदुभीगहगही॥संग्राममध्यंगनअनंगबहुशोभालही॥८३॥शिरजटामुकुटप्रसूनबिचि



बिचिअतिमनोहरराजहीं॥जनुनीलगिरिपरतडितपटलसमेतउडग णभ्राजहीं॥८४॥भुजदंडशरकोदंडफेरतरुधिरकणतनअतिबनोजि मिराजमुनिअतमालऊपरबैठिबिपुलसुखआपने॥८५॥दोहा॥कृपादृ ष्टिकरिवृष्टिप्रभु॥अभयकियेसुरवृंद॥हर्षवानरभालुकपि॥जयसुखधाम मुकुंद॥२५०॥चौपाई॥पतिशिरदेखजबहिंमंदोदरि॥मूर्छितविकलमै खसिपरि॥युवतिवृंदरोवतिउठिधाई॥तेहिउठाइरावणपहिंल्याई॥पति गतिदेखतिकरतिपुकारा॥छूटेकेशनदेहसंभारा॥उरताडनाकरहिंविध नाना॥रोदनकरहिंप्रतापबखाना॥तवबलनाथडोलनितधरणी॥तेजहीनपावकशशितरणी॥शेषकमठसहिशकहिंनभारा॥सोतनुअजुपराज रिछारा॥बरुणकुबेरसुरेशसमीर॥रणसनमुखधरकाहुनधीर॥निजब लजितेहुकालयमसाई॥आजुसोपरेउअनाथकीनाई॥जगतबिदिततुम्हा रिप्रभुताई॥सुतपरिजनबलबरणिनजाई॥रामबिमुखअसहालतुम्हारा॥

रहान्कुलकोउरोवनहारा॥ तबबशविधिप्रपंचसबनाथा॥ सबदिगपति
तोहिनवहिमाथा॥ अबतबशिरभुजजंबुकखाहीं॥ रामबिमुखयहअनु
चितनाहीं॥ कालबिबशपतिकहानमाना॥ अगजगनाथमनुजकरिजाना॥
॥छंद॥ ॥ जान्योमनुजकरिदनुजकाननदहनपावकहरिस्वयम्॥जे
हिनमतशिवब्रह्मादिसुरप्रियभजेहुनहिकरुणामय॥ आजन्मतेपरद्रोहर
तपापौघमयवतनुअयं॥ तुमहूदियोनिजधामरामनमामिब्रह्मनिरामय
म्॥ ॥ दोहा॥ अहहनाथरघुनाथसम॥ कृपासिंधुकोआन॥ मुनिदुर्लभ
जोपरमगति॥ तुमहिंदीनिभगवान॥ २५०॥ मंदोदरीबचनसुनिकाना
॥ सुरमुनिसिद्धसवहिसुखमाना॥ अजमहेशनारदसनकादी॥ जेमुनिवर
परमारथवादी॥ भरिलोचनरघुपतिहिंनिहारी॥ प्रेममगनसबभयेउसुखा
री॥ रोदनकरतबिलोकेउनारी॥ भयेऊबिभीषणमनदुखभारी॥ बंधुद
शादेखतदुखभयेऊ॥ तबप्रभुअनुजहिआयसुदयेऊ॥ लक्ष्मणतेहिबहु
विधसमुझाये॥ सहितबिभीषणप्रभुपहिंआये॥ कृपादृष्टिप्रभुताहिबिलो
का॥ करहुक्रियापरहरीसबशोका॥ कीन्हप्रभुक्रियाआयसुमानी॥ विधि
वतदेशकालजियआनी॥ दोहा॥ मयतनयादिकनारिसब॥ देइतिलां
जलिताहि॥ भवनगईरघुबीरगुण॥ गणबरणतमनमाहि॥ २५१॥ चौ
पाई॥ आइबिभीषणपुनिशिरनावा॥ कृपासिंधुतबअनुजबुलावा॥ तु
मकपीशअंगदनलनीला॥ जांबवंतमारुतीजयशीला॥ सबमिलिजाहु
बिभीषणसाथा॥ सारहुतिलककहेरघुनाथा॥ पिताबचनमैंनगरनआ
ऊ॥ आपुसरिसकपिअनुजपठाऊं॥ तुरतचलेकपिसुनिप्रभुबचन॥ की
न्हीजाइतिलककीरचना॥ सादरसिंहासनबैठारी॥ तिलकसारिअस्तु
तिअनुसारी॥ जोरिपाणिसबहीशिरनाये॥ सहितबिभीषणप्रभुपहि
आये॥ तबरघुबीरबोलिकपिलीन्हे॥ कहप्रियबचनसुखीसबकीन्हे॥ ॥
छंद॥ ॥ कीन्हेउसुखीसबकहिसुबाणीबलतुम्हारेरिपुहयो॥ पायौ

बिभीषणराजतिहंपुरयशतुम्हारोंनितनयो॥९६॥मोहिसहिनसबकी
रतितुम्हारीपरमप्रीतिजेगाइहै॥संसारसिंधुअपारपारप्रयासबिनुनर
पाइहै॥९७॥दोहा॥प्रभुकेबचनश्रवणसुनि॥नहिंअघातकपिपुंजवार
हिंबारशिरनावहिं॥गहेरामपदकंज॥२५२॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिप्रभुबो
लिलियेहनुमाना॥लंकाजाहुकहेउभगवाना॥समाचारजानकीहिसुना
वहु॥तासुकुशललैतुमचलिआवहु॥तबहनुमंतनगरमहंआये॥सुनि
निशिचरीनिशाचरधाये॥पूजाबहुप्रकारतिन्हकीन्हा॥जनकसुतादिखा
इसबदीन्हा॥दूरहिंतेंप्रणामकपिकीन्हा॥रघुपतिदूतजानकीचीन्हा॥
कहहुतातप्रभुकृपानिकेता॥कुशलअनुजकपिसेनसमेता॥सबबिध
कुशलकोशलाधीशा॥मातुसमरजीतेउदशशीशा॥अबिचलराजबि
भीषणपावा॥सुनिकपिबचनहर्षउरछावा॥ ॥छंद॥ ॥अतिहर्षम
नतुपुलकलोचनसजलपुनिपुनिकहरमा॥कादेउंनाहिंत्रैलोकाभहक-
पिकिमपिनहिंबाणीसमा॥९८॥शृणुमातमेंपाएउंअखिलजगराज
आजुनसंशयं॥रणजीतिरिपुदलबंधुयुतपश्यामिराममनामयं॥९९॥
दोहा॥सुनुसुतसदगुणसकलब॥हृदयबसोहनुमंत॥सानुकूलरघु
बंशमणिरहहिंसमेतअनंत॥२५३॥चौपाई॥अबसोईयतनकरहनु



मताना॥देखौंनयनश्यामपृदुगाता॥तबहनुमंतराममहिंआएउ॥जनक

सुनाकरकुशलरूनाएउसुनिसंदेशपतंगकुलभूषण॥ बोलिलियेक-
पिराजबिभीषण ॥मारुतसुतकेसंघसिधावहु॥सादरजनकसुतालेआ
वहु॥तुरतहिंसकलगयेजहंसीता॥सेवहिंसबनिशिचरीविनीता॥वेगबि
भीषणतिन्हहिंशिखावा॥तिन्हबहुविधमज्जनकरवावा॥बहुप्रकारभू
षणपहिराये॥ शिबिकारुचिरसाजिपुनिल्याए॥तेहिपरहर्षिचढीबैदेही
॥सुमिरिरामसुखधामसनेही॥देखनभालुकीशबहुधाए॥रक्षककोपिनि
वारणआए॥वेनपाणिरक्षकवहुपासा॥चलेसकलमनपरमहुलासा॥कह
रघुबीरकहामममानहु॥देखहिंकपिजननीकीनाई॥बिहंसिकहारघुबीर
गोसाई॥सुनिप्रभुबचनभालुकपिहर्षे॥नभतेसुरनसुमनबहुवर्षे॥सीता
प्रथमअग्निमहंराखी॥प्रकटकीन्हचहंअंतरसाखी॥दोहा॥तेहिंका
रणकरुणायतन॥कहेउकछुकदुर्बाद॥सुनतजातुधानीसकल॥लागीक
रणविषाद॥२५८॥चौपाई॥प्रभुकेबचनसीषधरीसीता॥बोलीमनक्रमब
चनपुनीता॥लक्ष्मणहोहुधर्मकेनेगी॥पावकप्रगटकरहुतुमबेगी॥सुनिल
क्ष्मणसीताकीबानी॥बिरहबिबेकधिर्मनयसानी॥लोचनसजलजोरिक



रदोऊ॥प्रभुसकछुकहिशकतनओऊ॥देखिरामरुखलक्ष्मणधाए॥
प्रगटहुताशदारुबहुलाए॥प्रबलअनलबिलोकिबैदेही॥हृदयहर्षकछु
भयनहितेही॥जोमनबचनकर्मउरमाहीं॥तजिरघुबीरआमनगतिना-
हीं॥तौकृशानुसबकीगतिजाना॥मोकहंहोहुश्रीखंडसमाना॥छंद॥श्री
खंडसमपावकप्रविशाकियसुमिरिप्रभुपदमैथिली॥जयकोशलेशमहेशबं

दिनचरणरजअतिनिर्मली॥९०॥अतिबिंबअरुलौकिकलंकप्रचंडपा
वकमहंजरे॥प्रभुचरितकाहुनलखउसुरमुनिसिद्धसबदेखहिंखरे॥९१॥
तबअनलभूसुररूपकरगहिसत्यश्रीश्रुतिबिदितसो॥जिमिक्षीरसागरइंदि
रारामहिंसमर्पीआनिसो॥९२॥सोरामबामबिभागराजतिरुचिरअतिशो
भाभली॥नवनीलनीरजनिकटमानहुकनकपंकजकीकली॥९३॥दोहा
॥हर्षिसुमनवर्षहिंबिबुध॥बाजहिंगगननिसान॥गावहिंकिन्नरअपसरा
॥नाचहिंचढीबिमान॥२५५॥चौपाई॥तबरघुपतिअनुशासनपाई॥मात
लिचलेउचरणशिरनाई॥आएदेवसदास्वारथी॥बचनकहहिंजनुपरमार
थी॥दीनबंधुदयालरघुराया॥देवकीन्हदेवनपरदाया॥बिश्वद्रोहरतखल
अतिकामी॥निजअघगएउकुमारगगामी॥तुमसर्बज्ञब्रह्मअबिनासी॥स-
दाएकरससहजउदासी॥अकलअगुणअजअनघनामय॥अजितअमो
घशक्तिकरुणामय॥मीनकमठशूकरनरहरी॥बामनपरशुरामबपुधरी॥
जबजबनाथसुरनदुखपावा॥नानातनुधरितुमहिंनशावा॥इहखलमलि
नसदासुरद्रोही॥कौमलोभमदरतअतिकोही॥अधमशिरोमणितवपदपा
वा॥यहहमरेमनअचरजआवा॥हमदेवतापरमअधिकारी॥स्वारथरतप्रभु
भक्तिबिसारी॥भवसागरसंततहमपरे॥अबप्रभुपाहिशरणअनुसरे॥दो
हा॥करिबिनतीसुरसिद्धसब॥रहेबिरंचिकरजोरि॥अतिसप्रेमतनुपुलकि
त॥अस्तुतिकरतबहोरि॥२५६॥छंद॥जयरामसदासुखधामहरे॥रघुना
यकसायकचापधरे॥भवबारणदारणसिंहप्रभो॥गुणसागरनाथबिभो॥९४
॥तनुकामअनेकअनूपछबी॥गुणगावतसिद्धमुनींद्रकबी॥जशपावनराव
णनागमहा॥खगनाथयथाकरिकोपगहा॥९५॥जनरंजनभंजनशोकभ
यं॥गतक्रोधसदाप्रभुबोधमयं॥अवतारउदारअपारगुणं॥महिभारबिभं
जनज्ञानघनं॥९६॥अजव्यापकएकअनादिसदा॥करुणाकररामनमामिमु
दा॥रघुवंशबिभूषणदूषणहा॥कृतभूपबिभीषणदीनरहा॥९७॥गुण

ज्ञाननिधानअमानमंजं॥नितरामनमामिविभुविरजं॥भुजदंडप्रचंडप्र
तापबलं॥खलवृंदनिकंदमहाकुशलं॥९८॥बिनुकारणदीनदयालुहितं॥
छबिधामनमामिरमासहितं॥भवतारणकारणपरं॥मनसंभवदारुणदोष
हरं॥९९॥शरचापमनोहरतूणिधरं॥जलजारुणलोचनभूपबरं॥सुखमंदि
रसुंदरश्रीरमणं॥मदमारमहाममताशमनं॥१००॥अनवद्यअखंडनगोचरसो
सबरूपसदासबहोयनसो॥इतिवेदवदंतिनदंतिकथा॥रविआतपभिन्नभि
भिन्नयथा॥१०१॥कृतकृत्यविभोसबबानरए॥निरखंतितबाननसादरए॥
धिकृजीवनदेवशरीरहरे॥सबभक्तिबिनाभवभूलिपरे॥१०२॥अदीनदयालु
दयाकरिए॥मतिमोरिविभेदकरीहरिए॥जेहितेंबिपरीतकृपाकरिए॥दुख
सोसुखमानीसुखीचरिए॥१०३॥खलखंडनमंडनरम्यक्षमा॥पदपंकज-
सेवितशंभुउमा॥नृपनायकदेवरदानमिदं॥चरणांबुजप्रेमसदासुखदं॥
॥१०४॥दो०॥विनयकीनिचतुरानन॥प्रेमपुलकअतिगात॥शोभासिंधुविलोकि
त॥लोचननहींअघात॥२५७॥चौपाई॥तेहिअवसरदशरथतहंआए॥त
नयविलोकितनयनजलछाये॥अनुजसहितप्रभुबंदनकीन्हा॥आशिर्वादपि
तातबदीन्हा॥तातसकलतबपुण्यप्रभाऊ॥जीत्योअजयनिशाचरराऊ॥सु
नहिसुतबचनप्रीतिअतिबादी॥नयनसलिलरोमावलिठाढी॥रघुपतिप्रथ
मप्रेमअनुमाना॥चितैपितहिंदीन्हेउदृढज्ञाना॥तातेउमामोक्षनहिंपावो
॥दशरथभेदभक्तिमनलावो॥सगुणोपासकमोक्षनलेही॥तिन्हकहराम
भक्तिनिजदेही॥बारबारकरिप्रभुहिप्रणामा॥दशरथहरषिगयेसुरधामा
॥दोहा॥अनुजजानकीसहितप्रभु॥कुशलकोशलाधीश॥शोभादेखिहर
षिमन॥अस्तुतिकरसुरईशा॥२५८॥लघुछंद॥जयरामशोभाधाम॥दाय
कप्रणतविश्राम॥धृततूणीवरशरचाप॥भुजदंडप्रबलप्रताप॥१०५॥जय
दूषणारिखरारी॥मर्दननिशाचरधारी॥इहदुष्टमारेहुनाथ॥भयदेवसक
लेसनाथ॥१०६॥जयहरणधरणीभार॥महिमाअपारउदार॥जयरावण



रिक्रूपाल ॥ कियेजातुधानविहाल ॥ १०७ ॥ लंकेशअनिबलगर्व ॥ मुनिसि
द्धनरखगनाग ॥ हठिपंथसबकेलाग ॥ १०८ ॥ परद्रोहरतिअतिदुष्ट ॥ पाये
सोफलपापिष्ट ॥ अबसुनहुदीनदयालु ॥ राजीवनयनविशालु ॥ १०९ ॥ मोहि
रहाअतिअभिमान ॥ नहिकोऊमोहिसमान ॥ अबदेखिप्रभुपदकंज ॥ गत
मानमददुखपुंज ॥ ११० ॥ कोउब्रह्मनिर्गुणध्याव ॥ अव्यक्तजेहिश्रुतिगाव ॥ मो
हिभावकोशलभूप ॥ श्रीरामसगुणस्वरूप ॥ १११ ॥ बैदेहीअनुजसमेत ॥ मम
हृदयकरहुनिकेत ॥ मोहिजानियेनिजदास ॥ दैभक्तिरमानिवास ॥ ११२ ॥ छं
द ॥ दैभक्तिरमानिवासत्रासहरणशरणसुखदायकं ॥ सुखधामरामनमामि
कामअनेकछबिरघुनायकं ॥ ११३ ॥ सुरवृंदरंजनद्वंद्वभंजनमनुजतनुअतुल
तबलं ॥ ब्रह्मादिशंकरसेव्यरामनमामिकरुणाकोमलं ॥ ११४ ॥ दोहा ॥ अब
करिकृपाविलोकिमोहि ॥ आयेसुदेहकृपालु ॥ कहाकरौंसुनिप्रियबचन ॥ बो
लेदीनदयालु ॥ २५९ ॥ चौपाई ॥ शृणुसुरपतिकपिभालुहमारे ॥ परेभूमिनिशि
चरनजेमारे ॥ ममहितलागितजेइनप्राणा ॥ सकलजिआसुरेशसुजाना ॥ शृ
णुखगेशप्रभुकीइबानी ॥ अतिअगाधजानहिमुनिज्ञानी ॥ प्रभुशक्तित्रिभुवन
मारिजिआई ॥ केवलशक्रहिदीनिबडाई ॥ सुधावरषिकपिभालुजिआए ॥ हर
षिउठेसबप्रभुपहंआए ॥ सुधावृष्टिभईदुहुंदलऊपर ॥ जिएभालुकपिनहिंर
जनीचर ॥ रामाकारभएतिन्हकेमन ॥ मुक्तभएछूटेभवबंधन ॥ सुरअंसिकसब

कपिअरुरिक्षा ॥ जिएसकलरघुपतीकीइच्छा ॥ रामसकोपदीनहितकारी
॥ कीन्हेमुक्तनिशाचरझारी ॥ खलमलधामकामरतरावण ॥ गतिपाईजो
मुनिवरपावन ॥ दोहा ॥ सुमनबरषिसबसुरचले ॥ चढिचढिरुचिरबिमान
॥ देखिसुअवसरप्रभुपहिं ॥ आएशंभुसुजान ॥ २६० ॥ परमप्रीतिकरजो
रिजुग ॥ नलिनयननभरिबारि ॥ पुलकिततनुगदगदगिरा ॥ बिनयकरतत्रि
पुरारि ॥ २६१ ॥ चौपाई ॥ नंदीचढेउमहागणसंगा ॥ शोभमानगौरीअरधंगा
॥ उलकगगशिरचंद्रलिलारा ॥ नीलकंठछबिगरलकिझारा ॥ करखप्परगर
नरशिरमाला ॥ अहिकुलपतिश्रुतिगरेबिशाला ॥ तीनिनयनपिंगलशिरजटा
॥ श्वेतविभूतिदेहअतिछटा ॥ डिमिडिमिडिमिडमरूकरबाजै ॥ शैलिगरमृग
छालबिराजै ॥ तरुणअरुणअंबुजसमचरणा ॥ नयदुतिभक्तहृदयतमहर
णा ॥ मणिविभूतिभूषणत्रिपुरारी ॥ आननशरदचंद्रछबिहारी ॥ इहिबिधि



सोहकामरिपुकैसे ॥ धरेशरीरशांतरसजैसे ॥ दोहा ॥ नाशिलंकापतिसप
नसब ॥ बैठेकोशलाधीश ॥ संगचारिगंधर्वगणगएउनहांगिरीश ॥ २६२ ॥ परम
प्रीतिकरजोरिजुग ॥ कमलनयनभरिवारि ॥ पुलकगातगद्गदगिरा ॥ बिनय
करतत्रिपुरारि ॥ २६३ ॥ चौपाई ॥ मामभिरक्षयरघुकुलनायक ॥ धृतबरचापरु
चिरकरसायक ॥ मोहमहाघनपटलप्रभंजन ॥ संशयबिपिनअनलसुररंजन

न॥ अगुणसगुणगुणमंदिरसुंदर॥ भ्रमतमप्रबलप्रतापदिवाकर॥ काम
क्रोधमदगजपंचानन॥ बसहुनिरंतरममनकानन॥ विषयमनोरथपुंजकं
जवन॥ प्रबलतुषारउदारपारमन॥ भववारिधिमंदरपरमंदर॥ वारयतारयसं
सृतिदुस्तर॥ श्यामगात्रराजीवबिलोचन॥ दीनबंधुप्रणतारतिमोचन॥ अनु
जजानकीसहितनिरंतर॥ बसहुराममनृपममउरअंतर॥ मुनिरंजनमहिमंडल
मंडन॥ तुलसिदासप्रभुत्रासविखंडन॥ दोहा॥ नाथजबहिकोशलपुरी॥
होइहितिलकतुह्मार॥ कृपासिंधुमैआउब॥ देखनचरितउदार॥ २६४॥ चौ
पाई॥ करिबिनतीजबशंभुसिधाए॥ तबप्रभुनिकटबिभीषणआए॥ नाइच
रणशिरकहिमृदुबाणी॥ बिनयसुनहुप्रभुशारगपाणी॥ कुशलसदनप्रभु
रावणमारा॥ पावनजशत्रिभुवनबिस्तारा॥ दीनमलीनहीनमतिजाती॥ मो
परकृपाकीन्हबहुभाती॥ अबजनगृहपुनीतप्रभुकीजै॥ मज्जनकरियसमर
श्रमछीजै॥ देखिकोशमंदिरसंपदा॥ देवहुकृपालुकपिन्हकहंमुदा॥ सब
बिधनाथमोहिअपनाये॥ पुनिमोहिसहितअवधप्रभुजाये॥ सुनतबचनमृ
दुदीनदयाला॥ सजलभयेदोउनयनविशाला॥ दोहा॥ तोरकोशगृहमोरस
ब॥ सत्यबचनसुणुभ्रात॥ भरतदशासुमिरतमोहि॥ निमिषकल्पसमजा
त॥ २६५॥ तापसवेषगात्रकृश॥ जपतनिरंतरमोहिं॥ देखौवेगिसोजतनकुरु
॥ सखानिहोरौंतोहिं॥ २६६॥ बीतेअवधिजाउंजो॥ जिअततनपावौंबी॥ सुमि
रतअनुजप्रीतिप्रभु॥ पुनिपुनिपुलकशरीर॥ २६७॥ करहुकल्पभरिराजतुह्म॥
मोहिसुमिरहुमनमाहि॥ पुनिममधामपाइहहुजहासंतसबजाहिं॥ २६८॥
चौपाई॥ सुनतबिभीषणबचनरामके॥ हर्षिगहेपदकृपाधामके॥ वानरभालु
सकलहरषाने॥ गहिप्रभुपदगुणविमलबखाने॥ बहुरिबिभीषणभवनसिधा
वा॥ मणिगणबसनबिभानभरावा॥ लैपुष्पकप्रभुआगेराषा॥ हसिकेकृपासिं
धुतबभाषा॥ चढिविमानशृणुसखाबिभीषण॥ गगनजाइवर्षहुपटभूषण॥
नभपरजाईबिभीषणतबहीं॥ वर्षिदियेमणिभूषणसबहीं॥ जोजेहिमनभा

वैसोलेंई॥मणिसुखमेलिडारिकपिदेंई॥हसतरामासियअनुजसमेता
॥परमकौतुकीकृपानिकेता॥दोहा॥मुनिजेहिंध्याननपावहिं॥नेतिनेति
कहवेदकृपासिंधुसोइकपिनसो॥करतअनेकविनोद॥२६९॥उमायोगज
पदानतप॥नानाव्रतमखनेम॥रामकृपानाहिंकरहिंतसीं॥जसिनिःकेवल
प्रेम॥२७०॥चौपाई॥भालुकपिनपटभूषणपाये॥पहिरिपहिरिरघुपति
पहिंआये॥नानाजिनिसदेखिप्रभुकीशा॥पुनिपुनिहंसतकोशलाधीशा॥
चितेसबनपरकीन्हीदाया॥बोलेमधुरबचनसुरराया॥तुह्मरेबलमैंरावण
मारा॥तिलकबिभीषणकहंपुनिसारा॥निजनिजगृहअबतुमसबजाहू॥
सुमिरेहुमोहिडरपेहुजनिकाहू॥सुनतवचनपरमाकुलवानर॥जोरिपाणि
बोलेसुखसादर॥प्रभुजोकरहुतुमहिसबशोहा॥हमरेहोतबचनसुनिमोहा
॥दीनजानिकपिकियेसनाथा॥तुमत्रैलोक्यईशरघुनाथा॥सुनिप्रभुवचन
लाजहमभरहीं॥मशककबहुंखगपतिहितकरहीं॥देखिरामरुषवानररी
क्षा॥प्रेममगननहिंगृहकीइच्छा॥दोहा॥प्रभुप्रेरितकपिभालुसब॥रा
मरूपउरराषी॥हर्षविषादसमेतसब॥चलेबिनयबहुभाषि॥२७१॥कपि
पतिनीलऋक्षपति॥अंगदनलहनुमान॥सहितबिभीषणअपरजे॥यूथक
पिबलबान॥२७२॥कहिनशकहिंकछुप्रेमबश॥भरिभरिलोचनबारिसंमु
खचितवहिंरामतन॥नयननिमेषनिवारि॥२७३॥चौपाई॥अतिशयप्रीति
देखिरघुराई॥लीन्हेसकलविमानचढाई॥मनमहप्रचरणशिरनावा॥
उत्तरदिशिहिविमानचलावा॥चलतविमानकोलाहलहोई॥जयरघुबीर
कहैसबकोई॥सिंहासनअतिउच्चमनोहर॥सियसमेतबैठेप्रभुतापर॥
राजतरामसहितभामिनी॥मेरुशृंगजनुघनदामिनी॥रुचिरविमानचलाअ
तिआतुर॥कीन्हीसुमनवृष्टिहर्षेसुर॥परमसुखदचलित्रिविधबयारी॥सा
गरसुरनिर्मलभइवारी॥शगुणहोहिंसुंदरचहुंपाशा॥मनप्रसन्ननिर्मल
आकाशा॥कहरघुबीरदेखरणसीता॥लक्ष्मणहतेउइहांइद्रजीता॥अं

गदहनुमानकेमारे ॥ रणमहंपरेनिशाचरभारे ॥ कुंभकर्णरावणद्वौभाई इहांहतेउंसुरमुनिसुखदाई ॥ दोहा ॥ इहांसेतुबांध्योअरु ॥ थापेउशिवसुखधाम ॥ सीतासहितकृपायतन ॥ शंभुहिकीन्हप्रणाम ॥ २७४ ॥ जहंजहंकृ



पासिंधुबन ॥ कीन्हबासविश्राम ॥ सकलदेखाएजानकिहि ॥ कहिकहिसबकेनाम ॥ २७५ ॥ चौपाई ॥ सपदिविमानतहांचलिआवा ॥ दंडकवनजहंपरमसुहावा ॥ कुंभजादिमुनिनायकनाना ॥ गयेरामसबकेअस्थाना ॥ सकलऋषिनसोंपाइआशीसा ॥ आयेचित्रकूटजगदीशा ॥ तहंकरिऋषिनकेरसंतोषा ॥ चलाविमानतहांतेचोषा ॥ बहुरिरामजानकीहिदेखाई ॥ यमुनाकलिमलहरणिसुहाई ॥ पुनिदेखीसुरसरीपुनीता ॥ रामकहाप्रणामकरुसीता ॥ तीरथपतिपुनिदेखप्रयागा ॥ देखतजाहिपापसबभागा ॥ देखिरामपावनपुनिवेनी ॥ हरणशोकसुरलोकनिसेनी ॥ देखहुअवधपुरीअतिपावनि ॥ त्रिविधतापभवरोगनशावनि ॥ दोहा ॥ सीतासहितअवधकहं ॥ कीनकृपालुप्रणाम ॥ सजलविलोचनपुलकतनु ॥ पुनिपुनिहर्षितराम ॥ २७६ ॥ पुनिप्रभुआइत्रिवेणिमहं ॥ हर्षितमज्जनकीन्ह ॥ कपिसनसमेतमहीसुरनदानविविधविधिदीन्ह ॥ २७७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ प्रभुहनुमंतहिकहाबुझाई ॥ भरतहिकुशलमहारसुनावहु ॥ समाचारलैपुनिचलिआवहु ॥ तुरतपवनसुतगवनतभएऊ ॥ तबप्रभुभरद्वाजपहिंगएउ ॥ नानाविधिपूजामुनिकीन्ही ॥ अस्तुतिकरिपुनिआशिषदीन्ही ॥ मुनिपदवंदियुगल

करजोरी॥चढिविमानप्रभुचलेबहोरी॥इहांनिषादसुनाप्रभुआये॥नावना
वकहिलोकबुलाए॥सुरसरिनाघिजानचलिआवा॥उत्तरेउतहंप्रभुआय
सुपावा॥तबसीतापूजीसुरसरी॥बहुप्रकारपुनिचरणनपरी॥दीन्हिअशीसहु
दितमनगंगा॥सुंदरितवअहिवातअभंगा॥सुनतहिंशहधावाप्रेमाकुल॥आ
वानिकटपरमसुखसंकुल॥प्रभुहिबिलोकिवाहितवैदेही॥परेउअवनितनु
सुधिनहिनेही॥परमप्रीतिविलोकिरघुराई॥हर्षितउठाइलीनउरलाई॥छं
द॥लियहृदयलाइकृपानिधानसुजानरामरमापती॥बैठारिपरमसमीपपू-
छीकुशलकहसोकरिबिनती॥२२५॥अबकुशलपदपंकजविलोकिबिरंचि
शंकरसेव्यजे॥सुखधामपूरणकामरामनमामिते॥२२६॥सबभांतिअघम
निषादसोहरिभरतज्यौंउरलाइयौ॥मतिमंदतुलसिदाससोप्रभुमोहबशवि
सराइयो॥२२७॥यहरावणारिचरित्रपावनरामपदरतिप्रदसदा॥कामादि
हरबिज्ञानकरसुरसिद्धमुनिगावहिंमुदा॥२२८॥दोहा॥समरबिजयर
घुवीरके॥सुनहिंजेसंतसुजान॥बिजयबिबेकबिभूतिनित॥तिनहिंदेहि
भगवान्॥२७८॥यहकलिकालमलायतन॥मनकरिदेखुबिचार॥श्रीरघु
नायकनामतजिनहिंकछुआनअधार॥२७९॥इतिश्रीरामचरितमानसे-
सकलकलिकलुषविध्वंसनेवैराग्यसंपादनोनामषष्ठःसोपानःसमाप्तः॥श्री
सीतारामचंद्रार्पणमस्तु॥दोहा॥सुग्रीवादिकभालुकपि॥रहेरामहितपूरि
॥श्रीधररघुबरआसरैं॥भयेबिभीषणभूरि॥१॥इतिलंकाकांडमसमाप्त॥



श्री

इति

तुलसिदास

कृत

रामायण

लंकाकांडम्

समासम्.

श्री

अथ

तुलसिदास

कृत

रामायण

उत्तर कांड

प्रारंभः



श्रीगणेशायनमः

अथउत्तर कांडं लिख्यते ·

श्लोक ·

केकिग्रीवाभिनीलंस्फुरवरविलसद्विप्रपादाब्जचिन्हं,शोभाढ्यं
पीतवस्त्रंसरसिजनयनंसर्वदासुप्रसन्नम् ॥पाणौनाराचचापंक
पिनिकरयुतंबंधुनासेव्यमानं ॥नौमीड्यंजानकीशंरघुवरमनिशंपुष्प
कारूढरामम् ॥१॥ कोशलेंद्रपदकंजमंजुलौकमलयोनिमहेश्वरवंदि
तौ॥जानकीकरसरोजलालितौ,चिंतकस्यत्हृदयालिसंगिनौ ॥२॥कुं
देंदुदरगौरसुंदरमंबिकापतिमभीष्टमंदिरम् ॥कारुणीककलकंजलो
चनंनौमीशंकरमनंगमोचनम् ॥३॥ ॥दोहा॥ ॥रहाएकदि
नअवधिकर॥अतिआरतपुरलोग॥जहंतहंशोचहिनारिनर॥कृ
शतनुरामबियोग ॥१॥सगुनहोहिंसुंदरसकल ॥मनप्रसन्नस
नसबकर॥प्रभुआगमनजनावजनु ॥नगररम्यचहुंफेर॥२॥
कौशल्यादिकमातुसब ॥मनआनंदअसहोइ॥आयप्रभुसियअनु
जयुत ॥ कहनचहतअसकोइ ॥३॥भरतनयनभुजदक्षिण ॥फर
कहिबारहिंबार॥जानिसगुनमनहर्षअति ॥लागेकरणबिचार॥
॥४॥ ॥चौपाई॥ ॥रहाएकदिनअवधिअधारा॥समुझत
मनदुखभयेउअपारा॥कारणकवननाथनहिंआएऊ॥जानिकु
टिलप्रभुमोहिंबिसराएउ॥अहहधन्यलक्ष्मणबडभागी ॥रामपदारविं
दअनुरागी॥कपटीकुटिलमोहिप्रभुचिन्हा॥तातेंनाथसंगनहिलीन्हा॥जोकरणीसमुझैप्रभुमोरी ॥नहिंनिस्तारकल्पशतकोरी॥जन
अवगुणप्रभुमाननकाऊ॥दीनबंधुअतिमृदुलसुभाऊ ॥मोरेजि
यभरोसदृढसोई॥मिलिहहिंरामसगुणशुभहोई॥बीतेअवधिरहें
जोप्राना ॥अधमकवनजगमोहिसमाना॥ ॥दोहा॥ ॥राम

बिरहसागरमहं॥भरतमगनमनहोत॥बिप्ररूपधरिपवनसुत॥आ
इगएउजिमिपोत॥५॥बैठेदेखिकुशासनहि॥जटामुगुटकृशगात
॥रामरामरघुपतिजपत॥स्रवतनयनजलजात॥६॥ ॥चौपाई
॥ ॥देखतहनूमानअतिहर्षेउ॥पुलकगातलोचनजलवर्षेऊ॥मनम
हंबहुतभांतिसुखमानी॥बोलेउश्रवणसमबानी॥जासुबिरहशो
चहुदिनराती॥रटहुनिरंतरगुणगणपांती॥रघुकुलतिलकसुजन
सुखदाता॥आयेकुशलदेवमुनित्राता॥रिपुरणजीतिसुयशसु
रगावत॥सीताअनुजसहितप्रभुआवत॥सुनतबचनबिसरेसब
दूता॥तृषावंतजनुपावपियूषा॥कोतुमतातकहांतेआए॥मोहिप
रमप्रियबचनसुनाये॥मारुतसुतमैंकपिहनुमाना॥नाममोरसु
णुकृपानिधाना॥दीनबंधुरघुपतिकरकिंकर॥शुनतभरतभेंटे
उठिसादर॥मिलतप्रेमनहिंहृदयसमाता॥नयनस्रवतजलपुल
कितगाता॥कपितवदरशसकलदुखबीते॥मिलेआजुमोहिराम
पिरीते॥बारबारपूछाकुशलाता॥तोकहंकहादेउंसुणुभ्राता॥य
हसंदेशसरिसजगमाहीं॥करिबिचारदेखेउंकछुनाहीं॥नाहिन
उरिनतातमैंतोहीं॥अबप्रभुचरितशुनावहुमोहीं॥तबहनुमान
नाइपदमाथा॥कहीसकलरघुपतिगुणगाथा॥कहुकपिकब
हुंकृपालुगोसांई॥सुमिरतमोहिदासकीनाई॥ ॥छंद॥
॥ ॥निजदासज्योंरघुवंशभूषणकबहुममसुमिरनकरयो
॥शुनिभरतबचनबिनीतअतिकपिपुलकितनुचरणनपरयो॥१
॥रघुबीरनिजमुखजासुगुणगणकहतअगजगनाथसो॥काहे
नहोउबिनीतपरमपुनीतसदगुणसिंधुसो॥२॥ ॥दोहा॥
॥ ॥रामप्राणप्रियनाथतुम॥सत्यबचनममतात॥पुनिपुनिमि
लितबभरतसन॥प्रेमनहृदयसमात॥७॥ ॥सोरठा॥

भरतचरणसिरनाई ॥तुरितगएउकपिरामपहं ॥कहीकुशलसब
जाई ॥हर्षिचलेप्रभुयानचढि ॥८॥ ॥चौपाई॥ ॥हर्षिभरत
कोशलपुरआये ॥समाचारसबगुरुहिंसुनाये ॥शुनिमंदिरमहंबात
जनाई ॥आवतनगरकुशलरघुराई ॥सुनतसकलजननीउठिधाई ॥
कहिप्रभुकुशलभरतसमुझाई ॥समाचारपुरबासिनपाए ॥नरअरु
नारिहर्षिउठिधाये ॥दधिदुर्वालोचनफलफूला ॥ नवतुलसीदलमंग
लमूला ॥भरिभरिहेमथालभरभामिनी ॥ गावतिचलीसिंधुसुर-
गामिनी ॥जोजैसहिसोतैसहिधावहि ॥ बालवृद्धकोउसंगनलाव
हिं ॥एकएकसनपूछहिंधाई ॥ तुमदेखेदयालुरघुराई ॥ अव
धपुरीप्रभुआवतजानी ॥ भईसकलशोभाकीखानी ॥भईसर
जुअतिनिरमलनीरा ॥बहैसोबाहनत्रिविधसमीरा ॥ ॥दोहा॥
हर्षितगुरुपरिजनअनुज ॥भूसुरवृंदसमेत ॥ चलेभरतअतिप्रे
मसन ॥ सन्मुखकृपानिकेत ॥९॥ बहुतीकचढीअटारिन ॥नि
रखहिंगगनविमान ॥देखिमधुरस्वरहर्षित ॥ करहिंसुमंगलगा
न ॥१०॥ राकाशशिरघुपतिपुरि ॥सिंधुदेखिहर्षान ॥बढेकोलाहल
करतजनु ॥नारितरंगसमान ॥११॥ ॥ चौपाई॥ ॥रविकुल
कमलदिवाकरआवत ॥नगरमनोहरकपिनदेखावत ॥शृणुकपी
शअंगदलंकेशा ॥पावनिपुरीरुचिरयहदेशा ॥यद्यपिसबवैकुंठब
खाना ॥वेदपुराणविदितजगजाना ॥अवधसरिसप्रियमोहिनसोउ
॥यहप्रसंगजानैकोउकोऊ ॥जन्मभूमिममपुरीसोहावनि ॥उत्तरदि
शिसरजुवहपावनि ॥जेमज्जहितेबिनहिंप्रयासा ॥ममसमीपनर
पावहिंवासा ॥अतिप्रियमोहिइहांकेबासी ॥ममधामदापुरीसुखराशी ॥हर्षेकपिशुनिप्रभुकीबानी ॥धन्यअवधजेहिरामबखानी॥
॥ ॥दोहा॥ ॥आवतदेखेलोगसब ॥कृपासिंधुभगवान ॥ नग

रनिकटप्रभुआएऊ।।उतरेउभूमिविमान।।१२।।उतरिकहेउप्रभुपु
ष्पकहि।।तुमकुबेरपहंजाऊ।।प्रेरितरामचलेउसो।।हर्षबिरहअति-
ताहू।।१३।। ।।चौपाई।। ।।आएभरतसंगसबलोगा।।कृशत
नुश्रीरघुवीरवियोगा।।वामदेववसिष्ठमुनिनायक।।देखेप्रभुम
हिधरिधनुसायक।।धाइधरेगुरुचरणसरोरुह।।अनुजसहितअ
तिपुलकतनूरुह।।भेटेकुशलपूछिमुनिराया।।हमरेंकुशलतुम्हा
रिहिंदाया।।सकलद्विजनकहनायेउमाथा।।धर्मधुरंधररघुकुलना
था।।गहेभरतपुनिप्रभुपदपंकज।।नमहिंजिनहिंशंकरसुरमुनिअ
ज।।परेभूमिनहिंउठतउठाये।।बलकरिकृपासिंधुउरलाये।।श्याम
लगातमोरभएठाढे।।नवराजीवनयनजलबाढे।। ।।छंद।। ।।रा
जीवलोचनस्रवतजलतनुललितपुलकावलिबनी।।अतिप्रेमहृदय
लगाइअनुजहिमिलेप्रभुत्रिभुवनधनी।।३।।प्रभुमिलतअनुजहिसो
हमोपहिजातनहिंउपमाकही।।जनुप्रेमअरुशृंगारतनुधरिमिल
तवरसुखमालही।।४।।पूछतकृपानिधिकुशलभरतहिबचन।।
बेगिनआवई।।सुणशिवासोसुखवचनमनतेभिन्नजाननपावई।।
५।।अबकुशलकोशलनाथआरतजानिजनदरशनदियो।।बूडतबि
रहवारिधिकृपानिधिकाढिमोहिकरगहिलियो।।६।। ।।दोहा
।। ।।पुनिप्रभुहर्षिशत्रुहन।।भेटेहृदयलगाइ।।लक्ष्मणभेटेभ
रतपुनि।।प्रेमनहृदयसमाइ।।१४।। ।।चौपाई।। ।।भरत
अनुजलक्ष्मणतबभेटे।।दुसहबिरहसंभवदुखमेटे।।सीताचर
णभरतासिरनावा।।अनुजसमेतपरमसुखपावा।।प्रभुबिलोकि-
हर्षपुरबासी।।जनितवियोगबिपत्तिसबनाशी।।प्रेमातुरसबलोग
निहारी।।कौतुककीनकृपालुखरारी।।अमितरूपप्रगटेतेहिका
ला।।यथायोग्यमिलिसबहिकृपाला।।कृपादृष्टिसबलोगबिलो-

की ॥ किये सकल नर नारि बिशोकी ॥ क्षण महं सबहिं मिले भगवाना
॥ उमा मर्म यह काहुन जाना ॥ इहि बिधि सबहि सुखी करधामा ॥ च
ले आगे शील गुण धामा ॥ कोशल्यादि मातु सब धाई ॥ निरखि बच्छ
जनु धेनु लवाइ ॥ ॥ छंद ॥ ॥ जनु धेनु बालक बच्छ तजि गृह चरण
बन परबश गई ॥ दिन अंत पर रूष स्रवत थन हुंकार करि धावति भई
॥ ७ ॥ प्रेम अति सब मातु भेटि बचन मृदु बहु बिधि कहे ॥ गई विषम
बिपति वियोग भव तिन हर्ष सुख अगणित लहे ॥ ८ ॥ ॥ दोहा ॥
भेटेउ तनय सुमित्रा ॥ रामचरणरति जानि ॥ रामहिं मिलत कैकयी
हृदय बहुत सकुचानि ॥ १५ ॥ लक्ष्मण सब मातन मिले ॥ हर्ष आशि
ष पाइ ॥ कैकयि कह पुनि पुनि मिले ॥ मन कर क्षोभ न जाइ ॥ १६ ॥
चौपाई ॥ ॥ सासुन सबन मिली बैदेही ॥ चरणन लागि हर्ष अति
तेही ॥ देहिं अशीस बूझि कुशलाता ॥ होहु अचल तुह्मार अहिबाता
॥ सब रघुपति पद कमल बिलोकहिं ॥ मंगल जानि नयन जल रोकहिं
॥ कनक थार आरती उतारहीं ॥ बार बार प्रभु गात निहारहिं ॥ ना
ना भांति निछावरि करहीं ॥ परमानंद हर्ष उर भरहीं ॥ कौशल्या पुनि
पुनि रघुबीरहिं ॥ चितवति कृपासिंधु रणधीरहीं ॥ हृदय बिचारति
बारहिं बारा ॥ कवनि भांति लंकापति मारा ॥ अति सुकुमार युगल
मम बार ॥ निशिचर सुभट महाबल भोर ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
लक्ष्मण अरु सीता सहित ॥ प्रभुहिं बिलोकति मात ॥ परमानंद मग
न मन ॥ पुनि पुनि पुलकित गात ॥ १७ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ लंकाप
ति कपीश नल नीला ॥ जांबवंत अंगद शुभ शीला ॥ हनुमदादि सब
बानर बीरा ॥ धरे मनोहर मनुज शरीरा ॥ भरत सनेह शील युत नेमा ॥ सा
दर सब बरणहिं अति प्रेमा ॥ देखि नगर बासिन कै रीती ॥ सकल सरा
हहिं प्रभु पद प्रीती ॥ पुनि रघुपति सब सखा बुलाए ॥ मुनि पद लाग

हुसबनशिखाए॥गुरुवशिष्टकुलपूज्यहमारे॥इनकीकृपादनुजर
णमारे॥एसबसखाख़नहुमुनिमेरे॥भयेसमरसागरकहुबेरे॥म
महितलागिजन्मइनहारे॥भरतहुतेअधिकमोहिपियारे॥सुनिप्रभुब
चनमगनसबभएऊ॥निमिषनिमिषउपजतस्रखनएऊ॥ ॥दो
हा॥ ॥कौशल्याकेचरणनहि॥पुनितिननायेउमाथ॥आशिषदी
न्हीहर्षिहिय॥तुम्रप्रियजिमिरघुनाथ॥१८॥सुमनवृष्टिनभसंकुल॥
भवनचलेस्रखकंद॥चढीअटारिनदेखहिं॥नगरनारिनरवृंद॥१९
॥ ॥चौपाई॥ ॥कंचनकलशविचित्रसंवारे॥सबहिंधरेसजि
निजनिजद्वारे॥बंदनवारपताकाकेतु॥सबनबनायेउमंगलहेतू॥
बीथीसकलस्रगंधिसंचाई॥गजमणिरचिबहुचौकपुराई॥नानाभां
तिसुमंगलसाजे॥हर्षिनिसाननगरबहुबाजे॥जहंतहंनारिनिछा
वरिकरहीं॥देहिंअशीषहर्षउरभरहीं॥कंचनथारआरतीनाना॥यु
वतीसाजिकरहिंकलगाना॥करहिंआरतीआरतिहरकी॥रघु
कुलकमलबिपिनदिनकरकी॥पुरशोभासंपतिकल्याणा॥निग
मशेषसारदाबखाना॥तेयहचरितदेखिठगिरहहीं॥उमातास्रगु
णनरकिमिकहहीं॥ ॥दोहा॥ ॥नारिकमुदिनीअवधसर॥
रघुपतिबिरहदिनेश॥अस्तभयेंबिकसितभई॥निरखिरामराकेश
॥२०॥होहिंशगुणशुभबिबिधबिधि॥बाजहिंनाकनिसान॥पुरनर
नारिसनाथकरि॥भवनचलेभगवान॥२१॥ ॥चौपाई॥ ॥
प्रभुजानीकैकयीलजानी॥प्रथमतासुगृहगयेभवानी॥ताहिप्रबो-
धिबहुतस्रखदीन्हा॥पुनिभुवनगमनप्रभुकीन्हा॥कृपासिंधुज
बमंदिरगएउ॥पुरनरनारिसुखीसबभयेउ॥गुरुवसिष्ठद्विजलि
येबुलाई॥आजुस्रघरिसुदिनसुखदाई॥सबद्विजदेहुहर्षिअनुशास
न॥रामचंद्रबैठहिंसिंहासन॥मुनिवशिष्ठकेबचनस्रनाये ॥सुन

तसकलविप्रनम्रतिभाये॥कहहिंबचनमृदुबिप्रम्रनेका॥जगम्रभिरा
मरामम्रभिषेका॥म्रबमुनिवरविलंबनहिकीजे॥महाराजकहंतिलक
करीजे॥ ॥दोहा॥ ॥तबमुनिकहेउसुमंतसन॥सुनतचलेउशिर
नाइ॥रथम्रनेकबहुबाजिगज॥तुरतसम्हारेजाइ॥ २२॥जहंतहंधा
वनपठयमुनि॥मंगलद्रव्यमंगाइ॥हर्षसमेतवसिष्ठपद॥मुनिशिरना
येउम्राइ॥२३॥ ॥चौपाई॥ ॥म्रबधपुरीम्रतिरुचिरबनाई॥दे
वनसुमनवृष्टिझरिलाई॥रामकहासेवकनबुलाई॥प्रथमसरवन
म्रन्हबाबहुजाई॥सुनतबचनजहंतहंजनधाए॥सुग्रीवादितुरत
नहबाए॥पुनिकरुणानिधिभरतहंकारे॥निजकरजटारामनिरवारे
॥म्रन्हबाएपुनितीनहुभाई॥भक्तवत्सलकृपालुरघुराई॥भरतभा
ग्यप्रभुकोमलताई॥शेषकोटिशनशकैनगाई॥पुनिनिजजटाराम
बिबराये॥गुरुम्रनुशासनमागिम्रन्हाए॥करिमज्जनभूषणप्रभुसाजे
॥म्रंगम्रनंगकोटिछबिछाजे॥ ॥दोहा॥ ॥सासुनसादरजानकी
हिं॥मज्जनतुरतकराइ॥दिव्यवसनमणिभूषण॥साजेम्रंगबना
इ॥२४॥रामवामदिशिशोभित॥रमारूपगुणखानि॥देखिमातुस
बहर्षित॥जन्मसुफलकरिजानि॥२५॥सुणुखगेशतेहिम्रवसर॥
ब्रह्माशिवमुनिवृंद॥चढिविमानम्राएसवे॥सुरदेखनसुखकंद॥
२६॥ ॥चौपाई॥प्रभुबिलोकिमनम्रनुरागा॥तुरितदिव्यसिंहास
नमांगा॥रविसमतेजवराणिनहिंजाई॥बैठेरामद्विजनशिरनाई॥ज
नकसुतासमेतरघुराई॥देखिप्रहर्षेमुनिसमुदाई॥बेदमंत्रतबद्वि
जनउच्चारे॥नभसुरमुनिजयजयतिपुकारे॥प्रथमतिलकवसिष्ठ
मुनिकीन्हा॥पुनिसबबिप्रनम्रायसुदीन्हा॥सुतबिलोकिहरषीमह
तारी॥बारबारम्रारतीउतारी॥बिप्रनदानबहुधबिधदीन्हा॥या
चकसकलम्रयाचककीन्हा॥सिंहासनपरत्रिभुवनसाई॥देखिसु

रनरदुंदुभीबजाई॥ ॥छंद॥ ॥नभदुंदुभीबाजहिंबिपुलगंधर्वकि
न्नरगावहीं॥नाचहिंअपसरावृंदपरमानंदसुरमुनिपावहीं॥९॥भरता
दिअनुजबिभीषणांगदहनुमदादिसमेतते॥गहेछअचामरब्यजनध
नुअसिचर्मशक्तिविराजते॥१०॥सियसहितादिनकरवंशभूषणका
मबहुछबिसोहहीं॥नवअंबुधरवरगातअंबरपीतमुनिमनमोहन
हीं॥११॥मुकुटांगदादिविचित्रभूषणअंगअंगनप्रतिसाजे॥अंभो
जनयनविशालउरभुजधन्यनरनिरखतिजे॥१२॥ ॥दोहा॥
बहुशोभासमाजसुख॥कहतनबनैखगेश॥बरणैशारदशेषश्रु
ति॥सोरसजानमहेश॥२७॥भिन्नभिन्नअस्तुतिकरि॥गयेसुर
निजनिजधाम॥बंदिवेषधरिदेवनब॥आएजहंश्रीराम॥२८॥प्रभुस
र्वज्ञकीन्हअति॥आदरकृपानिधान॥लखेउनकाहूमर्मकछु॥लगेक
रणगुणगान॥२९॥ ॥छंद॥ ॥छवाई॥ ॥जयसगुणनिर्गु
णरूपरामअनूपभूपशिरोमने॥दशकंधरादिप्रचंडनिशिचरप्रबल
खलभुजबलहने॥१३॥अवतारनरसंसारभारविभंजिदारुणदुख
दहे॥जयप्रणतपालदयालप्रभुसंयुक्तशक्तिनमामहे॥१४॥तवविष-
ममायाबशसुरासुरनागनरअजगजहरे॥भवपंथभ्रमितअमित
दिननिशिकालकर्मस्वगुणभरे॥१५॥जोनाथकरिकरुणाबिलोकि
तत्रिविधदुखतेनिरवहे॥भवखेदछेदनदक्षहमकहंरक्षरामनमाम
हे॥१६॥जेज्ञानमानविमत्ततवभवहरणिभक्तिनआदरी॥तेपाइसुर
दुर्लभपदारथपरतपरतहमदेखतहरी॥१७॥विश्वासकरिसबआ
शपरिहरिदासतबजेहोइरहे॥जपिनामतबबिनुश्रमतरहिंभवनाथ
सोसमरामहे॥१८॥जेचरणशिवअपूज्यरजशुभपरशिमुनितपनी
तरी॥नखनिर्गतासुरवंदितात्रैलोक्यपावनिसुरसरि॥१९॥ ध्वज
कुलिशअंकुशकंजयुतवनफिरतकंटककिन्हलहे॥पदकंजद्वंदमु

कुंदरामरमेशंनित्यभजामहे ॥२०॥ अव्यक्तमूलमनादितरुत्वचचारि
निगमागमभणे ॥ षटकंधशाखापंचविंशअनेकपर्णसुमनघने ॥२१
॥ फलयुगलबिधिकटुमधुरबेलिअकेलिजेहिआश्रितरहे ॥ पल्ल
बितफूलतनवलनितसंसारबिटपनमामहे ॥२२॥ जेब्रह्मअजअद्वै
तअनुभवगम्यमनपरध्यावहीं ॥ तेकहहिजानहिंनाथहमतवसगु
णयशनितगावहिं ॥२३॥ करुणायतनप्रभुसदगुणाकरदेवयहमां
गहीं ॥ भनबचकर्मविकारतजितबचरणहमअनुरागहीं ॥ २४ ॥
दोहा ॥ ॥ सबकेदेखतबेदसब ॥ बिनतीकीनिउदार ॥ अंतरध्या
नभयेपुनि ॥ गयेब्रह्मआगार ॥ ३० ॥ बैनतेयश्रृणुशंभुतब ॥ आए
जहंरघुवीर ॥ बिनयकरतगद्गदगिरा ॥ पूरितपुलकशरीर ॥ ३१ ॥
॥ ॥ छंद ॥ जयरामरमणंसमनं ॥ भवतापभयाकुलपाहिजनं ॥ अ
बधेशसुरेशरमेशविभो ॥ शरणागतमागतपाहिप्रभो ॥२५॥ दश
शीर्षविनाशनविंशभुजा ॥ कृतदूरिमहामहिभूरिरुजा ॥ रजनीचरवृं
दपतंगरहे ॥ शरपावकतेजप्रचंडदहे ॥२६॥ महिमंडलमंडनचारु
तरं ॥ धृतशायकचापनिषंगवरं ॥ मदमोहमहाममतारजनी ॥ तम
पुंजदिवाकरतेजअनी ॥२७॥ मनुजातकिरातनिपातकिये ॥ मृग
लोककुभोगसरेनहिये ॥ हातिनाथअनाथनपाहिहरे ॥ विषयावन
पामरभूलिपरे ॥२८॥ बहुरोगवियोगनलोगहये ॥ भवदंघ्रिनिरादर
केफलये ॥ परेभवसिंधुअगाधनरते ॥ पदपंकजप्रेमनजेकरते ॥२९
अतिदीनमलीनदुखीनितहीं ॥ जिनकेपदपंकजप्रीतिनहीं ॥ अवलं
बभवंतकथाजिनके ॥ प्रियसंतअनंतसदातिनके ॥३०॥ नहिरागन
रोषनमानमुदा ॥ तिनकेंसमवैभवबादिपदा ॥ यहितेंतबसेवकहो
तमुदा ॥ नित्यत्यागहिंयोगभरोसमदा ॥३१॥ करिप्रेमनिरंतरनेम
लिये ॥ पदपंकजसेवतशुद्धहिये ॥ मननानिरादरआदरहीं ॥ सब

संतसुखवीबिचरंतिमही ॥३२॥ मुनिमानसपंकजभृंगभजे ॥रघुबी
रमहारणधीरअजे ॥तबनामजपामिनमामिहरि ॥भवरोगमहामद
मानअरी ॥३३॥ गुणशीलकृपापरमायतनं ॥ प्रणमामिनिरंतरश्री
रमणं ॥रघुनंदनिकंदयद्वंद्वघनं ॥महिपालविलोकियदीनजनं ॥३४
॥ ॥दोहा॥ ॥बारबारबरमागिहौं ॥हर्षिदेहुश्रीरंग ॥पदसरोज
अनपायिनी ॥भक्तिसदासतसंग ॥३२॥ बरणिउमापतिरामगुण
॥हर्षिगयेकैलास ॥तबप्रभुकपिनदिवाएउ ॥सबबिधसुखप्रदबास
॥३३॥ ॥चौपाई॥ ॥श्रृणुखगपतियहकथासुपावनि ॥त्रि
विधतापभवदोषनशावनि ॥ महाराजकरशुभअभिषेका ॥शुन
तलहहिंनरविरतिविवेका ॥जेसकामनरसुनहिजेगावहिं ॥ सुख
संपतिनानाविधिपावहिं ॥सुरदुर्लभसुखकरिजगमाहीं ॥अंतकाल
रघुपतिपुरजाहीं ॥सुनहिंबिमुक्तबिरक्तअरुबिषई ॥लहहिंभक्ति
गतिसंपतिनितई ॥खगपतिरामकथामेंबरणी ॥स्वमतिविलास
त्रासदुखहरणी ॥ बिरतिबिवेकभक्तिदृढकरणी ॥ मोहनदीकहं
सुंदरितरणी ॥नितनवमंगलकोशलपुरी ॥हर्षितलहहिंलोगसब
कुरी ॥ नीतिनवप्रीतिरामपदपंकज ॥सेवतजिनहिनमतशिवमुनि
अज ॥मंगनबहुप्रकारपहिराए ॥ द्विजनदाननानाविधपाए ॥
॥दोहा॥ ॥ब्रह्मानंदमगनकपि ॥सबकहप्रभुपदप्रीति ॥जा
तनजानेउदिवसनिशि ॥गयेमासपठबीति ॥३४॥ ॥चौपाई॥
बिसरेगृहसपनेशुधिनाहीं ॥ जिमिपरद्रोहसंतमनमांही ॥तबरघुप
तिसबसखाबुलाए ॥आइसबहिसादरशिरनाए ॥परमप्रीतिसमी
पबैठारे ॥भक्तसुखदमृदुबचनउचारे ॥तुह्मअतिकीनिमोरिसे-
वकाई ॥मुखपरकेहिबिधकरोंबडाई ॥तातेमोहितुह्मअतिप्रिय
लागे ॥ममहितलागिभवनसुखत्यागे ॥अनुजराजसंपतिवैदेही

देहगेहपरीवारसनेही ॥सबममप्रियनहिंतुमहिसमाना॥मृषानकहौंमोरयहबाना॥सबकहप्रियसेवकयहरीति॥मोरेअधिकदासपरप्रीती॥ ॥दोहा॥ ॥अबगृहजाहुसरवासब॥भजहुमोहिदृढनेम॥सदासर्वगतसर्वहित॥जानिकरेहुअतिप्रेम॥३५॥ ॥चौपाई॥सुनिप्रभुबचनमगनसबभयेऊ॥कोहमकहांबिसरितनुगयेऊ॥एकटककरहेजोरिकरआगे॥कहिनशकहिकछुअतिअनुरागे॥परमप्रेमतिन्हकरप्रभुदेषा॥कहाबिबिधबिज्ञानज्ञानविशेषा॥प्रभुसमुखककछुकहैनपारहीं॥पुनिपुनिचरणसरोजनिहारहीं॥तबप्रभुभूषणबसनमंगाए॥नानारंगअनूपसुहाए॥सोसुग्रीवहिंप्रथमपहिराए॥बसनभरतनिजहाथबनाये॥प्रभुप्रेरितलक्ष्मणपहिराये॥लंकापतिरघुपतिमनभाये॥अंगदबैठिरहानहिंडोला॥प्रीतिदेखिप्रभुताहिनबोला॥ ॥दोहा॥ ॥जांबवतनीलादिसब॥पहिराएरघुनाथ॥हियधरिरामस्वरूपसब॥चलेनाइपदमाथ॥३६॥तबअंगदउठिनाइशिर॥सजलनयनकरजोरि॥अतिविनीतबोलेउबचन॥मनहुप्रेमरसवोरि॥३७॥ ॥चौपाई॥ ॥श्रुणुसर्वज्ञकृपासुखसिंधो॥दीनदयाकरआरतबंधो॥मरतीबारनाथमोहिबाली॥गयेतुह्मारेपगतरघाली॥अशरणशरणबिरदसंभारी॥मोहिजनितजहुभक्तहितकारी॥मोरेप्रभुतुमगुरुपितुमाता॥जाउकहांतजिपदजलजाता॥तुमहिबिचारीकहहुनरनाहा॥प्रभुतजिभवनकाजममकाहा॥बालकअबुधज्ञानबलहीना॥राखहुशरणनाथजनदीना॥नीचटहलगृहकेसबकरिहौं॥पदपंकजबिलोकिभवतरिहौं॥असकहिचरणपरेउप्रभुपाहीं॥अबजनिनाथकहहुगृहजाहीं॥ ॥दोहा॥ ॥अंगदबचनबिनीतसुनी॥रघुपतिकरुणासीव॥प्रभुउठाइउरलायेऊ॥सजलनयनराजीव॥३८

निजउरमालाबसनमणि ॥बालितनयपहिराइ ॥बिदाकीन्हभग
वानतब॥बहुप्रकारसमुझाइ॥३९॥ ॥चौपाई॥ ॥भरतअ
नुजसौमित्रसमेता॥पठवनचलेभक्तकृतचेता॥अंगदहृदयप्रेम
नहिथोरा॥फिरिफिरिचितवतप्रभुकीओरा॥बारबारकरिदंडप्र
णामा॥मनअसरनकहहिंमोहिरामा॥रामबिलोकनिबोलनिच
लनी॥सुमिरिसुमिरिशोचतहेंसिमलनी॥प्रभुरुखदेखिबिनयबहु
भाषी॥चलेहृदयपदपंकजराखी॥अतिआदरसबकपिपहुंचाए
॥भाइनसहितरामपुनिआए॥तबसुग्रीवचरणगहिनाना॥ब
हुतबिनयकीन्हीहनुमाना॥दिनदशकरिरघुपतिपदसेवा॥तब
फिरिचरणदेखिहौंदेवा॥पुण्यपुंजतुमपवनकुमारा॥सेवहुजा
इकृपाआगारा॥असकहिकपिसबचलेतुरंता॥अंगदकहेउसुन
हनुमंता॥ ॥दोहा॥ ॥कहेहुदंडवतिप्रभुसन॥तुह्महिंकहौं
करजोरि॥बारबाररघुनायकहि॥सुरतिकराएहुमोरि॥४०॥
असकहिचलेउबालिसुत॥फिरिआयेहनुमंत॥तासुप्रीतीप्रभुस
नकही॥मगनभयेभगवंत॥४१॥कुलिशहुचाहिकठोरअति॥
कोमलकुसुमहुचाहि॥चितखगेशअसरामकर॥समुझिपरेक
हुकाहि॥४२॥ ॥चौपाई॥ ॥पुनिकृपाललियबोलिनिषादा
॥दीन्हेउभूषणबसनप्रसादा॥जाहुभवनममसुमिरणकरेहु॥म
नक्रमबचनधर्मअनुसरेउ॥तुह्ममसखाभरतजिमिभ्राता॥
सदारहेहुपुरआवतजाता॥बचनसुनतउपजासुखभारी॥
परेउचरणलोचनभरिबारी॥चरणकमलउरधरिगृहआवा॥प्र
भुसुभावपरिजनहिसुनावा॥रघुपतिचरितदेखिपुरबासी॥पु
निपुनिकहहिंधन्यसुखरासी॥रामराजबैठेत्रयलोका॥हर्षितभ
येगयेसबशोका॥बैरनकरहिकाहुसनकोई॥रामप्रतापविषम

नारवोई ॥ ॥दोहा॥ ॥वर्णाश्रमनिजनिजधरम॥ निरतवेदप
थलोग ॥चलहिंसदापावहिंसुखहिं ॥नहिभयशोकनरोग ॥ ४३ ॥
॥चौपाई॥ ॥दैहिकदैविकभौतिकतापा ॥रामराजनहिंकाहु-
हिब्यापा ॥सबनरकरहिंपरस्परप्रीति ॥चलहिंस्वधर्मनिरतश्रुतिनी
ती॥चारिउचरणधर्मजगमाहीं॥पूरिरहासपनेहुअघनाहीं ॥रामभ
क्तिरतनरअरुनारी॥सकलपरमगतिकेअधिकारी ॥अल्पमृत्यु
नहिंकवनिउपीरा॥सबसुंदरसबनिरुजशरीरा ॥नहिंदरिद्रकोउदु
रवीनदीना॥नहिंकोउअबुधनलक्षणहीना ॥सबनिर्दंभधर्मरतधर
णी॥नरअरुनारिचतुरशुभकरणी ॥सबगुणज्ञसबपंडितज्ञानी॥
सबकृतज्ञनहिंकपटसयानी ॥ ॥दोहा॥ ॥रामराज्यबिहगेश
शृणु॥सचराचरजगमांहि॥कालकर्मस्वभावगुण॥कृतदुखका
हुहिनाहिं॥४४॥ ॥चौपाई॥ ॥भूमिसप्तसागरमेखला॥एक
भूपरघुपतिकोशला ॥भवनअनेकरोमप्रतिजासू ॥यहप्रभुताकछु
बहुतनतासू ॥सोमहिमासमुझतप्रभुकेरी ॥यहबर्णतहीनताघने
री॥यहमहिमाखगेशजिनजानी॥फिरियहचरिततिनहुंरतिमानी॥
सोजानेकरफलयहलीला ॥कहहिंमहामुनिसुमतिसुशीला ॥राम
राज्यकरसुखसंपदा ॥वर्णिनशकहिंफणीशशारदा ॥सबउदार
सबपरउपकारी॥द्विजसेवकसबनरअरुनारी॥एकनारिव्रतरत
नरझारी॥तेमनबचक्रमपतिहितकारी॥ ॥दोहा॥ ॥दंडियति
नकरभेदजहं॥नर्त्तकनृत्यसमाज॥जीतेउमनजगसुनियअस॥
रामचंद्रकेराज ॥४५॥ ॥चौपाई॥ ॥फूलहिंफलहिंसदातरुका
नन ॥रहहिंएकसंगगजपंचानन॥खगमृगबैरसहजबिसराई ॥स
बनपरस्परप्रीतिबढाई ॥कूजहिंखगमृगनानावृंदा ॥अभयचरहिं
वनकरहिंअनंदा ॥शीतलसुरभिपवनवहमंदा॥गुंजतअलिलैचलु

मकरंदा ॥लताविटपवीगेमधुच्यवहीं ॥मनभावतेधेनुपयस्रवहीं
॥शस्यसंपन्नसदारहधरणी ॥त्रेताभासतयुगकीकरणी ॥प्रगटी
गिरिनविविधमणिखानी ॥जगदातमाभूपपहिचानी ॥सरितासकल
वहेंबरबारी॥शीतलअमलस्वादुसुखकारी ॥सागरनिजमर्यादार
हहीं ॥डारहिंरत्नतटननरलहहीं ॥सरसिजसंकुलसकलतडागा ॥
अतिप्रसन्नदशदिशाविभागा ॥ ॥दोहा॥ ॥बिधुमहिपूरमयू
षन्हि ॥रवितपजेतनहिकाज ॥मागेंबारिददेहिंजल ॥रामचंद्रके-
राज ॥ ४६ ॥ ॥चौपाई॥ ॥कोटिनबाजिमेधप्रभुकीन्हा ॥अमि
तदानविप्रनकहंदीन्हा ॥श्रुतिपथपालकधर्मधुरंधर ॥गुणातीतअ
रुभोगपुरंदर ॥पतिअनुकूलसदारहसीता ॥शोभाखानिसुशील
बिनीता ॥जानतिकृपासिंधुप्रभुताई ॥सेवतिचरणकमलमनलाई
॥यद्यपिगृहसेवकसेवकिनी ॥विपुलसकलसेवाबिधिगुनी ॥निजक
रगृहपरिचर्य्याकरहीं ॥रामचंद्रआयसुअनुचरहीं ॥जेहिबिधकृ
पासिंधुसुखमानहीं ॥सोइसियसेवाबिधिउरजानहीं ॥कौशल्या
दिसासुगृहमाहीं ॥सेवहिंसकलमानमदनाहीं ॥उमारमाब्रह्मा-
णिवंदिता ॥जगदंबासंततमनंदिता ॥ ॥दोहा॥ ॥जासुकृ
पाकटाक्षसुर ॥चाहतचितवनिसोइ ॥रामपदारविंदरत ॥करति
स्वभावहिखोइ ॥४७॥ ॥चौपाई॥ ॥सेवहिंसानुकूलसबभाई
॥रामचरणरतप्रीतिसुहाई ॥प्रभुपदकमलबिलोकतरहहीं ॥क
बहिंकृपालुहमहिंकछुकहहीं ॥रामकरहिंभ्रातनपरप्रीति ॥ना
नाभांतिशिखावहिंनीति ॥हर्षितरहहींनगरकेलोगा ॥करहिंसक
लसुदुर्लभभोगा ॥अहनिशिबिधिहिमनावतरहहीं ॥श्रीरघुबीरच
रणरतिचहहीं ॥दुइसुतसुंदरसीताजाये ॥लवकुशवेदपुराणनगाये
॥हौबिजयीबिनयीगुणमंदिर ॥हरिप्रतिबिंबमनहुंअतिसुंदर ॥

दुइदुइसुतभ्रातनकेरे॥भयेरूपशिलगुणघनेरे॥ ॥दोहा॥
ज्ञानगिरागोतीतअज॥मायागुणगोपार॥सोइसच्चिदानंदघन॥
करनचरितउदार॥४८॥ ॥चौपाई॥ ॥प्रातकालसरजूकरिम
ज्जन॥बैठहिसभासंगद्विजसज्जन॥बेदपुरानबसिष्ठबरवानहिं॥
सुनहिंरामयद्यपिसबजानहिं॥अनुजनसंयुतभोजनकरही॥देखिस
कलजननीसुखभरही॥भरतशत्रुहनदोनोभाई॥सहितपवनसुत
उपवनजाई॥बूझहिंबैठिरामगुणगाहा॥कहहनुमानसुमतिअवगा
हा॥सुनतविमलगुणअतिसुखपावहिं॥बहुरिबहुरिकरिबिनयक
हावहिं॥सबकेगृहगृहहोइपुराणा॥रामचरितपावनबिधनाना॥नर
अरुनारिरामगुणगावहिं॥करहिंदिवसनिशिजातनजानहिं॥ ॥
दोहा॥अवधपुरीबासीनकर॥सुखसंपदासमाज॥सहसशेष
नहिकहिशकहि॥जहनृपरामविराज॥४९॥ ॥चौपाई॥ ॥ना
रदादिसनकादिमुनीशा॥दरशनलागिकोशलाधीशा॥दिनप्रतिस
कलअयोध्याआवहि॥देखिनगरबिरागबिसरावहि॥रत्नजटित
माणिकनकअटारी॥नानारंगरुचिरगचढारी॥पुरपहुपाशकोटअ
तिसुंदर॥रचेकंगूरारंगरंगबर॥नवग्रहसुंदरनिकरबनाई॥जनु
दुसरीअमरावतिआई॥महिबहुरंगरचितगचकांचा॥जोबिलो-
किमुनिवरमनरोचा॥धवलधामऊपरनभचूबत॥कलशमनहुंश
शिरविद्युतिनिंदित॥बहुमणिरचितझरोखाभ्राजहिं॥गृहगृहप्रति
मणिदीपविराजहिं॥ ॥छंद॥ ॥मणिदीपराजहिंभवनभ्राजहिंदेह
रीविद्रुमरची॥सुंदरमनोहरमंदिरायतअजिरअतिफटिकनरची॥
३५॥मणिखंभभित्तिनबिरचिबिचबिचकनकमणिमरकतरचे॥प्र
तिद्वारद्वारकपाटपुरटबनाइबहुबज्रनखचे॥३६॥ ॥दोहा॥
चारुचित्रशालाअमित॥गृहगृहरचेबनाइ॥रामधामजोनिरखत

॥ मुनिमनलेतचिराई ॥५०॥ ॥चौपाई॥ ॥सुमनवाटिकासब
हिंलगाई ॥बिबिधभांतिकरियतनबनाई ॥ललाललितबहुभांतिसो-
हाई ॥फूलतसदाबसंतकीनाई ॥गुंजतमधुकरमुखरमनोहर ॥मा
रुतत्रिबिधसदाबहसुंदर ॥नानाखगबालकनजिआए ॥बोलतमधु
रउडानसुहाए ॥मोरहंससारसपारावत ॥भवननपरशोभाअति
पावत ॥जहंतहंदेखहिंनिजपरिछाहीं ॥बहुबिधकूजहिंनृत्यकराहीं ॥
शुकशारिकापढावहिंबालक ॥कहहुरामरघुपतिजनपालक ॥राजद्वा
रसबहीबिधचारू ॥बीथींचौहटरुचिरबजारू ॥ ॥छंद॥ ॥बा
जारुचारुनबनैंबरणतबस्तुबिनुगंथपाइये ॥जहंभूपरमानिवासत
हकीसंपदाकिमिगाइये ॥३७॥बैठेबजाजसराफबणिकअनेकमन
हुकुबेरते ॥सबसुखीसबसुचरित्रसुंदरनारिनरशिशुजरठते ॥
३८॥ ॥दोहा॥ ॥उत्तरदिशिसरयूबहै ॥निर्मलजलगंभीर ॥
बांधेघाटमनोहर ॥स्वल्पपंकनहिंतीर ॥५१॥ ॥चौपाई॥ ॥
दूरिफराकरुचिरसोघाटा ॥जहंजलपिवहिंबाजिगजठाटा ॥पनिघट
परममनोहरनाना ॥तहांनपुरुषकरहिंअस्नाना ॥राजघाटसबहीबि
धसुंदर ॥मज्जहिंतहांबरणचारिउनर ॥तीरतीरदेवनकरमंदिर ॥
चहुंदिशिकेउपवनसुंदर ॥कहुंकहुंसरितातीरउदासी ॥बसहिंज्ञा
नरतमुनिसन्यासी ॥जहंतहंतुलसीबृंदसुहाये ॥बहुप्रकारसबमु
निनलगाये ॥पुरशोभाकछुबरणिनजाई ॥बाहिरनगरपरमरुचि
राई ॥देखतपुरीअखिलअघभागा ॥बनउपवनबापिकातडागा
॥ ॥छंद॥ ॥बापीतडागअनूपकूपमनोहरायतशोहई ॥सो
पानसुंदरनीरनीर्मलदेखिसुरमुनिमोहई ॥ ३९ ॥बहुरंगकंज
अनेकखगकूजहिंमधुपगुंजारही ॥आरामरम्यपिकादिखगरव
मनहुपथिकहंकारही ॥४०॥ ॥दोहा॥ ॥रमानाथजहं

राज्यपति ॥सोपुरबर्णिकिजाई ॥अणिमादिकसुखसंपदा ॥ रही
अवधपुरछाई॥५२॥ ॥चौपाई॥ ॥जहंतहंनररघुपतिगुणगा
वहि ॥बैठिपरस्परइहैसिखावहिं ॥भजनप्रणतप्रतिपालकरामहिं
॥शोभाशीलरूपगुणधामहि ॥जलजाबिलोचनश्यामलगातहि ॥पल
कनयनइवसेवकत्रातहिं ॥धृतशररुचिरचापतूणीरहिं ॥संककजब
नरविरणधीरहिं ॥कालकरालब्यालखगराजहीं ॥नमितरामअका
ममममताजहीं ॥लोभमोहमृगयूथकिरातहिं ॥मनसिजकरिहरिहज
नसुखदातहिं ॥संशयशोकनिबिडतनुभानुहिं ॥दनुजगहनबनदह
नकृशानुहिं ॥जनकसुतासमेतरघुबीरहिं ॥कसनभजहुभंजन
भवभीरहिं ॥बहुबासनामनिशकमहिराशिहिं ॥सदाएकरसअज
अबिनाशिहिं ॥मुनिरंजनभंजनमहिभारहिं ॥तुलसिदासकेप्रभुहि
उदारहिं ॥ ॥दोहा॥ ॥एहिबिधिनरनारिनर ॥ करहिंरामगुण
गान ॥सानुकूलसबपररहत ॥संततकृपानिधान ॥५३॥ ॥चौ
पाई ॥ ॥जबतेरामप्रतापखगेशा ॥उदितभएउअतिप्रबलदिने
शा ॥पूरिप्रकाशरहेउतिहुलोका ॥ बहुतनसुखबहुतमनशोका॥
जिनहिशोकतेहिकहौंबखानी ॥प्रथमअविद्यानिशानशानी ॥अ
घउलूकजहांतहांलुकाने॥ कामक्रोधकैरवसकुचाने ॥विविधकर्म
गुणकालसभाऊ ॥एचकोरसुखलहहिंनकाऊ ॥मत्सरमानमोहम
दचोरा ॥इन्हहिंनिबाहनकवनिहुओरा ॥धर्मतडागग्यानबिज्ञाना ॥ए
पंकजबिकशेविधनाना ॥ सुखसंतोषविरागविवेका ॥बिगतशो
कएकोकअनेका ॥ ॥दोहा॥ ॥यहप्रतापरविजाहिके॥
उरजबकरीप्रकाश॥ पाछिलबाढहिंप्रथमजे ॥कहनेपावहिंनाथ॥
५४ ॥ ॥चौपाई॥ ॥भ्रातनसहितरामएकबार ॥संगपरम
प्रियपवनकुमारा ॥सुंदरउपवनदेखनगएऊ ॥सबतरुकुसुमित

पल्लवनएऊ ॥जानिसमयसनकादिकआए ॥तेजपुंजगुणशीलस्रु
हाए॥ब्रह्मानंदसदालयलीन्हा ॥देखतबालककबहुकालीना ॥धरेदे
हजनुचारिहुबेदा ॥समदर्शीमुनिबिगतबिभेदा॥ आशाबसनब्यस
ननहीतिनहीं ॥रघुपतिचरितहोइतहंसुनहीं ॥ तहांरहेसनकादिभ
वानी ॥जहंघटसंभवमुनिवरज्ञानी ॥रामकथामुनिबहुबिधिबरणी
॥ज्ञानयोगपावककहअरणी॥ ॥दोहा॥ ॥देखिराममुनिआ
वत॥हर्षिदंडवतकीन्ह॥स्वागतपूछीपीतपट ॥ प्रभुबैठनकहदीन्ह
॥५५॥ ॥चौपाई॥ ॥कीन्हिदंडवततीनिउभाई ॥सहित
पवनसुतसुखअधिकाई ॥मुनिरघुपतिछबिअतुलबिलोकी ॥भ
येमगनमनशकेनरोकी ॥श्यामलगातसरोरुहलोचन ॥ सुंदरतान
मंदिरभवमोचन॥एकटकरहेनिमेषनलावहिं ॥प्रभुकरजोरेशीस
नवावहिं ॥तिनकीदशादेखिरघुबीरा॥स्रवतनयनजलपुलकशरी
रा॥ करगहिप्रभुमुनिवरबैठारे॥परममनोहरबचनउचारे ॥आजुध
न्यमैंसुनहुमुनीशा ॥तुह्मरेदरशजाहिंअघखीशा ॥बडेभाग्यपाइव
सतसंगा॥बिनहिप्रयासहोइभवभंगा॥ ॥दोहा॥ ॥संत
पथअपवर्गके॥कामीभवकरपंथ॥ कहहिंसंतकपिकोबिद ॥श्रु
तिपुराणसतग्रंथ॥५६॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनिप्रभुबचनह
र्षिमुनिचारी॥पुलकगातअस्तुतिअनुसारी॥जयभगवतअनंतअ
नामय ॥अनघअनेकअेककरुणामय ॥जयनिर्गुणजयजयगु
णसागर॥सुखमंदिरतिहुंलोकउजागर ॥यहइंदिरारमणजयभूध
र॥अनुपमअजयअनादिशोभाकर ॥ज्ञानविधानअमानमानप्रद
॥पावनसुयशपुराणवेदवद॥तज्ञकृतज्ञअज्ञताभंजन ॥नामअनेक
अनामनिरंजन ॥सर्वसर्वगतसर्वउरालय॥ वसहुसदाहमकहं
परिपालय ॥द्वंद्वविपत्तिभवफंदविभंजन॥ हृदिवसुरामकाहू-

ममदगंजन ॥ ॥दोहा॥ ॥परमानंदकृपायतन॥मनपरिपूर
णकाम ॥ प्रेमभक्तिअनपायिनी ॥ देहुहमहिश्रीराम ॥ ५७॥ ॥
॥चौपाई॥ ॥देहुभक्तिरघुपतिअतिपावनि ॥त्रिविधतापभवदाप
नशावनि ॥ प्रणतपालसुरधेनुकल्पतरु ॥ होइप्रसन्नप्रभुदीजैयहब
रु॥ भवबारिधिकुंभजरघुनायक॥ सेवकसलकस्कलभसुखदायक
॥ मनसंभवदारुणदुखदारक॥ दीनबंधुसमताविस्तारक ॥आशत्रा
सईर्षादिनिवारक॥विनकविवेकबिरतिबिस्तारक ॥भूपमौलिमणिमं
डनधरणी ॥देहुभक्तिसंसृतिसरितरणी॥ मुनिमनमानसहंसनिरंत
र ॥ चरणकमलबंदितअजशंकर ॥ रघुकुलकेतुसेतुश्रुतिरक्षक॥
कालकर्मस्वभावगुणभक्षक ॥ तारकनरण हरणसबदूषण ॥ तुल
सिदासप्रभुत्रिभुवनभूषण॥ ॥दोहा॥ ॥बारबारअस्तुति
करि॥ प्रेमसहितशिरनाइ॥ब्रह्मभवनसनकादिगे ॥अतिअभीष्ट
वरपाइ ॥ ५८ ॥ ॥चौपाई॥ ॥ सनकादिकबिधिलोकसिधाये॥
भ्रातनरामचरणसिरनाये ॥ पूछनप्रभुहिंसकलसकुचाहीं ॥चि
तवहिंसबमारुतस्तनपाहीं ॥ स्तनाचहहिंप्रभुमुखकीबानी ॥ जो
स्तनिहोइसकलभ्रमहानी ॥ अंतरजामीप्रभुसबजाना ॥ बूझतक
हहुकहाहनुमाना ॥जोरिपाणितबकहहनुमंता ॥सुनहुदीनदयालुभ
गवंता ॥ नाथभरतकछुपूछनचहहीं ॥ प्रश्नकरतमनसकुचत
अहहीं ॥ तुम्हजानहुकपिमोरसुभाऊ ॥ भरतमोहिनाकछुदुरा
ऊ॥ सुनिप्रभुबचनभरतगहिचरणा ॥स्तनहुनाथप्रणतारतिहर
णा ॥ ॥दोहा॥ ॥नाथनमोहिसंदेहकछु ॥ सपनेहुशोकन
मोह॥ केवलकृपातुम्हारीप्रभु ॥ चिदानंदसंदोह॥ ५९ ॥ ॥चौपाई
॥ ॥ करौकृपानिधिएकढिठाई ॥ मैंसेवकतुमजनसुखदाई ॥ सं
तनकीमहिमारघुराई ॥ बहुबिधिवेदपुराणनगाई ॥ श्रीमुखतुम्ह

पुनिकीनिबडाई ॥तिन्हपरप्रभुप्रीतिअधिकाई ॥सुनाचहौंप्रभुति
नकरलक्षण ॥कृपासिंधुगुणज्ञानविचक्षण ॥सतअसंतभेदबिल
गाई ॥प्रणतपालमोहिकहियबुझाई ॥ संतनकेलक्षणसुनुभ्राता ॥
अगणितश्रुतिपुराणविख्याता ॥संतअसंतकीअसतकरणी ॥
जिमिकुठारचंदनआचरणी ॥ काटैपरशुमलयसुनुभाई ॥निजगुण
देइसुगंधबसाई ॥ ॥दोहा॥ ॥तातेसुरशीसनचढत ॥जगव
ल्लभश्रीखंड ॥अनलदाहिपीटतघनहिं ॥परुषबदनयहदंड ॥ ६०॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥विषयअलंपटशीलगुणाकर ॥परदुखदुखीसुखी
देखेपर ॥समअभूतरिपुविमदविरागी ॥लोभामर्षहर्षभयत्यागी ॥ को
मलचित्तदीननपरदाया ॥मनबचकर्मभक्तिअमाया ॥सबहिमानप्रद
आपुअमानी ॥भरतप्राणसममममतेप्रानी ॥बिगतकाममननामप
रायन ॥बिरतिशांतबिनीतमुदितायन ॥शीतलतासुसरलतामैत्री
॥ द्विजपदप्रेमधर्मजनयित्री ॥यहसबलक्षणबसहिंजासुउर ॥जाने
हुतातसंतसंततफुर ॥शमदमनियमनीतिनहिंडोलहिं ॥परुषबचन
कबहुनहिंबोलहिं ॥ ॥दोहा॥ ॥ निंदाअस्तुतिउभयसम
॥ ममतामपदकंज ॥तेसज्जनममप्राणप्रिय ॥गुणमंदिरसुख
पुंज ॥ ६१ ॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनहुअसतनकेरसुभाऊ ॥भूले
हुसंगतिकरियनकाऊ ॥तिनकरसंगसदादुखदाई ॥जिमिकपि-
लहिघालैहरहाई ॥खलनहृदयअतितापविशेषी ॥जरहिंसदापर
संपतिदेखी ॥जहंकहुनिंदासुनहिंपराई ॥हर्षहिमनहुपरीनिधिपा
ई॥कामक्रोधमदलोभपरायन ॥निर्दयकपटीकुटिलमलायन ॥बैर
अकारणसबकाहूसो ॥जोंकरुहितअनहितताहूसो ॥झूठैइलेनाझू
ठैइदेना ॥झूठेभोजनझूठचबेना ॥बोलहिंबचनमधुरजिमिमोरा ॥
खाहिमहाअहिहृदयअठोरा ॥ ॥दोहा॥ ॥परद्रोहीपर

दाररत ॥परधनपरअपवाद॥तेनरपामरपापमय॥देहधरेंमनुजा
द॥६२॥ ॥चौपाई॥ ॥लोभेओढनलोभेडासन॥शिश्नादरपर
यमपुरत्रासन॥काहूकीजौसुनहिंबडाई॥श्वासलेहिंजनुजुडीआ
ई॥जबकाहूकेदेखहिंविपती॥सुखीहोहिमानहुजगनृपती॥स्वा
रथतपरिवारतविरोधी॥लंपटकामलोभअतिक्रोधी॥मातुपिता
गुरुबिप्रनमानहिं॥आपुगएअरुघालहिंआनहिं॥करहिंमोहबश-
द्रोहपरावा॥सतसंगतिहरिभक्तिनभावा॥अवगुणसिंधुमंदमतिगा
मी॥वेदबिदूषकपरधनस्वामी॥विप्रद्रोहपरद्रोहविशेषा॥दंभक
पटजियधरेंसुवेषा॥ ॥दोहा॥ ॥ऐसेअधममनुजखल॥कृ
तयुगत्रेतानाहि॥द्वापरकछुकबृंदबहु॥होइहैंकलियुगमांहि॥६३
॥ ॥चौपाई॥ ॥परहितसरिसधर्मनहिंभाई॥परपीडासमन
हिंअधमाई॥निर्णयसकलपुराणवेदकर॥कहेउंतातजनहिंकोवि
दनर॥नरशरीरधरिजेपरपीरा॥करहितेसहहिंमहाभवभीरा॥
करहिंमोहवशनरअघनाना॥स्वारथरतपरलोकनशाना॥ काल
रूपमैंतिन्हकहुंताता॥शुभअरुअशुभकर्मफलदाता॥असबिचा
रिजोपरमसयाने॥भजहिंमोहिंसंसृतिदुखजाने॥त्यागहिंकर्म
शुभाशुभदायक॥भजहिंमोहिसुरनरमुनिनायक॥संतअसं
तनकेगुणभाषे॥तेनरपरहिंभवजिनिलखिराखे॥ ॥दोहा॥
सुनहुतातमायाकृत॥गुणअरुदोषअनेक॥गुणयाहउभयनदे
खिअहि॥देखियसोअविवेक॥६४॥ ॥चौपाई॥ ॥श्रीमु
खबचनसुनतसबभाई॥हर्षप्रेमनहिंहृदयसमाई॥करहिंबिनय
अतिबारहिंबारा॥हनूमानहियहर्षअपारा॥पुनिरघुपतिनिजमंदि
रगए॥इहिबिधचरितकरतनितनए॥ बारबारनारदमुनिआव
हिं॥चरितपुनीतरामकरगावहिं॥ नितनवचरितदेखिमुनि-

जाहीं ॥ब्रह्मलोकसबकथाकहाही ॥कनिबिरंचिअतिशयसुखमा
नहि ॥पुनिपुनिनातकरहिंगुणगानहिं ॥सनकादिकनारदहिंसिंहा
हीं ॥यद्यपिब्रह्मनिरतमुनिआही ॥सुनिगुणगानसमाधिविसारी॥
सादरसुनहिंप्रेमअधिकारी॥ ॥दोहा॥ ॥जीवनमुक्तब्रह्मपर
॥चरितसुनहिंतजिध्यांन ॥जेहरिकथाकरहिंनरति ॥तिनकेहृदयप
षान ॥ ६५॥ ॥चौपाई॥ ॥एकवाररघुनाथबुलाए॥गु
लद्विजपुरबासीसबआए ॥बैठेगुरुद्विजवरमुनिसज्जन ॥बोलेब
चनभक्तभयभंजन ॥सुनहुसकलपुरजनममबानी ॥कहौंनकछुमम
ताउरआनी ॥नहिंअनीतिनहिंकछुप्रभुताई ॥सुनहुकरहुज्योतुम
हिसुहाई ॥जोअनीतिकछुभाषेभाई ॥तौमोहिवरजहुभयबिसराई ॥बडे
भाग्यमानुषतनुपावा ॥सुरदुर्लभसदग्रंथनगावा ॥साधननामम
क्षकरद्वारा ॥पाहिनजेहिंपरलोकसंभारा ॥ ॥दोहा॥ ॥सोप
रंतुदुखपावइ ॥शिरधुनिधुनिपछिताइ ॥ कालहिकर्महिईश्वरहि
॥मिथ्यादोषलगाइ॥६६॥ ॥चौपाई॥ ॥एहितनुकरफल
विषयनभाई ॥स्वर्गस्वल्पअंतदुखदाई ॥नरतनुपाइविषयमन
देहीं ॥ पलटिसुधातेशठविषलेहीं ॥ताहिकबहुभलकहैनकोई ॥
गुंजागहपारसमणिखोई ॥आकरचारिलक्षचौराशी ॥योनिनि
भ्रमतजीवअविनाशी ॥फिरतसदामायाकेप्रेरे ॥ कालकर्मसुभा
वगुणघेरे ॥कबहुककरिकरुणानरदेही ॥देतईशबिनुहेतुसनेही
॥नरतनुभववारिधिकहवेरा ॥ संमुखमरुतअनुग्रहमेरा ॥कर्ण
धारसद्गुरुदृढनावा ॥दुर्लभसाजसुलभकरिपावा ॥ ॥दोहा॥
॥ ॥ ॥जोनरतरैभवसागरहिं ॥ नरसमाजअसपाइ
॥ सोकृतनिंदकमंदमति ॥ आत्महनगतिजाई ॥ ॥
॥ ॥६७॥ ॥ चौपाई॥ ॥ ॥ जोपरलो-

कइहांस्फरवच्चहहू ॥स्फनिमम बचनत्हेदयबङ्गगहहू ॥सुलभसुरव
दमारगयहभाई ॥भक्तिमोरिपुराणश्रुतिगाई ॥ज्ञानग्रगमप्रत्यूह
ग्रनेका ॥साधनकठिननमनकहंटेका ॥ करतकष्टबहुपावईकोऊ
॥ भक्तिहीनप्रियमोहिनसोऊ ॥भक्तिस्वतंत्रसकलसुरवरवानी ॥बिनु
संगनपावहिप्रानी ॥पुन्यपुंजबिनुमिलहिंनसंता ॥ सतसंगतिसंसृति
करग्रंता ॥पुण्यएकजगमहुनहिदूजा ॥ मनक्रमबचनविप्रपदपू
जा ॥ सानुकूलतेहिपरमुनिदेवा ॥जौतजिकपटकरैद्विजसेवा ॥
॥ दोहा ॥ ॥ ग्रोरौएकगुप्तमत ॥सबहिकहौंकरजोरि ॥शंक
रभजनबिनानर ॥भक्तिनपावैमोरि ॥ ६८ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
कहहुभक्तिपथकवनप्रयासा ॥ योगनमगजबतपउपवासा ॥स
रलसभावनमनकुटिलाई ॥यथालाभसंतोषसदाई ॥ मोरदासक
हाईनरग्राशा ॥करैकहहुतोकहाविश्वासा ॥ बहुतकाकथाबडाई
॥ ग्रेहिग्राचरणबश्यमैभाई ॥ बैरनबिग्रहग्राशनत्रासा ॥सुख
मयताहिसदासबग्राशा ॥ग्रनारंभग्रनिकेतग्रमानी ॥ग्रनघग्र
रोषदक्षविज्ञानी ॥प्रीतिसदासज्जनसंसर्गा ॥ तृणसमविषयस्वर्ग
ग्रपवर्गा ॥भक्तिपक्षहठनहिंशठताई ॥दुष्टकर्मसबदूरिबिहाई ॥
॥ ॥दोहा॥ ॥ममगुणग्रामनामरत ॥गतममतामममोह॥ ता
करसुखसोइजानहिं ॥परानंदसंदोह॥ ६९ ॥ ॥चौपाई ॥ ॥
सुनतसुधासमबचनरामके ॥ सबहिगहेपदकृपाधामके ॥जननि
जनकगुरुबंधुहमारे ॥कृपानिधानप्राणतेप्यारे ॥ तबधनुधामरा
महितकारी ॥सबबिधितुमप्रणतारतिहितकारी ॥ग्रसशिरवतुम
बिनदेइनकोऊ ॥मातुपितास्वारथरतग्रोऊ ॥ हेतुरहितयुगयुगउ
पकारी ॥तुमतुह्मारसेवकग्रसुरारी ॥ स्वारथमित्रसकलजगमा
हीं ॥सपनेहुप्रभुपरमारथिनाहीं ॥सबकेबचनप्रेमरससाने ॥सुनि

रघुनाथत्हृदयहर्षाने ॥ निजनिजगृहगएआयसुपाई ॥ बरणतप्रभु
वतकहीकहाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ उमाअवधवासीनर ॥ नारिकृता
रथरूप ॥ ब्रह्मसच्चिदानंदघन ॥ रघुनायकजहांभूप ॥ ७० ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ एकबारबशिष्ठमुनिआए ॥ जहांरामसुखधामसुहा
ए ॥ अतिआदररघुनायककीन्हा ॥ पदपखारिचरणोदकलीन्हा
॥ रामसुनहुमुनिकहकरजोरी ॥ कृपासिंधुबिनतीकछुमोरी ॥ दे
खिदेखिआचरणतुह्मारा ॥ होतमोहममत्हृदयअपारा ॥ महिमा
अमितवेदनहिंजाना ॥ मैकेहिभांतिकहोंममवाना ॥ उपरोहितीकर्म
अतिमंदा ॥ वेदपुराणसुमृतिकरुनिंदा ॥ जबनलउमैंतबाहिबिधिमो
ही ॥ कहालाभआगेसुनतोही ॥ परमातमाब्रह्मनररूपा ॥ होइहि
रघुकुलभूषणभूपा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ तबमैंहृदयबिचारकिय ॥
योगयज्ञजपदान ॥ जेहिहितकारियसोपाइये ॥ धर्मनएहिसमान ॥
७१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जपतपनियमयोगव्रतधर्मा ॥ श्रुतिसंभ
वनानाबिधिकर्मा ॥ ज्ञानदयामतितीरथमज्जन ॥ जहलगिधर्मकहै
श्रुतिसज्जन ॥ आगमनिगमपुराणअनेका ॥ पठेसुनेप्रभुकरफल
एका ॥ तवपदपंकजप्रीतिनिरंतर ॥ सबसाधनकरफलयहसुंदर
॥ छूटैमलकिमलहिकेधोए ॥ धृतकिपावकोउवारिबिलाए ॥ प्रेमभ
क्तिजलबिनुरघुराई ॥ अभ्यंतरमलकवहुकिजाई ॥ सोइसर्वज्ञतज्ञ
सोइपंडित ॥ सोइगुणज्ञबिज्ञानअखंडित ॥ दक्षसकललक्षणयुत
सोई ॥ जाकेपदसरोजरतिहोई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ नाथएकबर
मांगों ॥ रामकृपाकरिदेहु ॥ जन्मजन्मप्रभुपदकमल ॥ कबहुघटैजनि
नेहु ॥ ७२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ असकहिमुनिवसिष्ठगृहआए ॥ कृ
पासिंधुकेमनअतिभाये ॥ हनूमानभरतादिकभ्राता ॥ संगलियेसे
वकसुखदाता ॥ पुनिकृपालुपुरबाहिरगये ॥ गजरथतुरंगमगाव

तभये॥देखिकृपाकरिसकलसराहे॥दिएउचितजिनजिनजोचाहे॥
हरणसकलश्रमप्रभुश्रमपाई॥गएजहांशीतलअमराई॥भरतदी
ननिजबसनदसाई॥बैठेप्रभुसेवहिंसबभाई॥मारुतसुततबमारुत
करई॥पुलकगात्तलोचनजलभरई॥हनूमानसमानबड़भागी॥नहिं
कोउरामचरणअनुरागी॥गिरिजाजासुप्रीतिसेवकाई॥बारबार
प्रभुनिजमुखगाई॥ ॥दोहा॥ ॥तेहिंअवसरमुनिनार
द॥आएकरतलबीन॥गावनलागेंलामकर॥कीरतिसदानवीन॥
७३॥ ॥चौपाई॥ ॥मामवलोकयपंकजलोचन॥कृपाबिलो
कनसोचविमोचन॥नीलतामरसश्यामकामअरि॥हृदयकंजमकरं
दमधुपहरि॥जातुधानबरूथबलभंजन॥मुनिसज्जनरंजनअघगं-
जन॥भूसुरशशिनवबृंदबलाहक॥अशरणशरणदीनजनगाहक
॥भुजबलबिपुलभारमहिमंडित॥खरदूषणबिराधपधपंडित॥रा
वणारिसुखरूपभूपवर॥जयदशरथकुलकुमुदसुधाकर॥सुय
शपुराणविदितनिगमागम॥गावनसुरमुनिसंतसमागम॥का
रुणीकबालीमदखंडन॥सबबिधकुशलकोशलामंडन॥कलिमल
मथननाममममताहन॥तुलसीदासप्रभुपाहिप्रणतजन॥ ॥
दोहा॥ ॥प्रेमसहितमुनिनारद॥बरणिरामगुणगणग्राम॥शो
भासिंधुहृदयधरि॥गएजहांबिधिधाम॥७४॥ ॥चौपाई॥ ॥
गिरिजासुनहुविशदयहकथा॥मैंसबकहीमोरिमतियथा॥रामचरित्र
शतकोटिअपारा॥श्रुतिशारदानवरणेपारा॥रामअनंतअनंतगु
णानी॥जन्मकर्मअनन्तनामानी॥जलसीकरमहिरजगणिजाहीं॥
रघुपतिचरितनबरणिसिहाईं॥विमलकथायहहरिपददायिनि॥
भक्तिहोइप्रभुसुनुअनपायिनि॥उमाकहेउंसोकथासुहाई॥जो
भुशुंडिखगपतिहिंसुनाई॥कछुकरामगुणकहेउबखानी॥अब

काकहोंसोकहहुभवानी ॥सुनिशुभकथाउमाहर्षानी ॥बोलीअति
बिनीतमृदुबानी ॥धन्यधन्यमैंधन्यपुरारी ॥सुनेउरामगुणभवभय
हारी॥ ॥दोहा॥ ॥तुम्हरीकृपाकृपायतन ॥अबकृतकृत्य
नमोह ॥जानेउरामप्रतापप्रभु॥चिदानंदसंदोह ॥७५ ॥नाथतवा
ननशशिस्रवत ॥कथासुधारघुवीर ॥श्रवणपुटनमनपानकरि ॥
नहिंअघातमतिधीर ॥७६॥ ॥चौपाई॥ ॥रामचरितजेसुनत
अघाहीं ॥रसविशेषजानातिननाहीं ॥जीवनमुक्तमहामुनिजेऊ ॥
हरिगुणसुनतनिरंतरतेऊ ॥भवसागरचहपारजोपावा ॥राम
कथाताकहुदृढनावा ॥विषयिनकहपुनिहरिगुणग्रामा ॥श्रवणसु
खदअरुमनविश्रामा ॥श्रवणवंतअसकोजगमांही ॥जाहीनरघु
पतिकथासुहाहीं ॥तेजडजीवनिजातमघाती ॥जिनहिंरघुपतिकथा
सोहाती ॥हरिचरित्रमानसतुमगावा ॥सुनिमैंनाथपरमसुखपावा
॥तुमजोकहायहकथासुहाई ॥काकभुशुंडीगरुडप्रतिगाई ॥ ॥
दोहा ॥ ॥विरतज्ञानविज्ञानदृढ ॥रामचरणअतिनेह ॥वायस
तनुरघुपतिभकति ॥मोहिपरमसंदेह ॥७७ ॥ ॥चौपाई॥ ॥न
रसहस्रमहसुनहुपुरारी ॥कोइएकहोईधर्मव्रतधारी ॥धर्मशीलको
टिमहंकोई ॥बिषयबिमुखबिरागरतहोई ॥कोटिविरक्तिमध्यश्रुति
कहई ॥सम्यक्ज्ञानसकृतकोउलहई ॥ज्ञानवंतकोटिकमहंकोई ॥
जीवनमुक्तसकृतजगसोई ॥तिनसहस्रमहंसबसुखखानी ॥दुर्ल
भब्रह्मनिरतबिज्ञानी ॥धर्मशीलविरक्तअरुज्ञानी ॥जीवनमुक्तब्र
ह्मपरप्रानी ॥सबतेंसोदुर्लभसुरराया ॥रामभक्तिरतगतमदमाया
॥सोहरिभक्तिकाककिमिपाई ॥विश्वनाथमोहिकहहुबुझाई ॥ ॥
दोहा ॥ ॥रामपरायणज्ञानरत ॥गुणागारमतिधीर ॥नाथकहहु
केहिकारण ॥पायउकाकशरीर ॥७८ ॥ ॥चौपाई॥ ॥यहप्र

भुचरित्रपवित्रसुहावा ॥कहहुकृपालकाककहपावा ॥तुमकेहिभां
तिसुनामदनारी॥कहहुमोहिअतिकौतुकभारी ॥गरुडमहाज्ञानीगु
णराशी ॥हरिसेवकअतिनिकटनिवासी॥तिहिकेहेतुकाकसनजाई॥
सुनीकथामुनिनिकरबिहाई ॥कहहुकवनबिधिभासंवादा ॥दोउहरि
भक्तकाकुउरगादा ॥गौरिगिरासुनिसरलसुहाई ॥बोलेशिवसादर
सुखपाई ॥धन्यसतीपावनीमतिमोरी ॥रघुपतिचरणप्रीतिनहिं
थोरी ॥सुनहुपरमपुनीतइतिहासा ॥जोसुनिसकलशोकभ्रमनाशा
॥उपजहिरामचरणविश्वासा ॥भवनिधितरुकरिविनहिप्रयासा
॥ ॥दोहा॥ ॥ऐसेप्रश्नविहंगपति ॥कीन्हिकाकसनजाइ ॥
सोसबसादरकहहुमैं ॥सुनहुउमाचितलाई ॥ ७६ ॥ ॥चौपाई
॥ ॥जैमिनिकथासुनीभवमोचनि ॥सोप्रसंगसुनुसुमुखिसुलो
चनि ॥प्रथमदक्षगृहतवअवतारा ॥सतीनामतबरहातुह्मारा ॥द
क्षयज्ञममभाअपमाना ॥तुमअतिक्रोधतजेतहंप्राना ॥ ममअनु
चरनकीनमखभंगा ॥जानहुसोतुमसकलप्रसंगा ॥ तबअतिशो
चभयेउममोरे ॥दुखितभएउंबियोगप्रियतोरे ॥सुंदरबनगिरिस-
रिततडागा ॥कौतुकदेखतफिरौंबिरागा ॥गिरिसुमेरुउत्तरदिशि
दूरी ॥नीलशैलएकसुंदरभूरी ॥तासुकनकमयशिखरसुहाए ॥चा
रिचारुमोरेमनभाए ॥तेहिपरएकएकबिटपविशाला ॥वटपीपरपा
करीरसाला ॥शैलोपरिसरसुंदरशोहा ॥मणिसोपानदेखिमनमोहा
॥ ॥दोहा॥ ॥शीतलअमलमधुरजल ॥जलजविपुलबहुरं
ग॥कूजतरवलरवहंसगण ॥गुंजतमंजुलभृंग ॥ ८० ॥ ॥चौपाई
॥तिहिगिरिरुचिरबसैखगसोई ॥तासुनाशकल्पांतनहोई ॥ मा
यासुतगुणदोषअनेका ॥मोहमनोजआदिअविवेका ॥रहेव्या-
पिसमस्तजगमाहीं ॥तिहिगिरिनिकटकबहुनहिंजाहीं ॥ तहं

बसिह्वरिहिंभजैंजिमिकागा ॥सोसुनुउमासहितअनुरागा ॥पीपर
तरूतरध्यांनसोधरई ॥जापयज्ञपाकरितरकरई ॥आम्रछाहअरु
मानसपूजा ॥तरिहरिभजनकाजनहिदूजा ॥बटतरकरूहरिकथा
प्रसंगा ॥आवहिंशृनैंअनेकबिहंगा ॥रामचरित्रविचित्रविधनाना
॥प्रेमसहितकरूसादरगाना ॥सुनहुसकलमतिबिमलबिराला ॥ वस
हिंनिरंतरजेहितेनाला ॥तबमैंजाइसोकौतुकदेखा ॥उरउपजाआ
नंदविशेषा ॥ ॥दोहा॥ ॥तबकुछकालमरालतनु ॥धरित
हंकीन्हनिवास ॥सादरसुनिरघुपतिचरित ॥पुनिआएउकैलास ॥
८१॥ ॥चौपाई॥ ॥गिरिजाकहेसबइतिहासा ॥मैंजेहिसमयगए
उखगपाशा ॥अवशोकथासुनहुजाहिहेतू ॥ गएउकाकपहिंखगप
लकेतू ॥जबरघुनाथकीनिरणक्रीडा॥ समुझतचरितहोतिमोहि
ब्रीडा ॥ इंद्रजीतकेरआपुबंधावा ॥तबनारदमुनिगरुडपठावा ॥बंध
नकाटिगएउरपूरा ॥उपजात्हृदयप्रचंडविषादा॥ प्रभुबंधनसमुझ
तबहुभांती ॥करतबिचारउरगआराती॥ व्यापकब्रह्मबिरजवागी
शा ॥मायामोहपारपरमीशा ॥सोंअवतारसुनेहुजगमांही ॥देखेउ
प्रभावकछुनाहीं ॥ ॥दोहा॥ ॥भवबंधनतेंछूटहि ॥ नरजपिज
करनाम ॥खर्वनिशाचरबाधेउ॥ नागपाशसोइराम ॥ ८२ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥नानाभांतिमनहुसमुझावा ॥ प्रगटनज्ञानहृदयभ्रम
छावा॥देखखिन्नमनतर्कबडाई॥बहेबशभएंतुह्मरिहिनाई ॥व्या
कुलगएउदेवऋषिपाहीं ॥कहेसिजोसंशयनिजमांहीं ॥सुनिनारद
हिलागिअतिदाया ॥श्रृणुखगप्रबलरामकीमाया ॥जोज्ञानिनकर
चितअपहरई ॥बरिआइबिमोहमनकरई ॥जेहिबहुवारनचावामो
हीं ॥सोइव्यापेउविहंगपतितोहीं ॥महामोहउपजामनतोरे ॥मिठिहि
नबेगिकहेखगमोरे ॥चतुराननपहिंजाउखगेशा ॥सोइकरेहुजोदेहिं

निदेशा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ असकहिचलेदेवऋषि ॥ करतरामगुण
गान ॥ हरिमायाबलबरणत ॥ पुनिपुनिपरमसुजान ॥ ८३ ॥ ॥ चौ
पाई ॥ ॥ तबखगपतिबिरंचिपहंगएउ ॥ निजसंदेहसुनावतभ
एउ ॥ सुनिबिरंचिरामहिंशिरनावा ॥ समुझिप्रतापप्रेमउरछावा ॥ म
नमहंकरहिबिचारबिधाता ॥ मायाबशकबिकोबिदज्ञाता ॥ हरिमा
याकरअमितप्रभावा ॥ बिपुलबारजेहिंमोहिनचावा ॥ अगजगमय
सबममउपजाया ॥ नहिंआश्चर्यमोहिखगराया ॥ तबबोलेबिधि
गिरासुहाई ॥ जानुमहेशरामप्रभुताई ॥ बैनतेयशंकरपहिजाहू ॥
तातअनतपूछहुजनिकाहू ॥ तहांहोइहितबसंशयहानी ॥ चलबिहं
गषतिसुनिबिधिबानी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ परमातुरबिहंगपति ॥ त
बआएउममपास ॥ जातरहेउकुबेरगृह ॥ रहेहुउमाकैलास ॥ ८४ ॥
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ तेहिममपदसादरशिरनावा ॥ पुनिआपनसंदे-
हसुनावा ॥ सुनितासुकरबिनीनमृदुबानी ॥ प्रेमसहितमैंकहेउभवानी
॥ मिलेउगरुडमारगमहंमोही ॥ कवनभांतिसमुझावौंतोही ॥ जब
बहुकालकरियसंतसंगा ॥ सबतबहोइहिसंशयभंगा ॥ सुनियत
हांहरिकथासुहाई ॥ नानाभांतिमुनिनजोगाई ॥ जेहिमहंआदिम
ध्यअवसाना ॥ प्रभुप्रतिपाद्यरामभगवाना ॥ नितहरिकथाहोतिज
हुभाई ॥ पठवौंतोहिसुनहुनहजाई ॥ जाइहिसुनतसकलसंदोहा ॥
होइहिरामचरणदृढनेहा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ बिनुसतसंगनहरि
कथा ॥ तेहिबिनुमोहनभाग ॥ मोहगएबिनुरामपद ॥ होइनदृढअ
नुराग ॥ ८५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ मिलहिंनरघुपतिबिनुअनुरा
गा ॥ कियेयोगजपज्ञानविरागा ॥ उत्तरदिशिसुंदरगिरिनीला ॥ तहं
रहकाकभुशुंडिसुशीला ॥ रामभक्तिपथपरमप्रवीणा ॥ ज्ञानी
गुणगृहबहुकालीना ॥ रामकथासोइकहैनिरंतर ॥ सादरसुन

हिबिबिधबिहंगबर॥जाइसुनहितहुहरिगुणभूरी॥होइहिमोहजनितदुखदूरी॥मैंसबजबतेंहिकहाबुझाइ॥चलेउहर्षिममपदशिरनाई॥तातेंउमानमेंसमुझावा॥रघुपतिकृपामर्ममेंपावा॥होइहिकीन्हकबहुअभिमाना॥सोखोवेंचहकृपानिधाना॥कछुतेंहितेपुनिमेंनहिराखा॥समुझैखगखगहीकीभाषा॥प्रभुमायाबलवंतभवानी॥जाहिनमोहकवनअसजानी॥ ॥दोहा॥ ॥ज्ञानीभक्तशिरोमणि॥त्रिभुवनपतिकरयान॥ताहिमोहमायाप्रबल॥पामरकरहिंगुमान॥८६॥शिवविरंचिकहमोहे॥कोहैबपुराआन॥असजियजानिभजहिंमुनि॥मायापतिभगवान॥८७॥ ॥चौपाई॥ ॥गयेउगरुडजहबसैभुशुंडी॥मतिअकुंठहरिभक्तिअखंडी॥देखिशैलप्रसन्नमनभएऊ॥मायामोहशोचभ्रमगएउ॥करितडागमज्जनजलपाना॥बटतरगएउहृदयहरषाना॥बृद्धबृद्धबिहंगतहंआए॥सुनेरामकेचरितसुहाए॥कथाआरंभकरैंसोइचाहा॥ताहिसमयगयेउखगनाहा॥आवतदेखिसकलखगराजा॥हर्षेउबायससहितसमाजा॥अतिआदरखगपतिकरकीन्हा॥स्वागतपूछिसुआसनदीन्हा॥करिपूजासमेतअनुरागा॥मधुरबचनतबबोलेउकागा॥ ॥दोहा॥ ॥नाथकृतारथभयेउंमैं॥तबदरशनखगराज॥आयसुदेहुसोकरौंअब॥प्रभुआयेहुकेहिकाज॥८८॥सदाकृतारथरूपतुम॥कहमृदुबचनखगेश॥जाकीअस्तुतिसादर॥निजमुखकीनिमहेश॥८९॥ ॥चौपाई॥ ॥सुनहुतातजेहिकारजआयेऊं॥सोसबभयेउदर्शनबपायऊं॥देखिपरमपावनतबआश्रम॥गएउमोहसंशयनानाभ्रम॥अबश्रीरामकथाअतिपावनि॥सदासुखददुखपुंजनशावनि॥सादरतातसुनावहुमोही॥बार-बारबिनवौंप्रभुतोही॥सुनतगरुडकीगिराबिनीता॥सरलसप्रेमसु-

खदसुपुनीता ॥भएतासुमनपरमउछाहा॥कहेलागुरघुपतिगुण
गाहा॥प्रथमहींअतिअनुरागभवानी॥रामचरितकहेसिबखानि
॥पुनिनारदकरमोहअपारा॥कहेसिबहुरिरावणअवतारा॥प्रभुअ
वतारकथापुनिगाई॥पुनिशिशुचरितकहेसिमनलाई॥ ॥दोहा
॥ ॥बालचरितकहिबिबिधबिध॥मनमहंपरमउछाहु॥ ऋषि
आगमनकहेसिपुनि॥श्रीरघुबीरबिवाहु॥६०॥ ॥चौपाई॥
बहुरिरामअभिषेकप्रसंगा॥पुनिनृपबचनराजरसभंगा॥पुरबा-
सिनकरबिरहबिषादा॥कहेसिरामलक्ष्मणसंवादा॥बिपिनगमन
केवटअनुरागा॥सुरसरिउतरिनिवासप्रयागा॥बालमीकप्रभुमिलन
बखाना॥चित्रकूटजिमिबसुभगवाना॥सचिवागमननगरनृपमर
णा॥भरतागमनप्रेमपुनिबरणा॥करिनृपक्रियासंगपुरबासी॥भर
तगएजहंप्रभुसुखरासी॥पुनिरघुपतिबहुबिधिसमुझाए॥लैपादु
काअवधपुरिआए॥भरतरहनिसुरपतिसुतकरणी॥प्रभुअरु
अत्रिभेटपुनिबरणी॥ ॥दोहा॥ ॥कहिबिराधबधजाहिबिधि
देहतजीशरभंग॥बरणीसुतीक्षणप्रेमपुनि॥प्रभुअगस्त्यसतसं
ग॥६१॥ ॥चौपाई॥ ॥कहिदंडकवनपावनताई॥गृध्रमइत्री
पुनितेहिआई॥पुनिप्रभुपंचवटीकृतवासा॥भंजीसकलमुनिनकी
त्रासा॥पुनिलक्ष्मणउपदेशअनूपा॥शूर्पनखाजिमिकीनिकुरूपा॥
खरदूषनबधबहुरिबखाना॥जिमिसबमर्मदशाननजाना॥दशकं
धरमारीचबतकही॥जेहिबिधभईसोसबतेहिकही॥पुनिमायासी
ताकरहरणा॥श्रीरघुबीरबिरहकछुबरणा॥पुनिप्रभुगृध्रक्रिया
जिमिकीन्ही॥बधिकबंधशबरीगतिदीन्ही॥बहुरिबिरहबरणतरघुबी
रा॥जेहिबिधिगएउसरोवरतीरा॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुनारदसं-
वादकहि॥मारुतिमिलनप्रसंग॥पुनिसुग्रीवमिताइ॥बालिप्राण

करभंग ॥ ९२ ॥ कपिहितिलकप्रभुकृन ॥ शैलप्रवर्षणवान ॥ वर्णत
वर्षाशरदऋतु ॥ रामरोषकपित्रास ॥ ९३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
जेहिबिधिकपिपतिकीशपठाए ॥ सीताखोजसकलदिशिधाए ॥ बिब
वरप्रवेशकीन्हजेहिभांती ॥ कपिनबहोरिमिलासपाती ॥ सुनीसबक
थासमीरकुमारा ॥ लांघनभएउपयोधिअपारा ॥ लंकाकपिप्रबेश
जिमिकीन्हा ॥ पुनिसीतहिधीरजजिमिदीन्हा ॥ वनउजारिरावणहि
प्रबोधी ॥ पुरदहिलांधेउबहुरिपयोधी ॥ आएकपिसबजहंरघुराई
॥ बैदेहीकेकुशलसुनाई ॥ सेनसमेनयथारघुबीरा ॥ उतरेजाईबारि
निधितीरा ॥ मिलाबिभीषणजेहिबिधिआई ॥ सागरनिग्रहकथासुनाई
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सेतुबांधिकपिसेनाजिमि ॥ उतरेसागरपार ॥ ग
योबशीठावीरवर ॥ जेहिबिधबालिकुमार ॥ ९४ ॥ निशिचरकीशल
राइबहु ॥ बरणिसिबिबिधप्रकार ॥ कुंभकर्णघननादकर ॥ बलपौ
रुषसंहार ॥ ९५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ निशिचरनिकरमरणबिध
नाना ॥ रघुपतिरावणसमरबखाना ॥ रावणबधमंदोदरिशोका ॥ रा
जबिभीषणदेवअशोका ॥ सीतारघुपतिमिलनबहोरी ॥ सुरनकीन
अस्तुतिकरजोरी ॥ पुनिपुष्पकटीकपिनसमेता ॥ अवधचलेप्रभुकृ
पानिकेता ॥ जेहिबिधिरामनगरनिजआए ॥ वायसविषदचरितसब
गाये ॥ कहेसिबहोरिरामअभिषेका ॥ पुरवर्णननृपनीतिअनेका ॥
कथासमस्तभुशुंडिबखानी ॥ जोमैंतुमसनकहीभवानी ॥ सुनिस
बरामकथाखगनाहा ॥ कहतबचनमनपरमउछाहा ॥ ॥ सो
रठा ॥ ॥ गएउमोरसंदेहु ॥ सुनेउसकलरघुपतिचरित ॥ भएउ
रामपदनेहु ॥ तबप्रसादवायसतिलक ॥ ९६ ॥ मोहिभएअतिमो
ह ॥ प्रभुबंधनरणमहंनिरखि ॥ चिदानंदसंदोह ॥ रामबिकलका
रणकवन ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ देखिचरितअतिनरअनुनारी ॥

भएउहृदयममसंशयभारी ॥सोभ्रमअबमैंहितकरिजाना ॥कीन्ह अनुग्रहकृपानिधाना ॥जोअतिआतपब्याकुलहोई ॥ तरुछायासुख जानैसोई ॥जोनहिंहोतमोहअतिमोही ॥ मिलतेउँतातकवनिबिधि तोही ॥ सुनतेउँकिमिहरिकथासुहाई ॥अतिबिचित्रबहुबिधितुमगा ई ॥निगमागमपुराणमतएहा ॥कहहिंसिद्धमुनिनहिंसंदेहा ॥ संतबिशुद्धमिलहिंपरितेहीं ॥चितवहिंरामकृपाकरिजेहीं ॥रामकृ पातवदरशनभएऊ ॥तवप्रसादममसंशयगएउ ॥ ॥दोहा ॥ ॥सुनीबिहंगपतिबाणी ॥सहितबिनयअनुराग ॥पुलकगात लोचनसजल॥मनहर्षेउअतिकाग ॥९८॥श्रोतासुमतिसुशीलरुचि ॥ कथारसिकहरिदास ॥पाइउमाअतिगोप्यमत ॥ सज्जनकरहिंप्र काश ॥९९॥ ॥चौपाई॥ ॥बोलेउकागभुशुंडिबहोरी॥न भगनाथपरप्रीतिनथोरी ॥सबबिधनाथपूज्यतुममेरे ॥कृपापात्रर घुनायककेरे ॥तुमहिंनसंशयमोहनमाया ॥मोपरनाथकीन्हितुमदा या ॥पठैमोहमिसुखगपतितोही ॥रघुपतिदीन्हिबड़ाईमोही ॥तुमनि जमोहकहाखगसांई ॥सोकछुआश्चर्यनगोसांई ॥नारदशिवबि रंचिसनकादि ॥जेमुनिनायकआतमवादी॥ मोहनअंधकीन्हकेहि केही ॥कोजगकामनचावनजेही ॥तृष्णाकेहिनकीन्हबौराहा ॥केहि करहृदयक्रोधनहिंदाहा ॥ ॥दोहा॥ ॥ज्ञानीतापसशूरकवि ॥ कोबिदगुणआगार ॥केहिकोलोभबिडंबना ॥कीन्हनएहिंसंसा र ॥१००॥श्रीमदबक्रनकीन्हकेहि ॥प्रभुताबधिरनकाहि ॥मृगनय नीकेनयनशर ॥ कोअसलागुनजाहि ॥१०१॥ ॥चौपाई ॥ गुणकृतसन्निपातनहिंकेहि ॥कोउनमानमदतजेउनदेही॥ यौवन ज्वरकेहिनहिबलकावा ॥ममताकेहिकरयशननशावा ॥मत्सरका हिकलंकनलावा ॥काहिनशोकसमीरडोलावा ॥चींतासांपिनिकोन

हिरवाया ॥ कोजगजाहिनव्यापीमाया ॥ कीटमनोरथदारुशरीरा ॥ जे
हिनलागधनुकोअसधीरा ॥ सुतवितनारीईषणनीनी ॥ केहिकीम
तिइन्हकृतनमलीनी ॥ यहसबमायाकरपरिवारा ॥ प्रबलअमितकोब
रणेपारा ॥ शिवचतुराननजाहिडेराहीं ॥ अपरजीवकेहिलेखेमाई ॥
॥ दोहा ॥ ॥ व्यापिरहेउससारमहं ॥ मायाकटकप्रचंड ॥ से
नापतिकामादिभट ॥ दंभकपटपाषंड ॥ १०२ ॥ सोदासीरघुबीरकी
॥ समुझेमिथ्यासोपि ॥ छूटैरामकृपाबिनु ॥ नाथकहौंपदरोपि ॥ १०३
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जोमायासबजगहिंनचावा ॥ जासुचरितल
खिकाहुनपावा ॥ सोइप्रभुभ्रूविलासखगराजा ॥ नाचनटीइवसहि
तसमाजा ॥ व्यापकब्रह्मअखंडअनंता ॥ अखिलअमोघशक्तिभ-
गवंता ॥ सोइसच्चिदानंदघनरामा ॥ अजविज्ञानरूपबलधामा ॥ अगु
णअदभ्रगिरागोतीना ॥ समदरशीअनवद्यअजीना ॥ निर्ममनि
राकारनिर्मोहा ॥ नित्यनिरंजनसुखसंदोहा ॥ प्रकृतिपारसबप्रभु
उरबासी ॥ ब्रह्मनिरीहबिरजअबिनासी ॥ इहांमोहकरकारणनाहीं
रविसंमुखतुमकबहुंकिजाहीं ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ भक्तहेतुभगवान्
प्रभु ॥ रामधरेउतनुभूप ॥ कियेचरितपावनपरम ॥ प्राकृतनर
अनुरूप ॥ १०४ ॥ यथाअनेकवेषधरि ॥ नृत्यकरैनटकोइ ॥ सोइसो
इभावदेखावै ॥ आपुनहोइनसोइ ॥ १०५ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ अ
सरघुपतिलीलाउरगारी ॥ दनुजबिमोहनजनसुखकारी ॥ जेमति
मलीनविषयवशकामी ॥ प्रभुपरमोहधरहिंइस्वामी ॥ नयनदोष
जाकहजबहोई ॥ पीतबरणशशिकहकहइसोई ॥ जबजेहिदिशिभ्र
महोइखगेशा ॥ सोकहिपश्चिमउगेउदिनेशा ॥ नौकारूढचलतजग
देखा ॥ अचलमोहबसआपुहिलेखा ॥ बालकभ्रमहिंनगृहादि ॥ कह
हिंपरस्परमिथ्यावादी ॥ हरिविषयकअसमोहविहंगा ॥ ॥ स्व

पनेहुनहिंअज्ञानप्रसंगा॥मायाबशमतिमंदअभागी॥हृदयजम
निकाबहुबिधलागी॥तेशठहठबशसंशयकरहीं॥निजअज्ञानरा
मपरधरहीं॥ ॥दोहा॥ ॥कामक्रोधमदलोभरत॥गृहासक्तदुख
रूप॥तेकिमिजानिहिंरघुपतिहिं॥मूढपरेतमकूप॥१०६॥निर्गुणरूप
सुलभअति॥सगुणनजानेकोइ॥सुगमअगमनानाचरित॥सुनि
मुनिमनभ्रमहोइ॥१०७॥ ॥चौपाई॥ ॥शृणुखगपतिरघुपतिप्रभु
ताई॥कहौंयथामतिकथासुहाई॥जेहिबिधमोहभएउप्रभुमोहीं॥सो
सबचरितसुनावौंतोहीं॥रामकृपाभाजनतुह्मताता॥हरिगुणप्रीति
मोहिंसुखदाता॥तातेनहिंकछुतुमहिंदुरावौं॥परमरहस्यमनोहर
गावौं॥सुनहुरामकरसहजसुभाऊ॥जनअभिमाननराखहिंकाऊ॥
संसृतिमूलशूलप्रदनाना॥सकलशोकदायकअभिमाना॥तातेकरहिं
कृपानिधिदूरी॥सेवकपरममताअतिभूरी॥जिमिशिशुतनुब्रणहोइगो
साईं॥मातुचिरावकठिनकीनाईं॥ ॥दोहा॥ ॥यद्यपिप्रथमदुखपावै
॥रोवैबालअधीर॥व्याधिनाशहितजननी॥गणइनसोशिशुपीर॥
१०८॥तिमिरघुपतिनिजदासकर॥हरहिंमानहितलागि॥तुलसिदास
ऐसेप्रभुहिं॥कसनभजसिभ्रमत्यागि॥१०९॥ ॥चौपाई॥ ॥
रामकृपाआपनिजडताई॥कहौंखगेशसुनहुमनलाई॥जबजबरा
ममनुजतनुधरहीं॥भक्तहेतुलीलाबहुकरहीं॥तबतबअवधपुरीमैं
जाऊं॥बालचरितविलोकिहर्षाऊं॥जन्ममहोत्सवदेखौंजाई॥वर्षपां
चतहंरहौंलोभाई॥इष्टदेवममबालकरामा॥शोभावपुषिकोटिश
तकामा॥निजप्रभुवदननिहारिनिहारि॥लोचनसफलकरौउरगा
री॥लघुवायसबपुधरिहरिसंगा॥देखौंबालचरितबहुरंगा॥ ॥दो
हा॥ ॥लरिकाईजहंजहंफिरहिं॥तहंतहंसंगउडाऊं॥जूठनपरैअ
जिरमहं॥सोउठाइकरिखाऊं॥११०॥एकबारअतिशैशव॥चरितकि

एरघुवीर॥सुमिरतप्रभुलीलासोई॥पुलकितभएउशरीर॥१११॥
॥चौपाई॥ ॥कहैभुशुंडिसुनहुखगनायक॥रामचरितसेवक
सुखदायक॥नृपमंदिरसुंदरसबभांती॥खचितकनकमणिनाना
जाती॥बरणिनजाईरुचिरअंगनाई॥जहंखेलहिंनितचारिउभाई॥
बालबिनोदकरतरघुराई॥बिचरतअजिरजननिसुखदाई॥मरक
तमृदुलकलेवरश्यामा॥अंगअंगप्रतिछबिबहुकामा॥नवराजीवअ
रुणमृदुचरणा॥पदजरुचिरनखशशिदुतिहरणा॥ललितअंककु
लिशादिकचारी॥नूपुचारुमधुररवकारी॥चारुपुरटमणिरचितब
नाई॥कटिकिंकिणिकलमुखरसुहाई॥ ॥दोहा॥ ॥रेखात्रयसुं
दरउदार॥नाभिरुचिरगंभीर॥उरआयतभ्राजतबिबिध॥बालबिभू
षणवीर॥११२॥ ॥चौपाई॥ ॥अरुणपाणिनखकरजमनोहर
॥बाहुबिशालबिभूषणसुंदर॥स्कंधबालकेहरिदरग्रीवा॥चारुचिबु
कआननछबिसींवा॥कलबलवचनअधरअरुणारे॥दुइदुइदशनबि
शदबरवारे॥ललितकपोलमनोहरनासा॥सकलसुखदशशिकरस
महासा॥नीलकंजलोचनभवमोचन॥भ्राजतभालतिलकगोरोचन
॥बिकटभृकुटिसमश्रवणसुहाए॥कुंचितकचमेचकछबिछाए॥पी
तझीनझगुलीतनुसोई॥खिलकनीचितवनिभावतिमोही॥रूपरा
शिनृपअजिरबिहारी॥नाचहिंनिजप्रतिबिंबनिहारी॥मोहिसनक
रहिंबिबिधबिधक्रीडा॥बरणतचरितहोतिमनव्रीडा॥खिलकतमो
हिधरनजबधावहिं॥चलोंभाजितबपूपदिखावहिं॥ ॥दोहा॥
आवतनिकटहसहिंप्रभु॥भाजतरुदनकराहिं॥जाउंसमीपगहनप
द॥फिरिफिरिचितैपराहिं॥११३॥प्राकृतशिशुइवलीला॥देखिभ
एउमोहिंमोह॥कवनचरितकरतप्रभु॥चिदानंदसंदोह॥११४॥
॥चौपाई॥ ॥इतनीमनआननखगराया॥रघुपतिप्रेरितव्यापी

माया ॥सोमायानदुखदमोहिकाही ॥ग्मानजीवइवसंसृतिनाहीं ॥
नाथइहांकछुकारणग्माना ॥सुनहुसोसावधानहरियाना ॥ज्ञानग्म
खंड्एकसीतावर ॥मायावश्यजीवचराचर ॥जोसबकेरहज्ञानएकरस
॥ईश्वरजीवहिंभेदकहहुकस ॥मायावश्यजीवग्मभिमानी ॥ईशव
श्यमायागुणखानी ॥परवशजीवस्ववशभगवन्ता ॥जीवग्मनेकएक
श्रीकंता ॥मृखाभेदयद्यपिकृतमाया ॥बिनुहरिजाइनकोटिउपाया ॥
॥दोहा॥ ॥रामचंद्रकेभजनबिनु ॥जोचहपदनिर्वाण ॥ज्ञानवंत
ग्मपिसोनर ॥पशुबिनुपुछबिषान ॥ ११५ ॥ राकापतिषोडशउगहिं ॥
तारागणसमुदाय ॥सकलगिरिनदबुलाइये ॥रविबिनुरातिनजाया
॥११६॥ ॥चौपाई॥ ॥तैसहिंबिनुहरिभजनखगेशा ॥मिटेन-
जीवनकेरकलेशा ॥हरिसेवकहिनव्यापग्मविद्या ॥प्रभुप्रेरितनेहिब्या
पैविद्या ॥तातेनाशनहोइदासकर ॥भेदभक्तिबाढैबिहगबर ॥भ्रमते
चकितराममोहिदेषा ॥बिहसेसोशृणुचरितविशेषा ॥तेहिकौतुकक
रमर्मनकाहू ॥जानाग्मनुजनमातुपिताहू ॥जानुपाणिधाएमोहिधर
ण ॥श्यामलगातग्मरुणकरचरण ॥ तबमैंभागिचलेउउरगारी ॥
रामगहनकहुंभुजापसारी ॥जिमिजिमिदूरिउडाऊंग्माकाशा ॥तहं
हरिभुजदेखौंनिजपाशा ॥ ॥दोहा॥ ॥ब्रह्मलोकलगिगएउमैं ॥
चितएउंपाछुंउडात ॥युगग्मंगुलकरबीचसब ॥रामभुजहिमोहित्तात
॥ ११७ ॥ सप्तावरणभेदकरि ॥जहलगिगतिरहिमोरि ॥गएउतहां
प्रभुभुजनिरखि ॥व्याकुलभएउंबहोरि ॥ ११८ ॥ ॥चौपाई॥ ॥
मूंदेउनयनत्रासितजबभएऊं ॥पुनिचितवतकोशलपुरगएउं ॥मोहि
बिलोकिरामसुसुकाहीं ॥बिहंसतत्तुरितगएउमुखमाहीं ॥उदरमांझ
शृणुग्मंडजराजा ॥देखेहुबहुब्रह्मांडनिकाया ॥ग्मतिबिचित्रतहंलोक
ग्मनेका ॥रचनाग्मधिकएकतेग्मेका ॥ कोटिनचतुराननगौरीशा ॥ग्म

गणितउडुगणरविरजनीशा ॥ अगणितलोकपालयमकाला ॥ अग
णितभूधरभूमिविशाला ॥ सागरसरिसरविपिनअपारा ॥ नानाभांति
सृष्टिविस्तारा ॥ सुरमुनिसिद्धनागरकिन्नर ॥ चारिप्रकारजीवसचराच
र ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ जोनहिदेखानहिसुना ॥ जोमनहूंनसमाइ ॥ सोस
बअद्भुतदेखेउं ॥ बरणिकवनबिधिजाई ॥ ११९ ॥ एकएकब्रह्मां
डमहं ॥ रहेउवर्षशतएक ॥ यहिबिधदेखतफिरेउमें ॥ अंडकटाहअने
क ॥ १२० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ लोकलोकप्रतिभिन्नबिधाता ॥ भि
न्नविष्णुशिवमुनिदिशित्राता ॥ नरगंधर्वभूतबेताला ॥ किन्नरनिशि
चरपशुखगब्याला ॥ देवदनुजगणनानाजाती ॥ सकलजीवतहंआ
नहिभांती ॥ महिसरसागरसरिगिरिनाना ॥ सबप्रपंचतहंआनेआ
ना ॥ अंडकोशप्रतिप्रतिनिजरूपा ॥ देखेउंजिनिसिअनेकअनूपा ॥
अवधपुरीप्रतिभुवनानिन्यारी ॥ शरजूभिन्नभिन्ननरनारी ॥ दशरथ
कौशल्याभृगुनाना ॥ बिबिधरूपभरतादिकभ्राता ॥ प्रतिब्रह्मांड
रामअवतारा ॥ देखेउबालविनोदउदारा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ भिन्न
भिन्नसबदीखमें ॥ अतिबिचित्रहरियान ॥ अगणितभुवनफिरेउप्र
भु ॥ रामनदेखेउआन ॥ १२१ ॥ सोइशिशुपनसोइशोभा ॥ सोइकृपा
लुरघुबीर ॥ भुवनभुवनफिरतदेखेऊं ॥ प्रेरितमोहसमीर ॥ १२२ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ भ्रमतमोहिब्रह्मांडअनेका ॥ बीतेमनहुंकल्पशा
तएका ॥ फिरतफिरतनिजआश्रमआएऊं ॥ तहंपुनिरहिकछुकाल
गाएउं ॥ निजप्रभुजन्मअवधसुनिपाएऊं ॥ निर्भरप्रेमहर्षिउठिधाएउं
देखेऊंजन्ममहोत्सबजाई ॥ जेहिबिधप्रथमकहामेंगाई ॥ रामदरदेखे
जगनाना ॥ देखततबनेनजाइबखाना ॥ तहंपुनिदेखेउंरामसुजाना ॥
मायापतिकृपालभगवाना ॥ करोंबिचारबहोरिबहोरी ॥ मोहकलिल
ब्यापितमतिमोरी ॥ उभयघरीमहसेसबदेखा ॥ भएउंभ्रमितमनमोह

विशेषा॥ ॥दोहा॥ ॥देखिकृपालबिकलमोहि॥ बिहसेतबर
घुबीर॥बिहसतहींमुखबाहेर॥आयउभृगुमतिधीर॥१२३॥सोइ
लरिकाइमोसन॥लगेकरणपुनिराम॥कोटिभांतिसमुझावों॥मनन
लहेंबिश्राम॥१२४॥ ॥चौपाई॥ ॥देखिचरितइहसोप्रभुताई
समुझतदेहदशाबिसराई॥धरणिपरेउमुखआवनवाना॥त्राहित्राहि
आरतजनत्राता॥परमाकुलप्रभुमोहिबिलोकी॥निजमायाप्रभुतान
बरोकी॥करसरोजप्रभुममशिरधरेउ॥ दीनदयालदुसहदुखहरेउ
॥कीन्हराममोहिबिगतबिमोहा॥ सेवकसुखदकृपासंदोहा॥प्रभु
ताप्रथमबिचारिबिचारि॥ मनमहंहोइहर्षअतिभारी॥भक्तवत्सल
ताप्रभुकीदेखी॥उपजीउरममप्रीतिविशेषी॥सजलनयनपुलकित
करजोरी॥कीन्हिबहुविधविनयबहोरी॥ ॥दोहा॥ ॥सुनि
सप्रेममममबानी॥देखिदीननिजदास॥ बचनसुखदगंभीरमृदु॥
बोलेरमानिवास॥१२५॥कागभुशुंडीमागुवर॥अतिप्रसन्नमोहि
जानि॥अणिमादिकसिधिअपरऋधि॥मोक्षसकलसुखखानि॥
१२६॥ ॥चौपाई॥ ॥ज्ञानबिवेकबिरतिबिज्ञाना॥मुनिदुर्लभ
भगतिजेजगजाना॥आजुदेउसबसंशयनाहीं॥मांगुजोतोहीभाव
मनमाहीं॥सुनिप्रभुबचनअधिकअनुरागेऊं॥मनअनुमानकरन
तबलागेऊं॥प्रभुकहदेनसकलसुखसही॥भक्तिआपनीदेननक
ही॥भक्तिहीनगुणसुखसबकेसें॥लवणबिनाबहुव्यंजनजेसें॥भ
क्तिहीनसुखकवनेकाजा॥असबिचारिबोलेउखगराजा॥जोप्र
भुहोइप्रसन्नवरदेहू॥मोपरकरकृपाअरुनेहू॥मनभावतबरमा
गौंस्वामी॥तुमउदारउरअंतरजामी॥ ॥दोहा॥ ॥अबिरल
भक्तिबिशुद्धितव॥श्रुतिपुराणजोहिगाव॥ जेहिखोजतयोगीश
मुनि॥प्रभुप्रसादकोउपाव॥१२७॥ भक्तकल्पतरुप्रणतहित॥

॥ कृपासिंधुसुखधाम ॥ सोइनिजभक्तिमोहिप्रभु ॥ देहुदयाकरिरा
म ॥ १२८ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ एवमस्तुकहिरघुकुलनायक ॥ बो
लेबचनपरमसुखदायक ॥ श्रृणुवायसतैंसहजसयाना ॥ काहेनमांग
सिअसबरदाना ॥ सबसुखखानिभक्तितैंमागी ॥ नहिकोइतोउसमा
नबड़भागी ॥ जेहिमुनिकोटियतननहिलहहीं ॥ जेजपयोगअनलतन
दहहीं ॥ रीझेउंदेखितोरिचतुराई ॥ मागेहुभक्तिमोहिअतिभाई ॥
श्रृणुविहंगप्रसादअबमोरे ॥ सबशुभगुणवसिहैंउरतोरे ॥ भक्ति
ज्ञानविज्ञानबिरागा ॥ जोसबचरितरहस्यविभागा ॥ जानवतैंसब
हीकरभेदा ॥ ममप्रसादनहिंसाधनखेदा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ मा
यासंभवभ्रमसबे ॥ अबनहिव्यापिहितोहि ॥ जानेसिब्रह्मअना
दिअज ॥ अगुणगुणाकरमोहिं ॥ १२९ ॥ मोहिभक्तप्रियसंतत ॥
असबिचारिश्रृणुकाग ॥ कायबचनमनममपद ॥ करेसुअचल
अनुराग ॥ १३० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ अबश्रृणुपरमबिमल
ममबानी ॥ सत्यसुगमनिगमादिबखानी ॥ निजसिद्धांतसुनावौं
तोहीं ॥ सुनिमनधरुसबत्यजिभजुमोहीं ॥ ममभायासंभवसं
सारा ॥ जीवचराचरविविधप्रकारा ॥ सबममप्रियसबममउपजा
ए ॥ अधिकसबतेंमनुजमोहिभाए ॥ तेहिमहंद्विजद्विजमहंश्रुति-
धारी ॥ तिन्हमहंनिगमधर्मअनुसारी ॥ तिन्हमहंप्रियबिरक्तपुनि
ज्ञानी ॥ ज्ञानिहुतेंअतिप्रियबिज्ञानी ॥ तिन्हतेंपुनिमोहिप्रियनिजनि
जदासा ॥ तेहिगतिमोरनदूसरीआशा ॥ पुनिपुनिसत्यकहौंतोहि
पाहीं ॥ मोहिसेवकसमप्रियकोउनाहीं ॥ भक्तिहीनबिरंचिकिनहोई
॥ सबजीवनसमप्रियमोहिहोई ॥ भक्तिवंतअतिनीचोप्राणी ॥ मो
हिप्राणप्रियअसममबाणी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुचिसुशीलसे
वकसुमति ॥ प्रीयकहिकाहुनलाग ॥ श्रुतिपुराणकहनीतिअस ॥

सावधानशृणुकाग ॥१३१॥ ॥चौपाई॥ ॥एकपिताकेविपु
लकुमारा ॥होइपृथगगुणशीलअचारा ॥ कोउपंडितकोउतापसि
ज्ञाता ॥ कोउधनवंतशूरकोउदाता ॥कोउसर्वज्ञधर्मरतकोई ॥सब
परपितहिप्रीतिसमहोई ॥ कोउपितुभक्तबचनमनकर्मा ॥सपनेहु
जाननदुसरधर्मा ॥सोप्रियसुतपितुप्राणसमाना ॥यद्यपिसबभांति
अयाना ॥एहिबिधिजीवचराचरजेते ॥त्रिजगदेवनरअसुरसमेते
॥अखिलविश्वयहमोरउपजाया ॥सबपरमोहिबसबरिदाया ॥तिन
महंजोपरिहरिमदमाया ॥भजहिमोहिमनबचअरुकाया ॥ ॥दो
हा॥ ॥पुरुषनपुंसकनारिवा ॥जीवचराचरकोऊ ॥सर्वभाव
भजुकपटतजि ॥मोहिपरमप्रियसोई ॥१३२॥ ॥सोरठा॥ ॥
सत्यकहोंखगतोहिं ॥शुचिसेवकममप्राणप्रिय ॥असबिचारिभज
मोहिं ॥परिहरिआशभरोससब ॥१३३॥ ॥चौपाई॥ ॥कब
हुंकालनहिंव्यापिहितोहीं ॥सुमिरेहुभजेहुनिरंतरमोहीं ॥प्रभुबचना
मृतस्तुनिनअघाऊं ॥तनुपुलकितमनअतिहर्षाऊं ॥सोसुखजानै
मनअरुकाना ॥नहिरसनापहिजाइबखाना ॥प्रभुशोभासुखजान
हिनयना ॥किमिकहिशकेंतिन्हेंनहिबयना ॥ बहुबिधमोहिंप्रबोधसु
खदेई ॥लगेकरणशिशुकौतुकतेई ॥ सजलनयनकछुमुखकरि
रूषा ॥चितैमातलागीअतिभूषा ॥ देखिमातुआतुरउठिधाई ॥ कहि
मृदुबचनलिएउरलाई ॥गोदराखिकरावपयपाना ॥रघुपतिचरित-
ललितकरिगाना ॥ ॥सोरठा॥ ॥जेहिसुखलागिपुरारि ॥
अशिववेषकृतशिवसुखद ॥अवधपुरीनरनारी ॥तेहिसुखमहंस
ततमगन ॥१३४ ॥सोइसुखकरलवलेश ॥ जिनवारेकसपनेहुल
हेउ ॥ तेनहिंगणहिंखगेश ॥ब्रह्मसुखहिंसज्जनसुमति ॥१३५
॥ ॥ चौपाई॥ ॥ मेंपुनिअवधरहेउकछुकाला ॥ देखे-

उबालविनोदरसाला॥रामप्रसादभक्तिवरपाएउ॥प्रभुपदवंदिनिजा
श्रमआएऊं॥तबतेमोहिनव्यापीमाया॥जबतेरघुनायकअपनाया
॥यहसबगुप्तचरितमैंगावा॥हरिमायाजिमिमोहिनचावा॥निजअ
नुभवअबकहौंखगेशा॥बिनुहरिभजननजाहिंकलेशा॥रामकृपा
बिनुभृएुखगराई॥जानिनजाइरामप्रभुताई॥जानेबिनुनहिंहोइपर
तीती॥बिनुपरतीतिहोइनहिंप्रीती॥प्रीतिबिनानहिभक्तिदृढाइ॥जिमि
खगेशजलकीचिकनाई॥ ॥सोरठा॥ ॥बिनुगुरुहोइकिज्ञान॥ज्ञा
नकिहोइबिरागबिनु॥गावहिंबेदपुरान॥सुखकिलहहिंहरिभक्तिबिनु
॥१३६॥कोउबिश्रामकिपाव॥तातसहजसंतोषबिनु॥चलैकिजलबि
नुनाव॥कोटियतनकरिपचिमरिय॥१३७॥ ॥चौपाई॥ ॥बि
नुसंतोषनकामनशाहीं॥कामअछतसुखसपनेहुनाहीं॥रामभजनबि
नुमिटहिंकिकामा॥थलविहीनतरुकबहुकिजामा॥बिनुबिज्ञानकिस
मताआवै॥कोउअवकाशकिनभबिनुपावै॥श्रद्धाबिनाधर्मनहिंहोई
॥बिनुमहिगंधकिपावैकोई॥बिनुतपतेजकिकरुबिस्तारा॥जलबिनु
रसकिहोइसंसारा॥शीलकिमिलुबिनुबुधसेवकाई॥जिमिबिनुतेजन
रूपगोसांई॥निजसुखबिनुमनहोइकिथीरा॥स्पर्शकिहोइबिहीनस
मीरा॥कवनिउसिद्धिकिबिनुविश्वासा॥बिनुहरिभजननभवभयना
शा॥ ॥दोहा॥ ॥बिनविश्वासभक्तिनहिं॥तेहिबिनुद्रवहिनराम॥
रामकृपाबिनुसपनेहु॥जीवकिलहैबिश्राम॥१३८॥ ॥सोरठा
॥असविचारिमतिधीर॥तजिकुतर्कसंशयसकल॥भजहिंरामर
घुवीर॥करुणाकरसुंदरसुखद॥१३९॥ ॥चौपाई॥ ॥निज
मतिसरिसनाथमैंगाई॥प्रभुप्रतापमहिमाखगराई॥कहिउनकछुक
रियुक्तिबिशेषी॥यहसबमैंनिजनयननदेखी॥महिमानामगुणगाथा॥
सकलअमितअनंतरघुनाथा॥निजनिजमतिमुनिहरिगुणगावहिं॥

निगमशेषशिवपारनपावहिं ॥ तुम्हहिआदिखगमशकपर्यंता ॥ नभउड़ाहिनहिपावहिंअंता ॥ तिमिरघुपतिमहिमाअवगाहा ॥ तातकबहुकोउपावकिथाहा ॥ रामकामशतकोटिसुभगतनु ॥ दुर्गाकोटिअमितअरिमर्दनु ॥ शक्रकोटिशतसरिसबिलासा ॥ नभशतकोटिअमितअवकाशा ॥ दोहा ॥ ॥ मरुतकोटिशतबिपुलबल ॥ रविशतकोटिप्रकाश ॥ शशिशतकोटिसुशीतल ॥ शमनसकलभवत्रास ॥ १४० कालकोटिशतसरिसअति ॥ दुस्तरदुर्गतुरंत ॥ धूमकेतुशतकोटिसम ॥ दुराधर्षभगवंत ॥ १४१ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ प्रभुअगाधशतकोटिपताला ॥ शमनकोटिशतसरिसकराला ॥ तीरथअमितकोटिशतपावन ॥ नामअखिलअघपुंजनशावन ॥ हिमगिरिकोटिअचलरघुवीरा ॥ सिंधुकोटिशतसमगंभीरा ॥ कामधेनुशतकोटिसमाना ॥ सकलकामदायकभगवाना ॥ शारदकोटिअमितचतुराई ॥ विधिशतकोटिसृष्टिनिपुणाई ॥ विष्णुकोटिशतपालनकर्ता ॥ रुद्रकोटिशतसमसंहर्त्ता ॥ धनदकोटिशतसमधनवाना ॥ मायाकोटिप्रपंचनिधाना ॥ भारधरणशतकोटिअहीशा ॥ निरबधिनिरुपमप्रभुजगदीशा ॥ ॥ छंद ॥ ॥ निरुपनउपमाआनरामसमाननिगमागमकहै ॥ जिमिकोटिशतखद्योतरविसमकहतअतिलघुतालहै ॥ ४१ ॥ एहिभांतिनिजनिजमतिबिलासमुनीशहरिहिबखानहिं ॥ प्रभुभावग्राहकअतिकृपालुसप्रेमतेंसुखमानहीं ॥ ४२ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ रामअमितगुणसागर ॥ थाकहिपावैकोइ ॥ संतनसनयशकछुसुनेउं ॥ तुमहिसुनायेउंसोइ ॥ १४२ ॥ ॥ सोरठा ॥ ॥ भाववश्यभगवान ॥ सुखनिधानकरुणाभवन ॥ तजिममतामदमान ॥ भजियसदासीतारमण ॥ १४३ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सुनिभुशुंडिकेबचनसुहाए ॥ हर्षितखगपतिपंखफुलाये ॥ नयननीरमतिमनअतिहर्षाना ॥ श्रीर

घुपतिप्रतापउरआना॥पाछिलमोहसमुझिपछिताना॥ब्रह्मअना
दिमनुजकरिमाना॥पुनिपुनिकाकचरणशिरनावा॥जानिरामसम
प्रेमबढावा॥गुरुबिनुभवनिधितरैनकोई॥ज्योबिरंचिशंकरसमहोई॥
संशयसर्पग्रसेउमोहिताता॥दुखदलहरिकुतर्कबहुबाता॥तबस्व-
रूपगारुडरघुनायक॥मोहिजियायेहुजनदुखदायक॥तबप्रसाद
ममोहनशाना॥रामरहस्यअनूपमजाना॥ ॥दोहा॥ ॥ता
हिप्रशंसेउबिबिधबिध॥शीसनाइकरजोरि॥बचनसप्रेमपुनीत
मृदु॥बोलेगरुडबहोरि॥१४४॥प्रभुअपनेअविवेकते॥बूझौस्वा
मीतोहि॥कृपासिंधुसादरकहहु॥जानिदासनिजमोहि॥१४५॥
॥चौपाई॥ ॥तुमसर्बज्ञयज्ञतमपारा॥सुमतिसुशीलसरल
आचारा॥ज्ञानबिरतिबिज्ञाननिवासा॥रघुनायकके प्रियतुमदासा
॥ कारणकवनदेहयहपाई॥तातसकलमोहिकहहुबुझाई॥रा
मचरितसरसुंदरस्वामी॥पायेउकहांकहहुनभगामी॥नाथसुना
मैंअसशिवपाहीं॥महाप्रलयहुनाशतवनाहीं॥ मृषाबचननहिं
शंकरकहहीं॥सोमोरेमनसंशयअहहीं॥अगजगजीवनागनर
देवा॥नाथसकलजगकालकलेवा॥अंडकटाहअमितलयकारी॥
कालसदादुरतिक्रमभारी॥ ॥सोरठा॥ ॥तुम्हहिनव्याप
तकालु॥अतिकरालकारणकवन॥सोमोहिकहहिकृपालु॥ज्ञान
प्रभावकियोगबल॥१४६॥ ॥दोहा॥ ॥प्रभुतबआश्रम
आएउं॥मोरमोहभ्रमभाग॥कारणकवनसोनाथतब॥कहहुस
हितअनुराग॥१४७॥ ॥चौपाई॥ ॥गरुडगिरासुनिहर्षे
उकागा॥बोलेउमापरमअनुरागा॥धन्यधन्यतबमतिउरगारी॥प्र
श्नतुम्हारिमोहिअतिप्यारी॥सुनितबप्रश्नप्रेमसुहाई॥बहुतजनम
कीशुधिमोहिआई॥ सबनिजकथाकहौंमैंगाई॥ तातसुनहु-

सादरमनलाई ॥जपतपमखशमदमव्रतदाना ॥बिरतिबिलोकयोग
बिज्ञाना॥सबकरफलरघुपतिपदप्रेमा ॥तेहिबिनुकोउनपावैक्षेमा॥तनु
एहिरामभक्तिमैंपाई॥ताते मोहिममताअधिकाई॥जेहितेंनिजस्वारथ
कछुहोई ॥तेहिपरममताकरुसबकोई॥ ॥सोरठा॥ ॥पन्न-
गारिअसनीति॥श्रुतिसंमतसज्जनकहहि॥अतिनीचहुसनप्रीति॥
करियजानिनिजपरमहित॥१४८॥ पाटकीटतेहोइ॥तेहितेंपाटांबर
रुचिर॥कृमिपालैसबकोई॥परमअपावनप्राणसम॥१४९॥ ॥
चौपाई॥ ॥स्वारथसत्यजीवकहुंएका॥मनबचक्रमनरामपदनेहा
॥सोइपावनसोइसुभगशरीरा॥जोतनुपाइयभजियरघुवीरा॥राम
बिमुखलहिबिधिसमदेही॥कबिकोबिदनप्रशंसहिंतेही॥रामभक्ति
एहितनूउरजामी॥तातेमोहिपरमप्रियस्वामी॥तजौंनतनुनिज इ
च्छामरणा॥तनुबिनुभेदभजननहिबरणा॥प्रथममोहमोहिबहु
तबिगोवा॥रामबिमुखसुखकबहुनसोवा॥नानाजन्मकर्मपुनिना
ना॥किएयोजगतपमखदाना॥कवनयोनिजन्मेउंजहनाहीं॥मैंख
गेशभ्रमिभ्रमिजगमाहीं॥देखेउंसबकर्मकरिगोसांई॥सुखीन
भयेउंअबहिंकीनाई॥सुधिमोहिनाथजन्मबहुकेरी॥शिवप्रसादम
तिमोहनघेरी॥ ॥दोहा॥ ॥प्रथमजन्मकेचरितअब॥कहौंसु
नुहुंबिहगेश॥सुनिप्रभुपदरतिउपजै॥जातेंमिटैकलेश॥१५०॥पू
र्वकल्पप्रभुएकजुग॥कलियुगमलकरमूल॥नरअरुनारिअधर्मरत
सकलनिगमप्रतिकूल॥१५१॥ ॥चौपाई॥ ॥तेहिकलियुग
कोशलपुरजाई॥जनमतभएउंशूद्रतनुपाई॥शिवसेवकमनक्रम-
अरुबानी॥आनदेवनिंदकअभिमानी॥धनमदमत्तपरमबाचाला
॥उग्रबुद्धिउरदंभविशाला॥यदपिरहेउंरघुपतिरजधानी॥तदपि
नकछुमहिमातबजानी॥अबजानामैंअवधप्रभावा॥निगमागम

गमपुराणअसगावा॥कवनेहुजन्मअवधवसहोई॥रामपरायण सोपरिहोई॥अबधमभावजानजबप्राणी॥जबउरबसहिंरामधनु पाणी॥सोकलिकालकठिनउरगारी॥पापपरायणसबनरनारी॥

॥दोहा॥ ॥कलिमलग्रसेउधर्मसब॥लुप्तभएसद्ग्रंथ॥दंभिन निजमतकल्पकरि॥कीन्हप्रकटबहुग्रंथ॥१५२॥भएलोगसबमोहबश॥लोभग्रसेउशुभकर्म॥सुनुहरियानज्ञाननिधि॥कहौंकछुककलि धर्म॥१५३॥ ॥चौपाई॥ ॥वर्णधर्मनहिंआश्रमचारी॥श्रुतिबिरोधरतसबनरनारी॥द्विजश्रुतिबंचकभूपप्रजाशन॥कोउन मानुनिगमअनुशासन॥मारगसोइजाकहंजोभावा॥पंडितसोइ-जोगालबजावा॥मिथ्यारंभदंभरतजोई॥ताकहंसतकेहैंसबकोई॥सोइसयानजोपरधनहारी॥जोकरुदंभसोवडआचारी॥जो कहकूटमसखरीजाना॥कलियुगसोइगुणवंतबखाना॥निराचारजोश्रुतिपथत्यागी॥कलियुगसोइजानेवैरागी॥जाकेनखअरुजटाबिशाला॥सोइतापसप्रसिद्धकलिकाला॥ ॥दोहा॥ ॥अशुभवेषभूषणधरे॥भक्षाभक्षजोखाहिं॥तेयोगितेसिद्धनर॥पूजितकलियुगमाहीं॥१५४॥ ॥सोरठा॥ ॥जेअपकारीचार॥तिन्हकरगौरवमान्यतु॥मनक्रमबचनलबार॥ते वक्ताकलिकालमहं॥१५५॥ ॥चौपाई॥ ॥नारिबिवशनर सकलगोसांई॥नाचहिंनरमरकटकीनाई॥शूद्रद्विजनउपदेशहिं ज्ञाना॥मेलिजनेऊलेहिकुदाना॥सबनरकामलोभरतक्रोधी॥देवविप्रश्रुतिसंतविरोधी॥गुणमंदिरसुंदरपतित्यागी॥भजहिंनारिपरपुरुषअभागी॥सोभागिनीविभूषणहीना॥बिधवनकेशृंगारनवीना॥गुरुशिषअंधबधिरकेलेखा॥एकनसुनेएकनहिंदेखा॥हरैशिष्यधनशोकनहरई॥सोगुरुघोरनरकमहंपडि-

रई ॥ मातुपिताबालकनबोलावहिं ॥ उदरभरैसोइधर्मशिखाव-
हिं ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ वडेभक्तजेभक्तगुरु ॥ उपदेशहिंसबका
हु ॥ सर्वस्कहमकहंम्अर्पिकय ॥ लेहुजन्मकरलाहु ॥ १५६ ॥ ब्रह्म
ज्ञानरतनारिनर ॥ कहहिंनदुसरीबात ॥ कौडिउलागीलोभवश ॥
करहिंविप्रगुरुघात ॥ १५७ ॥ बादहिंशूद्रद्विजनसह ॥ हमतुमतें
कछुघाटि ॥ जानैब्रह्मसोविप्रवर ॥ आंखिदीखावहिंडाटि ॥ १५८
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ परत्रियलंपटकपटसयाने ॥ मोहद्रोहमम
तालपटाने ॥ तेहिअभेदवादीज्ञानिनर ॥ देखामैंचरित्रकलियुग
कर ॥ आपुगयेअरुआनहिघालहिं ॥ जोकोइश्रुतिमारगप्रतिपाल
हिं ॥ कल्पकल्पभरिएकएकनर्का ॥ पारहिंजेदूषहिंश्रुतिकरितर्का ॥
जेवर्णाधमतेलिकुमारा ॥ स्वपचकिरातकोलकरबारा ॥ नारिमुइ
गृहसंपतिनाशी ॥ मुंडमुंडाईभएसन्यासी ॥ तेविप्रनसोआपुपुजा
वहिं ॥ उभैलोकनिजहाथनसावहिं ॥ विप्रनिरक्षरलोलुपकामी ॥ निरा
चारशठवृषलीस्वामी ॥ शूद्रकरहिंजपव्रतनाना ॥ बैठिबरासनक
हहिंपुराना ॥ सबनरकल्पितकरहिंआचारा ॥ जाइनबरणिअनी
तिअपारा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ भएबर्णसंकरकलिहिं ॥ भिन्नसे
तुसबलोग ॥ करहिंपापपावहिंदुखहिं ॥ भयरुजशोकवियोग ॥
१५९ ॥ श्रुतिसंमतहरिभक्तपथ ॥ संयुतिबिरतिबिबेक ॥ तेहिनच
लहिनरमोहबश ॥ कल्पहिंपंथअनेक ॥ १६० ॥ ॥ छंद ॥ ॥ ब
हुदामसंवारहिधामजती ॥ विषयाहरिलीन्हीनहिंबिरती ॥ तपसी
धनवंतदरिद्रगृही ॥ कलिकौतुकतातनजातकही ॥ ४३ ॥ कुलवंति
निकारहिंनारिसती ॥ गृहआनहिचेरिनिबेरिमती ॥ सुतमानहिंमा
तुपितातबलों ॥ अबलाननदीखनहिंजबलों ॥ ४४ ॥ ससुरारिपि-
यारिलगीजबतें ॥ रिपुरूपकुटुंबभयेतबतें ॥ नृपपापपरायणधर्मनहीं ॥

करुदंडविडंबप्रजानितही ॥४५॥धनवंतकुलीनमलीनअपि॥
द्विजचिन्हजनेउउधारतपी ॥नहिमानपुराणवेदहिसो॥हरिसेवक
संतसहीकलिसो ॥४६॥कलिहंदउदारध्वंनिनसुनी ॥गुणदूषण
बातनकोपिगुणी ॥कलिबारहिंबारदुकालपरैं ॥बिनुअन्नदुखीसब
लोगमरैं ॥४७॥ ॥दोहा॥ ॥शृणुखगेशकलिकपटहठ॥दंभद्वे
षपाखंड॥कामक्रोधलोभमद॥व्यापिरहेउब्रह्मंड ॥१६१॥ तामस
धर्मकरहिंनर ॥जपतपमखव्रतदान ॥देवनबरषैधरणिपर॥बोयें
नजामहिंधान॥१६२॥ ॥तोटकछंद॥ ॥अबलाकचभूषणभूरि
क्षुधा॥धनहीनुममताबहुधा॥सुखचाहहिंमूढनधर्मरता ॥मति
थोरिकठोरनकोमलता ॥४८॥नरपीडितरोगनभोगकहीं ॥अभिमा
नविरोधकारणहीं ॥लघुजीवनसंवतपंचदशा ॥ कल्पांतननाशगु
मानअसा ॥१४९॥कलिकालबिहालकियेमनुजा ॥नहिमानतकोअ
नुजातनुजा ॥नहिंतोषविचारनशीतलता ॥सबजातीकुजातिभए
मगता ॥५०॥इरषापरुषाक्षरलोलुपता ॥भरिपूरिरहीसमताविगता
॥सबलोगवियोगविशोकहये ॥बरणाश्रमधर्मअचारगये ॥५१॥दमदा
नदयानहिजानपुनी ॥जडतापरवंचकताविधसुनी ॥तनुपोषकना
रिनरासगरे ॥परनिंदकजोंजगमेंबगरे॥५२॥ ॥दोहा॥ ॥
शृणुव्यालअरिकालकलि ॥मलअवगुणआगार ॥गुणौबहुतक
लियुगकर ॥बिनुप्रयासविस्तार॥१६३॥ कृतयुगत्रेताद्वापरहु॥पू
जामखअरुयोग ॥जोगतिहोइसोकलिहरि ॥नामतेंपावहिंलोग ॥
१६४॥ ॥चौपाई॥ ॥कृतयुगसबयोगीविज्ञानी ॥करिहरि
ध्यानतरहिंभवप्रानी ॥त्रेताविबिधयज्ञनरकरहीं ॥प्रभुहिंसमर्पिक
र्मभवतरहीं॥द्वापरकरिरघुपतिपदपूजा ॥नरभवतरहिंउपायनदू
जा ॥कलिकेवलहरिगुणयुगगाहा ॥गावतनरपावहिंभवथाहा॥

कलियुगयोगयज्ञनहिंज्ञाना ॥एकअधाररामगुणगाना ॥सबभ
रोसतजिभजुरामहि ॥प्रेमनसमेतगावगुणग्रामही ॥सोभवतरुकछु
संशयनाहीं ॥नामप्रतापप्रगटकलिमाहीं ॥ कलिकरएकपुनीतप्रता
पा ॥मानसपुण्यहोइनहिंपापा ॥ ॥दोहा॥ ॥कलियुगसमयु
गआननहि ॥जोनरकरिविश्वास॥गाईरामगुणगणविमल ॥भव
तरुबिनहिंप्रयास ॥१६५॥प्रगटचारिपदधर्मके॥कलिमहंएकप्रधा
न॥येनकेनविधदीन्हेहुं॥दानकरैकल्यान ॥ १६६ ॥ ॥चौपाई ॥
कृतयुगधर्महोहिंसबकेरे ॥हृदयराममायाकेप्रेरे ॥शुद्धसत्वसम
ताबिज्ञाना ॥ कृतप्रभावप्रसन्नमनजाना ॥ सत्यबहुतकछुरजर
तिकर्मा ॥सबबिधशुभत्रेताकरधर्मा ॥बहुरजसत्वस्वल्पकछुता
मस ॥ द्वापरहर्षशोकभयमानस ॥तामसबहुतरजोगुणथोरा॥
कलिप्रभावविरोधचहुंओरा ॥बुधयुगधर्मजानिमनमाही ॥तजिअ
धर्मरतधर्मकराहीं ॥कालधर्मनहिव्यापहिताही ॥रघुपतिचरणप्री
तिअतिजाहीं ॥नटकृतकपटबिटपरवगराया ॥नटसेवकहिनव्यापै
माया ॥ ॥दोहा॥ ॥हरिमायाकृतदोषगुण ॥बिनुहरिभज
ननजाहीं ॥भजियरामसबकामतजि ॥असबिचारिमनमाहि १६७
तेहिकलिकालवर्षबहु ॥वसेउंअवधविहगेज ॥परेउदुकालबिष
तिबश ॥तबमेंगएउबिदेश ॥ १६८ ॥ ॥चौपाई ॥ ॥गएउउजे
निसुनहुउरगारी ॥दीनमलीनदरिद्रदुखारी ॥गएकालकछुसंपति
पाइ ॥तहपुनिकरौंशंभुसेवकाई ॥विप्रएकबेदिकशिवपूजा ॥करै
सदातेहिकाजनदूजा ॥परमसाधुपरमारथबादिक ॥शंभुउमासकहि
हरिनिंदक ॥सेवौंमैंताहीकपटसमेता ॥द्विजदयालअतिनीतिनिके
ता ॥बाहिरनम्रदेखिमोहिसांई ॥विप्रपढावपुत्रकीनाई ॥शंभुमं
त्रमोहिद्विजवरदीन्हा ॥शुभउपदेशाबिबिधबिधकीन्हा ॥जपौंमंत्र

शिवमंदिरजाई ॥ त्हदयदंभअह्मितिअधिकाई ॥ ॥दोहा॥
मैंखलमलसंकुलमति ॥ नीचजातिबशमोह ॥ द्विजह्नरिजनदेखत
जरौ ॥ करौंविष्णुकरद्रोह ॥ १६९ ॥ ॥सोरठा॥ ॥गुरुनित
मोहिप्रबोध ॥ दुखितदेखिआचरणमम ॥ मोहिउपजैअतिक्रोध ॥
दंभहिनीतिकिभावई ॥ १७० ॥ ॥चौपाई॥ ॥एकबारगुरु
लीन्हबुलाई ॥ मोहिनीतिबहुभांतिशिखाई ॥ शिवसेवाकरफलसु
तसोइ ॥ अविरलभक्तिरामपदहोई ॥ रामहिंभजहिंतातशिवधाता
नरपामरकरकेतिकबाता ॥ जासुचरणशिवअजअनुरागी ॥ तासु
द्रोहसुखचहसिअभागी ॥ हरकहहुंहरिसेवकगुरुकहेऊ ॥ सुनि
खगनाथत्हदयममदहेऊ ॥ अधमजातिमैंविद्यापाए ॥ भएउंजथा
अहिदुग्धपिआए ॥ मानीकुटिलकुभाग्यकुजाती ॥ गुरुकरद्रोहक
रौंदिनराती ॥ अतिदयालगुरुस्वल्पनक्रोधा ॥ पुनिपुनिमोहिशि
खावसुबोधा ॥ जेहितेनीचबडाईपावा ॥ सोप्रथमहिंहठिताहिन
शावा ॥ धूमअनलसभवसुणुभाई ॥ तेहिबुझावघनपदवीपाई
॥ रजमगुपरीनिरादररहइ ॥ सबकरपदप्रहारनितसहई ॥ म
रुतउडावप्रथमतेहिभरई ॥ पुनिनृपनयनकीरीटन्हिपरई ॥ सुणु
खगपतिअससमुझिप्रसंगा ॥ बुधनहिकरहिंअधमकरसंगा ॥
कबिकोबिदगावहिंअसनीती ॥ खलसनकलहनभलअतिप्री
ती ॥ उदासीननितरहियगोसांई ॥ खलपरिहरियस्वानकीना
ई ॥ मैंखलत्हदयकपटकुटिलाई ॥ गुरुहितकहेनमोहिसुहाई
॥ ॥दोहा॥ ॥एकबारहरमंदिर ॥ जपतरहेउशिवनाम ॥
गुरुआएउअभिमानते ॥ उठिनहिकीन्हप्रणाम ॥ १७१ ॥ सो
दयालुनहिकहेउकछु ॥ उरनरोषलवलेश ॥ अतिअघगुरुअप
मानता ॥ सहिनहिशकेउंमहेश ॥ १७२ ॥ ॥चौपाई॥ ॥

मंदिरमांझभईनभवानी॥रहतअभागयअधमरहिमानी॥यद्यपि
तबगुरुकीननक्रोधा॥अतिक्रुपालुचितसम्यकबोधा॥तदपिशाप
दैहौंशठतोही॥नीतिबिरोधसोहोइनमोही॥जौंनहिंकरौंदंडखल
तोरा॥भ्रष्टहोइश्रुतिमारगमोरा॥जेशठगुरुसनइर्षाकरहीं॥
रौरवनरककोटियुगपरहीं॥त्रिजकयोनिपुनिधरहिंशरीरा॥अ
युतजन्मभरिपावहिंपीरा॥बैठिरहसिअजगरइवपापी॥होहिस
खलमलमतिब्यापी॥महाविटपकोटरमहंजाई॥रहुअधमा-
धमअधगतिपाई॥ ॥दोहा॥ ॥हाहाःकारकीन्हगु
रु॥दारुणसुनिशिवपाप॥कंपितमोहिबिलोकिअति॥उरउप
जापरिताप॥१७३॥ करिदंडवतिसप्रेमद्विज॥शिवसंमुखक
रजोरि॥बिनयकरतगद्गदगिरा॥समुझिघोरगतिमोरी॥१७४
॥छंद॥ ॥भुजंगप्रयातारुद्राष्टकस्तोत्रम्॥ ॥नमामीश
मीशाननिर्बाणरूपम्॥विभुंव्यापकंब्रह्मदेवस्वरूपम्॥निजं
निर्गुणंनिर्विकल्पंनिरीहम्॥चिदाकाशमाकाशवासंभजेऽहम्
५३॥निराकारमोंकारमूलंतुरीयम्॥गिराज्ञानगोतीतमीशंगिरी
शम्॥करालमहाकालकालंक्रुपालम्॥गुणागारसंसारपारंन
तोहम्॥५४॥तुषाराद्रिसंकाशगौरंगभीरम्॥मनोभूतकोटिप्रभा
श्रीशरीरम्॥स्फुरन्मौलिकल्लोलनीचारुगंगम्॥लसद्भालबालेंदुकंठेभु
जंगम्॥५५॥चलत्कुंडलंभ्रूसुनेत्रंविशालं॥प्रसन्नाननंनीलकंठं
दयालुम्॥मृगाधीशचर्मांबरंमुंडमालम्॥प्रियंशंकरंसर्वनाथंभ
जामि॥५६॥प्रचंडंप्रकृष्टंप्रगल्भंपरेशम्॥अखंडंमजंभा
नुकोटिप्रकाशम्॥त्रिशूलारिनिर्मूलनंशूलपाणिम्॥भजेहंभवा
नीपतिभावगम्यम्॥५७॥कलातीतकल्पांतकल्याणकारिम्॥
सदासज्जनानंददातापुरारिम्॥चिदानंदसंदोहमोहापहारिम्

॥ प्रसिद्धः प्रसिद्धःप्रभोमन्मथारिम् ॥ ५८ ॥ नयावद्रमानाथपादा
रविंदम् ॥ भजंतीहलोकेपरेवानराणाम् ॥ ननावत्सुखंशांतिसं
तापनाशम् ॥ प्रसीदप्रभोसर्वभूताधिवासम् ॥ ५९ ॥ नजानामियो
गंजपंनैवपूजाम् ॥ ननोऽहंसदासर्वदाशंभुतुल्यम् ॥ जराजन्मदुः
खौघतातप्यमानम् ॥ प्रभापाहिआपन्नमामीशशंभो ॥ ६० ॥ ॥
श्लोक ॥ ॥ रुद्राष्टकमिदंप्रोक्तं ॥ विप्रेणहरतुष्टये ॥ येपठंतिन
राभक्त्यातेषांशंभुःप्रसीदतु ॥ ६१ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ सुनिबि
नतिसर्बज्ञशिव ॥ देखिविप्रअनुरागु ॥ पुनिमंदिरनभबाणी ॥
भईद्विजवरबरमांगु ॥ १७५ ॥ जोप्रसन्नप्रभुमोहिपर ॥ नाथदी
नपरनेहु ॥ निजपदभक्तिदेहुपद ॥ पुनिदुसरवरदेहु ॥ १७६ ॥ तब
मायाबशजीवजड ॥ संततफिरैभुलान ॥ तेहिपरक्रोधनकरियप्र
भु ॥ कृपासिंधुभगवान ॥ १७७ ॥ शंकरदीनदयालुअब ॥ एहि



परहोहिकृपालु ॥ शापानुग्रहहोहिंजेमि ॥ नाथथोरहीकालु ॥
१७८ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ एहिकरहोइपरमकल्याण ॥ सोइ

करहुअबकृपानिधाना॥विप्रगिराश्रुनिपरहितसानी॥एमवस्तु
इतिमइनभावनि॥ यदपिकीन्हएहिदारुणपापा॥मैंपुनिदीन्ह
क्रोधकरिशापा॥तदपितुम्हारिसाधुतादेषी॥करिहौंएहिपरकृ
पाबिशेषी॥क्षमाशीलजेपरउपगारी॥तेद्विजप्रियमोहियथाख-
रारि॥ मोरशापद्विजव्यर्थनजाइहि॥जन्मसहस्त्रअवश्यइहपा
इहिं॥जनमततमरनदुसहदुखहोई॥एकहिहस्वल्पनव्यापिहि
सोई॥कवनेहुजन्ममिटिहिनहिज्ञाना॥सुनहिशूद्रममबचनप्रमा
ण॥रघुपतीपुरीजन्मतबभएऊ॥पुनितेममसेवामनदएऊ॥पु
रीप्रभावअनुग्रहमोरे॥ रामभक्तिउपजिहिउरतोरे॥श्रृणुमम-
बचनसत्यअबभाई॥हरितोषणव्रतद्विजसेवकाई॥अबजनि
करिविप्रअपमाना॥जानेसुसंतअनंतसमाना॥ इंद्रकुलिशमम
मशूलविशाला॥ कालदंडहरिचक्रकराला॥जाइनकरिमारा
नहिंमरई॥विप्रद्रोहपावकसोजरई॥असविवेकरारवेउमन
माहीं॥ तुम्हकहंजगदुर्लभकछुनाहीं॥ औरोएकआशिषामो
री॥ अव्याहतगतिहोइहितोरी॥ ॥ दोहा॥ ॥
॥सुनिशिववचनहर्षगुरु॥ एवमस्तुइतिभाषि॥ मोहि
प्रबोधिगएउगुरु॥शंभुचरणउरराषि॥१७९॥प्रेरितकाल
विंध्यागिरि॥जाइभएउंमैंव्याल॥पुनिप्रयासबिनुसोतनु॥त
जेउगएकछुकाल॥१८०॥जौंतनुधरौंतजौंपुनि॥अनायास-
हरियान॥जिमिनूतनपटपहिरई॥नरपरिहरैपुराण॥ ॥
॥१८१॥शिवराखेउश्रुतिनीतिअरु॥मैंनहिंपावाक्लेश॥इ
हिबिधिधरेउबिबिधतनु॥ज्ञाननगयेउनरवगेश॥१८२॥ ॥
चौपाई॥ ॥तिर्य्यकनरदेवजोइतनुधरेउं॥तहंतहंरामभक्ति-
अनुसरेउं॥एकशूलमोहिबिसरुनकाऊ॥ गुरुकरकोमल-

शीलसुभाऊ॥परमदेहद्विजकरमैंपाई॥सुरदुर्लभपुराणश्रुतिगाई॥खेलौंतहांबालकनमीला॥करौंसकलरघुनायकलीला॥प्रौढभयेमोहिपितापढावा॥समुझौंसुनौंगुणौंनहिभावा॥मनतेंसकलवासनाभागी॥केवलरामचरणलवलागी॥कहुखगेशअसकवनअभागी॥खरीसेवसुरधेनुहित्यागी॥प्रेममगनमोहिकछुनसोहाई॥हारेउपितापढाइपढाइ॥भयेउकालवशपितुअरुमाता॥मैंवनगएउंभजनजनत्राता॥जहंजहंविपिनमुनीश्वरपावौं॥आश्रमजाइजाइशिरनावौं॥बुझौंतिनहिंरामगुणगाहा॥कहेंसुनौंहर्षितखगनाहा॥सुनतफिरौंहरिगुणगणवादा॥अव्याहतगतिशंभुप्रसादा॥छूटीत्रिविधईषणागाढी॥एकलालसाउरअतिबाढी॥रामचरणपंकजजबदेखौं॥तबनिजजन्मसुफलकरिलेखौं॥जेहिपूछौंसोमुनिअसकहई॥ईश्वरसर्वभूतमयअहई॥निर्गुणमतनहिमोहिसोहाई॥सगुणब्रह्मरतिउरअधिकाई॥ ॥दोहा॥ ॥ ॥गुरुकेबचनसुरतिकरि॥रामचरणमनलाग॥रघुपतियशगावतफिरौं॥क्षणक्षणनवअनुराग॥ १८३ ॥ मेरुशिखरबटछाया॥मुनिलोमशआसीन॥देखिचरणशिरनायेउं॥बचनकहेउंअतिदीन॥१८४॥सुनिममबचनबिनीतमृदु॥मुनिकृपालुखगराज॥मोहिसादरपूछतभएउ॥द्विजआयेउकेहिकाज॥ ॥१८५॥ ॥तबमैंकहेउंकृपानिधि॥तबसर्बज्ञसुजान॥सगुणब्रह्मआराधना॥मोहिकहहुभगवान॥ ॥१८६॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
तबमुनीशरघुपतिगुणगाथा॥कहेउकछुकसादरखगनाथा॥ब्रह्मज्ञानरतमुनिबिज्ञानी॥मोहिपरमअधिकारीजा-

नी ॥ लगेकरणब्रह्मउपदेशा ॥ अजअद्वैतअगुणहृदयेशा ॥
अकलअनीहअनामनरूपा ॥ अनुभवगम्यअखंडअनूपा
॥ मनगोतीतअमलअविनाशी ॥ निरबिकारनिरबधिसुखरा
राशी ॥ सोतैंतोहिंताहिंनहिंभेदा ॥ बारिबीचिइवगावहिंबे
दा ॥ बिबिधभांतिमोहिमुनिसमुझावा ॥ निर्गुणमतममहृद
यनआवा ॥ पुनिमेंकहेउंनाइपदशीसा ॥ सगुणउपासनकह
हुमुनीशा ॥ रामभक्तिजलममनमीना ॥ किमिबिलगाईमु
नीशप्रवीना ॥ सोइउपदेशकरहुकरिदाया ॥ निजनयनदेखों
रघुराया ॥ भरिलोचनबिलोकिअवधेशा ॥ तबसुनिहोंनिर्गु-
णउपदेशा ॥ पुनिपुनिकहिमुनिकथाअनूपा ॥ खंडिसगुण
मतअगुणनिरूपा ॥ तबमैंनि र्गुणमतकरिदूरी ॥ सगुणनि
रूपोंकरिहठभूरी ॥ उत्तरप्रत्युत्तरमेंकीन्हा ॥ मुनिउरभएउक्रो
धकरचीन्हा ॥ शृणुप्रभुबहुतअवज्ञाकिए ॥ उपजेक्रोधज्ञानिहु
केहिए ॥ अतिसंघर्षणकरैजोकोई ॥ अनलप्रगटचंदनतेहोइ
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ बारबारसकोपिमुनि ॥ करहिनिरूपण
ज्ञान ॥ मैंअपनेंमनबैठितब ॥ करोंबिबिधअनुमान ॥ ॥
१८७ ॥ क्रोधतकिद्वैतबुद्धिबिनु ॥ द्वैतकिबिनुअज्ञान ॥ मा
यावशप्रछन्नजड ॥ जीवकीइशसमान ॥ १८८ ॥ ॥ चौपाई
॥ ॥ कबहुकिदुखसबकरहिततांके ॥ तेहिकिदरिद्रपारससम
णिजाके ॥ कामिपुनिकरहेअकलंका ॥ परद्रोहीकिमिहोइनिः
शंका ॥ बंशाकिरहद्विजअनहितकीन्हे ॥ कर्मकिहोहिस्वरूप
हिचीन्हे ॥ काहुसुमतिहिकिहिखलसंगजामी ॥ शुभगतिपाव
किपरत्रियगामी ॥ राजाकिरहेनितिबिनुजाने ॥ अघकिरहेंह
रिचरितबखाने ॥ भवकिपरहिपरमात्माबिंदक ॥ सुखीकि

होहिकबहुपरिनिंदक ॥ पावनयशकिपुण्यबिनुहोई ॥ बिनु
अघअयशकिपावैकोई ॥ लाभकिकछुहरिभक्तिसमाना ॥ जि
हिगावहिंश्रुतिसंतपुराना ॥ हानिकिजगएहिसमकछुभाई ॥ भ
जियनरामहिनरतनुपाई ॥ अघकिबिनातामसकछुआना ॥ धर्म
किदयासरिसहरिजाना ॥ एहिबिधअमितयुक्तीमनगुणेऊं ॥
मुनिउपदेशनसादरसुनेऊं ॥ पुनिपुनिसगुणपक्षमेंरोषा ॥ तब
मुनिबोलेबचनसकोपा ॥ मूढपरमशिखदेउंनमानेसी ॥ उत्तरप्र
त्युत्तरबहुआनेसी ॥ सत्यबचनबिश्वासनकरही ॥ बायसइवस
बहीसनडरहीं ॥ शठसपक्षतबविषयरसाला ॥ सपदिहोइहि
पक्षीचांडाला ॥ लीनशापमेंशीसचढाई ॥ नहिंकछुभयनदी
नताआई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ तुरितभयेउंमेंकागतब ॥
पुनिमुनिपदशिरनाई ॥ सुमिररामरघुवंशमणि ॥ हर्षित
चलेउउडाई ॥ १८९ ॥ उमाजेरामचरणरत ॥ बिगतकामम
दक्रोध ॥ निजप्रभुमयदेखहिंजगत ॥ कासनकरहिंबिरोध ॥
१९० ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सुणुखगेशनहिंकछुऋषि
दूषण ॥ उरप्रेरकरघुवंशविभूषण ॥ कृपासिंधुमुनिमतिक-
रिभारी ॥ लीन्हीप्रेमपरीक्षामोरी ॥ मनबचकर्ममोहिनिजजा
ना ॥ मुनिमतिपुनिफेरीभगवाना ॥ मुनिममसहनशीलतादे
षी ॥ रामचरणविश्वासविशेषी ॥ अतिविस्मयपुनिपुनिपछिता
ई ॥ सादरमोहिलीन्हबुलाई ॥ ममपरितोषविविधविधकीन्हा
॥ हर्षितराममंत्रतबदीन्हा ॥ बालकरूपरामकरध्याना ॥ कहे
उमोहिमुनिकृपानिधाना ॥ सुंदरसुखदमोहिअतिभावा ॥
सोप्रथमहिमेंतुमहिसुनावा ॥ मुनिमोहिकछुककालतहंहिरा
खा ॥ रामचरितमानसतबभाषा ॥ सादरयहमोहिकथासु

नाई ॥ पुनिबोलेमुनिगिरासुहाई ॥ रामचरितसरगुप्तसुहा
वा ॥ शंभुप्रसादतातमैंपावा ॥ तोहिनिजभक्तरामकरजानी ॥
तातेंमैंसबकहेउंबरवानी ॥ रामभक्तिजिनकेउरनाहीं ॥ कबहुंन
तातकहियनतिनपाहीं ॥ मुनिमोहिविविधभांतिसमुझावा ॥ मैंस
प्रेममुनिपदसिरनावा ॥ निजकरकमलपरसिममशीशा ॥ हर्षित
आशिशदीन्हमुनीशा ॥ रामभक्तिअविरलउरतोरे ॥ बसिहिसदा
प्रसादअबमोरे ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ ॥ सदारामप्रियहो
तुम ॥ शुभगुणभवनअमान ॥ कामरूपइच्छामरण ॥ ज्ञानबिरा
गनिधान ॥ २९१ ॥ जेहिआश्रमतुमवसहिपुनि ॥ सुमिरतश्री
भगवंत ॥ व्यापिहितहंनअविद्या ॥ योजनएकपर्यंत ॥ २९२ ॥
॥ चौपाई ॥ ॥ कालकर्मगुणदोषसुभाऊ ॥ कछुदुखतु
म्हहिनव्यापिहिकाऊ ॥ रामरहस्यललितबिधनाना ॥ गुप्तप्रक
टइतिहासपुराणा ॥ बिनुश्रमतुम्हजानबसबकोई ॥ नितनवने
हरामपदहोऊ ॥ जोइच्छाकरिहहुमनमाही ॥ हरिप्रसादकछु
दुर्लभनाहीं ॥ सुनिमुनिआशिषसुणुमतिधीरा ॥ ब्रह्मगिराभई
गगनगंभीरा ॥ एवमस्तुतवबचमुनिज्ञानी ॥ यहममभक्तकर्म
मनबानी ॥ सुनिनभगिराहर्षमनभएऊ ॥ प्रेममगनसबसंशय
गएऊ ॥ करिबिनतीमुनिआयसुपाई ॥ पदसरोजपुनिपुनिशि
रनाई ॥ हर्षसहितएहिआश्रमआएऊं ॥ प्रभुप्रसाददुर्लभबरपा
एऊं ॥ इहांबसतमोहिसुणुखगईशा ॥ वीतेकल्पसातअरुबी
शा ॥ करौंसदारघुपतिगुणगाना ॥ सादरसुनहिंबिहंगसुजा-
ना ॥ जबजबअवधपुरीरघुबीरा ॥ धरहिभक्तहितमनुजशरी
रा ॥ तबतबजाईरामपुररहऊं ॥ शिशुलीलाबिलोकिसुखलह
ऊं ॥ पुनिउररासिरामशिशुरूपा ॥ निजआश्रमआवौंखग-

भूपा ॥ कथासकलमैंतुह्महिंसुनाई ॥ कागदेहजेहिकारणपा
ई ॥ कहेउंतातसबप्रश्नतुह्मारी ॥ रामभक्तिमहिमाअतिभारी ॥
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ तातेयहतनुमोहिप्रिय ॥ भयेउरामपदने
ह ॥ निजप्रभुदरशनपाएउं ॥ गएउसकलसंदेह ॥ ११३ ॥ भक्तिप
क्षहठकरिरहेऊं ॥ दीन्हमहांऋषिशाप ॥ मुनिदुर्लभवरपाएउ
॥ देखहुभजनप्रताप ॥ ११४ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ जेअसिभ
क्तिजानपरिहरहीं ॥ केवलज्ञानहेतुश्रमकरहीं ॥ तेजडकामधेनु
गृहत्यागी ॥ खोजतआकफिरहिंपयलागी ॥ शृणुखगेशहरिभ
क्तिबिहाई ॥ जेसुखचाहहिंआनउपाई ॥ तेशठमहासिंधुबिनु
तरणी ॥ पैरिपारचाहतजडकरणी ॥ सुनिभुशुंडिकेबचनभवा
नी ॥ बोलेउहर्षगरुडमृदुबानी ॥ तबप्रसादप्रभुममउरमाहीं ॥
संशयशोकमोहभ्रमनाहीं ॥ सुनेउपुनीतरामगुणग्रामा ॥ तु
ह्मरीकृपालहेउबिश्रामा ॥ एकबातप्रभुपूछोंतोही ॥ कहहुबु-
झाइकृपानिधिमोही ॥ कहहिंसंतमुनिबेदपुराना ॥ नहिंकछु
दुर्लभज्ञानसमाना ॥ सोमुनितुह्मसनकहेउगोसांई ॥ नहिंआद
रेउभक्तिकीनाई ॥ ज्ञानहिंभक्तिहिंअंतरकेता ॥ सकलकहहुप्रभु
कृपानिकेता ॥ सुनिउरगारिबचनसुखमाना ॥ सादरबोलेउ
कागसुजाना ॥ ज्ञानहिंभक्तिहिंनहिंकछुभेदा ॥ उभयहरहिंभव
संभवखेदा ॥ नाथमुनीशकहहिंकछुअंतर ॥ सावधानसोसु
नहुविहगवर ॥ ज्ञानविरागयोगविज्ञाना ॥ येसबपुरुषसुनहु
हरियाना ॥ पुरुषप्रतापप्रबलसबभांती ॥ अबलाअबलसहज
जडजाती ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ पुरुषत्यागिशकनारिहिं ॥ जो
बिरक्तमतिधीर ॥ नतुकामींबिबश ॥ विमुखजेपदरघुबीर ॥
११५ ॥ ॥ सोरठा ॥ ॥ सोउमुनिज्ञाननिधाना ॥ मृगनय

नीधिधुमुखनिरखि ॥ बिबशहोहिहरियान ॥ नारिविष्णमाया
प्रगट ॥ १९६ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ ॥ इहांनपक्षपातकछु
राखौं ॥ वेदपुराणसंतमतभाषौं ॥ मोहनारिनारिकेरूपा ॥ प
न्नगारियहरीतिअनूपा ॥ मायाभक्तिसुनहुप्रभुदोऊ ॥ नारिवर्ग
जानैसबकोऊ ॥ पुनिरघुबीरहिंभक्तिपियारी ॥ मायारवलुनर्त-
कीबिचारी ॥ भक्तिहिंसानुकूलरघुराया ॥ तातेंतेहिडरपतिअति
माया ॥ रामभक्तिनिरुपमनिरुपाधी ॥ बसैजासुउरसदाअ
बाधी ॥ तेहिबिलोकिमायासकुचाई ॥ करिनशकैकछुनिजप्र
भुताई ॥ असबिचारिजोमुनिबिज्ञानी ॥ जाचहिंभक्तिसकल
सुखखानी ॥ ॥दोहा॥ ॥ ॥यहरहस्यरघुनाथक
र ॥ बेगिनजाइकोई ॥ जानहितेंरघुपतिकृपा ॥ सपनहुमोह
नहोई ॥ १९७ ॥ औरोज्ञानभक्तिकर ॥ भेदसुनहुपरबीण ॥ जो
सुनिहोहिरामपद ॥ प्रीतिसदाअबक्षीण ॥ १९८ ॥ ॥ चौपाई
॥ ॥ सुनहुतातयहअकथकहानी ॥ समुझतबनैजाइनब
खानी ॥ ईश्वरअंशजीवअविनाशी ॥ चेतनअमलसहजसुख
राशी ॥ सोमायाबशभयेउगोसांई ॥ बंध्योकीरमरकटकीना
ई ॥ जडचेतनहिंग्रंथिपरिगई ॥ यद्यपिमृषाछुटतकठिनाई ॥ त
बतेंजीवभयेउसंसारी ॥ ग्रंथिनछूटनहोइसुखारी ॥ श्रुतिपुरा
णबहुकहेउउपाई ॥ छूटनअधिकअधिकउरुझाई ॥ जीवहृ
दयतममोहविशेषी ॥ ग्रंथिछूटैकिमिपरैनदेषी ॥ असससंयोग
ईशजबकरई ॥ तबहुकदाचितसोनिरुअरई ॥ सात्विकिश्रद्धा
धेनुसुहाई ॥ जोहरिकृपाहृदयबशआई ॥ नबब्रतसंयमनि
यमअपारा ॥ जेश्रुतिकहशुभधर्मअचारा ॥ तेइतृणहरित
चरैजबगाई ॥ भावबत्सशिशुपाइपन्हाई ॥ नोइनिवृत्तिपा

अविश्वासा ॥ निर्मलमनअहीरनिजदासा ॥ परमधर्ममयपय
दुहिभाई ॥ अवटैअनलअकामबनाई ॥ तोषमरुततबक्षमा
जुडावे ॥ धृतिसमजावनदेइजमावै ॥ मुदितामथैबिचारमथा
नी ॥ दमअधाररजुसत्यसुबानी ॥ तबमथिकाढिलेइनवनीता
॥ विमलविरागसुभगसुपुनीता ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ योग
अग्निकरिप्रगटतब ॥ कर्मशुभाशुभलाई ॥ बुद्धिसिराबैज्ञान-
घृत ॥ ममतामलजरिजाई ॥ १९९ ॥ तबबिज्ञाननिरूपिणी ॥
बुद्धिविशदघृतपाइ ॥ चित्तदियाभरिधरैदृढ ॥ समतादिअट
बनाई ॥२००॥ तीनिअवस्थातीनिगुण ॥ तिहिकपासतेकाढि
॥ तूलतुरीयसंवारिपुनि ॥ बातीकरैसुगाढि ॥ ॥ २०१ ॥
॥ ॥ सोरठा ॥ ॥ अहिबिधलेसैदीप ॥ तेजराशि
बिज्ञानमय ॥ जातहिंजासुसमीप ॥ जरहिंमदादिकशलभस
ब ॥ २०२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ सोहमस्मिइतिवृत्ति-
अखंडा ॥ दीपशिखासोइपरमप्रचंडा ॥ आतमअनुभवसुख
स्वप्रकाशा ॥ तबभवमूलभेदभ्रमनाशा ॥ प्रबलअविद्याकरप
रिवारा ॥ मोहआदितममिटैअपारा ॥ तबसोइबुद्धिपाइउजियारा
॥ उरग्रहबैठिग्रंथिनिरुआरा ॥ छोरनग्रंथिपावजबसोई ॥ त
बयहजीवकृतारथहोई ॥ छोरतहेग्रंथिजानिखगराया ॥ बि
घ्नअनेककरहितबमाया ॥ रिद्धिसिद्धिप्रेरैबहुभाई ॥ बुद्धिहि
लोभदेखावहिआई ॥ करबलछलकरिजाइसमीपा ॥ अचल
बातबुझावहिदीपा ॥ होइबुद्धिजोपरमसयानी ॥ तिनतन-
चितवनअनहितजानी ॥ जोतेहिबिघनबुद्धिनहिंबाधी ॥ तो
बहोरिसुरकरहिंउपाधी ॥ इंद्रियद्वारझरोखानाना ॥ तहंतहं
सुरबैठेकरिथाना ॥ आवतदेखहिविषयवयारी ॥ तेहठि

देहिंपादउधारी ॥जबसोप्रभंजनउरगृहजाई ॥ तबाहिंदीप
बिज्ञानबुझाई ॥ ग्रंथिनछूटिमिटासप्रकाशा ॥बुद्धिबिक
लभइविषयबतासा॥ इंद्रियसुरननज्ञानकोसुहाई ॥ विषय
भोगपरप्रीतिसदाई ॥विषयसमीरबुद्धिकृतभोरी ॥ तेहिवि
धदीपकोज्वालबहोरी ॥ ॥ दोहा ॥ ॥तबफिरि
जीवबिबिधबिध ॥ पावैसंसृतिकलेश ॥ हरिमायाअतिदुस्त
र ॥ तरिनजाइबिहगेश ॥ २०३ ॥ कहतकठिनसमुझतक
ठिन ॥ साधनकठिनविवेक ॥ होहिघुणाक्षरन्यायजो ॥ पुनि
पुण्यप्रत्यूहअनेक ॥ २०४ ॥ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ज्ञान
कपंथकृपाणकिधारा ॥परतखगेशनलागैबारा ॥ जोनिर्वि-
घनपंथनिर्बहही ॥ सोकैवल्यपरमपदलहई ॥ अतिदुर्लभकै
वल्यपरमपद ॥ संतपुराणनिगमआगमवद ॥रामभजनसो
इमुक्तिगोसांई ॥अनइच्छितआवैबरिआई ॥ जिमिथलबि
नुजलरहीनसकाई ॥ कोटिभांतिकोउकरैउपाई ॥ तथामो
क्षसुखसुणुखगराई ॥ रहिनशकैइहरिभक्तिबिहाई ॥
असबिचारिहरिभक्तसयाने ॥ मुक्तिनिरादरिभक्तिलोभाने ॥
भक्तिकरतबिनुयतनप्रयासा ॥ संसृतिमूलअविद्यानाशा ॥
भोजनकरियतृप्तिहितलागी ॥जिमिसोअशनपचवैजठ
रागी ॥ असहरिभक्तिसुगमसुखदाई ॥ कोअसमूढजा
हिसुहाई ॥ ॥ ॥दोहा॥ ॥ ॥सेवकसेव्यभाव
बिनु ॥भवनतरियउरगारी ॥भजहुरामपदपंकज ॥असिसि
द्धांतबिचारि ॥ २०५ ॥जोचेतनकहुंजडकरै ॥जडहिकरैचैत
न्य ॥ असससमर्थरघुनायकहिं ॥भजहिंजीवतेधन्य ॥ २०६ ॥
चौपाई ॥ ॥ कहेउज्ञानसिद्धांतबुझाई ॥सुनहुभक्तिमणि

कीप्रभुताई ॥ रामभक्तिचिंतामणिसुंदर ॥ बैसेगरुडजाकेउर
अंतर ॥ परमप्रकाशरूपदिनराती ॥ नहिंकछुचहियदियाघृत
बाती ॥ मोहदरिद्रनिकटनहिंआवा ॥ लोभबातनहिंताहिबु
झावा ॥ प्रबलअविद्यातममिटिजाई ॥ हारहिंसकलशलभस
मुदाई ॥ खलकामादिनिकटनहिंजाही ॥ बसेभक्तिमणिका॰पा॰बिनु
खपावनकोई ॥ व्यापहिमानसरोगनभारी ॥ जेहिकवशसबेजी
वदुखवारी ॥ रामभक्तिमणिउरबसजाके ॥ दुखलवलेशसपनेहुं
ताके ॥ चतुरशिरोमणितेहिजगमाही ॥ जेमणिलागिसुयतन
कराहीं ॥ सोमणियद्यपिप्रगटजगअहई ॥ रामकृपाबिनुन
कोउलहई ॥ सुगमउपायपाइबेकेरे ॥ नरहतभाग्यदेहभटभेरे
॥ पावनपर्वतवेदपुराना ॥ रामकथारुचिराकरनाना ॥ मर्मीस
ज्जनसुमतिकुदारी ॥ ज्ञानबिरागनयनउरगारी ॥ भावसहित-
खोजैजेइप्रानी ॥ पावभक्तिमणिसबसुखखानी ॥ मोरेमनप्रभुअ
सबिश्वासा ॥ रामतेंअधिकरामकेदासा ॥ रामसिंधुघनसज्जन
धीरा ॥ चंदनतरुहरिसंतसमीरा ॥ सबकरफलहरिभक्तिसुहा
ई ॥ सोबिनुसंतनकाहुहिपाई ॥ असबिचारिजोइकरुसतसंगा
॥ रामभक्तितेहिसुलभविहंगा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ ब्रह्मपयो
निधिमंदिर ॥ ज्ञानसंतसुरआहि ॥ कथासुधामथिकाढहिं ॥ भक्ति
मधुरताजाहि ॥ २०७ ॥ बिरतिचर्मअसिज्ञान ॥ लोभमोहरिपुमा
रि ॥ जयपाइयहरिभक्तिसो ॥ देखुखगेशबिचारि ॥ २०८ ॥ ॥
चौपाई ॥ ॥ पुनिसप्रेमबोलेउखगराऊ ॥ जोकृपालमोहिउपर
भाऊ ॥ नाथमोहिनिजसेवकजानी ॥ सप्तप्रश्नममकहहुब
खानी ॥ प्रथमहिकहहुनाथमतिधीरा ॥ सबतेंदुर्लभकव
नशरीरा ॥ बडदुखकवनकवनसुखभारी ॥ सोसंक्षेपहि

कहहुंबिचारी ॥ संतअसंतमर्मतुमजानहु ॥ तिन्हिकरसहजसु
भावबखानहु ॥ कवनपुण्यश्रुतिविदितविशाला ॥ कहहुकवन
अघपरमकराला ॥ मानसरोगकहहुसमुझाई ॥ तातसुनहुसा
दरअतिप्रीती ॥ मैंसंक्षेपकहौं
यहनीती ॥ नरतनुसमनहिंकवनिउदेहीं ॥जीवचराचरजानत
जेहीं ॥ नरकस्वर्गअपवर्गनिशेनी ॥ज्ञानविरागभक्तिसुखदेनी
॥ सोतनुधरिहरिभजहिंनजेनर ॥ होइविषयरतअंधमंदतर
॥ कांचकिरचबदलेशठहीं ॥ करतेंडारिपरममणिदेहीं ॥ नहिंद-
रिद्रसमदुखजगमांही ॥ संतमिलनसमसुखकछुनाहीं ॥ पर
उपकारबचनमनकाया ॥संततसहजसुभावखगराया ॥संत
सहहिंदुखपरहितलागी ॥ परदुखहेतुअसंतअभागी ॥ भूर्ज
तरुसमसंतकृपाला ॥ परहितसहनितबिपतिबिशाला ॥शणइ
वखलपरबंधनकरई ॥ खालकटाइबिपतिसहमरई ॥ खल
बिनुस्वारथपरअपकारी ॥ अहिमूषकइवसुनुउरगारी ॥पर
संपदाविनाशिनशाहीं ॥ जिमिशशिहतहिमउपलबिहाहीं ॥ दु
ष्टउदयजगआरतिहेतू ॥ यथाप्रसिद्धअधमग्रहकेतु ॥ संतउद
यसंततसुखकारी ॥ विश्वसुखीजिमिइंदुतमारी ॥परमधर्म
श्रुतिबिदितअहिंसा ॥ परनिंदासमअघनगरिसा ॥ हरिगुरु
निंदकदादुरहोई ॥जनसहस्रपावतनुसोई ॥ द्विजनिंदकब
हुनरकभोगकरि ॥जगजन्मैंवायसशरीरधरी ॥सुरश्रुतिनिंद
कजेअभिमानी ॥रौरवनरकपरहिंतेप्रानी ॥होइंउलूकसंतनिं
दारत ॥ मोहनिशाप्रियज्ञानभानुगत ॥सबकीनिंदाजेजडक
रहीं ॥ तेचिमगूदूरहोइअवतरहीं ॥ सुनहुतातअवमानसरो
गा ॥जिन्हतेंदुखपावहिंसबलोगा ॥ मोहसकलब्याधिनकर-

मूला ॥ तेहितेंपुनिउपजहिंबहुशूला ॥ कामबातकफलोभअपा
र॥ क्रोधपित्तनितछातीजारा ॥ प्रीतिकरहिजोतीनिउभाई ॥उ
पजैसन्निपातदुखदाई ॥ विषयमनोरथदुर्गमनाना ॥तेसबशूल
नामकोजाना ॥ ममनादादुकंडुईषाई ॥ हर्षविषादगरहबहुता
ई ॥ परदुखदेखिजरनिसोछाई ॥ कुष्टदुष्टतामनकुटिलाइ ॥
अहंकारअतिदुष्टदृढअरुहा ॥ दंभकपटमदमाननहरुआ ॥नृ
ष्णाउदरवृत्तिअतिभारी ॥ त्रिविधईषणातरुणतिजारी ॥युग
बिधज्वरमत्सरअविवेका ॥ कहँलगिंकहोंकुरोगअनेका ॥
॥ दोहा ॥ ॥ ॥एकब्याधिबशनरमरहिं ॥ येअसाध्य
बहुब्याधि ॥ संततपीडहिंजीवकह ॥ सोकिमिलहहिंसमाधि ॥
॥ २०९ ॥ नेमधर्मआचारतप ॥ ज्ञानयज्ञजपदान ॥ भेषजपुनि
कोटिनहनहिं ॥ रुजनजाहिहरियान ॥ २१० ॥ ॥ चौपाई ॥इ
हिबिधिसकलजीवसमरोगी ॥ शोकहर्षभयप्रीतिबियोगी ॥
मानसरोगकछुकमैंगाई ॥ हैसबकेलखिबिरलनपाए ॥ जाने
तेछीजहिंकछुपापी ॥ नाशनपावहिंजनपरितापी ॥ विषयकु
पथ्यपाइअंकुरे ॥ मुनिनहृदयकानरवापुरे ॥ रामकृपानाश
हिंसबरोगा ॥ जोयहिभांतिबनैसंयोगा ॥ सदगुरुबैद्यबचनबि
श्वासा ॥ संयमएहनविषयकरवासा ॥ रघुपतिभक्तिसजीव
नमूरी ॥ अनोपानश्रद्धाअतिभूरी ॥ इहिबिधभलेकुरोगनशाहीं
॥ नाहितयतनकोटिनाहिजाहीं ॥ जानियतबमनबिरुजगोसांई
॥ जबउरबलबिरागअधिकाई ॥ सुमतिक्षुधाबाढैनितनई ॥ वि
षयआशदुर्बलतागई ॥ बिमलज्ञानजलजबसोअन्हाई ॥ तब
रहरामभक्तिउरछाहीं ॥ शिवअजशुकसनकादिकनारद ॥
जेमुनिब्रह्मविचारविशारद ॥ शिवकरमतखगनायकएहा

॥ करियरामपदपंकजनेहा ॥ श्रुतिपुराणसबग्रंथकहाहीं ॥ रघुपतिभक्तिबिनासुखनाहीं ॥ कमठपीठजामहिंतरुबारा ॥ बंध्यासुतबरुकाहुहिंमारा ॥ फूलहिंनभवरुबहुबिधिफूला ॥ जीवनलहसुखहरिप्रतिकूला ॥ तृषाजाइबरुमृगजलपाना ॥ बरुजामहिशशशीपविषाणा ॥ अंधकारबरुरविहिनशावें ॥ रामविमुखसुखजीवनपावें ॥ हिमतेंअनलप्रगटवरुहोइ ॥ रामविमुखसुखपावनकोई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ बारिमथेबरुहोइघृत ॥ सिकतातेंबरुतेल ॥ बिनुहरिभजननभवतरिय ॥ यहसिद्धांतअपेल ॥ २११ ॥ मशकहिकरहिबिरंचिप्रभु ॥ अजहिमशकतेहीन ॥ असबिचारितजिसंशय ॥ रामहिभजहिप्रवीन ॥ २१२ ॥ ॥ ॥ ॥ छंद ॥ ॥ विनिश्चितंवदामिते ॥ नअन्यथावचांसिमे ॥ ॥ हरिनराभजंतिये ॥ सुदुस्तरंतरंतिते ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कहेउनाथहरिचरणअनूपा ॥ ब्याससमाससमतिअनुरूपा ॥ श्रुतिसिद्धांतइहैउरगारी ॥ रामभजियसबकामबिसारी ॥ प्रभुरघुपतितजिसेइयकाही ॥ मोहिसेशठपरमामतिजाई ॥ तुमबिज्ञानरूपनहिंमोहा ॥ किन्हनाथमोपरअतिछोहा ॥ पूछेहुरामकथाअतिपावनि ॥ शुकसनकादिशंभुमनभावनि ॥ संतसंगतिदुर्लभसंसारा ॥ निमिषदंडभरिएकोवारा ॥ देखुगरुडनिजहृदयबिचारी ॥ मेंरघुवीरभजनअधिकारी ॥ शकुनाधमसबभांतिअपावन ॥ प्रभुमोहिकीन्हबिदितजगपावन ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ ॥ आजुधन्यमेंधन्यअति ॥ यद्यपिसबबिधिहीन ॥ निजजनजानिहिरामपमोहि ॥ संतसमागमदीन ॥ ॥ २१३ ॥ नाथयथामतिभाषेऊ ॥ राखेउंकछुनहिंगोइ ॥ चरितसिंधुरघुनाथकर ॥ थाहकिपावेकोई ॥ २१४ ॥ ॥

॥ ॥चौपाई॥ ॥सुमिरिरामकेगुणगणनाना॥पुनिपु
निहर्षेउभुशुंडिसुजाना॥महिमानिगमनेतिकरिगाई॥अतुलि
तबलप्रतापप्रभुताई॥शिवअजपूज्यचरणरघुराई॥मोपरकृ
पापरममृदुलाई॥असस्वभावकहुसुनौंनहिंदेखौं॥केहिखगे
शरघुपतिसमलेखौं॥साधकसिद्धविमुक्तउदासी॥कविकोवि
दकृतज्ञसन्यासी॥योगीश्वरअरुतापसज्ञानी॥धर्मनिरतपंडि
ताविज्ञानी॥तरहिंनबिनुसेयेममस्वामी॥रामनमामिनमामि
नमामी॥शरणगएमोसेअघराशी॥होहिंसिद्धनमामिअवि
नाशी॥ ॥दोहा॥ ॥जासुनाममामिभवभेषज॥हरण-
घोरत्रयशूल॥सोकृपालुमोहितोहिपर॥सदारहहिंअनुकूल
॥२१५॥ ॥सुनिभुशुंडिकेबचनशुभ॥देखिरामपदनेह
॥बोलेप्रेमसहितगिरा॥गरुडबिगतसंदेह॥ २१६॥
॥ ॥चौपाई॥ ॥मैंकृतकृत्यभएउतबबानी॥सुनिर
घुबीरभक्तिरससानी॥रामचरणनूतनरतिभई॥मायाजनि
तबिपतिसबगई॥मोहजनितवोहिततुमभएऊ॥मोकहंनाथ
विविधसुखदएऊ॥मोसनहोइनप्रत्युपकारा॥बंदौंतवपद
बारहिंबारा॥पूरणकामरामअनुरागी॥तुह्मसमतातनको
उबडभागी॥संतबिटपसरितागिरिधरणी॥परहितहेतुसब
नकरकरणी॥संतहृदयनवनीतसमाना॥कहाकविनपैक
हैनजाना॥निजपरितापद्रवैनवनीता॥परदुखद्रवहिंसंतपु
नीता॥जीवनजन्मसुफलमनभएऊ॥तवप्रसादसबसंशय
गएऊ॥जानेहुसदामोहिनिजकिंकर॥पुनिपुनिउमाकहैंवि
हंगवर॥ ॥दोहा॥ ॥तासुचरणशिरनाइकरि॥
प्रेमसहितमतिधीर॥गरुडगएउवैकुंठतब॥हृदयराखि

रघुवीर ॥ २१७ ॥ ॥ गिरिजासंतसमागम ॥ समनलाभक
छुन्मान ॥ बीनुहरिक्रूपासोहोइनहिं ॥ गावहिंबेदपुराण ॥ ॥
२१८ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ कहेउपरमपुनीतइतिहासा ॥ स्रु
नतश्रवणछूटहिंभवपाशा ॥ प्रणतकल्पतरुकरुणापुंजा ॥ उप
जैप्रीतिरामपदकंजा ॥ मनबचकर्मजनितअघजाई ॥ स्रुनेजोकथा
श्रवणस्रुमनलाई ॥ तीर्थाटणसाधनसमुदाई ॥ योगबिरागज्ञान
निपुणाई ॥ नानाकर्मधर्मब्रतदाना ॥ संयमनियमयज्ञजपनाना ॥
भूतदयागुरुद्विजसेवकाई ॥ विद्याविनयविवेकबडाई ॥ जहलगि
साधनबेदबखानी ॥ सबकरफलहरिभक्तिभवानी ॥ सोइरघुना
थभक्तिश्रुतिगाई ॥ रामकृपाकाहूएकपाई ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
मुनिदुर्लभहरिभक्तिनर ॥ पावहिंबिनहिंप्रयास ॥ जोयहकथा
निरंतर ॥ स्रुनहिंमानिविश्वास ॥ २१९ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥
सोइसर्वज्ञगुणीसोइज्ञाता ॥ सोइमहिमंडनपंडितदाता ॥ ध
र्मपरायणसोइकुलत्राता ॥ रामचरणजाकरमनराता ॥ नीति-
निपुणसोइपरमसयाना ॥ श्रुतिसिद्धांतनिकतेहिजाना ॥ सोइ
काबिकोबिदसोइरणधीरा ॥ जोछलछांडिभजेरघुबीरा ॥ धन्य
सोदेसजहांस्रुरसरी ॥ धन्यनारिपतिव्रतअनुसरी ॥ धन्यसोभू
पनीतिजोकरई ॥ धन्यसोद्विजनिजधर्मनटरई ॥ सोधन्यधन्य
प्रथमगतिजाकी ॥ धन्यपुण्यरतमतिसोइपाकी ॥ धन्यघरीसो
इसतसंगा ॥ धन्यजन्मद्विजभक्तअभंगा ॥ ॥ दोहा ॥ ॥
सोकुलधन्यउमाश्रृणु ॥ जगतपूज्यस्रुपुनीत ॥ श्रीरघुबीरपरा
यण ॥ जेहिनरउपजेबिनीत ॥ २२० ॥ ॥ चौपाई ॥
॥ मतिअनुरूपकथामेंभाषी ॥ यद्यपिप्रथमगुप्तकरि-
राषी ॥ तवमनप्रीतिदेखिअधिकाई ॥ तबमैंरघुपतिकथा-

सुनाई ॥ यहनहिकहयशठहिंहठशीलहिं ॥ जोमनलाइनसुनु
हरिलीलहीं ॥ कहीयनलोभिहिंक्रोधिहिकामिहि ॥ जोनभजैस
चराचरस्वामिहिं ॥ द्विजद्रोहिहिंनसुनाइयकबहूं ॥ सुरपतिसरि
सहोइनृपजबहूं ॥ रामकथाकेतेअधिकारी ॥ जिनकेसतसंगति
अतिप्यारी ॥ गुरुपदप्रीतिनीतिरतजोई ॥ द्विजसेवकअधिकारी
सोई ॥ ताकहंयहंविशेषसुखदाई ॥ जाहिप्राणप्रियश्रीरघुराई ॥
॥ ॥ दोहा ॥ ॥ रामचरणरतिजोचहै ॥ अथवापदनिर्वाण ॥
भावसहितसोयहकथा ॥ करैश्रवणपुटपान ॥ ॥ २२१ ॥
॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ रामकथागिरिजामैंबरणी ॥ कलिमल
शमनमनोमलहरणी ॥ संसृतिरोगसजीवनमूरी ॥ रामकथागा
वहिंश्रुतिसूरी ॥ यहमहंरुचिरसप्तसोपाना ॥ रघुपतिभक्तिकरे
पथाना ॥ अतिहरिकृपाजाहिपरहोई ॥ पावदेइयहमारगसोई
॥ मनकामनासिद्धिनरपावै ॥ जोयहकथाकपटतजिगावै ॥ क
हहिसुनहिंअनुमोदनकरहीं ॥ तेगोपदइवभवनिधितरहीं ॥ सु
निसबकथाहृदयअतिभाई ॥ गिरिजाबोलिगिरासुहाई ॥ नाथकृ
पाममहृदयअतिभाई ॥ गिरिजाबोलीगिरासुहाई ॥ नाथकृपा
ममगतसंदेहा ॥ रामचरणउपजेहुनवनेहा ॥ ॥ दोहा ॥
मैंकृतकृत्यभयिउंअब ॥ तवप्र दविश्वेश ॥ उपजीरामभक्ति
दृढ ॥ बीतेसकलकलेश ॥ २२२ ॥ ॥ चौपाई ॥ ॥ यहशुभ
शंभुउमासंवादा ॥ सुखसंपादनशमनविषादा ॥ भवभंजनगं
जनसंदेहा ॥ जनरंजनसज्जनप्रियएहा ॥ रामउपासकजेजगमा
हीं ॥ यहसमप्रियतिनकहुंकछुनाहीं ॥ रघुपतिकृपायथामतिगा
वा ॥ मैंयहपावनचरितसुहावा ॥ एहिकलिकालनसाधनदूजा ॥
योगयज्ञजपतपव्रतपूजा ॥ रामहिसुमिरियगाइयरामहिं ॥ संत

तसुनियरामगुणग्रामहिं ।।जासुपतितपावनवडवाना ।।गाव
हिंकबिश्रुतिसंतपुराणा ।।जाहिंभजियतजिमनकुटिलाई ।।रा
मभजेंगतिकेहिनपाई ।। ।।छंद।। ।।पाइनकेहिगतिपति
तपावनरामभजुश्रृणुशठमना ।।गणिकाअजामिलगृध्रव्या
धगजादिखलतारेघना ।।६३।।आभीरजवनकिरातखलश्व
पचादिअघअतिअघरूपजे ।।कहिनामबारतेकपिपावनहो
तरामनमामिते ।।६४।।रघुवंशभूषणचरितयहनरकहहिंसु
नहिंजेगावहिं ।।कलिमलमनोमलधोइबिनुश्रमरामधामसिध
वहिं ।। ६५ ।। शुभछंदचौपाईमनोहरजानिजोनरउरधरे ।।दा
रुणअबिद्यापंचजनितबिकारश्रीरघुपतिहरे ।।६६ ।।सुंदरसुजा
नकृपानिधान ।।अनाथपरकरूंप्रीतिजोई ।।सोएकरामअका
महितनिर्वाणप्रदसमआनेको ।। ६७ ।।जाकीकृपालवलेशतें
मतिमंदतुलसीदासहू ।।पायोपरमबिश्रामरामसमानप्रभुनाही
कहूं ।।६८।। ।।दोहा।। ।।मोसमदीननदीनहित ।।तुमसमान
रघुवीर ।।असबिचारिरघुवंशमणि ।।हरहुविषमभवभीर ।।२२३
।। कामिहिनारिपियारिजिमि ।।लोभिहिंप्रियजिमिदाम ।। तिमि
रघुनाथनिरंतर ।।प्रियलागहुमोहिराम ।।२२४ ।। ।।श्लोकौ
।।यत्पूर्वंप्रभुणाकृतंसुकविनाश्रीशंभुनादुर्गमं ।।श्रीमद्रामप
दाब्जभक्तिमनिशंप्राप्त्यैतुरामायणम् ।।मत्वातद्रघुनाथनामनि
रतंस्वान्तःस्तमःशांतये ।।भाषाबद्धमिदंचकारतुलसीदासस्तथा
मानसम् ।।१ ।।पुण्यंपापहरंसदाशिवकरंविज्ञानभक्तिप्रदं ।।
मायामोहविलापहंसुविमलंप्रेमांबुपूरंशुभम् ।।श्रीमद्रामचरित्र
मानसमिदंभक्त्याऽवगायंतिये ।।तेसंसारपतंगघोरकिरणैर्द
ह्यंतिनोमानवाः ।। २ ।। ।।इतिश्रीरामचरितमानसेस

कलकलिकलुषविध्वंसनेबिमलवैराग्यसंपादनोनामसप्तमः
सोपानःसमाप्तः ॥७॥ ॥सोरठा॥ ॥सकललोकअभिर
म ॥रामवसहुउरधाममम ॥कामीउरजसंवाम ॥श्यामतामरस
श्यामतर ॥१॥ ॥श्लोक॥ ॥यःपृथ्वीभरवारणायदिविजैःसं
प्रार्थितश्चिन्मयः,संजातःपृथिवीतलेरविकुलेमायामनुष्योव्ययः
॥निश्चक्रहतराक्षसःपुनरगाद्ब्रह्मत्वमाद्यंस्थिरां,कीर्तिंपापहरां
विधायजगतांतंजानकीशंभजे ॥१॥ ॥कविता ॥सखाराम
भिखशेठिबोलिदेशासिंहकाहिदीन्हीयहपुस्तककिसुद्धकराजा
इकै ॥गुरुगणपतिशिवसारदसमीरसुतमहिसुरसंतअरुसज्ज
नसहायकै ॥विनैकरिवारवारनायमाथजोरिहाथदासहोंतुम्हार
याहिलीजियेवनाइकै ॥निजबुधिबलमोहिरहोनाहिंकछुप्रभुकी
नहैआरंभसवैचरणमनाइकै ॥१॥ ॥पूरणकवित्त॥ ॥राम
कोगुलामनामदेसासिंहवयसवंस छत्रिजातिवसोवासअंत्रवेदि
जानिये॥ग्रामनामनगवाहेपंचकोसकानपुरतीनकोसजाजमऊ
सिद्धिनाथमानिये ॥नवकोसब्रह्मावर्त्तवसेवालमीकजहांरामसु
तासियाजुतलोकसबखानिये॥सवकोसवृंदावनसाठिकोसप्राग
राजअसीकोसऔधपुररामसुखदानिये ॥ ॥दोहा॥ ॥
बंबामाईमारकीटके ॥मह्निमेमहाजितजान ॥सखारामभिषसे
ठकी॥तेहिकेपासदुकान ॥१॥ श्रीसीतारामचंद्रार्पणमस्तु
॥ शुभंभवतु ॥ श्रीराम ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ७ ॥

यह पुस्तक मंमइमें नारायण भिकुशेट तथा सखाराम भिकुशेटखा
नू इनोनें आपके छापखानेमें छापके प्रसिद्ध कियाहै · शके१७९९ माहे
असाढमास संवत १९३३ सन् १८७७ ५ ७ ७ ७


विमान.
मारुति.
वान्नर सभा.


गणिका
मृग
व्याध
नारद
गरुड


गृध्र·
ऐरावत·
किरात·

१८७७

श्री

इति

तुलसिदास

कृत

रामायण

उत्तरकांडम्

समाप्तं

सन् १८७७

आवृत्ती २री.